उनामानामिश्वाकिः।

गवन्त्रकेषर्कुष्ठभाठेभानाधाः। शक

শ্রীতারানাথতক্রবাচম্পতিভট্টাচার্যবিরচিতা।

কলিকাতারাজধান্যায্

accommonded bases

ज्ञन्मः क्रुष्ट्यत्

भूषिका

५३३५० मध्यद्द

दिख्डाश्य

শাস্ত্রিধিতি দানের মধ্যে মহাদানই নকল দানের শিরেমাণি, ইছা শাস্ত্রে নির্দিষ্ট আছে। তুলা-দ্যালু, ধার্মিক ও আন্তিক ভন্নাণের দান্ধর্মে প্রতি ছইয়া থাকে। দান্ধর্ম সাত্রিক, রাজসা, তামস উত্ত তিনপ্ৰকার। কৰান্যাণ আপেন আপিন কুচি মনুসারে ঐ তিনপ্ৰার দক্ষিয়ে কোন প্ৰকার मान कविशा थाडुकन । अस्यिविश्टन म. भारड, श्र्वाटमटन अश्वाकाटन अधारकाटन अधिक मानटक माजिक मान পुक्ष ১, ह्रित्रांगर्ज २, जमां ७ ७, कण्मभाम ८, त्यांमह्य ८, हित्रांकामत्य ७, हित्रांग १, हित्रांम-त्य ७, ट्यक्टिव्य ৯, श्कामाक्रम ३०, ४२। ১১. रियोठक ১২. कण्यानारि ५७, मक्षापात् ১৪, तक्षाप-वटम। माष्ट्रिक मृत्यित कम मर्तारभक्त 'छे क्य, हेह। मकन मात्यिहे ज्याधे करि जिल्लि वारिष्ट । त्वसू ५८, मर्ग्ड्उघ ६७, वह त्याडम ध्रकात मानरक मर्गाम वरम।

यनगामकरच् त्याङ्म महामान शनमा कतिया, याउँ छो। विष्यात्त्र बहे नक्त कतियारहम,

এতকেশে অনেক বদান্যণ যোড়শদান মথে তুলাদানই করিয়া থাকেন; কিন্তু পোমাণিক এ সকল-मम्भीपक बाक । स्थमम मिन्छोक्त्रभक्षम निष्धमामहे उद्यक्षमामक, जोक्। याजित्बरक व्यास मिक হয় লা; মৈইরপুণ, চতুরেপদীয় হোম ও স্কুললপ না করিলে মহাদান সিদ্ধ হয় লা। বিশেষতঃ, মুমারে কর্ম করান পজিতগাণের পক্ষে কত দূর অন্যায়, তাহা উহিরাই অপ্পন আপন বুদ্ধিতে দিণ্র দোক্ত স্কুজ জপ করিতে হয়, এরপ দানকে মহাদান বলে। 🗳 এক্ষে মংসপুরাণীয় বচন ভাছার প্রমাণ क्किल डिक्स ड क्रिशट हा डिक्सिश क्षित अधिलाम क्षेत्राट हा पर, महामान अर्गा काटन विनामका कि पिक-ভার চতুর্কিদোক্ত মন্ত্রধারা হোম ও ভত্তেদদোক্ত স্ক্ত জপ করিতে হয়। ঐ ছাই কর্মই মহাদানের স্বরূপ-कोगः कटर्भा नकल खक्ष नद्भीमन ना कत्तिल अधिकाती हे इय नाः "कार्या नर्यमाज्ज्यानधिकाती खुक्रिक", कामा करम् मुकन व्यत्कृत मन्नामनकाती व्यत्विकाती इत्र, महर्षि टे**जक्रि**न এই मीमारमा কৰ্তব্যবিধায়ক পদ্ধতি নাথাকায়, অত্ত্য পঞ্জিগণ আত্মবুদ্ধি অসুসারে এক এক কা**ণ্পেনিক পদ্ধতি** আফ্ডিন্স ও বেদভেদে ভিন ভিন-শী সকল দেবভার কোন ফক্তের উল্লেখ মাত্র লাই; স্তর্াং, ওদ-কঁকন। পাশচাত্তাদেশপ্রচিত দানপারিজাতাদি এত্ত্ত এ সকল মস্তের ও ফ্জের আনাদ্শে মাত্র যাহাতে চতুংকিদোকত মন্ত্রবারা বিনায়কাদি দেবতার হোম করিতে হয় এবং 🗳 দেবতাগণের চতুংক-अञ्चल कतिया योजन करिया थारकम। जुमकम मैजिङ । जुरस्यामक विमायकामि एमवजात जिम जिम করিয়াছেন।

निमिज पाकाय, उदमप्रमायत मसारत्म क्ष्यूर्वनार्हः, त्याह्यू, त्वममञ्जात यक्कांपि ममस्य क्षेत्र मा क्ट्रेट भारत मा। "यरेमा हिन्मे हींज्य मैंस्य जांच यारिययमें कतियाम्", रज्ञामत्मे हिन्मे या में क्ट्रेडिट ह, কিঞ্চ, তুলাদানাদিতে পুজাও হোমা দেবতার ক্রপজান আবশাক, তাহা ব্যতিরেকে ধ্যান ও ছোম कीकिटल, वामार्भ मांज जानियां कर्ष करां इहेट भारत ना।

দেবতা। এই সমুদাগ্রের প্তৈত্তের ধ্যান ও ছাপন মন্ত্রাদি জান্দের জাবশাক্তা, তাহাও এপেশে কোন त्रांम काटल ठाँकाटक पाल कतिरव, हेश त्वरम डे.क आटक । मरुमिन्स प्रदाामि शह ३, डांशामि अधि-দেবতা শিবাদি ৯, প্রত্যধিদেবতা বহিন্প্রত্তি ৯, এই ২৭ এছ দেবতা, বিনাঘক, ছুর্ণা, বায়ু, আকাশ, जिल्लिमोक्रमांत এই भिक्ष त्नाक्रभान; हेस्स खज्जि मन मिक्शांन; जक्षे तस, धरामन कृषः, वापन কটো, আদিতা ও মক্তদাণ এই গণ্দেৰতারা সমুদিত ক্রপে এক এক দেৰতা; এতম্তুতে এক প্রাশেশ্য অদিতা; সপ্ত মকদাণ্, তাদা, অচুতে, ঈশান, স্ধ্য, বনম্পতি; এই পঞ্াশীতি দেৱতা। মতভেদে বস্থ, পদ্ধতিতে লক্ষিত ছয় म।

टेवमिक यञ्ज मकरमत थाय, प्मरङ।, इमः ଓ विनिष्यांभ ना ङानिया क्यां कर्ष क्रिता ভাহা ফলদায়ক হয় লা, এবং কর্ডাপাপগ্রস্ত হয়, এইরূপ শান্ত্রে দিন্দা কীর্ন করিয়াছেন। আফ্লিকভক্ত্রে আতি ভটাচাদ্যত নামা বচন ঘারা ইহা এততিপম করিয়াছেন, যথা, ''আর্ষ, ছন্দক টেদবতাং বিনিয়োগও বৈধৰ চ। বেদিভব্যৎ প্ৰযুত্তন আক্ষণেন বিশেষভঃ। অবিদিত্বাতুষঃ ক্ৰীয়াং ষাজনাধ্যাক্ষ . कम्बिनिविकास याथाउटथान त्मवजाः। त्योजानारः कर्मागार विकः माजानार ठामाट कर्मा।

এडे मकल भाष्टि करू प्राटित, धवारित यात्र ना कित्या कर्ष कित्रल क्येम्ड्रा दश, याज्य ७ याजा भाभ थड

''उम्मास्त एमनडा दनमी' मट्यमट्य ध्यंष्ठ्रडः। मञ्जानीर स्वराज्ञानाम्ब्राचिमधिनेष्ट्रिः। " महि বেদিতব্যা সংলাসা দেবতাং ততো হবিহ্মতে দেবতামবিজায় যো জুহোতি দেবডিসা হবিন জুমত্তী। करतं, जारू। निकल हुग। ८ तमां कुळा मिलिए जिये करिये करें वार्ष्ट, ''जियोत वायमः मर्जात्रः भेतामधाः नामिन्। (हापमस्छळनोमीनि छ भन्दि विकानर छत्वरः । यहम् विषितं एत । इस् অবশাই বাদাণকৈ তানিতে হয়, তাহা না জানিয়া বাজন, অধাপেন, জপ, হোম ও মানাদি যে কিছু কম ८मवछ। मञ्जास्त्रक्षा क्यारामिका क्रिब्धिकः खिछिडारका यो क्यारिति भाष्रवामीनि এडामाविमिक् যোষ্ধীতে হয়ু কাতে জপতি জুহোতি ঘজতে ঘাজগতি বা তস্য বৃদ্ধ নিক্ৰীৰ্থাং ঘাত্যামং ভবভাগান্ত্যাখ-

সংস্কৃতভায়ে শিক্ষায় এতদেশীয় ক্তক্তালি বুলাকের এক প্রকার উৎসাহ জন্মিয়াছে বটে, কিন্ত ঈদ্শ চয় এবং বৈদিক এ মুভিপুরাণাদিবিহিত কর্মের ফল প্রাপ্ত হয় না, এইরূপ শাস্ত্রে অনেক নিন্দা-डिन्झिथे उट मारवड शर्डिका इवामना है, शामहा का उत्तमनी है अही ने भव्डिक कु मकन अवनवन पूर्वक, वह প্রিশাম সহকাবে, এই এত্তে উপরি উক্ত দেবগাণের ঋষ্যাদি সহিত মন্ত্র সক্ত সকল সংগ্হীত হুইল। कोर्छन वार्रष्ट, रिश्यत्र हाय तम मक्त टेक्कुड क्हेन मा।

जिनि मिवरमेय मरमरियांगी हट्या, कामिमवाजात्रिमिनी वमामावां जीया ही तानी खर्मारी मरहामरा वादा गूमाकार्गात माहायार्थ ८०० १ माज होका धामान कताहेवार्ज, आमि अहे धामु मूमिड कत्न-

দিক ভিণিতণত সদস্ঘিবেচক অশেষগুণ্ধাম্ ঐতুত রাজীবলোচন রায় মহাশয়কে এই বিষয় জানাইবাতে,

शर्मक्रियक अछार व ठारन कत्हे उदमां ह ना थाकार्त, और अरमूत अधित विषय आमि आमि आम विमूथ हिलाम।

বিষয়ে প্রয়ত হই।

मृट्होम्टब्र शीठत क्रांट्र , जिनि ७ नारव् कांक्र्मार्थ २०० टोक्। मिरांत अक्षोकांत कत्रिम्हित्सम । किन्ह এতকৈশের জুত্বিগ্রেকমে তিনি, অংশ দিন হ্টল, অকালে কালগ্রাসে পতিত হ্ববুতে, তাহার অদীক্ত ब क्वाज्नांषा क्वेंया जितिन। क्यां अत्मृत्य, वर्ष विषय अत्भव छ। त्यां या निक्र प्राम्य विषय । प्राप्त प्राप्त কিন্তু সকল বিষয় সবিস্তর সিখিত হওয়াতে এন্দ্রে কলেবর ব্লি ছইল, স্তরাথ সম্প্রাপু মুদ্রিত করা

অমুকুদালাভবিষয়ে একবারে হতাশ হইয়া, আপাততঃ এই পুত্তকের প্রম্থমাত্র প্রারিত করিতে ছইল। যদি অন্য কোন খৰ্মীংশাহী বদান্য মহেশাদ্য সাহায্য করেন, তরে দিতীয় খণ্ডও পশ্চাং সুদ্তি করিব

ध्यथम् थरकः मस्यर्भानम् निर्मानश्चरतः, ज्यमरक्षिः, मर्सरङ्ग्यमस्य त्यम्, उन्नङ्गरम् निर्माम् माम् जुनाश्क्यामिषाटम शुंखा भथामीजित्मवजात जाल्यात ७ जावाह्यमत् मञ्जाववर धामनध्राज्ञ, त्वमहज्जत विक्छापेन, भूजा मिवजात होममज्ज उ क्ज, এवर धानाजिनानि मर्ककर्म माधांत्र वार्मानभाठा मुख्नामि, তুলাদানৈ বিশেষ কত্যাদি এবং ঐ সকল বৈদিক মন্ত্রের ও ব্যক্তর ঋষি দেবতা ছন্দঃ প্রভৃতি নির্দিষ্ট

ৰে সকল ৰেদমন্ত্ৰাদি উদ্ধৃত হইল, তাহা যে বেদের যে ছল হইতে উদ্ধৃত হইগ়াছে তাহা চিহু ঘারা স্পাধী-**इड़ेन। अक्टामर्य धार्याण, धार्माम्ड अराग्ना ७ श्वार्षिनाक्ति भरक् निक्यांग शिष्मा कि घड़ेन ४वर**

विजी व थरक जूमामामाणि द्विक अक् म्हामारम अधामगानमाम ड० मम मारम य्य विश्मिष কাৰ্য্য আছে ভাছাই উক্ত হইবে; সৰ্বদান সাধারণ কার্য্য সকল এই থডেই নিরূপিত হইল।

क्षां ३ वस्मत् कान मित्रिया कतिया ठातित्वम अ नानांभाजि घष्ट गत्र, युक्त अ विधानामि महैननपूर्वक क्रिया अवेटवन, जात वमानायटकामग्रता ममीटम ध्यायना এवे घर्म माख्यम्हामांत्र भक्तभाउ थाएक. এই পদ্ধতি পুততক প্ৰস্তুত ক্রিয়াছি; যদি ইহাতে আম বা প্রমাদ লিদিত হয়, কপা ক্রিয়াসংশোধন अविदामात्य , विमस्वहत्म विष्नमान मगोत्य निर्वम्न এहे, जानि এতम्मभीत्र वमानागरनत्र हिडार्थ

বিজ্ঞাপন।

এই পদ্ধতি অনুসারে কর্ম করেন, তাহা হ্লন্থ আমার আম সার্থক হইবেক। りょんへ びばんびい (म)त्र क्ष

জীতারানাথ শব্দণঃ।

No of

आप भी फिल्में

मञ्जामिक् कनारवांनामारीमिक्कानम्खता । जार्षामिक्मर्था नर्भुनंकनमिक्ता ॥ याथामिर श्रूकमञ्जारमन क्रड वाष्ट्रमी त्रवाद। हिङ्गायमा त्रहा ভाषामनीत मूक्त न उद॥ যো মন্ত্রো যত্র প্রিতো যৎস্ত্রুৎ যত্র চ ক্ষিত্য। উদল্ডে চিক্নভেদেন তৎস্থানিৎ বোধয়িয়্যতে॥ প্রমাণং লিধিতং নাত্র মূলতাত্ত্বেমু তৎ স্থিতম্। ইতিকর্ব্যতামাত্রং কর্মসাপেক্ষমুচ্যতে॥ তত্রাদে। সর্কক্ষাক্ষত্রা বিহিত্স্য মণ্ডপ্স্য বিধানপ্রকারন্তাবদ্ভিধীয়তে । বিহিত্তেষু यदेख हिवशे ही छैर आफि आफि जा मिरवम वाका छঃ। धाममावभा कर भूकारम वामार जिमरहा हा ज क्यीकश्कमञ्जादमशोमाञ्जात्मी जिम्मिनिज्ञ। मूलपात्स्म् मर्क्तम् त्वमोक्जानार न जमा इः॥ मालिकोग्न विश्वजिङ्ख এति विल्यमिः। जात्र मत्स्यू मधरभेषु व्यथम् । आक्रमिकमाघरेज-তৎ পূৰ্যস্ক্ৰমন্ত্ৰাদিক্তানায়াবিদুষাৎ ক্তে। ঋষ্যেদাদীন্ সমালোক্য ক্ৰিয়তে তৎসমাস্ত্ৰিঃ॥ তীপ্দিছানেষু সমীফতায়াং ভূমো দীঘ্বিকারয়োদশহজে। দাদশহজো বা কনিষ্ঠঃ চতুদশ र्खः (योष्टेनर्खा वा मधामः ष्योमनामिर्खः त्याको मधने कार्याः कार्याः कार्याः कुनामात्न जु मर्सम इसिंगितिकाणितिवत्त्र मिर्जिङ वस् । माद्रार्भगान्यामात्र ज्यूलः निथार्ज गत्रां চিদানন্দং চিত্তয়িত্বা তুলাদানাদিপদ্ধতিঃ। তন্ত্ৰেত বহুষত্ত্বন জ্ৰীতারানাথশর্মণা

শন্ম। বেদিকোণস্থত্ত্তাশ্চ অন্টহন্তপ্রমাণাঃ অন্টাদশাদিহন্তমণ্ডপে তু মণ্ডপার্ধপ্রমাণাঃ কার্গাঃ। অন্যে তু দাদশু জন্তাঃ সর্বত্র পঞ্চ্তপ্রমাণাঃ। বোড্শানাম্পি তেষাং স্বস্থ পঞ্চমাংশোন ভূম্যতঃপ্রবিষ্টমূলতয়া নিধানং শির্মি চূল্ চ কার্ম। তেষাং চূড়াকু চ দাদশস্থ ভঙ্গ্রেমু দাদশ বলিকা দেয়াঃ। তথা বেদিকোণস্থস্ত ভ্রাভ্যাং চতস্যু দিক্ষু তথিব গ্রন্থনে চতম ইত্ত্যেবং বোড়ন বলিকাঃ স্বস্বধণ্ডপ্রমাণা এব দেয়াঃ। তত্তো বেদিকোণস্থন্ত-उच्चांक मधामथर७ रुखमात्जामुठा ज्यभरक्ष्येकामिडिर्वमिविरम्भां। मरर्त्वमिन थरुभु স্তাদয়সংলগ্ৰাবশেন চতুদোণ্তামীপলেগু বোড্শস্ স্বানেষু বোড্শ জ্ডাজ্প৷ নি- त्वमारिः घथा जनार्ताभरने मर्स् अव थं थं व्यक्तिक क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां कि त्वानि-কোণচতুষ্টয়ে চত্মারঃ বাহ্যপঞ্জিমু চ কোণস্থানেমু দাদশ শুদ্র। ইত্যেবং যোড়শশুন্তানিবে-উভযত একৈকরন্ত্রযুক্তানি বুলিকাখ্যানি দ্বাত্রিংশং কাষ্ঠানি দেয়ানি। যথা চ একৈক্যা অপুীয়াৎ। এবঞ্চ প্রাচ্যাদিয়ু দিক্ষু প্রত্যেকং তিস্ভিন্তিস্তির্বলিকাভিঃ জন্ত্রচতুষ্টয়গ্রন্থনেন <u>বলিকয়া প্রান্তরোঃ স্থিতরন্দু দুয়েন দুয়োদ রোঃ জন্তরোকুপরি চূড়ায়াং যোজনং ভবতি তথা</u> क्षिर्गाखता । ত ত ত তি ত ত তি । বিধেয়।

ন্তুস্য প্রত্যেকং তৎসমস্থ্রস্থবাহ্যপঙ্জিস্থস্তাজ্যভ্যাত্যাং পূর্ববৎ চূড়যোর্বোজনায় দেদে বলিকে তথা দেয়ে যথা নেদিবহিকোণফ্সন্তম্ভ যাহ্যবহিকোণোভরফ্সজ্জেন বাহ্যবহিকোণপশ্চিম-স্তন্ত্রেন চ যোজনং ভরতি। এবম্নোযাম্পি বোধ্যম্। ততো বেদিকোণস্থস্তঐত্তর্বাহ্যকোণস্থ-প্রাচ্যাদিষু দিক্ষু দুয়োদ সৌঃ শুদ্রগোর্দাধ্যে বাহুপঙ্জিক্ষমধ্যমধ্যমধ্যভাগেষু চত্বারি দারাণি জ্ঞানাং যোজনার্থং কণিকারাশ্চতত্রো বলিকাজ্জজ্জুড়াস্ক দেয়াঃ। ততো বেদিকোণস্থ-গুদ্ধানামুপরি শিধরাকারতাসম্পাদিকাশ্চতত্তো বলিকা দেয়া ইত্যেবং যোড়শ বলিকাঃ ষাবৎপ্রমাণেন উভয়োধোজনং শিধ্রতা চ ভবেৎ তাবিষ্মিতাঃ কার্যাঃ। ততো মঞ্পাস্য मर्सदम् मात्रमाक्रथार्डिश कार्याम्। थाण्डिमात्र (क्रीम्) कूएक्। क्राभाग्न (कार्षाम् बरेकक-কাৰ্য্যাণি। তানি চাপ্টেশ মণ্ডপে দিহ্সকরবিস্ত্ তানি মধ্যমে চতুরক্ষুলাধিকদিহ্সবিস্ত্ তানি टबाई व्यक्तिकृमाधिकष्टिक्षिक् जानि চेड्ड्खनीयां जार वाडार खडां जासूनिक्सा পুর্বেজাজবিজারবিশেষযুক্তয়া একৈক্য়া বলিক্য়া প্রত্যেক্ৎ যুঁক্তানি কার্যাণি। স্বস্তাদিকং মিতি বিশেষঃ। ততো নারিকেলদলপল্লবকটবংশাদিভিদ্যিবজ্জৎ সর্বত্রে মণ্ডপমাচ্ছাদয়েৎ।

তানি চাপেশ মণ্ডপে পঞ্চকরোমতানি মধ্যমে ঘট্করোমতানি উত্ত্যে সপ্তকরোমতানি স্বস্থ-अभागिकविक्रामि क्रिग्रानि। मर्तानि চ उद्धद्यमान्त्याः उद्धत्योक्रभिष्या ययानियान्त्र তত্তৎকাঠজাতানি সারদাকতবানি বেতি সম্পুদায়ঃ। শৈব্যাগে তু চতুষু ফলকেষু প্রতীচ্যাৎ প্রক্ষজমুদীচ্যাৎ ন্যগোধজং বলিকোপরি ফলককাস্তৎ দেয়গিতি। তোরণানি চ मुलाक्ष्ठग्रः कीना . त्मग्राः । ८७ ठाटण्य मधरम् नमाष्ट्रनमीया मधारम् व्यक्षाममाष्ट्रनमीया ङ्खरम ज्रामिनीकूनमीर्याः ययञ्जीग्राः भविखाताः कनककाजीग्रकार्छविरभषकाः खण्णामि-क्रियाः। टेवकविषात्त्र ज् जण्णामिरज्यम्न म्मषाम्माज्यम्माक्नुंनमीषाः व्यवज्रोग्नारम-ৰিজানা নিবেশনাৰ্থং যথাক্ৰমন্ধোভাগে দিত্ৰিচতুরজুলপ্ৰশাণকীলকাত্তরেণ সহিতাঃ <u> बटिकक्या दलिक्या ब्रुक्तानि कार्यतानि । जनाम् ६ विरम्पनः थां त्रामम्भथकः यामगात्रामूम्बनकः</u> প্রাচ্যাদির্ প্রাদক্ষিণ্যে শব্দচক্রগদাপ্যার্কতয়ঃ কীলাঃ স্থাপ্যাঃ। ততঃ পঞ্চবণ্বিতানেন <u>বিচিত্রবঠ্ঞঃ সফলকদলীস্তঠ্জঃ কুমুকনারিকেলাদিফলৈবিধিভোইজ্যার্দপণচামরাদিভিশ্চ</u> ধ্যাৎ। ততো মঞ্পাদাহে দারসমূখে হস্তাত্তিরিত্হানে তোরণাথ্যানি বাহ্যদারাণি কুর্গাৎ

দেয়া ৷ ততোমগুপদ্যোশানকোণে হস্তমাত্রদীর্ঘামা বিতস্তিমাত্রোচ্চা ধ্যস্থলে চ্বপ্রয়বতী वर्ग जायदेगमांन्रारं त्यंज्वरमं व्यज्य क्रमाद निर्मिष्ठ। मम्पाद। जज्ञः भूरक्षाज्ञमिक्मान-ধুজ্বণীযুক্তপাঃ স্বটেশী পাতাকা দেয়াঃ। তাশ্চ গোরিকাদিভিলিখিতবত্রাদাস্তযুক্তাঃ সপ্ত-হতদীৰ্ঘা একহত্তবিভারোজিকোণাকারা ব্যুনির্মিতা দ্বিহন্তনিধাত্য্য দশহন্তবংশ্যোপ্রি-দান্ দিহস্তবিভারান্ চতুদোণাকারান্ গৈরিকাদিভিলিধিতস্বস্দিক্পালবাহনান্ পাচান্ मिकटमगारकी शौजामियनीम्, भोजिनिमिजश्रमान् ममग्रेष। यथा व्योठ्गार शौजनत् श्रक দঙং নৈশ্বজাং নীলায়াং থড়াং বারুণ্যাং শেতায়াং পাশং বারব্যাং গুত্রায়ামস্কুশং সৌশ্যায়াৎ শেতায়াং গদাদৈশান্যাং শেতায়াং ত্রিশূলং লিখিত্ব৷ প্রান্তে কিন্ধিণীচাম-মঙপং জুষয়েৎ। ততো দিহ্সনিধাত্স্য দশ্হস্থিতিবংশস্যোপরিস্থিতান্ পঞ্হস্তদী-নীলবর্ণে সিংহং বারুণ্যাৎ শ্বেতবর্ণে মৎস্যং বায়ব্যাং ধূত্রবর্ণে হরিণং সৌম্যায়াং শ্বেত-প্রতাঃ কার্যাঃ। যথা প্রাচ্যাৎ পীতায়াৎ বক্তমায়েয়্যাৎ রক্তায়াৎ শক্তিৎ বাম্যায়াৎ ক্ষঞায়াৎ अमिष्टिष्ट्र यत्यद । नवमी ह भंजांका शूर्त्वमानत्यांभात्या जाहांबाकु अमभीरभ

মণ্ডপাদিপ্রকরণম্

उभिद्या विकार मृत्या विद्याष्ट्रमा आशीनावमा मिलकाटनी मरकीका मर्कारा मर्काराभागमभूर्यक व्यथं कुनाश्विक्षयश्वामानामित्रात्रातिः॥ कुनाश्वक्षयामियश्वामानः जिकीतु रिज्ञातिनारे-न्नवत्न त्रीमर्ग्राभिन्ति भष्मभूभाग भष्मामत्न थाषात्यार्थार्भक्षांभ्रकः क्रनामुर्गितिमहिज চতুদুশমন্ত্রকালাবচ্ছিন্তুসক্তোকপালস্থানাধিকরণাধিবামোন্তরকালাপ্সরোগণাধিস্তিতকল স্থভিলান্যেবাধুনা কুষ্যাৎ॥ কুণ্ডানি স্থভিলানি চমধ্যমবেদ্যাঃ সপাদকরান্তরিতদেশেষু প্রা-ष्ठ यरण्म (श्राम श्रष्टमाञ्जमीर्यविखात्रानि कार्यानि। यज्ञामिर्ज्यमा मूक्तत्रज्ञा ठ्युत्रव्यात्नात्र ধিবাসদিনাৎ পুর্বদিনে কৃতকভকাদিনিয়মঃ প্রদিব্সে প্রতিজ্ञান্তাক্রিয়ঃ প্রাঞ্চদ্ক্ রণৎকনককিছিলীগণমণ্ডি তার্কবর্ণবিমানকরণ্টবকুণ্ঠস্থানগম্মানন্তরকত্পকোটিশ তাৰ্চ্ছিন্নত-<u> अहर</u>्यिषः कार्या॥ उद्धः थान्त्राषिषु किस्मृ विकिक् नात्ये। जेनाष्मात्मकमान्त्रिक्शिक्षिति নব কুণ্ডানি কুৰ্যাৎ। তদশজো চতুৰ্দিক্ষু চত্বারি ঐশান্যামেকমিতি পঞ্চ তত্রাপ্যশজ্জো এক-•ुगिषिषु कांत्रात्र । ज्यानायाँग्रिञ्ज धाष्ट्रदिष्टिङः मभीषकद्राख्रद्राष्ट्रत्य कार्यागिष्टि दित्वकः । जामि কুওমাত্রং কুর্যাৎ॥ কুণ্ডনিশাণস্যাভীব দুক্ষরতয়া স্থানাধিকতারীৎ দোধতাবণাচ্চ কুণ্ডস্থানে मर्काणि कूर्या९ 🔟 . कृष्डिनकड्रनभटक भौज्वन्यमा मिज्वाजूकाज्जिताकृष्मांकेज्ञ विरथ्या ॥

शुक्रयम् शामानिद्रमाणानाख्यर्थः त्रादित्मामार्भाजितिनाग्रकानाः भूक्रमम् इ कतिरम् हेि ह তত্তাদে৷ অদেযত্যাদি সংকণিপততুলাপু্ক্ষমহাদানাকভূতং গণপতিসহিত্যোড়শমাতৃ-**লোকভো**গ্যভোগোভরকালাখিলভূপালমে|লিমাণিক্যমালোপরঞ্জিতচরণপীঠত্তবিশেষিত্_রা-মঃ **জীবিফুপ্রীভিকামে**। বা স্বস্তুলাপুক্রমম্ছাদানেনাছ্থ যক্ষ্যে ইতি সংক**্ষ্য**া চিকীর্ষিভত্তলা-সংকণ্প্য তান্ পৃথক্পৃথক্ যথাবিভবং পুল্যেৎ। ততোহস্ত্রাথহণায় তীন্ বান্ধণান্ গন্ধপুষ্পবস্তাদিভিঃ সৎক্ষত্য ভবদাজ্ঞয়া তুলাপুরুষমহাদানমহৎ প্রতিপাদয়িষেয় ইত্যুক্তে कूष्ट्रवश्यक्तवि (गीति मार्जित्रश्तराक्ष्णामिष्डित्रावाहा क्यांशित्रत। (गीत्री भषा भिष्ठी জ্যাজ্যু প্রতির কালভাদ।পূর্বক্যজ্য হ্অ্যাজিত্রপ্রদীপ্ত প্রতাপানলালেশ্য হীপালবিজয়ক। किशिकनमर्रु कतिराया रोजि मध्कण्या जाक्षज्यूरक्षयू दिवास्य द। जाजादार्श भूजराय । यथा তৈঃ প্রতিপাদ্যেতার্জ্ঞাতো যজমানঃ স্বাণাধিশ্বোগ্যাদিযোড্শমাত্কাপ্ত্রাং কুর্গাৎ। মেধা সাবিত্রী বিজয়া জয়া দেবদেনা স্থধা স্বাহ্য লোকমাতরঃ গ্রতিঃ তুষ্টিঃ পুষ্টিঃ আজুদেবতা কুলদেবতা গণপতিশেচতি পুজ্যাঃ। ততো বস্থধারাং দ্দ্যাৎ॥ ততো নান্দীআদ্ধিং কুর্যাৎ। তৎপ্রয়োগক বিভঃতয়াম লিধিতঃ॥ ততো পুণ্যাহাদি বাচয়েৎ॥ ঘণা গদ্মপুষ্পবস্তা-

স্বিষাত্রমিতি। অথ বিশেষপুণ্যাহ্বাচন্থ নিদিশ্যতে। ঔদীষা নদা নদেগ গিরয়ন্ত্রীণি বিষ্ণ্ नुमानि তেनायुः श्रमात्नन भूनार भूनााइर मीर्यमायुन्छ निया जाभः मञ्ज जक्ताक्शांत्रकेथाञ्ज গন্ধাঃ পান্ত সুমঙ্গলমন্ত তামুলানি পান্ত ঐত্ব্যান্ত দক্ষিণাঃ পান্ত বত্ধনমন্ত যং কত্বাসৰ্ক-চনং বহুপাধিসন্মত্ং ভবভূরেস্তরাতং পুণ্যাহং বাচ্যয়িষ্যে ইতি প্রাধিতে বাদালৈঃ বাচ্য-তামিত্যুজে ত শঃ কর্বোংমিন্ কর্মণি পুণাহং ভবজাে্ধিঅবস্ত ইতি প্রাধিতে বান্ধণাঃ जुनग्रक्षिण जिक्तमग्रः॥ यज्ञमानः अ जामार भूनग्रमङ्घक स्थ्येन्द्रभामनकात्रनम्। त्वमत्र-কোন্তবং নিত্যং তৎপুণ্যাহং সদাস্ত ন ইতি পুনস্থিত্যস্য প্ৰজাপত্যশিসরপত্যশাষ্যোষ্ঠ্যস্প क्क, दम्वयक्रमांक्रंश दम्वर्जाः श्रुशाह्याज्य विनित्यांश कृषि मुत्रा ७ शूनक मा त्मवक्रमाः পুনন্ত মনসা ধিয়ঃ। পুনস্ত বিশাভূতানি জাতবেদঃ পুনীহি মা (য০১৯ অ০৩৯) ইতি চ প-ভৰতে ভাষ্ধিক্ৰমন্ত ইতি প্ৰাধিত ৷ বিপ্ৰাঃ ওঁ পুণ্যাহ্মিতি ত্ৰিৰ্বদেয়ঃ। এবং স্বজি শ্লাদ্ধিং বাচয়েযুঃ॥ তত্রায়ং বিশেষঃ ত্রাক্ষণুস্য একারপূর্বকং ক্ষত্রিয়বৈশ্যয়োশিরোক্ষারং শুদ্রস্থ যজ্ঞাকিয়াকরণক্রারন্ত্রতি শুভাঃ শোভনাঃ প্রক্তিন্ত তম্হমোক্ষারং কৃত্রা ঋণ্যজুঃসামাশীকি-

. ज जै मांगदमा घथा श्राक्षिम् श्रांक्षिम् श्रांक्षिम् । मिल्कि क्रजा। मच्युन्। मख्य । वि मा मिक्षिच् पू জিয়ে ইতি মত্রস্যত্যস্য দেবঋষির্হতী ছন্দঃ সত্রং দেবতা যজমানস্ততো বিনিয়োগ हेि मृष्य ७ मत्रमा स्नितमानम क्यां डिंतरु व्यक्त। मिन् भृषिना व्यशाक्रहा-বিনাশাখ্যা পুণ্যকল্যাণ্যদ্ধিদা। বিনায়কপ্রিয়া নিত্যৎ তাৎ স্বব্জিং প্রক্রবন্তু ন ইতি স্বস্থি ন শুদায চার্যায় চ ক্লায় চারণায় চ। প্রিয়োদেবানাং দক্ষিণালৈ দাতুরিহ ভূয়াসময়ং মে কামঃ সফদ্ধ্যভামুপ মাদ্দো নমজু । (ষণ ২৬ অ০২) ইতি চ পঠেব। ততো যজমানেন এ ষঃ কর্ত্ত-माविमाम मिरान् द्यक्ताि ।। (क म जि ५) इं हि ६ भट्टे । अ येः कर्त्त्वाश्यान् কৰ্মণি স্বন্তি ভবজো>ধিব্ৰুত্বন্ত স্থাতিতে আদাইণঃ ওঁ স্ত্ৰীতি ত্ৰিক্জে ওঁ স্তিধারি-ঠেৎ। ওঁ শঃ কর্ত্তব্যেথমান্ কর্মণি কল্যাণং ভব্তন্তাথ্যিক্তবন্ত ইতি প্রাথিতে বাদ্ধ গৈ ওঁ কল্যা-ণমিতি ত্রিরুজে ভূঁ পৃথিব্যায়ুদ্ধ্ তাযান্ত যৎ কল্যাণং পুরা রুতম্। ঋষিভিঃ সিদ্ধর্ণস্বর্ধৈস্তৎ নে বিনিয়োগ ইতি সূত্য ও ব্যথেমাং বাচং কল্যাণীযাবদানি জনেভ্যঃ। বন্ধারাজন্যাভ্যাং ব্যেথ্যিন্ কৰ্মণি ঋদ্নিং ভবজোণ্ধিকবন্ত ইতি প্ৰাথিতে আদ্মণৈঃ ওঁ ঋদ্যতামিতি ত্ৰিক কল্যাণং সদাস্ত ন ইতি যথেমামিত্যস্য লে\গাক্ষিঋ যিরমুষুপ্ ছন্দে বন্ধা দেবতা কল্যাণবাচ

ৰরণপ্রকরণম্

स्रिक्ड (म। द्रहम्मिक्सिक्ट्र॥ (य॰ २० व ५३) है कि मर्ठित्॥ विष्ठत्र ज्ञामनात्र नियिष्य ॥ ইত্যস্য গৈ)তমঋ্যিধিরাত্ণায়ত্রী চ্ছন্দ বিশ্বে দেবা দেবতাঃ শাত্তিজপে বিনিযোগইতি স্মুখ এ স্বিজ্ঞ ন ইল্রেশ রদ্ধারণঃ স্বাজ্ঞ নঃ প্রা বিশ্বনেদাঃ। স্বাজ্ঞ ন্তান্দেশা অরিঘনেমিঃ

ততেঃ যজমানো শন্ধবস্ত্রতেমস্ত্রকুণ্ডলকটককেয়ুরক্ঠাভরণাদিভিরভ্যজ্যাচাষ্যাদীন্ মৎ-কল্পে,। ভোজনং ভোজনাধারশ্ছত্রোপানৎকমণ্ডলু। আসনং বসনং মুদ্রা কণিভূষো-(য০ ২৩ জ্র০ ৫) ইতি গন্ধাদিদান্ম। ত্রতেনেত্যস্য প্রজাপতিঋ্ষিরক্ত্রপ্ত ছন্দঃ দক্ষিণা मिन्य हिन मुनी उँ बर्जन मीकामार शां मीक्सार शां मिकार मिकार मिका मिका मिना সংক্ৰিপততুলাপুরুষমহাদানক্র্মণি আচার্য্যত্বন ঋষিক্ত্রেন জাপকত্বেন দারপালত্বেন বা উত্তৎকর্মোলোধেন রুণুয়াৎ। বরণদ্রব্যাণি চ দশবিধানি অভাবৈ ত্রিবিধানি। যথোক্তং কুদ্র-প্ৰীতকণ্। এতদশবিধং দেয়ং পদং বরণসিদ্ধয়ে। পদাভাবে এয়ং দৈয়ং পাত্রবস্তা-क्ट्रनोग्नकम् ॥ - घुक्कडीज्जमा मधुष्क्रक्तां साघितीग्रजी ष्ट्रत्का त्वाघना प्रविष्ण गन्नापिकात्न विनि-য়োগ ইতি সুত্রা তুতু যুঞ্জিত ব্রুমকুষং চরন্তং পরিতন্তম্মুয়ঃ। রোচত্তে রোচনা দিবি প্রোতি শ্রদ্ধা সত্যমাপ্যতে ইতি (য০ ১৯ অ০ ৩০) ইতি চ মন্ত্রঃ প্রত্যেকং পঠনীয়ঃ। তৃত

स्राथिमिनासकः जन्मानासक्यः साधिकमञ्जि शूर्वकुण्यामार्षाञ्च रञ्जा वार्षात्र छँ साथिनः ভব षिङ्गाज्य इं ि চ वार्षत्वर। श्र्वजारा गांखिश्वज्ञायमार्थम्थि उपमार्वमित्। वि ঋত্তিক্ত্রং মে মধে ভবেতি সামান্তঃ প্রাথ্যেৎ। তালাণং প্রতিত্তু ছং তালা মে মধে ভবেতুগহিত্বা ও যথা চতুমুখো বশা সর্ববেদবিশারদঃ। তথা ছং মম যজেহ্ িমান্ বশা-বুদ্ধণাৎ ঋত্বিজাঞ্চ ররণে স্বর্যৎ বিশেষঃ। পূর্ব্বদারীয়কুণ্ডে অমিমীড়ে ইত্যস্য মধুচ্ছন্দাঋষি-नीग्रजी हमः वाग्निरक्ष्या सार्यमियामानभूषान विभित्मागर्राङ सृष्या. ७ वाग्निमीए পুরোহিতং যজ্ঞস্ত দেবস্ত্রিজম্। হোতারং রত্নধাতমম্। (ঋ০১ অ০১ অ০১) ইত্যনেন পদাপ্রাক্ষে গায়ত্রঃ সোমদৈৰতঃ। অত্রিগোত্তস্ত বিপ্রেক্ত ঘুষ্ণিরিংম মধে ভবেতি नित्मयछः थार्था अँ छगरम् मर्त्यभाष्ठ मर्त्यभ्भाष्ट्राः रह। रिততে मम् यट्छार्माम् আচাধ্যঃ সর্কর্ষস্ক। তথা ময়া ত্বমাচার্য্যে রতোথসিন্ যজ্ঞকর্মণি। ইতি প্রার্থ্যেৎ। আচাধাৎ প্রতি এঁ আচাধ্যস্ত যথা সূর্গে শক্রাদীনাৎ বৃহস্পতিঃ॥ তথা স্থং মম যজে>মি-यछ्छः स्र्विख्यःः। जात्रक्षाञ्च < अभारमन निर्मित्म। त्य ७ त्विमिष्टः। यथी भक्तमा यागीम শুচিতিগা ভব কুব্রত। তুৎপ্রসাদাক যজ্ঞস্য সম্মং ফলমাপ্রাম্। সংসারভয়ভীতেন ত্বযং

বরণপ্রকরণম্

व्यक्षकांचाहि दीज्यः भुगात्ना ह्यामाज्यः । निर्हाजा मथिन वर्षि (मां०ऽव्य॰ ऽप्र॰ ऽम॰) ইত্যনেন সংপুজ্য রত্ম তঁসামবেদস্ত পিকাক্ষো জাগতঃ শক্তদৈৰতঃ। ভারদাজ্ঞ বিপ্রেন্দ-ভাবঃ প্রজাপতিদেবতা যজুকেদজ্জবিপ্রোপাসনে বিনিয়োগ ইতি সুত্বা ওঁ ইযে পোর্জে ম্বা বায়বস্থ দেবো বঃ সবিতা প্রাপ্যতু শ্রেষ্ঠতম্য়ে কর্মণ আপ্যায়ধ্যস্থা ইন্দায় ভাগং প্র-যঞ্চমানত্ত পশ্ৰ্ পাহি। (য০১অ০১) ইত্যনেন গন্ধাদিভিঃ সংপ্ৰা গ্ৰুগ ওঁকাতরাকো যজু-क्रिमटे<u>अ</u> केंग्र्डा किक्कुटेमवर्डः। काग्रार्थश्र ख्राधिका श्रम्भित्त भाष ज्यापि विराग्य व्यापि शूक्विव मामानाजः वार्षात्र्व। वमावत्रा शूक्वम्ह्ः। जवः काभक्राधितिभीनात्राक ज्या দিনোধ্রণপ্রাথনে।ততঃ পশ্চিম্কুগুহোমার্থং সাম্বেদিন্মেকং ব্রন্ধাণ্মেক্প ঋত্বিজম্ অয়ে ইত্যস্য ভারদাক্বখাবিণীয়ত্রী চ্ছন্দে হিহিদেবতা সাম্বেদিবিপ্রপুজনে বিনিয়োগ ইতি স্মৃত্বা ওঁ বিপ্রেক্ত জাপকস্তুং মধে ভবেতি দারপালে। মধে ভবেত্যহঃ। ু ততো দক্ষিণকুওহোমার্থ-জ্যারতীরনমীবা অয়ক্ষম, মা বস্তেন ঈশত মাঘশংমো প্রুবা অস্মিন্ গোপতে) স্থাত বহ্বীঃ। মেকস্ত্রিজমেকং চ ব্রুদ্ধাণং যজুর্বেদিন্য্ 'ই্ষে ত্বোৰ্জ্জে ইত্যস্ত পরমেষ্ঠী থাষিশ্ছন্দোষ

জাপকে) পুৰ্বদায়দেশে দে) চ দারপালকে) পুৰ্ববৎ বৃণুয়াৎ। তত্র পার্থনামজে অত্রিগোত্রস্ত

阿克萨尼图

अक्कु अभिक्त कु यक्षा शिष्ठि भाषिना मार्गा हार्या ए कि यह विष्मार मञ्जाना हा विष्ण । जह जा विष् ৰ্যয়েৎ। তত্তো জ্বাপকয়োদ্ধ রিপালয়োশ্চ বরণপ্রার্থনে। ইত্যেবং পঞ্বিংশতিবিপ্রাণাং বরণ তত্রাদে। ঋয়েদিনাং মধুপক্বিধিক্চ্যতে। পঞ্বিংশতিকুশানিস্মিতং বিঊরং গৃহীত্বা ও বিউরোবিউরোবিউর্জ প্রতিগৃহ্যতামিতি যজগানেন নোদিতোহ্যাঃ ওঁ বিকরং প্রতিগৃহামীত্যুন্তা অহং ব্যেত্যিয় বাম্দেব্ঋষিরস্কুপ্ ছন্দো লিকোজা দেকতা বিষ্টরোপবেশনে বিনিয়োগ ইতি স্মৃত্যা ওঁ অহং বয় স্কোতানাং বিদ্যুতামিব শ্ৰবন্ত ন (তা০১কা০ ৬ক০ ১) ইত্যানেন সংপ্ৰাগ বৃত্বা ওঁ বৃহল্লোকোই্থব্ববেদোইক্ৰট্ৰ জেন্দ্ৰ रमवजः। देवनाम्भाग्नम विटशक्त ब्रम्बिश् भ मरथ ভবেভি विल्मयजः थार्था श्र्विव था-শ্রোদেবীরিত্যস্ত দধ্যভূঙাধর্মণখ্যিণীয়ত্রী ছন্দঃ অথর্দবেদিবিপ্রো দেবতা অথর্দবেদি षुष्रिष्या मार्थ ভবেতি वित्मवङः आर्थः शुस्ववद आर्थरावता वावर कार्यकराग्निति-প্ৰালয়োশ্চ বরণপ্রার্থনে। তত উত্তরকুণ্ডহোমার্থমথর্কবেদিনমেকং বেন্নাণমেকঞ ঋত্বিজং ণক্রমেণ মধুপর্কেণ স্বস্বশাথোক্তবিধিনা তেঘামূর্বণ্য।

मधूभर्कम्मार्म विमित्याम ट्रिंड मृत्रा ७ (म्वमा घा मविष्ट्धं धमत्वश्रीमार्काण्डार शूरका-হস্তাভ্যাৎ প্রতিগৃহ্গামি (য০ ১ অ০ ২) ইত্যঞ্জিলিশা গৃহীত্বা বামকরে নিধায় পিধানমপনীয় मुमगाद। है जान्मनीय्रमान्मनीय्रमान्मनीय्र अधिमृश्जाम्ब्राज्ना छ जान्मनीय्र अधि-গ্ৰহৎ কাৎস্যপাত্ৰং মহতা কাৎস্যপাত্ৰেণাপিছিতৎ করাভ্যামাদায় ওঁ মধুপৰ্কো মধুপকো गश्नमर्हः अंजिशृहाजामिजि. निरित्तराहर। जक्षांनीजगश्नमं र बन्नानम् र मिन्नग घा চকুমা প্রতীক্ষে ইতি দৃষ্টা দেবস্যেত্যস্য প্রজাপতিঋ্ষিশ্ছন্দোঞ্টাবো লিক্ষোজা দেবতা মধুবাত। ইতি তৃচস্য গোতমঋষিণায়ত্রী চ্ছন্দো বিশে দেব। দেবত। মধুপর্কালোড়নে वाङ्गाशार्वमा ज्याक्र्रिंग ट्यंज्रारकार्गाशार्थाः ममगार। ज्यांपाष्टिंग जमामांश यिनात्री गृङ्गागोठार्यान প्रजुराङ्ग यक्रमानखटेय उपमगाद। ज्यायांखरमकरम्भः गृषीया उँ অস্ততোপজ্জনশুমীতি পীত্মাহন্ন্ৰোদকেন গুদ্ধাৰ্থমাচামেৎ। ততোধুনীয় দ্ধিমধুষ্ত-প্রত্যক্তক্তস্যাঞ্জলাবভিষিঞ্চেৎ। অর্থ্যস্ত তৃষ্টীৎ গৃহীত্বা পাদে প্রক্ষালয়েৎ। এবম্ব্য-

স্থ্যঃ। ইনং সমভিতিষ্ঠামি যোমা কশ্চাভিদাসতি ইত্যনেন উদগগ্ৰে বিষ্ঠরে উপ-

বিলেৎ। ত পাদ্যং পাদ্যং পাদ্যং প্রতিগৃহ্যতামিত্যজ্ব। ত পাদ্যং প্রতিগৃহামীত্যধ্যে।

नैंछार विश्वका शूनडामात्र & जूरउडाखा श्रीक्मभागीं जित्रक्षेत्र्यक्षिण मधूभर्कक-क्रममामाय उपराज्य कृत्मी निषाय उँ विहासका मार्क्समीि अधमर आमारिमा भून-अमिश उ विद्यारका (मार्श्यभीत्यि कि शिष्ठीयः व्याणाष्ठमा शूनदांमात्र उ मित्र (मार्शः भीमगोदेश ছন্দুসা ভক্ষযুদ্ধিতিমন্ত্রেণ প্রতিগাৎ বিফ্জ্য পুন্রাদায় ওঁ ফ্রাস্থা বৈষ্টুভেন ছন্দুসা ভক্ষয়-खिं ि मिक्किनग्रार विश्वका शूनद्रामात्र & व्यामिन्याङ्गा कागटन क्रममा एकप्राखि পশিচমায়াং বিক্ষজাঁ পুনরাদায় এ বিশ্বে ত্বা দেব৷ আনুষ্ঠভেন ছন্দসা ভক্ষয়ত্তিত্ বিরাজ ইতি তৃতীয়ং প্রাশান্তম্য:শোয়মুচ্ছিউভোজিনে দদ্যুৎ। এ অস্তাপিধান कांड्यार मधुभर्कर जिंड व्यामिक्करनामात्नाष्डा ज्यार किकिमामांगुं लँ वमवञ्जा गांग्रत्वन ममीज्ञाष्टमनीरग्नरमामरकम विद्याज्ञायक । जरुका रगीरगीरगीं अञ्जिशृष्ट्याषिकुरक कँ গাংঁ প্রতিগৃয়ামীত্যুক্ত্যু মাতা রুদ্রাণামিত্যস্য ভার্গব্যমদ্বীঋ্ষিস্ত্রিষ্টুপ্ছন্দো গৌর্দ্ধেবতা मङ्ग्यूराकांयरमा भक्षम् भाषिवः त्रज्ञः। मङ्गु मिरोत्रञ्ज मः भिष्ण। भङ्गारमा वनन्नोर्ज्यिषुगा ৰাস্ত ক্ৰ্যিঃ। মাধীণাবো ভবন্ত নঃ। (ষ৹ ১৩ অ০ ২৭, ২৮, ২৯) ইতি তৃচেনাষ্কুণ্ঠানামি-বিনিয়োগইতি মৃত্যু ওঁ মধুবাতা ঋতায়তে মধু ক্ষরতি সিন্ধবঃ। মাধীনঃ সত্ত্রোঘধীঃ। মধু

মস্তস্য নাভিঃ। প্র প্রোচং চিকিতুষে জনায় মা গামনাগামদিতিং বধিষ্ট ইতি মন্ত্রেণ গোকুৎসক্লনে বিনিয়োগ ইতি সুস্থ। ওঁ মাতা কুদাণাং দুহিত। বস্নাং স্বাদিত্যানা কলে) বধনিষেধাৎ তামুৎস্জেৎ ইতি ঋষোদিনাং মধুপকবিষিঃ।

তুয়ক্ত্যা ওঁ মাধ্বমামে ইত্যক্ষ্যেন প্রত্যুক্তঃ ওঁ অক্ষিয়ামামো ভবন্তমিতুয়ক্ত্যা ওঁ অক্ষোতি নিধায় বয়ে হিক্সীত্যস্যাথর্কণঋষিরমূষ্ণ্ ছন্দে। বিষ্যুরা দেবতা বিষ্টুরোপ্রেশনে বিনি-ट्टम अर्जुटकाईक्टाइट । यक्षमानामटनाम उँ विकेटबाविकेटबाविकेइ थिङिगृहाङामिङाहित मिट्ड सङ्मान्छ्यीमकी इट्ख विकेत्र मम्राया जर्कान्य्येषीर विकेत्राम्हिशाम् ग्रापान

ডিকামি যোমা কশ্যাভিদামতীত্যনেন তদুপরি পূর্বাভিমূখ উপবিশেৎ। ততঃ পূর্ববদ-भाजमकाश्ट अ मम्गाद। अकनीग्रखमामाग्र टब्न ब्रान्न विवारकारमार्ग्यमेगिज्य थिका-য়োগইত্যাধাদিকং সুত্র। ওঁ বয়ে হিসি সমানানামুদ্যতামিব সুধ্যঃ। ইমং তম্ভি-ন্যেন ওঁ পাদ্যং পাদ্যং পাদ্যং প্রতিগৃহ্যতামিত্যাবেদিতে যজমানস্তুম্গীং জলপুণিং পাদ্য পতিঋষিষ্ভুষ্টাৎ ছদ্দোষ্ডাবঃ আপো দেবতা পাদপ্ৰকালনে বিনিয়োগইতি

দেবতা আচমনে বিনিয়োগইতি স্মুখ। ওঁ আ। মা গন্যশ্মা সংস্জ বৰ্চসা তং মাং কুরু कुर्छे थे हम्म ज्योरभा त्मेवजा व्यंभागज्यिखरन विनित्यागर्ङ्जि मृज्यं जँ ममूखर वः थाहिरना-मि यार वानिमञ्जिमक्छ । व्यक्तिको ज्याकः वीत्रानामानद्रारमिष्टिमर भग्ने छारननार्यम्जिम-खरावर। उट्डाइत्मान्निमनीयग्रङ्गादादिनिट्डं यङ्गात्मन दुखीर म्ख्याप्मनीयम्ठाः श्रुि गृहा वामहत्छ उৎপावः निषाय जा मा गम्यनारमङामा भत्रमधी स्विष्टे हङी छन्न जारमा প্রিয়য়।ু প্রজানাম্মিপতিং পশ্নামরিটিং তম্নামিত্যনেন দক্ষিণহজেনোদক্যাদায়াচা-क्षिक्रीक्रामार्ग्यार जार्गाप्तरा वर्षणश्त विनित्यागश् मृष् मृष् क्षाप्रक्ष यूग्राधिः मर्कान् कामानवीश्ववानी् छात्नम ज्यामात्र मच्छक्भर्वात्तात्र ममुष्टः वहे छामा।थर्क्वक्षाविष्ठ-खुकीर षिजीयर विकेतमकी इस्ख ष्मार । जका खमाना वस्या ११ यो छि था छ एक न भाम-য়োরধস্থাদুদগত্তং বিষ্ঠরং নিধায় তদুপরি পাদে। স্থাপ্রেং। ততোহ্ন্যেন অর্থএহণায়া उ विद्यारकारमारहाक्षि विद्यारकारमाहमनीय मत्रि भामग्रेत्र विद्यारकारमाहहेउरतम अक्षाल-য়েৎ। তপৈৰ বামপাদং প্ৰকালয়েৎ। ততঃ প্ৰধিৎ বিষ্কুগ্ৰহণায়াবেদিতে যজ্মান-

मश्रुभक्मामात्र यक्षमात्न जुम्बोर म्थिट व्यटकामिकमानङ्खञ्चरमन् छৎभाजमुम्बाो मिख-ভ মিত্রস্থ ত্বা চক্ষুদা প্রতীক্ষে ইত্যনেন বীক্ষ্য দেবস্য ত্বেতি মন্ত্রস্য প্রজাপতিঋষিণায়ত্রী নিদ্দার্কান্তভ্যাৎ প্রফা হন্তাভ্যাৎ প্রতিগৃহ্দাশীত্যনেন প্রতিগৃহ্য সব্যে পাণো নিধায় त्यद। उट्टिश्टिनाम मधुभर्कप्रह्माशांत्वित्टि कार्माभाज्ञ कर्माभाजां खट्डमाभाजां खट्डमाभाजां खट्डमाभिष्टिङ স্যোত্যস্য বৃহত্পতিঋ বিশ্ছন্দেঞ্ভাকঃ স্বিতা দেবতা মুধুপ্কাবেক্ষণে বিনিয়োগইতি স্মুখ্ৰ দক্ষহন্তানামিকাকুকুভ্যাং নমঃ স্যাবেত্যস্য প্ৰজাপতিশ্ল্মিক্ছন্দোহ্ভাবঃ সবিতা দেবতা मधुभकात्माएतम् , विनित्योगेट्जि मृत्रा ७ नमः मग्वामग्वानग्नात्मात्वादिष्टः ठाउ निष्ठु छ।-मधुनोटेककरमण्यः मिक्किन्हरख्यम शृष्टीया भावः जूरमो निधान्न यमधून हेजामा कूथमक्षित्र् भंदम् क्रभमम्राष्ट्रः ट्रिनांक् मधूत्ना मधत्वान भेदाम्बान्नात्रात्कान भेदाम् मधत्या विद्या विद्यारिताक् ছন্দঃ সবিতা দেবতা মধুপৰ্কঅহণে বিনিয়োগইতি স্মৃত্বা 🕹 দেবস্য ত্ৰা সবিতুঃ প্ৰসবেই-गजै हत्मा मधुभरका त्मरजा मधुभक्यानात विनित्यागे हे जि मुचै। ॐ यमधुरना मध्रार मीछारमम थीमिक्ताम मधूमर्कः मक्रमात्नाछा जत्मकारमाः जूरमो क्तिरभे । उत्जी नामीछारमम थाना विधीयः कृषीयः ठ छित्मव थाना त्नायज्यं छाः त्नायः प्राप्ताः

আচম্য মার্জাচমনবিধিনা ইন্দ্রিয়াণি স্পুলেৎ। ততোষ্নেয়ন গোগ্রহণায়াবেদিতে ষ্লমানেন गिवि म्छोग्ना९ कत्नो गेवानखननिरिय्यमार्काखांभात्नाष्य्रक्ष । माष्ट्रजामगोर्वामिक९

রোণইতি সুত্বা ও অহণা পুতাবাসদা ধেলুরভব্দ্যমে। সা্নঃ পয়স্তী ই্হা উত্রাগম- ১০ ইতি মজুৰ্বেদিমধুপ্ৰবিধিঃ। অথ সামগ্ৰানাং মধুপ্ৰবিধিঃ। মজুমানোমওপোভিরদেশে বদ্ধাং গ্ৰামনেন মজেণো-र्गिडिकेट। षार्वान्डामा विमिक्यायिनिवृषत्र्येत् हत्मा (यस्क्वा) (यत्नाक्रम् खात्न विनि-বিকরে) সৃহীত্ম তদ্মহণায়াহণীয়ারাবেদ্য তবৈষ দদ্যাৎ। অধ্যন্ত প্রতিগৃত্বাদীকুল্জে। তয়ে। क्षीयेद। उ माट्डाड्यामि (> भः, ऽभुः, ऽ भैरः) मखात्व यक्माननामर्गात्व मरकीक्र <u> মিতুাজুাহ্ণীয়ঃ প্রত্যাথানাদিন৷ সমানিত্তিঠলেবাসনমুদীক্ষা জপেৎ ইদমহ্মিত্যস্থ</u> विमिष्टभाषिः क्ल्माश्चावः विवाष् मिव्जा आमैत्माभीत्वाता विभित्यागश्चि मृत्या ७ हेम-মম অমুষ্য মজমান্দা চ পাংমা হতঃ ইত্যভিলপ্য ওঁ উৎস্জত ত্ণান্যভূ ইতি পঠেৎ। মহমিমাং পদ্যাং বিরাজমন্নাদ্যায়াধিতিঠামীতি। ততো যজমানঃ পঞ্বিংশতিকুশ্ময়ো

ৰেশ্নে বিনিয়োগইতি সূত্য ওঁ বাত্যধীঃ সোমরাজীবহ্বীঃ শতবিচক্ষণাঃ। তামহ্যমস্মি-ন্নাসনে অচ্ছিদ্রাঃ শর্ম মচ্ছতেতি (য০ ১২ অ০ ৯২) মস্ত্রেণোদগণ্ডমাসনে নিধায় তদুপুষ্ পবিশা मिতीयर विक्रेडर भामत्यांत्रीयानिमेशार ज्वांत्रर मञ्जे या अयथीतिज्ञ यभिके ঋষিরস্মুস্ ছন্দ এমধয়ো দেবতাঃ পদ্যবিক্রবেশনে বিনিয়োগ ইতি স্মৃত্যা ওঁ যা ওমধীঃ সোমরাজীবিজিতাঃ পৃথিবীমন্ত। তামহ্যমন্মিন্ পাদয়োরচ্ছিদাঃ শর্ম যচ্ছতেতি পাঠ্যঃ। ততো যজমানে উদকমানীয় পাদ্যগ্রহণায় নিবেদিভবতি অৰ্চ্যঃ ওঁপ্রতিগ্যামীজুজুো ভ্রা-ত্মচ্ছারীমপশালেব য়তো দেবীরিত্যস্য বসিষ্ঠ্যবিশ্ছন্দোহভাবঃ আপো দেবঁত। পাদ্যোদকা বেক্ষণে বিনিয়োগইতি স্থা ওঁ যতো দেবীঃ প্রতিপশামাপস্ততোমারাদিরাগচ্ছেত্যনেন তদীক্ষেত। অথাৰ্চ্যঃ স্বয়ক্ষে পূৰ্বাং বামং পাদং সব্যং পাদমিত্যস্ত বনিষ্ঠঋষিঃ ভূরিলৈ-কা গায়তী ছন্দঃ সবাপাদোদেবতা সব্যপাদ্রাক্ষালনে বিনিয়োগইতি সুত্বা ওঁ সব্যং পাদ মবনোনজেইসান্ রাপ্টে আিয়ং দথে ইত্যনেন প্রকাল্য দক্ষিণং পাদং দক্ষিণং পাদমিত্যস্ত বসিষ্ঠখাষিশ্ছন্দোইভাবঃ দক্ষিণপাদো দেবতা দক্ষিণপাদপ্রকালনে বিনিয়োগইতি স্মৃত্যা দক্ষিণং পাদমবনেনিজেইমিন্ রাষ্ট্রে জিয়মাবেশ্যানীত্যনেন প্রকাল্য উভো পাদে। পুর্ব-

নোদিতোহ্ধ্যঃ এঁ আচমনীয়ং প্রতিগৃহাদীত্যুক্ত্য তৎ প্রতিগৃহ্য ঘশোহ্দীত্যস্য বসিষ্ঠ बर्ड **उटेम वर्षा**र मुमाद। वर्षाख उम्करम्भर इस्छनामाम भिन्नमि व्यासमाजामा विमिष्ठे রাষ্টিরুসি রাষ্টিংজ ভ্রাসম্ ইতি পঠিত্বা ক্ষিপেৎ। ততঃ কর্তাচমলীয়্মহণাম তথৈব ইতি মুত্বা ওঁ শুর্মমন্যম্পরমন্যমুতে। শাদাববনেনিজে রাষ্ট্রস্থ ঋদ্ধা উভয়স্থাবরুলৈর ইত্য-श्रमिक् विरोग नामु क्य आफ्टिफ्र जा कर्मा कर्मा विभित्मा में मुका के अम्मा ঐ ষশোহমি যশো মযি ধেহীত্যনেনাচামেৎ । ততঃ পুৰ্বব্ কৰ্মা মধুপৰ্ব্যহণায় নোদি-নেন প্রকাল্যের। ততঃ কল্। দ্ধিদূর্কাক্ষতকুস্থমচন্দ্নাদূ্যপেতং শভাদিপাত্রস্থ্যম্ श्रीष्रञ्जिको भोग्नजी छन्म आठमनीग्नः तन्त्रजा जाठमनीग्रजार्तः विनित्तांग र्रोष्ट मुष्रा তোহ্যঃঃ . ওঁ মধুপর্কং প্রতিগৃহাদীতুল্জা, প্রতিগৃহ্য তৎপাত্রমাদায়োদ্বাট্য তদেকদেশং ষশ্যে। ষশোষ্দীত্যস্ত বসিষ্ঠখাষিশ্ছন্দোষ্ডাবঃ মধুপাকে। দেবতা মধুপক্অহণে বিনিয়োগ মন্যমিত্যস্ত ব্সিপ্রম্যমিশ্ছদেশ্ছভাবউভয়পাদেশ দেবতে উভয়পাদ্প্রফালনে বিনিয়োগ দায় ওঁ অধ্যমধ্যমধ্যং প্রতিপৃহ্যতামিতিনোদিতায় ওঁ অধ্যং প্রতিমূহাদীতি প্রত্যক্ত

इंडि मुख् । व यनामा घटनार्मोठारनन शृशीयार । उठः यनमङ्ठामा विषिधायिक्षरनार्

उउः कर्छ। भामगर्षभूमकः गृरीया शुकार थाजि अं भामाः जा रेजि निरवमरावः। शुकाख ত্রিঃ প্রাশ্য চতুর্ধং কুফ্রীং পিবেৎ। শেষমুচ্ছিফ্টভোজিনে দদ্যাই। ততো গোগোগিনি तिहिङ नाशिरङन निर्वाम्ङार भाषामात्र गुक्ष भाषिङामा विषक्षापित्र इङी ছल्मा भीरर्भवङा ट्माक़रम**र्ज्यत विनि**रम्नागर्रेडि मृष्या उम्म गार वक्रनमानामिष्य उ टिन्डिस् कर्ग्युरा চোভয়োक्रৎस्क गांगखु क्नांनि भिवकुमक्षिकारनांनरांवराज्य । ততো शूर्ववर অথাথধাযেদিনাং মগুপকবিধিঃ। যজমানো বহুন্ দৰ্ভানাদায় বিউরান্ কুর্মিতি পুজাং अधि यतमर। श्रृंकाञ्जानामात्र अं भारजन जा कर्माना मर्नहामि इंट्जिक्नांथर प्रथमर भाषग्रधम् ७ मट्डाम् ज्ञा कर्षांना मध्नक्रामीटि विभाषः विडीयमामनार्थम् छ उभमा ष्रा কৰ্মণা সংনহ্যামীতি ত্রিশাখং তৃতীয়ং মধুপকাথিমিতি বিঊরত্রয়ং নিৰ্মায় যজমানহজে ওঁ জাতিক্ট্যা দ্বেষ্ট্যা বোহমান্ দ্বেফি য<্চ বয়ং দ্বিয়োহ্ম্য চ দাতুরিত্যনেন দদ্যাথ। শয়ি ধেহীতি মন্ত্রেণ প্রথমং কনিষ্ঠানুজ্যাত্যাং ততোহ্নামিকাস্থ্যাত্যামাদায় মন্তাহ্তা ভাবঃ মধুপর্কে:দেবতা মধুপর্কপ্রাশনে বিনিয়োগ ইতি স্মৃত্যা ওঁ মশসো ডক্ষ্যোহসি ভািয়ৎ মাত। কুন্তাণাম্ (३প॰, ১পৃ॰, ১পং॰) ইত্যাদিনাতিমন্ত্রোদিতি সামগানাং মধুপক্রিধিঃ।

(मरमान मिक्कार भीषर अक्यांना खँमति कृत्र विमाम धांत्रांनी जि मरखन मवार भीषर ১২ उक्क् के। मख्य उक्के द्वान उम्बिभ खरार । उ हिर्दा प्रविशः अपार भावका यां छ काउः मविजा বন্ধণা বার্ধানায়। জজ্ঞে পুক্তিং বিজ্ঞামন্তাগং য়তং খা নিনিবেম ভূম ইতি মজেণ স্কুষা-পশাতায়তু। ততঃ পূজ্যঃ এঁময়ি বৃদ্ধ চ তপশ্চ ধার্যাণীতি মন্ত্রেণ পাদোাদ কৈক ভোরিতি পুজ্যাযাসন্মাহরতি। পুজ্যগুদাদায় ও বিফ্যরিং পুথিবীমাবদামিকাং ভূমিং षिनीयविकेत्रामत्न उनविना जक्नांथविकेटत भारत्। उँ प्रकेत त्यारमान् विकियः 5 वग्नः वास्त्रीक्षः। यां व्यक्षिः भट्ड मिष्टत स्वर्गान्धाःम व्याभः भर (मग्रामा ज्वन्तु ॐ यामां रामना-मिवि क्रमु जि एक्रेश्या ज्या अर्थितक वर्ष्या उपित्व। या ज्यिष्टि गर्छ मृथित स्वर्गाः निर्वन या চকুষা পশাতাযশিবয়া তলে। যঃ কৃষ্শত স্বচং মে। ওঁ য়তশ্ৰুচ্যতিঃ ফুচয়ো যাং পাৰকা-স্তা ন আপিঃ শং ম্যোনা ভবন্ত । শিবেন মা চকুষা পশ্যতায়শিব্যা ভরোযঃ স্পুশত স্থচং तम। अ मुख्यम् रिष्टा मुक्तिया याः भावकाछा न जाभः भार भागां ध्वछ। निर्वन मा शंकाला . हेरमी भागविनिज्जी खामाने रागमाविन्। जाभेः भागविनीकनी पिष् निक्ड त्य देजि शोषामभ्य खाराजनमां जातमी त्याजा । जर्जा यक्ष्यानः उँ मविके त्रमाजनः

ष्टिमारमा ह माजूति ज मत्जन कानरत्र । उउं कर्त जर्मानाजर्मकर नेकामाज्ञिकर मूथमर् (अकः ममानानाः ज्यामम्। षरभाश्याक्षाक्षाकार्जनाक्रगुजनामा ष्रमाकः वर्दा ভবন্ধ অশাবহো মমাপ্যস্ত কুটো ভূজুবং স্বৰ্জনদোষ্ ইতি মস্ত্ৰেণাভিমন্ত্ৰ্যাত্মাভিমুধং भुस्ति । उ व्यराश (छ। स्ठायाम्याग्राद्यम्या । व्यक्रिक्ष उम्गृस्तिका ७ व्यमानाश्म्यमान

। कुलीयामम्। उनकीयत्थानकीयामः कीयनाष्ट्र कीयामः मर्वमायुकीयामम्। इन्ककीय कुम्होर मीजा ७ टिकाइमास्घमीणात्मन ननारेमानात्न । कर्वारम्नीयमुक्कर गृहीय। उँ ज्याष्ट्रमनीग्नः ज्यां हि नित्वमत्त्रः । ज्यक्तान्यमामात्र उँ जीवा क् कीवार्त्रः पर्कः क्रामीयाम्यानीया जीवामगर् मर्मगायूनीयामम् रेजारमनागरित । उठः कर्ना थायर ज्याद्या मक्रमामस्ख्य स्थान मधुन्कियो ब्यानिक्ये टेखनस्मखास्तर । उ मधुनाजा याजास्य मधुन क्रवृष्डि मिक्कव । मांबीनीत्व ज्वत् नः। उँ मध् नज्मूत्वायत्माः मध्मद भाषित् उज्ञः। माश्वीनंड मत्खायश्वीः । ॐ मश्रमात्ज्ञा दनन्काज्यिशुमा षाञ्च स्र्याः। मश्रु मात्रञ्ज नः पिटजिज्ञ। मधुशकमभश्याज्ञमांथविष्ट्रममुक्षिट्यक्रमाथविक्रमामात्र छ मधुभएक। छि। छिछ निर्वमस्त्र ।

शूनरबिंडरब अर्जाष्मञ्जरबर। उठ केमबोहिज्ञिशान् मधूशर्कम् उँ स्र्यमा या अजीत्क

मके . उ हुरम् यार्थि मधम . उ जरू यार्थ्या हार्थ्य . इ उट यार्श्व नवमम् . ज मिछिर न्यिके ज्नानि भीत्रज् हेजार। स्वावमाष्ट्रभवती हि ज्याः जय वत्र जावत्रः बाह्यि मंभगत्मकामभक्ष थाना ज्यो। वामना थानीयार। भाषमुष्टिकेकुल मचा-थारण वस्विधरकाछाय या नायञ् उँ जुजूनः वक्नरमाय् हेज्रदरम्का व माठामिठाानाः মাহেতি তৃতীয় এ জুনঃ সাহেতি চতুৰ্থ ও দধৎ সাহেতি পঞ্মং ওঁ করন্ সাহেতি हारम् । उठः उँ भोट्डिहि गार निर्विष्टाद । व्यक्ताखामाम अँ जूठममि ज्वममाम् দুহিতা বস্থনাং স্বসা রুদ্রাণাম্যতম্য মাভিঃ। প্র ু বোচং চিকিতুষে জনায় মাগামনাগাম त्क्रन ह मरश्र्य अध्विमिटिकः विभिन्नाता । ७ कुळद मिवज्नाता कुश्मारङ्खि वाथमर् ॐ कुरः ज्यासिनमा यीमहि कुरः यार्श्ड मिजीयर अँ मृश्विता (ता मः वार्गमार यः मामशामामिना डम्ब हेन्यान ज्रामे निषाशकिनिष्यान यमिकामानाजानाभिकशाक ইতি প্রতীক্ষ্য ওঁ অমুতোইমমুতো মুপুমিয়েতং মে চকুরয়ুতং মে শোরমমুতো মে পুমেগ হজাভ্যাং প্রস্তঃ প্রশিষা গৃহুগামীতি গৃহীত্বা ছণ্ডিলে নিধায় ওঁ পৃথিব্যান্তা নাভো शारिकाङ्गुरका त्वरुमीरिकाङ्गुरकोर्यः मर्खर्गेष्ठि । अ तम्बमा का मविकुः अमरवर्षियार्वाक्ष्णाः

म्राम् हेजि जम्मि ज्नमत्यायित्यमानीः भिव क्षमभूमकमाठत्रस्तीजि मट्छन थाजिक्षमानाः का

क्यूक्षक्रक्रक्रकाक्रमाक्रमान्यनिथ्कदेतः। शार्टाह श्रीयदि मिद यर**क्**ष्यिम् मन्निथिर कूक। ज्रूष्ट्रधावी त्रञ्जगं जिंती मागदाष्ट्रा। जिम्मिन् यटळ महारमि विष्यः विष्यः महा ষিকে। ভ্রদীতাস্য প্রকাপতিশবিঃ পঙ্জিম্ছন্দঃ পৃথিবী দেবতা ভূমিপ্রুনে বিনিয়োগ मञ्मखा यक्षमानमा यम 5 भाष्मा रूठ रेिंड यत्मिमिड ज्यक्त्र्विम्नार मधुभक्विष्ठः।

मरश्का खैं कांगीः मानेता वामाः वामाम्धवना गृहाः। धातिकः চ च्या मर्कः क्रार क्वावत ककमम्। टेम्मर्पामिष्ट भाषाट शूरभाषत् अछिगृहाजामिछ आर्थत्त्रद। ॐ जृषि-जु मिमवानामाज माठत्रमशामा । जुराम भूटेब अध्विध्याता (मृक्ति म नमाजू देषि मह्या ভূমিং স্পৃষ্ঠাচার্যো গোরসর্ধপান্ মঞ্পান্তঃ দর্বতো বিকিরেৎ। ওঁ যদত্ত মংস্কিতং ভূতং क्रानगोबिछा मर्वमा। क्रोन् छान्। ष्र उदमर्कः यबक्र छत्र गक्छ्। छ जनकामञ्ज बष्ट श्रियो मुर्ड श्रियो मा हिश्मी (य॰ ১७ ज॰ ১৮) इंडात्म ज्या भागामिडि हों युष्टी छ छ्त्रमि छ्वित्रमामिष्टित्रमि विश्वशाह्य विश्वमा छूवनमा बर्छी। शृथिकीर

8

जिलियोर हरक। दमा दमा दमा जात्राजिश मिन्याम हरक मीहा जर सक्कात्मार म कक्कमा हरका जर বেদমজৈশ্চ রক্ষাৎ কুর্যাৎ। যথা রুণুষ পাজ ইত্যেবাং বামদেব ঋষিজ্ঞিউপ্ছন্দোহয়ি-ৰ্দ্দেবতা রক্ষোহননে বিনিয়োগইতি সূত্য ভি রুণুষ পাজঃ প্রসিত্তিং ন পৃষ্ঠীং যাহি রাজে-क्ककाः। थिकिन्मात्मी दिश्ष जुनिज्ञा जनामीयूर्सित्मां व्यम्भ व्यम्बः। त्या त्मा मूर अष्यंगरमा त्यां जाखारग्न मा कित्ये वाशितामध्यीत । উদ্ধে जिस्ने প्रजाजक्ष्य मामित्रां अप-নীহি শত্রন্ অংথফু৷ তেজসা সাদ্যামি (য০ ১৩ জ০ ৯, ১৩) রক্ষোহণমিত্যস্য বসিস্তখ্যযিক্ষ-त्माथ्डोवः अखिरक्षव्य दक्षाश्मरम् निवित्यागर्हे जियुष्ठ। अ दक्षाश्चर व्याग्रह्मर देवक्षयी-बामर्या हरड्न। कृषीमञ्ज थिमिडिं क्यनात्मारुखिमि विधा त्रक्षमुखिभिदेषुः। उव खमाम আভিমা পত্তায়কুশ ধূষতা শোশুচানঃ। তপুংম্যা জুহ্না পতক্ষানসদিতে। বিফ্জ বিষ-পতিবিধ্যাধ্যমাদাবিষ্কণুষ দৈব্যান্যয়ে। অব ফ্রিরা তন্ত্র হি যাত্ত্রুনাং জাফিমজামিং প্রস্ क्रुंगिन भिन्नोगः मर्तराजा मिन्नम्। मरस्याम्बिरवार्यम् बष्णक्षा ममात्ररण वृष्णि मुखाणारं

मिममर् जर बनागमुरकिंग्रामि मर (म मित्के)। सममार्जा निरुषान । रेममर् जर बनागमुर-किंग्रीम यथ तम ममारामा यम्ममारामा निष्याम । हममङ् छ० तमाग्र्यकिंग्रीम यथ तम मन-

दिकारफ्रजा अस्कोहनत्न विनित्योभट्टि युद्धा ह अस्कोहरणा (वा वनगहनः প्रोक्षामि देव-श्रीम टेवम्बकान्। जत्कां हटनो वार वर्नगक्ना छन्मधामि टेवम्बती। जत्कां हटनो वार वन-हेडाख को दमकामधा भाषी कनडी हत्मा कत्मा तिवडा त्रांमशंत्माधत्म विनित्यागर्राड উৎকত্যাৎ কিরামি (ষণ৫ অ০২৩) ইতি রক্ষোহণো ব ইত্যস্য,বসিষ্ঠশাষিশ্ছদোশাহভাবো क्षवाम्। त्राक्कां हर गारवा वनगे हरना श्वाम १८वक्षवाम्। त्राक्कां हर गरिवा वनगे हर नाथवक् भड्डामी शर्य ग्रहामि देवस्थवी। देवस्थवम्मि देवस्थवाङ्ख् (य॰ ৫ ष्य॰ २६) इंजि अस्मिरिङ्जास्थ সবিতা দেবতা গোমুত্রশোষনে বিনিয়োগইতি স্থ্য গায়ত্রীৎ পঠিত্রা গোমুত্রম্ মানজোকে সুধ্যসবন্ধু নিচধান। ইদমহ্ৎ তৎ বলগমুৎ কিরামি যং মে সজাতো যমসজাতো নিচধান मशुष्क्रकांशायिनीं प्रवी क्रमः त्यारमा (मवका इत्काइनत्न विनित्यां गेट्रिक मुजा छ इत्काश उट्डा मध्यम्भाषमार्थः भक्षन्यामि लाधरत्र गात्रज्ञाविषािव्यायिनात्रज्ञो रूमः বিশ্বচর্ণারতি বোদিশরো হতে। বোণে সথস্থমাসদৎ (ফ ২৬ অ০২) ইতি চ তমন্ত্রাঃ।

मुजा उँमा न त्खारक उनत्र मा न जाय्यि मा त्ना त्योषु मात्ना जत्भयु ही त्रियः। मात्ना वीत्रान्

কুন্ত ভাষিনো ব্যীহবিয়াতঃ সদমিত্তা হ্বামহে। (ষ০ ১৬ অ০ ১৬) ইত্যনেন গোষ্যম্ পয়ঃ

क्षिंगीमामाम्रके त्वत्वक्षमम् । (य॰ ऽ ष ॰ ७) हे जात्मन मृज्य त्वत्य द्वजान थिका ऽ६ लाष्डा मर्वारनाकीकूषा। जारमाहिका हे ि क्रमा मिन्नुषीभंभविगानी ष्टम जारमा জ্যেনাভিষিঞামি। (য০১৮ অ০ ৩৭) ইত্যনেন কুশোদককৈকস্মিন্ পাত্ৰে নিষায় গায়ব্ৰ্যা-कांत्रियर जिल्कांत्रभूमा वाजिने । स्त्रिजि (ना मूथी कत्र प्र गजांपुरि जातियर (य॰ २७ ष० পতিঋষিশছদেশাহভাবঃ সরস্বতী দেবতা কুশজলশোধনে বিনিয়োগইতি স্মৃত্বা ও দেবজ ত্ম। সবিতুঃ প্রসবেংশ্বিনোবিভিত্ত্যাং পুষেষ্ঠা হন্তাত্যায়। সরস্বৈত্যবাচোয়ন্ত্রর্যন্ত্রেণায়েঃ সাত্রা इं ि मुत्र ७ भग्नः शृधिवता भग्न अभिष्म भरम्मिक निरम्भिक भरम्भाषाः भग्न जीः श्रिमि ৩২) ইত্যনেন দুৰ্ণি তেজোহদীত্যস্ত প্ৰজাপত্যশিষরস্থত্যধাষয়শ্চনোখভাবঃ পয়ো দেবতা পৃথিব্যাদিত্যক্ত প্রজাপতিঋ'ঘিবিরাট ত্রিপদা জ্ব্দঃ পয়ো দেবতা পয়ঃশোধনে বিনিয়োগ সন্ত মহাদ্ (দ০১৮ অ০৩৬) ইত্যনেন পায়ঃ দধিকাব্ণ ইত্যস্ত বামদেবাত্মজদ্ধি-ক্ৰাবাঋষিরজ্জুণ্ ছন্দো অধ্যো দেবতা দ্ধিশোধনে বিনিয়োগইতি সুত্বা ওঁ দ্ধিকাৰ্ণোহ-য়তশোধনে বিশিয়োগইতি সৃত্য। ৫ তেজোইসি শুক্ষস্সত্মসি। ধাম সামাসি প্রিয়ৎ एमवंछ। मार्क्कात विनित्मागर्रिङ मृष्या ७ जारमा हिका मत्मा कृष्या न छेटक मध्रोडन

उडडाः अयष्ट्रामि मर्स्त शृङ्ख मिल्डिन्। उन्तरमा वाग्नुंतरकारिना वान् ममा-जरज वाख्युकार क्यार जब मामर्था वाखरवारगोकामिना जमामर्था वाखमाबमा জ্ঞ ৩২) ইজ্যেতাভাগে জুমিং সং প্রাধ্য স্বন্তি ন ইন্দ্র ইজ্যেতাহ্নচং (৬প০,১পৃ০,২পিং০) शुकार विश्वात है व्यविष्टानिश्य मर्स्वरङ्गा त्य हात्मा जाम् ममस्थिषाः। उठरङ्गा विषि व्यवष्ट्रामि शुर्गामामुख्यम्। उटैनक्षं ज्यिभि व्यिभि दिक्ष देनक्षं ज्यार त्य छ द्राक्रमाः। विनिर ইতি তৃচেন কুনোন পঞ্গনিমাদায় শুগুপান্তঃ প্রোক্ষেৎ। ততঃ সোনেত্যস্য নেধাতিথি-श्र विभीष्रजी छन्नः शृषिवी (मवज। शृषिवीक्षार्थत्न विभित्याभेइि मुज्ञ। ॐ म्माना शृथिवि त्नो छवानुष्कता निरवर्णनी। राष्ट्रानः भर्म माथथाः (य॰ ७८, षं॰ २১) देि मही (मोरिडामा त्मभाजिषिभाविभावि हत्म। मग्रावाश्विरवर्ग तम्बर्ज श्विवीयार्थत्न विनित्यार्थहे मुष् अन् गमाम (वा यमा क्यामा कियथ। जाएमा जनयथी **घन**ः (य॰ ५১, अ॰, ৫॰, ৫১, ৫২) डें मझे (मर्गः भृथितो ड म इमर यक्डर मिमिक्क जाम्। भिष्ठार (मा उन्होमण्डि (य॰ ४, क्रजाक्षनिष्ठिः भएठेद।

মহে রণায় চক্ষমে। যে। বঃ শিবতমো রসজ্স্য ভাজ্যতেছ নঃ। উশতীরিব মাতরঃ। ত্যা

्र जिल्लाः। वनिः उच्छाः श्रमक्षामि श्र्नारमामनमुख्यम्। अ क्रामुखारेक्व मर्शर्ज्या (य চানে ডান্ সমাত্রিতাঃ। বলিং তেভ্যঃ প্ৰচছামি গৃহস্ত সততোৎসুকাঃ। ইতি চতুর্ভি-শ্বহৈন্ত্র কোণেয় মাষভক্তবলিৎ দদ্যাৎ।

 त्नक्खाउकक्षांत्रः मत्स्याकि शिष्याम् । विश्वतार्थः निर्वासात्रः निर्वानप्तः निर्वाभव्यः । व्यानिक् ১७ মোনিমসতশ্চ বিবঃ। (য॰ ১৩, অ॰ ৩) ইত্যনেন সংপুজ্য ত্রঁ বেদাধারায় বেদ্যায় জ্ঞানগ-क्टिंट-खन्नमनक्रूक कग्दनीट । ७ जावार्याग्रह् (प्रदः (प्रत्नः ६ शकानिष्यः। ज মিত্যস্য প্ৰশাধঋষিষ্ট্ৰিস্থ ছন্দো বন্ধা দেবতা ৰন্ধ্যপনে বিনিয়োগইতি স্মুত্ৰা 🤞 ৰন্ধ-क्छान् स्थिकः भूबछाषिमीम् ३ द्रक्रा हिन्म कार्यः । भन्ना उभा वारा निकाः मुख्य मात्र क्रात्य। कमधन्यमानाच्युक्य्य्वश्यात एउ नम् हेण्डि मञ्जा। क्रयशिक्नामत्रथत (मंत्रामत्यम् यट्डाक् ज्याम् मन्निषिश् कुक् । ७ कुक् वंश्वयं मन्निश्रात्रक्छ। विभ जव्डान-क्नामुक्य श्र्मा श्रूमार जगवन्नमत्य । क्रमभ्षेममांत्रां मिवजागाश्क्रि । क्रेमरकान उट्डा यक्नमान व्याघिराममिन्डा मध्यम्भूकार कूर्यार। उत्ताया त्वमाष्ट्रमामिन्नाम्दकान-खरख छ बार्खाङ् विरथक भिष्णियरङ्ग रूपाधिक विमरेनकवम्ता। त्वर्णिद्यां

 कृष्ट्रदः सरिका ट्रागटक्र्डामिनावाश् रेमः विक्रितिजामा त्यशार्डियभ विभागवी हत्म। विक्रुएक्वज। विक्रुगामत्म विनित्यां हिंछि मृत्र। उँ हेम् विक्षिकिकाम व्यक्षा नि নমঃ এ বাস্তদেবতারৈ নমঃ এ বান্দ্যে নমঃ এ গকারৈ নম্ছন্তি সংপ্রক্ষ্য উদ্ধান্ত স্থা ইত্যস্য কণু ঋষির্হতী ছন্দোইয়িদেরতা জ্ঞালস্তনে বিনিয়োগইতি সূত্য ও উদ্ধান্ত সুণ স্কুরুরাজাবন্দিত্য। কংসাত্তকং চক্রণাদাজাহত্তং ভজামি দেবং ষস্থদেবস্কুয়। এ পাম-জ্জো ৰেদ্যা বহিংকোণস্থজ্ঞে ওঁ আবাহ্যে তং গক্ডোপরিস্থিতং রমান্ধদেহং नाण्ड क्योरिकम क्रमिठास्त्रमक्ता जानक जनक् विरक्षा खान्नभित् मिनिधिर कुरु। भषामनं ठष्म्यं। क्रोधित क्रतिकाष्ठः थमीमं क्षरलाह्यं इष्डि थार्थः अ गाविदेवा (ব০১১, অৰ০৪২) ইত্যানেন গুদ্ধমালভ্য গুদ্ধশির্মি নাগমাত্রে নমইতি সংপূজ্য আয়েং ट्मीविजामा मर्गवाखी याविभावती छन्छः नागमांजा मिवजा भाषामात्र्यखर्ग विनियागिष्टि मुज्ञा . उँ जाहर (गोर्ड श्रीहाकमीममममाज्वर श्रुहः। शिज्दक श्राम् यहः। (य० ज्यन्) छउर्घ छिष्ठ। स्मर्ग म मविष्ठ। छर्द्धा बाकमा मनिष्ठ। यम् क्रिचिष्यं विश्वयाष्ट्र कुठारनन नाथाम्।क्रमखत्वत्

•

मेरथ श्रीम्। समूज्यमा भीरखत्त (य॰ ६ ष्य॰ ऽ६) इंडात्नि मरश्रुका खँनगत्छ भूखती-क्षि शार्षांत्र ठठः व मट्ममा ममः। अवर व्यामिकारित देवकदेना क्षि मरश्रका खडा-দেবদেব জগনাথ বিষণা যজ্ঞপতে বিভো। পাহি দুঃখামুধেরমান্ ভক্তাকুতাহকারক।

नक्ष हैश्रीष्ट्रज्ञामिनावां नमः नञ्जवात्त्रज्ञमा भेत्रम्बिष्पव्यकाभेष्यभ्रम्भे भार्कजीयानिवस्त । ज्यानिक् छनवन्नीन खाख्यियिन् मिन्निर कुका छ छूष् वः यः ততো বেদ্যা নৈশ্বজিত্তে তে এহেছছি গোৱীশ শিনাকপানে শশাঙ্কমেনিল ব্যভাধি-क्र । - त्मवाधिकत्वम मर्ट्य निष्ठा भृष्ण भूषा । जनमभ्य । उ निष्यं महाप्ति ভাবে। ফল্রো দেবতা ক্লেপুজনে বিনিয়োগইতি ক্ষ্মা ওঁ নমঃ শস্তবায় চ ময়োভবায় চ নমঃ শঙ্কায় চ ময়ক্ষরায় চ নমঃ শিবায় চ শিবতরায় চ (য০১৬,৪১) ইত্যেশেশ পুজারেৎ व्यवाहांय (क्वाय भार्काण) भारत नय । व्यक्तायाक्ष कांया नय क स्वाक्ष कित्यो नित्न हिल मञ्जा अ अक्ष्वुकु व्याक्र जिल्लाहम महाभित्। हन्मर्गोत्म मश्राप्त भभ स्विकरता ज्य स्टि नाजनामि शूक्रवद क्र्याद।

आर्राम्हा उठ छ लोटिया नमः अवर मार्ट्यटिया ल्यांड्यारिस हेछि मर्श्रुका शूर्ववर खडालखनामि क्षार।

सूर्वः भूतिमस्मा। स्त्रांति भकः शुक्रम्जनिसः यिष्ट ना भवत धाष्टिसः (य॰ २०ष०६०) इंडारंनन मर्भुष्ण . जै मिनिमाड नमञ्जूष्णीर नमाख मियावाइन। वृष्ण् इन् नमाख्यक श्रीत-ন্দর নম্মেট্স্ত তে ইতি নতা ও দেবরাজ গজারাত পুরন্দর শতক্রতো। বজুহত্ত মহাবাহেছা গচ্ছ ভগবন্ধিক্ত ভডেঞ্সিন্। ওঁ ভূভূবঃ স্বিত্যাদিনাবাহ্য তাতারমিত্যস্যাপ্রতিরথখনি-ক্সিন্তুপ্ ছন্দঃ শক্রো দেবতা শক্রপুজনে বি৽। ওঁ তাতারমিন্দমবিতারমিন্দ্রং হবেহবে (वम्)। वात्रवाखरम् 🗳 এएक्टि-इज्जन्न थकाधिका मरुयान्ज विम्टेभकतांक। मिनिभएड শক্ত সুরেশ নিত্যং গৃহাণপুজাং ভগবন্নমজ্ঞে এ শচীপতে মহাবাহো সর্বাভরণভূষিত। আ-

उट्छ। बाश्यत्यानी यो मान्तरकान खट्डा के जावाह्तः छः फिल्डा किट्नमः मध्यार्थदाह् দ্যমণিং এহেশ্য। সিন্দুরবণপ্রতিমাবভাসং ভলামি স্থাং কুলর্দ্ধিহেতোঃ। ওঁপদা डाकी खडामिन्यकात्रः कार्याः।

नाक्षिजार्षकमाथामः हे जि यां यह ता । अ हे च्या है ना माः अवस् कामनमाहित निकृ है जा-

হস্ত মহাবাহে। সপ্তশ্রেতাশ্ববাহন। আগিচ্ছ ভগবন্ ভানো জন্তে। ওঁ ভূডুবঃ স্বিত্যা-ष्या कृत्यभ्य तक्षमा वर्षमात्मा मिरवनाग्रमुम्छः मर्खायः। हित्नार्यम् मिरिषा त्रियम (मरिषा • দিনাবাহ্য অনু ক্ষয়েণ্ডনেত্যস্য হিরণ্যক্তপ্র্যাধিস্ত্রিষ্টুপ্ ছন্দঃ স্থ্রো দেবতা স্থ্যপুজনে বি ০।

ভত ঈশানপুৰ্বয়োধ্যপ্তত্ত্ত ও আবাহ্যে তং গণরাজদেবং রজেৎপলাভাসমশেষ ১৮ नरमाश्ख उठ हेजोंडाथी. उँ स्टेरी नमः वर ज्टेज मारिट्वा मक्नारिप्र हेि मरश्का মহাকায় গজৰজু চতুডু জ। আগচ্ছ গণনাথ মৃং জন্তে । ঐ ভুডু বঃ স্বিত্যাদিশাবাহ্য নাং জা গাণপতিং হ্বামহে প্রিয়াণাং জা প্রিয়পতিং হ্বামহে নিধীনাং জা নিধিপতিং वम्माम्। विद्याखकः विष्यव्दः भारनमः नमामि त्रोषः महिष्ः চ मिष्ना। छ नासमित গণানামিত্যস্য প্রজাপতিখা মিশ্ছন্দোহভাবো গণপতির্দেবতা তৎপুঙ্গমে বি॰। ঐ গণা-भूर्सवद खडािम्मिश्कात्रः कार्याः।

हिंछि नज्ञा ७. मध्यह्छ द्यांत्रा मधामन स्मकन। क्यांत कुरू मग्नांना घर धह्नांक

যাতি ভ্ৰনানি পশান্ (য০ ৩৩ অ০ ৪৩) ইত্যনেনাভ্যচ্য ওঁ নমঃ.সবিত্ৰে জগদেকচকুষে জগৎপ্রস্তিফ্রিক্নাশহেতবে। ত্রগীময়ায় ত্রিগুণাস্থারিণে বিরিঞ্চিনারায়ণশঙ্করাত্মনে

ह्वामार्ट् वत्मा यम व्याह्मवानि गर्धयमा श्वमकामि गर्धयम् (य॰ २७ व्य॰ ऽ२) हेठारमना-इं जिस् ने व निष्मित महाका मर्जकः मिक्ति । भिन्निक्र गरने कि विद्यासक अमीत म इं ि वार्षा व मत्य रेजा नमः क विषय तारा नमः हि मर्भका खामिमर-ভ্যান্চ্য ত নমতে বন্ধার বিষ্ণুরূপায় তে নমঃ। নমতে ক্রেরাপায় করিরাপায় তে নম

कान्नः शुक्रवर कार्याः।

. श्र्वारभग्रमात्रखत्रानुनखरख ७ वरहाहि मधाग्रुथ थर्मात्राक कानाक्ष्रनाजाम विभानन्त्र

महाकाम्न मिक्निवाधिभट्ड यम। ब्रट्डिक्न महावाट्य मम भी ज़ार निवात्र हिंछ आधि छ भूक স্বাহা দ্র্যায় স্বাহা মর্মঃ পিত্রে (য০ ৩৮ জ০ ৯) ইত্যনেনাভ্যক্য ওঁ স্বৎপীন নমস্তেহস্ত मुण्ड्ड नामाट्र छ. एउ। महिषष्ट् नमाउड्ड धर्मात्राक नामान्छ एउ हिण्निया । अधिमात्राक थांबक। जागेक छ्रांबन् धर्भ खाख । ७ कुकू वः यतिछामिनावाहा यमात्राजाञ्च मधाष्ट्रधाथ-ৰ্বণ্থাষিশ্চলেখিতাবঃ যমে। দেবতা যম্পুজনে বি॰। ওঁ যমায় স্থাক্তিরস্তে পিতৃমতে সাহা विमान्वकः छन ह्यो एत्रम गृश्न भूकाः जगवमगर्छ। उ ि जिक्का पिमः भूक पण्याताः मक्तारिश नमः जक्करेना क्रुवारिश घरेखा नम इंजाजाका उद्धापिमध्कातः भूर्तवद क्षितः।

- 1

পড়গছজায় তে নমছতি নত্তা তে শড্গপেণ টগরাঃ সর্কে ফণামণ্ডলমণ্ডিতাঃ। একভোগাঃ माक्क्यूबा व्यमाः मंख् त्म ममा। इंजि वार्थत्रद। उत्तः उ मध्रमक्तादिर नमः धत्रादेर मुठोर्यार्कतार । उन्छ खँ ममः (थिकेक्खात्र जिल्लाता मरमानमः। नरमा छीयनरम्या क्नामक्रमदाक्रमान गृश्न । उषामीविषमत्मात्ये नागक्नाविद्याक्ति। खानक् नाग-आरक्ट खट्ड 01 ७ कुकू वः यत्रिङ्गादिनावाहा जाग्नर (गोतिङ्गादिक (५१९/० ५९/० १९१०) वांशादभादभादण ७ अटशिष्ट् मारिशक्यभन्नामदन्न मर्त्वामदेन्नर्विमण्डिभाष्ट्रभाष्ट भषादिम् महाभषादिम नम्हेि श्रकत्रद। ष्यनाद श्र्वदर।

ি আমেয়দক্ষিণয়োরতিরালন্তত্তে ওঁ আবাহ্যামি দেবেশং ষণ্মুধং ক্তিকাস্তম্। ক্রদ্র-उच्चःमभूदभन्नः दम्बरमनामम्बिष्म् । म्यूब्वाइमः मज्जिभागिः देव जमानाद्विनम्। ज्या-গচ্ছ ভগবন্ ক্ষম অভেগ। ও ভূতুবঃ ষরিচ্যাদিনাবাহা, গদক্রনাইত্যস্য ভাগবজ্যদায়-मैर्वज्यांश्वविष्ट्रेश् इंभः कतम् । त्मव्जा कम्शूकत्न विश . अ युम्कन्नः व्यथमः कांत्रमान উদান্ সমুদ্রাদুত বা পুরীবাৎ। স্তোনস্তা পক্ষা হরিণস্তা বাহু উপস্ত্তাং মহি জাতং তে अर्क्स् (य॰ २२ षा॰ ५२) हेट्यातमान्त्रका अनमः कम्मात्र टेनवात्र घले।कुक्क्रोधातित । भरा- কাশুক্তিহ্তার ষণ্মুখার চ তে নমইতি নতা ওঁ ময়্রবাহন কল গোরীসূত ষড়ানন। कार्डिक प्र महां जा महां कुक महानिष्य है जि थाया ज अभिष्ममन्तारित्र नमः छ को-मार्रिया नमश्रित मश्यूका थायद खखानखम्श कार्याम्।

आंगरि। निष्युषान् मामभीज्य (य॰ २१ ष्य॰ ७১) हेजारुनमाज्यका उँ नंस्या इति। पृष्ठकु मगीत्रन नरमाहेख छ। शुज्यत्न नमरखहेख नीष्यभाषिन् नरमाहेख छ हेि नद्या छ थातिक-तिन्षुष्ठक श्रक्षहेष्ठ ममीतन्। मध्हेष्ठ स्भाजा वत्रः मिहि वत्रथमं हेि थार्षाः अँवाग्रदेवा थांत्रः महात्त्राः स्गीयाङ्गमीयाम्। उ षष्णाङ्ख महात्त्रा देखालाकार्ष्कित्राञ्च। ष्या-ঋষিণায়তী ছদ্দো বায়ুদেবতা বায়ুপুজনে বি । ত বালে। যে তে সহত্তিপে রখাসজেতি-मिक्किटिन्या जाखानखाख ७ जावक्यां एएटवर्ष कृजानाः मिक्यादिवय्। मर्का-नमः भाष्रेत नमः मधामन्नाति नमहिष्ठि मःशुका खडानखनामि शुक्व क्षार।

इत्रत्योलिविज्यनम्। स्थाकत्रः क्रिक्षियोगः टेब्टलाकाळीजिकात्रकम्। अघधार्यात्रम रेनसंज्याम ॐ व्यावारमाम त्मरवनार नानाक्षर त्वनीमिज्य। स्नीत्रामिषिममुकुष्डर

स्मित्राज्ञ । इसः मारम् (मवका माम्यूकरन विव। व वार्यगात्रय मरम्जू क विष्यकः সোম বৃষ্ণাম্। ভবা বাজ্স্য সংগথে (য০ ১২ অ০ ১১২) ইত্যনেনভাষ্ঠ্য ও অতিপুত্র নম্ভেহন্ত নম্ভে শশলাঞ্ন। শেতামুর নম্ভেহন্ত তারাধিপ ন্মোইন্ত তৈ ইতি নত্র। ও কর সোম কন্দপ্বধূন। আগাচ্ছ ভগবন্ সোম হুৱে । ওঁ আপায়েষেত্যস্য গৌতম-

অত্রিপুত্র নিশান্থি দ্বিজরাজ স্থাকর। সোম ছং সৌম্ভাবেন গ্রহপীড়াং নিরাকুরু

श्रुम्। अञ्चर्भागधद्वर मोमार दक्रन् याममार भिष्म्। उ भाष्ट्रीत्रथममाक्रां मनित्रप्रमम নমঃ ফটিকদীপ্তয়ে। নমজে শ্বেতহারায় জলেশায় নমোনমঃ ইতি নতা শব্বফটিকবর্ণাত শেকখাষিশায়ত্রী ছলেশ বরুণো দেবতা বরুণোপাসনে বি ০। এঁ ইমং মে বরুণ শুষী হব-মদ্য চ ফড়য়। স্থামবস্থ্যরাচকে (য০২১ অ০১) ইত্যনেনভাচ্চা ত বরুণায় নমস্তেইস্ত हिं ि वार्षा छ. माविटेवा, नमः वर्ष्णकनाति नमः विकारित मन्धिमम्भाति नम्हे ि मर-उट्छ। टेन्थ उभिष्टमरत्रोत्रख्त्रानख्ट खं षावार्त्रापि स्टिन्थ मिनमगाषिभेः भूका खडानखनामिकः शूक्वद क्रााद ।

त्थाजश्राम्यात्रज्ञ। भागस्य मस्वारास्य महानित्य महानित्य स्जि आर्था अ योक्टेगा नगः जनः भागवाधिका वृष्टेन हेन्। क्रीए।

জাও ৫৮) ইত্যনেমাত্যজ্য ত নম্করোমি দেবেশান্ নানাবস্তবিরাজিতান্। গুদ্ধশুটিক वमत्वारत्ये महाज्यां वत्रमाः मञ्ज त्म ममा हे ि वार्षा व विनवादेश नमः वद् विनिमदि वजरम् स्मिष्ठा वस्रशुक्ररम् वि । ७ वमवस्रा क्ष्युं भाग्रत्न ष्टम् मार्गिक्यत्म् अन्ति श्रि नामि। भावत्रों मित्र श्रक्तिः ब्राह्मतम् ८भी भजार स्वतिषार मज्ञाजाम् कन्नमानात् (य॰ ऽऽ সক্ষাশান্ দিব্যায়ুধকরান্ বস্থন্ ইতি নত্তা । ওঁ দিব্যবস্তা দিব্যদেহাঃ পুষ্পমালাবিভূবিতাঃ। वहान्। ॐ कुकूवः यवंत्रव हेहांगक्छ उठामिनावाहा वसदाय ठामा वस्ता श्रवित व्रकेष् हत्सा সৌম্যমূভিধরান্ দেবান্ দিব্যায়ুধকরামিতান্। শুদ্ধকর জিকাণ্কাশালানাবস্তবিরাজিতান্। फ्टेडा भरियारिश क्राडाम्हा खडानाडान् थाये क्र्यार ।

वाज्ञवाखाख ७ कावोङ्ज्ञामि एमरवर्गः थनमः यमम्प्रिकाम् । मर्गथमः मिनारम्ह्

নর্যান্গতিং বিভূম্। দিব্যমাল্যাধ্রধর গদাহস্ত মহাভূজ। আগিচ্ছ যক্ষরাজ ছং হড্ডে।

उक्त्यवांत्रवांक्यां कराय है जावार्त्यांति मिरवणेर क्ष्रिय जिमेंग्रिकिटम्। रिय- कुकू दः यविज्ञामिनावाद्य त्यात्म (सञ्चिष्ण्यामामिन्यायाक्कवत्त्का) श्रायो विक्रेश हमः न्माउ मभोगक खर्ख । उँ कुक् दः यहिछामिनावाहा इस्माउ हेछामा गृष्मभमधि নমেহস্ত তে ইতি সত্তা দিব্যদেহ ধনাধ্যক্ষ পীতাধ্ব গদাধর। উত্তরেশ মহাবায়ো বাঞ্চিতার্থ क्कन्यम इंडि वार्षा . ड व्यामिटेडा नमः ध्वरः निषमादेश मिनीवारेना ईडाडार्का वार्षद र्गारबाठनावर् भीनक्षक्षः स्वक्षम्। मञ्जक्ष कनमदेश्य भानिष्णामिष् विष्युण्य। इष्-त्मारमा तम्बङ। त्माम्भभूकतम् वि । ७ त्मारमा (षञ्रः तमाममर्खेखमात्थः त्मारमा वीत्रः क्छात्नमां छाकाः - छ यक्तत्रां मगरखश्ख मगरख मत्रयांन् । भौछात्रत्रं मगरखश्ख भिषाभारि कर्याग्रः मुमांजि। मोमनाः विम्थाः मह्जाः मिज्यावाः (यो मुमानम्देय (यः ७८, षः २১) প্তজ্ঞালন্ত্ৰনং কুৰ্যাৎ।

জিউপ্ ছদ্দো গুরুদ্দেবত। গুরুপুজনে বি । । ওঁ বৃহম্পতে অতি যদর্যো অহাদ্দ্যমন্ডি ভাতি ক্রজুমজ্জনেষু। যদীদরচ্ছবস্মতপ্রজাত তদ্যাস্থ দ্বিণং ধেহি চিত্রম্। (য০২৬ উ।০০) ইত্যমেনাভাষ্ঠ্য এ অক্ষপুত্র নমজেহস্ত পীতম্বজ নমোহস্ত তে। ত্রিদশান্তিত দেবেশ সিন্ধ,দ্ভব নমোহ্স্ত তে ইতি নত্তা ওঁ পুজিতোহসি যথাশক্তা দণ্ডহ্স বৃহস্পতে।

क त्रवाशिष्टिक्र जमा भाषि १ तम्बद्धां कुक कृष्टि वार्षा है भूर्गमारेमा नम जन मानिरेका उउउँउदान्नानित्यात्रञ्जान्यत्य उ षावार्यामि प्रत्नाः विषक्षानमीच्यम् हेडार्फशिया शुर्सनद खंखानासन्द क्रीाद।

म्डाम्डक्तः (म्रः मर्कक्डात्रमीयतम्। टेवर्लाकाश्यक्वंतः ष्रिष्ट्रकः मर्कमिनम्। ज्यांगे क्ट विश्वकर्षाः खुः खुः खुः । ७ कुकू वः घतिज्ञां निगावाश विश्वकर्षात्रिज्ञां भूवन श्रुविदिष्कम्। भाषिष्ठिष्केश् क्रान्न। विषक्षा मिवजा उनुभागान वि ।। अ विषक्षम् इविषा বার্ধানঃ ক্রমং বঁজক পৃথিবীমূত দ্যাম্। মুহ্যস্থন্যে অভিতঃ সপতা ইহাকাকং মঘবা स्राधितञ्ज (य० ১१ ष्य० २२) हेजारननांडाक्षा जिन्नामि विश्वकर्तांगर ष्रिष्ट्रकर विश्वमन्तिनम्। 2 এলোক্যস্ত্রকর্তারং মহাবলপ্রাক্রম্। ইতি নত্তা এ প্রীদ বিশ্বর্ম্বেং শিশিশাক্ত विभातम । मक्षभार विज्ञ एटकोगूर्डियत थटा है जि थार्थ खँ मिनीवारेमा ममः विद वाखरमवर्जादेश माविदेवा हेि मरशूका खंखानखनामि थाथे क्र्यामिष्ठ खंमरकांत्रः।

मा (इ९मी:। (य॰ ऽ७, ष्य॰ ऽ৮) हेज्यतमम कृमिर म्थृष्टी व्यथन्न हेज्यम बक्नुया विनन्नमून् २२ তাম্য প্রকাপতিঋষিঃ প্রস্তারপঙ্কিশ্ছন্দে। ভূমির্দেবতা ভূমিশ্পনে বি॰। ওঁ ভূরসি कुभित्रमामिछित्रमि विश्वधात्रा विश्वक जूरनमा धर्ली। श्वितीः वष्ट् श्वितीः मृश्य श्रिवीः म्मर्डी व्यांबाह्य भूक्टांबर ।. उठरकांबनखद्भावाधार्या कनमत्मकः ष्टांभट्यमाथा । ज्यमी-या विभाज्ञिमवः। शूनक्रक्ना निवर्षय मानः मह्यः शूरक्षाक्षाता भग्नयं। शूनमा विभाजाषाति मिन्छ। शूर्वत्छात्रभञ्चाभरम वि । . ७ जाभिनीए शूर्ताह्छ । यछमा मिन्यष्टिकम्। त्या নায় নম হতি বা. নামমল্রেণ সংপ্রজ্য চন্দ্নপুষ্পমালাব্রাদিভ্ষিতং ক্ষত্র তত্র রাত্র্য্ ছন্দঃ এমধ্যো দেবতা মটে মবদানে বি॰। এ এমধ্যঃ সম্বদ্ত সোমেন সহ রাজ্ঞা। মটস্য करना ि बामनिष्य शक्न भारतार्या मिन् (य० ১१, ष्य० २७) हे जारनम जुरमी यराप्तिया ष्राणि-अभिउत्य कुस्कविभूभं विभव्षि ए जिन्ह किन किन किन कि। छ आ कि व कन मर महा ৰা ত্ৰিশ্লচিফিতং শৰ্ষাচিহ্নিতং বা অগ্নিমীড়ে ইত্যুক্ত মধুচ্ছন্দাঋষিণীয়ত্ৰী ছন্দোষ্ণী ভারং রত্নধাভমম্ (ঋ৽ ১ অ.১) ইত্যনেন নিধায় ওঁ ফ্রদৃঢ়ায় নম ইতি ওঁ স্লোভ-अथ टांत्रनेश्का। उन श्रमार मध्नाष्ट्रक्यांनांचित्र तरम वहेटांत्रनमाथ्यर

and a charlest a war

षः 8) हेजात्मन भक्षत्रज्ञः हित्रगाः या मखा जाचत्था य हेजामा।थर्सभू बांडियश्चित्रस्केन् ष्यः २७) इति मर्द्यायशिष्यः। हित्रगार्गर्ड हेन्जा हित्रगार्गर्द्यायिष्येष् हत्मा हित्रगा-क्कंडाम्। मिशृजाः त्मा छत्रीमिडिः (य॰ ৮ ज॰ ७२) इिं जीर्पिम्टक्न कलममाशूधा या अष-भीति छ। मार्थक भूज जियम् मेरितस्य केष् क्षा स्था (मन्छ। क्षारम जिलाम जिलास । विष्य अष्वीः त्मामज्ञास्त्रीर्विष्ठाः श्रियीमञ् । वृह्न्णाण्यिय्जा षटिक मरम् वीर्याम् (य॰ ১২, गट्डी (मच्छ। कन्तरम श्विनार्गिमारम विश्व। उँ श्विनात्रक्ष्वः ममवर्षकार्या ज्ञुष्णमा काष्टः भिष्टित्रक व्यामी । म माथात्र शृथिती ९ माग्राज्या ९ कटेम (मवांग्र इधिया विध्यम (य॰ ১७, हम्भ अयर धारा मत्ते प्रदेश स्थित मिल। ज ज्याचरणं त्या नियमन् भर्ग त्या वर्मा उक्रजा मावाश्यिरवा मिवटक कलमशूरत वि॰। अँ मही मा। श्रियी ह न हेमर बछा मिनि-(य॰ ए जं॰ ८२) इंजारमन एषम् मत्तम् कलमः क्लिमाल प्रभारात् प्रमाणिक प्रमाणिक प्रमा খাষিশ্ছদেষ্ডাবে। বকুণো দেবতা কলসে জলদানে বি০। ওঁ বরুণসোজন্ত্রন্মসি বরুণস্থ ক্তেদৰ্শীস্থঃ ব্রুণ্স্য ঋতসদ্শুদুন ব্রুণ্স্য ঋতসদ্ন্নীদ (य॰ ८ ष्य॰ ७७) इंडारंनन जन्न गृशिया मही त्मांतिष्णमा रमधां जिथिय विभीत्रजी इरम्मा

- (

मिमारम वि॰ ७ औ॰ ८ छ मक्ती क भन्नावर श्वांवर शांत्र मक्ता । अभ इन्जिंग मिश्रुही भक्षिषित्रश्रुष्ट्र हत्मि शिर्फवन कन्त्र बर्मात वि॰ ७ अश्वार्ज क्यां भून्नार्वेश नियात्र जीक उठ हे जामा मात्रात्रन्यायिकुंश् हकः जीत्कव्या घटि श्रुकामाना-নো মুঞ্জুংহ্মঃ (য০১২, অ০৮৯) ইত্যনেন পূর্ণপাত্রে নারিকেলাদিফলং দত্তা স্ক্রজাত , দ্বতা কলমে পুৰ্পাত্ৰদানে বি । উ পুৰ্ণা দৰ্শি পরাপত স্থপুৰ্ণা পুনরাপত। ৰঙ্গেৰ বিক্ৰী-इस्अप्तियांनामू मर्यान मर्वामाकः मह्यांन (य॰ ७১, ष्य॰ २२) इंछात्मम मानार भुष्णः न ममार। याः कान्मीडिजामाय्क्याचिक्य्विक्य्यिक्ष्युं कम खराधा (मर्जाः कनाम कनिमारम वि॰ उँ याः कनिनीया ज्यानकना ज्यास्का याक शुष्मिनाः। इरुष्माि यास्र ॥वश् इममुख्यः न्याजकाज्यः (य॰ ७, ष्य॰ ८२) हि मत्त्रिन पत्ते ज्युमभूनं, जायामिमग्रर विः। अँ (मार्गना श्रिक्षी (ना अविज्ञमता निरंदर्गमी। यक्षानः भर्म मध्यपाः (य०७८, ष०३) इंजि मख भक्ष वा स्डिका मम्रोट। उठঃ शूर्गा मसींडामा छर्गाड्य वित्रवेषुं हम इंज्या (गाडाक इंट किलामथ यट मनवथ शुक्रयम् (य० ১२, षा० १२) इंडि भक्षभन्नवान् मखा म्माना श्रीयेरोठामा त्मधां जिथि भिषिती हा है स्थान स्थान

भारोमण्ड यञ्चरसिमः मामरवम्खरेथव छ। जाथस्रात्वममहिजाः मरसं कलममरिश्चा हेजि भर्ते २ श्विवार यामि जीवानि कमत्म निवमछि हि। धारुनां क्लिफ शुक्तिक थीं जिक मिडित का ब्रुटमवामि विक्षुष्ट् ६ श्रकाशिष्टः। ष्यामिन्त्रा वमत्व। कप्ता वित्यं त्मता मेटेशक्काः। घति कुक (म (मन थमतम्। ভन मर्तमा है जि। अं कनममा ग्रूषं बक्ता वीनाशंक मरस्थतः। मुरन তু সংস্থিতো বিষ্ণুমধ্যে মাত্পণীঃ স্থিতাঃ। শোষাস্ত দেবতাঃ সর্কা বেউয়ত্তি চতুর্দিশাম্। उिकेछि कनम घंडं कामकन श्रम । घुट श्रमामिषर घछार कर्तुमीर करनां छव। मात्रिषार व्यिष्टिक (य॰ २, ष्य॰ ১७) हेडारमन कलमः य्र्याण्टिका एत्वाण कलमः व्यिष्टिकारा गमा-मिण्डिः मश्शुका वार्षता । ॐ त्मवमानवमः वात्म मथामात्न मर्हामत्यो । छेदभात्रावृपि जमा कूछ विश्वर्ण दिक्कुमां यत्रम्। घरकारत्र मर्सठीर्थाम त्मवाः मर्त्व घति विश क्रिजाः। निवः यत्रः ङ्जारमन वारमायुरधान वांग्रमा वा कलममारिको गत्ना कृष्डिविजामाष्ट्रितमा वृहण्णिकि क्ष अब् मर्घ मर्घ वक्षयमामम् व घः। वात्मा जात्यं विष्कारी स्वायय विভावत्मा (व०५५, ज्ये०८०) শ্বিশছনেদ্ভাবঃ বিশ্বে দেবা দেবতাঃ প্রাণ্পতিজায়াং বি॰ ও মনো জতিজ্ববতামাজ্যস্য বৃহম্পতিৰ্জ্ঞমিশং তনোতু। অরিষ্টং যজ্ঞং,সমিশং দ্ধাতু বিশ্বে দেবাস ইহ মাদয়ন্তামোং

8

क्रवार । जाथ टावान खन्या भारति । यस्ति कलमार मरकार्या वाक्षा किर्वार प्रकितमावाहर । रेष न्र रघात्र जिस्त न हे जिया विषा व अरहा जात रजात । तम हि जिया मिष्ट <u>ভঁস্কর্মনে তোরণায়নম ইতি সংপ্রজ্য চন্দনাদিভিড়্ যিতং ক্ষত্রা শুক্রং বুধঞ্চ তত্রাবাহ্যা-</u> कर्षाखरत देनज्ञध्याधमार्थण्यः या स्खात्रगः खँगस्या मिनीत्रिष्टिकुंत्र खारभा ख्वंखं भीखरत भूकतार। ७७ छा उवानम्बु बातामित्या शूस्वर कममर कामित्रभा ठा थरत हैशा ष्क्रा-দিনা ধরামাবাহ্য ভ ধরাটো নম ইতি প্রুয়েৎ। ততঃ পশ্চিমে প্রাক্ষেমাদুর্যং বা তোরণম্ उँजरग्न ष्याग्नाकि वीज्य गुनात्म। क्रामाज्य । निरम्ञा मदिम वर्षि क्रिज्यनमिया জ্ঞনা অস্মিন্ গোপতৌ স্যাত বহ্বীঃ। যজমান্স্য পশূন্ পাহি (য৹১জৃ০১) ইতি মন্ত্রেণ নিধায় उँ म्रज्यांत (जांत्रनात्र नम देजि मःश्का ठन्मनामिण्ड्यितिष्त्र। स्प्रमात्रकथ ज्वापाद्य প্লকং বা তোরণম্ এ ইনে ত্বোজেন ত্বা বায়বস্থ দেবে৷ বঃ সবিতা প্রাপ্যত্ শেষ্তনায় কর্মণ আপ্যায়ধ্যমুগ্রা ইন্দায় ভাুগং প্রজাপতীয়নশীবা অয়মুনা মা্বজেন ঈশত মাঘশংমো ज्ज कूट्ड क्रें हेश्नीटक्जामिनांताश अंक्षतांत्रमम हेजि भूज्यात्र । जटा मिन्स्न अमित्र

मर्भुका त्मामर त्ककूर मनिक ज्वावाह्माफतार। जज्जात्ववद्यार्मात्या भूक्वर

কলসং সংস্থাপ্য বিপ্লেশমবিষ্ঠি গন্ধাদিভিব্যাবিভ্ৰং সমভিপুজ্যেৎ। ইতি তোরণপুজা।

घांत्रामूक्षम् एम रटेला भम्चे छाप्रः वात्म खाख खंगात्वभाग्न नमः मिक्काल खंकमाग्र नमः পুৰ্কবন্ধস্ৰায়ত্তা সংস্থাপ্য তত্ৰ কসলদুয়ে এরাবতমাবাহ্য পুলয়েৎ ়ৈ ওঁ ঘারশ্ৰিলৈ নম ইতি অধ ধ্ৰুপতাকাদিসংকারঃ। পূৰ্বদারে দারশাখাদয়মূলে দধ্যক্ষতাদিযুক্তং কলসদ্যং বাষ্স্কুদ্রে গঞ্চারৈ নমঃ দক্ষিণস্কুত্তে যমুনারে নম ইতি পুজয়েৎ। তত ঋষেদিনার্ছি

সপরিবারৎ সায়ুধং সশক্তিকমিত্রুং দ্বারকলসরোরাবাছ্য ভাতারমিত্যক্ত গর্ণথাষিস্ত্রিষ্টপ यात्मार्कमत्रमार गरनम त्रमनिष्ठ तम जगदमग्छ। जो रेख रेर्गात्म्जामिम मामर इस हैटका मिन्छ। उৎश्रुक्तन वि॰ ७ बाउनमिक्यमिक्याविधानिक्यः हतिहरि स्ट्वः भूक (क) भूक्षारंत्र भाष्टिञ्चकमार्थएवन थाउ। क्यांत्रम्यिन् काल वा वृष्यां । क्यांयमः भष्यनः সংপ্রার্থ্য অগ্নিগ্রীলে ইত্যম্য মন্বচ্চুন্দাঋষিণ্যিত্রী ছন্দোচ্গ্রিদ্বেতা ঋথেদিবিপ্রপুর্জনে বি उं जियमीतन शुरुअहिक यखना मिनस्षिषम्। होजात्र त्रप्रधाजमम् हेकि मह्यन गक्ता मिच्डिन फार्कराव । उठः वार्शिक् मर्त्वामत्रमिष्ठम् देषत्रिका रज्युपत्राम् तम् निष्का ত্রাক্ষো গায়ত্রঃ সোমদৈৰতঃ। অতিগোত্রস্ত বিপ্রেন্দ্র খাত্মিক মুংমে মুখে ভবেতি প্রত্যেকং

জাখাচম্যায়ের গত্তা পুর্বাব কলসং ফাপ্রিত্রা তত্ত্র পুঞ্রীকমস্তং চ সংপুজ্য 🕉 ২৫ এহেগৃছি সৰ্ধামরহব্যবাহ মুনি প্রবর্ষ্যরভিতেহিভিজুট। তেজোবতা লোকগগেন সাধিং মমা-কম্মিশাবাছ্য ত্বং নো অমে ইত্যস্যাদিত্যমাজক্রক্যার্ধী জগতী ছন্দোহ্যিদেবত। অমি-धृत्रः भाष्टि कत्व नमत्छ । তো खत्य ट्रांगत्छ्ठांकिना माक्रः मभित्रांत्रः मायुष्यः मनक्ति-महत्यांकः किहोटेकु अन्यदार मिक्निवां मकत्र ख्वाज्ञां भनिमित्यः याष्ट्रां उं के स्मः युत्र भिष्डि সংক্রেশনোইনিমিষ একবীরঃ শতং সেনাজজয়ৎ সাকমিলঃ (য০ ১৭, অ০ ৩৩) ইতি শন্ত্রেণ পীতাং পাতাকাং পীতগ্ধজং চ পূর্বেনিক্রপ্রকারমূজ্যুরে। এরাবতস্থিতং পীতবর্ণং শ্ৰেক্ৰো বজুহজো মহাৰলঃ। শত্যজ্ঞাধিপো দেবজবৈষ নিত্যং নমো নম ইতি নত্ৰা ইন্দায় সাকায় সপরিবারায় সাযুধার সশ্ভিকায় বলিং সমপ্যামীতি কলসয়োরএতে कांमूरक ग्रटन विना , उँ जार्खः निनाटना व्यट्ना न जीटमा घनायनः क्यांजनकर्वनीनाम्। विलंश ममारि।

রকুাধ্যক্ষন্তবৈম নিত্যং নমো নম ইতি নথা ও অর্থয়ে সাক্ষায় সপরিবারায় সাযুধায় দূতমিত্যস্য বিশামিত্রখামিগায়তী ছলোয়িদেৰতা আয়েয়পতাকীদূচছ য়ণে বি॰ ওঁ অগ্নিং দূতং পুরোদধে হ্বাবাহ্যুপব্যবে। দেবা আমাদ্যাদিহ (য০২২, জ০১৭) ইত্যানেন রক্তাৎ পতাকাং রক্তং ধ্রজং চ সমুচ্ছায়েৎ। তত্তশ্চাগৃহং রক্তং দক্ষিণবামকর্ধ্তশক্তিকমণ্ডলুং পুজনে বি০। ওঁত্বং নো অংগ তব দেব পায়ভিষাঘোনো রক্ষ তম্বশ্চ বন্দ্য। তাতা তোক-স্য তন্যে গ্ৰাম্যানিমিষং রক্ষমাণস্তব ব্ৰতে (য০ ৩৪, অ০ ১৩) ইত্যনেন সংপ্ৰদ্য অগ্নিং স্শক্তিকায় এতং মাষভক্তিবলিং সম্প্রামীতি কুশুস্থাতে বলিং দদ্যাৎ।

क्रकक्षभाषरञ्जनामिरम् व कारल वृश्याद। यथा ७ काञ्जारका बक्रर्समरेखकेरका विक-. जै. शुक्रमस्खांत्र नमः मिक्काखाः अँकशक्षित नमः घात्रक्वांमकलामं छै। ताामादेत्र नमः मिक्का कनाम छ क्रकारेश नम इंजि श्रकायद। ज्जा पङ्ग्सिमिनार्विष्टको मिक्कावारत नान्धि-ज्यथाठमा मिकं । बार बार बार भाषा वृष्युत कन महाः श्र्वित व्याभिष्य । उत्याक्षामनः किन्न-क्यावाशाक्ताव । उठः अवाताबित्य नम इति षातामूक्ष अत्मर्मना नम इठायः नामखत्य

পুজেয়ং প্রতিস্হতামিতি নতা সাজায় সপরিবারায় সামুধায় সশজিকায় নিঋতিয়ে জ০১২) ইত্যনেনাভার্চ্য মোষুণ ইত্যম্য কণু ঋষিণায়ত্রী ছন্দো নিঋ তির্দেবতা নৈখা তপতা-कांमूरेष्ट्र ग्रत्न विमा अ तया भू नः भन्नाभन्न निर्भाष्टि मूर्यन वृषी । भनिष्ठ ज्ञान मर् (आ) ष्ण, ७१११) हेर्डातम नीलार भेडाकार मीलर ध्रकर ह मग्रुष्ट्रात्रर। उट्डो नदांत्राहर भाषा छ निभं छिर बस्गक्छर ठ मर्नालाटेककभावनम्। ब्यावाक्श्राभि यट्छक्षिम् দিনা সাক্ষং সপরিবারং সাযুধং সশক্তিকং নিখাতিং ততাবাহ্যা অস্বস্তমিত্যস্য প্রকা-শত্গহ্তং নীলবণং মহাবলং মহাকায়ং বত্রাক্ষসবেজিতং সর্বাভরণভূষিতং নিশ্লতিং পাহি পিশাচনাথ লোকেশ্বরম্বং ভগবন্নগতে ইতি পঠিখা ভো নিশ্বতে ইহাগচ্ছেত্যা-পতিঋ ষিরমুফুণ্ ছন্দোনিঋ তির্দেবত। তৎপুজনে বি৽। . উ অসুষন্তমযজমানমিজ্জেন-সোত্যামমিছি ভক্ষরস্য। অন্যম্মদিচ্ছ সাত ইত্যান্মো দেবি নিখাতে তৃত্যমস্ত (ম॰ ১২ . ज्यथाव्या टेनभाजार भूर्ववद कलमः मःश्रीभा उत्र क्यूकः क्रियाकः कृष्टियथाता-স্যাৰ্চয়েৎ। ত এহোছি রক্ষোণাণনায়কস্তং বিশালবেভালপিশাচসংবৈঃ। মুমাধুরং <u> अठ</u>९ मायच्छविन् मम्र्यामीजि कलमच्याधारा विनेश मुमाद।

পুজা ইমং মে ইত্যস্য শুনঃশোফখামিগীয়নী ছলো বকুণো দেৰতা বারুণপতাকাদ্যুচ্ছ য়ণে दि॰। उ हमर (म दक्रन व्यक्षी ट्रम्मा क स्फ्या। ज्यामदस्रात्राहरका (स॰ २১, ष्म० ऽ) जरहण्यात्म। वक्रत्योह (वांश्रुक्रमात्म म। नष्याग्रुः धारमायोः (य॰ ১৮, ष्य॰ ৪৯) व्छात्मन मर्-ইত্যনেন শ্বেতাং পতাকাং শ্বেতং ধ্রজ্ঞ সমুচ্ছুয়েৎ। তত্তো মকরস্থং পাশহ্ত্যং শুক্র-क्ट जन्मार्थ त्वनु ग्रांद। श्रुक्तन थार्थना मिक्ट (भाग, भू०ऽ, भ९ऽ७) थार्यद। ज बाह्या हि गरमागगवात्रियीतार गरनम भक्त्नामहास्त्राज्ञि। विम्णायरत्राम्त्राम् विम्णायरत्राम् नाहि घमयान् ভগবন্ধত্ত ইতি পঠিত্রা ভো বরুণ ইহাগচ্ছেত্যাদিনাবাহ্য সাক্ষৎ সপরিবারং সায়ুধং সশক্তিকং বরুণং দ্বারকলসয়োরাবাহ্য তত্ত্বা রামীত্যস্য শুনঃশেষ শ্ববিস্তিষ্ট্রপু ছন্দো বরুণো জ্ঞয়ে ওঁ নন্দিনে নমঃ দক্ষিণে চঙালৈ নমঃ দারবাম্ছকল্মে 🔊 রেবালৈ নমঃ দক্ষিণ্ছ किश्मकमावाश्याक्त्यर। ॐ षात्राचित्र नम श्रे षात्रापूर्वम् एकर्टना नम श्रेष्ठाधः वात्म কুজে তাপৈ নম ইতি পুজ্যেৎ। অথামিলেব বা সময়ে সাম্বেদিনার্ত্বিজো শান্তি-দেবতা বরুণপুজনে বি৽। ওঁ তত্ত্বা য়ামি ত্রহ্মণা বন্দমানস্তদাশাস্তে ষজ্মানো হবিভিঃ। ज्यथी हमा भिष्टमहार बाद भाषा था ग्राम्टिन कल महार भूक्वर मरशाभा ज्या छन्

वर्श्-किन्नोक्तिन् वक्रन् थात्रा छ भागहस्थक वैक्रनमर्गार भाज्यीभाग्। जावाह्यामि যজ্জেঞ্সিন্ বরুণায় নমো নম ইতি নত্তা সাক্ষায় সপরিবারার সায়্থায় সশজ্জিকায়

मायज्ज्यनि ममर्भग्रामीजि कलमत्यात्र भटाजा यनि महारि।

ততঃ ও এহোহি যজ্ঞে মম রক্ষণায় স্পাধিরচঃ সহ সিদ্ধসংবৈঃ। প্রাণাধিপঃ কালকবেঃ

महाग्नः गृश्। भूकार जगदमगट्य हेजि भित्रिया छ। वात्रा हेश्गटक्ष्ण्यामिनावार्ग माक्रि

वाष्ट्रमाकाणगिरेश्वव शत्रमः (वरावलाञ्चिष्। जावाक्यामि घटळाविष्म् शूटलत्तः व्यिजिप्-

ততে ফ্গাণ্ডিরচ্থ চিত্রাধরধর্থ যুবান্মস্কুশ্ধজবরদক্ষিণবামহস্তকর্থ বায়ুথ ধূত্রবর্ণ্ড ধ্রেবর্ণ ধ্যাত্রা

निमुर्ज । स्मामनीज्ञः (य॰ २१, ष्य॰ ७२) ईज्यानम धुन्नं। भेजांकार धून्नर धकक्ष ममुष्कु ताद ।

বাষুৰ্দেবতা তৎপুজনে বি•। ৫ তব বায়বৃতস্পতে স্বফুৰ্জামাতরন্তুত। অবাংস্যাব্ণীমহে (ম০২৭, আক.৩৪) ইত্যনেন সংপ্রা বায়ে৷ যেতে ইত্যস্য প্রজাপতিখ বিণায়তী ছন্দো बाबूएक्वजा बाग्नवार्माजाकामूराक्त्रात विशा अँ वारम्ना (यर्ज मङ्ख्यिको अथामर्ज्जन्तिकार्गिहि।

সপরিবারং সায়ুধং সশক্তিকং বায়ুং তত্রাবাহ্য তব বায়বিত্যস্য ব্যশ্ব শ্লারণীয়ত্রী ছন্দো

उठ काठमा वाग्नवार कलमर मश्काभा श्रुकामन्त्र मिन्नार्थक उन्नावां श्रुकता्रथ।

Y.

राजमिति थार्षा वानाकारता मर्शकान्ध यन्त्रामुखेगजिक्ति । उटेया शुक्राप्त कर्गरजा नात्रर তে ন্যাম্যহ্মিতি নত্না সাজায় সপরিবারায় সাষুধায় সশজিকায় বায়েবে এতং মাষভক্তবলিং मम्भीशामी कि कलम्रात्य दिन् मम्राद।

विषदम नक्केब्रोरने मर्मिं। मर्किमधीडिः भिङ्ज् मरेष्ट् गृष्टां भुकार जगवमगरि १४ व्यथी हिरमाजि उष्टाद विवेगी बर्गाम् एन कनमध्यः भूक्व मश्काभा मर्काभा मर्काभा नमैक् उत्योद्यांचाक्त्य । उउ व वाद्यांचित्य नमक्षि वादामूक्ष्य त्मक्रेना नम र्जायः षांत्रामखाख ए महाकालाश नमः मिक्लिखाख ज्कित्न नमः । षांत्रश्र्यामकृष्ड वादेश नमः मिक्नकृत्त ७ (वदेश नमः इठाक्तार। उत्वार्शमात्रव का ममायायक्त-ইত্যনেন্ত্যচ্চ্য আপ্যায়ধেত্যম্য গৌতমশ্ববিগ্যমুদ্ধী ছন্দঃ মোমো দেবতা সৌম্যপতাকা-দ্বারকলসয়োরাবাহ্য বয়ং সোমেত্যস্য বন্ধুঞ্ বিগায়ত্রী ছন্দো মোনো দেবতা সোমপুজনে (वृषिनावृष्टिको थाथेद। (१०१,१/०२,१९०८) वृष्याद। ॐ ज्रहाक् यरख्यांत्र यख्यां ইতি পঠিত্বা ভোঃ সোমইহাগচ্ছেত্যাদিনা সাক্ষৎ সপরিবারৎ সাযুধ্ধ সশক্তিকং সোমং वि॰। अँ दग्नर (माम खट्ड ज्य मनखत्रमू विख्य है। धिक्रांवरुः मह्ममूर्च (य॰ ७, ष्य॰ ৫৬)

ত্রীশানং জগতক্ত জ্বস্পীতিং ধিয়ং জিল্মবমে ছুমহে বয়স্। প্রা নে। যথা বেদ্সামস্দ্ (ध त्रिक्किण) भाष्रतम्बः षखाः (य॰ २०, ष॰ ১৮) हेणारममाणाना छिनेव त्रिकाः भण-दांश श्रकरत्र । के बर्शिक वित्यंत्र निज्यंनक्नानयोग्नयरत्र मार्क्ता त्नारक्न ब्राक्डा भाग मक्कि मिटिका ग्रेहां शुक्रां डगिरमगर्ख है जि भित्रिया टा क्रमान हे हा गरिक् डगिषि-নরযুতপুষ্পাবিমানস্থং কুণ্ডলকেয়রহারভূষিতং বরদগদাধরদক্ষিণবামহন্তং মুকুটিনং মহো-দ্যক্ষিত্ৰ বি । ওঁ আপায়েষ সমেতুতে বিশ্বতঃ সোম বৃষ্ণাম্। ভৰাবাজস্য সংগথে (व॰ ১২, ष्य॰ ১১২) हेजारमम हतिजार भेजांकार हतिज्ञ प्रक्र ह ममूक्ष्रायत। जरजा *म्त्र*्ष्ट्रलकाग्रं इयिभिक्नलान्ज् भीতिविग्रर्, भिवमथ् कृत्वत् ध्राष्ट्र। छ मर्त्वेनफाज्य(ध्र তু সোমো রাজা ব্যবস্থিতঃ। তমৈ সোমায় দেবায় নক্ষত্রপতয়ে নম ইতি নতা সাজায় সপ-রিবারায় সায়্ধায় সশাজিকায় সোমারৈতং মাষভজবলিং সম্প্রামীতি কলসয়োরতো ष्यथां हो गाना । श्र्मिय कनमः खार्थात्रिय। ज्या होकः मिला छः ममनक ज्या-मावाश जमीमानमिजामा भीजमथाधिक्राजी हम्म मेनारमा स्ववज्ञा जमकरम विगा अँ वृत्तिः मृष्गाद।

जित्मज् शुक्षण्या किक्वनी नान था था व व्यक्ष सममित्र मुन इंख जिल्ला किम्। जाता-र्ग्नामि यटख्डायान् शुरक्षाः अछिगुष्ठामिछि थार्षः मर्त्राधिरभा म्हारम् केनान रुक्रके-কাং শ্বেতং ধ্রজঞ্জ সমুচ্ছ্রেং। ততো ব্যক্ষিমমার্জং ব্রত্রিশ্লযুত্বামদক্ষিণহ্তং

সশক্তিকায় ঈশান্ত্রৈতং মাষভক্তবলিং সম্প্রামীতি কলসস্তাথে বলিং দদ্যাৎ।

শ্বঃ। শূলপাণিবিরপাক্ষতকুম নিত্যং নমো নম ইতি নত্তা মাকাল সপরিবারায় সাযুধ্য়ে

धरत्राक्कांधत्रमिक्कावांगकत्रः ठक्कभमाधरत्राक्कांधत्रवांमकत्रष्ठाः नीलवर्णम्चः धाात्रा ॐ यार्भाव নন্তরপেণ বন্ধাঞ্ড সচরাচরম্। পুষ্পাবদারয়মুদ্রি তবৈশ নিত্যং নমো নমইতি নতা সা-কায় পিরিবারায় সাযুধায় সশাজিকায়ানন্তারৈতং মাুষভজবলিং সমপ্যামীতি বলিং দদ্যাথ। <u>ज</u>्यथोठत्माग्नानभूस्त्याहेन्यां ज्ञानिकमत्यास्तां मरधा ज्यधंडोक्नाः कलमञ्चाननः विटेनव ভ ুণুছোঁছ পাতালধরামুরেশ নাগাঞ্বনাকিন্নরগীয়মান। যক্ষোরগেজ্যামরলোকসংবৈরন্ত त्रकांश्वत्रम्यमीयम् इंि भिष्या ज्यां व्यम् इंश्रारक्छ्यामिना्वाञ् व्यात्रः भीतिकामिना (প০১৭,প০১,পং০৭) সাঞ্চং সপরিবারং সাযুধং সশক্তিকমন্ত্রমভ্যক্তা তেনৈব মস্ত্রেণ পৌ তাৎ পতাকাৎ শ্বেতং ধুজঞ্চ সমুচ্ছয়েৎ। ততোঁচ্নত্ৰগ্ৰনাগীনং ফণাসহঅমণিউতপঘশগ্ৰ-

उठ षाऽम्। म्थर्भमर्था३कुाफम्खः मर्भाश्यमीर्घः जिश्छविखातः भक्षश्छमीर्घः हछ-न्त्याम्त्र बंक्न्वर्र बक्कार् बक्कार् शाया ७ मग्र्यायानिक्ष्रम् विर्द्धमायामः भिष्णाम्हः। यकाः ধ্যক্ষক তুর্ক অধৈম, নিত্যং নমো নম ইতি নত্তা সাকায় সপরিবারায় সশক্তিকায় সায়ু त्नमां डाफा उट्टेन बकार भेडाकार बकर र्षक्य ममूष्ट्र त्वर। उट्टेन इरमा क्रमक्रमानाक्रमंग्रुकि धटताक्रीधत्रमिकनक्रमार ज्यूक्ज्यूवधत्रामकत्रमार आक्रनर ज्ञाकनर क्रिनि সপরিবারং সাযুধং সশক্তিকং ত্রকাণমাবাহ্য ত্রদা জজ্ঞান্মিত্যতা প্রজাপতিঋ বিজিষ্টুপ্ বেন আবঃ। সরুষ্ণা উপনা অস্ত বিষ্ঠাঃ সতল ঘোলিমসভল বিবঃ (মৃ০ ১৩ অ০ ৩) ইত্য-उँ अरम् मिक्सि मक्ति मिक्स मिक्स मिक्स मिक्सि मिक्सि निक्सि । मक्सि प्राज्ञामिज्ञ-ভাবে৷ বিশাধ্রং নঃ মৃততং শিবায় 'ইতি পৃঠিত্ব৷ ভো বদান্ ইহাগচ্ছেত্যাদিনা 'সাকং हान्मा वक्षाः मिन्डा बक्षाश्रुक्तन विः। ॐ बक्त कञ्जानः अव्ययः शूदछाषि मीमण्डः स्रकृत्ता • जथान्या टेन्स ज्यिनियत्यात्रीनामश्रकत्याकी यत्या कलमञ्चायन विटेनत्याबियुष्टिय ধায় বন্ধতে এতং মাধভক্তবলিং সমপ্যামীতি বলিং দদ্যাথ।

विकात्र या महाधक्र विधिववन् । हामत्रिकिन्।। मित्रुक्षम् हेत्समा वृषः हेनामाथिनित्रभ-

ŝ

भाषिज्ञिकेन् छन्तः इत्त्या (पत्जा मक्षमार्था धक्रममूक्ष् वित्। इन्समा इत्यक्ष वक्रना রাজ্ঞ আদিত্যানাং মরুতাং শধ্ন উতায়। মহ্যমনসাং ভূবনচ্যবানাং ঘোষো দেবানাং জয়-

তামুদস্থাৎ (য০১৭, অ০৪১) ইতি মস্ত্রেণোভোল্য একা জজ্জানমিতি প্রাঞ্জেন একাণিং वश्रानोष्ट्र किम्नारत्वास्त्रा नमः न्याक खं भन्नर्गरास्त्रा नमः हेडार्फरात्र । उर्जा ांके माद श्रक्मगार मिनि किथिमू भिन्छ छ। एत छभिष्णो ज ठेवाला का गानि छ। যক্ষরক্ষিসপল্লগাঃ। খাদ্যো শাশ্বা গাবে। দেবমাত্রএব চ। সর্কে মুমাধ্রের রকাৎ কুক্জ म् मुम्मिक्षाः। जन्मा विष्कुण्णः कृष्ट्रण्णः क्ष्माक क्ष्माका भाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट् রক্ষাংমি মর্বত ইতি পারিত্রা ওঁ ক্রেলোক্যক্ষেভ্যঃ স্থাব্রেভ্যো ভূতেভ্যো নমঃ ক্রেলো-ক্তেঞ্জাশ্চরেভ্যো ভূতেভ্যো নমঃ , এ বিষঃবে নমঃ ও শিবায় নমঃ এ দেবেভোগ নমঃ खैमिरिदर्खा ममः अँगम्बर्सर्खां ममः अँगरकर्षां ममः अँग्राकर्मराजा ममः अँ शुक्रतार । ट्रें पि मुक्रे भेजा का मर का तह ।

ट्यां नम हे हि थट छा का मर्भुका भूक्ष ने खात्र का गर्भ क्यां क्यां दि हि का जा में स्थापि

যুতং মাষভক্তবলিং দদ্যাৎ ইতি মঞ্চপ্ৰুজা।

व्यथ यक्षमानः श्रक्कानिज्ञीम् न्यानिकः कार्षात्वः मदेव्यार्गिमिनिज्यं चित्रां जित्रां जित्रां नांखि कुळामीनात्या नित्कमात्य। जांघांश्व कुषमिष्ठमञ्डेभविनााघमा था। गानांश्रमा तिना-প্রাণ্ছারেণ মণ্ডপাত্তঃ প্রবিশ্য। ব্যাগায়তনাদুক্তিণতো একাসনস্থানাৎ পশ্চাদ্যজ্মানঃ স্বা-সনে উদ্ধাধ উপবিশেৎ। ততো জাপকান্ জপত দারপালীন্ পঠধুমিতি শান্তিসূক্তানাং **करुभ भाट्ठि 5 निर्**याक्रहाद। ८७ 5 कर्मममाखिभर्गाख्य स्वयभाषींग्रञ्जामिकभभाट्ठी कुष्र्¹³⁸।

কেনাভূয়কেং। তত ইদং বিষ্ণুরিত্যস্য নেধাতিথিখাষিণীয়ত্রী ছদেশ বিষ্ণুদেৰতা বিষ্ণু-खाँभनभू जनामिक धं कतिरया ट्रिज চ मरक म्भ कूर्याद। ज्यथा शायजन र मर एका कूरमाम-शुकात दिः। अ इमर दिक्कृति ज्ञात (ज्ञा निमाध भाष्। मग्राष्ट्रभाष श्री हिंग है। जि ১৫) ইতি মন্ত্রেণোপরিগতমেথলায়াং শ্বেতবর্ণালঙ্ক্ তায়াং বিষ্ণুমাবাহাচ্চিয়েৎ। ত্রন্ম জজ্ঞান-কালাবাচারাৎ সস্কীর্ত্যামূকক্র্যাণায়িপ্রতিষ্ঠাৎ করিষ্যে তদক্ষতয়া সন্মার্জনমেশ্বলাযোনিদেবতা

মিত্যস্য প্রজাপতিখ্যিষিত্রতৃপ্ছন্দো বকা দেবতা বকাপ্জনে বি॰। ও বকাজ জন্তানং

Ş

ক্রবে। 'দেবা আসাদয়াদিছ (য০২২, অ০১৭) • ইত্যনেন তত্তৎকর্মানুসারেণ শতমকলা-

বমট্কাটেররক্ষিতং মেযবাহনম্। রক্তমাল্যায়র্ধরং রক্তপ্যসনস্থিতম্। রোদ্রং তু বহ্বিনা-मान् दक्षिमादार्शमार्घम्। ष्र्रभूष् मर्त्वतम् मार्थारित्रमिञ्नारञ्। जागेष्क् जनेदरम्ब वाकनः देवव घ्रष्ठभावञ्ज वागरेक। विच्यां भश्चित्दिरेश्विष्टिं गूर्यः मश्चिष्टिंस्कम्। पिक्मिन्धः চতুৰ্জিহ্মৎ ত্ৰিজিহ্মমূত্তরং মুখম্। দ্বাদশকোটিমুর্ত্যাখ্যৎ দ্বিপথাশইকলায়ুত্য্। স্বাহাস্থা-अधिके (य॰ २, ष्य॰ ऽ७) ट्रेडारननाधिः अधिकामा धाराब यथा। कपर्डकः ममुख्रुडि দিমুর্ধানং দ্বিনাসিক্য। ষণ্নেত্রং চ চতুঃশোত্রং ত্রিপাদ্থ সপ্রহস্তক্য্। 'যাম্যভাগে চতু-ई छ९ मवाजारो जिस्छकम्। ज्यूत्र ज्यूष्य मज्जिर ठ जक्तमानार ठ मक्ति। जोमबर ভিধিজ্ঞিমমং তানোতু। অরিষ্টং যজ্ঞং সমিমং দ্ধাতু বিশেষ দেবাসইছ মাদয়ভামোঁ। দিনমোনমাগ্রমুপসমাদ্ধে ইত্যগ্রিং কুঙে স্বাত্মাতিমুখ্যুপসমাদ্ধ্যাথ। চত্রারি শৃষ্ণা ইত্যস্য প্রজাপতিখ ষিস্ত্রিফুপ্ ছন্দোহ্যিদেবতাহ্যাবাহনে বিল। ওঁ চত্তারি শৃষ্ণা এয়ো অস্য পাদা ८ष्ठ भौर्य मञ्ज क्छारमा जमा। जिथा-इरक्षा इयरङ। त्रांत्रवीिङ गरक् पिरवा मर्छो। व्याविरवन्। (ষ০১৭, অ০ ৯১) ইত্যনেন অগ্নিমাবাহ্য। মনোজুতিরিত্যস্যাক্ষিরসো রহস্পতিশ্ববিশ্লন্দো ঞ্ভাবঃ বিশে দেব। দেবতাঃ প্রাণ্পতিষ্ঠায়াং বি৽। ওঁ মনোজুতিজ্বতামাজ্যস্য বৃহস্থা-

क्रका वली भी त्वम भूतराय । जमाक्रभा मिठा वामी मित्रिक्ष भी जवनिकः । वाश्राख्रामरेलः শ্বেত্য কণিকা পীতবণিকঃ। পদিঃধ্যাবেন্টিতং পদাং বাহ্যে সত্ত্রজন্তমঃ। তন্মধ্যে স্থাপ-যজ্ঞেইস্মিন্ সন্নিধে ভবেতি। ততো আহবেদ্যাৎ সর্বতোভদ্রৎ লিখেৎ। তলেখনপ্রকারস্ত হেমান্দ্রী কান্দে। প্রাঞ্দীচ্যাৎ গতা রেখাঃ কুর্যাদেকোনবিংশতিঃ। খণ্ডেন্দু জ্রপাৎকোন मुख्ना मथा । प्रकार । जकामभाषा बन्नी उनस् नवाङ भटेम्ड। उज्दिश्मिमा दामा পরিধিবিংশত্যা পদৈঃ। মধ্যে ষোড়শাভিঃ কোঠিগঃ প্রমুষ্টদলং মৃত্য্। শ্বেতেন্দুঃ শ্স্তালা अंग्लियोम् जमामगार्क, यूतायूत्रामिछि। अवर मञ्जन् विनिधा यक्रमानांचिक जाठार्याः म्किट्डिट्य भेकनम्बर्गा क्यानिसम्भा व्यामाजामि म्मेका मुक्रा भक्त বেশ জ্জান-মিত্যে প্রজাপতিম্ যিস্তিমূণ্ ছন্দঃ বন্ধা দেবতা মণ্ডলে বন্ধ গ্রাপনে পুজনে চ বি । उसम कळांन थ्यथम भूत्रखाविमौमंज दुस्का (दन कांच । मुद्रा छ्रमा काम विकाः সতশ্চ ঘোলিমসতশ্চ বিবঃ। (য০ ১৩, অ০ ৩) ইতি মন্ত্ৰাত্তে বন্ধাণমাবাহয়ামি স্থাপয়ামীতি उमां १९. छा भरत्र (वर भर्वत् । উদী हो मांत्र इति हा व्याप्ति । দেবতাস্থাপনং করিষ্য ইতি সংকশপং কৃত্রা অক্ষতপুঞ্জেষু স্থাপয়েৎ

ন্ত ৩৪, জা০ ১৩) ইত্যনেনাধেষ্যাম্থিয়। স্থামু পস্থামিত্যস্থ প্রজাপতিথামিঃ ত্রিষ্টুপ্ স্বতমা দেবতা যমস্থাপনে পুজনে চ বি০। ও স্থাৎ স্থ পস্থাং প্রদিশং ন এছি সোমস্থাপনে পুরুনে চ বি॰। ও বয়ং সোম বতে তব মনজযুষু বিভাতঃ। প্রজাবন্তঃ (यः २८, ज्य ००७) इठात्मम क्यांमामीयाम्। बाठाविम्ठान्य भन्यविद्धेष् इन्तः अंत्रिक्स्। स्वामि मक्रे श्रिक्ट्जिक्सि सिक्टि त्या मध्या साञ्चित (य० २०, ष्य० ६०) इत्तम वाधामिस्म। ष्रः मा वाध उव मित्वास क्रियास्य वाधामिसमा इनः व्यक्तिका व्यक्तिकाभरम भूकरम ठ वि॰। ७ घर त्मा क्रिक छव एमव भाष्टि শুঘোনে। রক্ষ ভশ্বশ্চ বন্দা। ত্রাতা তোকস্ত তন্যে গ্রামস্থনিষ্থ রক্ষ্যাণ্ডব ব্রভে खानरकी त्नाकभानाम् खाभरत्र । वत्रं त्मारमञ्जी वस्त्रभाषिः भाष्रवी छमः त्मारमा त्मवज्ञ मर्टमिष्ट (य॰ ७, ष्य॰ ६७) ट्रेडारमम स्मामभूमी ह्याप्। उमीमानिष्ठामा त्रीडमश्रापिः क्रभंडी ছন্দঃ ঈশানো দেবতা ঈশান্তাপনে পুজনে ১ বি০৷ ওঁ ত্মীশান্ জগতগুজু মন্স্তিং ইল্ডো দেবতা ইন্দ্রাপনে পুজনে চ বি॰। ওঁ ত্রাতারমিন্দ্রমবিতারমিন্দ্রং হবেহবে সুহবং

भूकरन 5 विः। ७ कारना निश्रुष्टिः भठिनी ভित्रध्राः मङ्खिनी ভिक्रभाश् यष्ठम्। वारता बाह्डपांत्मी वक्रान् (वाधुरक्रमध्म मा न षायूः थामायीः (य॰ ১৮, ष्य॰ १८) ইত্যানেন **अभिन् मवत्न गांमग्रय गृगः भांज यखिन्डि ममा न**ड (य०२१, ष्य०२৮) ट्रिन् वांग्रवां वांग्रुम्। ত সুগা বো দেবাঃ সদনা অকর্ঘ যআজিয়োদং সবনং জুষাণাঃ। ভরমাণা বহুমানা হ্বীংষ্যমে জ্যোতিষ্ধদ্যে ছারং ন আয়ুঃ। অবৈপতু ফতুারফতং স আগাৎ বৈবস্থতো নে অভয়ং ক্লোতু নঃ। দক্ষিণস্থাং যম্। অসুষ্ত্মিত্যস্য প্রদাপতিঋষিঃ ত্রিষুপ্ ছন্দঃ নিখাতি দ্বেরতা নিখাতিছাপনে পুজনে চবিং। ওঁ অসুস্বন্যস্থানামক্ত ত্তেনস্যেত্যাশ্মিহি তক্ষরস্য। অন্যম্যদিচ্ছ সাতইত্যান্মে। দেবি নিঋ্তে তুভ্যমস্ত (য॰ ১২, অ॰ ৬২) ইত্য-নেন নৈঋ ত্যাং নিঋ তিম্। তত্ত্বা য়ামীত্যস্য শুনঃশেক্ষাযিত্রিস্টুপ্ ছন্দঃ বরুণো দেবতা প্রতীচ্যাৎ বরুণ্ড্। আন্মো নিযুদ্ভিরিত্যস্য বসিষ্ঠ্যাযিষ্ট্রিপ্ ছন্দঃ বায়ুর্দেবতা বায়ুস্থাপনে স্থগাবে। দেবা ইত্যক্ত প্ৰজাপতিঋ ষিষ্ট্ৰিফুপ্ ছন্দঃ বসবো দেবত। ৰস্ম্ছাপনে পূজনে চ বি॰। थछ नमत्या वस्त्रमि याहा (य॰ ৮, षा॰ ১৮) हिछि मत्ज्रन वांष्र्रमाममरथा जरछो वस्त्रन । ব্রুণস্থাপনে পুজনে চ বি৹। ওঁ তত্ত্বা য়ামি ব্রহ্মণা বন্দমানজদাশাজে যজমানো হবিভিঃ।

मधूमठाभिमा ऋनुर्जावजी। जन्ना यख्डः मिमिक्मठम्। जेभन्नामभृहीरजारमाभिज्ञाः या अम डि स्वानिमाधीकार था। [य॰ १, ष॰ ऽऽ] हेजीनाधिमस्यास्ति। अमामकर्षनीय চ বি৽। এ এম্সশ্চর্ণীয়তো বিশ্বে দেব্সআগত। দাখাৎসো দাশুষঃ স্তুম্। উপরাম-কুদাঃ সংস্জোত্যস্ত প্রজাপতিঋ বিঃ অন্ত্রুপ্ ইন্দঃ রুদ্রে দেবত। রুদ্রপ্রাপনে পূজনে চ রক্তা গায়ত্রী ছন্দঃ অশ্বিনে। দেবতে আশ্বিনয়োঃ স্থাপনে প্রজনে চ বি॰। ॐ যা বাং কশা ইত্যস্য মধুচ্ছন্দা ঋষিঃ যজুরন্তা গায়ত্রী ছন্দঃ বিশ্বে দেবা দেবতা বিশ্বদেবস্থাপনে পুজনে গৃহীতোহ্যি বিশ্বেভান্তা দেবেভাঃ। এষ তে যোনির্বিশ্বেভান্তা দেবেভাঃ (য॰ ৭, জ॰ ৩৩) र्नेसिटी स्थमिटक्र्याम्श्ट्राम्श्ट्रम्भिटम् । विष्यामिष्टा विष्याम् । व्याम्टिजान्या विष् में विष्यामि ইত্যন্তেন ঈশানেলয়োমধেয় দাদশাদিত্যান্। যা বাং কশেত্যস্য মেধাতিথিখা ষিঃ যজু-एमरवर्ष (दाघराज [य॰ ১১, षा॰ ६८]: हेजारनन त्यारमनान्यरक्षा नकामन क्रमान्। यरख्डा দেবানামিত্যম্য কুৎসুঋষিঃ যজুরন্তা ত্রিফুপ্. ছন্দঃ আদিত্য৷ দেবতা দ্বাদশাদিত্যস্থাপনে পুজনে চ বি॰। ও যজে। দেবানাং প্রত্যেতি স্কুমুমাদিত্যাশে। ভবতা স্ড্যন্তঃ। আ বো-छ कपाः मरस्का श्रिवीर वृश्क्लािङ ममीपितः। उत्याः ভात्रक्षम रेक्ट्रकाः

রিকে যে দিবি তৈতাঃ মপেতো নমঃ। (য০১৩, জ০৬) ইত্যনেন নিশ্ল তিবঁক্তণমধ্যে ভূত-ন্গান্। শ্লতাষাভিত্যস্য দেবা শ্লষ্যশ্ছনেন্ত্তাবঃ গন্ধৰ্মিস্নয়ে। দেবতা গন্ধৰ্ষাৎস্যসঃ নিশ্ল তিমধ্যে সপ্ত য়কান্। নমোহস্ত সপেভ্য ইত্যস্য প্রজাপতিশ্ল ষিঃ অনুষ্প্ ছন্দঃ সপি-ফ্লোপনে পুজনে চ বি৹। ওঁ ঋতাষাজ্তধামায়ি শক্তিমোস্থ্যোহপদরসো মুদে। নাম । স ন टगानमा. भक्का हतिनमा वाष्ट्र छभञ्चछा यहि जाक् ए ज जर्मन् य॰ २२, ष॰ ५२। हेछात्नन ८०गाः कविक्र कुमर्कामि मठामवः त्र प्रधामण्डियित्रः मण्डिः कविष् । छन्ना घमग्र मण्डिं। जिम দ্যুতৎস্বীম্দি হিরণ্যপাণির্মিমীত স্কুকুত্ত রূপা ষঃ (য০৪, অ০-১৫) ইতি মস্ত্রেণ যম-मिन्छ। अमर्ग्यामान मूज्ञाब b बि॰। उँ नामि छ आर्मास्ता (य क b मृथिवोष्य। य जन्ध-ইদং বন্ধ ক্ষত্ৰং পাতু তবৈম স্বাহা বাট তাভ্যঃ স্বাহা (য০১৮, অ০ ৩৮) ইত্যনেন বরুণবায়ু-মধ্যে গন্ধক্ষিরসঃ। যদক্রন্দ ইত্সিয় জম্দ্ধিদীষ্তমার্ঘী ক্রিষ্টুণ্ ছন্দঃ কন্দো দেবতা ক্ষনস্থাপনে পুজনে চ বি০। ওঁ যদক্রনাঃ প্রধামং জায়মান উদ্যন্ সমুদ্রাদুত বা পুরীষাৎ।

দৌরিত্যস্য গৌতমখাযিত্রিফুণ্ ছন্দঃ বিশ্বে দেবা দেবতা দ্কাদিসপ্রক্ষাপনে পুজনে চ বি০। ওঁ অদিতিদেগীরদিতিরশুরিক্ষয়দিতিশ্বতি। সপিতা সপুনঃ। বিশে দেবা অদিতিঃ-পঞ্চ জনা অদিতির্জাতমদিতির্জনিত্ম [য০২৫,অ০২৩] ইত্যনেন একোশানযোধাধ্যে দকাদীন্ मखे। जार्य जाबिक हेजामा थकामिजिश विश जायुरोम् हंमः मूर्ग (म्वजा मूर्गाकाभत्म कांन्यिलवांत्रिमीमु (य॰ ५७, ष्य॰ ১৮) हेज्यत्मम बत्कत्मस्यास्या पूर्गाम्। हेम्र विक्धू विज्यामा নেধাতিথি খাষিঃ গায়ত্ৰী জলঃ বিষণ্ড দেবতা বিষণ্ড স্থাপনে প্ৰনেচ বি৽ ৈ ভঁইদং বিষণ্ रिठकारम (ज्ञाया विमर्थ थामम्। ममुष्टममा भारञ्जात (य॰ ৫, ष्य॰ ऽ৫) इंछारनम उटेव्ब বিষয়্। পিতৃভা ইত্যস্ত প্রজাপত্যশিমরস্বত্যশাষ্যঃ সর্কাণি যজুংমি পিতরো দেবতা স্বধাস্থাপনে পুরুনে চ বি৽। এ পিতৃভ্যঃ স্বধায়িভ্যঃ স্বধা নমঃ। পিতামহেভ্যঃ স্বধা-য়িভ্যঃ স্বধা নমঃ। প্রাপিতামহেভ্যঃ স্বধায়িভ্যঃ স্বধা নমঃ। অক্ষন্ পিতরঃ। অমীম-मख भिउतः। यडोड्भ उ भिउतः भिउतः स्रमध्म (य॰ ১৯, ष्य॰ ७४) हेट्डाटेर्ड्यक्र्डिं वक्तारमामगर्था कम्म्। उठ्उटिव नामगर्खन मिन्नमभीथंदे भूनः महाकानक्। जानि পুজনে চ বি ।. ওঁ অস্বে অধিকে অধালিকে ন মানয়তি কশ্চন। সমস্ত্যশ্বকঃ স্তন্ত্ৰিকাং

७৫ जम्मिषिभर्धा स्थाम्। भाद्र एडाविडामा मरकञ्जक्षामिष्ठिष्टेष् छन्तः स्कूरक्तिवडा রোগস্থাপনে পুজনে চ বি॰। ওঁ পরং স্থত্যো অনুপ্রেছি পত্যাং যজ্ঞে অন্যইতরো দেব- ইত্যনেন বন্দযমমংধ্য স্তুরেরাণান্। গণানাং ত্বেত্যস্থ প্রজাপতিঝ্যিঃ ত্রীণি যজুংষি গণ

পতিৰ্দেৰতা মণপত্তিস্থাপনে পুজনে চ বি০। ওঁ গণানাং ত্বা গণপতিং হ্বামহে বসো মম

जार्मकानि गर्धमा घमकांमि गर्धम्। जियाना घाषियानीट इत्यान रहाना मम जार्

গৌতমঋষিণগিয়ত্রী ছন্দঃ মরুতো দেবতা মরুতাং স্থাপনে পুজনে চ বি॰। ভূমরুতো যক্ত হি ब्रम्मनिश् जिम्ह भी भाषाजिम्। भाषा प्रवीदिजास्य मधाङ्काथर्क्षण्यपिः भाषाबी इन्नः जारिभा নিধীনাং স্থা নিধিপতিং হ্বামহে ব্সো মম আহ্ ০। (য০২৩, অ০১৯) ইতি ত্রিভিধকুডিঃ শংযোরভিজ্যবন্ত নঃ (য০৬৬, অ০১২) ইত্যেন্ন বন্ধবরুণমধ্যে অপঃ। মরুতো মস্থেত্যস্ত

क्रम्सा भाषा मिरवा विमर्श्याः। म सुर्गाभाउरमा जनः (य॰ ৮, ज॰ ७১) रेजारमम जक्त तायुम्द्रशः मङ्ग्रङः। त्मामा श्विची ज्ञाञ्च त्मशाङ्गिक्षश्रं विः भाष्नी छन्नः श्रिची त्मवः।

यानाद। ठक्क्याट भूगुट ८० ववीमि मा नः थकार बीहित्या त्मांच वीहाम् (य॰ ७६, ष्य०भ)

নদ্যঃ সরস্বতীমপিয়ন্তি সত্রোতসঃ। সরস্বতী তু পঞ্ধা সো দেশেহভবৎ সরিৎ। (য॰ ৩৪ অ০১১) ইত্যনেন তবৈত্রব গঙ্গাদিনদীঃ। ইমং মইত্যত্ত তনঃশেকখামিঃ গায়ত্রী ছন্দঃ मुथ्वीष्याभारत श्रकत्म ह विः। ॐ त्मामा शृक्षिवि त्मा ज्यानुक्कन्ना निरवभनी। यष्ट्रा नः भर्म मख्याः (य॰ ७६, ष्य॰ २১) ट्रेडारनन बन्ननः भोम्मूरन भृथित्या। भक्ष नमा ट्रेडामा श्रुष्मममस्यापित्रवर्षेषु एक्मः मत्रवाती मुनी मित्ता भिक्षां मिनमीक्षां भरम श्रुकरम ए विः। ॐ भक्ष श्वांभवक्षांबाहरक (य॰ २५ ज॰ ১) हेजारमन मञ्ज मार्गदाम्। जमूनदि माम्रा (मक्षम्। वारहा (F) তদ্বাহো উত্তরাদিতঃ গোতমং ভরদাজং বিশামিত্রং কশ্রপং জমদ্যিং বসিস্থাত্রিম্ক-मारस्थातीर देवमात्रकीमिज्यरकी माक्नीः अजिकामा त्वमार परमाजुजित्रिज्यामिमा थानाम् थि जिल्लामा वाज्यकः यथामिकि श्रृष्ठात्रः। जञ्जमात्मव त्वमामाष्ट्राज बाज्य वित्रि हि-क्षजीम्। जन्नारहा आनामिक्कत्मटेनक्सीर क्षिमात्रीर बाक्तीर वात्राहीर ठामुखार टेवकवीर বরুণো দেবতা সপ্তমাগরস্থাপনে পুজনে চ বি৽। এঁ ইমং সে বরুণ এগ্রী হ্বমদ্যা চ স্ড্য সোমাদিসমীপক্ষেণ আয়ুগ্রানি গদাং ত্রিশূলং বজং শক্তিং দঙং থজাং পাশমঙ্কুশম্। <u>जाकेमलभएष निथि उरकामानमधरनमामिङामियाशामीन् कार्याताङ (किन्।</u>

বিরচিতাউদলপচ্ছে লিথিতবক্ষ্যমাণমণ্ডলেষাদিত্যাদিএহাদীন্ হুণপয়ন্তি। বাজসনোগ্ন-তু সর্কতোভদ্রনির্বাণং মঞ্লদেবতাস্থাপনং তৎপুজনং চ বিদৈব এছবেদাামাজতে ব্যে नाम्हार्दारभावम्। इति मर्सर्वाज्यमञ्जलम्बर्वाष्ट्रांभाभुष्ट्रमापि । S

ষজ্জেহামান্ সলিধিং কুরু। উদয়ত্তং মহাতেজ্জেজ্পিয়ভ্নত্তন্ধ্যম্। সর্বদুঃধহরং ভক্তা ৩৬ ष्टिष्ट्रकः फिल्म्यः मक्षायवारः फ्रामिनः धारस्यम्। मिन्द्रवर्नशिकाविकामः एकामि जुक भष्मनाञ्चन। मखाम्यार्गामकं भष्मग्रधा यत्यम रेणि भित्रि। अन्यमा जमा-अधिः टेम्दी गांत्रजी छन्नः अंत्रमाञ्जाधिरर्फ्दज व्यादाश्त्म विः। महाद्याश्रजीमाः क्रामन विचामिज्कमम्प्रिण्डवाका अवतः मर्तामाः थकांनेण्यि श्रिः यथाक्रिमः रेम्तो गात्रजी-स्वामावार्यामार्य । जार्य स्था वर्षायाक कलिकविष्याष्ट्र । तक काणाभार्याखा वि मह्खार्**७**९ मर्काकनमफ्रें । लाकनाथ् विश्वनाथ् स्थ्यायावाइयामाङ्ग् वावाइरा ফ্ৰ্য কুলক্দিহেতোঃ। পালহন্ত মহাবাহে। সপ্ৰে'শ্বাহ্ন। আগাচ্ছ ভগবন্ ভানে। অথাদিত্যাদীনাং গ্রহাদীনাং স্থাপনং দেশকালো সন্ধীর্জাযুক্তর্মগ্যাদিত্যাদিগ্রহাদী-नार कार्यनमर्फनकः कतिया हेजाहाता मरकल्ये विषात कार्यातार । उमाथा। ॐ फिराकतः

क्रास्थन ब्रक्तमा वर्डमात्म। मिरवर्गग्रमस्ज्य मर्डाक्ष। हिंबगार्यम् मिरिजा बर्धमा एमरवा याजि टिम द्राधिक टिमनी भाष्रजी हन्मार्गि । ज्यधिवाधुर्य्याः एमनजाः स्वामावाहरून विः। उ ভুভূৰঃ স্ব ঃকলিদদেশোদ্তৰ কাশ্যপদণোত রক্তৰণ স্থ্য ইহাণজ্ভ্যোবাহ্য। আক্লফেনে-कुननामि भग्गन् (य॰ ७७, ष्य॰ ८७) दे**ि मन्नारक कृ**र्या देश जिस्किं ि धार्मीर्ठमरथा <u> उन्छ हिं बनाख्न भाषित्रमं भाषिक के ए हमः मिर्वा एप्त्रा क्र्राष्ट्राभात विः। उँषा</u>

वित्रि जिल्लाक मन्त्र का का का का कि जुल्ल वर्ज्य का का का का का का का का का जुल्या ।

क्तटेडः कानात्रद्धः। उट्डा म्टनोक्डिविज्ञामिना (म॰२८,म॰১,म९०७) व्यान्यिष्टिकार क्या उँ क्षित्राचार निमान्षिर ठात्रकां डिः मगतिष्य । उपधीनार जू ताकानर माम-মাবাহ্যাম্যহ্য্। অহেছা চন্দ্র জগৎপ্রাণ যমুনাবিষয়োজ্ব। স্ক্রেজান্ত্রয়গোল্রেয় গদাপানে ওঁ ভূভূৰফঃ ষমুনাতীরোত্তৰ আত্ৰেয়সণোত্ৰ শুকুৰণ সোম ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্য ইমং एमरा क्छामा रक्षियायः जार्जाकः कम्मः त्मारमा मिर्जा त्मामञ्जाभरम विशा अँक्षियः বরপ্রদ। দুশাশ্বহিনাযাহি উম্যা স্থান্মাবিশ। হতাশন্দলে দেব মস্তেণাকৈবতেন চ। एस्वर ठब्सामीनांश्रिभा

(य॰ ৯, অ॰ ৪॰) ইতি মন্ত্রান্তে সোম ইহ তিষ্ঠেত্যায়েদলে চতুরত্তে শেতে চতুরিংশাকুল ड्यमगूषा शूज्यभूरेषा शूज्यरिमा विन अव (वाश्मी वाका माम्याव्याकः जामानाः वाका দেবা অসপত্রং স্কুবদ্ধং মহতে ক্ষত্রায় মহতে জৈজ্যায় মহতে জানরাজ্যায়েন্দ্রমোক্রিয়ায়

व्यश्चिम् क्षा फिरः ककूरे भछिः शृथिता. व्यशम्। व्यभार (त्रजार्भ किम्चि (य॰ ७, ष॰ ১২) छ धत्रगोगर्छम् छ । लाह्छाकः स्वर्धमम्। क्मात्रः कृत्रक्षां। त्रमार्वाह्यां-मास्म्। উष्मित्रिनार ममूर्भमानिक् छोम ठिषुष्ण । ভ्रष्तिककूल कांड मे्लर्भकिनिष्ति। বুরদে। মেষমার্ক্ত ক্ষন্দেব তড়িৎপ্রভ। সোনা পৃথিবিমন্ত্রেণ দলে মাম্যে প্রতিষ্ঠিত। অগ্নিমুর্দোত্যস্য বিরুপাক্ষ খাবিগায়ত্রী ছন্দঃ অঙ্গারকে। দেবতা অঞ্চারকস্থাপনে বি॰। ওঁ মঙলে ফ্ধ্যাভিমুখং সোমং শ্বেতপুষ্পাক্ষটতঃ স্থাপয়েৎ। মুধং ভৌমং রক্তপূজাক্ষিতৈঃ স্থাপায়ে। . . जै ५ ४९ . तु कि थि मा जा इ. . त्यो म दर्भ दिवक्त न म् । यक मान हि जा प्राधा वृध मावा ह हा मा ह म

পরমেঞ্জী ঋষিক্রিফুপ্ ছন্দঃ বুধো দেবতা বুধস্থাপনে বি৽। ঁওঁ উদুধ্যন্তামে প্রতিজাগৃহি অহে। চন্দ্রত শ্রীমন্ মগধেষু সমুগ্তব। অত্তিগোত্র চতুর্কাহে। থজাখেটক ধারক । গদা-যঃ মুগধদেশোদ্ভব আঁতোয়সগোতা পীত্ৰণ বুধ ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য উদু্ধ্যযায়ইত্যস্য

ত্রমিতাপুর্তে সংফ্রেথাময়ঞ। অস্মিন্ সধ্যে অধ্যুত্রসিন্ বিশে দেবা যজ্মানশ্চ मीमंত .(य॰ ১৫ ज्य॰ ৫৪) हिंजि मज्जात्त्व वृथ हेर जिल्केजि मेगानमत्त वाशकर्ज। गाज

চতুরঞ্লমণ্ডলে স্থাভিমুধং বুধং পীতপুজাক্ষতৈঃ স্থাপ্য়েৎ।

 वृष्किरेखाकौर्विकःश्राक्त (प्रवानाः (या ७कः मुण्डः। जिमिक्यमिक्तः एकः) ७कमा-সুৰক্ষসদ্। শুজ্ঞ কলসংখ্যৰ পাণিভ্যামিছ বিজ্ঞত্ম। বৃহস্পতে সমাগজ্ যজেহসিম্ ৰাহয়াম্যহয়। আবাহয়ামি দেবেশং গুকুৎ ত্রিদশ্বন্দিতম্। হেমগোরোচনাবর্ণং পীনক্ষন্ধং मन्निधि कुक्र। (मक्रमूर्धि गंडामिडारम्वडानाः शूर्ताह्डम्। वामानानाः हिडायीग्न भक्त-

মাবাহয়াম্যহ্য। অহে। বাচম্পতে পীত সংজাত সিন্ধুমণ্ডলে। এহ্যাফিরসগোরেয় হয়ার্রচ

ও ভুজুবঃ স্বঃ সিদ্ধুদেশোন্তব আলিরস্মাণোত্র পীতবণ গুরো ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্য বৃহ্ স্পতে অতীত্যস্য গ্ৰসমদ ঋষিস্তিষ্ঠ্য ছন্দঃ রহস্পতিধেবতা রহস্পতিস্থাপনে বি॰। ठष्ट्रक्षा मधाक्षस्य बदतमकमधमुक्त थाः । माखोलान्त भ<भूका विधिमम् खात माला।</p>

ठ्राख्तमत्म मीर्षक्रतस्य श्रीज्यत् वष्ट्रमृत्न स्पाधिमूष् त्रम्णिकि भीष्युभाकत्तः

उद्माञ्ज प्रदिष्ट द्रषष्टि कित्रम् (य॰ २७, ष्य॰ ७) देजि मञ्जात्व भारता देह जित्के-

ঔ রহস্পতে অতি যদর্যো অহাদ্দ্যমদিভাতি জতুমজ্জনেয়। মদীদমচ্ছবস্থাতপ্রজাত

য়াম্যহ্য। তুল্যতেজঃপ্রভাশ্রঃ দান্বানাং পুরোহিতঃ। তেজ়োহা সর্বশত্রণাং শুক্রমাবাহ. ৩৮ অন্নং প্রিঅ্ড ইত্যস্য অশিসরস্থীক্রাখ্যয়ঃ লুতিজগ্তী ছন্দঃ গুকো দেবতা গুক্রe जूजू वः यः ভোককটদেশোদ্ধব ভাৰ্গবস্বোতা শুক্ষবৰ্ণ শুক্ৰইছাণক্ষেত্যাবাহ্য ত প্রবিটো জঠরে শক্তোনিস্তঃ পুনরেব য়ঃ। তৎ স্রারিগুরুং ভক্তা। শুক্রমাবাহ-গ্রাম্যহ্য। ভো ভো ভোজকটেজাত শুক্র ধেতাশ্বাহন। সমাগচ্ছ চতুর্কাহো ভূগুণোত্র-विज्य। भित्रांकावनीश्य कमधनुध्तं थाजा। भाकवम् भूर्षभावश्व भितिरावम भूषि श्रुभटग्रद ।

यारजन मर्जामिन्सिश विभान शुक्रमन्त्रम हेन्सरमान्तिग्रमिन भरग्राश्मिज मधु (य॰ ১৯, অ০৭৫) ইতি মন্ত্রান্তে শুক্ত ইহ তিষ্ঠেতি পূর্বদলে পঞ্চামে নবাস্থলে স্ব্যাতিমুখং শুক্রং স্থাপনে বি৽। ও অন্নাৎ পরিসুতো রসং ত্রহাণা ব্যাপিবৎ ক্ষত্রং পন্নঃ সোমং প্রজাপতিঃ। শুরুপুশাক্ষ**ৈ**তঃ স্থাপয়েৎ।

চ ममांगेष्ट वहरा । गृथुवोह्म । श्रीकांभर्हाम मश्मुका यभवन् भिक्टाम मरद्या । ॐ जुजूबि उन्ना म्थाङ्खाथर्वन श्रायनाग्रजी खंमः भागिरम्वज भटिनभ्ठत्रश्राश्य विग खँ भट्ना (म्बीत्रिक्तिश्राषारमा 'ज्यस् भी ठरत्र। भश्रतात्रिक्यू यस्त । स्व ७४, ष॰ ১২) इंछि অহে পোরাষ্ট্রসংজাত ছায়াপুত্র চতুতু জ। কৃষ্ণবণাক্রোত্রেয় বাণহন্ত ধক্ষর। ত্রিশ্লী স্বঃ সৌরাউদেশেষ্ট্র কাশ্যপদগোত্র ক্ষরণ শনৈশ্চর 'ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্ শামে দেবীরি-मजाएक मोटेनक्ट ई टिटकें ि मिक्सिएल ष्राष्ट्राल करक बज़ाक्टिमकरन थोषाूषर ত ধর্যালারজং দেবং ভিনাঞ্নসম্প্রত্য্। ছায়ামার্ডসন্ত্র শানিমাবাহ্যাম্যহ্য্। ক্ষণাকঃ ক্ষণ্ডব্জ ক্ষেণাইতিবলবাংশ্তথা। শনৈশ্চর নিরীহেশ শনিমাবাহয়াম্যহ্য। শনিং ক্ষয়পুঞ্চাক্ষিতৈঃ স্থাপয়েৎ।

ब्राष्ट्रवसूजी मना इधः मन्।। कहा भागिकहा इछ। (म॰ २१, ष्र॰ ७२) देछि मखोर ख दारहा হম্। রাহো বর্ণরকে দেশে সংজাত কায়বজ্জিত। গোত্রীপঠানসেহোহি সিংহারাচ বর-শিচন্ত্ৰ-ইত্যস্য বাষ্চ্ৰেয়খবিশায়ত্ৰী ছন্দঃ রাছ্রেদ্বতা রাজ্স্থাপনে বি॰। · ওঁ কয়ানশিচত্র ইছ ভিজেতি নৈখা ত্যদলে শ্পাকারে ক্ষে ঘাদশাস্থলমণ্ডলে দক্ষিণামুখং রাহুং কৃষ্ণ-ম্যক্ষ্। বিষণুনাথ শিরশিছত্তা এহতাবং সমাহত্ত্য। উএদেওং প্রচওঞ্চ রাজ্মাবাহ্যাম্য-উ চক্রেণ ছিম্মুর্দানং বিষ্ণুনা চ নিরীক্ষতম্। সৈংহিকেয়ং মহাকায়ং রাত্মাবাহ্যা-প্রদ। করালবদ্ন তোষ্ঠ কালরূপাঞ্জনপ্রভ। ভৌজন্মন মন্ত্রেণ পুল্য নৈষ্তপ্রকে।

ওঁ ভূড়্বঃ সঃ অন্তর্পেদিসমূদ্রবা জৈমিনিসগোগ্রীনিজ্ঞবণাঃ কেতব ইহাণিছতেত্যাবাহ্ खळ्यां कर्मात्रोप्तर वछ्त्रां मर्गायरम्। मर्गाकर कुत्रकर्मां क्रांत्रां क्रांत्रां मा হৃষ্। কেতবো বিবিধাকারা মলয়াদ্রিসমূদ্তবাঃ। দিজুজা জৈমিনেস্কাবে গদাহস্তা বরপ্রদাঃ আগিচ্ছন্ত চ গ্রস্থাঃ শোভনে মারুতে দলে। বনাজজানংমল্রেণ চিত্রগুর্দাচিতাঃ

পুজাক্ষতৈঃ স্থাপয়েৎ।

আ্দিত্যাদিএইস্থাপনম্

উर्वाक्रक्षिय वन्ननाम्रज्ञाम् क्षीत्र माञ्जाद (य॰ ७, ष्प॰ ७०) हे जि मञ्जात्व क्ष्राधिरम् वि॰। ওঁকেতুং ফুণুন্নকেত্বে পোশো ম্বাণ আপোশাস । সমুষ্ডিরজায়্বা (ঘ৹২৯,অ০৬৭] ওঁ ভূড়ু বঃ ষঃ ফ্রাাগিদেব ফুদ্র ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য ত্রাম্কমিত্যস্ত বসিষ্ঠ্যাযিঃ অনুষ্টুপ্ ছন্দঃ বণ্পুচ্পাক্ষটতঃ স্থ্যাভিমুখান্ কেউন্ ছাপয়েৎ। কেতুনাং বছত্ত্বপি পুজাদে। বছত্ত্ বিশিষ্টমেকমেব দেবতাত্ত্বমতএকদাপুজনাদি। স্থ্যাদয়শ্চ ্যথোজকুসুমাক্ষতাভাবে ঘথা-্ত অথাধিদেবতাঃ সূকাঃ স্বেতপুষ্পাক্ষটতঃ স্থাপয়েৎ। ওঁ এম্থেছি গোৱীশ পিনাক-কেতুং ফুণ্ শ্লিত্যস্য মধুচ্ছন্দা ঋষিঃ অনিকুজা গায়ত্ৰী ছন্দ্ৰ কেতবো দেবতা কেতুছাপনে ইতি মন্ত্ৰান্তে কেতৰ ইহ তিঠতেতি বায়ব্যদলে ধ্ৰজাকারে চিত্ৰবূৰণে যড়ফুলমণ্ডলে ধ্ৰ্ম-ত্রায়কো ফুদ্রো দেবতা কুদ্রস্থাপনে বি০। ওঁ ত্রায়কং যজামহে, স্কান্ধিং পুটিবর্ধান্য। পাতে শশাঙ্কমেশল ব্যভাধিরত। দেবাধিদেবেশ মহেশ নিত্যৎ গৃহাণ পুজাৎ ভগবন্নমত্তে। राक्षांधत महोरमंत्र भार्तिकी भारतिका । जाशक छात्रमेन यरखनियम् मिनिधि कुक রুদ ইহ ডিগ্রেতি ফ্র্যাদুত্রতো রুদ্ধ শুরুপুষ্পাক্ষিতৈঃ স্থাপয়েথ। লাভোপপদৈঃ ছাপ্যাঃ।

န်

मन्निधि कून । ॐ कूक् वः यः छोमाधितम् कम हेश्गित्क्जावाहा वम्कम हेजमा डांगेरवी ज्यमिधिमिधिभाइयी जिष्टुर्ष् छ्मः ऋत्मा प्रविष्ठा कम्कूषिरम विश छ यमक्रमः अथमर कांग्रमांन উদ্যन् ममूमांमूठ वा भूतीयाद। त्मानमा भक्तां रविनमा वार्च উপञ्जठार महिकांठर उंड जर्सन् (य॰ २२, ष्य॰ ১১) हेि मञ्जास्त ड्यांसिरमर कम्म हेर डिस्केडि उ ज्यांवाङ्गाग्रङ् मिवीर हिम्मैर्सिङमञ्जवाग्। मिवि घर मर्सम् मिवा यर छङ्गिम् নারায়ণপুরুষঋশিস্ত্রিষ্টুপ্ ছন্দঃ উমা দেবতা উমাস্থাপনে বি॰। ও জ্রীশ্চতে লক্ষ্মীশ্চ क्ट्रेयान (य॰ ७১, জা॰ ২২) ইতি মন্ত্রান্তে চন্দ্রাধিদেবতে-উমে ইহ তিপ্তেতি সোমদক্ষিণে সমন্বিতম্। ময়ুরবাহনং শক্তিপাণিং বৈ বন্ধচারিণ্য। আগচ্ছ ভগবন্ কন্দ যজ্জেহসিন সন্নিধিং কুরু। ও ভূতুবঃ ষঃ চন্দাধিদেবতে উমে ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্য আশিচ ত ইত্যস্য भन्नावरहाद्याता भारमं नक्ष्यानि ज्ञभमिष्यनी व्याख्य । हेक्ष्वियानाषु भट्यान मर्कालाकः ः ও আবাহ্যামি 'দেবেশং ষণ্মুখং ক্তিকাস্তম্। ক্দতেজঃসমুদ্ৰতং দেবসেনা ভৌমদক্ষিণভাগে কব্দং ধেতপুকাক্ষিতিঃ ছাপ্রৈৎ। উমাৎ শুক্রপুষ্পাক্ষতৈঃ স্থাপয়েৎ।

গচ্ছেত্যাবাহ্য বিশ্বেগরেরাটমসীত্যস্য প্রজাপতিখাষিশ্ছন্দোভাবো বিষ্ণুদ্বতা বিষ্ণু-• ওঁ আবাহয়ে তং গকচ্ডাপরিছিতং রশার্দিহং <u>ফররাজবণ্</u>দিতম্। কংসাত্তকং जानक जनवन् विस्था यस्ज्यिनिम् मिन्निस् जन । ॐ कूक् वः यः तूर्षाधिरम् विस्था है हा-চক্রণদ্ভিষ্ত্রং ভঙ্গামি দেবং বস্থদেবস্ব্য্। পদ্মণ্ড হাবীকেশ কংসচাত্রমদ্ন

স্থাপনে বি । ও বিষ্ণোররাটম্মি বিষ্ণেঃ শুপ্তে স্থো বিষ্ণাঃ স্যুর্দি বিষ্ণোধ্য ঠৈকঃবৰ্ষাসি বিষ্ণুবে ত্রা (য০৫, অ০২১) ইতি মন্ত্রাতে বুধাধিদেব বিষ্ণো ইহ তিষ্ঠেতি

ভঁ এহ্যেছি বিপ্রেক্ত পিতামহেশ হংসাধিরত ত্রিদশৈকবন্দ্য। বজোৎপলাভাস বুধপশ্চিমভাগে বিষ্ণুং বৈষতপুষ্পাক্ষটতঃ স্থাপায়েৎ।

ज्यांशक एमदामादमां यरख्डशयान् अग्निर्धो छव। ॐ ्रूजू वःअर्कोंचाथिएमव अर्कान्नश्रीराष्ट्र-অনেকবতকর্রিং সর্কেষাঞ্ পিতামহ্ম। বিশ্রূপং নিরাধারং নিরালমং নিরাময়ম্।

ওঁ আ বন্ধন্ বাদ্ণো বন্ধক্সী জায়তামার্টে রাজন্যঃ শ্র ইয্বোইতিব্যাধী মহারধো ত্যাবাহ্য আ বন্ধলিত্যস্য প্রজাপতিখাবিশ্ছনোহভাবঃ বন্ধা দেবতা বন্ধছাপনে বি৽।

85

যঞ্মান্দ্য বীরো জায়তাং নিকামেনিকামে নঃ পর্জন্মে বর্তু ফলবত্যোন এষধয়ঃ कांत्रठाः मान्यी (यत्रर्माग्नम्)नाणः मथिः भूतिकार्माम् किकः त्ररिकोः मर्ज्या यूनाक পচ্যন্তাং যোগক্ষেয়ো নঃ কপ্পতাম্ (য০ ২২, অ০ ২২) ইতি মন্ত্ৰাত্ত্ৰ জীবাধিদেব একান্নিহ

अ मरकाया के<u>ल</u> मगरना मक़क्डि मामर मिव <u>ब्ब</u>हा भूत विषान्। काक् भंजूतभेस्टथा ভগ্ৰমিন যজেখিমন্ সমিথিং কুফ। এ ভুজুৰঃ স্বঃ শুকাধিদেৰ ইন্টা ইহাগচ্ছেতা।-త এছেগছি বুত্রস্থ গঞাধির দৃষ্যনেত্র ত্রিদশৈকপুজ্য। শচীপতে শক্ত স্থেশ मिठाः गृश्। गुकाः जभवन्नमत्त्व। मितिभाज महावार्याः मर्वाण्यन्ज्यिण। ष्यांगिष्क् বাহ্য সজোষ। ইত্যস্য বিশাদিত্রখাষিপ্রিফুপ্ ছন্দ ইন্দো দেবতা ইন্দ্রথাপনে বি৽। রূপ-গৃহাণ পুজাং ভগবন্নমত্তে। চিত্রগুপাদিসংযুক্ত দণ্মুদারথারক। আগস্ত্ ভগবন্ নুদ্ধাথাভয়ং ফ্রণুছি বিশ্বতো নঃ। (য০৭, অ০৩৭) ইতি মন্ত্রাত্তে শুক্রাধিদেব ইন্দ্র ওঁ এহেগ্ছি দণ্ডাযুধ ধৰ্মরাজ কালাঞ্জনাভাস বিশালনেতা। বিশালবক্ষঃস্থল রোদ-ইহ ডিকৌড শুকুপুর্মভাগে শেতপুষ্পক্ষেতৈরিন্দ্রৎ ছাপরেৎ। ভিষেতি গুরোঃ পুর্বভাগে বন্ধাণং খেতপুষ্পাক্ষতৈঃ স্থাপায়েৎ।

শ্বষভশ্ববিশ্বজনেইভাবশ্বিত্রগুপের দেবতা চিত্রগুস্থাপনে বি॰। ' ওঁ চিত্রাবসো স্থিতি তে वांहा यमाम्न चािकत्रयट् हेडामा म्याङ्काथर्वन्यायिक्टान्नां यामा (म्वडा यम-ওঁ ভূড়্বঃ স্বং রাহোরিধদেব কাল ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য কার্যিরসীত্যস্য প্রজাপতিঋ বি রকুষ্-ছন্দঃ কালো দেবতা কালস্থাপনে বি॰। ওঁ কার্রিরাস সমূদ্রস্য স্থাক্ষিতা। উন্ন-এঁ ভূবভূবঃ ষঃ কেতুগাহাধিদেব চিত্রগুপ্ত ইহাণাচ্ছেত্যাবাহ্য চিত্রাব্সো ইত্যম্য धर्मा वास्कृत्यान् मन्निधि कुक। अष्ट्रेष्ट्र क्षः भटिनक्ष्याधितम् यम देश्गित्क्रता-জ্ঞাপনে বি০। ও ঘমায় ত্রাজিরস্ততে পিতৃমতে সাহা। সাহা ঘ্রায় সাহা ঘর্মঃ পিত্রে য়ামি। সমাপো অদ্ভিরগতৈ সমোঘধীভিরোঘধীঃ (য॰ ৬, অ॰ ২৮) ইতি মন্ত্রান্তে রাছো (য০ ৩৮, অ০ ৯) ইতি মন্ত্রাতে শবৈশ্চরাধিদেব যুমইছ তিপ্রেতি শনেরাধোয়ভাগে শুরু-র্ষিদেৰ কাল ইহু ডিপ্রেডি রাহ্যেরীশানভাগে শেতপুষ্পাক্ষতৈঃ কালং স্থাপয়েৎ। পুষ্পাক্ষটতর্মং স্থাপয়েৎ।

পারমশীয় ইতি মন্ত্রাতে কেতুর্যাহাধিদেব চিত্রগুপ্ত ইহ্ ডিপ্রেতি কেতুনিখ তভাগে শেত श्रुष्णांकटेडिन्डिव खर्थः श्रुषिरत्र । मार्किः ममाध्रतः माहि करव नमत्छ । ७ जुजूवः यः य्राधानाधित्मवन जाता हश्न-চ্ছেত্যাবাহ্য অগ্নিং দূত্মিত্যস্য বিরূপাক্ষ্মিথিগায়ত্রী ছন্দোখ্যিদেবত। অগ্নিস্থাপনে वि॰। ॐ जाधिर मूज्र शूरबाम्रस स्वावास्मूर्भकत्व। तम्बाँ जामाम्बामिस (घरर, ज॰ऽ१)

ইতি মন্ত্রান্তে স্থ্যপ্রতাধিদৈবত অমে ইহ্ তিঠেতি স্থ্যতদ্ধিদেবয়োশ্বধ্যে শেতপুজাক্ষ-

टेडंनीझें श्रिताद ।

আপো হিঞ্ত্যেয় সিন্ধুদীপঋষিণগিয়ত্ৰী ছন্দআপো দেবতা অপাং স্থাপনে বি॰। ज्यारमा हिका मरहाष्ट्रवङ्या न डेटर्ड्ड मधाञन। मरह त्रगांत्र ठक्करम (य॰ ১১, ज्य॰ ৫०) ্ওঁ আপজোঁয়ং তথা প্ৰোক্তং পুষ্করং বারি কথ্যতে। আপো ছি শ্ৰেতি মন্ত্রেণাবা-হয়ে সোমপশ্চিমে। ওঁ ভুজুবঃ স্বঃ সোমপ্রত্যধিদেবতা আপঃ ইহাণচ্ছতেত্যাবাহ্য ইতি মন্ত্ৰাত্তে সোমাধিদেৰত। আপ ইহ তিজতেতি খেতপুষ্পাক্ষ্ঠতঃ সোমতদ্ধিদেৰতয়ে। बार्या जर्भः खार्भात्र ।

. ॐ. आवार्शामि चार तन्तीर शतिबीर त्वाक्यातिग्। जयुक्षक्रनत्कोक्षनाक-

उँ प्रार्था वृज्ञ भाषाधिता महत्यत्म जिम्हे ने क्रा भाष्टि भाष्ट्र भाष्ट्र भाष्ट्र भाष्ट्र भाष्ट्र भाष्ट्र भाष्ट्र (य॰ ৫, ष्य॰ ১७) इंजि मखारख तूथव्यजाबिरेमवज नात्राप्त वृध-আনুগচ্ছ ভগবন্দেব যজেহবিমন্ সলিধিং কুরু। ওঁ ভূতুবঃ সর্ধপ্রত্যধিদৈবত নারায়ণ केश्गटष्क्रजावाशः वस्तुतिज्ञमः त्र्याजियभं ियनात्रजी हत्मा नात्रात्रां प्रवि रम्वजा श्विदीक्षाशत्म विः। ॐ त्माम्ना श्विदि त्ना ज्वान्क्षता निरम्मी। यक्षा नः भर्ष ত আবাহয়ে তং গরুড়োপরিস্থিতং রমাধিদেহং স্বরাজবন্দিত্য। কংসাত্তকং ठकानिष्ड्र एकामि तन्त् नस्तिनस्यम्। भाषानां स्तीत्मा क्रम्। শাল্যলিপুক্রিঃ। এহোহি পৃথিবি দেবি যজেহামান্ সলিধিং কুরু। ওঁ ভূভূবঃ স্বর্ম-কলাধিদেবতে পৃথিবি ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্য স্যোনেত্যস্য মেধাতিথিখ বিগায়ত্ৰী ছন্দঃ পৃথিবী मखयाः। (य॰ ७৫, ष्य॰ २১) हि गन्नात्व मक्षनाधितम्बर्ण भृथिति हेह जित्नि श्रियोि॰ শ্বেতপুঞাক্তিঃ মঞ্লতদ্ধিদেবয়োর্মধ্যে স্থাপরেৎ। তদ্ধিদেবরোর্দ্মধ্যে শ্বেতপুষ্পাক্ষটতঃ স্থাপয়েৎ।

দ্ধ্যভ্তাথৰ্কণ্মাধিশ্ছন্দোভাবইন্দাণী দেবতা ইন্দাণীস্থাপনে বি০। ওঁ অদিতৈ রামা-मील्माना उन्नीयः भूयामि प्रमात्र मीत्र (य॰ ७৮, ज०७) हे ि मञ्जात्य एक प्रजायितम्बर् -তীনাং জয়ন্তানাং মুক্ততো যন্ত্রাম্। (য০১৭ অ০৪০) ইতি মন্ত্রাতে জীবপ্রত্যধিদৈবত ইন্দ্ ্ ওঁ ভূড়্ৰঃ ষঃ শুক্ৰপ্ৰত্যধিদেৰতে শচি ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্য অদিট্ডারামামীত্যস্য बार्हाहि वित्यस ध्रामतंत्रमं ह्यापिकां विम्टेमक्ष्मा। तत्कांदर्भनांचाम ৪৩ নিত্যং গৃহাণ পুজাং ভগবন্নমজে। শদীপতে মহাবাহো সর্বাভরণভূষিত। আগচ্ছ বি০। ও ইন্দ্রতাসাং নেতা, বৃহস্পতিদক্ষিণা, যজঃ পুরএতু সোম্ঞ। দেবসেনানামভিভঞ্জ-ভগৰালতাং যজেহামুন্ সাল্লিং কুফ। ওঁ ভুজুৰঃ স্বজীৰপ্ৰত্যাধিদৈৰত ইন্দ ইছা-भरष्कातावाहः इन्द्रामामिकामः अकामिकिभं विखिषुर्भ हम इंद्या (मनको इन्द्राथान কুশামুহ্ছ গৃহাণ পুজাং ভগবন্নমত্তে। আবাহয়াম্যহং দেবং দেবেশঞ্ঞ প্রজাপতিম্। অনেক্ততকভারং সর্কেষাঞ্ পিতামহদ্। বিশ্রুপৎ নিরাধারং নিরালয়ং নিরাময়ম্ শচি ইহ তিষ্ঠেতি শুক্রতদ্ধিদেবয়োশ্বধ্যে শেতপুষ্পাক্ষটতঃ শচীৎ স্থাপারেৎ। ইহ ডিকেতি জীবতদ্ধিদেবরোর্ধ্যে শেতপুষ্পাক্ষটতরিন্দ্রৎ স্থাপায়েৎ। •

जागे छ (मयमित्ने यर छारे सिन् मिनिषि कुन । 👸 जूजू विश्व का निया आधि मिवज थिया কামাজে জুত্মস্তন্নো অস্ত বয়ং স্যাম পত্রোরগ্লীণাম্ (য০ ১০, অ০ ২০) ইতি মন্ত্রান্তে শনি-পতে ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য প্রজাপতে ইত্যম্য হিরণ্যগর্ভঋষিস্থিষ্ণ ছন্দঃ প্রজাপতির্দেষ্তা প্রজাপতিস্থাপনে বি০। ওঁ প্রজাপতে ন ত্বদেতান্যন্যো বিশারশুণণি পরিতা বভূব। যৎ প্রত্যধিদৈবত প্রজাপতে ইহ তিপ্রেতি শনিতদ্ধিদেবয়োর্মধে; প্রজাপতিং তৈঃ স্থাপ্যেৎ। . ॐ जर्हाह् नारभक्त्यदामरद्रम मर्त्वामदेदक्मिल्भामभष्म। नानाक्तामधनदाक्रमान গৃহাণ পুজাং ভগবন্নমত্তে। আশীবিষসমেশ্পেত নাগকন্যাবিরাজিত। আগচ্ছ নাগ্রাজেশ যজেহামিন্ সন্নিধিং কুফ। ত ভুতুবঃ ষঃ রাহ্ প্রত্যিদেবতাঃ সপা ইহার্গজ্তেত্যাবাহ্

😅 নমোহস্ত মপেতিনা যে কেচ পৃথিবীমন্থ। যে অনুরিক্ষে যে দিরি তেভ্যঃ মপেতিশানমঃ (য০১৩, অ০৬) ইতি মন্ত্রোত্র রাত্তপত্যধিদেবতাঃ সপ্। ইহ তিষ্ত্তেতি রাত্তদধিদেব-কর্কোটকশ্চ পদ্মশ্চ মহাপদ্মস্তবৈধ্ব চ। শশ্বপালশ্চ কুলিকো নাগান্টকমুদা্শত্ম্ ইত্যুক্তা ৰদেষ্য স্প্তা ইত্যেস্য প্রজাপতিঋ বিরক্তুপ্ ছন্দঃ স্প্দেৰতাঃ সপ্স্পিনে বি৹। য়োশ্বপ্তে স্পান্টভঃ স্থাপ্যেৎ। তে চ স্পাঃ অন্তোবাস্থ্রিকৈশ্বৈত তক্ষকশ্চ ত্তীয়কঃ।

ত্যাবাহ্য এক্ষ জজ্ঞানমিত্যস্য গৌতমখ্যিবিস্তিপূপ্ ছন্দে। এক্ষা দেবতা এক্ষ্পাণন বি॰। ভিষ্ঠেতি কেতুতদ্ধিদেবয়োশ্বধ্যে বন্ধাণ্ৎ ১তঃ স্থাপয়েৎ। আদিত্যাদীনাং দন্দিণপাশ্বেষু ত্ৰেকা জভানং প্ৰথমং পুরস্তাদি সীমতঃ স্কুচোবেন আবঃ। সবুগ্রা উপমা অস্য বিষ্ঠাঃ সভশ্চ যোনিমসতশ্চ বিবঃ (য০১৩, অ০৩) ইতি মন্ত্রাতে কেতুপ্রত্যধিদৈবত একালিছ भामुह्छ शृंहां। श्रेकां एजावन्नमत्छ। जावाह्यांमाह् एमवर एमत्वभंध थाङ्गांभिष्मि। जात-দেবদেবেশ যজ্ঞে ২মিন্ সন্নিধিং কুরু। ও ভূতুবঃষঃ কেতুপ্তান্ধিদৈবত বন্ননিহাণাজে ক্ত্রতকর্তারৎ সর্কেযাঞ্প-পিতামহণ্। বিশ্বরূপৎ শিরাধারৎ নিরালম্বং নিরাময়ণ্। আগচ্চ . . ॐ वास्त्रिकि विश्वास भिष्यामार्यं रूपाधिक विम्द्रेनकवन्ता। तत्कार्यमाणाम क् জ্যিদেধতা বামপার্যের তু প্রত্যধিদেবতাঃ স্থাপীয়েদিত্যপোকে। রাহেই। প্রত্যধিদেবতাই। ·

দুরিতাত্যামঃ (ঋ১অফ, ৭৯০পু) ইতি মন্ত্রাতে লোকপালে দুর্গে ইহ তিপ্রেতি শনেকজর-मनिधि कुक्। ७ जुक्विः यः त्नांकभीत्न मूर्त क्वांगत्क्जांवाहा जांज्यमरम . उँ षादार्ग्रागर्थः (म्वीः रिमन्तिष्मख्याम्। (मवि ष्रः मर्त्राम्) याख्वशियान् क्जामा कामाभश्रविष्ठिने हत्म। पूर्ता त्मवज पूर्ताक्षाभत्न विः। उ काज्यमार ञ्चनवाम সোমমরাতী যতো নিদহাতি বেদ। সনঃ পর্দতি দুর্গাণি বিশা নাবেব সিন্তুং र्वागर वरमा मम ष्यार्घकामि गर्वधमा घमकामि गर्दधम् (य॰ २७, ष्य॰५३) हे ि मद्यार छ भनमाथ वृश् याष्ठ्यविम् मिन्नित्री छ्व। ॐ कूकू वः यः लांकभाम भनभाग हेश्राष्क्रणावाहा পণানাং জ্বা গণপতিং হ্বামহে প্রিয়াণাং স্থা প্রিয়পতিং হ্বামহে নিধীনাং স্থা নিধিপতিং লোকপাল গণপতে স্থ্য তিষ্ঠেতি রাহোক্ষত্তরভাগে গণপতিং শ্বেতপুষ্পাক্ষটতঃ স্থাপয়েৎ। গণেশং ভজামি রৌদ্রং সহিতং চ সিদ্ধা। লম্বোদ্র মহাকার গজবলু চতুডু জ। আগচ্ছ গণানাং ত্বেত্যস্য প্রজাপতিশ্র বিশ্তকোহভাবঃ গণপতির্দেবতা গণপতিস্থাপনে বি৽। ও ি ত আবাহ্যে তং গণরাজদেবং রজেংপুলাভাসমলশ্যবন্দাম্। বিল্লান্ত ন বিল্লহ্যং ভাগে দুর্গাং শেতপুজ্গাক্ষটতঃ স্থাপরেৎ।

8(¢

व्यांवाङ्ग्रांभि ८५८४मे कुर्जामार ८५३४। त्रिम्। मर्त्वांषांत्रः महारवगर स्गिवाहमभीष-मिन्निष्टि कुका ७ कुकू वं करमांक्यांन वारंश है हांगरेष्क्र आवाहा वारंश (य ७० इंजामा ग्रमममक्षिषिभीष्रजी ছत्मा वाग्रुर्फवजा वाग्रुष्माभात विः। छं वार्षा (यरंज मरू-क्षिरण त्रथमिस्ड जिन्नागहि। नियुर्ज् । मामभी जरत (य॰ २१, ष्र॰ ७२) हे जि मखार छ (लाक

উদ্দিশো দিগ্ভ্যঃ ষাহা (ষ০ ৬, অ০১১) ইচি মন্ত্ৰন্তে লোকপাল আকাশ ইহ তিপ্তেতি প্রাল বায়ো ইহ ভিপ্নেতি স্বোজরভাগে বায়ুং পেতপুজাক্ষিতঃ স্থাপ্যেথ।

এ ভুজুবঃ স্বলে কিপাল আকাশ ইহাগচ্ছেত্যাবাহ্য যুতং যুতপাবান ইত্যস্য প্রজাপ্রত্থি বিশ্ব কালে বিশ্ব বিভার বিশ্ব বিভার বিশ্ব বিভার বিশ্ব ব রাহুদক্ষিণভাগে আকাশং শেতপুষ্ঠাক্ষিতৈঃ স্থাপ্যেথ। ँ ওঁ ভুজুৰঃ স্বলোকপালাবাশিনাবিহাগজ্জনিজ্জাবাহ্য যা বাংকশেত্যস্য মেধাতিথি-असिक्षांत्रजी ছন্দঃ আশ্বিনে। দেবতে আশ্বিন্দ্রাপনে বি॰। ও যা বাং কশা মধুমত্যশ্বিন।

মবিতারমিন্দং, হরেহবে স্তহবং শ্রমিন্দ্। হ্রামি শতাং পুরুত্তমিন্দং সন্তি নো ত্রতারমিতাস্ত গর্গমাষিস্তিষ্ট্প্ছন্দঃ ইন্দ্রো দেবত। ইন্দ্রগণনে বি॰। ওঁ ত্রাতারমিন্দ্র-भघता थाष्टिसः (सन् २०, जन००) ट्रि महाराख पिक्नाल ट्रेस ट्रिकेजि भूर्तिणामिसर সুমূতাবতী। তয়া যজ্ঞং মিমিক্ষতম্ (য০ ৭, অ০১১) ইতি মুন্ততে লোকপালে। আশ্বিনাবিহ ওঁ এহ্যেছি রব্রম গলাধিরাঢ় সহ্তানেতা ত্রিদশৈকবন্দা। শাচীপতে শক্ত স্বেশ নিত্যং গৃহাণ পুজাং ভগবন্ধমত্তে। শ্চীপতে মহাবাহো সর্বাভরণভূষিত। আগচ্ছ ভগবনিত্যং ম্ডেইসিন্ সলিধিং কুরু। ওঁ ভূতুবঃ ষঃ দিক্পালইন্দ্র ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্য তত ইত্রাদীন্ দশ দিক্পালান্ স্বদিফু শেতপুজাকেট্তঃ ছাপরেৎ যথা। তিষ্ঠত্যিতি কেতোৰ্কক্ষিণতঃ আশ্বিনে। শ্বেতপুষ্পাক্ষিতৈঃ স্থাপয়েৎ। শেতপুষ্পাক্ষ হৈতঃ স্থাপয়েক।

ত্বং নো অয়ে ইত্যন্ত হিরণ্যক্রণ আদিরসম্মবিজ্ঞিন্ ছন্দঃ অগ্নিদ্বতা অগ্নিস্থাপনে ও এহেগহি সর্কাযরহব্যবাহ মুনিপ্রবিহিতোহভিজুট ় তেজোবতা লোকগাণেন মার্নিং মুমাধরং পাহি কবে নম্ভে। ও ভূতুবঃ স্কঃ দিক্পাল অর্থে ইহাণকৈত্যাবাহ্য

8% वि.। ७ घर तो कर्य वक्रामा विष्यंत्र मित्रमा रहाएं व्यव्यामिनीकाः। यिष्टाका विश्वित

শোশুচানো বিশা দেযাংসি প্রমুগ্ধ্যসাৎ (বং২১, অং৩) ইতি মন্তান্তে দিক্পুলি অংগ ইছ ডিজেতি আমেযামামিং শেতপুন্ধাক্ষতৈঃ ছাপায়েৎ।

ও এহেছি দেওায়ুধ ধর্মরাজ কালাঞ্জনাভাস বিশালনেত্র। বিশালবক্ষঃস্থল রৌদ্রনেত্র

नुहान श्रुक्षीर जमवम्मर्टछ। जिव्ह्यक्षीमिमर्युक्त मण्यूमात्रधातक। ज्यानिक् छन्दन् धर्म

নো অভয়ং ক্লোজু নঃ ইতি মন্ত্রান্তে দিক্পাল যম ইহ্-তিন্তোতি ঘাম্যাং যমং বেও যজেহবিমন্ স্মিধে ভৰ। ও ভৃত্বঃ স্বদিক্পাল যম ইহাণচ্ছেত্যাবাহ্ স্থাং মু পদ্ধ-मिजामा थकाभिष्यि मिखिषुष् क्षमः यामा (मवजा यमकाभाग वि॰। ७ क्रमः अ भिष्टाः ঞাদনং ন্এছি জ্যোতিয়াখ্যে ছারং ন আয়ুঃ। অপৈতু ফ্তুরেফ্ডং সজাগাৎ বৈব্যতো

9 अ जर्श्व इत्कांभनमंत्रक घुर विमानरवजानभिमां भरदेषः। ममाक्षरः भाहि निमाठमाथ (लारकर्षत्र घुः ७गरम्भत्छ। निस्राज्ञिः थ्लाङ्ख्क मर्त्वरलाटिकक्रभावम्। অন্বাহ্যামি মজেহমিমন্ পুজেয়ং প্রতিগৃহতামী। ওঁ ভুতুবঃ সন্দিক্পাল নিঋতে ইহা-श्रुकामित्र इंशियार।

89 প্রস্ত প্রথমপুঠে বরুণদিক্পালস্থাপনান্তরমিদং দেউব্যম্। ्वि कि विश्वार

(89)

ঋষিত্রিষ্টুপ্ ছঁলো বায়র্দেবতা রায়্ছাপনে বিনিয়োগ ইতি মৃত্রা। ও জানো নিয়ুদ্ধিঃ প্র প্রাহায়াম পেবেশাং প্র প্রায়ের চারিণ্য। আগাচছ ভগবন্বায়ো যন্তেরহামন্ সামিথিং বি প্রাহিত্য মহাবেগং ট্রনোক্যান্তরচারিণ্য। আগাচছ ভগবন্বাহ্য আ নো নিযুদ্ধের ভাসা বিস্কির্ বি ক্র । ও ভুত্ব গুলু বিং সালি বায়ো ইহাগচেছ ত্যাদিনাবাহ্য আ নো নিযুদ্ধের ভাসা বিষ্ नाज्नी जित्र व्यव्यनी जिक्र ने शाहर वक्ष्य । वार्या जार्यन् मदत्न मान्यय यूष्ट आवां इग्नरीम (मटवमा कुलाना ९ एक्यादिनम्। मर्तायात गहाटनगः स्नावाहनमी मेत्रम्। भाछ षमुखिष्टिः ममानः (य०२१ षा०२৮ म०) इण्डि मम्रोत्छ मिक्शांन वार्या তিষ্ঠেত্যাদিন। বায়ব্যদিনি বায়ুং জ্বাপয়েৎ।

গচ্ছত্যাবাছ অসুষত্তমিত্যম্য প্রজাপতিঋ বিষ্ট্রিউপ্ ছন্দে৷ নিঋ তিৰ্দেবতা নিঋ তিছাপনে বি০। ও অত্যন্তম্যজনানমিচ্চু স্তেন্সেত্যাম্মিছি তক্ষ্য্য। অন্তীম্মদিচ্ছ সাত ইত্যা নমো দেবি নিঋতে তুভামস্ত (য০ ১২, অ০ ৬২) ইতি মন্ত্রান্তে দিক্পাল নিঋতে ইহ ভিষেতি দৈশ্ ত্যাং নিশ্ব তিং স্থাপয়েৎ।

छ जावाङ्ग्राभि एएत्वर्गः मिललम्गांथियः श्रष्ट्रम्। 'अश्रमांभध्वः (मोमाः वक्रंगः

ঘাদসাংপতিম্। গন্তীরথসমারুঢ়ং মণিরত্নসম্বিতম্। আগিচ্ছ দেব বরুণ যজেথসিন্

সলিধিং কুফ। ও ভুজুবঃ স্বদিক্পাল ব্রুণ ইহাণচ্ছেতাবাছ তত্ত্বা রামীতাস্ত ভানঃ-

ত্তদাশাত্তে যক্তমানো হবিভিঃ। অহেড্মানো বক্তণেহ বোধ্যুক্তশংস মা নআয়ুঃ প্রমোধীঃ শেকখাবিজ্ঞিণু ছন্দে। ব্রুণো দেবতা বরুণস্থাপনে বি॰। ও তত্ত্বা য়ামি ত্রদাণা বন্দমান-(য০১৮, অ০৪৯) ইতি মন্ত্রান্তে দিক্পাল ব্রুণ ইহ্ তিষ্ঠেতি পশ্চিমায়াং বরুণং স্থাপায়েৎ।

ভূষণম্। সুধাকরং দ্বিজাধীশং তৈতলোক্যপ্রীতিকারকম্। এষধ্যাপায়েনকরং সোমং কন্দপ্ বর্জনম্। আাগচছ ভাগবন্ সোম যজেহসিন্ স৹। ওঁ ভূভূবঃ সদিক্পাল সোম ইহাগচেছ-অবাহায়ামি দেবেশং শশাক্ষং রজনীপতিয়্। ক্ষীয়েদিয়য়য়ৣড়তং হয়য়য়ৗলিবি-

৪৭ ত্যাবাহ্য বয়ং সোমেত্যস্য বন্ধুঋ বিশারতী ছন্দঃ সোমে। দেবতা সোমস্থাপনে বি॰। ॐ

বয়ং সোম ত্রতে তব মনগুরুমু বিভ্রতঃ। প্রজাবন্তঃ সচেমহি (য॰ ৩ অ॰৫১) ইতি মন্ত্রান্তে

84

यहक्रभ्याम् ममिषि क्र क्र है। ॐ क्र क्र विक्रमान के भाग है होग छ छ। वभी भागिनि ভ্যুস্য গৌতম্খাযিজগাতী ছন্দ ঈশানো দেবতা ঈশানস্থাণ বি॰। ওঁ তমাশান্থ জগতস্তস্থ্য-

শ্সতিং ধ্রিং জিল্মবসে হুমহে বয়ম্। পুবা নো যথা বেদদামদদুধে রক্ষিতা পাষুরদকাঃ

স্ত্তরে (য০২৫, অ০১৮) ইতি মন্তাতে দিক্পাল ঈশান ইহ তিঠেতি ঐশান্যামীশং

কুশামুহস্ত গৃহাণ পুলাং ভ । আবাহ্যাম্যহং দেবং দেবেশ্ধ প্রফ্রাপতিম। অনেক বত কভিারৎ সর্বেষাঞ্চ পিতামহন্। বিশ্ররপং নিরাধারং নিরালয়ং নিরাময়ন্। আগাচ্ছ

ॐ बह्याष्ट्रि विद्यस्य भिष्याग्रह्म रूत्माधिकः विम्टेनक्ष्र्का। बङ्गिष्माणाम

数|対に対の |

নিত্যং গৃহাণ প্রজাং ভাগ। গঙ্গাধর মহাদেব পার্কিতীপাণবল্লত। আগাচ্ছ ভগবন্ধীশ

ॐ बर्स्डाष्ट्र भोदीम मिनाकनारन मनाक्षरमोटन व्यङाधिका । प्रवाधिप्रपरनम गर्सम

দিক্পাল সোম ইহ তিষ্ঠেতি উদীচ্যাৎ সোমং স্থাপায়েৎ।

দেবদেবেশ যজ্ঞেহিমিন্স । ওঁভূতুবঃ সদিক্পাল বিদান্ইহাণকৈত্যাবাহ্য অমে जनस्य त्रकाधुरंगयानीयम्। এट्राङ् नार्गस्य ध्रामरत्रस्य मर्तामटेतर्वनिरुज्याम्थाम्। नाना-কুদা ইত্যস্য প্রগাথশ্ববিষ্ট্রপু ছন্দো এক্ষা দেবতা এক্ষস্থাত বি॰। ওঁ অস্মে কুদা মেহনা পৰ্কতামো র্তাহতে। ভরহুতে) সজোষাঃ। যঃ শংসতে জ্বৰতে ধায়ি পজ ইত্ৰুজোঞা ভ 'এহেগ্হি পাতালধ্রাম্রেশ নাগাজনাকিন্ত্রগীয়মান। যক্কোরগেন্দামরসিদ্ধমৎ বৈ অসু। অবস্তু দেবাঃ (য০ ৩৩ অ০ ৫০) ইতি মন্ত্রাতে দিক্পাল এদান্নিহ তিপ্তেতি পুর্বে-শানয়োধ্যধ্য দৈখ্তপশিচময়োধ্যধ্য বা ত্রমাণ্ড স্থাপয়েও।

श्थिवि (मा ভবाक्कः द्या निर्दर्गमी। बष्टा मः भर्मा मथ्यपाः (घ० ७৫ ष्य०२५) इंजि - আগফ্ নাগরজেন্দ্র যজে> মিন্স ন । । । উ ভুভূবঃ 'সদিক্পাল অনন্ত ইহাগফ্ত্যাবাহ্য गञ्जात्य দিক্পাল অনত ইহ তিপ্তেতি নৈখাতপ্শিচময়োম্ধে। ঐশানপ্শিয়োম্ধে। বা জোনা পৃথিবীদ্য মেধাভিথিখাষিণীয়ত্রী ছন্দোচ্নজে। দেবতাহন্তস্থাত বি ।। ওঁ স্থোনা ফগামণ্ডলরাজমান গৃহাণু পুজাং ভগবন্নমজ্জে। আসীবিষস্মোপেত নাগকন্যাবিরাজিত। অনতং স্থাপয়েৎ।

<u>&</u>

হ্বারভ্ষিতান্। আবাহয়ামি যজেহমিন্ বস্নফৌ স্থাবহান্। ওঁ ভূজুবঃ স্বধ্রাদয়ো বসৰ ইহাগচ্ছতেত্যাবাহ্য- জ্ময়। অত্ৰেত্যস্য বসিষ্ঠ ঋষিস্থিষ্টুশ্ ছন্দো বসবো দেবতা अ जावाङ्ग्रांगि (मटवर्णाम् वस्त्रायो गर्शवलाम्। त्योगगुर्जियनाम् (मवाम्य করাদ্বিভান্। গুদ্ধকাকাশালানাবস্তবিরাজিতান্। অশ্রারটান্ দিব্যবস্তান্ সর্কাল-

-বস্তুনাং স্থাপনে 'বিল। ঔ জাুয়া অত্র বসবো রন্ত দ্বো উরাবন্তরিক্ষে মর্জনন্ত শুলাঃ।

অধ্বিক্ পথ উরুজ্যঃ রুণুধং তোতা দৃত্স্য জ্যানো নো অস্য (ঋণ জন্ট ত অ৪ স্থ) ইতি मलार अ अवाम रहा विकार है जिल्ला है ज्याशिय अवामीन को वस्न अङ्ग अङ्ग भाकरे ॐ ব্যার্কা মহাদিব্যা ব্যক্তাব্যক্তস্ত্রপিণঃ। নাগহারামহারোদ্রভৈ স্কিসংহারকারকাঃ। -স্থাপরেৎ।

जानक्छ महाजानाः भूरजाः अजिन्यजाम्। उष्पूरः यनीत्रज्यामता कषा हेश. ४৮ অমাৎ প্রতিহ্য্যতে মতিক্ত্যজ্ঞ ন দিব উৎসতিদন্যবে- ্থা০ ৩, ৪৭৪প্) ইতি মন্ত্রাত্তে গচ্চতেত্যাবাছ্য আ রুদ্রাস ইত্যস্যাত্রেয়খাবির্জাগতী ছন্দো রুদ্রা দেবতা রুদ্রাণাৎ স্থাপনে विश । ॐ जा क्रमाम हेक्दवरः मरकांयरमा हिंद्रशांत्रथाः क्रविणाः गखन। हेग्नर (वा

दीत् ভ্রাদ্রো রুদা ইহ তিঠতেতি অগ্নিমায়োম্ধেয়ে একাদশ রুদান্ শেতপ্রশাক্ষতৈঃ স্থাপয়েৎ। একপাদাদয়ো রুদ্রা ইত্যান্য।

দেৰতা আদিত্যানাং স্থাপনে বি০। ও মজো দেবানাং প্ৰত্যেতি সম্মাদিত্যাসো ভৰতা रुष्ति का त्वारक्षिति ममिक्किव्जामश्हर्मिकम्। विविद्यामि (स ऽष्य । क् ও পদাসনঃ পদাহতঃঃ সিন্ধুরাকণসপ্তাঃ। রথারুঢ়া মহাভাগাঃ কাশ্যপেয়া মহাত্তিষঃ। আগচ্ছতাদিত্যদেবাঃ পুজেয়ং প্রতিগৃহতাম্। ওঁ ভূভূবঃ স্ধাত্রাদম-আদিত্য ইহাগচ্ছতেত্যাবাহ্য যজ্ঞোদেবানামিত্যস্ কুৎসঋষিস্তিইপু ছন্দ আদিত্য ত্যান্ শুরুপুষ্পাক্ষীতঃ ছাপ্রের।

কর্মণি। ওঁভুকুবঃ স্বরাবহাদ্যঃ সপ্ত মৃক্ত ইহাগচ্ছতেত্যাবাহ্য মুক্তো যসোত্যস্য গৌতমশ্বধিয়িত্রী ছন্দো মকতো দেবতা মকতাং স্থাপনে বিগ। ওঁ মকতো যস্য হি ক্ষয়ে পাথাদিবো বিষহসং। স স্থগোপাতমো জনঃ (য॰ ৮ অ॰ ৬১) ইতি মন্ত্ৰাতে इत्सन मक्षया क्रिन्द फिट्ड शूखः मक्रम्भनम्। महानीयाः महावाद्यमास्त्र मथ इन्छ मञ्जारखः थावामग्र ज्यामिखा। इर जिथेरजि इत्स्म्भामरग्राधारथा क्षवामीन् घामभामि-

৪৯ আবহাদয়ঃ সপ্ত মফত ইছ ডিঠতেতি বায়ুসোমায়োম্থ্যে আবহাদীন সপ্ত মফতঃ খেডি-

ইহাণচ্ছেত্যাৰাছ বন্ধ জ্জানমিত্যস্ত গোত্ৰো বাম্দেৰ্থাযিত্ৰিযুপ্ছন্দো বনা দেবতা उँ र्भात्रा मर्गवार्ग धक्वक ठेष्ट्रक्ष । विषेत्र यक्ष्यू वर विजय शक्षमानार ह কুণ্ডিকাম্। আগাজ্ভ অকান্দেবেশ যভ্জেংমিন্ সলিধিং কুকু। ওঁ ভুজুবঃ স্বৰ্ধান मुक्ताकहें इ भटार ।

চক্রণদাজহন্তং ভজামি দেবং বসুদেবস্বুম্। ও ভুজুবঃ স্বর্চাত ইহাণচ্ছেতাবাহা ্ত্র হছাগম্ভিতাবাহ্ এশ অভ্যামান্তান্ত শোভনো মান্নমম্মান্ত্র হুরুচোবেন আবিঃ। স বুয়ুাা ভ্রেক্সছাপনে বি৹। ওঁ ত্রদা জ্জানং প্রব্যাদিসীমতঃ স্রক্রচোবেন আবিঃ। স বুয়ুাা ভ্রেক্সদান্ত্র বিষ্ঠাঃ সতক বোনিম্মতক বিবঃ (৪০১৩, অ০৩) ইতি মন্ত্রাতে ভ্রেক্সন্ ইহ ভিস্তেতি ভূ হুমনিশ্ল তিম্পে ভ্রেদাণং ছাপ্রেং। ভূ ভূ আবাহ্রে তং গরুচ্ছেপরিস্থিতং রমান্ধিদেহং স্বর্গজবিদ্তম্। কংসাত্রকং ই उ हेम् र विक्षं क्षिठकारम त्व्रथा निमरथ भम्म्। मगुष्मण भारस्त (य॰ ६, षा॰ ১৫) हेजि ইদং বিষ্ণু রিত্যক্ত মেধাতিথিখ বিশায়তী ছন্দোইচ্যতো দেবতা অচ্যুত্সাপনে বি॰। মন্ত্ৰমন্ত অচ্যত ইহ তিঠোত নিখা তিবকুণারীৰ্মধ্যে আনুতেৎ শেতপুঞাক্ষতৈঃ স্থাপায়ে ।

কদ্রায় প্রচেত্রেস মীদুউমায় তব্যুসে। বোচেম শংত্মং হাদে (ঋণ আ০১, ৪০১ পু) ইতি जांगक जावमक यरखशियम् ममिषिश कुक। ७ जुजू वह यतक देशनात्क ज्ञावांक यन-জাগক্ষ ভগবন্ধীশ যন্তেঞ্মিন্ সন্নিধিং কুরু। ওঁ ভুজুবঃ স্বরীশান ইহাগচেছত্যাবাছ - ও পঞ্চৰক্ত ব্যারাড় প্রতিৰক্ত্র বিলোচ্ডা কপালশ্লখট্যক্ষিন্ চক্ত্রোলে সদানিব। কদ্রতায়েত্যক্ত গোরপুত্রঃ কণ্ খাবিণ্যেতী ছন্দ ঈশানে। দেবতা ঈশানহাপনে বি॰। । । ওঁ প্ৰাসন প্ৰাহ্ত সিন্দুরাফণ্সপ্রভা র্থান্ত মহাবাহো কাশ্যপেয় মহাদ্যুতে। মন্ত্ৰান্তে ঈশান ইহ তিঠেতি বায়ুব্ৰুণযোধিষ্যে ঈশান্থ স্থাপয়েও।

ওঁ ভুজু বঃ ধর্মনম্পতে ইহাণক্ষেত্যাবাহ্ মনস্পতে ইত্যক্ত প্রজাপতিশ্ব ষিত্রিউ প্ প্রতরণঃ স্বীরঃ। গোডিঃ সংনদ্ধো অমি বীড্যঃ কাস্থাত। তে জ্যুত্ জেমুশি (বং১৯জ্ঞ घक्र हे जा क का भाषियां विभी विक्री क कर वार्कार प्रकाष कर का भाषा के क्रिक्य ছনঃ বনম্পতিক্রেতা বনম্পতিস্থাপনে বি৽। ও বনম্পতে বীজুকো হি ভুয়া অমংসধা শ্বাহ। স্বণাকঃ স্থাহা স্বণশুক্রঃ সাহা স্বণ্ডেলাতিঃ সাহা স্বণস্থাঃ সাহেতি (ব০১৮জা ৫০) ইতি মন্ত্ৰাতে অৰু ইছ তিপ্ৰেতি বাষ্ট্ৰাম্যযোগ্ৰহৰ্ ছাপ্যেথ।

৫০ ৫২) ইতি মন্ত্ৰাত্তে বনস্পতে ইহ তিপ্ৰেতি অৰ্কস্মীপে স্থাপয়েৎ। মহাবেদিমধ্যে ৰক্ষাদি-

मीनार वाटाजकः मञ्जालादन वर्गनामिन्दमाखनाममदन्त्रदेग्व शुक्कां कार्या। वञ्जक्रमामिन्ज्यम- 🚓 थ्छाधितमव्हां मव ष्रधानीम् भक्ष विमाधकामीम् त्लांकभानामिर्छाक् घाजिश्मात्मव्हा नौতि দেবতাঃ স্থাপনমন্ত্রেণ প্রত্যেকং প্রেণ্ণাণ চারৈঃ বেংড়শোপচারৈর্ণ পুজয়েরৎ বস্থা-ক্ৰমেণ প্ৰত্যেক্ৎ মনোজ্তিরিতি (প ২৪ প্ ১ প ০৩) পাণ্ডক্রমন্তার্ভ্যা মর্কেষাং পাণ-- ঘাদশাদিত্যান্ আবহাদীন্ সপ্ত ম্ফতঃ বেমাচুচতেশানাক্বনস্জতীন্ পঞ্চেত্যেবং পঞ্ क्रविधिष्माज्ञ मरक्षा भाष्य मित्र क्षेत्र क्षे देखांनीन मन मिरुभानान् बत्छे। क्षरानीन् रक्म् এकमामानीत्नकामन क्राजान् शाबानीन् তত আকাছনক্ৰমেণ প্ৰত্যেকং স্থ্যাদীন্ নব এছান্ তদ্ধিদেবতাঃ নব শিবাদীন কতাং সমুদিতদেবতাত্বপক্ষে একপঞ্চানদেবতাঃ স্থাপন্ম**ে**সুরেব প্জা। ইতি বিশেষঃ वाष्टिकार कूर्यादा

- তত্র রবেঃ ওঁ কাশ্যপং কতিয়ং রক্তং কীলিকং চতুরজুলম্। পঘহস্তদ্বয়ং পূর্বাননং

उनाग्न धामारम् विस्मायः।

हिइनाङ्ग् भ षाक्तित्रभाषिष्ठिके भ रूमः मिवज (मवज स्थाभ्काम विन। अ षाकास्य রজসা বর্ত্তমানে। নিবেশঃশ্বস্তুত্ত মর্ত্যঞ্চ। হিরণ্যযেন সবিতা রূপেনা দেবো যাতি জুবনানি সঞ্জাশ্ধবাহনম্। নিবাধিদৈবতং ধ্যায়েৎ বহিপ্রতাধিদৈবত্য। ধ্যানম্। আক্রফোনতাস্থ

ফলং চ নৈবেদ্যং প্রবালং রত্নমিত্যেবং বিশোষতো দদ্যাথ। ওঁ বন্ধুকপূষ্ণানীকাশো পশ্যন্। মন্তঃ। রক্তং বস্তংরক্তংচন্দন্ং হয়ারিকুস্তমং গুণ্গুজুৎ ধূপং গুড়োদনং দ্রাক্ষাং রজোৎপালদলপ্রঃ। লোকনাথো জগদীজং শাতিং যচ্চতু ভাষরঃ। ইতি প্রার্থনা। ও

চক্ত তুঁ সামুদ্ধ বৈশামাত্রেয়ং হ্তমাত্রং সিতাষ্যম্। শেতং দিবাহুং সোম্প <a | स्वापन स्व -ৰমঃ স্বিত্ৰেঁ জগদ্বেকচকুষে জগৎপ্স্তিস্থিতিনাশহৈতবে। এয়ীময়ায় ত্ৰিগুণাপুনে সূৰ্যাদ্যমাহ্লয়েভধা। ধ্যানম্। ইমং দেবা ইত্যস্ত বক্লণ্মগ্রিঃ অত্যক্তিঃ ছন্দঃ সোমো नस्मं विजिधिकात्रामक्षेत्राधात । हेजि नमकातः । मिक्स्ना किमिलो (थक् ।

দেবতা সোমপুজনে বি০। ওঁ ইমং দেবা অসপজং সুবদ্ধং মহতে ক্ষত্রায় মহতে টৈজ্যকীয়ে মহতে জানিরাজ্যায়েন্দ্রেন্দ্রোয়। ইমমমুষ্য পুত্রমমুধৈয় পুত্রমধৈয় বিশ এষ

কুমুদ্ৎ পুষ্পাৎ য়তাক্রেং যক্ষপুশ্ৎ যুত্তপায়সমিক্ষ্ণ নৈবেদ্যং মুক্তাং রত্রং দদ্যাৎ। ওঁ ৫১ বোহমী রাজা সোমোহমাকং ব্যামাণানাং রাজা। মন্তঃ। শেতং বস্ত্রং শেতং চন্দনং

- ज्यनम्। ट्रिजिनमकातः। भएष्रामिकना।

थाः। उ मिनामध्यूयातां छः मौत्रोमार्गन्यार जन्म। नगामि ममिनः छन्। नास्यामुक्छे-

সংকুল্মাল্যসঙ্কাশঃ কাশপুজানিভস্তথা। শশাঙ্গে রোহিণীভর্তা মম শান্তিং প্রযক্ত্য।

মুর্দা দিবঃ কর্ৎপতিঃ পৃথিব্যা অয়ম্। অপাং রেতাংমি জিম্বতি। মুন্তঃ। রক্তং 🖎 थवांनः इष्टः मम्पार। उ धवनीगर्जमञ्जूरक वक्तकीवमम्बद्धः। मास्टिर ममांकु स्म सिक्तः कूमार्तारक्षावकः ममा। थार्थमा। उ धवनीगर्जमःकुकः विमारश्रिषमम्बाष्टम्। দাজং চতুভুজ্য। দক্ষিণোধাক্রমাজ্জিবরাভয়গদেত্রম্। কন্দাধিদৈবতং দেবং শিক্তি-ত্যস্থিরপাক খাযিনায়ত্রী ছন্দঃ অঙ্গারকো দেবতা অন্ধারকপুজনে বি॰। ওঁ অগ্নি-প্रভাষিদৈৰতম্। আদিত্যাভিমুখং ভৌমং তদ্বদেৰ বিচিত্তয়েৎ। ধ্যানম্। অমিমুৰ্দে-্ কুজন্ত ও আবত্ত্যং কাত্রিয়ং রক্তং মেষস্থং চতুরফুলম্। আরক্তশাল্যবস্থাৎ ভার-

कुमांत्रः भक्तिरुखः ७ ल्लाहिडाकः नमामारुम्। नमक्षांतः। त्रक्तर्यराज मक्तिना।

उँ मानाथर माष्ट्रत्नाष्ट्रायर दैनकार भीडिर उड्डूकम्। वारमार्क्तकमभाकधानमानतम

अर्जाधिटेमवर्जम्। धानम्। उम्मूधात्राधिष्ठेज्ञ भन्नतम्की श्रामिखिष्येम् छन्नः द्राधा तमवरा वृषशृक्षाम वि॰। ७ उष्ट्रमुमायाधा अञ्जाश्रि घ्रिमोरोश्र्व मरुराक्षामग्रकः। जामान সধক্ষে অধ্যুত্তরস্মিন্ বিশ্বে দেবা যজ্যানক সীদত। মন্তঃ। পীতং বস্ত্রং কুফুমং চন্দনং ঋজিনম্। ক্ৰানস্থং সিংহণং সৌম্যং পীতব্ৰং বিচিত্তয়েও। নাৱায়ণাধিদৈবঞ্চ বিষয়ু

क्ष्मकः कुन्नुमः भौजाधकमहिजिमस्तकः धूर्यः क्षीत्रामः नागेत्रकः कनक देनत्वमाः भोक-জুতং রত্নং দদ্যাব। এ প্রিয়ক্ষ্কলিকাকারো রূপবাংশ্চন্দ্রন্দনঃ। 'শান্তিং দদাতু মে ममाङ्ग (म निजार वज्हु मर्कार्थमाथकः। वीर्थना। उँ विशक्षकनिकाकाङ इतिभाविज्यिर নিতাং রাজপুত্রো বুধঃ সদা। ওঁ চল্পপুত্রো মহাতেজাঃ নানামূর্বিধরো বিভূঃ। শান্তিং জুবি। সৌষ্যং সর্বজ্ঞাণোপেতং ন্যামি শাশিনঃ স্কৃত্য। স্থবণ্ড দক্ষিণ।।

मरत्रोकष्ट्र ५००० जम्। मरकांक्षांमक्षयत्रमकत्रकांमध्यांस्वरत्र । जन्नाधिनेन्य स्वंगिज्ञान्य-खरद्राः ७ मिक्नमाम्ब्रिमः भौजः रैमक्षवः ठजूदक्ष्णम्। शांचा भौजाम्राः कीवर

৫২ প্রতাধিদৈবতম্। ধানম্। বৃহস্পতে অতীত্যস্ত গৃৎসমদ ঋষিস্থিত, প্ ছন্দঃ বৃহস্পতিৰ্দেবতা

রকায়। (মাতা। চ্থার "চান্ত সু । মুজুনাল নাল ।

বিজ্ঞান চন্দ্র ক্রের্য দুলাল কুরুমং দুলাল ধুপ্ দুপ্ে দুর্যাদন জ্বীরফল প্রতিবেদাং গোনেদং

রক্তা দুল্লে কুরুমং দুলাল রক্তা মুজুলাদা বিভূঃ। দেবমন্ত্রী মহাতেজা মম শান্তিং

পুরুর দুল্লে পুরিল্লে মুম্বালিকাকারঃ স্কুল্বাল্লি । কুরুমাহালিভূত স্থা শান্তিং দেব
কুরুং দুদ্রা কুরু। পুজিল্লে মুম্বালিকাকারঃ স্কুলাল্লি গুরুম্বাল্লি ।

কুরুং দুল্লালি বুল্লালি । কুদেবতানা স্থীণাপ্ত গুরুং পরমাস্মত্র। সর্বাল্লির্ভূত স্থামুধ্ং

কুরুং চক্ত জিয়। নম্পারঃ। পীতা্ররযুণ্ণ দুন্দিণা।

পুরুজ্য ব্লুম্বালিবিল ইব্লির্জিকট্ণ বিপ্রং ভার্বিপ্র ন্রাল্লিবিল বিভ্রির নাম্প্র ন্রক্রির নাম কুরুমার । স্লাক্রের কুর্মান্ত্র কুরুণা শ্রেল্বির নাম কুরিল তাধি-যুদীদ্যজ্বসঋতপ্রতাত তদ্যাসু দ্বিণং ধেহি চিত্রম্। মুসুঃ। ,ওঁ পীতাধ্রং বস্তুন্। কন্তু-রিকায়। দৌ ভাগেণী চত্মারক্ষকলনতা জু। কুন্ধুন্দ্য তায়লৈচৰ শাশিক্ষ চতুঃসম্মিত্তিলক্ষণং বৃহস্পতিপুজনে বি০। ওঁ বৃহস্পতে অতি যদ্ধ্যো অহাদ্দুামদিভাতি ক্রুমজ্জনেয়।

দৈৰতম্। ধ্যানম্। অন্নাৎ পরিস্ত্রত ইত্যস্ত অম্খিসরস্বতীন্দাখাযয়ঃ অতিজগতী ছন্দঃ শুক্রো দৈবতা শুক্রপুক্তমে বি০। ওঁ অন্নাৎ পরিস্থুতো রসং জ্কাণা ব্যাপিবৎ ফাত্রং পরঃ সোমং শুকুৎ চতুতু জয়। সদাক্ষবরকরকাদওহত্তং সিতাষরমূ। শক্রাপিদৈবতং ধ্যায়েজ্চীপ্র তাথি-

প্রকাপতিঃ। খাতেন সত্যমিত্রিয়ং বিপানং গুকুমন্তুন, ইক্রেয়াফিয়মিদং প্রো২স্তং মধু। মন্তঃ শেতং চন্দনং শেতং বস্তুং জাতিং কুন্দুমং সাজ্যবিলাগুকুং ধূপং ঘূতোদনং

में कश्यकाय रेनत्वमार मुखार त्रां ममार । अ कानाशका प्रोकानः मर्कछानमत्या किकः। मर्कटेम्डाप्रिमम्बो खन्नः मान्तिः व्यवक्तु। वार्यम्। ७ विमकुन्पर्गानारुः टिम्ल्यामार भव्यार खक्या। मर्समाज्ञयनकात्रर जार्गवर अध्मायास्। ममकात्रः। त्येषा

क्षांशक्षमञ्जनस्तः। मीनाक्षन त्यादाया सम्माजिः व्यवस्त् । वार्यना। ॐ मीनाक्षन-अस्डिश्राध्रोष्टेमब्रम्। शानम्। भट्या प्रतीविष्ठाम्। मराष्ट्राथक्वांथक्वांश्राजी हन्मः म्मिर्द्धवं महेनम्डंश्रुक्त विः। ॐ मह्मा प्रवीदि चिष्येष्ठ महिन जवस् भी उत्ता भारहा भूषेर क्रमद्भर काजिकनक देनत्वमार जाक्रीवर्त्वकर बच्चर ममार्था व य्वाश्रात्वा महाजान-भारम्ड प्ज (मोन्नाफे र काणाभर भूषर क्यांगिकर ठकुनकुलम्। कृष्ठः कृष्वित्र गृथ-त्राच्यारक तः। मञ्जः। क्रवः दञ्जः कर्खात्रकाः ठम्मनः मृत्रिकाः भूष्णः भूष्णः भूष्णकाष्ठः भंडर (मोजिर हरूष्ट्र जम्। भाषा नानवत्रम्नधत्र्रह्यः ममाख्यत्रद। यमापिरिन्वज् शका-(西西阿山

৫७ मम्थिकार अतिसूक् महोधारम्। हान्नान्नां गर्जमञ्जूष्य तत्म चन्ना महेनम्जन्। नम्कान्नः।

李智 (公政体际的)

मर्फकः। वार्षना। ॐ व्यक्तकांत्रः महारयांत्रः त्राष्ट्रः ठन्मार्कमर्फकम्। मिर्श्वकात्राः ऋष्टः अ मन्द धांचि ममास्वतंत्रद। ठेळ्वांक् पंजावत्रम्नार्ग्यतं उद्धा। कालाधिदेव्द क्र्याञ्च अ मन्द धांचि मम्द्रिक्त स्वान मिर्के क्रिके क्रि त्राट्गांड उ त्राष्ट्रभनप्रज्ञः मृषः टेनठीनः ठञ्तञ्चलम्। क्रयः क्रयाजिनः मिर्मा-मन् धांची ममास्वतंत्रद। ठेळूर्वाष्ट् थकावद्रम्नठम्नठ्यधदाः उथा। कानाधिदेववः स्वराज्यः क्ष्मार अ कोमोबीमर क्ष्रमानर देव्यामीयर यष्ट्रमाम्। मुखर गृष्ट्रमान् मृत् मास्तरमिक्छाननम्। स्र्यान्यः ध्यवमन् वत्तरः गिन्नः ज्या। ठिज्छाधाविरेष्वा वर्षा

त्रोक्र ७ चक्रा यनमामार्य। धरक्ता मिक्ना।

व्यधितम्यामिनाः शास्त्रकार्यामिकयात्रम्यस्य एका कार्या। ज्य क्ष्याधिरम्बनिवया ७ भथवरक्षा व्याक्रिः शिष्टबन्धः वित्नाहमः। क्षानम्नविष्टाकी . ७९ ८ककुर ध्रीशम् । ममक्रो ३०। हारिया मिक्किश । यद्याक्रियामास्य मत्त्रिकाः त्येष्ठः ठम्पनः धामात्रुः धूर्यः ययवर्षः शुक्राः शास्त्राः दिन्दिषाः यर्षः কৃদ্যাৎ। ও সিন্দুরক্ষধিরাকারো রক্তপ্যাদিতক্ষ্পা। কেতুরারক্তনোত্রাকো মম শাক্তিং अवष्ट्र। वार्षना। . . . अमानधुममक्षामः ठात्राधार्षिमक्ष्म। त्रीषः क्षाण्यकः कृत्र न्मिष्ट्रिजाः मार्क भठमरकोष्डरेख एउ देजि 5 थानिस्। क्यूष्ट्रः कृष्विज्ञामा मधुष्क्रमा श्रीयः जानिक्छा भाषाती एमः (कंडरवा मिवडा क्रिज्यूकान वि.। छ क्रिड्र क्रिनुझक् अलाभिटेमवर्ष। हिल। खँ भ्या विवाह्यः मृत्यं गम्नि गम्नि विक्रणानाः। गृष्टामनगण। निउर ८क्उनः स्वत्यमाः। मत्त्रिकितिर्मि (अग्रा वाह्य त्नाकिश्वावहाः। ष्यमृतन-उत् (शामी गरी। षारभेगाम । मगुरिष्डतकांत्रथी। श्र्यः तमनः स्रोगमः गमाः मिनिः -मूक्पर मधुमिचिठक एष्ठिर धूपर हित्वोमन् माण्मिकन ह देन्द्वमार बाक्चार्वकर मिन् मिक्काीर मम्गामिछ।

मान्न टैनटवम्र मम्राद्य के भक्षवञ्च स्यक्ति विल्लाहन मम्राभिष्य। हन्नेटम्रिल मङ्गिष . मम भाष्टिकद्वां ज्या । आर्था। अंत्रयाक्षि क्रियास शाक्ष्योश्वद्ध ममः। यत्रमाग्नार्क-१८ ज्यारमोनिः ममाभिवः ইতি थानम्। जामकमिञामा विमिध्सपिः व्यस्केभ् हम् जामत्क कत्ता (मरका क्रम्भूकरम विः। ॐ वामकः यकागत् स्मिनिकः भूकिवर्षमम्। डेक्निकक-मिव वक्षनाम् राजात्रम् की व्याप्राचाद । मञ्जश विषाला विष्यामा कि कार्मा सुन् धूर्य पात

कांग्रोप्र नमक्त्रंमाक्षरमीनित्न हैि नमनम्।

পঞ্চাশীভিদেৰতাপূজন প্ৰক্রণম্

क्रममिष्टमी वाग्डम्। ट्रकमियानीयू९ महेयान मर्त्यटलांक९ महेयान। मञ्जः। ७ जन्न (महि ४८ - इस्छत्र् श्रिक्त जिम्देनात्रिम । धानम् । जीन्द्र छ हेठामा नात्रांत्रनभूक्षम्भविद्यिकुण् हन्तः চन्द्राधिटम्बर्धाता डिवाताः। उ जक्त्यूनक कमलः मर्ननक कमकन्त्र। डमा दिड्डि डिमा मिर्जा डेमाशूक्तम विश अ जीक डि लक्काकि भेष्ट्रावरश्वात भारम् मक्का नि ৰশো দেছি ভাগাং ভগবতি দেহি যে। পুকান্ দেহি ধনং দেহি সৰ্ধান্কামাংশ দেহি त्य। शर्षमा। ॐ प्रक्षमक्तमाक्रामा भिरव पर्वार्थमाधिक। भाराण बाग्राक (मृथि मान्नान्नािल) नेत्यांख ८७ इंि नगम्। মুকুলাধিদেবক্ষক্ষা ওঁকুমারঃ মুমুখ্রে ধ্যেয়ঃ • শিধ্ওকবিভূষণঃ। রক্তাযুর্থরে ওঁ নমঃ কলায় শোরায় ঘনীকুকুটথারিণে। পতাকাশাক্তিহন্তায় মনুধায় চ তে নমঃ বুধাধিদেরনারায়ণকা এ নারায়ণশতত্র্বাত্তঃ শঝং চক্রং তথোভরে। দক্ষিণে তু ত্বা ইতি মন্তঃ। এ দেবদেব জগন্নাথ বিষেগ বজ্ঞপতে বিভো। পাহি দুংখামুধেরক্মান্ দেবো ময়ুরবরবাহনঃ। কুকুটশ্চ তথা ঘটা তত্তা দক্ষিণহস্তয়োঃ। পতাকা বৈজয়ন্ত্রাথা जिके थे एमः करमा मिर्वा कम्भेष्टान विः। उ यमकमः अथमः कार्यमा उमान प्रमा দুত বা পুরীযাৎ। শ্রেনস্ত পক্ষা হরিণস্ত বাহু উপস্তত্যং মহিজাতঃ তে অর্ধন্। মন্তঃ। এ वित्कान्ननाष्ट्रममि वित्काः भागत्व त्या वित्काः युन्नमि वित्काक्षं त्वार्था रेवकवम्मि विकार मज्जिरश्रिया व वागरप्राः। इष्टि यानम्। यम्कमह्जामा जार्गत्वी कमम्प्रिमीय्जमाइयी भमाशष्यः नीमकी ग्रुष्मित्रम् । वारम बीर्ममकी रुखा शुक्तिः शष्यकता भन्ना इष्टि शानम्। বিফোররাটমমীতাফা প্রজাপতিঋ বিশ্হন্দোইভাবো বিষয়ুদ্ধেবতা বিষয়ুপুজনে বি৽। এ अध्वयार्ग कम (भौती छ ७ वर्णनम । कार्कित्व मर्गाणा महार कुक महानिर्ध। थार्थना। ट्रिंगि नम्मम्।

११ उद्यान् ग्रंक्तातक। शार्थना। ॐ नमत्त्र भू अतीकांक नमत्त्र भूकरमोजम। नमत्य मर्स-त्नाकाज्यम् मात्राज्ञन मत्यानमः। नयनम्।

अभी कम्टलां छ । आर्थना। ७ (वमाधात्रात्र (वम्रात्र खानगम्रात्र प्रत्रात्र। कम्णनक्षमाना। या उमान्ना अमान्यामा दिया विक्तान हिला है जा उमा तिष्ठा उमान विका के जा उमान দোগ্ধী ধেষ্ক্ৰোঢ়ানভানাণ্ডঃ সঞ্চিঃ পুরন্ধিবোষা জিফ্ রধেষ্ঠাঃ সভেয়ো মুবাস্ত যজমানস্ত বীরো জায়তাং নিকামেনিকামে নঃ পর্জনো বর্ষতু ফলবড্যোন ওমধ্যঃ পচ্যন্তাং যোগ-(फार्मा नः कण्णेणम्। मञ्जः। ॐ क्रकाकिनाव्यस्य भषामन ठष्म् थ। क्लोध्य जगकाष्ड जामारण जमारकिमी कार्यायातारके त्राक्रनाः भूत ह्यरनगार्शक्राधी महात्राथा कांत्रजाः कीवाधिरमव्यक्ष १३। अ भषामनर्ष्य किटिना वना स्थायम्बुष्ट् कः। जक्ष्यानाः य तः विज्ञ भू छक्ष कमधन्त्र। वामः क्ष्यां किमः जमा भारमं हः मछत्ये ह। धामम्।

अ क्ट्यू बरुखांत्र ८७ नमः। मिष्टः।

<u>ख्यकाधितम्बाक्य। उँ ठकुम्खाकाकाला बखी कूनिवाक्षक का गिर्नाष्टि</u>

भ्री छट्या नाना छत्र । प्रानम्। मटकाया हे छाम्। वियोगिक याति के न् हम

শুর বিদ্বান্। জহি শত্রুরপহরে। হাদ্যাথোভয়ং রুণ্হি বিশতো নঃ। মন্তঃ। ঐ দেবরাজ-গঞ্জারুচ পুরন্দরশতক্রতো। বজহন্ত মহাবাহো বাঞ্চিতার্থপ্রদে। ভব। প্রার্থনা। ওঁ পুরন্দর इत्त्या (मवछ। हेस्मश्रक्राम विः। उ मरक्रोम् हेस्म मगरंगा मक्राधः मामः मित ब्रब्श

मदिनक्ताधिरम्वयम्य । ॐ क्रेयदभीत्मा यामा (धारम्रा मधश्खा विकानजा । बज्जमक् . **পাণছেন্ত** महोमहिस्योहनः। शानम्। यभाग्र श्राम्बर्यट इंडान्य मध्छापर्तामा নমজেইস্ত বজ্রছন্ত নমোস্ত তে। শচীপতে নমস্তভ্যং নমত্তে মেঘবাহন। নডিঃ।

म्खर्ख्या (शाःता व्निष्ठकत्राभवान्। शानम्। कार्षित्रमीज्ज्य शकार्भाष्यं वित्रवृष्ट्रे ष्ट् क् ज्यारा पंजाप्त की व पर्यं मिरज । मजः। उर्पाताज महाकात्र मिक्नाधिभरण यम। तरक-क्कन बर्गनात् । एक्नी ज़ार निवाइत्र । जार्यना । उँ क्रेवंट भीन नमस्खरस्य मधर् छ नरमाश्ख <u>बाक्षक्राधित्मदकानम् । अं</u> कानः क्रानियम्त्ना नीनाम्कण्टं दिভीषभः। शांभाइत्खा **শ্চদেশাহভাবোঁ যমো দে**বতা যমপুজনে বি৽। ওঁ যমায় ত্রাজিরস্বতে পিতৃমতে সাহা। তে। শহিষক নমজেইন্ত প্রধারাজ নমোইন্ত তে। নতিঃ।

কালে। দেবতা কালপুজনে বি॰। ওঁ কাৰ্ষিরসি সমুদ্রস্ত ত্বাক্ষিত্যা উন্নয়াসি। সমাপো

१७ मध्कित्रकाज महमायशोष्टिताववीः । मजः। विरमयोखतः नाजि मामानाजः थार्थना-

(कजूग्रश्यिक्ष्यमित्राक्ष्यमा। ॐ उक्तीश्वरवणः याकारता विज्ञा प्रिमामन्दित।

রেণাস্ত্র করমন্যং প্রকণ্শারেৎ। ধ্যানম্। অগ্নিং দূতমিত্যস্ত বিরূপাক্ষপ্শবিশারতী ছন্দোহ-क्ष कुछाधितम्हानाः वाकिकार्याम्टिकः खानम्देबत्तर शुक्रा। उत्तानिकाथ--डाविटेक्च्याद्यः। ७ क्रांग्यः माक्त्यत्वाश्मिः मथाकिः मजियातकः। हिन्छि । দ্শিলণে লেখনী চিত্রগুপ্তো বামে ২ম্য পত্রকম্। পিকলখাত্রকেশাকঃ পীনাকজঠরোহকণ -ইতি क्षानम्। চিত্রবিসো ইত্যস্ত খ্যতখাষিশ্রন্দেহিতাব্শিত্রগুমের দেবতা চিত্রগুপ্রপুদ্ধনে विका के फिलावरमा वृष्टि एक भाउमभीय। मञ्जश जनग्र मामारनाम-मर्वम्।

थिएक्वडा काधिशुक्रत्न विः। . ७ व्यधिः मूडः शूरवीमस्य स्वावास्गूर्भकरत्। , प्रति व्यापा- १५ म्याक्रि। मञ्जः। ७ जारपातः शुक्रवात्रज्ञः मर्नामियम्यात्रित्। धुम्रक्रुत्रकाथाकः खरेष बिछार महमानम् । नमक्तारः।

পাশকলমে) মুজাভরণভূষিতাঃ। ধ্যান্য। আপো হি ঠেতাতা সিমুদীপ্থবিগায়ত্রী ছন্দ कारिमा तम्बन्धा व्यक्षार श्रक्रम विगा वि कारिमा हिका गरम्बन्का म छेरई मथाउन

मुट्ट त्रनीय एकटम । ज्यनाद मांमांनाटज (ख्बयम्।

জুজা মৌম্যবপুশচন্দ্র জেসদৃশাষ্ত্র। রত্ত্বপাত্রং শস্পাত্রং পাত্রমোষ্ধিসংযুত্য। পাঘং

করে চ ধ্যাত্রাং ভূবো যাদ্বনন্দ্ন। দিপাঙ্গানাং চতুণাং সাধ্যেয়া পৃষ্ঠণতা তথা।

ৰুষপ্ৰত্যমিদৈৰতবিষ্ণোঃ। ও বিষ্ণুঃ কোমোদকীপদাশস্চক্ৰয়ঃ ক্ৰমাথ। প্ৰদক্ষিণং দক্ষিণাধঃকরাদারতা নিত্যশঃ। ধ্যানম্। ইদং বিষঃ,রিত্যক্ত মেধাতিথিখা মিণায়তী ও তোনা পৃথিবি নোত্রানুক্ষরা নিবেশনী। বচ্ছানঃ শর্ম সথখাঃ। মন্তঃ। ও ভূত-थाजि उन्नगर्छ विश्वास माग्राम्यत । जिमम् यरक महारम् विष्यामक ममाभिरक। जिन नाः मागत्रवामाः थामाम्प्रना भृषाः। थातिष्टः ए जगद मर्तरः घ्या छावत्रकम्पम्। हेम-ধ্যানম্। কোনেনত্যক্ত মেধাতিথিখা যিগায়ত্রী ছন্দঃ পৃথিবী দেবতা পৃথিবীপুলনে বি॰ মধ্যমিদং পাদ্যং প্ৰজেষং প্ৰতিস্থতাম্। প্ৰাৰ্থন।।

ওঁ পুরক্ষর নমন্তেহস্ত বজুছন্ত ন্মোহস্ত তে। শাচীপতে নমস্তভাং নমন্তে মেঘবাহন। भिष्डः मम्। (भारत्रा मार्गेष्डर शष्ट्र मणः। शानम्। हेन्म पामिष्ठाम थक्नार्भिष्यियिषे भ भूत्रखष्ट्र . (मामः। त्मन्तमनामामण्डिष्किजीनाः कामजीनाः मक्राजा मञ्जाम्। छ तमन द्राक गंकांत्र । शूरम् र माजकाजा। वर्ष्ट्र वर्षावार्य वाश्विष्ठार्थियाम छव। शार्थना। . वृष्ण्याधियेटाधित्मराज्या है ठकुम्खाकाकाकाता वही कुलिमक्दकतः। मही-ছ্ন্দ ইল্ডো.দেবতা ইন্দ্ৰপুজনে বি॰। ও ইল্ল্জাসাং নেতা বৃহন্দাতৰ্দাক্ষণা যজঃ मग्रुष्मक भारक्रात । ७ (मन्द्रमन क्रामाथ नित्यं मक्त्रभाज प्राचा। भाष्टि मूर्श्यापूर् त्रमान् ভत्नाम् धर्कान् धर्कातकः। धार्षना। व नमस्य भूखतीकांक नमस्य भूक्रमिष्म। नमस्य ७१ ছाम्मा विक्षा एकवडा विकाश श्रामत विशा । ७ हमर विकासिकाकत्म त्वाया निमाय भामम्। मर्कटलाकाज्यम् विकाद ६७ मरमानभः। मिष्टः। न शक्तांद्र ।

वंत्रमा (शात्रा षिष्ट्रमा ह ज्या मिहा। यान्य । जिम्हे छा. त्रांचां मी छान्य म्याङ्डायर्क् । यान्य । ख्यक्यकाषिटेषरक्षरक्रभागाः । अ साम् भागाः कत्र त्याया तमोमामखानमक्षता । मिक्कर

अक्टमाश्वावहेन्सानी त्मवडा हेन्सानी श्रकत्न विन। व जामिटेडा द्रामानीस्माना डिक्शोवः श्यांति वधात्र मीव। मञ्जः। व्यनाद मामानाजः कुर्गाद।

ন্তু চং বিত্রৎ কুণ্ডিকাঞ্চ প্রকাপতিঃ। ধ্যানম্। প্রজাপতে ইত্যস্ত হিরণ্যগর্ভঋষিস্ত্রিষ্ট্রপ্ ছন্দঃ শনিপ্রত্যধিদৈবতপ্রকাপতেঃ। এ যজোপবীতী হৎসন্থ একবন্ত্রশ্চতুতু জঃ। অক্ষৎ স্ত্রবং প্ৰজাপতিৰ্দেৰতা প্ৰজাপতিপ্ৰুলনে বি॰। ও প্ৰজাপতে ন ঘুদেতান্যন্য। বিশা রূপাণি

বে অনুন্তায়ক যে দিবি তেভ্যঃ সংগতিনা নমঃ। মন্তঃ। ওঁ ধড়াধেটধরাঃ মর্কে ফণামণ্ডলম্-िख्याः। अक्टाणां शाक्ष्य्याः वत्राः वत्राः मा त्यार्था। अ नमः विक्रा পরি তাঁবভূব। যথকামাত্তে জুত্মন্তলো জান্ত বয়ং ভাম পতরোরয়ীণাম্। মন্তঃ। এঁ রাহ্যপ্রজ্যেদ্বতসপাণাম্। ওঁ অক্ষত্ত্রধরাঃ স্বেধ্ কুণুলীপুচ্ছভূষণাঃ। একভোগা-স্ত্রিভোগাশত সর্কে ধ্যেয়াশত ভীষণাঃ। ধ্যানম্। নমোষ্স্ত সপেভ্য ইত্যস্ত প্রজাপতিখাষির-क्ष्येण् एमः मर्भात्मवज्ञाः मर्भिष्कत्न दिः। अ नत्माश्ख मत्भिष्ठा (य त्क छ भृषिदीमञ्ज। क्रिकाकिनामुद्ध प्रशासन চতु हुन । को विषय क्रिकाणः थिती । क्यानाह्य । थार्थना । दिमांशांत्रात द्वेमात्र खानगमात्र क्रात्य। कमधन्यकमानाञ्ज् क्ष्यु वर्ष्णात ८७ नमः। निष्डः।

छाञ्जिट्यात्रीत्वा नत्यानमः। नत्या जीयन्तिह्छाः थक्षेत्र्रिका नत्या नमः। निक्डा

্জ কাদ্ধাতঃ প্রদীদ কললোম্ভব। প্রাথনা। ও বেদাধারায় বেদ্যার জ্ঞানগম্যার স্থরয়ে। কম্

ওল্কমালাস্থ ক্সুবহস্তার তে নমঃ। নতিঃ।

অথ লোকপালানাং তত্ত্র গণপতেঃ। ও চতুতু জিপ্রনেত্র গ্লাজ্বোহত্ত্র গলাননঃ।

মূল্যায় জ্ঞোপবীত ক শশাস্থ ক্তলেশ্রঃ। দক্ষে দঙং করে বিদ্যাৎ দিতীয়ে চাক্ষ্ত্রকম্। के क्यानम्। वस बखानाक्ष्यात् भावतात् । त्याचनम्। त्याचनम्। वस्त्राविकाः क्रिकाः । अवृक्षां छम्मा बख्य विकाः । अवृक्षां छम्मा बख्य विकाः मज्म (यानिम्मज्म जम्ह दिदः। मञ्जः। अ क्रकां किमोश्रवधत श्रामामन ठष्ट्रक् म। क्रोधित (कष्टाठारियरेमवटावन्नानः। ७° भषामनत्था अगितमा वन्ना (भाग्नाण्ड्रप्रकः। षक्त-मानार खुन्द विज्ञद भुखकर ठ कमधनूम्। वामः क्रकाजिनर ज्ञ भार्य इरमखदेषत छ। ध्रामम्। जम् कळानमिठामा (गोठमभ्यिषिके म् हत्मा जमारमका वभ्यात् रि॰।

ক্ষোষভাষঃ গণপতিপেৰতা গণপতিপুজনে বিহু। ও গণানাং জা গণপতিং হ্ৰামহে প্ৰিয়াণাং জ্বা প্রিয়পতিং হ্বান্যে নিগীনাং জা নিধিপতিং হ্বামূহে ব্সো মম আহ্মজানি গর্মমা তৃতীয়ে পরশুং বিদ্যাকতুর্থে মোদকং তথা। ধ্যানম্। গণানাং-ত্বেত্যস্ত প্রজাপতিঋষিশ্ত-

স্মনজাসি গৰ্ষম্। মন্তঃ। ওঁ ললোদর মহাকায় সততং-মোদক্তিয়। গৌরীস্কৃত গণেশ স্থং विष्यताक थामीन मा थार्थना। ॐ नगर्छ जमकानात्र विष्ध्कानात्र जिन्धा कार्यात्र । नगर्छ

ক্রপায় করিরূপায় তে নমঃ। নতিঃ।

त्नांकभानमूर्गाग्नाः। अ मज्जिर वानर जया मूनर थजार ठक्छ मिक्ति। ठन्मविष-गरधा वारम (थि छेम्रक् क्रमालकम्। ७० वः ऐक्षथं विज्ञाना मिश्हांक्रांक्रिक्षिन्छ्का। वया

एनरी मजूकिको पूर्ना पूर्नार्खिनानिनी। शानम्। जाउरवम्टम हेउामा काणनिषाधिष्ठके न् क्रमा मूनी 'त्मवडा- मूनीश्करन वि॰। ७ कांडरवम्तम ज्यनवाम त्माममनाडी यरडा निम लाकशानवारबाः। ॐ थावन् इतिनश्केट्यं। ष्रक्यांत्री ममोत्रनः। वत्रमानकरताः भूज-হাতি বেদ। ় স নঃ পরিদতি দুর্গাণি বিশা নাবেব সিন্ধুৎ দুরিতাত্যাগ্রিঙ। মন্ত্রঃ। ওঁ রূপং (मिहि (म् । व्यार्थना । ७ मर्कमक्तमाकटला निरंद मर्कार्यमाधिरक । भंतर बायरक ८गीति एम हि यहना एम हि जागार जगवां एम हि त्य। शुवांन् एम हि धनर एम हि मर्कान् कामार क নারায়ণি নমোহস্ত তে। নতিঃ।

वर्ण (क्षारम्न विकान्छ। हे जि थानम्। वारम् । वर्षा त्व ८० हे जान्य ग्रंथममभिष्मित्रोम् विकान

मामभीउरम् मछः। अं थावम् इतिनभुष्टे इष्ट्रिक्ष ममीत्रन। एक्ट्य स्नीताः दहर ৫১ বায়ুর্কেবতা বায়ুপুজনে বি॰। ও বায়ো বে তে সহজিণো রথাসজেভিরাণহি। নিযুঝু।

न्नांकभोनाधिनत्याः। ७ भीउभष्मप्रवर्गाट्ने भष्मभवम्याष्ट्रत्। षिष्ट्रको त्म्र- ^५२ দ্বিভূকং মৌশ্যদর্শনম্ । প্রানম্। সূতং স্তপাবান ইত্যায় প্রজাপতিশ্ব বিশ্রুদেন্ত্রিআ ্কাশো দেবতা আকাশপুজনে বিঃ। ও যুতং যুতপাবানঃ পিবত বসাং বসাপাবানঃ পিব-লোকপালাকাশতা। ও নীলোৎপলাভং গুগান্থ তদুণামুর্ধারি চ। চল্রাক্হন্তং থ্রাত্ব্যং - जाखित्रक्कक क्वित्रिम क्यारा मिनाः श्रीमन व्यामित्ना विमिन जेमित्ना मिनजाः यारा। मखः। मिहि वज्ञ थाए। आर्थना। ७ नत्मा हतिनश्केष्ठ मभीतन नत्मार्ञ्छ ७०। ध्यवर्ग नमस्ड्य्ञ नीजगामिन् नरमारुख ८७-। निष्डि। बनाद मामारनान् क्षिम्।

चिराको शांखरातो ज्ञानभः यूर्डो । मर्काख्यनमम्भात्मो विरागमाकांकर्मातारानो । जातात्रांयक्षत्रः क्षिता मिन्ना मिक्किव्खरग्नाः। नामरग्नाः शुखरक कार्या मर्जनीत्त्र ज्या मिकाः। এकमा क्रिक्शन भार्ष वारम ठानामा याक्ता नात्रीयुगैर यक्छंगर स्रज्ञभर ठांक्रक्लांग्। उत्याक बामज़ी ट्याएक ज्ञभमम्पर उथाकृष्टिः। मधुक्भूष्णमक्ष्मा ज्ञभमम्पर थकीर्विठा। बाक् তিঃ ক্ষিতা লোকে শ্রকাণ্ডনিতা তথা। রতুভাওকরে কার্য্যে চন্দ্রগুক্রায়রে তথা। ধ্যানম্ ন্মা বাং কলোত্যন্ত মেধাতিথিখা বিশায়ত্রী ছন্দঃ আখিনে। দেবতে আশ্বিনপুজনে বি৽। 🤏 যা বাং কশা মধুমত্যশ্বিনা স্থন্তাবতী। তয়। যজঃ শিমিক্ষতম্। মন্তঃ। অন্যং সামান্যতঃ कर्षित्य । जाज ष्रिकाः भक्तित्य। विवादकाज्यविधा धांज्याः ।

जर्भ फिक्मानांनां उत्बन्मा। ७ ४ ४ १ मित्र भिष्क प्रकार स्थाप (शाप्तः) स्राप्त स्थाप

ইতি ধ্যানম্। ত্রতিবিমিত্যম্য গর্গঋষিত্রিতুশ্ ছন্দঃ ইল্লো দেবতা ইক্রপুজনে বি॰। वारम भाष्ट्राः कर्त्न (धान्ना स्मोम्गमखानमक्षत्री। मिक्किन् 'भूषेविनाखः (प्रवत्कमा कांत्रांत्र । उद्योम् नायङः कार्या, हरको मिक्कन्यामरको। यामर भाषीशृक्षभाजः ष्वितीयः बक्तमरयुष्यम् বামোৎমঙ্গণত। কাগ্য। তম্য ভাষ্য। শচী মূপ। নীলবস্ত্র। স্বণাভ্য সক্ষাভ্রণভূষিত।

 जाणाद्रभिष्णगिविष्णाद्रभिष्मः इत्वहत्व ऋहवः भृद्रमिष्मग्। स्वग्नामि भंकः भूकः भृक्ष्ण मिष्मः प्रस्थि तना मघरा धाष्टिसः। मछः। अ तम्वताक गंजात्राः भूतम् । भंक-कर्जा। वज्रह्छ महावारहा वाक्षिजार्थयाम। ज्याप्ना। ७ शूत्रमः नमरच्छ्य ৬০ বজ্রহ্ত ন্মোহস্ত তে। শচীপতে নমস্তত্যং নমজে মেঘ্যাহ্ন। ইতি নমকারঃ

त्रमञ्जा . अ मजनामूनमश्चाज्यश्वामौकत्रोषतः। मश्चिष्यः म कर्छवाः मर्काज्यान् ५० जर्भः। ७ तकः कोधद्दः विद्दः कांत्रराष्ठ्राचनामम्। ज्वानामानाकुनः प्रोगरः ত্রিনেত্রং শাক্রাধারিণম্। চতুর্কাত্তং চতুর্কত্তং দেবেশং বায়ুসার্থিম্। চতুর্ভিশ্চগলৈয়ুজ্ वाशूहिएक द्रांथ क्षिज्य । वारमारमक्षभाजा याहा भक्तिः मङ्हती उत्तर। अञ्ज्ञभाजकती मित्री . फिल्क मिक्क न करा । जाना जिम्म कर्छ त्या कांकर याना के वायरक। थानम्। घर . खुष्ट (म। खार्यः यक्रनामा विष्नाम् (मर्वया (श्रष्ट्र) व्यवशामिमीकाः। मिक्रिका विक्तिमः - त्मांकात्मा विषा त्वराशीम क्षेत्रक्षायाय । मखः । ७ जार्घशः शुक्रत्म तकः मर्नराम्त-নো অয়ে ইত্যক্ত হিরণান্ত্রপআলিরসত্মবিস্তিউ্প্ ছন্দঃ জয়িদ্দেবতা •অগ্রিপুজনে বি৽। महाशिष्ट्राञ्च । धूम्टक्कृतकांधाक्ष्यदेया निजार नहमानगः। निज्या

न्यमः। मीरलाद्शनाज्ञार ध्र्यानीर वारमादमरक ह कांत्रप्रद। प्र्यानी क्रिज्जा कार्या यमः কাৰ্যাশ্চতুতু জঃ। দগুৰজাাবুভৌ কাৰ্যো) ষম্দু শিল।ইগুয়োঃ। জালা ত্ৰিশূলং কৰ্বাং চাক্ষ-माना ६ ४ वामरबाः। मरखानिब्रम्थः कार्याः जानामानातिज्यम्। भुषाना मन्मित्। इत्या

क्रुगर के भेक्रार श्रीमिन्नर मन्निक् क्ष्णाणिष्रात्या क्रार म जाग्नुः। जोरेभेकु स्पृत्रात्रस्त्र उच्च हिन्नक्षक्षण्ड क कांत्ररत्न । डेक्नेक्टिरक्षण्ड कांकांत्र विच्नक्षण्ड मोमामर्भनम् । मिक्करन त्मथनी কুগং র পহামিত্যতা প্রজাপতিখামিত্রিতুপ্ ছন্দঃ যমে। দেবতা যমপুজনে বি০। ওঁ बम्बेर्डिनाट्डा एट्वर। वाटम जमाः कट्टा कार्यार ममुक्किं स्ट्रमन्तिम। भार्षाङा मिक्टिन उच्छ वाटम श्राबर कु कांत्रहार। बाटम शांभधतः कार्याः काटका विक्रोम्भांतः। धाानम्।

मजागांद टेववघट्ठा त्ना ष्यख्यः क्रानां जूनः। मञ्जः। ७ धर्मात्राक महाकाग्र मिक्नािध-

निर्याटकः । अ विज्ञासिका विवृक्तामः भाष्रमः रेक्षाक् माननः। केद्धारकामा नत्रक्रकः मिक् एउनरमाजामिश् उक्दमा। जन्मम्यमिक् मा उ हेजा नमा पिति निर्थाछ भट्ड यम। तटक्यमन महादारहो मम भीड़ार निवाद्य। थार्थना। ॐ क्रेयरमीनः नम-षिवाक् और भागनः। धःष्रोङ्खन् क्रकां कृष्ठां क्रकां मृत्रवाक्ष्या। अर्वाज्यगम् मध्ये । मर् প্ৰজাপতিঋ যিক্ৰিফু প্ছদ্ৰে। নিঋ তিৰ্দেবতা নিঋ তিপুজনে বি॰। ত অস্মন্তম্যজ্মান-রশিষ্ধরক্তথা। ক্ষকাকী ক্ষৰবস্দ। পাশ্হকা তুবাষতঃ। ধ্যান্য। অস্থক্তিমিতাস্য ट्स्टिश्ख मधर्खे नरमांश्ख ट्रा महिमक् नमत्ख्य्ये धर्माताज नम्ख ट्रा निष्डि।

७১ कुन्छामञ्जा मञ्जा के यन्नार्ष्मधात्रा बारना निर्भाष्टिम् त्वार्मा किक्राकरना विज्ञानीरक

गम माछिर श्रष्टक जू। जार्थना। ७ निर्माण्डि भूमान् क्रिक्षः मर्व्यतकार्थिरमा महान् শ্লোহজ্যে। মহামত্তক্রেম নিতাং নমে। নমঃ। নতিঃ।

वक्रनम् । ७ गर्छीत्रत्थ ममाक्राह्न वक्रत्ना याष्मार्माष्ट्रा मिक्षतेवसूर्यामक्षामः

भ्यार्थंत्रयत्रख्यो। किथिमालम्कत्रेरता मुकाश्विष्ट्रिष्ठः। मर्काच्द्रश्यम् जनरम-

বশচতুত্ জঃ। বামভাগে গতং কেতুং মকঃং তম্য কার্য়েৎ। ছত্রং তু স্থাসিতং মুশি

ভাষিন সৰ্বাস্থ্যশরী। বামোৎ্যকাতা কামি। অ্যথন দিভুজ। নুপ। উৎপলং কার্যোদামে

দক্ষিণে শুক্তমব চ। পদ্মপালো ক্রমাৎ কারোগ দেবদক্ষিণ্হস্তয়েঃ। শাস্ত্রপ্থ রত্নপাত্রপ্থ বাম-

য়োজস্য কার্যেথ। ভারো তু দক্ষিণে গক্ষা মকরস্থা সচাদ্রা। দেবস্য দেবী সা কার্যা। চক্র

मैनमैजिनोडकमिष्टा। ध्रामम्। जञ्जी श्रामीजामा क्षमः रामाक्षात्रिक्षिके मृ हत्मा वक्रता (म्वजा

ককুণপুজনে বি৽। এতত্ত্বা য়ামি ক্ৰমণা বন্দুমানজদাশাজে ষজমানো হবিভিঃ। আহেড়-

বানে বকণেছ বোধ্যকুশংস মান আয়ুঃ প্রোবীঃ। মুন্তঃ। ওঁ শুদ্ধকটিকসন্ধান খেত

(गोत्री बढ़ाकना। वात्म कु यम्ना कार्या क्र्यंमश्क्रायाचाका। नीत्नाध्मनकता (मोमा। ४)

বায়োট। এ বাষুরগরহণা ধ্যেয়জ্ঞদাকারাষ্যজ্ঞ্বা। কাঠাপুরিতচক্তস্ত দিজ্জো রূপ ভারাম্বরার্জ। পাশহ্ত মহাবাহে। দ্রাং কুকু দ্যাবিধে। প্রার্থন। ও বরুণায় ন্মক্রে-হস্ত শুদ্ধক দিটিক দীপ্তরে। নমত্তে শ্বেত হারায় জলেশায় নমো নমঃ। নতিঃ।

সংযুতঃ। গমনেচ্ছুঃ শিব। ভাষা। তস্য কাষ্যা চ বামতঃ। কার্যো গৃহীতচকাষ্কঃ করাভাাং প্ৰনো দ্বিজ্ঞ। তথা চ দেবী কৰ্ত্ব্যা শিবা প্রমস্কন্দ্রী। ব্যাদিতাস্তক্ষ্পা কার্য্যো দেবোহ্যাকুঞ - মুর্জ জঃ। ধ্যান্য। অনে। নিমুদ্রিরিত্যস্য বসিষ্ঠ্যামিস্রিউ্প্ছন্দে; বায়্র্ফেবতা বায়্প্জনে

दिः। उ जा (ना निश्रुष्टिः गठिनी ভित्रधत्रः महत्रिनी ভिक्रण याहि यळाम्। वारत्रा जिमान

সোমস্তা 'এঁনেগডঃ শ্বেতাহরধরো দশাশঃ শেতভূষণঃ ; গদাপাণিদ্রিবাছ্ত বরদঃ मबत्न मान्यक मृत्रः भाऊ विखिष्टिः मन्। नः (य॰२१, ष्य॰२৮) मञ्जः। ॐ धावन् इति। भृषेष्ठ श्रक इन्छ. ममोत्रन मध्रुष्ठ स्शील . वत्र (महि वत्रधान । धार्यमा । ध नत्या इतिन्त्रेष्ठेष्ट সমীরণ ন্মোহস্ত তে। ধূত্রবর্ণ নমস্তেহস্ত শীত্রগামিন্ ন্মোহস্ত ে । নতিঃ।

জ্ঞাৎ সদা শশী। ধ্যানম্। বয়ং সোমেত্যত বন্ধুখ বিগয়িত্ৰী ছন্দঃ সোমো দেবত। সোম পুজনে বি৽। এ বয়ং সোম তাতে তব মন্তর্মু বিভাতঃ। প্রাবতঃ সচেমহি। মৃত্রঃ

৬২ ও আত্রিপুত্র নিশানাথ দ্বিজরাজ স্থধাকর। সোম স্বং সৌম্যভাবেন গ্রহপীড়াং নিরাকুক্ত।

मिडार मत्मा ममन्। मिडि

্পর্মেশ্রঃ। 'ধ্রান্ম্। ত্রীশান্মিতাক্ত শোতম্ম্যিজগতী ছন্দ ঈশানে। দেবতা ঈশান-

পুজনে বি৽। ত তমীশানং জগতত্ত্বসূষক্পতিং ধিয়ং জিমুমব্সে ভূমত্বে বয়ম্। পুষা নো

क्रेमाञ्च। अ शूर्काज्यत ज्ञित्मज्ञक त्रवष्ष्यिम्माज्य। क्रमानमानिक्यांकिज्यनः

आर्थना। ७ त्रोत्रवर्धः शुमान् त्रोमाङ् मर्त्योषषिमभषिङः। नक्ष्वाधिभिष्डिः त्रामच्डत्य

अमामित्। ठक्करमोटल महोटम्द मम भाष्टिकरत्र ज्या थार्थना। उ क्रेभानः शुक्रमः खद्रः

্যথা বেদসামুমূদ্ধে রক্ষিতা পায়ুরদক্ষঃ স্বস্তাে। মন্তঃ। ও পথবক্ত র্যারড় ত্রিলোচন

সর্কবিদ্যাধিপো মহান্। শূল্হজে। বিরূপাক্ষস্তবৈশ নিত্যং নমো নমঃ। নতিঃ।

ত্রকাণঃ। ওঁ প্যপ্তাসনস্থত ত্রকা ধ্যোলচতুমুখঃ। অক্ষমালাং স্তুবং বিভাৎ

तका है जामा था भाषभविष्ये भ् हत्मा बन्धा तम्ब विषय विषय विषय शुख्यक्र ए कमधन्त्रम्। वामः क्रम्बाज्ञिमः जम्म मारम् रुष्मखर्पय । भागम्।

মেহৰা পৰ্কতামো ব্ৰহতে ভরহুতে সকোষাঃ। কংশংসতে স্তৰতে ধায়ি প্জ

ুঞ্যুকা অনুযা জাবন্ত দেবাঃ। মন্তঃ। কৃষ্ণাজিনায়ুরধর পাঘাসন চতুতু জ। জটাধর জ্গদাতঃ প্রদীদ কম্লোদ্তব। প্রার্থনা। ও বৈদাধারায় বেদ্যায় জ্ঞানগ্যায় সূর্যয়ে। কম্-

অনন্তস্ত । এ অনত্তো রক্তকায়শ্চ সিতপক্ষজ্মালিকঃ। সিত্সাহ্সভোগোহহিঃ শিরঃ-कूरनग्नाषिछः। शामम्। त्यामा श्रीथितीय त्यशािषिक्षं विभाग्नी हत्सारमत्या त्मरजा ख्यमख्युष्टत्म विः। ॐ त्य्यामा शृथिवि तमा ভवामुक्कता मित्वममी। यक्चा मः मध्यथाः। ওলক্ষমালান্ত্রকুসুবহন্তায় তে নমঃ। নতিঃ।

প্রামন্ত্রা দিভুজা ধ্যাতব্যা বসবঃ সদা। ধ্যান্য্। জায়া অন্তেত্রস্য বসিষ্ঠ ঋষি-উরাবঅবিক্রেক মর্জনত গুলাঃ। অর্কাক পথ উরুজায়ঃ রুণ্ধং ভোতা দুত্র্য জ্ঞানুষে बस्मार, मगूमिज्दम्बज्यिश्वभटका। ॐ अमञ्जवम्माः स्मीम्मा वत्रमाः मङ्गिभागाः। क्षिक्रेम् इत्मा वमत्वा त्मवण दश्माः भूजत्म विः। ॐ ज्रााा व्यव तमत्वा इछ त्मवा . मखः। ७ (याभ्माउनख्कात्म। बन्नाखः मन्त्रोप्टरम्। शुष्मविक्षांतरमम् कि जिया निजाः महमा ममः। मिल मिलः। ि खमा। मुख्रः।

(B) **अस्टिंगकरम्बर्धावभरकः। ५ अन्याः ७ माना भक्षत्रवीरत्रांथा हकः**

কমণ্ডসুঃ। দক্ষাধরাদিসবোন যস্য স্থাঃ স জবো মতঃ। ধ্যানম্। ও প্রবোয় 100

२ ध्रमा । . ७ भषाष्मभानित्क यमा मक्करामक्ष्रघता। मीत्रंभकी प्रधात्माभ्र ध्रात्थाः-- ३ तमी वर्षमाण्डां थामम्। उर्धायामा इंजि मञ्जा।

७ (माममा। उम्जाकनकृता माना भक्षक्र मिल्डक्ष्माः। म देखः कीर्जित्। यञ

स्मामनारम्जि देव बूटे १६ । भागम् । उ तमामां ममः । मञ्जः ।

8 क्रांभेख। उँ मदाम्हको दत्मार्थमा हिद्दि। खः भक्तिमश्युट्ठो। मीदाक्रभादिट्डो

৫ जामिनमा। ७ जम्ममात्नाभियोत् ६ मृशिमाङी क्रिब्धः। यमा स्टः मिष्मिनाथाः

हां ४३ म खर्वमार्थम् १ खक् कि । स्राम् । ॐ जार्भात्र नमः । मञ्जः।

 अन्तर्य। ॐ ख्रुवाक्त्र्यानिक मत्कि वास्य अक्तिक्शानक्र्य। मरत्राक्तांनिक्या-माष्ट्रकार भक्षा वस्ता भागम्। उ व्यक्तिमा नमः।

मिगार्रमो मनाथाञ्च रक्ः मृष्टः। ध्रामिष्। ७ मनांश नभः।

 भ अक्ष्मग्री ७ थ्ये। कक्षतः मत्त्र मिल्लियं हं यत्त्राच्नार्यः । अक्ष्मार्याः वक्रः শচ্য়ং সপ্তমঃ পরিকীর্তিতঃ। ধ্যান্য্। ওঁ প্রশ্তাযায় নমঃ।

न्। के अकर्जना कुछ। वान्धश्रक्ति । धानम्। जा कृषाम् इन्त्रुमाद्वाश्वाविक्ति गर्जा ছদেশ ক্রা দেবতা ক্রাণাং প্রমে বি॰। ওঁ আ ক্রাস ইন্দ্বতঃ সজোষসো হিরণ্য-রখাঃ ফুবিতার গল্ডন। ইয়ং বো অন্যং প্রতিহ্য্যতে মতিজ্ঞাজে ন দিব উৎসা উদ-जू किछ। 'वमत्वाकृष्णे। महाजागाः वत्रमाः मञ्ज त्म मम्। शार्थमा। ॐ नमकत्तामि क्रमांभार् मग्रीमण्टामवणाष्ट्रभटका छ त्रक्लवर्गाख्यमाना विज्ञां क्रमांभासः। जिति পোহপ্যনিলো নলঃ। প্রত্যুষশ্চ প্রভাসশ্চ ব্যবোহ্টে প্রকীর্ততা ইতি বিষ্ণুধর্মোত্রোক্রা দেবেশান্ নানাবস্তবিরাজিতান্। শুদ্ধকাজিকসঙ্গান্ দিব্যায়্ধকরাশ্বস্ন্। নতিঃ। वमत्या धाञ्चाः। धरत्रा क्षबर*5ि क्हि भावेः। ७ मिवावञ्चा मिवारम्हाः भूष्ममानादि-প্রভাসাধোষ্ট্যো বহুঃ। ধ্যাম্য্। ও প্রভাসায় নমঃ। জ্বো ধ্রঃ সোমনামা তথা-৮ প্রভাদ্যা। ওঁ মব্যে দণ্ডকপালাচ্যো দক্ষে তু শ্নিশজ্িক। শুভদঃ কীর্ভিন্সায়ং

नार्वा मञ्जा

প্রত্যেকদেব্তাত্রপক্ষে। ১ অজসা। ওঁ অজনাম। মহাফ্রে। ধতে শ্লম্থাস্থাম্।

<u>जर्ममाम</u>क्तिमार थेरोक र उम्४३ करत । भमार 5 महिमार घलोर माजिर भत्रक्रकृष्ठिकाम्। कश्रांतर एमक्र मर्गर मुक्तात्रक क्रमन्त्रम्। जक्कक्राम्त्राधा मृत्क ज्यां नाम कताक्रक ধ্যানম্। ও অজায় নমইতি মন্তঃ।

২ একপৃদঃ। ও একপাদাভিধো বিপ্র ক্ষেড়াদঃ স্যাদ্ধহন্ শর্ম। চক্রং ডমক্রকং ভোগসংশক্তিং কুরুতে যজ্বনঃ সদা। ধ্যানম্। ঔ একপদে নম ইতি মন্তঃ। অসৈ্য শুলং মুদ্দারং তদ্পো বরম্। আক্ষং স্ত্রং মেধলাবান্ খট্রাঙ্গত মৃত্তকে। ধরুষ্টাং कर्णामः ७ (क्रीमूमीः उद्धानीष्ठिम्। भन्न ७९ ठक्न गष्ठ क्रमाष्रामाष्ट्रक करत्र। जारमक-প্রথমপ্রমিত্যমো।

ত অহিবুগুসা। ও অহিবুগুগু গদাং চক্রমসিং ভনক্রুদারো। শ্লাফুশাক্ষমালাক ১৪ 8 विज्ञभाष्मागा अ विज्ञभाष्मः मृजः थुजाः भूनः ज्यनः ज्यम्। मर्भः ठकः भवा-मरकार्षायः कटेतः क्रगाद । टायतः भक्ति एक क्यांनः उर्जनीय हेष्। भक्तिः भत्र अकः বামে দক্ষবদ্ধারয়ন্ত্রিম্। ধ্যানম্। ওঁ অহিব্রাম নমঃ। মতাঃ।

मक्त्र्याः विज्ञ कराष्ट्रक। (थेटे भट्टोक्कर भक्ति भद्रकर जङ्जनीर घटेम्। घठीकभान-৫ রেবতস্য। ভ রেবতো দক্ষিণে চাপং পঁজাং শূলং গদামহিয়। চক্রাক্ষশাক্ষ-

পটিশং পাত্রং বামবাহ্বফকেহকবে । সর্বসম্পৎকরো ছেষ্ জায়তে চার্চনাদ্রশম্। ধ্যানম্।

मानांख धात्रममुक्तमामिष्डः। धत्रः ८थेठेकथेष्ट्रोक्षर मणीर जर्कानिकार जन्डः। भारक्रेर

ও রেবতার নম ইতি মন্তঃ।

१ वङ्क्रभेगां ७ वङ्करभी मर्थकटेकड्यक्थ छमर्भाग्। मर्शः भूलाङ्कर्भ छिषुः कोत्मा-. ७ रतमाः। ७ रतारथा मुलात्रः टेठव डमक्रः भूलमञ्जूषम्। भनामभीक्रयुक्तानि धाउरान मिक्करश्रेष्ठ । मिक्रिन ट्रामद्र मिक्रि भेद्रक्ष ठर्मि घर्मा घर्षे । घर्षे । घर्षे । मीर जम्मालिकाम्। घर्कार कमालर थाने किर जर्जनीर कुष्किन्र धन्नः। भन्न अप्र मिन् टेठव बाटमांबांक्टिकरांचेटक। थानम्। ॐ वछज्ञभात्र नम इंडि मञ्जः। (श्वि वारमार्कामिक स्मान कु। यानम्। अ इताम नम इन्छि मञ्जः।

৮ जायकमा। ॐ जायरकारिभ मधककः एमकः मुमांतः भातम्। भानाञ्चनाहि

بى ھ

मक्यक्यांनाः एषद क्यांद। मक्टियंतेनम्भिविञ्कनीयतेशक्षम्। घते।यख्दाः अह অই জৃকপাদহিব্রেগ্র বিরূপাক্ষত্রেবতঃ। হরশ্চ বহুরূপশচ ত্রাপ্তক্ষত সুরেশ্বঃ। রুদ্রা একদিশ ১० जग्नक्षा। व कग्नत्व मनत्यं। कृष्टाचित्राञ्चनः ६क्रमुक्तारतं। मृनाहिष्णमूकः বাণমক্ষত্ত ঘমাইকে। গদাধটাকপরশুং কপালং শব্জিডর্জনীম্। ধনুঃ কুঞীমধোদ্ধা-১১ ष्मभूताकिउथा। ७ ष्यभूभूताकिटा मटेक्नट्यान्तर थ्यानक्ष्मम्। मूनाहिज्ज्ज धात्रज्ञ क्रमामिण्ड। उद्धनार घोषिएठाकम्। धानम्। उ षानेत्राकिणात्र नम् हेणि मखः। ३ स्टब्रथंतमा । ॐ स्टब्रथटतार्थिश एमस्थ ठक्रम्लिङ्गानाभि । नात्र ६ मुम्मात्र जागार एकवाख्येटक चिछि। भक्ष्वर भिष्टिंगर घलेर भव्छर उंक्रिमीर धन्तुः। बहु। कर् कार्याक मटकार्का मिकटमन हि। नामाय हे कियावानि कार्य के उठक मीर घडेम्। अहिनः ८५ व दारमां ब्रापिक त्राकेटक। धानम्। ७ जामकात्रमम् इछि मञ्जः। धांत्रान् भावः वामाकेक्त्रभझत् । ध्रानम्। ॐ ऋत्त्रक्तांत्र नम इंि मजः। मियामयोख्य केटक मध्य। श्रामम्। उ ज्याचात्र नम हेणि मञ्जः।

প্রোক্তা জয়ন্ত শ্লাপরাঞ্চিত ইতি বিষণু ধর্মোক্তা নামতো গ্রাহ্যাঃ। বীরভদ্রশ্চ শন্ত্র্যুশ্চ শিরী-

> थाकुः। उ मिक्कित भिक्ती माना कत्त्र नाम कमखनुः। भिष्माच्याः দ্য দ্বাদশাদিফ্র্যাজেজোমণ্ডলসংছিতাঃ। ধ্যানম্। যজেদেবানামিত্যস্য কুৎস্থাষিস্তিষ্ঠ্ করাদিক্ষশ্বপুর্যন্তং সন্লোপঘ্রধারিণঃ। অ্বঃসংস্থিতমেষাদিরাশ্য়ঃ প্রভিয়ার্তাঃ। ধাত্র মাদিত্যাসো ভবতা ফড়য়ত্তঃ। আ বোহ্ধাটী সমতিধহতাদংহোশিচদ্যা বরিবো বিজ-ছন্দ আদিত্যা দেবতা আদিত্যানাং পুজনে বি॰। ওঁ যজে। দেবানাং প্রত্যেতি স্কম-শশ্চ-মহাযশাঃ। অকৈকপাদহিবুরঃ পিনাকী চাপরাজিতঃ। ভূবনাধীশ্বরসৈচৰ কপালী চ বিশাংপতে। স্থাণুভিগশ্চ ভগবান্ কুদ্রবিশ্বকাদশ স্থতা ইত্যুক্তনামাং তু পৃধ-শ্ব্যানাভাবেন ন গ্রহণ্য। অনুন্য তু এতন্নামকা এবাত্র দেক্তা ইতি বদক্তি। তু পঞ্চ-वल्ना व्यात्रां खित्वा किन्द्रत्यो निनः। कृषा वकामन (क्वा यम भाष्टिक द्राः मका। थार्थना। अ नत्मारक्ष व्यवारहरूका क्राप्तरकारिक मत्मा नमः। ठक्माक्किमोनियातिरका व्यत्मरका। আদিত্যানাং দমুদিতদেবতাত্বপক্ষে। এ প্যাসনস্থা দিত্জাঃ প্ৰণভিত্ৰিকাত্যঃ द्रांत्र । मञ्जः। श्राटाकत्म्वज्ञिशस्म । नत्मा नमः। इति नमक्रोदः।

শোভিতকর সা ধাতী প্রধমা তম্তু। ধ্রান্য্। ওঁ ধাত্রে নমঃ ইতি মন্ত্র

২ মিত্রজা ওঁ শূলং বামকরে যস্যাদ ক্ষিণে সোমএব চ। মিত্রা নাম ত্রিনয়না কুলো-

শয়বিভূষিতা। ধ্যানম্। ও মিত্রায় নম ইতি মন্তঃ।

७ व्यर्गम् । अ व्यथरम जू करत हक ९ वर्ष दारम ह टक्षिमुमी। मुर्खित्रायामी टब्बत्रा

S) S)

৪ ক্দুস্ত। ও অক্ষমালা করে সবে চক্রং বামে প্রতিষ্ঠিতস্থ। সা মূর্জীরোদী-

मन्द्रमः भाषिनमह्दितः। शामम्। ७ व्यर्गम्तम म्हि मञ्जः।

৭ তগক। ওঁ যস্যা দক্ষিণতঃ শূলং বামুহজে ফুদর্শনম্। তগমূর্তিঃ সমাধ্যাতা পাঘ হক্তঃ ভভাহজ্যা। ধ্যানম্। ওঁ ভগায় নম হাতি মন্তঃ ৮

ও স্ধাৃত্য। ওঁ কমণ্ডসুধিকিণ্ডো মালা চাক্ষময়ী ভবেৎ। সা ভবেৎ সংমতা স্থ্য

मुस्टिः भवादि ज्यान । धानम्। ॐ क्याप्र नम् हेि मञ्जः।

ি ৫ বফুণস্তা। ও চক্রন্ত দক্ষিণে যস্যাবামে পাশস্ত শোভনঃ। সাবাফণী ভবেমুতিঃ

পাতাব্য করন্থা। ধ্যানম্। এ বরুণায় নম ইতি মন্ত। .

বিজেয়া প্রধানপ্যাস্বিতা। ধ্যানম্। ওঁ ক্রোয় নম ইতি মন্তঃ।

১ পুষঃ। উ পুষাখ্যস্য ভবেমু বিদি ভুজা পঘলাঞ্জিতা। সর্কপাপহরা জেয়া সর্ক मारि भाषाक्षमनक्ष्मा धार्मम्। अ दिवयत्व नम् इि मञ्जः।

৮ বিবস্বতঃ। ও যস্যা বামকরে মালা ত্রিশ্লং দিক্তি। স্তম্। বিবস্মুতিরেষা

नक्कानक्किन। शामम्। उँश्रक नम्हेजि मञ्जः।

১০ সবিভূঃ। এ দক্ষিতে। তু গদা যস্যা বামে তৈব স্কদর্শনন্। পদাব্যত্রী তু সাবিত্রী . ১১ अष्टेः। ॐ ज्यू २१ ७ मिक्ति इत्छ वात्म दिश्म कर्नानिकाँ। मूर्जिखाक्रो ज्याद-मूर्जिङ मर्खार्थमाथनी। धरानम्। ॐ मदित्त नम इिं मञ्जः।

১২ विट्यंशः। ॐ स्रमर्भनकता ट्रमीरमा भषाङ्ख्यः जू वामजः। अया मार वामनी-মুভিবিফোরমিততৈজ্মঃ। ধ্যানম্। ও বিফাবে নম ইতি মন্তঃ। (म्या भष्कक्रक्रक्रमा थानम्। उ घर्षे नगः। मखः।

ভাকরাঃ। প্রাধন। জবাকুস্মসকাশাঃ কাশ্যপেয়া মহাত্বিঃ। প্রোরয়শ্চ পাপদাঃ প্রণতোমি দিবাকরাঃ। নদ্মারঃ। ধাতা মিত্রোধ্যমা ফল্রো বরুণঃ সূধ্যএব চ। ভাগো अ. वम्म कश्कानीकामा इरक्रांट्रमेलम्लिथां । त्नांकनाथा कराषीक्र माखिर ममक्

দশ্যঃ স্তঃ। ডওঁস্বটা ততো বিষ্যুরজ্বন্য স স্ত ইত্তেনামাং তু পৃধ্য্যানাভাবেন বেদিতব্যাঃ। ধাতাধ্যমা চ মিত্রশ্চ বক্তণোহ্ংশুর্ভগন্তথা। ইল্রেণ বিবস্থান্ পূষা চ পর্জন্মো ७१ विवयान् श्रुषा চ मविछा मनामः मुङः। এकामनाख्यां घरो विष्णु मिन छ। इत्रुखा

পৃথক্ ন সন্ডি প্রণবাদিনমোন্তাত্ত্ব-মন্ত্রাঃ। মুক্তো নাম তে দেবো গণা ইব সপ্ত সপ্তকাঃ। ৬৭ थिमाः। थार्यना। ॐ नत्मा रशिन्षेष्ठ्या माक्रजा (वा नेत्मा नमः। भूखवनी नत्मा (वाश्रु বেদিতব্যাঃ। এ ধাবজো ফগপৃষ্ঠস্থা ধ্জহ্তা। সমীরণাঃ। দণ্ডহ্তা ফগার্রাণ বরং দত্ত বর-ব্ণা. স্গারাড়াঃ সর্বেতে শবলাংশুকাঃ। ধ্যানম্। মুক্তো যুসোত্যস্তু গোতম্ম্বামিণায়ত্রী ছন্দো মুকতো দেবতা মুকতাং পুজনে বি॰। ত মুকতো যস্য হি ক্ষয়ে পাথাদিবো বিম-হুসঃ। স স্থগোপাতমো জনঃ। মন্তঃ। প্রত্যেকদেবতাত্ত্বপক্ষে আবহাদীনাং ধ্যানানি আবহঃ প্রবহ্টেশ্চর উদ্বহঃ সংবহ্তথা। বিবহঃ প্রাবহ্টেশ্চর তথা পারিবহোহনিলা ইত্যুক্তা मर्वाभ्राख्ताभाखकत्मनारूथशातिनः। तकाकाकाक महावीवााः मर्क्षमन्ज्यन्ति। धृष-মরুদ্ধানাণাং সমুদ্তদেবতাত্বপাকে। ও সর্কে চতুত্ জা ধোয়া মুবানঃ কুটিলক্রবঃ। ন এহণম্। কেচিভু ধ্যানাভাবেষ্পোতএব গৃষ্ডে ইত্যাষ্ট।

िक अवस्तिमार मञ्जानारमवाज एवक जिल्ला किमीर उपस्ति न भूष कामाना जामान । महमाश्ख भीखगामिनः। मण्डिः। जेनभक्षांभव्मर्थाकांनाः वह्णानमह्बभि महेक्तिंवस्,

मक्तिनाष्ठःकटेत्रः क्रमाद। शामम्। इमर विकातिजाण रमशाजिषिभाविनायनी ছत्मार ह्रारज्ञ (मवजा षाह्राज्यभूकत्म वि॰। उँ हेमर विकासिङ्गा त्वशा मिमर्थ भेमम्। ममु মুস্তশ্চ বিবঃ। মুস্তঃ। ওঁ ক্ষণাজিনাধুর্থর প্যাসন চতুভূজ। জ্টোধ্র জগদাতঃ প্র-আচুতেতা। ওঁ গদাং সরোজং চক্রঞ শন্ত্য ধত্তেইচুতিঃ সদা। শুরুদেহো নীলবাসা मी क कारलां छ छ। वार्थन। । ७ (तम् थिता विमास विमास छ। नमभा रूता । कमधनुक्रमान। शुंखकथ कमधन्मम्। दामः क्रक्षांकिनः जमा भात्यं श्रमखेषिय छ। शामम्। जमा कष्णान-্মিত্যক্ত গোতমো বামদেবঋষিত্রিষ্ট্প্ ছন্দো একা দেবতা একাপ্রজনে বি॰। ও একা জ্জানং প্রথমং পুর্স্থাদি সীমতঃ স্কুরুচোবেন আবঃ। স বুধু্গা অস্য বিষ্ঠাঃ সতশ্চ যোনি বৃদ্ধা ওঁ প্রাসন্তে জটিলো বৃদ্ধা ধ্যেয় ততু জঃ। অক্ষ্যালাং ক্রবং বিজৎ ব্ৰদ্যুবহন্তায় তে নমঃ। নতিঃ। (मेर् किंदिराम्।

एमच्य भारक्रत । मञ्जः। अ त्मन्त्रमन कार्याय नित्या घठ्यभार नित्य। भारि मूःथायुर्ध त्रमान् एकनिज्ञाहकातक। वार्थना। उँनगछि भूखतीकांक नगरछ भूकरमान्त्र। नगरछ

কুনান্তা। ও ক্ৰাস্তংপুক্ৰমাঘোৱবাম্ভাওঃ কুমেণ ভ্ৰা সিত্যাভ্ৰম্ভাক্ত কুলাক্ত কুলিক্ত কুলাক্ত কুলিক্ত ক ঈশভা। এ ঈশস্তৎপুক্রমাঘোরবামলাতাঃ ক্রেণ জ্ব সিত্পীত্রয়েরজাশ্চতু-সর্বলোকাত্মমুচ্যুতাস্ত নমস্থায়। নতিঃ।

রি০ ৷ ঔ স্বণ্যমঃ সাহ৷ স্বণ্কঃ সাহ৷ স্বণ্শজ্ঞঃ সাহ৷ স্বণ্ডের্যাতঃ সাহ৷ স্বণ্ড্র্যঃ जर्मा। ७ मेघामनः भष्कतः भष्मिन्तः भष्मिनिमातिः। भक्षिभित्रभर्ष्यः ष्रिष्ठकण সদা রবিঃ। ধ্যান্য। স্থাত্মইত্যন্ত প্রজাপত্তিখ্মিণায়ত্রী ছন্দঃ অর্কোদেবতা অর্কপুজনে

ふろ

नास्टिः वष्ट्र ज्यक्तः। त्यार्थना। अ ज्याद्रस्यमक्षांभार कामारभार महामाजिम्। श्राचा-क्रारङ्जि। गञ्जः। ७ वम्मूकशूष्णनीकात्भा तरक्राद्भम् मनञ्जः। लाकनात्मा क्राष्टीकर

ম্পতিপুজনে বি০। ও বনম্পতে বীত্তকো হি ভূয়া অমংসধা প্রতরণঃ স্ববীরঃ। গোভিঃ ক্লপেটাৰ ধ্যানম্। অদ্ধপঞাচ বছ্শোহভিহিতত্তাৎ তমাধ্যে যৎকিঞ্চিদেকং ধ্যানং কৰ্ব্য-সংলক্ষো অমি বীড়য়ঃ স্বাস্থাতা তে জয়তু জেখানি। মন্তঃ। প্রাধনানতী সামানে)নৈৰ বনম্পতের্ধ্যানানভিরানেহপি ছবিরাণাং বনম্পতিরিত্যুক্তির্বিষ্ণু রূপতাপ্রসিদ্ধেঃ বিষণ্ডু মিতি সম্প্রদায়ঃ। বনন্দাতে ইত্যস্য প্রজাপতিখ যিজিষ্ট্প্ ছন্দঃ বনন্দাতিদেবতা বন-द्विर मर्समाभन्नर जनत्वार्थाम् मियोकत्रम। मिडिः। - I (b)

 क्र्याप्त नम क्टाजावः वाजाकमञ्जमावानाज्ञः जनम्मदावामितम् प्रक्रिकः वानवामित्त्रः ভূষণগন্ধাঃ সুষনোয়ুত্যুপদীপভোজ্যানি। প্রাদিক্ষিণ্যং নতিরিতি কথযন্ত, পিচারষোড়শ-স্ধ্যাদিবন্শ্পভ্যন্তদেবতাপুজ্নপ্রকারত্ত্বেব্য। আ ক্ষণ্ণেত্যাদিমন্ত্রপাঠাতে ইদমাসনম্ र्षाखनाममस्ज्ञ प्रमाद। डेन्डाइड जावाङ्नामनाध्रः भामग्रहमनमभूभकंत्रमवाकः। वात्मा-

1

वक्रंगमावां मरश्काां जिमखात् । • यथा उँ कनमण्य ग्रांथ विष्ठुः करके क्रमः ममामिङः। ७৯ মুলে তক্ত ফিতো বন্দা মধ্যে মাতৃগণঃ ফ্তিঃ। কুন্দে। তু সাগরাঃ সপ্ত সপ্রদীপা বস্তন্ধরা। कः कथिए । मूनीटेक् जिकु जिनका । उठा श्रा श्रा मिना मिना श्रा स्थान । न्नमः ममारमी छाटेशकत्मकः जिलवर मिलाकम्। यनमा ष्ट्याति शूत्रमा हेहत्का धूरमा मना-उठः धाश्यवनीमानज्ञात थाखज्जनिमा (२२म०२भ० ७भ०) माखिकलमः मध्यमि उत ত্তত্থতে। মত্তাগকুঠং দিওণো গুড়ক লাক্ষাত্রগং পঞ্চ নথস্য ভাগাঃ। হরিতকী সর্জ भारपामिक्ष वेषुर्विषः मायरदरमाश्यक्षि। ज्याक्ष्यक महिलाः मर्क कलमः जु ममाजिलाः ক্ষিতি হেমান্তিদান্থওস্তইন্দোগপরিশিটোক্তা আহ্গা নতু তাল্তিকাঃ। সেবাত্র সান্দ্র व्याप्रधः कीत्रः क्रमायानि एशक्षण्यित्याख्या । यत्। मिक्षार्कारेक्यमायानि एशक्षण्याख्या । यत्। मिक्षार्कार्का अमिष्टि हे ि द्याषिश्व छ विषा दे भूता नाका को क्यार ह महाद श्रुषे क स्थामीना विदेश-यटका ममार विरम्यायाचार मुकाळकमा न्यर ममामः या ममार। ममाम्य्राख द्यार्षो या देनदर्भार ममारे

অনুত্র গায়ত্রী সাবিতী শান্তিঃ পুষ্ঠিকরী তথা। আয়াজ, যজমান্স্য দুরিতক্ষয়কারণাৎ

मारशक्तिका का श्रेता कि क्षेत्र क

मिष्यः नियमि कटेनत्रकुष्का कृषिनाकाः नित्रमा जान्या काःस्मान रुभारान दा त्यांकित्रम् শানায়তে মধ্যে ডিব্ৰু উদ্পাণ্ডা অসংহতা ইত্যবং যদ্ৰেখা উল্লিখ্য তাস্ত্ৰে তামুল্লেখন-मरम्हम थारम्भम्मिज छम्भेद्या अथमा उम्हा आम्हिल्हम् मिक्टनान्त्राखनार्थं पि त्रह्यं ठकुष्क कट्छक् सारविम्मिष्माशिर्माश्रीयमाथिय स्य भारयोज्य देखात्त्र स्थामीना रश्यः कार्याः ज्ञ श्र्यंकुर्ध थार्थिमां कविशासन विकि क्षिणिय । यथा कुर्धिमय्यमान क्षिमः विज्ञानः वृङ्क्ष्णि जिस्वज्ञामिनः यर्थाज्यः विज्ञामम् अँ स्र्यामिरञ्जा नम् इि मम्राद। जज्ञः न क्या लीमत्यत्मार्यानार्यानिश मिथा कुर्नमूलन व यत्नुया नित्यंत्। ज्व व्यिष्यार्थनम्भिक मानिधाः कुक (म (म्र श्रमत्म। ভर मर्सम।। उठः कनभूकामात्नाभरमाভिতः भक्षनर्भः कार्চार्कात् कु स्थामग्रवाह्नत्वाताञार्थमधियात्रानाधिकारात हे ि मान्यमात्रः। कुछ विश्वरा विक्यूना व्यायाम्। घटा वारा मर्सकी मीन मर्स्स स्मियाया क्रिकाः। या किर्धाव ভূতানি স্বয়ি প্রাণাঃ প্রতিষ্ঠিতাঃ। সাদিত্যা বসবো ক্রা বিশ্বে দেবাঃ স্বৈপতৃকাঃ। স্বিস্কি जिन्नी मार्क्शिय वडः कामकन थिनाः। जुद्यमानानिम् बद्धः कर्द्धं मीरक् ष्टानाह्दत। क्रांडिमञ्जा थार्थरवर। ७ त्मरमान्यमध्यातम मथामात्नै मरकामत्यो। छेदभत्माक्षिम जमा

হজমারণাাদিজং বা বহিমানীয় কুণাথে জ্ঞিনাদা বহিরাগ্নেয়াং জ্বাপরেথ। তত্রস্থবিজ্ঞা শুলদিক্ষনং পৃহীত্তা ক্রব্যাদমিত্যস্য প্রজাপতিশ্ববিরস্কুপ্ ছন্দোখ্যিকেবতা অধিসংক্ষারে

মুপে। ছাদশকোটি মুব্যাখ্যং দ্বিপ্ঞাশ্বকলায়তম্। ্ৰাহাস্থাব্যট্কারৈরক্তিং মেম-कम्। खूद् खूठ् । मिकिथ व्यक्तमानाथ मिक्त। जामद् राष्ट्रन हेठ्य मुख्यावि कु বামকে। বিভাতং সপ্ততিইট্ডেদিমুখং সপ্তাজক্ষকম্। দক্ষিণে চচতুর্জিকাং ত্রিজিকামুভরে षग्रनाब ६ ६ ५०% त्यांबि विभाम ३ मध्र रखकम्। यामा जारा ६ ५ छ १ खर मराज्या विक्ख-मिम्दि खर्धा जुखीर मुखा निमुक्ति ब्रमिष्य ड. वर्डिनकामानन क्कार परन्य प्रथम त्यापिकानि खैं हरेहरवाश्रमिष्ट त्रां को छटवमा मिरवर छा। क्वार वहजू का कामम् के छारमनाथि । था को जा प ' वित्रक्षे म् हामा हरम्मा जिल्ला विक्षाभात वि । ७ मुभूवः यिजाषा चित्र्षः विहे হস্তপ্রমাণাদি সংগ্র বহিং ধ্যায়েৎ। যথা ওঁক্রতেজঃসমুদ্ধতং দিমুদ্ধানং দিনাসিক্ম। বিনিয়োগ ইতি শুত্রা। ও ক্রব্যাদমগ্রিং প্রহিণোমি দূরং মমরাজ্য়ং গচ্ছতু রিপ্রবাই (ঝ০১০ ম০১৬ স্তৃত্য ক্র তানেন নৈথা ত্যাং ক্ষিপেৎ। ততজাচম্য ভুজুরঃ ষরিত্যম্য প্রজাপতিশ্ব জ্ঞাপয়েও। ইই্হবায়মিতাশু প্রকাপতিখা বিশ্তুদেষ্ট্রোব বাই্দেবতা বহিত্যালনে বি॰।

কুশানামুদগত্রং পুর্কাত্রং বা পরিক্তরণ্থ প্রোক্ষণঞ্জ কুর্যাথ। ততোহয়েঃ পুর্বত ্র্যারভ্য দক্ষি-थांश्रिकिखामवका कारकाम विषाम एमवाम् मध्यारिक मारक्म कथानाव्यः मर्काम् बरका শেষণ সিফিকতং হতলোষেণ অগ্নিময়সং দেবান্বিষ্ণুম্মিং বায়ুং স্ব্যং প্রজাপতিপণ সর্কাণ यक्ताभी ि दब्रुफार्या गराया जिन्नाया अभानी मात्र ज उत्तिमार याव विख्ये को ব্যত আজ্যেন অগ্নীয়োমে চফুযী আজেন অগ্নিং প্ৰমানং প্ৰজাপ্তিঞ্চত্যতান্ স্থ্যা-দিব্নস্তান্তাণ্ডপ্রধানদেবতাশ্চ চর্বাদিদ্রব্যেণ রুদ্রং চ অনুযাজসন্নহ্নাভ্যাং পশুপতিং চরু-বিশেষপরিঐহার্ধমনিমন্নমান্ততেথ্যে অয়িং জাত্বেদসমিধ্যেন প্রজাপতিমিন্দ্রং চাঘারদে-ক্হোমক্মণি তদকাঘাথানমহং করিমে। ইতি প্রথমং সামন্যতোহভিলপ্য তত্ত্ব চ দেবতা-ষ্জেহমিন্ সনিধে। ভবেত্যাবাহ্য ব্থাবিভবং সংপুজয়েৎ। ততো ভূমে। পাতিত দক্ষিণজাহঃ नाएमनावा श्राजान्यियः मिर्धा बर्हो कृषीः क्षिन्ता एमनकात्नो मरकैछि जुनामाना-विक्मिविश्यामार्थम्। 'ष्यः मूथः मर्त्वतिनानाः मर्थाछित्रमिष्पूर्वातः। ष्याभिक् छभवन् प्रिव বাহনুম্। রজ্মাল্যায়রধরং রক্তপ্রাসন্স্তিন্। ততেঞ্যোন্য কুর্যাৎ। প্রকৃতে চ শত-মঞ্লন্মান্ৎ বহিমাবাহয়েৎ। ঘথা অগ্নে ছং-শতমঙ্গলন্ামাসীত্যুচাধ্যি ওঁ শতমঞ্লন্ামান্ৎ

उठ भूम त्राम ट्टिन करम गार्भः भष्रिक १ क्षा (हामी ग्राम्न भष्रि भष्रिक्ष । उटा -नामिक्करम् उ उ उत्रिम् याव (मामरक्म भागिमा विश्वाकानन्न भित्रममुस्न कुर्मार।

त्वक्षन। উপবিষ্টে আচম্য त्यक्षान्यूख्यां जिक्का मुध्ये प्रतिक न्यूक्। वृश्न्यिजितिकास श्रक्षान-१५ महस्र देनभं छा। फिर्म । ७ इममङ्मर्वाष्ट्रमाः ममत्न मीमामी ि अङ्गक्षि ডিঋষিপায়ত্ৰী ছন্দো বিষ্ণুদেৰতা জপে বিনিয়োগ ইতি স্ত্ৰা ওঁ বৃহস্পতিৰ স্থা বিষ खडनक्षभः बंक्ताम्बमूभैकण्मा थाष्ट्रश्रिक्षम् ७ तिविषिउरगामङ्खिष्टांनामा महरम् मीम त्याया भाक्ज हेजुगकार्य यामह्छानामिकाक्ष्ठीजार मर्दामकर गृहीया नित्रख हेज मा ' প্রজাপতিঋ বিণায়ত্রী চ্ছন্দোহগ্রিদেবত। তুণনিরসনে বি॰। ওঁ নিরস্তঃ পরাবস্থরিত্যনেন ২০১৯ ক্তত্তর্দিশ্যপাবিশ্য বন্দাণো দক্ষিণাক্ষ্তমাসাদ্য অধেত্যাদি মৎকতিব্যতুলাদানাক্ষ্যেম-কৰ্মণি কতাকতাবেক্ষণরপ্রক্ষকরণায়ামুক্ণোত্রমমূক্দেবশ্র্মণিং স্থামহং রুণে ইত্য-- जिनैमिट अँ इट्टाइयोटि अजुर्ज उम्हार पूर्यनानीय मिक्किनिमि भूगोक्र क्रमा

সদন্ত্রাসিয়তে বৃহত্পতে যত্তং গোপায় সুংযজ্ঞং পাহি স মাং পাহি ভুজুবঃ ষ-ষ্কশীতিং প্রস্ততেতি মন্ত্রং জপেৎ। তত উদ্গব্রেষ্ঠ্র কুশোষ্ঠ্ পাত্রণাসাদরেৎ। যথা

श्कामा मिडकुण भेख जाशः शृशीय। ८६ भवित्व थारमणगात्व मार्थ यथा मांख्या मुल थ-क्विम्मुमूथनमूम्टन ष्याकार उक्षमा भिक्तन शुष्मात्मामानि भूर्गमाविक षाकारहारम कु लक्कार यथा। (शाक्कोमाज्य दाक्कार घामभाक्कलमीयर करजनमभिज्यांच्य भष्मवा माज्याज्यक्तमभूषम्। ज्यूक् थामित्री रुखमाजा रुखांक्षिः। मृर्भः नलमग्नः रुखमाज्यि-ত্রিঞ্পাৎ কৃত্রা তয়া সক্ষেফিতামুদ্ধপ্রামাজ্বনোহ্রতে। বহিঃসমেতাং স্থাপায়েৎ। অথ **इक्ट्राम्मनिवाक्**षामनाखाः मही त्र भवित्व <u>थ</u>नीजात्याक्षानी षाका्यानी इन क्रिड। जाकाष्ट्रांनी एकष्टांनी ट टेडक्री स्नाग्नी या। व्यन्द थांक्रिंद इन्डगांवमक्रुकेभर्क-ख्येन्ड। देश्यमञ्जाशांग्रः विथाएमनथ्यमान् या अक्षिर्माजमान् सा भानामः शाहितः वाहे वा। वर्षः कुममुक्तियत्रा हेश्वयन्नी त्रञ्ज् । जनाद नाक्यमि कम्। छेक्षिष्ट्राउन यामभागिनार्थश्ट्राउन मिक्काभागिना हेध्रायकानीर बच्चर मर्वाव्राव्यार ट्टक्ट्यक्टक्क्यानीक्रयशक्तिमभूर्शितमक्तान्यनग्रमनानि नामामराद । जब भावामीनार দেশে ছিন্তি। ততঃ সর্বাণি পাবাণি পবিবাত্যাং কমেণ উদক্ষাদায় প্রোকেথ।

कर्डबाज्या ट्यामिन श्राटाकः मुक्तिमङ्गामिकमत्नदेनव क्रायम क्रियाम्। जज्ञः भूर्वजीत्ना १२ क्रामाम क्रका कित्न उत्तर निषा उत् नृशंक्वीशीन् अभिका भन्ने याका भन्ने यार या मूपानना-বহুন্যাৎ। ততঃ শুপেণ নিস্তমীকুৰ্মাৎ। ততো নিস্তমান্ শুক্লীকতান্ তণুলান্তিঃ প্ৰকাল্য তত্ত্ব দুশ্ধং দত্ত্ব। চকস্থাল্যাং নিক্ষিপ্য ত্তোকং প্চেৎ। ততেঃ শূপ্স্পবিত্তে। আক্সস্থাল্যাং নিধায় তবৈৰাজ্যমাসিচ্য অধেফত্তরতোইকারাণ্যানীয় ত্বৈৰাজাছালীম্থিত্ত্য অধিস্তৎ

যুতং দ্রবীরুত্য তত্ত্র দর্ভার্যদ্বাং নিঃকিপ্য জ্বন্তু গ্র্মাজ্যোপ্রি ত্রিল যিয়িত্বা অকারাজ্যুসং-म्मार्मिदेनदोकाञ्चानीमांकर्यद। उउजाकार्ष्य भदिखं जमश्हरु माक्रकानामिकाणामुखः

ন্পাণিভ্যাৎ গৃহীত্বা সবিতুষ্টেত্যন্য হিরণ্যক্তপ্র্যামিঃ পুরউষ্ণিক্ ছন্দঃ সবিতা দেবতা ज्यारकाग्रद्भवत्म वि॰। ॐ मविक्षे, अमविङ्के। अमविङ्कामाण्डित्यन भवित्वन वरमा इष्धां

भिष्वाचार विः त्याका भूनः थाजाभा घणामूखत्या वर्षिय निष्यार। जञः या गा-ক্ষিপেৎ। চকুহোমমত্ত্রে তু চকুং য়তেন সংস্কা উপাপ্যাজ্যায়েগার্মধ্যেন নীত্রাজ্যস্ত निधांत खुवर दांग इत्छ श्र्या ममाब्जनकूनारेयः खुवगूनगांत्र । विनर्भात्रः मरस्का দায় অনুবৰ্ৎ সংস্কৃত্য ঘৃতাদুভরতে। বহিষি শিদ্ধাণে। ততন্তান্ কুশান্ সংপ্রোক্ষ্য বহে। গাস্তায় তত্তাজাপাত্রং নিদ্ধানে। ততঃ অনুবং অনুচ্পাধোমুধং বক্ষে। প্রতাপা অনুচং ভূমে। পুনঃ প্তাপ্য সন্মাজ্জ নকুশমুলৈবিলমারভ্যাধ্জামুলপ্যান্তং ত্রিঃ সংহজ্য প্রণীতোদকেন রশিখাতিঃ (য০১জ০৩১) ইত্যনেন সরুৎ য়তমুৎপুষ দিস্তু ষ্বীমুৎপুষ রুতাজ্যোৎপবনাত্যাৎ পবিত্রাভ্যাং স্বতং প্রোক্ষেৎ। ততঃ পবিত্রে অনলে ক্ষিপ্তা প্রাণাসাদিতকুশমুটিং প্রত্য

गम ইতীধুমাদায় व्यु ट्वनाकार शृहीया वाग्नवीर मिनामात्रज्ञात्यांग्रीर मावर ग्रज्धातार ममाग्र नज তেतांचातातकारमधाः म्लट्डाश्याज्यः मरम्मुमानात् व्ययस हेजास वागतनस्यिषिस्रिके प् বর্জায় চামান্ প্রজয়া পশুভিত্র কার্কচেমনালাদেনে সমেধ্য়া স্থাহ। ইদ্মগ্রে জাতবেদ্সে ন রহোইংস্তত্ত্বমত্তাদ্। এ যবিষা ত্বং স্করতে জাতিবেদ উ লোকমহো কৃণবঃসোদন্। অমিনং সপু-ত্রিণং বীরবন্তং গোমন্তং রহিং ন শতে স্বন্তি (ঋণ্ডমণ্ডসূণ্ড,১০,১১মণ) ইতিমধ্রৈবলিয়নলন্ধ্ ছत्मा काउदरमार्घारम्ब । इशामात्म विश । उँ यश्च इशु याञ्च। काउदमाखदैनसङ् স্ত্রিষ্টু প্তলেশ জাতবেদোহগ্রিদেবতা অগ্নালঙ্করণে বিগ। ওঁ বিশানি নো দুর্গহ। জাতবেদঃ সিন্ধুং নাবা দুরিতাতিপরি। অগ্নে অত্রিবন্নস্মা গুণানোংস্মাকং বোধ্যবিতা ভর্নায়। ঐষন্ত্রা क्रमः कीव्रिना मन्त्रमात्मार्वमर्ज्ञाः मट्जां (काष्ट्रीमि । कांज्यत्मां यत्नां जन्मान्न (धिष्ट् श्रकािष्ट-দক্ষিণদিশি বহিষি নিদ্ধ্যাৎ। ততঃ কৃতাঞ্জলিঃ বিশানি ন ইত্যেষামাত্রেয়ো বস্তুক্রত্থানি

তত্র হোতুণাং বছত্ত্বাৎ তত্তৎকর্তৃকাছ্তিমু যজমানেইনকেন প্রত্যাহ্ততি দ্রব্যত্যাগঃ কর্ত্ত্য-শক্য ইতি ছোমারডাৎ প্রাগেব দেশাদিকীর্তকীতে অত্র তুলাপুরুষমহাদানক্রণি সর্কহোম পৰ্যাপ্তমিদং ডিলাজ্যসমিৎসহিতং দ্ৰব্যং প্ৰজাপতীন্দামীবোমাৰ্কাদিএহকূদ্ৰাদিততদ্বাহা- <u> প্রিদ্বতবহ্যাদি ততাদ্থাহ প্রাধিদৈবত বিনায়কাদি পঞ্কেন্দাদিদশদিক পালব স্করাদিত্য-</u> মক্লদাণ্ডকাচ্যুতেশাকিবনস্পত্যগ্রিবায়ুস্ধ্যপ্রাঞ্জাপতিস্বিকক্দগ্রিভ্যে হোমার্থমহনুৎস্তেজ

স্ত্রলগ্নং হবিঃশেষং প্রোক্ষনীপাত্রে স্থাপ্য়েৎ। তত্তো নৈশ্বতিকোণাদারভ্য ঈশান্কোণপ-ষ্থাদৈবতমস্ত ন মমেতাৎস্জেৎ। এঁপ্রজাপত্য়ে স্বাহা ইদং প্রজাপত্য়ে ন মমেতি সর্বত্র ধ্যন্তৎ য়তধারাৎ দদ্যাৎ। ও ইন্দায় স্বাহা ইদ্নিনন্দায়ন মম। এতাবাঘারো তামিতো। তত

উপবিশাগেয় দিকিলে পদিচমান্তাং পূর্বান্তং যাবং যুত্ধারাং দদ্যাথ। ওঁ অমীয়ে ফাছ্।

न मत्मि वरक्षिया अञ्च अव्याद । भून इवमान धर्म । क्रिया हे क्षेत्रीया के क्षेत्री माजार এতাবাঘারাজ্যভাগে ভাষিতে)। ততঃ প্রকৃতহোমঃ। চরুহোমসত্ত্র তু চরোরশামুদ্ধ্য ইদমগীবেশমভ্যামিতি বিভক্তা রেখাং কুর্যাৎ। ততঃ অুবেণ দুর্ব্যামাজ্যং নিধার চরে। চ য়তস্রবং দত্তা মেক্ষণেনাতিমচকুমধ্যাদকুষ্ঠপর্কমাত্রং চকুং বার্চয়ং গৃহীয়। য়তস্রবং ইদুমগ্নয়ে ন মনোত্যগ্নেফ্কিনিং লোচনং স্পন্তং ভাবয়েৎ। ততোহগ্নেফভরে পশ্চিমান্তাৎ शुक्रान्छः यांत्र ७ तमामाग्न थाहा हेम् तमामाग्न न महमजार्भवामनजः प्रमाधे । जांत्रार ।

ভবেষুক্তপ। ছোতবামিতি সম্পুদায়ঃ। অন্ন্যেষাং হ্বন্কালে ধ্যান্মাব্দাকং এছা-গান্ত বণাদিজ্ঞানমপ্যাবশ্যকমতঃ বৰ্ণগোত্ৰাদিসহিতৎ প্ৰাঞ্জণ ধ্যান্থ বিধায় হোমঃ (म्वजाञ्चभएक भक्षामीजिस्बर्जानास्बर्टकक्ठकीष्ट्रिं कुष्याद। यथा षार्धामियवग्रुक्का মিৎকাঃ আ ফফোনত্যাদিমগ্রৈস্তভদাষাদিমারণপূর্ধকমুভানপাণিনা অফোভরশতম্যী-কুছি। ইদ্মশ্লীযোশাভ্যাং ন মমেতি বছেঃ প্রাণ্ডদক্ বা জুজ্যাৎ। ততঃ সূর্যাদিবনম্পত্যত পক্ষে ছাদশাস্থানাঃ প্রত্যেক্যাত্তীজুত্যাত। তথা চ ষধা সহস্তসংখ্যাতোহস্থানাজ্তয়ো দেৰতানাং বস্কুদ্রাদিত্যমুক্তাং সমুদিতদেবতাত্বপক্ষে একপথাশদেবতানাং প্রত্যেক-जा कृत्यश्नज्ञामित्यकामान्याहात्वमद्रात्व हेम् क्र्याप्त म मरमज्ञामूर् । जजः यथा-নহেষ্মঃ। তত্ত্ৰ হোতা উদ্জুখো হোম্দেৰতা মন্সা ধ্যায়ন্ য়তাজাঃ সজিলম-বিংশতিং ব্যাদীনাং সমুদিতদেবতাত্বপক্ষে বিংশত্যস্থান্ত্যেষাং প্ৰেচ্চকদেবতাত্ৰ-কার্যঃ। অধৈষাং বহ্লিনামান্যপি পৃথক্ সত্তি অততমামানং বহ্লিয়াবাছ জুক্রাৎ। 668 आफिठ्याक्रीमार विक्नामानि जू विभित्यांगगूरथनां जिथांग्रामानाज्ञारको

8

क्र या क्रक्शंदा

ष्यथ भारयमिनामाष्ट्रिमञ्जाः।

তত্ত রবেঃ। অবা ক্লফেনেত্যক্ত হিরণ্যকুশখাযিজিউপ্ ছন্দঃ সূর্যোদেবত। স্ব্যাপ্রী-छ। यर् किनाशांवर्कमिमामिरहारम वि॰। ७ ज। कृत्यः बुकमा वर्षमाना निर्वामन

স্তং মর্জাঞ্চ। ছিরণ্যধেন সবিতা রথেনা দেবো যাতি ভ্ৰনানি পশ্যন্ (ঋ০১ম০৩৫স্থ০২ম০)

চল্লক্ষ আপ্যায়স্বেভ্যক্ত গেতিমখাষিণায়তী ছন্দঃ সোমো দেবতা সোমপ্রীভ্যধং वाहा हेम् र क्यात न मम।

পিকলামী পলাশসমিদাদিহোমে বি৽। ও আপায়েষ সমেতুতে বিশতঃ সোম বৃষ্ণ্য।

মঙ্গলন্ত অধিমুৰ্দ্ধেত্যন্ত বিরুপাক্ষ্মবিশায়তী ছন্দঃ ভোমো দেবতা ভোম প্রীত্যর্পং धुमरकषुरवी थामित्रमिमामिरश्य विग । छ जायेम् का मिनः ककुरभिङः भृषिता जायम्। অপাং রেডাংসি জিন্ততি (ঋ০৮ম০৪৪স্থ০১ম০) সাহা ইদং ভৌনায় ন মম। उन्। दोक्छ मर्गार्थ (थ्रा॰ऽम॰>ऽऋ०ऽ७म॰) काहा हेम्र (मागांत्र न मग।

बुध्य ' व्याध विवयमिताय शक्ष्यं भविष्यिष्यं हत्मा दूर्या त्मवा दूर्या त्रियो दूर्या निवय बारको जामामार्मनिमामिरहारम विवा अँजारक्ष विवयसूयमन्षिठ्य दारक्ष जाम्हा जा का खुर्ब क्लांडरवरमा वर्षा घममा तमना ज्यत् थः (सा०ऽम०८८ छू०ऽम०) यांचा रेम॰ तुधांत्र न गम।

चित्रीकार्यः निधिनामामायाबाष्यमिष्मिषिरहारम वि॰। ७ वृङ्ग्पटकः भिन्नोमा इत्थन রক্ষোহা মিত্রা অপবাধমানঃ। প্রভঞ্জন্ৎসেনাঃ প্রস্থো রূধা জন্মসাকমেধাবিতা রথানাম্ ৰুহুম্পতেঃ বৃহুম্পতে পরীত্যস্থাপ্রতিরধ্খবিস্থিমূশ্ ছন্দে। কুহুম্পতির্দেবতা বৃহন্দা-

(খা০১০ম০১৬ফু০৪ম০) স্বাহা ইদং বৃহস্পতায়ে ন মম।

শুক্ষা প্রকং তে ইতাস্য ভরষাজ্মবিষ্ঠিপু চ্দঃ শুকো দেবতা শুক্রপাত্যধং

দেশবিবাস। বিশাহি মায়া অবসি স্বধাবো ভ্রা তে প্রন্নিহ্ রাভিরস্ত (ঋ৽১য়৽৫৮য়৽ হাটকাগ্নাবৌডুম্বসর্যিদিদ্হোমে বি৽। ওঁশুকুং তে অন্যাম্মজ্বতং তে অন্যাদিমুর্নপে অহ্নী

শনেঃ শুমুগ্নিতাত্ত্য বিঠ্যাসিক্ষিক্ ছন্দঃ শনিৰ্দেবতা শনিপ্ৰীতয়ে মৃহাতেজোগ্নো ৭৫ রাহোঃ ক্যান ইত্যন্ত বামদেবখাষিণায়ত্রী ছলেশ রাছদেবতা রাজপ্রীত্যধিং হুতাশ-मधीमिषिए। मिर होस्य विः। ॐ मर्याधित्रिधिङ कत्रक्ष्र नखभेषु स्पृधिः। मेर वर्षि य प्रत्यो জাপান্তিধঃ (খা০৮ম০১৮স্থ০নম০) স্বাহা ইদং ক্রায়েন মম। ऽम्०) याहा हमर खुकांत्र न मम।

मारथी मूर्वामिषमामिरश्रम वि॰। अँकशा मन्भिज्ञ जा स्तृषम् जो ममात्रधः मथा। कशा भिन-केश वृज्य (क्षेत्रिक्ष १००५ क्रु०५ ४०) कार्या हेमर दास्क्रैय न गग ।

কেতোঃ কেতুমিতাস্ত মধুচ্ছন্দাখাবিশায়ত্রী ছন্দঃ কেতুর্ধেবতা কেতুপ্রীতয়ে রোহি-ाटभी क्रुममभिमभित्राम वि। 'उ तककुर क्र⁴ मत्काजत तमामभी जरभगतम। ममूस-ডিরজারধাঃ (ঋ০১ম০৬স্থ০ম০) যাহা ইদং কেতুভোগ ন মম।

অধীধিদেশনামাছতিমন্ত্রাজন্তেরেশ্রস্য। আবেশ রাজানমিত্যস্য বামদেশ্যাষিত্রিজ্বুপ্

. ছरमा करमा किवछा कप्रयोज्दा भनाभामिमभिष्मिमिरश्या विग ७ जाता बोकानमध-রস্য ক্তরং হোতারং সত্যযকং রোদস্যোগ। আয়িং পুরা তনয়িছে।বিচিত্রাধিরণ্যরপাবসে ें डिमाग्नाः (भीज्ञीर्मिगात्त्रजामा मीर्यज्ञमाथाविष्कंभजी हन्म डिगा (मवजा डेगा श्री उत्त -क्रुंबर (सं०८म्० ७२० ऽय०) यांश हेमगीयाता न मग।

भनामामि॰ वि॰ । ॐ (गोही विभाष मिनामि जक्ता क्यारे विशमी मा ठेड्र कामी। ष्यकोशमी नवशमी वञ्जूगी महत्राक्षिता शत्रम (वागम् (सा०ऽम०ऽ७८व्य०८)ग्याहा

खानीकममा न किनष्क्रनामः भूतः भणान्ति निह्ज्यत्राज्ञे (भांध्यप्ट्युऽभ्व) याहा हेमः ক্ষন্ত কুমরিং মাতেত্যস্যাত্রিপুত্রঃ কুমারখাষিস্তিপু ছন্দঃ কন্দে। দেবতা কন্দ প্রতিয়ে পলাশাদিত বিত। ঐ কুমারং মাতা যুবজিঃ সমুধাং গুহা বিভার্তী ন দদাতি পিত্রে।

वक्तभः घ्रियश्मिया हेडामा भर्मसिष्ट् हडी हत्मा बक्ता (मन्डा बक्तायोड्स भेना-विक्श्र शिष्टरत्र श्रमाभाषि विश । ॐ इष्ट विक्ष्र विक्या विष्टा विष्या निष्टा श्रम्। मगूष्यमा বিক্টোঃ ইদং বিষণ্ড রিত্যস্ত কাণু পুত্রে। মেধাতিথিখা বিগায়ত্রী ছদে। বিষণ্ড দেবতা भार्क्रात (क्ष. ऽस० २२ क् ० ५१म०) साहा हेमर विकार न मन।

कक्ता न गम।

শাদি বিগ । এ ইত্রং বো বিশ্ব জন্পরি হ্বাম্ক্ জন্তাঃ। অস্থাকমন্ত কেবলঃ (খা০১ম০ इक्ट इस् वर्षा यश्वमा यात्रीय विक्र हत्या (मवज इस्योज्य भाग-मामि॰ वि॰। ७ जुमिर मथ्या खमा जर्भ जाज्यां ज कविः। त्रः विश्रापः मनिषान मीमिर जादिवामिष्ठ (वधमः (मा०ऽष्ण०) थिए. एमः) याह्। हेम् अन्ता न गम।

কালফা একা জভ্জানমিত্যক্ত প্ৰকাপতিখ্যিবিদ্ৰুত্ত জন্দঃ কালো দেবতা কালপ্ৰা-যমস্ত যমায় সোমমিত্যস্য যম্পবিরম্ন ইণ্ ছন্দো, যমো দেবতা যমপ্রাত্যর্থং পালা-শাদিত বিত। ও যমায় সোমং সূমুত ঘমায় ক্লীহতা হবিঃ। যমেশিহ বজ্ঞং গচ্ছতায়িদূতো खात्रः क्रेष्ठ (क्षा०ऽ०म०ऽ8ष्ट्र० ऽ७म०) स्वाह्य हेम्र घर्माय न मम।

তয়ে পালাশাদিত বিত। এঁত্রন্ম জড়ানং প্রথমং প্রস্তাদি সীমতঃ স্কর্চা বেন আবিঃ। স दुश्ता উপমা অত্য বিষ্ঠাঃ সতশ্চ ঘোনিম্পতশ্চ বিবঃ স্বাহা ইদং কালায় ন ম্ম।

नामुनी ছत्मान्धित्वजा उद्योउत्म भानाभामि दि। उ जाप्तर मूठ्र वृगीमत्र (हा-ज्यभाष् ज्यासम् म हे छ। मा कार्रन्। मिथा जिथा वित्रम् के पृष्टम जार्रभा मिर्वा जिल- চিত্রগুপ্তস্ত উ্ষো বালমিতাস্ত প্রস্কণু খাষির্হতী ছন্দশিচ্ত্রগুপ্তের দেবতা তৎপ্রীত্যে অৰ্থ প্ৰত্যধিদেৰতানাং তত্ত্ৰাগ্ৰেঃ। অগ্নিং দূত্যিত্যস্থ কণুপুত্ৰো মেধাতিধিখাবি তারং বিশ্বদেবসম্। অত্য যজ্ঞস্য স্কুকুত্ব (ঋ০১ম০১২স্থ০১ম০) সাহা ইদমগ্রে ন মম। পালাশাদি বি । এ উবে। বাজং হি বংস যশ্চিত্রো মার্মে জনে। তেনাবহু স্কত্তো অধুরী উপ যে তা গুণজি বহুরঃ (ঋ০১ম০৪৮ছ০১১ম০) সাহা ইদং চিত্রগুপ্রার ন মম।

পানাশাদিত বিত। उँ উত্তানপর্বে স্কর্নে দেবং জুতে. সহস্বতি। সপত্রীং সে পরাধম अग्राः छेखानभर्व इंख्यानी श्रान्तिस्के म् इन्म इंख्यानी एमवजा उदयीज्या (क्षंऽम०२२क्ट्ऽक्षम०) याहां हेम्र भृषिटेवा न मम। ७८च्छ० २२२०) घारा रेमगिस्तांत्र न गम।

रेक्ट रेक्टाराम्मिविज्ञ क्रमेभ्यविनीयबी हम रेट्टा (म्वज् उत्योज्य भाना-भामि वि । अ ट्रेन्सारश्चमा मक्ष्याज भवय मधूम्बनः। भाज्य (पानिमामम् (पा० भव नादाय्वकं मस्यमीर्वजामा नादाय्वक्षियित्रकृष् स्तम् नादायत्। त्मवजा जद्योज्य शालाभाषि दि। अ महत्रनीय शुक्रयः महत्वाकः महत्वभाष। म ज्ञिन विष्णि वृष्ठी পৃথিব্যাঃ সোনেত্যস্ত কাণে ুমেধাতি শিশ্বশিষ্টি হিশায়ত্ৰী ছন্দঃ পৃথিবী দেবতা তৎপ্ৰীত্য়ে शोउत्य भीमाभाषि वि । उँ जभा ता त्यात्मा जबनीम खिन्नामि एडमका। न्याप्ति इ श्लामामिश वि.। उ त्मामा भृषिवि ज्यानुक्ता मिर्वमा महा मः भर्म विश्वनार जुनमात्रक विश्वत्त्वमें (श्वार्थिक विश्वति श्वार्थिक विश्व किमारिका मा অত্যতিষ্ঠদশাস্থলং (শৃ০১০ম০১০স্০১ম০) সাহা ইদং নারায়ণায় ন মম।

अस्टि (म ८करल ९ कुक् (भा० Sono Salvo २ भट्) योश हिम्मिक्सिटिना न भग।

अवाभरतः धकाभरत रेग्रिंग हित्रभृद्धित्यविष्ये भ्रमः धकाभित्रिर्भवत। ठ९-घ९कामाट्ड कूक्मख्टामा जान्छ वस्तर मामि भेउता त्रग्नीगार (सा०५०म० ১२५ प्र०००म०) याहा প্রীতয়ে পালাশাদিত বি৽। ও প্রজাপতে ন মুদেতান্যন্যা বিশাজাতানি পরিতা বভূব।

मर्भागम् जात्रः (ग्रीतिज्ञम मर्भत्राक्की श्राविगात्रजी हमः मर्भारम्बज्ञान्दयीज्ञः भाना-इम् श्रेकार्शकत्य म म्या

नांपि वि । छ जात्र (गीः श्रीत्रक्षमीषमम्माज्य श्रुः। भिज्यक् श्रुन्थः (सं०५०म् ১৮३४.ऽम्ब) योश हेमर मर्लास्ता न मम।

ব্ৰহ্মণঃ বন্ধ জ্ঞান্মিত্যস্ গৌতমে বাম্দেৰ্ঋ্যিত্ৰি প্ছন্দঃ বন্ধা দিবতা বন্দ-

কণ্ ঋষিণায়ত্রী ছকেদ, বিনায়কো দেবতা তৎপ্রীতয়ে পালাশাদি॰ বি॰। ওঁ আতু ন ইত্র जर्भ विमानकाफिनकालाकभानामाः उत्र विमानकमा जाजून इत्याजामा कुमीकः প্রতিয়ে পালাশাদিত বি.। ও এক কজানং প্রথমং প্রতাদি দীনতঃ স্কুচো বেন আবঃ। म दुश्रा छम्या ज्यमा विकाः मठक त्यानियम्डक विवः योश हिम् वर्षात्। न यम।

कुमछ र जिल खां छ पर गृजात। महाहची मिक्कालन (क्षे॰ ज्यान १० प्र । याहा विन शिक्षि न भग।

मूर्नाग्राः काज्यमस्य इजामा यात्रीहः कामाभयातिष्ठके प्रहत्मा मूर्ना स्मित् छद्

, বায়োঃ ক্রাণা শিশুরিত্যস্য ত্রিতঋষিক্ষিক্ছন্দো বায়ুর্দেবতা বায়ুপ্রীত্রে পালাশাদি 'স নঃ পর্দতি দুর্নাণি বিশা নাবেব সিন্তুং দুরিতাত্যায়ঃ (ঋ৽১ম৹৯৯স্থ॰ ১ম০) সাহা ইদং शैउट्य भोमाभाषि वि.। ॐ काउटवष्टम स्रम्याम स्माममन्त्रीयट्या निष्ट्रां दिन्। दिः। ७ काणा मिल्यम्होनाः हित्रमू छामा मीधिछम्। विभाभितिया जूरम्थ षिठा सूर्ताटेश न मम।

আকাশ্য্য অদিৎপ্রপ্রস্যেত্যস্য বৎসক্ষবিণায়ত্রী চন্দ আকাশেশ দেবতা তৎপ্রীত্য়ে (শ। ১ম০১ ১২ মৃ০ ১ম০) স্বাহা ইদৎ বায়বে ন মম।

জাশিনয়োঃ এমো উষা ইত্যস্য প্ৰস্কণুখাষিণায়ক্ৰী ছন্দোহশিনো দেবতে তৎপ্ৰীতয়ে श्रामामामि॰ वि॰। ॐ व्यामिष्ट्यञ्चमा द्वज्यमा द्वमाण्डिकामास्डि वामत्रम्। श्रद्धा यमिश्रारज দিব। (ঋণ্চমণ্ডস্ত্তগ্ৰ্থ) স্বাহা ইদ্যাকাশাক্ষা ম্ম।

;

जथ फिक्भानामा ७ ज्वस्मा हेन्यः निका हेन्यम माधुष्क्मत्या जिन्नामा श्रावित्रह् शानाभाषि वि.। ॐ এत्यो छेयां व्यश्कां बुष्क्छि थ्रियां फिनः। खुत्य नामित्रां इहद (स्र०ऽम. ८७ स्ट्र० ऽम०) याहा हममित्रनाडारिक मम

कें एक कि हिस्सा स्टिका उद्योज्य भागानामि कि। व हेन्सर दिया व्यतिव्धन्त ममूख-व्यानम् निन्नः। त्रयोजम् त्रयोनाः वाकानाः मदम्जिः भाजः (क्षेण्ऽमण्ऽऽस्व्ऽभः) याहा

• बार्यः • बार्यः मृष्ठिमिष्णमा कार्तन्। त्यथाष्टियियं विनीव्रजी हरमार्रियक्षण जिल्ली उत्य भानामाहि॰ वि॰। ॐ व्याघ्रिः हूउः वृगीमत् ह्यांजात्रः विश्वत्वमम्। व्यमा बक्छमा इम्बिस्यि न ग्र

ওঁ যমায় সোমং স্কুক্ত যমায় জুক্তা হবিঃ। যমো হ্ মজ্জং গচ্ছত্যাধিদূতো আরং ফ্রত षम्मा यमारम्जामा यम्यावित्रक्षे न् हत्ना यत्मा त्मवा विषय में यो जानामि वि নিখতেঃ মোযুণ ইত্যস্য কণু ঋষিণায়তী ছদ্দো নিখাতিৰ্দেবতা তৎপ্ৰীত্য়ে পালা-ऋकुर वाहा हमग्रात न गग। याहा हमर यमात्र न मम्।

मांकि विः। उँता यु १३ भन्नाभन्ना निश्व जिसू रूपी वधीद। भन्नोक जुकन्ना मर् (अ०ऽम०७४-४०

७म०) जाहा हेम् नियं उत्त म मम।

মোদস্য সোমো ধেলুমিত্যম্য গৌতমঋষিজ্ঞিকু প্ ছন্দঃ সোমো দেবতা তথপ্রীতয়ে ৭৯

শাদি কি। ত বাত আবাতু ভেবকং শন্তু ময়োতু নো কদে। প্র ণআয়ুংধি তারিষৎ

(अ०ऽ०म०ऽ४०४०२००) स्रोश् हेम्र वांग्रत न मम।

. বায়োঃ বাতইত্যস্য বাতায়ন উলপশ্বিশায়ত্রী ছন্দে। বায়ুর্দেবতা বায়্প্রীতয়ে পালা-

नाह्य न यय।

বয়ুমাদিত্য ব্ৰতে ত্ৰামাপসো অদিতয়ে স্যাম (ঋ-১ম০২৪স্থ০১৫ম০) স্থাহা ইদং বক্ৰ-

क्षीउएत भानामाणि विवा अ उम्बन्ध दक्ष भागममाण्यापम् वि मधामः खरात अथा

वक्रवात्रा उम्ह्यम् विकासिक क्ष्या । क्ष्यक्ष्या विकास । वक्रवा । क्ष्यका । क्ष्यक

मामना र विम्थार मट्डार भिक्नावन (या भागमटेया (स०ऽय० ३००० व्यार) दे हर भानामामि॰ वि॰। ७ त्मात्मा (भन्नः त्मात्म् व्यक्तवमाणः तंमात्मा वीहः कर्मात्माणि।

ट्रमायात्र म मम्।

त्या यथा (यममामममूर्ध दक्षिण) भाषुत्रमक्षः चन्छता (स०ऽम०৮,२ण्यु०६म०) योका ट्रेमगीना-नाश न गण । . भूगानमा उमीगानमिठामा भीजमथिकिंगजी इन्ह मेगामा मिनजा उदमीज्य शालांगापि दि । ७ ज्योगाम क्याज्य है शिष्ट विषय किष्यवत्म ह्याइ व्यम्। भूषा

. जानसम्। महत्वनीत्रजास नातायनभाषित्रसम्भ हरमान्नत्वा त्रवा जिल्ली जिल्ली जिल्ली नामिल वि। . अ. महत्वनीकी शुक्रवं महत्वांक अर्थेनारे। म जूबिर विश्वत्व। इत्री षाठा-वक्षन उक्त कछान्त्रिजामा हिंद्रन गर्डभिष्येष् हम वक्ता प्रवा उद्योज्य श्रामानामि विश अ उम कळानर व्यथमरश्रकाषि मीमङः ग्रक्टा दन व्योदः। म नुशा किनेशा जाता निकाः मज्य स्थितिममज्य निवः याश हेम् ज्यारो न मम नात्र न गरा।

मञ्जातः छमाः। व्यक्षिम् पेकखाः क्रम् श्रः न्यां प्रता क्या त्या व्या (संभिष् एमरकाख्य क्रीकरंश भामाभाषिः विः। ७ जा्या चाज नमत्व। त्रोच एमरा डेरावखितिक वस्तार मम्मिउत्मवज्ञाब्भत्य जामा व्यव्जास्य विष्याविष्येष् इत्मा दमर्ता-िछक्षाकुल याहा हेम्यनखाय न मम।

७३५० ७४०) योश हेमर अवामिवस्राख्यां म मत्मिष्ठ विश्मेखास्याम् बीर्क्नार। श्राद्याक-

দেবতাত্তপক্ষেত্ত ওঁ প্ৰবায় স্বাহা ইদং প্ৰবায় ন মমেত্যাদিক্ৰমেণ প্ৰত্যকমন্তানাং দ্বাদ-नाज्ञानाक्जिकिमार। उठ ७ (४८म० ১५० ४म०) व्याखानाः।

'(म्वजांख्ययोज्तः शामामामि॰ वि.। ७ का क्यांम- इक्वकः मत्कायत्मा हित्रगात्रथाः সুবিতায় গল্ভন। ইয়ং বো অস্বংপ্রতি হ্যাতে মতিজ্ঞালে ন দিন উৎসা উদন্যবে (सक्ष मन्द्र मन्द्र निष्य हिम मह्म मिक्स मिल्ला न मम मजा खर बीइ छ । मिर छ । न मह्म जि विश्मिकास्मास्कीर्मगाद। व्याकाकतम्बकाष्ट्रभाक्त कु रू बाजाय यांश इममजाय म गम क्षांगि मग्नमिज्दम्वजाष्ट्रभट्क जा क्षांग हेजमा भावांथ्यविद्धांग्जो हत्म। क्षा

য়াদশায়্যনাছতীৰ্দদ্যাৎ। তে চ (১৫প 🔌 🚉 হাঞ্জাঃ। আদিত্যানাং সমুদিতদেবতাত্থপকে 🎺 🕳 কেশানামিত্যস্ভ ক্লংমগ্ৰিষ্ট্ৰপূ ছন্দ আদিত্যা দেবতাল্ডৎপ্ৰীত্য়ে পালাশাদি 🛧 💆 কেনে দেবানাং প্ৰত্যেতি স্নম্নাদিত্যা-त्मा कवजा रूष्ट्राखः। जा त्राभ्का किल्ला क्ष्य किल्ला प्रदाणिकमा। व्राव्या विख्यामि

মতান্তরে ওঁ বীরভদায় স্বাহা ইদং বীরভদায় ন ম্মেত্যাদিক্রমেণ একাদশানাং প্রত্যেকং

ৰুজ্যাৎ। প্ৰত্যেকদেবতাত্মপক্ষেত্ৰ প্ৰাক্ষেত্ৰাহাইদং ধাত্ৰে ম মমেত্যাদিক্ৰমেণ দাদ-শানাং প্ৰত্যেকং দাদশাম্যনাক্তীৰ্দ্দাৰ। 📚 চ (প০১৭প০১,২) উজাঃ। তত্ৰ মতভেদেন (क्षा० ऽम० ऽ०१ क्षा०) क्षारा क्षा क्षा क्षा क्षा का मामिर छाए छा। न महमिष्ठ विश्म छात्रा मास्कि নামভেদুেখপি বিকশ্পএবাশ্যনীয় স্মাচারস্তবৈক্তরগ্রহণে নিয়ামক এবম্ম্যন্রাপি।

শ্চুদেশ মুক্ততা দেবতাস্তৎপ্রতিয়ে পালাশাদি॰ বি.। এ আ বিদুয়েছিমুক্তঃ স্বইক্রথে-মকুদাণানাং সমুদিতদেবতাত্বপক্ষে আ বিদ্যুদিত্যস্ত গৌতম্ময়িঃ প্রস্তারপঙ্জি-১४०) योश रेमपावश्मिमकाष्ट्रा न मस्मि विश्म जास्मास् जैक्तारा । याजाकामर् ভিৰ্যত ঋষ্টিদক্তিরশ্বপটণঃ। আ ব্রিষ্ঠান ই্ষা বয়োন পপ্ততা সুমায়াঃ (ঋ০১ম০৮-স্থ ज्यभएक जु ७ जावराग्ने योर्ग रेममावराग्न न मरमजामिकरमन प्राजाकः मछानाः घाममा-

্ৰহ্মণঃ বৃদ্ধ জন্তানমিত্যস্ত গৌতম্খবিস্তিষ্ট্প্ছদে। বৃদ্ধা দেবতা তৎপ্ৰীতয়ে পালা-मामि दि । उ जम कखान थर्मर शुरखावि मीम् ३ क्रा (दम जादः। मत्रा डिन्या जामा दिखाः मडक (यानिममडक दिवः योश् हिन् बमारन न मम ज्ञानम् जीक्नाद। उठ ह (भ०७१९०२) डेकाः।

অচ্যতম্য ইদং বিষণুরিত্যস্ত মেধাতিথিখাবিগায়ত্রী ছদ্দেইচ্যতো দেবতা তৎ-क्रीखर्य भानामापि वि। उँ देम् विक्यूरिज्जाम ज्वा निमाय भाम्। मगूष्ममा স্তুরে স্বাহা ইদর্চ্যতায় ন মম।

পৃথিবী অভ্যাৱক্ষং সূধ্য আত্মা জগকস্থু মৃশ্চ (ঋ০১ম০১১৫স্০১ম০) সাহা ইদমকায় ন মম।
বন্দীতেঃ বনম্পতে ইত্যস্য ভাল্য ক্ষাৰ্শী দিস্তিপ্ ছন্দো বনস্পতিৰ্দেবতা তৎপ্ৰীত্য়ে পালশাদি০ বি০। ও বনস্পত্ত স্থীরঃ।
গোভিঃ সংনদো অসি বীত্য়ম্ভি ক্ষিত্ত ক্ষান্দি (ঋ০৬ম০৪৭স্থ০২৬ম০) সাহা ইদ্ৎ বনম্পতায়ে ন মম একপ্থাশামে ত্ৰুশ্কে বিশ্ৰত্যন্ধঃ প্থাশাতিদেবতাপক্ষ नामि॰ वि॰। उँ ठिवर एमरानामुम्गामनीकर ठक्ममिवञ्च रक्षनगार्यः। जाया माराः-ঈশস্ত ক্জ্যায়েত্যস্ত ঘোরপুত্রঃ কণুঋষিণায়তী ছন্দ ঈশো দেবতা তৎপ্রীত্যর্থং शानागामि॰ दि॰। ७ कफ्सांत्र शटिज्य गीरुकेगांत्र जवारम। वाराज्य भेरजगर शरम ্ অৰ্কস্ত - চিত্ৰং দেবানামিত্যস্ত কুৎসঋষিস্তিষ্ট্প্ ছন্দোথৰ্কে৷ দেবতা তৎপ্ৰতিয়ে পালা (খা০১ম০৪৩কু০১ম০) ফাছ। ইদমীলায় ন মম।

তু দ্বাদশাহান। আহতীতিলাক্যমিতিশালাশ্ধাদিরে।ড্যরান্ডেমমিতিক্ত্রাৎ।

ততোহয়ে বক্ষ্যমাণবিষ্ট্রদাদিহোমঃ ব্রুগ্রঃ। অবৈত্রব সময়ে জাপকাজ্তদেবতা স্তুতং স্বস্থশাধোকং ডদসত্তে তত্তম্জো বা শাষাদিয়রণপুর্কক্ং জপেয়ঃ।

बिक्सीना सार्यितिनार क्रिनाक्रकामान्यियारच। उत्र क्रांमा

नाश्चरण्डर महीका हिंदगारयन मदिजा दारथना एमस्या यांजि छुदनानि शंभीन्॥ २॥

যাতি দৈবঃ প্রবতা যাত্যুদ্ধতা যাতি শুদ্রাভ্যাং মঙ্গতো হ্রীভ্যায়। আ দেবো যাতি সৰিতা পরাবতোহপ বিশা দুরিতা বাধমানঃ ॥ ৩॥ অভীরতং ফশনৈবিশ্ররপং হিরণ্যশম্যং যক্ততো রহন্তম্। অস্থান্তথং সবিতা চিত্রভান্তঃ রুম্বণ্রজাংসি তবিষীং

শিবেশামীং হ্রয়ামি দেবং সবিতারমূতয়ে॥১॥ আ ্কফেণ রজসা বর্ষানো নিবে-

45

मधानः॥ ।। वि कमान् नागवाः निष्ठिभारम्। व्यथान् त्रथः वित्रगायोडगर

क्यशोगाधीमिन्यामिकटेमाकोम्बार्जा क्याकुलमा हिन्नाकुभव्याकित्रमक्षयिन्नामा नव-ম্যাশ্চ জগতী ছন্দঃ শিষ্টানাং ত্রিষ্টুপ্ছন্দঃ স্থ্যো দেবতা স্থ্যপ্রীত্যর্থ জপে বি৹। उँ स्रागाधिर अथमर यखता स्यामि मिकावक्रणाविहावतम। स्यामि ताकीर जभत्छ।

क्विड् ॥ ७ ॥ वि स्वभर्गा षाखित्रकानायाकाकाडी ब्रह्मा षास्त्रतः स्वनीयः। किमानीर स्वी উপস্থা একা যমস্ত ভূবনে বিরাঘাচ্। আণিং ন রথ্যমস্তাধি তস্থ্রিছ ববীতু য উ তাজি-मंचित्रका मिक्टेर्कवारमार्थरक विक्री ज्वनानि उच्है ॥ ৫॥ जिस्यो माविः मविज्ञी

পূৰ্বলোদে ছিরেণবঃ স্থয়ত তা অন্তরিক্ষে। তেভিনো আদ্য পথিভিঃ স্থগেভীরক্ষাচনো অধি চ জাহি 📭 ।। ১১॥ (মা০ ১ম০ ৩৫স্থ০) 🧪 💮 পাণিঃ সবিতা বিচৰ্পিকতে দ্যাবাপ্থিবী জন্তবীয়তে। অপামীবাং বাষ্তে বেতি সূৰ্ব্যম্ভি-त्योजना मध मिन्नुन्। हिंद्रनामकः मविज् (मव व्यानामध्यज्ञा मांकत्य वार्यानि ॥ ৮॥ हिर्ना জপ্ষেধন্ রক্ষমো যাত্রাদানস্থাদেবঃ প্রতিদোষং গ্ণানঃ॥১০॥ যে তে পস্থাঃ সবিতা কশ্চিকেড কডমাং দ্যাং রশ্মিরস্যাতিতান॥ ৭॥ অফে) ব্যধ্যং ককুতঃ পৃথিব্যাস্ত্রী থষ ক্ষেণ রজমঃ দ্যাস্থোতি॥১॥ হিরণ্যহ্তো অস্তরঃ স্থনীথঃ স্বভীকঃ স্বাদ্যাস্থাঙ্।

ፉ क्षायाः, ट्या क्रम्रात्राज्ञापिकटेखकात्यः क्रियां विरामनक्ष्यञ्जय क्रुप्राथ्यिक्यायाः अकामणाम्य विष्युष् क्षाः निष्यानाः क्रियाः क्रियाः क्रियाः (प्रजा क्ष्ययोज्येश क्रियां विश छ ड्या क्रमाय उरत्य कर्नाकत्न क्ष्यबानात क कर्मायत् मछ।। यथा न्यमिष्टि ६०

রাষা চনো অস্ত মর্ভভোলনং খ্রানে তোকায় তন্যায় স্ড্ ॥ ৬॥ সানো মহান্তমূত मा (मा षार्ककः मा म उक्कालमूज मा म जिक्कालम्। मा तमा वधीः भिजदः (मांज मांजदः मा नः थिशास्त्रमा क्रम बीविषः॥१॥ भा भरखारक जनरम् मा न जारमो मा रना रभिष् मा रना অনুষ্ঠ বীরিষঃ। বীরান্মা নো রুদ্র ভাষিতো বধীহ্বিয়ান্তঃ সদ্মিত্ব। হ্বামুহে ॥ ৮॥ উপ कारम् विष्यं भूके थारम् व्यक्तिमाज्जम् ॥ १॥ स्कार्णामा कर्षां ना कर्षां ना महक्षि क्षित्रमा নম্সা বিধেম তে। বচ্ছং চ বোশ্চ মনুরায়ে ্রু শিতা তদ্শাম তব কদ্র প্রণীতিমু॥ ২॥ व्यक्ताम ८७ स्थमि७२ (मनयकात्रा क्ष्माबीत्रः अर्थ काष्ट्रा नेष्ट्रिश स्थाकमा माकार यश्मदः॥ ५॥ १ क्रिंग् मक्राध्राह्म विष्य विष्या मान्त्रा किम् । তে জোমান্ পশুপা ইবাকরং রাষা পিতম্কুতাং সুমুম্মে। ভদা হি তে সুমতিষ্ড্যত ज्यादत ज्यम्बर्गः (क्ट्नं ज्यमाज् स्माजिमिष्यमम्। वृगीमरक्॥ ।। मिर्वा वर्षाक्षमक्षरः कशिक्ति (खुषः त्रभः नममा नि ख्रामिर्गः। राख विज्ञात्वमका वर्षाणि भधावि क्षित्र চরারিউক্লীরা জুহ্বাম তে হবিঃ॥৩॥ ত্বেষং বয়ং ক্রদ্র ঘজ্ঞসাধং বন্ধুং কবিমবসে নি হ্বয়ামহে

মাধা বয়ম্ব ইত্তে ব্লীমহে॥ ১॥ আরে তে গোল্লমুত পুরুষল্প ক্ষরদীর স্কুম্যুম তে জ্ঞ

क्छ। ह त्ना अधि ह अहि मिनांश ह नः भन्न विक् विवर्ध ॥ ५०॥ आत्वाहाम नरमा असा অধ্বস্তাবঃ শ্ৰেণাতু নে। হবং ফল্ৰো মকুত্বান্। তলো মিত্ৰো ব্ৰুণো মামহত্ৰামদিতিঃ <u>ያ</u>

जाति (इंडिंग न क्रेडा: ॥ ७ ॥ जै। डेमट्डा वि (वायम यह्द मामि मूर्डाम्। त्मटेवम्) मदिन विम्भिजिम्। . क्वावोक् भूक्षिशम्॥ २॥ जार्धः तम्बै। क्वावक् कव्छात्म। कुक्तवर्हित्य। ब्राधः, बाधिः मूर्वाग्डामिक्य बाम्भक्मा स्थायाधिरम्वराधिरम्वर्गाध्यक्मा कारिन्। মেধাতি ধিঋ ষিণীয়ত্তী ছন্দোহ যি দেবতাহ মিপ্রীত্যে জমে বি॰। ওঁ অয়িং দুতং র্ণীমহে वर्धिय ॥ ८ ॥ घ्राण्ड्यम मीमियः अजिम्न विष्णां मुर् अक्षित्रमः ॥ ४ ॥ (होजांत्रः विश्वत्वममम्। जम्भ वष्ठम् अद्भाष्टम्॥ ।। जिम्मिनिधः स्वोम्निकः मना ह्वछ পৃথিবী উত দোঃ। ১১॥ (स॰ ১स॰ ১১৪ছ॰)

অগ্নিনাপ্লিঃ সমিধ্যতে কবিগৃহপান্ডিমুবা। হ্বাবাড় জুহ্বাস্যঃ॥ ৬॥ কবিমগ্নিপুপ স্তাহি ৮৩ সত্যধন্মাণমপ্লরে। দেবমমীবচাতনম্ ক্রিক্টিয়ে হবিজাতিদূতং দেব সপর্যতি। ডক্ত মুপ্রাবিত। ভব॥ ৮॥ গো আছি ক্রিক্টিয়া আবিবাস্তি। তঠেম পাবক क्ष्र्यं।। अ। स मः शावक मीमित्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या वह। उश्यक्ष रविष्ठ मह।। ३०।। म नः खवान का छत्र भाषात्वन नवीग्रमा। अतिर वीत्रवधीयम्।। ১১।। जाप खत्कन (मा-চিষা বিশাভিদ্বেত্তিভিঃ। ইমং জোমং জুঞ্জু নঃ।। ১২।। (ঋ॰ ১ম॰ ১২স্০)।

নাং ষোড়শ্যন্তানাং দ্বাদশানাস্চাং গায়ত্ৰী ছন্দঃ সপ্তদশ্যা উষ্ডিক্ ছন্দঃ নিটানাং ত্ৰিফুপ্ त्यांगमा, षुर त्मात्मकामिकच बत्यांविर स्रोठ्य त्मांमञ्ज्ञ तांकमश्रविः भक्षमामा

ছन्मः मारम् म्बरा प्रमाम्बीकार्षः करम् विः। अँघः माम् थ हिक्छ। मनीमा घः इक्कि मन् ति निष्याम्। उद खीनिजी निउत्ता न हेल्मा मिरव्यू त्रक्षमङक्त बीताः ॥ ।। ष्र সোম ক্রতুভিং স্থক্তুত্বং দলৈঃ সুদক্ষে বিশ্বেদাঃ। স্থং হ্যা হৃষত্বেভিসহিত্যা

क्षांमानि मिवि या श्रियाः या अर्वराज्यायधीषक्षा । उजिन्तां विटेषंः क्रमना जारमान् दनम्मिष्डिः। ७॥ घक्षत्माम मत् छन् घन घन भाषांत्र । मक्षः मधामि कीवत्म ॥ १॥ मृत्मिण्म् ग्रमण्टाया मृष्क्याः ॥ २ ॥ बाष्ट्यां त्र एठ ं दक्रभष्य ज्ञामि - द्रश्माणीत्र एव त्माम थाम। शुक्तिये मिन थिएम न मिट्डा मक्कारमा -व्यक्तरम्यामि त्माम ॥ ७॥ मा ८७ রাজন্ৎ সোম প্রতি হব্যা গুভায় ॥ ৪ ॥ স্বং সোমাসি সৎপ্তিস্থং রাজোত ব্রহা। স্বং ভদে। जामि ककुः॥ १॥ घर ६ मिष्य त्यां यत्यां जीवाकुर म महामरह। विग्रत्यात्वा

महम्बिन्डेजमः मिल मिलाम। जान्तिन्नं जिन्छ। उत्।। हेमर पर्छाममर वार्छा-कुंकुवान छेभानि है। स्माम बुर तम इर्थ छ्व ॥ ३०॥ स्माम भी छिके। वहार वर्षावारमा बर्छ। कुर मंड (माम विष्टा क्या वाक्रमपाय छ। म तिरमा वाव्य मया।। ৮।। त्याम बारक

(माम त्ना छत्।। ১২।। त्याम झाइक्सि त्ना स्ति गार्वान मवरममा। मर्या हेव म अरका।।

विषः। ऋषनीत्का न जा विषा ॥ ১১ ॥ भग्नकात्मा ज्यमीवृश वस्रविद शुक्तिवर्षमः। स्वित्रि

मध्नकामिन्छिमाङिमाङ्ग। ष्याभिनामम्पना ष्यक्रकार त्याम मिति खेवार हाजमानि थिषा। ^{৮8} তে বিশ্বতঃ সোম বৃষ্ণ্যম্। তবা বাজ্য্য সক্ষেধা। ২৬।। আপ্যায়ত্ব মদিত্যম সোম বি-শেভিরংশুভিঃ। ভবা নঃ সুশ্বক্ষমঃ স্থা রূধে।। ১৭।। সং তে প্রাংসি স্মুরন্ত বাজাঃ ५७॥ यः त्माम मत्था जब द्रावन्त्रम मजि । जर मृष्यः महत् क्रिया ४६।। डेक्या ণো-অভিনক্তেঃ সোম নি পাহ্যংহ্মঃ। সধা স্থােশ্ব এধি নঃ।। ১৫।। আপ্যায়স্ব সমেত্

১৮।। যাতে ধামানি হবিষা যজাতি ক্রিক্ত ক্রিক্তর যজ্য । গয়ফানঃ প্রতরণং স্থবীরোহবীরহা প্রচরা সোম দুর্যান্ ह क्রিক্ত ক্রিক্ত সোমো অর্বজ্যাতিং সোমো वीत्रः कर्षागः ममाछ। जामनाः विमधाः मर्द्धाः मिक्बाराः त्यां ममार्गारिया।। २०।। किरमा गविको ॥२७॥ (अ॰ ১४० ३५४०)

उमात्राः, जारभाह्रिकामिकमा नवकमा जन्माधिमवरणामाञ्जमा मिन्नुषीभाषि

त्रखारत्रात्रम् से म् एमः मियोनाः भावती एम उमा मिरजा उपायीज्य करमे विः। ह

उमस्यमा जाकत्रात्त्व नः। उम्जीति मञ्जिः॥ २। "जमा जतः गर्माम (या यमा क्यां जन्।। हा। ज्याला तम तमारमा व्यवदीम खिक्कामि (ভयका। व्यक्तिः 5 विश्वमार कुरम् । ७।। जामिश्मी उत्पन्द बत्तथः उत्य मम। ब्लाक् उत्र्याः मृत्मा १।। इम-ब्यारमा कि की मरग्राकृतका न स्टब्क् म्थांडन। गरक् वर्षांग्र ५ म्यां ।।। देवी वः निवरुतमा नश्रमात्रिक्किनक नः॥ ८॥ क्रेनाना नार्याागाः कत्रकीक्ष्मिनाम्। जारमा या गिमि उज्य-किष्यं। जारमा कममया हमः ॥ ७॥ भट्मा मिनीनजीकेत जारमा ज्वक मीज्या।

৮৫ मांभः श्रवङ्ख यदक्षिक तिष्टः मग्नि। यद्यां मृत्यां रूपां या त्यां प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता कारिना ज्यान् वर्गात्रियः त्रामन मन्नम्यहि। भग्यान्य जानीह जः मा मःस्क वर्कमा।।।।।

(物 この料の る型の) |

শশমানঃ পুরা নিদঃ। অদ্বেষো হস্তরোদ্ধে ॥ ৪॥ ভগভজন্য তে বয়মুদ্শেম তবাবসা। ৮৫ মুর্জানং রায়জারমে।। ৫।। ন হি তে ক্ষরেং সমস্থা ন মস্থাং ব্য়শ্চনামী পতয়ন্ত আপুঃ। নেমা আপো অনিমিষং চরন্তীন যে বাতস্য ক্ষানন্ত্যভূম্।। ৬।। অবুধে রাজা বক্লণো यन्तिंग्रांकिर खूनर ममट्ड मूटमकः। नीहीनाः क्रूक्नांत द्ध अरामत्य ष्ट्रांनिहिडाः महर हाक तिवमा नाम। म त्ना महा जिम्हित भूनकी विभिन्न कि पृत्ना भूत ।। অভি ত্বা দেব সবিতরীশানং বার্যাণান্। সদাবন্ ভাগদীমহে।।।।। যদিচাদ্ধিত ইংখা ভগঃ ष्माम्, कमा स्नमिजामिकमा भक्षम्भर्मा ठन्मथाविष्टेष् শুনঃশোক্ষামিরভিত্তেত্যাদিত্চস্য গায়ত্রী ছন্দঃ শিকীনাং ত্রিকুণ্ ছন্দঃ বরুণো দেবতা তৎ शैउत्त जार्भः विः। अक्रा ह्मः कजममास्जामाः मनामत्ह ठाक एमरम्। नाम। कि। ना म्ब् जिम्डित शुनकार भिडत ह मृत्नित्र माडित्र ॥ ।। जात्र क्रिंत अथमार्गास्डानार मना-

প্রতিধাতবেহকফতাপবক্তা হাদয়াজি কি বিশ্ব কি কি কি কেওং তে রাজন্ডিযজঃ সহসমুব্ধী-গভীরা সুমতিফে অস্ত্র। বাধস্য দুকি কি কি কি কেওং চিদেনঃ প্রমুগ্ধ্যমাৎ ॥ ।।।। ব্রমী য় খাক্ষা নিহিতাস উচ্চা নতু কি ক্ কি কিব্যুঃ! অদ্বাদি বক্লণ্য বতানি ভৌষজ্ঞ, ममिथाधिविভ্যाদিকম্য বিংশহাচম্য মঙ্গলস্কুলম্য বিরশাজিরস্কাদ্ গায়তী . सिंड। कार्यस्मात्मा बक्रुशमा (वाश्वाक्रमश्म मा न जायूह थ (मायीह ॥ ১১॥ ठिमिम् छिर তিদিবা মহামাহত জদয়ং কেতে। হাদ আ বি চক্টে। শুনঃশোফা যমহাদ্যুভীতঃ সোহস্মান্ বিচাকশচন্দ্রমা শক্তমেতি।। ১০।। তত্ত্বা যামি ত্রদাণা বন্দমানস্তদা শান্তে যলমানো হবি-- ष्रोऽवम् दोक्षाः वृक्षभः मस्कााषिष् । जमरका विग्रामाके भाषाम् ॥ ५७ ॥ ष्यव एउ (क्रिड् वांका वकरनी गुरमोळ्या ३२ ॥ जनश्रमंका श्रयम्ग्बीठिखिषामिठार फ्रभरमग्र बिकः। जंभः कंडामि ॥ ১८ ॥ उमूख्यः दक्र भाभमयम् वाध्यः वि मध्रमः ज्याषाः । ज्या दामा-रक्ष्य अग्रह ॥ १॥ ७ कर्रा क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया वकुन नरमाध्य इव यरख्वास्त्रीमरम् म् विस्थित। क्षम् माम्यम् थर्ठा दाख्यमार्थम् नि দিত্য ব্রতে তবানাগনেশ অদিত্যে স্যাম্য।। ১৫।। (ঋ॰ ১ম॰ ২৪স্থ॰)

নুষ্ধুং প্রতিজ্ঞাদে বরীষতঃ। তিন্ধি দেয়ঃ সাক্ষ্ণত।। ১১।। অ্যায়ঃ প্রয়েল সম্মাণা গুন্তা। ৮৯ मक्षमुष्याम्। कविर्विट्यान वा ब्रुट्य ॥ ३२ ॥ क्रिक्वां न भाजमास्ट्रेट्व ष्यद्भिः भावक त्नांक्तिम्। ष्यस्मिन् बरक्क स्वश्रत् ॥ ५७ ॥ जातम् निवास्त्यस्य स्थान् । त्यरेत्त्रा मिन्नि व्यव्यक्षतानामिचि चित्रम् । १ ॥ कुर्यात्ना व्यक्तिकतम् म स्वानगञ्यक् । व्यक्ति यक्कः न यक्ष-(हाजात्रभक्ता क्ष्मरकेषुर विज्ञावस्थ्य। यख्वानार तक्ष्मोगरह ।। ५।। ष्याप्त नि भाहि •बर्षि ॥ ১८ ॥ त्या जाघर जरमाम त्य तम्बर मर्जाः म भर्षााज । ज्या चेमीमध्यम् ॥ १ ६ डेट्ड वृश्टाक्काः मिष्यानमा मिष्टिः। जात् छकाम मेत्रा ॥ ॥ डेभ य। कुर्या थिए। अस्मिन् रुवा। जुरहाजन॥>॥ आधि त्छांभर जुरव तम वर्षायातन मयाना। श्रीत्य्युकानि क्षामः।। र ॥ जाभिः मूजः शूरता मत्य क्वावोक्भूभ कार्व। तिनै जामामग्नामिक्।। ७॥ - मम श्रुजाठीयंखें स्थाज। जात्य स्या क्ष्यंय नः।। १।। मञ्जर (स्वाजात्यिष्ठिकर विज्ञात्र्य विভावसम्। अधिमोटन म उखवदा। ७॥ अष्टः ह्याजातमीजाः कृष्यम्। ज् ॥ म.॥ मिष्याम उमछा छ करना ह रहावह। हिकिष्याम् तमराक्षमम् ॥ २॥ विधर ৮৬ ছদেশ্যক্ষারকে। দেবতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি॰। ওঁ সমিধায়িং দুবন্সত স্থতৈকোধয়তাতি

-জায়িমুধা দিবঃ ককুৎপতিঃ পৃথিব। জন্ম ক্রুক্ত জানায়. রেতাংশি জিষতি।। ১৬।। উদর্যে শুচয়ন্তব শুক্রান্তান্তর স্থাত। তংকে ক্রুক্ত গ্রাহ্য ।। ১৭।। স্থান্যে বার্যস্য হি দাভি-স্যায়ে স্পতিঃ। জোতাস্যাৎ তব শুক্ত কিন্তি । फिड़। ब्रार वर्ष छ त्मा गिर्दे ॥ ३४ ॥ असम्बन्ध क्यां महिला मृज्या द्वाचन मा। व्याप्त

शुक्रदार्थमम्। जाघार लखामि मम्मिष्डि ॥ २७ ॥ मज्जानार त्राथा द्यार जियार काखाम दी-লকে। তেওামৈরিধেমার্যে ।। ২৭।। অর্ম্যে তেও অশি করিত্তি তুমন্তা। তথ্য পাবক क्लज़। २৮।। श्रीरत्राक्रमाष्य मिष्ट्या न जार्गिवः मन्।। जर्भ मिष्यमि मारि।। २०।। २१॥ यमत्यं माग्यर् घर घर वामानमा व्यक्ष्। द्याक्षे मञ्ज हेश्निषः। १७॥ वद्य-व्याक्छः।। २১।। उठ क्वा बीज्या मम गिर्ना वर्षक विषया। व्यय्वः मथामा वाधिमः।। বসুপাড়াইক মস্যয়ে বিভাবস্থঃ। স্যাম তে স্মতাবশি ॥ ২৪॥ অন্মে ধ্তব্ৰতায় তে স্ধাং ষ্ণীমহে।। ২০।। আমিঃ শুচিবততমঃ শুচিবিপ্রঃ শুচিঃ ক্বিঃ। শুচীরোচত ममूजारत्रव मिन्नवः। निरता वाजाम मेतर्जा। २४॥ मुवान् विम्निष्ठि कविः विभाषि श्वारम मूबिएडडाः भूता सरम्रडाः करत। य न जामूर्वरमा छित्।। ७०॥ (सा॰ ममः 88स्)

व्याप्ता ष्या हे हारत होताः विके जात्रीम्। व्यापीः विष्याः वह।। २०।। व्यिज् मा कम्मगः, जाउर्डकातिकमः पक्षम्मार्कमः कुकाधित्मवङ्कमस्कारा त्रथाणिथियवि जात्रः कृष्णकमस् ॥ १॥ सथात्र जा नि सीमण प्रविष्। त्यारमा ज्ञानः। मार्था त्राधार्भ त्मनी अवभा मरू भर्माणा न्याजी । जिल्ह्याची अपन्याप्त ॥ ३३॥ हेट हत्त्या नी ग्रुप स्वरत्त बक्रनानी ९ यखरत् । ज्याशी ९ त्यामणी उरत्र १० मही त्मा थियो ६ महेम १ छ० १ के निक्यामिक मृत्रों में मार्थन शक्कथः। जिमिन। मिसिन। गृक्म।। ८।। हित्रनागानि । । । जिस्से।। ८।। मिन्नानि । में ज्या मिन्नानि । जिस्से।। ८।। जिस्से। में मिन्नाति । जिस्से। १।। जिस्से। में मिन्नाति । गून खिट्। . जमा बजाग्राभाम ॥ ७ ॥ विज्ञाहर स्वांभर स्वांभर वर्गान्ध्वमा अधिमः। मिन **छज्ञां ।। ।। व्यट्य भन्नी** दिश्वर (मर्गमामुम्जीक्रम। ष्र्योद्ध (माम्पीज्य ॥ २॥ मिर्मिक्काम्। मिन्जार त्ना ड्रोमिडिः॥ ३७॥ ज्यापित्रमृष्ठवर भएता विथा त्रिम्ख भीमुजी इन्म करमा त्मवजा उद्योउत्र कर्म विः। उ यार्ज्य का विद्याशामिनात्वर नक्छाम्। जमा त्माममा भोडता॥ ।। या छत्रथा त्रथीडताडा तस्त मिविन्धुमा। जम्मिना ত। হ্বামহে ।। ২ ।। যা বাং কশা মধুমত্যিশিনা অন্তাবতী। তয়া ষত্তং মিমিক্ষতম্ ॥ ৩।

धीरिक्डि। शक्कसंख्य क्षांव शर्म ॥ ১৪ ॥ म्यांचा श्रीषृदि ভवानुक्ता निर्वमंत्री । षष्ट्या नः अर्म मंथायः ॥ ১৫ ॥ (क्ष॰ ১४० २२२२) क्षिरेटिः, मुक्सलाथा श्रीष्टेम्बर्जश्यित् हें हैं हैं कि क्षानी श्रमञ्जूष्य (म्यांजिसिया विभी । वी कृम्मः श्रीयदी (म्बर्जा जिल्बीज्या क्षित् हैं हैं हैं क्षांचा श्रीयि ভवानुक्ता निरंद्यांनी ।

যচ্ছ। নঃ শর্ম সপ্রবঃ ॥ ১॥ (খা৽ ১ম০ १ ছ ।

त्र्यता, छन्ध्राध्विज्ञामिकमा मामनकि अ त्रस्कन्य त्र्यभाषिष्ठिष् हत्मा त्राया तम्ब वुश्वीण्टा करन विव। व छन्न धर ममनमः मथागः ममगिना पर्वा

ड्टफ्नाइ भक्तमग्रेट ॥ ७॥ मौत्र ग्रुक्षिक कवात्री ग्रुना विजयत्व भ्षक् थीत मारव्यू छ-नावमतिज्ञात्रतीर क्रवृष्षम्। ट्रेक्त्रुमाय्यादर क्रवृष्षर आफिर घछ्टर प्रवाह् । म्याप्तः।। मूनक সীরা বিষুণা তর্থং কতে ঘোনে বপতেহ বীজন্। গিরা চ ক্রফিঃ সভরা অসলো নেদীয় ক্রাম্মিম্মমং, চ দেবীনিক্রাবতে। বসে নিহ্ময়ে বঃ।। ১।। মক্রা ফণু ধুং ধিয় আতন্ত্রধং

তদ্। ইক্তাহাবমবতং স্বরত্রং স্বেমচনম্ উদ্রিণং সিধে অক্ষিতম্। ৫ ।। প্রীণীতাশান্ নন্তা। নিরাহাবান কণোতন সংবরতা দ্ধাতন॥ ৪॥ অবতমুদ্রিণং বয়ং স্থ্যেকমন্ত্রপক্ষি-

वित्यकाः, जात्जा तम्या हेळ्यामिकमा षष्ट्रमा वूर्षाधितम्यज्वियकुर्यक्तमा त्यथाजिथि ৮৮ असिनीयवी हत्मा विकार्दम्वज उदयीज्य हुन् वि॰। जै चट्डा दिना खबद्ध त्ना यरज्ञ विश्व विकारम । भृषिवाः मश्रेषामञ्जि मनकम्माधिक्र १८३ अधिविष्टः युन्छ॥ ।। উट्ड यूर्त विक्रित्रिक्यामार्थरम्। एम वा एम बीर घका छार बिछा शिम । मा तना फारी यम उद्यम गंकी मरुख शहा भाषामरी न्व हज्जि क्षिणामिः। वनम्मिष्टिः वन बाक्यिशिक्षः निष्मिषिष्यम् उत्प्रमा। ५०॥ क-পুলয়ঃ কপৃথমুদ্ধাতন চোদয়ত খুদত বাজসাতিয়ে। পুত্ৰমাচ্যাবয়োতয় ইন্দং সবাধ ইহ ৮৮ ছিত্তং জ্যাথ স্বত্তিবাহং রথমিৎ কৃণুধুদ্। দ্রোণাহাবমবলম্মা চক্রমং সত্রকোশং সিঞ্চতী मुन्तीकार ॥ ७ ॥ जजर क्रबुष्टर म हि त्या मुन्तीरना वर्षा मीवाप्तर बळ्ला भृथ्नि । शृरः क्रबुष्ठ मायमीत्रश्रके। मा देः ऋष्ट्याकमत्मी मृश्क् जाजम् ॥ १॥ जात्वाधित्रः मञ्जिताः वर्जस्तित् ट्रमी: ॥ ৮ ॥ • षाञ्चिर চ हतिमीटकाक्रभटक् वामीन्डिककाव्याश्चािष्टः। भतिषक्ष्यः সোদপীতয়ে || ১১ || (ঋ৽ ১০ম ১০১ছ০)

भैगूर्ममा भार सुरत ॥ २ ॥ जीनि भमा विष्कतम विक्रुर्नामा जमाणाः। ज्याजा धर्मानि

ভাষ্যেঞ্যঃ পরমুৎ পদ্ধ সদা পশ্যন্তি ভূমিন্ত মুক্তি মুক্তি মুক্তি মুক্তি বিভাগে বিপ ন্যবো জাগ্বাংসঃ সমিদ্ধতে। বিষ্ণে স্ক্তি মুক্তি মুক্তি (মৃত ১মত ২২সূত) ধারয়ন্।। ৩।। বিধেগঃ কর্মাণি পশ্রক্রিক্রিক্রিক্রিক্রিক্রিণ ইন্দ্রস্য যুজ্যঃ সধা।।৪।

मिमारथा शूर ।।।। यश्यूकरम र विया एक पष्डमञ्चल। व्यास्ता जमामीमाकार जीय-শনে অভি।।৪।। ত্রমাধিরাতকায়ত বিরাজে। অধিপুরুষঃ। স জাতো অত্যরিচাত পশচাক্ত্র-नातायन्थ, महत्यभीर्यज्ञाषिकमा त्याङ्गर्गं युष्टाज्यसित्मवज्ञात्रायन्त्रकमा विष्युया-ষিরন্ত্যায়াজিষুণ্ শিষ্টানামন্ত্রুণ্ ছন্দো নারায়ণো দেবতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি॰। ও সহস্র-শীধা পুরুষঃ সহস্রাক্ষঃ সহস্রপাৎ। স জুমিং বিশতো র্মাত্যতিককশাস্থলম্।। ১।। পুরুষ बार्ष म अर्थ म मुख्य वस्तु वस्तु । ज्ञाम ज्ञाम ज्ञाम वस्ता माजि ।। वा । वा वांममा महिमा उटा कांशाश्य शुक्रमः। भारम्थिम विभा छ्जानि जिभाममाम्बद्ध मिनि। . ७ ॥ जिमामूक डेटेक्ट भूक्षमः भारमात्रसाज्ञान्दद भूमः। उट्डा विष्ध् राक्रांमद मानामान-

माथ्राभाषका द्या। १। उमाम्बद्धार मर्बष्ठ मर्ब्युवर श्रमाकाम्। भन्न उर्वण्ड च्याः महम्पिः।। ७।। उर घळार वर्षिति द्यांक्यन् भूक्यर कांज्यपाजः। उज्न मिनो ष्यप्रकास

বায়ব্যানারণ্যান্ আম্যাশ্চ বে।।। ৮। তথাকাজাৎ সর্বভ্ত ঋচঃ সামানি জ্ঞিত্রে। ছন্দাং-মি জড়িতরে ত্রমাম্বজুত্তমাদজায়ত।। ১।। তমাদ্ধা অকায়ন্ত যে কে চোভয়াদ্তঃ। গাবে হ জড্তিরে তুমাতিমাজাতা অজাবয়ঃ॥১০॥ যৎপুরুষং ব্যদ্ধুঃ কতিধা ব্যকপ্যন্। মুধং ি উর তদ্দা ষ্ট্রশাঃ পদ্যাৎ শ্রে। অজায়ত॥ ১২॥ ক্রেমা মন্সো জাতশ্চকোঃ স্থো অজায়ত। মুধাদিক্ত গোগিক প্রাণাদায়ুরজায়ত ॥১৩॥ নাড্যা আসীদন্ত্রিক্তং শীষেগ (मा) अम्मार । भक्तार ज्यिकिमा (खांचर ज्या (लाकामकण्यात ॥ १८॥ मखामामम् भविषश्चिङ मख मिष्ठ क्रजाः। त्म्या यम्बद्धः जवान। व्यवधुन् श्रुक्तयः भक्षम् ॥ ১৫॥ কিম্স্য কে) বাহু কা উক্ল পাদা উচ্চ্যেতে॥ ১১॥ আক্লণোহ্স্য মুখ্মাদীদাহ্ রাজন্যঃ ক্ষতঃ। यरख्डन चळ्डमघकच्छ एमवांखानि धर्मानि धर्षमानग्रमन्। ८७१ नाकः महिमानः महन्ड यज्

वृक्ष्णाटडः, यखखाखाजामिकमा कीवक्ष्यात्रेमाकाम्भाष्ट्रमा वागामवस्र्यायम् नगाजा-कृषः निर्मानाः विकृष् कृष्मा वृक्ष्णणित्मे ज उदयीजा कार्य विः। ज यखखा मस्मी वि ८क्क्या जाज्ञान वृष्ण्याि जियम १ १ वर्ष । ए॰ थाज्ञाम स्रायता मीयाानाः भूत्रा भूटर्स माधाः मज्जि (मनाः ॥ ১७ ॥ (था॰ ১०म॰ २०सू॰)

বিপ্ৰা দ্ধিরে মন্ত্রজিহ্বম্॥ ১॥ ধুনেত্ত্ব হুম্বিত্য মুদ্ভে। বৃহস্পতে অভি মে নস্তত্সে। পৃষন্তং স্থামদ্ধামুর্বং বৃহস্পতে রক্ষ্টা হুম্ব । বৃহস্পতে যা প্রমা প্রাবদ ত আ ত ঋতস্পুশো নিষেদুঃ। তুভাং হুমা ব্যাজনি বির ব্ৰশাণে রাজা তম্বজি দেবাঃ॥ ১॥ ইব্ৰুশ্চ দোম্থ শিবতং বৃহস্পতে অস্মিন্ যজে মন্দ্-সানা ব্যণুষ্। আঁবাং বিশাস্থিনবঃ ষাড়বোইমে রয়িং সর্কবীরং নি যচ্চতেম্॥ ১০॥ বৃহ-য়ে রয়ৗণাম্॥ ও॥ স ইদ্রাজ। প্রতিজন্যানি বিশা শুয়োণ তহ্মাবতি বীর্যোণ। রহস্পতিং ্যঃ স্তৃত্ বিভ্ৰতি বংশুয়তি বন্দতে পূৰ্বভালম্॥ ৭॥ "সইৎ ক্ষেতি সুধিতএকসি সে তস্থা ইলা পিশতে বিশ্বদানীয়। তবৈম বিশঃ স্বয়মেবা নমতে যমিন্ এশা রাজনি পুর্বব্রতি।৮॥ অপ্রতীতো জয়তি সং ধনানি প্রতিজন্যায়্যত যা সজন্যা। অ্বস্যুবে যো বরিবঃ ক্লণোতি প्राम्॥ ७॥ व्हण्णिजिः व्यथमः काम्रम् क्रिमा क्रि বিকাতো রবেণ বি সপ্তরশ্বিরধমন্তমাৎসিশা ৪॥ স স্ফুল স ঋকতা গণেন বলং করোজ ফলিগং রবেণ। রহজাতিক্রিয়া হ্ব্যস্দঃ কনিক্রদ্ঘবশতী ক্লাজিৎ।। ৫।। এবাপিত্রে বিশ্বদেশায় রুষ্ণে মটজ্ঞবিধেম নম্সা হ্বিভিঃ। রহস্পতে স্থপ্রজা বীরবজ্যে বয়ং সামি পত-

স্পত ইন্দ্র ব্রতিং নঃ স চা সা বাং স্থমতি ভূষিশ্যে। অবিকং থিয়ো জিগ্তং প্রদীর্জন স্তম্বর্গ বনুষামরাতীঃ ॥ ১১॥ (ঋ॰ ৪ম॰ ৫০ছ॰)

विञ्जामः मिमसाम मीमिन जा विनामृष्डि (वर्षमः ॥ ৫ ॥ त्यां हार्याहिक मोमिहि वित्यं मरम् -श्र्मम्॥ २॥ जारभ कित्रिर्वशाष्त्रिति (होज) भावक यक्षाः। गत्स्यां घिकरका ज्ञारति ज्ञाति রাম্ব ত্তোত্রে মহাজাসি। দেবানাং শব্দশ্ম সন্ত ক্রয়ঃ শত্র্যাহঃ অগ্নয়ঃ।। ৬।। যথাচিছ্দা মতস্মগ্রে সংজ্বসিক্ষমি। এবাদহ মিত্রম্ছে সাজাম্ম প্রনুদ্ধানাকশ্চ বেনতি।।৭।। মানো . जांत्रः चा त्रीमारह। जा श्रामनक थात्रजा हित्याजी यांकिकेः वर्षित्राभरम्॥ ॥ जाका हि -প্রেমিঃ শুক্রমুম্নডিঃ ॥৩॥ অন্রোঘ্মাবহে। শতো যবিষ্যাদেশ। অজঅবীতয়ে। অভিপ্রাংসি প্রগাথশ্ছদঃ জীবাধিদেবত্রদা দেবতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি:।. ভ অগ্রআগ্রাহ্মিভির্ষো ज्ञी मर्मा स्ट्रीना व्यक्तिक व्यन्तकत्त्वाश्वतः। टेटब्बीनभांठः घ्रज्दनभगीम्रास्त्रीयः याख्य बन्ननः, जाश बाह्याहीडग्रामिकम् दिश्मकुष्ठमः जीवाधित्मवबन्तम् स्काय ज्ञान्तिभिषिधि ऋषिछ। यत्मानीह भम्ययीजिङ्किङ्गः॥ ॥ च्रमिष् म्ययो ज्मात्मे ज्ञां भंष्यपि । ज्ञां

मर्जास दिर्भात त्रकाषित्य मायमाश्माय त्रोत्रथः है जात्यकाष्टिखतिष्धितिष्धितिष्

পাহি চতফভিৰ্বমো। ৯।। পাহি বিশ্ব<u>াত্ম কিবা</u>ত্মরাদগঃ প্রস্থ বাজেয়ু নোখব। স্থা-মিদ্ধি নেদিষ্ঠং দেবতাতয় আপিংনক্ষাম্ভেই শিক্ষাত। আনো অগ্নে বয়ো র্ধং রয়িং পাবিক भाष्र्रिङः॥ ৮॥ भाषि त्मार्थं अक्षां कि क्षांक्रां भाषि भाषि भोधिष्ठिय्षित्रक्षां भरि

শংস্তাম্। রাস্বাচন উপমাতে পুরুম্পুত্^{ু ক্রে}ই ইয়েশস্তরম্।। ১১।। ঘেন বংসামপ্তনাস্থ শদ্ধতত্তরত্তো অব্যত্তাদিশঃ। সত্ত্ব নোবৰ্ধ প্রয়সাশটী বসোজিষ থিয়োবস্থবিদঃ।১২

১৭।। কে তেন শর্মন্ সচতে স্থামণ্যে ভুভাৎ চিকিন্থন।। ই্ষণ্যাম নঃ পুরুরাপামাভর कुडाकमङ्काम्। जिन्दमाप्तिः उभम्। विरमाहिम। थार्यः जिक्षे जन्। जाि ॥ ५७ ॥ जािये-वहर ॥ ১७॥ म हि जिजारी व्यन्ज अधिष्ट्राय कांडारमा यिष्ठिकरम। म घुर त्यां हि। छ व्यंखत्मार् वर्गवर्शम र्वावंक् व्यामित्मत्वयू त्राकमि ॥ ১৫॥ मध द्यांचात्रखिमिनीनत्व श्रात्ये मधिर त्रा व्यष्टिक् क्रिया इक्टर्नाइमः। व्यक्ति हिज्यमभः भष्ठीषारक्षाका कर्मिम्।। শিশানেশ র্ষভোট্যময়িঃ শুক্তে দবিধুৎ। তিয়া অস্য হনবো ন প্রতিধুবে স্কন্তঃ সহসো হুছতং হবিজ্গে বংষানো বার্গাপুরু।। ১৪।। শেষে বনেষু মাত্রোঃ সংসামতী স ইন্ধতে।

বাজং নেদিপ্রযুত্রে।। ১৮।। তাগ্নে জরিতশ্পতিজে পানে। দেব রক্ষমঃ। তাপোধিবান্

গৃহপতিশ্র্য কাস দিবস্থাযুদুরোণয়ঃ॥ ১৯॥ মা নোরক্ষঃ আবেশীদায়ণীবসো মায়াজু-ধাতুৰাতুমাৰতাম্। পারো গাব্যত্যনিরাময় কুথমথো সেধ রক্ষমিনঃ।।২০।। (ঋ০৮ম০৪৯ স্থ০) শক্তঞ, জীবপ্রত্যধিদৈবতেন্দ্রন্ত স্কাভাবাৎ ইন্দায়েন্দ্বিত্যাদিমন্ত্রন্ত কত্যপ্র্যাদি-

न्तांत्रजी हरम्मा कीव अछाधिरमवजनारका तमवछा जदकी जरा विः। ॐ हेन्सारितामा

अभिष्डः। अस्टोर भूषा भिषिताग्रुषतीत्रज्ञ मर्ष्ठभारण जूवना मिव मेयर्डा। १॥ मार्ख তী ছন্দঃ শিষ্ঠানাং ত্রিষ্টুপু ছন্দঃ শুক্রে। দেবতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি॰। ও শুকুং তে অন্যক্ষজতং তে অন্যদিযুদ্ধপো অহনী দেগবিবাসি। বিশাহি মায়া অবসি স্বধাবো ভদা ख्यक्य, खकर ति हैजामिक्य खक्रक्क्य ठक्स ठिय ভरम्किसिमिषि छोशांश क्र তে পুষত্মিছ রাতিরস্ত ॥ ১॥ অজাশঃ পশুপা বাজপজ্যো ধিয়ং জিমো ভূবনে বিশে "मक्खा जा मन्य मध्म खमः। साज्य (यानिमांम म्। (या भ्रम भ्रम ५८ या)

পুষন্নাবে অন্তঃ সমুদ্রে হিরণ্মারন্তরিক্ষে চরুজি। তাভিযাসি দূতাং স্থাস্থ কামেন কত-ত্রব ইচ্ছমানঃ॥ ৩॥ পুষা স্থবন্ধাদিব আশ্বিদা ইলম্পতিশ্যবা দ্যবর্চাঃ। যং দেবা-टुमा ज्यममू क्यारित क्रांटिन क्रिड ज्यम यक्षी । ८॥ (क्ष॰ ७म॰ ৫৮२४॰) हेब्स्. छ, हेब्स्. विश्वा हेज्यामिक्य के किन्नाम्य के प्राप्त माधु फ्रम्समेश सामित्रक्षके क्रम हेत्या (मवज किन्नाम्य कार्याविश विश । उर्हेब्स् विश्वा जादी-इसम् समूखवाठमर गित्रः। त्रयीजमर ত ইব্দু বাজিনো মা ভেম শ্বসম্পতে ্ৰুম্নি ্ণোগ্লমে। জেতারমপ্রাজিতম্ ॥ ২ ॥ ও।। পুরা ভিন্মুয় বা কবিরমিতে।জা অজায়ত। ইল্লোবিশ্বস্ত কর্মণো ধর্তা বজী প্রু-পুৰ্বীরিজ্ঞস্ত রাতয়ো ন বিদস্তত্ত্যতয়ঃ। যদী বাজস্ত গোমতঃ জোত্তভো মংহতে মঘম্।। के ७३॥ ४॥ ऽ घर वनका गोमाज्यार्थायहासित्य विनम्। घार मिना जिवकामानाम जाविषुः।। ৫।। তবাহং শুর রাতিভিঃ প্রত্যায়ং সিন্ধুমাবদন্। উপাতিপ্তন্ত গির্ধণো বিদুফে তত্ত্ব কারবঃ। ডি।। মায়াভিরিত্র মায়িনং ত্বং শুষ্ণম্বর্মতিরঃ। বিদূষ্টে তত্ত্ব মেধিরাস্তেষাং শ্ৰবাংসুসতির। । ইন্দ্ৰশীশানমোজুসাভি জোমা অহুষত। সহস্তং যস্ত রাতয় উত বা শচাঃ, ইমামিত্যাদিকস্থ ষড়চন্ত শুক্রপ্রাধিদৈবতশাচীস্জন্ত ইন্দাণী ঋষিরন্ত্যা-मिष्डि प्रुप्रमो ।। ৮ ॥ (सा० १ म० ५५ स्

য়াঃ পঞ্চপদা পঙ্জিঃ শিষ্টানামমুমুপ্ ছন্দঃ শচী দেবত। তৎপ্ৰীত্যে জপে বি॰। ওঁ ইমাং

স্তর মাহি সীদাঙ্গিরোভিঃ পিতৃতিঃ সংবিদানঃ। অত্যামন্তারাজা বহত্ত্বেনা রাজন্ বৃধানঃ। যাংশ্চ দেবা বার্ধুর্ঘে চ দেবান্ সাহান্যে স্থয়ানে। মদন্তি ॥ ৩॥ ইমং যম প্র-বৃহ্তভাঃ পন্তামনু পন্পানাম্। বৈবস্বতং সন্ধান্ং জনানাং রাজানং হবিধা দ্রবস্তা। ১॥ बरमा तमा भाष्ट्रः अथरमा बिरवम देनमा भवाज्यिभाष्टर्वता छ। यजा मः भूरत्व भिष्ठतः भरत পুরে নাজজানাঃ পথা। অনুস্বাঃ॥ ২॥ মাতনীকবৈর্গমোহস্পিরোভির্হস্পতি ঋক্তিবা-

ত্ৰিচ সপ্তাতো অমা এতং পিত্যং লোকমকন্। অহোডিরছিরজুডিব্যক্তং যমো भन्नस्म द्वामम्। विश्व यावम् ग्रः शूनन्तख्यम् मश्भक्षय ज्यां स्रवर्धाः ॥ म। जारभज्यो-म माछायमानमदेम ॥ ।। अधिष्य मात्रामर्शे थारने ठकुत्राक्षी भवरनी माधुना भया। অথকাণো ভূগনঃ সোষ্যাসঃ। তেষাং বয়ং স্থমতো যজ্জিয়ানামণি ভদ্রে সৌমন্সে স্থান स्वध्यो ममेखा यम् भर्णामि वक्रनक्ष तिवम्॥ १॥ मश्राक्षत्र भिङ्डिः मश्यत्मतम् भिर्द्धन छ्टब यः भिष्म टिक्सिम् यटछ विक्या नियमः॥ ।। व्यक्तियत् नः भिष्टतो न वय। ह्दिया मामग्रज्ञ ॥ ८ ॥ जिष्टित्रां जित्रांगीट् यञ्जित्यं जित्ते ने तत्रे ने तित्र मामग्रज्ञ । विवय् खर ॥ ३॥ ८ अहि ८ थि हि भेषिष्डिः शूर्किष्डिम् नः शुर्कि भिष्यः भरत्युः। छेट। द्राकानी

2

অধা পিড়ুন্ সুবিদ্তু। উপেহি যমেন পেস ধমাদং মদন্তি।। ১০।। মে তি খানে। ষম

ज्यममी तक (धिष्ट ॥ ५० ॥ जिन्न भाग तक्कक्मा जेम इंतरानी यमका मूरानी छत्राजा कमाँ। जानू। **রক্ষিতারো চতুরক্ষে) পথি রক্ষী নৃচক্ষসো। তাত্যামেন্ং পরিদেহি রাজন্ৎ সন্থি চাক্ষা**

कुछ्छ। इदि: । यमः ह यह्न्छ। गक्छाधिमूछ् जाहर क्रडः॥ ১७॥ यमाग्न घ्रठवक्षविक् रहाँ थ ह जिकेज । म त्नो त्मरवर्षा यमकौष्मायुः अकौवत्म ॥ ১८ ॥ यमाम मधुमज्म आरब्ध

चिङ পততি यषु स्नीत्त्रकिषष् इर । विष्ट्रे व्शायजीष्ट्रक्माश्मि मर्काजा यम आहिला १ ५ ॥ ह्वार क्रुट्शव्य । हेम्थ मम् स्विचाः भूटर्वजाः भूक्टाजाः भविक्षाः ॥ १ ।। जिक्षात्क-(মৃ০ ১০ম ১৪স্থ

अकाभरुडः, अटेनॐऽत्रेय्डाबिटेम्बरुव्यकाभरुडः श्रृकांडाबाद श्रकाभरुड हेडाामिक्छ

মন্ত্রম্য হিরণ্যগর্ভথাষিত্রিত্ব প্ছন্দঃ প্রজাপতিকেবতা তৎপ্রীত্যে জপে বি॰। ও প্রজা-পতে ইত্যাদি (৪৪প ॰ ১প ॰) প্রাথ্বৎ।

- जारहाः, क्या मिक्ज हेगािष्किय न्वृत्य बाष्ट्रेल्य वामराम्वश्विगांत्रोती हरना

g R

अिछिश वृज् ॥ ऽ॥ कञ्चा मरजा यमानाः मुह्हिरछ। यदमम्ब्रमः। मृशं किमो कृरक वन्न ॥ मि। ज्याका कि स्ट्रिंग मि ।। त्या मार्य के हेस्स मनाव मर एका नि स्थितिता । जाथ ८९ जाथ स्ट्रि द्राष्ट्रार्फवण द्राष्ट्रयोज्य कर्म विः। ७ क्या मिन्ज, या ज्यमूजी ममा त्रधः मथा। क्या २॥ अधी मू नः मथीनामिविठा क्रिक्नाम्। मर्जर एवाक्राणिष्टः॥७॥ अखी म का वव्दक्ष ठक्रः म व्खमक्षिङः। नियुध्धिक्षकिनीनाम्॥ ।। व्यव्जा वि क्रञ्नामां का भरम्य भक्ष-

সদ্য ইৎ প্রি শশ্মশ্মায় সুষ্তে। পুরু চিমুৎহ্মে বস্তু॥৮॥ ন হি মা তে শতং চন রাথো বরন্ত আযুরঃ এন চোণুরানি করিষ্যতঃ॥ ১॥ (ঝ০ ৪ম০ ৬১স্থ০)

॥ ও। উত মাছি জামাত্রিমঘবানং শচীপতে। দাতারগবিদীধয়্য ॥ ৭॥ উত মা

ं क्लिअ, भंदर म्डाविड्यामिकश्च ठड्या ठख्य वांख्यम्बिष्टमवकांलस्क्च मक्स्स्रकथामि वीत्राम् ॥ ५ ॥ म्ट्टा १३ भूमर त्राशियरका यटेम् उन्नियायिय आयुः अञ्जर मधंनाः। जाशाय-যতে কুইত্রো দেব যানাথ। চকুয়ে তে শুণুতে তে এবামি মানঃ প্রজাং রীরিষো মোত ক্রিট্প্ছনঃ কালো দেবতা তৎপ্রীত্যে জপে কি। ওঁ পরং, ফত্যো অরুপরেছি পন্থাং

মানাঃ প্রজয়া ধনেন শুদ্ধাঃ পূতা ভবত ব্জিয়াসঃ ॥ ২॥ ইমে জীবাবিহঠেরাব্র্তাং ন

ভূষ্ড্রা দেবরুতিরো অদ্য। প্রাথেগ অগামন্তয়ে হা যদ্রাঘীয়ঃ আয়ুঃপ্রতরং দর্থানাঃ॥ ७॥

ব্যশ্যমহিষোণ দিবম্।। ১।। ত্রিংশদাম বিরাজতি বাক্পাতকায় ধীয়তে। প্রতিবজ্যে রহ্-म्नीनिम्, जाग्नः त्रोतिज्ञाकिक्य कृष्य वास्याज्ञिष्टेष्टज्मर्यक्य मर्भग्नको श्रवितीय को इन्मः मर्गा त्मव का मर्भिकत्य कर्म विश ७ जायः त्मीः भृष्यियक्षेत्रीम मम्मां ७३९ भू ३६। भिष्ठ ३४ थ अस्य १४ ॥ ।। व्यक्त ५६० ८३ हमा व्यापाम नामाने। देरम कीट्वजाः भन्निध प्रथामि टेमवार ज्ञानमित्रा व्यर्गमण्ड। भाजर कीवछ भात्रमः शुक চীরত্তহ জাৎ দর্ধতা পর্বতেন ॥ ৪॥ (ঋ০ ১০ম০ ৯হছ০)

বো দেবতাশ্তৎ প্রীত্যে জাপে বি৽ । ওঁ যুঞ্জি অধুমকুষ্ং চরত্তং পরি তফ্ মঃ। রোচত্তে ১৪ রোচনা দিবি॥ ১॥ মুঞ্জন্তাস্ত কাম্যা হ্রী বিপক্ষ্যা রথে। শোণা ধ্যঃ ন্বাহ্যা॥ ২॥ কেতুং রুণুমকেতবে পেলো মধ্য অপেশনে শমুষজ্ঞিজায়থাঃ ॥ ৩॥ আদহ্ স্থামন্ত্ কেতুনাং, যুঞ্জীত্যাদিকস্ত দশচ্স্ত কেতুস্ক্তস্থ মধুচ্ছ দাখ্যিশায়ত্রী ছদঃ কেত-शूननं ७ इरमजिरत। मृथाना नाम यिष्ठिशम् ॥ ८॥ वीषु िष्माक्रकन्त्र जिष् गिष्मित विश्व দূর্যি।। ৩। (শা ১০শ০ ১৮৯ ছ০)

ि हिट्यों को द्रिक्तिमिन थि। अभिष्यत्र क्षिट्य निविध ॥ शा हिट्यों वो माजिनीभट्य मिटवा वो भी--अदिक डेचिश जर्स ।. ७ ॥ ८ मरशत्का यथा मजिमका विमघन्नः गिरः । मर्शमन्त्र उक्क उस् ॥ ७ ॥ ट्रिक्स । सर्वे मुक्क तम मरक्की तमा जिक्का मा । भा जनवरेमाऽ जिम्रा जिम्रा किया महत्रमक्ति। भटेश तिस्म करोरमा ।। जिक्क भिष्माभिष्

. विवामिष्य। केन्यर महर्का वा जाकप्रहा। ऽ०।। [थ० ऽम० ४न्छ०]

ज्ञमानः, हिंदनार्गर्षहेजामिक्य ममारंथ (क्यूथनाधिमिन्ज्जमस्क्य हिंदनार्गर् आविख्यिके मुक्टाम्मा दक्ष्य गिथितवज्यमा दिवजा ज्योजा कार्य विग थ हित्रगा-গর্ভঃ সম্বর্ততাতো ভুতক্ত জাতঃ পতিরেক আসীৎ। স দাধার পৃথিবীং দ্যামুতেমাং কলৈ দেবায় হবিষা বিধেম ॥১॥ স্ব আত্মাদ্বলদা মস্ত্র বিশ্ব উপাসতে প্রশিষ্থ স্থ্র দেবাঃ। স্থ্য िज्ञक्ष्यम, म्यूकाणावाद महित्वज्ञामिहिज्ञक्षमञ्जम एत्रमान्नभविष्ये प् एमः एकंच्रियरेम्वउछिच छाउँ। एक्चो एक ब्रोडिस कर्म कि ।
 अ म छि ।
 कि अख्यरम চিত্রকার চিত্রতমং বয়োধাম্। চন্দ্রং রায়ং পুরুবীরং বৃহত্তং চন্দ্র চন্দ্রাভিগ্ণতে যুবস্থ।১। (খাত ডমাত ৬ সূত্ৰ পমাত)

200

क्कांशांच्छ १ यक्न च्छू ३ कटेया ८ म वांश इविषा विद्यम् ॥ १ ॥ य १ थां न छ। निमियछ। महि-

७॥ यत्थ्यतम निष्मयत्त्वा महिज्य ममुज्य नमुज्य तमया महोछ्। यत्यमां अपित्ना यख वार् कटेय एमवाम्न रविमा विद्यम् ॥ ८ ॥ त्यन एमोक्यां भृषिषो ६ मृशं त्यन थे र खिडि বিধেম ॥ ৮॥ মানো হিংসীজ্ঞানিতা যঃ পৃথিব্যা যোদিবং সত্যথমা জ্ঞান। যশ্চাপ- ৯৫

শ্চনু বৃহতীজ্ঞান কলৈ দেবায় হবিষা বিধেম॥ ১॥ প্রজাপতে ন ত্দেতান্যন্যা বিষা

জাতানি পরিতা বভূব। যৎকামাত্তে জুত্মক্ নো অন্ত বয়ং স্থাম পত্রো রয়ীণাম্ ॥ ১০॥

(क्ष॰०००क० ১२० १ ८मोक्यायामाकाकाविभिष्याभवकत्मदेशव स्कामिकभः कार्याः॥

म्मी खरम्डिखनात खटेडारक्ष्डार भनम्। त्रक्मात्न । यज्ञाधिसूत উपिट्र विज्ञाति करेय

- (सन नांकः। 'दंश ष्रख्तिक त्रक्रामा विमानः करेया त्राया स्वियो विष्यमा। ।। यथ क

ততে। দেবানাং সমবর্জতাস্তরে কঃ কটেন্স দেবায় হবিষাবিধেম ॥ १ ॥ यिक्टमाপৌ মহিনা

भ्यात्रिकाष्ट्रकार मधाना जनग्रजीयकाग् । ता त्मात्वस्थितम् अक जामीद कटेमा त्म्यांग स्विगा

रम्बाग्र इविषा विरथम ॥ ७ ॥ जारिशो इ यष्ट्र इतिस्थागाम् गर्डर मथाना जनग्रकी त्रिम् ।

ত্ত্র ক ইদ্রাজা জগতো বভূব। য ঈশে অশু দ্বিপদশ্চতুকাদঃ কলৈ দেবায় হবিষা বিধেম।।

দুর্নায়াঃ, ফ্রুভাতাবাৎ জাতবেদমে ইত্যাদিদুর্শামন্ত্রক কাশ্রপথবিত্রিকু পু ছন্দো দুর্না जूबि एम सक्ष जूबीम घम्। जूबिमां ज्यारवां जिंशा था। न हि भां भांत्राम वा मर्खारमा मिष्ट-স্তম্। ভীমেন গাং নারয়তে।। ৩॥ এতে। বিশেষবামেশানং বষঃ স্বরাজম্। নরাধসা মর্দি-कनानाम्। जनमान्षेषेत्रय (वमः॥१॥ क्ष्य घ छ य ८७ जाङ वाला विरंथाणः मनिष्ः। অমাভিঃ স্তত্ সন্তহি॥৮॥ সদো জুবজে বাজা অমত্যি বিশ্বচন্দাঃ। বলৈক মংক্ষ্ জর-কুনীদঃ কাণু ঋষিণায়ত্রী ছন্দো বিনায়কে। ক্লেতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি॰। আ তুন ইন্দ্র ভর দক্ষিণোশভিসব্যেন প্রহশ। ইন্দ্র মানো বমোনিভাক্॥ ১॥ উপক্রম্বাভর ধ্যতা ধ্যেয়া . অথ লোকপালানাম্ততা বিনায়কস্ত, আতুন ইত্যাদিকস্ত নবৰ্চস্ত বিনায়কস্ক্ৰস্ত क्ष्म्बल्ड किब्र वोष्टर मरग्रे छात्र। महा इखी मिक्काना ।। विषा हि ब्रोर जूपि कृषि यन्नः॥ ।। अत्छायमूर्भगामियक्कृत्यमाम् गोयमानम्। जिल्हायमा कृष्ण्यः॥ ॥ जात्ना (國 | 2 | (河) 下村) 4 ()

एमवजा उद्योज्य करम विग। अ.काज्यवम्स अनवाम स्माममताजीयरजी नि महािज टबम्डा म मड शर्यम्डि पूर्तानि विथा मारवव मिन्नुर मूत्रिङाङाभा (अ॰ऽम् ৯৯२०५म्) বায়েঃ, স্কাভাবাৎ কাণা শিশুরিত্যাদিবায়ুমন্ত্রস্ত ত্রিতথাবিরুফিক্ ছদ্দো বায়ু-

কালো দেবতা তৎপ্রীতয়ে জপে বি৽। ওঁ আদিৎ প্রতুষ্ঠ রেতমো জেণাতিষ্পাত্র বাসরম্ বচ্যত্তে বাং ককুহাসো জুণীয়ামথি বিউপি। যদাং রথো বিভিষ্ণ তাৎ ॥৩॥ হবিষা জারো ज्या भिष्टि भगूतिमंत्राः। भिजा कृतेक प्यंशिः॥ ॥ जामार्ता वार मजीनार नामजा उगिरंस द्रांमाथाधिषम् ॥ ७ ॥ जा तन नाता म्जीनार मिल् भोताय नेत्रत । युक्षाथामिन-. क्यांचिनइग्नाः, जत्यां छेया इंछार्गिक्य भक्षमणंड्यांचिनञ्खना श्रक्षंधियांग्रेबी ছলেশাহশিলা দেবতে তৎপ্রীত। ওঁএমো উষা অপুর্বাগ ব্যক্ততি প্রিয়া দিবঃ। স্তবে বাষ-िश्वमा वृष्ट् ॥ ১॥ या मच्या मिन्नुमाञ्जा मत्माञ्जा अग्रोगम्। थिय। त्मया बच्चविमा ॥ २॥ जांकांभय, श्व्लांडावाद जामिमिडामिराकांभायुष्य वदमथिर्गायु हमः जा-मञ्बहमा। भाउः स्माममा श्रुषः यो॥ ६॥ यात्राः भीभात्रमिया त्क्राण्याजी जमस्त्रितः। (क्वजा वाय्यो उट्य करम दिन। अं काना निष्धियश्चित्र हिम्म उच्च मीधि उन्। विथा-প্রো যদিধ্যতে দিব।॥১॥ (ঋ৹ ৮ম৹ ৬ত্র৹ ৩০ম০) পরিপ্রিয়া ভূবদর্ষিতা। ১॥ (মা০ ১ম০ ১০২স্থ০ ১ম০)

मिरकाम हमाता वस् मिन्नार भरम। यर रखिर कुर विषम्पक्ष । अ। षाष्ट्रा छ। ज षर-সোগতা শিপ্রতোঃ॥ ১২॥ বাবসানা বিবস্থতি সোগতা পীত্যা গিরা। মত্মচ্চ্ন্ত্র, আগ-न दश्म ॥ १॥ अतिवेश दौर मिनम्भुष् और्थ निमाना निष्ठ। विद्यो युष्ठ देक्त देश। ।। माधुग्ना। जमन्ति विकाधिक्तिः॥ ऽऽ॥ उत्तिमिन्ति। मरम শবে হিরণাং প্রতি ক্রাঃ। ব্যথাজিক্রয়া মিতঃ॥১০॥ অভুদু পারমেতবে পক্রা ঋতস্ত

- अर्थ मिक्नोनानाम्। उत्वास्त्रम्, इत्सः विश्वा इत्यापिकन्नाकेट्य मिक्नोत्ना जम्॥ ३७॥ मूरवाक्रम व्यम्बियः भित्रज्यात्माक्रभाष्ट्रतः। साज वनत्यां वाक्र्यां ६३॥। - ज्ङाम गायुष्टम्ता ब्राजा थावित्रम्भूष् हम हित्सा मिवजा जद्यीजता कर्म वि॰। कि উভা পিৰতমশিধনোভানঃ শৰ্ম যক্ত্ত্য। অবিদ্যাভিরতিভিঃ ॥১৫॥ (ঋ॰ ১ম॰ ৪১ছ॰) हेक्टर विश्वा हेडारि व्योधित। (३२ भं० ५ भं०)

बह्छः, जाधिः मिखिमिड्यामिकमा मर्खन्मा विक्युक्तम् (मोदिरकाश्धिभ विज्ञिषे भ् हमः दिन्धानत्त्रोश्वित्वजा उज्जीजत् कर्म विः। अँ जाभिः मधिः विज्ञतः ममाजाभि-

नीत्रः खण्डार कर्षानकाम्। जशी त्रांममी विष्ठत् ममक्षन्नशिनांत्रीर वीतकृष्णिर भूतिकाम्॥>॥

S.

यम्ख, भरत्रतिवार्मिकारिक्क (योङ्गर्थि यम्बूक्ष्यानामार् भक्षानार यम्भपिः २१ যঃ সহস্রা সনোতি। অগ্নিকিবি হ্বামাততানাগেদ্ধামানি বিভূতা পুরুতা। ॥।। অগ্নিমুক্থে -संब्रा विकाशेष काभिः नत्त्रं यामनि वाभिजामः। जाभः वत्रा जन्नितमः भेजत्याभृभिः मङ्मा भितिषाँ (भागाम् ॥ ৫ ॥ षाग्निः विभ मेला अग्रोग आग्निः मञ्जा । बङ्गा । ५-यर्ध ङक्षणमञ्जर्भिन् त्मधः शक्षा क्षं अस् ॥ ७॥ जाधिमसितीषः दीत्रमा जाधिस् पिः জাতাঃ। অগ্নিং গান্ধর্নং পথ্যাত্তস্যাথেগ্রুতিস্তি আনিষ্তা॥ ৬॥ অগ্নায় বন্ধ ঋত্ব ं ख उक्तू त्र गिर्मार वार्गामा अर्ग किम्। जा दो जाव क ति जात १ विकार प्रक्रित प्र मिर्मा विषमाष्ट्र ॥ ষষ্ঠ্যাজাজিরসশুতজ্তিস্থাং স্থানার্ষী চতস্থাং যম্খষিদ্দিশানাং ত্রিষ্টুপ্ততো দুয়োঃ পাদনিষ্ভা ত্ৰিষ্পু পঞ্দশা বৃহতী ষোড়শা অনুষ্ণু ছন্দে৷ যমে৷ দেবতা যমপ্ৰীতয়ে जारमंत्रक्रमः मिमम्ख ज्याधिमंत्री त्याम्मी जावित्यम्। जाधितकर त्वाम्यर ममरक्षित् जानि मग्रट भूजानि ॥ २ ॥ व्यक्तिक्यर क्रइड कर्गमायाधिकास्या निक्रमरुक्कां क्रथम्। व्यक्तिकान्ति करम कि। ॐ भरवत्रियोश्मिष्यापि धार्यं (३२, ३७ भे॰ २,५ भृ॰)।

বরুণস্তা, মোষু বরুণেত্যাদিক্স্য পঞ্চতিন্ত বরুণস্থল্ডস্য বসিষ্ঠাথাষিশ্চতস্থাং গায়ত্রী · নিশ্বতঃ, ফ্জাভাবাৎ বেপা হীত্যাদিনিশ্বতিমন্ত্ৰত ব্যথমায়ক্ষিক্ ছন্দো নি-अ जिटाक्ष्वका उद्यो उत्र करम विवा उट त्या हि निर्भाणीमार वह इन्छ शतिरुक्षम्। षर् অভ্যায়া জগতী ছল্দে। বকুণো দেবতা তৎপ্ৰীতয়ে জপে বি॰। ওঁমোষু বকুণ স্ণায়ং রহঃ শুদ্ধাঃ পরিপদাঘিব॥১॥ (ঋ০ ৮ম০ ২৪স্থ০)

अ व कांगुर्धि जातियद ॥ ५॥ उठ वांठ भिजामि न उठ जारजांठ नः मथा। म नो जीवा স্ত্য। ৩।। - অপাং মধ্যে তিস্থিবাংসং ত্যঃ। বিদজ্জরিতারম্। স্ডাস্থ- কারস্ড্য।। ৪।। ৰায়েঃ, বাত আবাদিকভা তৃচন্ত বাযুস্ফলন্ত বাতায়নউলপ খাধিণায়ত্ৰী ছন্দো नाग्रुरर्कवजा उदयी उत्त करम विग । उ वांच जावांकू (ज्यक् र भक्त्रमत्यांकू (मां क्रापा। नः। य्हार्यक्षका यहा।। १।। कृषः मगर्मीन् । थ्हीप् कार्याखा । रहार्य क्षि ্ষৎ কিঞ্চেদ্থ বরুণ দৈবে। জনেহভিন্তোহ্থ মন্ত্র্যাশ্চরাব্সি। অচিভীযভ্র ধ্র্মা যুয়েছিল ুগৃহৎ রাজলহং গমম্। ফড়াসু ক্লত্রস্ড্য॥১॥ ষদেশি প্রক্রলিব র্তিন খাতে। অজি-ममान्खमारम्नरम् (म्व द्रीतिषः। ।।। (सं॰ १म० ४०म्

उद्द क्रिष । २ ॥ मम्दमा बाङ एङ शृद्द च्डच्य निधिर्षिङः । उद्जा त्मा मिरि जीव्हम

क्रेमान्य, इमा क्रमाराज्यापिक्य थाये (४२,४७४०२,५७४०)

वक्का, हिंद्रकार्गर्ड हेजामिक्य याघट (जि भे॰ ८,२ भै॰)

অথ বহাদীনাম্। তত্র বস্নাম্। স্কাভাবাৎ জাুয়া ইত্যাদিকস্য বস্থযন্ত্রস্থ বিসিষ্ঠ

ঋষিক্রিষ্টুপ্ছম্পে বসবো দেবতাস্তৎপ্রীতয়ে জপে বি৽। ত ঁজাুয়া আত্র বসবো রন্ত দেবা

উরাবভারিক্ষে মর্জ্রয়ত্ত শুলাঃ। অর্কাক্সথ উক্লজাঃ কণুধ্বং শোতা দুতত্ত জ্বগু্ষা নো

ইন্দৰতঃ সজোষদো হিরণারথাঃ সুবিতায় গন্তন। ইয়ং বো অস্মত্পতি হ্যাতে মতিক্-

क्षानाम, जा क्षाम हेजामिक्मगोर्केट क्ष्म्यूकमा भावात्र श्रविः मथमार्केत्या-

আস্তা । (শ্বত ৭মত ওমহত ওমত)

अन्छक, मर्यनीर्घड्यामिक्छ थाये (৮२५° ५,२५°)

(मामख, ष्र-(माम्मछामिक्य ब्राशिष्भंक्राध्य थायेष(ऍ८भं०),≥भं०)

(のなのASの木の八の桜)

নিষ্টিকাঃ। স্বাঃ স্থঃ সুর্থাঃ পৃদ্ধিমাত্রঃ স্বায়ুধা ম্কুতো যাথন। শুভ্য । ২ ।। পুরুধ मगर भक्छान् माखरम बच्च नि दब बना जिहर ज्याबीरना जिगा। काशभव शृषिबीर शृजि-कुरछ म मिव छ ८ मा छमनारव ॥ ३॥ वामीमंख श्रक्तिमत्त्व। मनीविगः ऋधवान इंब्रुमरखा মাতরঃ শুভে যদুগাঃ পৃষতীরযুগ্ধন্।। ৩।। বাতি স্থিযো মরুতো বর্ষনিণিজো যমা ইব স্থস-

जक्तींग्र (वाक्षरमा टेमराज्य ॥ १ ॥ क्रांग्र नाता गक्रांजा कष्णा नञ्जवीमघारमा जक्षा भाजे नास्कारका वनः हिण्म। नुम्ना भीर्ययाष्ट्रया तर्यम् त्वा निका वः जीत्रधि उत्तम् भिरिना । आ त्रिगामम्यात्वयवदञ्जवीतः ठव्यवद्यात्या मक्टाजा ममा नः। यामाख्यः मः कृषु क्वित्रात्त्र्या দো দিনো অৰ্কা অস্তৎ নাম ভেজিরে॥ ৫॥ ঋষ্ট্যো বো মুক্তো অসংযোৱধি সৃষ্ঠ এজো शुक्रम्ला जाक्षिमञ्डः स्प्रमानवत्स्वयम् मृत्ना खनवच्नाथमः। स्क्राजातम् कस्यो कन्नावक-দুশঃ স্তেপশ্মঃ। শিশকাশ্বা অরুণাশ্বা অরেপ্সঃ প্রক্ষমো মহিনা দোরিবোরবঃ॥ ৪॥

भिविज्ञिष्ट्रेम् हम्स व्यामिना मिरनायुर्योज्या कर्म वि॰। ७ देमा गित्र व्यामिरन्या जामिङ्गानाम्, हेमां नित्र हेङ्गापिक्य मखम्भाक्यामिङ्ग्रेख्य गुरमभम्भूषः कुर्म-ভ্ৰৱাঃ। সভ্যত্ৰহতঃ কৰয়ো যুবানো বৃহদিণারয়ো বৃহদুক্ষমাণাঃ॥ ৮॥ (ঋ॰ ৫ম০ ৫৭স্থ০)

मक्रमानाम्, मक्टन यमा शैन्यामिकमा मन्त्रमा मक्रमान्यक्रमा त्रीक्ष्मि निकाश ॥ ১৪॥ टेट जरिय भी भग्न अभी में मिरवा इकि र स्वामा भाभ भूषाम्। डेड्य क्रग्रावाक्राम् यां कि शृष्य् जावत्की कवकः माध् कत्यः॥ ३८॥ यो त्यां माग्रा व्यक्तिन्त যজনাঃ শাশা রিপবে বিচ্তাঃ। জন্মীব তাঁ অতি মেষৎ রথেনারিফা উরাবা শর্মন্ৎ স্থাম । ক্তিতো ন দুরাদ্য আদিত্যানাং ভবতি প্রণীতে। । ১৩। অদিতে মিত্র বরুণোত স্ভ यरका यग्नर ठक्कमा किकमागः। उद्यक्षणाग्रञ्गर ज्याजितित्य मा त्या मीया अधि मनख-১৬।। মাহৎ মহোনো বরুণ প্রিয়স্য ভূরিদারু আ বিদৎ শুন্মাপেঃ। মা রায়ো রাজন্ত্ ৰুক্তণামি রাজা যে চ দেবা অস্তর যে চ মর্তাঃ। শতং নো রাস্থ শরদো বিচক্ষেৎশামামুংষি পাক্য চিদ্দবেশ ধীৰ্ণা চিদ্যুশানীতো অভ্যং জ্যোতিরশ্যাম্।। ১১॥ যো রাজভ্য ঋতনিভ্যো দৃদ্শি যৎ বর্দন্তান্তি পুষ্ঠয়ক্ত নিত্যাঃ। স রেবান্ যাতি প্রথমো রথেন বস্তদাবা বিদথেষু প্রশক্তঃ। ১২॥ শুচিরপঃ স্থবসা আদ্ধ উপ ক্ষেতি বুদ্বয়াঃ স্বীরঃ। নকিউং দ্বন্তা-স্থৃধিতানি পুর্বা। ১০॥ ন দক্ষিণা বিচিকিতে ন সব্যা ন প্রাচীনমাদিত্যা নোত পশ্চা। স্থ্যমাদৰ স্থাৎ বৃহদ্দেশ বিদংশ প্রবীরাও।। ১৭ :। (ঋ০ ২ম০ ২৭স্থ০)

১०० भीष्रजी क्राम्मा मक्राज प्रमचनिक्ट क्रीज्य कार्य वि॰। उँ मक्राजा यमा कि क्राय भाषा

त्रकः ॥ २॥ शुर्छ। एक्ट् छत्मा वि यो छ विश्वम् बिनम्। त्म्राधिकर्त्व। यसूर्याम ॥ ১०॥ विमा काममा (वन ७: ॥ मा मुश्र ७९ म जामवम जाविक र्व मिष्यमा। विषाण विमाण মুক্ততো অস্তু মন্ত্যঃ। যস্য প্রয়াংসি পর্যথা। ৭।। শাশ্মানস্য বা নরঃ স্বেদস্য সতাশুবসঃ। **फिर्**वा विश्वक्र । म स्ट्रांशिणि जिस् ।। १।। घटेख्डर्ग घष्डवाष्ट्रमा विश्वमा वा मजी-8॥ অস্য শ্রেষিক্স ভূবে বিশা ফ্রচ্বণীরতি। স্থর্থ চিৎ সন্মুমীরিষঃ।। ৫॥ প্রজ্ **न्डि** मिमानिक नारक्षिक्रका व्यम्। वार्षा वार्षा कार्या নাষ্। মকতঃ শুণুতা হবষ্।৷ ২ ॥ উত বা ষস্য বাজিনোহনু বিপ্ৰযতক্ষত। স গতা গোম ि बरक ॥ ७ ॥ जमा बीतमा वर्षिय कुछः माम्म मिविकिष्य । ' छक्षं भम्भ ममारज ॥

क्रेमग्र, जा ८० भिर्वात्रामिक्य भक्षम्भार्य क्रेम्स्क्य ग्रमम् भवित्रिक्षे हन जक्रवाः, व्रिनागर्द हेन्यामिकमा व्योषद (२०१मे॰ ५,२ भे) बाह्राउमा, महत्यनीर्वज्ञामिकमा वांधे (४२भ० ५,२ भ०) (物 5 和 0 下 6 型 c)

বৃষভ চক্ষমীথাও। ৭।। প্রপ্রবির্যভায় শিতীচে মহো দহীং স্ট্তিমীরয়াথি। ন্ম্ম্যা বক্তঃ শুক্রেভিঃ পিপিলে ছির্টনাঃ। ঈশান্দিদ্য ভুবন্দ্য ভূরেন বা উ ধোষদ্রদাদ্রধান্ कलानीकिन् नत्यां छिष् गीयमि त्युष् क्रत्यमा नाम ॥ ৮ । व्याजित्विद्धे शुक्रत्राण छेत्या रूक्षामा नरमाण्मि मूकुठी इयच मा मङ्गी। डेत्मा नीग्रंजन्त ज्यरक्षिण्धियक्तमः बा ज्यिका कार भूरधामि ॥ ४ ॥ स्वीमचिर्वराज त्या स्विध्विया खारमजी काप्र मियीय । अपूम ह कुर्ति मात्म जरेमा रक्ः क्रिनिट्या होत्रयम्नारेत् ॥ ६॥ उमा ममम द्राणा मक्ष्यान् य-क्रीयमा वयमाँ नाथमानम्। मृनीव ছ्यायम् वर्णाया वर्णाया दिवारमग्र कृष्टमा स्थाम्। ।। वर्षा ८० कृष्ट स्छ्यांकृर्टस्य। यो अस्य छ्यरङ्ग जनायः। जन्छत्। त्रभरम्। रेमवम्गाङ्ग स् ব্যনী বাশ্চাত্যসা বিষ্টীঃ।। ২।।, শোষো জাত্মা কুদ্র লিয়াসি তরস্থাস্তরসাং ব্র-नारक्।। भिष्ठ भारामश्क्रमः यस्थि विभा षाजीजी त्रभारमा मूरवापि।। ७।। मा या क्रम সংদূশো যুষোধাঃ। অভিনো বারো অর্কতি ক্ষণেত প্রজায়েমহি ক্র প্রজাভিঃ। ১।। क्रेटमा (मन्डा उद्योग्डा कर्म दि॰। डै जा (ड भिड्मिकडार स्माग्य मा नः स्र्मा সুদিত্তেভী কুদ্র শংতমেতিঃ শতং ছিম। অশীয় ভেষ্মেলিভিঃ। ব্যম্পেদ্যো বিতরং ব্যংহো

>०>। ३।। ज्यार्ग विज्यि माग्रकानि धन्नार्शिकः यक्षेजः विश्वेत्रभेष्। ज्यर्जिकः मग्राम विश्व-

রোচমালাং মর্যো ন ঘোষামভ্যেতি পশ্চাৎ। যত্রা নরে। দেবয়ত্তো মুগানি বিভন্যতে প্রতি ১০১ ইজুমুমুমু । হড়। জরিত্রে রুদ্রেরানোইন্যং তে অমালি বপস্ত দেশাঃ ।। ১১ । কুমারণিচু শিতরং বন্দশানং প্রতি নানাম ফ্রেরাপয়ন্তম্। ভূবেদাতারং সৎপতিং গুণীবে স্তত্ত্ব ভেষ্ঠা রাম্যমে। ১২।। যাবে। ভেষ্কা মৃক্তঃ শুর্টানি যা শংজ্মা র্যণো যা ময়ে। 💥 • कर्कछ, किवार (मर्गागिष्णामिकमा मष्ठमार्कश्रक्छ क्रम श्रामिष्कुम् हत्मारक् আধা দ্যাবাপ্থিবী অভিরিক্ষং স্থ্য আত্মা জগতস্তস্থ্য ক ।। ১।। স্থব্যো দেবীযুষসং ज्याभ ज्यम् ॥ २ ॥ ज्यां ज्यां व्यां क्षित्रः स्र्रामा किवा वज्या व्यामामामः। नममारका मंथा কৰ্জোৰ্বিততং সংজভার। যদেদযুক্ত হরিতঃ সথস্থাদ্দোত্রী বাসক্তর্তে সিম্বৈশ্ন।।৪।। मण्डर न या अमेरिया क्रम श्रमित्य ॥ ऽ० ॥ अहि च्याजर शर्जमम्र युवानर स्थार न जीमगुन-मिव का श्रेकमक , भित्र माताश्यिती यक्ति ममाः ॥ ७॥ जद स्थामा मिवजुर जमाहिज्य स्मर्ज। उदयौ ज्या करम वि॰। अँ िज्य (मर्वानामूम्गाम्नीकर ठक्कमित्रमा रङ्गामा ৰাশি মনুরত্বীতা পিতা নতা নথা বোক রুদুক্ত বিশা ॥ ১৩॥ (ঋ০২ম০ ৬৩সূ০)

বদ্যাৎ। তলো মিত্রো বরুণো মামহন্তামদিতিঃ সিন্ধুঃ পৃথিবী উত দেগীঃ ॥ ७ ॥ ्रिमिज्ञा दक्रभगां जिरिक्त क्र्यां जार्भर क्रन्रंज त्मां क्रभेरक् । जनख्यमा क्रमेत्रा भीकः क्रक्श्यम्। क्रान्ति ।। १।। जाम्। ८म्य डिम्डा क्र्यामः निवर्श्यः शिशेषा निव-

বনম্পতেঃ, বনম্পতে ইত্যাদিক্য্য ত্চ্য্য বনম্পতিস্ক্তস্ত গৰ্গ থাবিস্তিষ্ঠ্প ছন্দো (20 54 5 20 20)

वनम्मा जिस्मा जिल्हा करम विः। उ वनम्मा व वीष्वक्षा कि ज्ञा व्याप्तिषा

म्मिया भर्यात उत्त् उर यमम्मिडिडा भर्याकृष्ट महः। जाभारमाञ्जामर भवि भिष्टि-প্রতরণঃ স্বীরঃ। গোভিঃ সংনদ্ধো অসি বীলয়স্থাতাতে জয়তু জেত্রানি॥ ১॥ দিব-রাক্তমিল্লস্য বত্রং হবিষা রথং যজ।। ২।।। ইল্লস্য বজো মরুতামনীকং মিত্রস্য - বুজা दक्रभग्रामाधिः। ८ममाः ८मा ह्वामाधिः जूषात्भा एम्व इषं श्रुष्टिह्वा गुंखाय ॥ ७ (মা০ ৬ম০ ৪৭ ফু০ ২৬, ২৭, ২৮ম০)

कटेजुर कारम घात्रभामाः स्वस्नार्थाङमाधिस्कानिकः भेरठेयुः। जानिकार पस्त

८उ। अवर कार्यक्षांत्रभानाच्यार क्रकामिष् करध्यु रहाराजाखताकर कर्म क्रीगिर। यथा

क्षा बरको किरमद। जर भातेख्य नामि कुखीर बरको किरमद। उठः मक्षण्यं के अभिकिछट्यामः। यथाः ज्याम्कार्य हेजास्य वाभरम्वस्थिः भक्ष्किम्बरम्यार्यार्थात् প্রার্ণিচভহেলন বি৽। ওঁ অয়াশচায়েৎস্যনভিশন্ত্যয়াশচ সত্ত্বিল্লাল লিসি। অনুসাবনুসা छ यम्मा कर्माताष्ट्राह्मीतिष्टः यद्या स्रामिष्याकतम्। जायिष्टे विष्येक्षिष्यम् मर्त्वः विष्येः সুত্তং করোডু মে। অগ্নয়ে সিউক্তে সুভ্তক্তে স্ব্তায়ণিজভাত্তীনাং ব্যাসানাং मश्वक्तिया मक्षामः कामान् मश्वका याहा। हिमग्रात्य विकेक्ट न मम। थांधम् কুহোতি। তত ইগ্রবন্ধনীরজ্বুং বিশ্রত্য আবক্ষ্চোলেশং প্রোঞ্চা ওঁ ক্রায় সাল্ধী ১০২ হদ্দোতি মন্ত্রণ্য হিরণ্যণার ঋষিরতিষ্তিশ্ভন্দঃ স্বিক্দাধ্যদেবতা স্বিক্রনোদেশ বি

हेन्छाम्। त्मथाजिषिश्च विभीवनी इत्मार्थाक्षरका थार्वाक्वरहात्म वि॰। उँ जाउना १०२ আবন্তু নো যতে। বিষ্ণু বিচক্রমে। পৃথিব্যাঃ সপ্রধামভিঃ স্বাহা ইদং দেবেভোগ ন মম। ইদং বিষ্ণুরিতাস্য মেধাতিধিখাষিণায়ত্রী ছলেশ বিষ্ণুদেবত। প্রায়ণিচতহোমে বি॰। ওঁ कुछि। हमारमे इवारमिहरम्भा त्मा त्यिहि छमक स्थाम इमग्रमध्ये मामा जाडि। प्रयो ड्मर् विक्रु विज्जात्म एख्या निमाय श्रीमम्। ममुष्णमा भारस्य प्राह स्वाह इमर विकाय न मम्। . उमायाः, जार्भा हि किन्य मिन्नुषी भंभा भाष्ट्र डेमा (मा उद्योग विग जारिभा

কন্দু, অমিরিবেত্যস্ত বৃদা ঋণ ত্রিত ছণ কন্দোদে তৎপ্রীণ বিণ। অমিরিব हिट्छामि लायर (जयः ऽकाः १कः ऽमः)

মনেনা জিষিতঃ সহস্ত দেনানীরঃ সছরে হত এথি। হতায় শত্রু বিভক্তস বেদ এজো মি-

মুদেন। বি ফ্ৰেগ ভ্ৰদ্য (অথ০ ৪কা০ ৬১ক॰ ২ম০)

नाजायन्य, थ তाष्ट्रक्ष्यं विज्ञास्यां भ्रति भ्रव भागक्र मांवायाना त्म उद्योखि विश थ

उन्दिख्ड खराज सीर्याणि स्टामा न जीमः क्रांत्रा नित्विष्ट। भारापण व्याक्रममाप्त भारमाः।

(অধ০ ৭কা০ ২৬ক০ ২ম০)

বৃদ্ধ ঃ, বৃদ্ধ জন্তানমিত্যস্তাপর্বা ঋ । তি ছ । বৃদ্ধা দে তৎপ্রীত বি ।

জাত্তানমিতানদি (৭৯৭° ১প°) প্ৰাথৎ (অথ° ৪ক্।০ ১ক০ ১মৎ) ·

भक्छ, इत्स्मिक्षित्र वक्षा क्षण् जरूष्ट भटका त्मः उद्योख विश इत्स्मि

প্ৰভয়ং কৃষি স্কাতানামদ্দী। রায়স্পীবেণ সংস্ক জীবাতবে জর্সে নয় 60 000 000 000 यम्ख, यः अथम इंडामा बन्नां थाः जिः हः यस्मां एक जद्यों ७० विः। यः अथमः প্ৰভন্মসদাদ বভ্ভাঃ পহামনুপক্ষশানঃ। বোষ্সেস্শে দ্বিপদে। যক্ষতুজাদ্তবৈদ্য ঘষায় নমো অস্ত্র স্ত্যবে (অধি ৬কা ২৮ক ৩ম০)

कानमा, त्राहि हेडामाथका था वाह कि काला (फि॰ उदयो। कि। त्राहिड

কালো অভৰ্দোহিতোহয়ে প্ৰজাপতিঃ। রোহিতো যজানাং মুধং রোহিতঃ স্রাভ্রৎ।

(অথ০ ১৩ক ি ২ অন্ত্ৰত ৩ ১ম০)

यम्छां छ। या छाउर मर्कामा क्यारना मिथः। जार्ध घर ज्यां भाहि (तम यथायथ-. চিত্রশুপ্তস্ত্র, যদজ্ঞাতমিত্যস্ত কৌশিক ঋণ অনুণ ছণ চিত্রশুপ্তে, দেণ তথ্যীণ বিণ।

মহায়ে স্বাহ।।

ज्य श्रुकाधिरम्बर्गाः ज्वारगः, मगांख्यां वमा या विश्व क् ज्विश्क ज्व- ५६० नी॰ दि॰। ममाखाद्य भाउटना वर्षात्रक मश्वदमता समस्या यानि मजा। मर्मिरदान मीपि-হি রোচনেন বিশ্বা আভাহি প্রদিশকতেশ্রঃ (অথ০ ২কা০ ৬ক০ ১ম০)

ं ज्यामीम्, मन्न हेठामा जन्ना था॰ मा॰ छ॰ जारमा म्बर्गख्योठ० वि॰। मर्ना

দেবীরভীকায় আপো ভবস্ত পীতরে। শংযোরতি অপবন্ত নঃ (অথ০ ১কা০ ৬ক০ ১ম০)

ক্ষিতেঃ, ভূমেরিত্যস্য ব্রহ্মা খাত অন্ত্ত ছত ক্ষিতির্দেত তৎপ্রীতত বিত। ভূমে মাতর্ষি (शिष्ट् मा ভদ্রা স্প্রতিষ্ঠিতম্। সংবিদানা দিবা কবে শিরাং মা প্রেছি ভূত্যাম্। (অর্থ - रिएस्थाः, रेम् विक्षु जिन्नामाथकी था॰ भा॰ ष्र॰ विक्षु रर्फ जद्योजि॰ वि॰। रेमः विक्षु ১২কা০ ১জন্তু০ ৬৩ম০)

. इसम्य, इस जूरत्वज्ञमाथकी था बजु ह हिल्ला (प ज्योज दि। इस জুমুষ প্ৰহা মাহি শুর হরিভাগ্য। পিবা স্তম্য মতেরিছ ম্ধোশ্চকানশ্চারুশীদায়। , রিভ্যাদি (৮৮%। ২%।) প্রাশ্বৎ (অথ। ৭কা। २৬ক। ८४%)

প্রজাপতেঃ, নজমিতাক্রাথর্কা ঋণ অমুষ্টুপ্ ছন্দঃ প্রজাপতির্দেবতা তৎপ্রীণ বি৽। अस्तृत्रकः वर्षकः शृन्तका ग्रहाम्। हेस्मात्नाकु व्यथमानीकाग्रमिका शूरः। (व्यथः भागाः, त्याज्ञित्रागाथकी ॥ जञ्ज भागि (म॰ जदमीं छ। त्याज्य भागि (ज्यंथ रक्त एक ऽम०) ১কা০ ২৭ক০ ৪ম০)

১৫১. मज्जर क्रांजारमग्रम् द्वारम क्रांस क्रांस क्रांस क्रांस क्रांस क्रांस क्रांस क्रांस भीनज्ञ

য়কো দেবতা তৎপ্রী ত । নির্লক্ষাং ললাম্যং নিররাতিং স্থবাম্সি। অথ যা ভদ্রা ১৫১ প্ৰদৃতি দুর্গায়াঃ, পৃতনাজিতমিত্যস্থাধর্মা ঋষিত্রিষ্টুপ্ ছন্দো দুর্গা দেবতা তৎপ্রীত ं उक्त ०३, य मिनोमिका अधिकी था जि क जिमी (म जियो विवा वि मिनोमिक-प्रमाख्या क्रुकि काउरमः मक्तात्वा मिश्टायिनमिखायाम्। वस्त्रिं उ भेतारका : অথ লোকপালানাং তত্র বিনায়কস্তা, নিলক্ষ্যাহাত্যস্ত দ্রবিণাদা ঋণ ত্রি ছণ বিনা-मर्गानाम्, त्यांत्रज्ञाकामाभिक्षां यः मर्शक्तिक्वकः मर्गा त्मृत्रजाञ्जद्यीष्ठः विः। त्यात्र-ভক শেরভ পুনর্কো যন্ত যাতবঃ পুন্র্তিঃ কিমীদিনঃ। যস্য স্কৃতমন্ত যোবঃ প্রাট্র অমত विं। शृजनाजिए. मह्मानम्भियुक्टेथर्वाग्रह शंज्ञां मधकार। म नः ৰ্যথন্তাং প্ৰত্যগেশনান্ প্ৰতিসরেণ হৃষি (অ্থ০ ৪কা০ ৪০ক০ ৮ম০) ভানি নঃ প্রজায়া অরাতিং ন্যাম্সি (অ্থ॰ ১কা০ ১৮ক০ ১ন০) স্থা: মাংসান্যত্ত (অর্থণ ২কাণ ২৪কণ ১মণ) যুৎ (আখ০ ১কা০ ২৩ক০ ১ম০)

नारग्नाः, जाखितमा क्रेजाम बन्धाः क्षः जाग्नः नाग्नुरर्भवज्ञा ज्यान्तिः। जाखितः ट्रिक वाहारव मभनमन्दम जारप्रांदा वर्षाछितिस्क वाहारव ममनगरम्भवा मञ्द मदनमः मरमगङ मूर्गीनि विका क्यांगरमरवाश्व मूरिकाकाभिः (ज्यथः १ काः ७७ कः)

(অধ্ ৪ক্তিকে তম্ত)

व्यक्तिमातः, खामाउ इन्त्रमाथका था जि क् व्यक्तिमा प्रवा उदयी विः। ,আমাজঃ পচতে। বিদ্ধি স্বস্বতঃ পত্তাং স্বর্গম্বিরোহ্টেঘন্য। বেন রোহাৎ প্রম্পিদ্য যদ্য উত্তমং নাকং-পরমং বোাম (অ্থ০ ১১কা০ ১অন্ত০ ৩০মৃ০)

औ वि। इममिक्ट वर्षा कविश्व महिन्द विभाषिक वृष्ट क्रिन् भुम्। निर्धायाम् अथ फिक्नानामार उत्वास्त्रम, हेममित्या उपा विमा भागवि छ हेत्या (प्रवा उद সংচেত্রমাথে অশ্বিনা কামিনা সংচ বক্ষথঃ। সংবা ভগাসো অগ্যত সংচিত্তানি সমূবতা काश्विमतंत्रोः, मश्टानिम्डामाधिकता थाः वास्तः हः वाश्वित्नो त्मवर्ण जिल्ली कि হৃত্য সর্কাৎস্তান্ রহ্মহাসা অহমুত্তরেয়। (অধ০ ৪কা০ ২২ক০ ১ম০) (অ্থাধ্য ২কাত ওতকত ২মত)

562

आर्थः, जार्ध्यसम् इटाउम्ब बन्ता था जि॰ ह॰ जिथिएक उदयो। विश जार्धमात्त्र

यम्ख, यतमा स्कूरिजामा बन्ना था जि ह यतमा (मवजा जदमी वि । यतमा स्कूा স্থমারে। নিঋ্ধে বজঃ শর্বেহজা নীল্মিথঙঃ। দেবজনাঃ সেন্রোভ্জিবাং সক্তে অসাকং क्षक्षम्भः शहरुकाः भाक्षम्भागः वष्या ग्रमिन्नत्व । वित्नादिनाः शविनिवारममीगरम् म (म। ग्रुक्ष घर इसः। (जयः 8कां २७कः ऽसः)

अधिवृक्षक बोह्याम्। (ष्यथः ७काः २७कः ५मः)

ं निश्न टिड, व्यष्टि जियाजामाभिक्या ॥ । जायु ह । निश्च जित्तक्ष्या उद्यो । वि । वि

ভং নিশাভিধজামশ্বিবাশাভিধানা। মলো যে মহং কুধাতি স উ পাশান্ন মুচাতে। (बार्थः 8काः ७७वः ४०मः)

नक्रमुख, त्य भकामिन्डामाध्का था॰ वि॰ ছ॰ नक्राण मिन्डा उदयी॰ वि॰। त्य ५६२ পশ্চজ্ঞাহ্মতি জাতবেদঃ প্রতীচ্যা দিশোহতিদাসন্ত্যমান্। বরুণস্থাতে পরাঞ্চো ব্যথ-

. . ৰাগোঃ, ৰাগোরিভ্যস্যাথকা ঋণ ত্রিণ ছণ বাষুৰ্দেবতা তৎপ্রীণ বিণ। বাগোঃ সবি-ন্ত্রাং প্রত্যোগনান্ প্রতিসরেণ হ্নি (অথ০ ৪কা০ ৪০ক০ ৩ম০)

(माममा, य উত্তরত ইত্যमा वक्षा था॰ जि॰ एँ॰ (मार्या (मर्ज) उरशी॰ दि॰। य डे তুর্বিদ্ধানি মন্ত্রহে যাবাজান্ত্রিশিথো যে চরক্ষথঃ। যে বিশ্বস্ত পরিভূ বভ্বপুত্তে। নো मुक्षजमश्रमः। (जयः ४४ का १८ एक १८ मः)

ভরতো জুব্বতি জাতবেদ উদীচা। দিশোহভিদাসত্ত্যমান্। সোমস্ত্রা তে পরাঞ্চো ব্যথন্তাং ঞ্ৰত্যগোনাম্ প্ৰতিসরেণ হৃষ্মি। (অথ০,৪কা০৪ কং৪মৎ)

নত্তং বিভতং পুরুৱানন্তমন্তবক। সমতে। তে নাকপালকরতি বিচিয়ন্ বিদান্ ভূতমুত যুক্তাভাং তাদা পুর্বাৎ তাদ্মান্ততো মধ্যতো তাদা সর্বাতঃ। অনাব্যাধাৎ দেবপুরাৎ প্রপদ্য শিবা ष्णमस्मा, ष्रमस्मिर्णम्थित्। भाः भःकिष्णः ष्रमत्सिर्धा एपरा ঈশানক, ধাতা দ্ধাত্মিত্যস্যাক্তিরা ঋণ গাণ ছ০ ঈশানে। দেবতা তংপ্রাণ বি০। ধাতা उक्त १३, ं उक्तां भर्मा अज्ञामां थका था। विज्ञा हिल्ला जिल्ला जिल्ला भिर् দর্গাতু নো রহিমীশানো জগতম্পতিঃ। সুনঃ পূর্ণেন রক্ষতু (অথ০ ৭কা০ ১৭ক০ ১ম০) স্ত্রোনা পণ্ডিলোকে বিরাজ। (অথ০১৪কা০ ১অনু০৬৪ম০) ভব্যমন্ত। (অংখ০ ১০কা০ ৮ক০ ১২ম০)

বি৽। আদিত্যেভ্যা অক্সিরোভ্যো মধিদং য়তেন মিশ্রং প্রতিবেদ্যামি। শুদ্ধক্তে ১৫৩ भ्रक ७१४० ১,२१०] थाएकनाममटेबः यनवामिषाश्टेखर्यामः। जदम्या ६ (৮১४० বাক্ষণস্যানিহ্টত্যতং স্বর্গং স্ক্রতাবপীতম্। (অথঃ ১২কা৽৩অস্কু৽৪৪ম০) প্রত্যেকদেবতাস্থ : স্বাদিত্যানাম্, সাদিত্যেত্য ইত্যস্য বন্ধা খ্যিঃ ত্রি॰ ছন্দ সাদিত্যা দেবতাগুৎপ্রী॰ मिनामि (১८२) में २५०) थाये । थाउन । याजान मिना प्राप्त का नामिका हो जना ममें अर्था मिवजाञ्जीस्क (४८९१० . ५९१०) शाक्षजनाममेटेन अप्वानियोहोटेन्धर्शमः। मर्था ह (मः भे २ भृ) थायदा। क्रमानाम्, मान हेन्जुमा बक्का था व्यञ्च कृष्णं मिन्जाख्य श्री विन। मात्ना विम-ভাজ্ঞৎপ্রী বি । যানাবহ উশতো দেব দেবাংজান্ প্রেরয় স্বে জাগ্নে সধস্থে। জিক্ষি-वारमः शभिवारमा मधुनाटेमा भछ वमत्वा वस्ति। (ज्यक् १का० भक् ७भ०) शाज्यक-ष्मथ नयमिनार ज्य नक्सनाम, यानावर हेज्यमा वक्षां था जि ह व तमायो पित-**उन्नामामि ৮ (७৫,७७४ २.५४) वाखलामि (हाममःया ७ [४०म॰ २१०] वाप्र**ा

व्यर्कमा, वश्रमा विद्योष हेलामा वक्षा थाविः विके प् हरमाश्रकी (मर्जा जश्रोण वि क्रमांगा, करम्छामा वस्ता थावित्रम्भे श्र हम्ह केटमा मिव्हा उद्योख वि । क्रम-জলাযভেষজ নালশিথও কর্মক্র। প্রাশং প্রতিপ্রাশো জঙ্রসান্ কৃণ্ণের। (অথ ত্ৰকা বৃহদিবঃ ক্লগ্ৰদিন্দায় শ্ৰম্মিয়ঃ স্বাঃ। মহে। গোত্ৰস্ত ক্যাতি স্বাজা তুর্নিচ্ছিখ্মণ-ত্রমণঃ, ইমা ত্রমেত্যস্ত ত্রমা খাবিঃ ত্রিন্টু প্ছন্দো ত্রমা দেবতা তৎপ্রী । বিগ। ইমা ि (नो मूक्षयुर्श्मः। (ज्ञथं 8को २१कं ऽम्०) प्टाउ।कामराजाषुभाक्ष (७१मं ऽर्भ०) • • মকতাম্, মকতামিত্যস্যাথকা ঋষিত্রিষ্ট্প্ছলেশ মকতো দেবতাগুৎপ্রী । মক-ভাং মঙ্গে অধিমে কুবন্ত প্রেমং বাজং বাজ্মাতে অবন্ত। আশুনিব সুয়মানহৰ উত্যে অচ্যতমা, তিষিফোরিত্যম্য একা ঋষিণায়তী ছন্দঃ অচ্যতো দেবতা তৎপ্রী বি॰। প্রাগুক্তনামমন্ত্রেণ প্রণবাদিসাহ্যক্তেন হোমঃ। হোমসংখ্যা চ (৮১প০ ১প্০) প্রায়ৎ। তুদ্ধিষ্ণাঃ পরমংপদমিত্যাদি স্পষ্ঠম্ (অথ০ ৭কা০ ২৬ক০ ৭ম০) ব্ৰুপথান্। (অংথণ ৫ক।০ ২ক০ ৮ম০) २का० २१क० ७२०)

क्षीज् विश अ मक्षूमः नक्षवानि यहांकानमकूर्वज। जहांस्मरेम आंत्रक्षिनः दांकु-त्मामस्य, भक्षुमिन्नामिन्न्यं न्मा त्मामञ्जनाधिक्षां था॰ षात्र॰ ह॰ त्मारमा ति॰ जद-मुमामिष्टि॥ ५॥ ज्याहर ८ना मधार मित्न ज्याहर मायमञ्जमः। ज्याहर ८ना जर्कार व्याज दावी च्याइमञ्ज नः ॥ २ ॥ व्यट्शं दांवांच्यार जम्मत्वज्ञः क्र्याष्ट्रमभगंज्याम्। পরমে ব্যোমন্॥ ৬॥ (অথ০ ১৭কা০ ১অকু০ ১অবধি ৬মস্রাঃ)

भरमा अध्मिषिभरम क्रजन् स्थंन् अस्थन् (यिशि भेजन्। डेयर् (ज भरिका नमा क्रकर्षु मर्गिनामा डेमथाङ नत्या जाशिक्षाः॥ ।। जाशिङ्य भट्ना चिष्ठः मङ्घ तमनानीर्झः . ट्रामचा, घुरा मनाविज्यामिमध्यक्तमा ट्यामङ्ख्य वन्ना सा॰ जि॰ छ॰ ट्यामा एन॰ उद-क्री. कि. । . . जुरा महना महथमां कक हता हर्यमां । क्रियां मक्यून । जिल्पाय जायुषा সভ্রে হ্তএধি। হতায় শত্রু বিভক্ষ বেদ ওজে। মিমানো বিহথে। রূদস্থ । ২॥ সহস্থ ভ্রাহ্মস্মভাং রাজগুক্ষুম্ং সুং ক্ষি॥। ।। বো নো ভ্রাহ্মকরঃ সায়ং নক্তমথো দিবু। তবৈষ্ণু তে নক্ষত্ররাজ শক্ষ্য সদান্যঃ ॥৪॥ (অথ॰ ৬ক।০১২৮ক০ ১অব্ধি ৪মন্ত্রাঃ)

মা কৃষি প্ৰজয়া চ ধনেন চ ॥১॥ দৰ্শোহ্সি দুশ্তোহ্সি সম্ব্ৰোহ্সি সম্ভতঃ। সম্প্ৰঃসম্-১৫৫ ক্রি॰ছ০ বুধেরা দেন বুধপ্রীত বিত। ওঁমোমস্যাংশো মুধাং পাতেহনুনো নাম বা অসি। অনুনং দর্শ কুৰু। নো মনো সহ মেদোধি মহাধনস্ত পুরুত্ত সংফ্জি॥ ৬॥ সংফ্জং ধনমুভয়ং সামা-त्रमा, त्माममारम हेजामिठ्य मित्र व्षक्कमार्थिका थः जामारा बद्ध बद्ध बद्धारा ৰশী ৰশং ন্যাসা একজ তুন্ ॥ ৩॥ একো বহুনাম্সি মন্য কৃতিতা বিশংবিশং যুদ্ধায় সং শিশাধি। অক্তকক্ তুয়া সুজাবয়ং দুমেতং ঘোষং বিজয়ায় রুণুসি ॥ ৪॥ বিজেষ ফুতমমুভাং ধ্রভাং বরুণশ্চ মন্তুঃ। ভিয়ো দধানা হাদয়েমু শত্রবঃ প্রাজিতাসো অপ নিল-त्वा कुशांमर त्नां चित्रतेषः क्षक्या भर्णांचम् देहध्तन ॥ २ ॥ त्यांभ्यांन त्वकि य९ वयर क्रिक्स ट्वानवखरवार्याकः मरना ज्यिनी ज्यव्ह। थियः एज नाम मछ्त गृंगीमिनि विषा তমুৎসং ্যত আবিভূথ ॥ ৫॥ ' আভূত্যা সহজা বজ্ৰ সায়ক সহো বিভৰ্ষি সহভূত উত্তরম্। য়ন্তাম্ ॥ १॥ (অথ০ ৪কা০ ৩১ক০ ১অবধি ৭মন্তাঃ)

দেব; অংশুমাপ্যায়যন্তি যমক্ষিতমক্ষিতা ভক্ষয়ন্তি। তেনামানিক্রোবরণো বৃহস্পতিরা-िक्रमुख्यमा घुर आरनमामाग्रय । जा दग्नर माग्निमिहि भोजित्रेष्ट थि ॥ ७॥ यर

বৃহস্ততঃ, ভদ্রদিধীত্যাদেয়কর্চম্য বৃহস্পতিস্কুস্য বন্ধা ঋষিত্রিফুপ্ ছন্দে। বৃহস্প-প্রায়েক্ত ভূবনম্য গোপাঃ ॥ ৪॥ (অথ॰ ৭ কা॰ ৮১ ক৽ ৬ অবধি ৬ মন্ত্রাঃ)

जिएक्ष्वज्ञा जद्रयोः विः। अं ज्यामिषि त्याग्नः (यिष् त्रस्म्याज्ञः भूत्रवज्ञा त्व बाखा ममञ्जा दत्रजा शृथिद्रा जारत नक्ट कृष्टि मर्त्योत्रम्। (ज्यथं १का० ५क० ५म०)

তৎপ্রী বি । এ শুক্রোহমি আছেলাংমি স্বরমি জ্যোতিরসি। আপুহি শ্রোগ্নমণতি खक्रमा, खत्कार्मीट्डाकर्षमा खक्रम्जमाधिक्षा श्रवित्रवृष्ट्रेन् हमः खत्का प्रवि मुम्र क्राम। (जथ० २क्।० ১১क० (म०)

প্রাণ বর্ষতে ॥২॥ যথপ্রাণ স্তন্তিবুনাভিক্রন্তনেয়ধীঃ। প্রবীয়কে গর্ভান্দ্ধতেখ্যো বহ্বী नातः, 'थांनारत्रज्यामिक्रमा नानिष्यक्तमा बन्ना श्राचित्रकृष् ष्रमः नान्तिष्यज्ञ ज्ञ की विका के व्यानात्र नत्मा यमा मर्कामित् वत्न । त्या कुछ भर्कतमार्चत्ता यिमन्द मर्का প্রতিষ্ঠিতম।। ১॥ নমক্তে প্রাণ ক্রন্দায় নমজ্যে জন্মিজুবে। নমজ্যে প্রাণ বিদ্যুতে নমজ্যে रिकाश्टिता । । (षायः ১১का॰ ८कः ১, २, ८मः)

• রাহোঃ, স্জাভাবাৎ (১৪৯প॰ ২পৃ॰) প্রাধ্বমন্ত্রজপঃ।

. क्रब्नार, यत्य हेळामिक्टमा क्रब्यूक्कमाथकी स्नियामारमिष्युं व्यासाय वार्

कांवजार वाकांभरजमू श्विरातो मर्शिकारन। त्यमा मर्गका छेभ मा म मिक्काकाक वमामि मिठं । अश्मराउष् ॥ ।। विष ८७ मर्ड नाम निवयो नाम वा अमि। त्य ८७ ८क ह महामम् रख ছন্দঃ কেতবো দেবতাজৎ প্রতি । এ যজে পৃথু জনগ্নিজুর্ষ ঋষে। দৈবঃ কেতুর্বিশ্বমাজ্যতী-क्म। मा त्मा वधीविमाञा त्मव ममार त्मां वधीविधाणि व्यामा ॥ ३॥ मा मा मिषि

द्य होमारिः। टेमवीम्बन्नहस्यायद्वा मर्मामिनाम् विविधाण् ॥ २॥ त्यां मङ त्यां त्यां व्यावान् ५८७ मका उ उ निका प्राप्त वर्मा वर्मा विनिमित्त । क्ष्यः भववारेशजान् म्मामित्राम् विविधाजु॥ . ज्यथाधिरम्यानाः उत्व कत्त्रमा, मा (ना विमन्निज्यामिष्टज्यातमा कत्त्रक्रमा वमा थाविः जि॰ छ॰ करमो एमवजा उदयी। विश । अ मा त्मा विमम् वि वर्गाधरमा त्मा व्यास्थिमा विषम्। जादाक्त्रवा जमिष्टीतिन्म भाउत्र॥ । । विषय्भ जमक्त्रवः भेउन् य जन् মে সন্ত সবাচমঃ (অথ০ ৭কা০ ১অনু০ ১১, ১২ক ১,১,২ম০)

্ উমায়াঃ প্তনাজিতমিত্যাদ্যেকচিম্যোম্মস্জ্স্য বন্ধা ঋণত্রিত্ততমা দেবতা তৎপ্রা 6. (att. 5410 5540 5, 2, 640)

वि॰। उन्जनाकिज्य महमानम् धिमूक्टेथर्वाग्रह भन्ना मध्यात। म नः भषम्जि मूर्गानि বিশা ক্ষামদেবো অতি দুরিত্যয়িঃ। (অথ০ ৭কা: ৬অর্০ ৬৩ক০)

ক্ষন্দ্র্যা, ক্রজাভাবাৎ (১৫০৭০ ১৭০) প্রাথমন্ত্রো জপ্যঃ।

कुछिः॥२॥ यहमाम् थिषिन यष्टित्राहरू थ हाम्यि विष्ठ हर्छ भोहेर्निः। शूर्रा प्रविश भ्रम्भा मरहाधितिक मनम् वक्रमः भूक्ट्रिङः ॥ ७॥ विरक्षात्र्कः श्र (वांघः वीर्याणि घड नार्षियानि विभटम त्रकार्शन। त्यां व्यक्त ज्ञामूख्तः मथक्ः विष्क्रमान्त्यायोक्षांतः॥ ॥ শু ভদিষ্ণুঃ জ্বতে বীধাণি হণো ন ভীমঃ কুচরো শিরিষ্ঠাঃ। পরাবত আজগম্যাৎ द्भार उद्धी उ विश व वस केटन्सी अर्थनम्बम् सिरिट्स मियी मक्टा इद स्कि । जम-त्री बीट्यानी त्रञ्मा भाषको। त्यो भरजार जाकाजीरजी मरश्चितिय, मगम् वक्रभः भूर्त-नांद्रायुन्छ, यज्ञ हेल्य हेल्यांपिश्यक्तिमा नांद्रायुक्तन्त्राथक्षी था॰ जि॰ ह॰ नांदांयत्। স্মভ্যং সবিতা সত্যধ্যা প্রকাপতিরত্মতিরিবচ্ছাৎ॥ ১॥ ব্যোরোজ্সা ফভিতা রজাৎনি

उक्त । , उक्त क्छान्मिछारिमध्कि उक्त्य वक्त्रक्यायक्। य॰ जि॰ ए॰ जक्त (प॰ भन्ना । १ । (व्यक्षं नक्षं क्षान् २८, २८ कः)

১৫৭ তৎপ্রীজ্ঞ বি৽। বন্ধ জন্তানং প্রব্যাদি দীমতঃ কুরুচো বেন আবঃ। স বুগ্রা

বৃহত্যতিং ন্মমাব চ গচ্ছাৎ। স্বংবিশ্বোং জনিতা যথাসঃ কবিৰ্দেবোন দভায়ৎ স্বধা-১৫৭ জঁজে বছভিঃ সাকমিশা পুর্নে অর্নে বিষিতে সমন্ন। ১॥ যোহথকাণং পিতরং দেববন্ধাং डिममा बामा विछा । मङ्ग्र (योनिममङ्ग्र विवः ॥ । है यर भिष्मा द्रार्था अध्याप क्स्रम क्र्यामकी है। ज्योजिल क्र्क्रिक स्वात्रम्थ धर्मर जीवन्त प्रथमात्र धांमार्ग ॥ १॥ ज त्या ज एक निष्मान्य नक्सरिया एमनानाः जनिया विविक्ता । जन्म जन्म एक्क जात्र भरामि हिन केटेफ इं क्या जिल्ला जिल्ला । ७॥ म हि मिन अप्रिन्त या ज्या यहा प्रकार (ताममी जक जांबर। यहांचाही व्यक्रजांबिकारिका मग्रर मध्य भाषिंवर ठ तकः॥ ॥ म वृध्नामाक क्यारीक्डायाः वृक्ष्मिडिक्ष्वा उमा मजाहे । व्यक्षक कः क्षााजिया कनिकाथ कृषात्वा विवम् किविधाः ॥ ॥ स्मर जम्म कार्या क्रिमाणि मर्स्। प्रवमा भूक्षमा थाम। व्यम भक्षि, इत्या क्यारोजामिक्टमा भक्ष्यमा वमा थ। वि छ भक्ति (४० ७९ বান্।। ৭॥ (জাধ্বত ৪কা০ ১আর্০১আব্ধি ৭মন্তাঃ)

প্ৰীতঃ বি॰। ওঁ ইন্দো জয়াতি ন পরা জয়াত। অধিরাজো রাজস্ব রাজ্যাতে। চক্ত্য-

क्री. वि.। ७ (ताक्टिः काला षड्यत्याहित्वाश्य अकामितः। (ताक्ति वड्यामाः क्रोफिफ्वार्मस्य जयाकः भतिरक्षे वीराम्॥ ১॥ यनम्। हारियर्तमा घटन भन्। यो छेठ मूबर द्राहिठः यत्राच्त्र ॥ ५॥ द्राहिट्ज लास्का जाउनस्याहिट्ज जाउनुजनम् । - বি । এ যমে। স্তুরেঘমারো নিখাথো বক্তঃ শর্কোহজা নীলাশিথঙঃ। দেবজনাঃ সেন-'বুহজে ভৰায়। নগসেগভো নম এভ্যঃ ক্লেণাম্ন্ত্ৰাস্দ্যবিষা নয়ন্ত ॥ ২॥ ত্ৰায়ধ্বং নো अन्मानाम्। षुर्रम्वीरिम इमावि त्राकायुग्रदक्तमज्ञाङ् उ जान्तु ॥ १॥ थारा मिन्यक् মিন্দাসি রাজোতোদীচা দিশো ব্রহ্গক্তহাহ্মি। ষ্র যতি প্রোত্যাস্থ্যজ্ঞিতং তে দক্ষি-ষমস্ত্র, যমো স্তুরিত্যাদিত্চস্ত যমস্ক্তস্ত বন্ধা ঋা ত্রিং ছংযমোদে তৎপ্রীতঃ केत्छा वक्तारकार्थमरमा नगरमा ज्यव्या ७८वर्। ।। विभिन्निधियोकः खेवकाखः ज्यव्याखः ज्या ৰ্জন্যয়ে। স্থমতে। স্যাম। ও। (অধ্ ১কা ১১তক ১,২,৩ম০) ণতে। ব্যভ এমি হব্যঃ॥ ७॥ (অধ্ ওকা॰ ১৮ক০ ১,২.৩ম০)

১৫৮ রোছিতো রশিশতিভূমিং সমুদ্রমন্ত্রপর্ব ॥২॥ (অর্থণ ১৩কাণ ২অন্তুণ ৩৯,৪০মণ)

ष्यथं थेजािंबरम्वजानाः जनारधः, षरग्रेतिज्ञामिक्य कृष्यािंधभूक्य बना थाः ১৫৮ বিষ্ণু বিচিত্তঃ শবসাধিতি ঠন্প পে কেতুনা সহতে বিশ্বমেজৎ॥১॥ চিত্রশিচকিত্যামহি-यः स्मिन् जारिताम्यानमी जाङ्गिकम्। जार्श्वात् भात्र स्वीर रमात्न थामा निभा क्ष्रमीकः क्यां जियान् यिषिनः स्र्या डेमान्। पिराकता जि मारेम् आर्याक्याः नियाजाती জ্যোতিয়ান্ পক্ষী মহিষো বয়োধা বিশা আফ্লাৎ প্রদিশঃ কণ্শমানঃ॥৩॥ চিত্রং দেবানাং यभिक्षाट । विटम्मेविमाः श्रीविमिवारममीमार म तम। मूक्ष्युर इमः॥।।। मंथा इतार वर्शाम ক্লাত্বেদো যথা যজ্ঞং কম্পায়দি প্রজানন্। এবা দেবেভাঃ স্থুমতিং ন আবহু সনো ।॥ ।॥ চিত্ৰগুপ্ত, व्यर्काष्टिज्ञामित्रज्ञ्यं त्य तिवाधश्यम् जमाथक्। यः विः हः तिवाधाः था (म॰ उदयी॰ वि॰। अँ जर्कां अत्रकाद श्रारको वाश्व कार्शितिक भठम् । ডিরতো বীর্যাণি॥ २॥ ডিয়ো বিভাজং তর্ম শিশানোমরংগমাসঃ প্রব্তো ররাণঃ। जि॰ ह॰ जिम्हि जिल्ली वि॰। उँ जाधिमात्त्र अथमञ्ज प्राप्तिकाः भाक्षत्रमात्र रक्षा ক্ষুরিতানি শুক্তঃ।। ৪।। (অথ॰ ১৩কা৹ ২ অর্০ ৩১অবধি ৪মন্ত্রাঃ)

मयक्क्म भाः हः जारमा (मरजाख्य व्योजः विः। उ भात्रा (मरीवर्जीकेम जारमा ज्यस ष्यभाष्, भन्न हेड्याफिटजुर्थाट्याश्यूजना बक्ता थः चित्रभार भार हर षड्याजाः यामनामिन भयुक्तः वृध्िकेः कवान् कवान् कवान् कामाधिभीएए। तरफाश्वाः यक्तत्र्यः प्रजाक्र म हनी ॰ ॥।। (जार्थ॰ 8का॰ २७क॰ ১, २, ७४०)

रिक्षण्युवम्॥ २॥ व्यापिः श्रीज (ज्यकः वत्रपः उत्रय मम। क्यांक् र क्याः मृत्याः ॥ ७॥ শংদেশ, আংপোধন্না, শমু সন্তুল্গাঃ। শং নঃ থনিত্রিমা আপিঃ শমুয়াঃ কুন্ত

পুতিরে। শংযোরতি অণবস্তু নঃ। অপসু মে সোনো অত্রবীদ্তরিশানি তেযজা। অগ্নিং

क्किट्डः, मठाविज्ञारमार्ककमा किच्छिन्छनमा वक्षा था॰ जि॰ छ॰ किचिटिक उद-नों छ। छ मछार वृश्मृष्यमुधार मीक्का जरभा वक्क बच्छः भृथिये, धावर्शाख। मा (ना वित्यं ।, यत्र हेत्या आ किम किम कि विष् कुळा (१८१म ० १म) यो ये । ভূতমা ভ্ৰাক্ত পত্নুকেং লোকং পৃথিবী নঃ কণোতু। (অথ ১২কা০ ১ক০ ১ম০) र्ज्यम् अ, स्टांसा क्याजीजामीत्मस्कः (३६१, ५६४१० २. ५१०) वायद। আছেতাঃ শিবা নঃ সস্ত বার্ষিকীঃ॥ ৪॥ (অ্ধ॰ ১কা॰ ৬ক॰ ১,২,৩,৪ম০)

(आक्षियोक भूनरकी यन्त ।। ७ ।। मनीक्रमन भूनरकी यन्त ।। ।। जुनि भूनरकी यन्त ५६२ माउदः भूमर्दछिः किमीमिनीः। यञ्च ।। १। डेभरक भूमर्ता यञ्च ।। ४। व्यक्ति "भूनर्का यन । अत्रों भूनर्का यन्ति यन याजनः भूनर्वाङ किमीमिनोः। यम इ ।।।॥ क उमक त्यां नः थारे ह उमक या वारमाना जा ।। त्यंत्रक त्यंत्र भून त्यां यक ।। र।। . मशीवार्ग, भाउष्टाक्डामिक्ट्याकेक्ट मश्यक्तमाथक्षा था श्रह्णक्रक मशी দেবতান্তৎশীত বি । শেরভক শেরভ পুনর্বোষন্ত যাতবঃ পুনর্বেতিঃ কিমীদিনঃ। যস্য म्कूर माजीशामिक मंत्रम्। य जार घटेळार्याकतम् वास्त्रमा १७ मारक स्रुक्त थाविकाः यद्कामार छ कुर्मकत्त्रा षा ख दार जाम भ जता त्री वाम् ॥ ।। त्रो विमानी व्यथमा यिष्यामी-্প প্ৰকাপতেঃ, প্ৰকাপতে ইত্যাদিষ্যতম প্ৰকাপতিস্কত্য বৃদ্ধা ঋণ তি ছ০ প্ৰকাপ-ভিৰ্দেশতা ভংপ্ৰী কি । ও প্ৰজাপতে ন বুদেতান্যন্ন্যা বিশা রূপাণি পরিভূজিকান। (जर्षः २कां 28कः ऽजयवि म्मञ्जाः)

खमानः, जम कच्छाममिकार्मिकः मश्रकः जमस्कः (১৫१मं॰ २१॰) योषः।

দ্ৰবিণোদা ঋত আদ্যান্ত্যয়োৱন্ত ছত মধ্যয়োজিত বিনায়কো দেবতা তৎপ্ৰীতত বিত। নিৰ্ল-ক্ষনাৎ ললামাং নির্বাতিং সুবাম্সি। অথ বা ভ্রো তানি নঃ প্রজায়া অরাতিং ন্যাম্সি অবধ্নোকপালানাং তত্র বিনায়ক্ত্য, নিল্মম্যামিত্যাদিচতুঋ্চত্য বিনায়ক্ত্যুক্তত

॥ 🗦 ॥ मिन्नन्नि भित्रम् भाविष्य भाविष्य भाष्ति है छ । स्थानि स्थित । सिन्नम् । सिन्नम् सिन् बारग्रः, वारग्नांत्रज्ञामिष्र्राष्ट्रमा वाग्र्युक्च्याथक्। थः जिः वाग्र्रक्वज्ञा ज्ययोः विः। अ वारम् मिष्ट्रियानि ममार्थ यावाज्ञमिष्या (य) চ त्रक्रपः। (य) विश्वमा भित्रि বভূবপুজে লো মুঞ্তমংহ্মঃ ॥ ১॥ ম্যোঃ সংখ্যাত। ব্রিমা পার্থিবানি মাত্যাং রজো ররাণা প্রেমাং দেবা অসাবিষ্ঠ সৌভগায়।। ২।। যত আত্মনি তন্নাং ঘোরমস্তি যদ্না কেশেষু প্রাভিচক্ষণে বা। সর্বাৎ ভদাচাপহ্মো বয়ং দেব্যুা সবিভা স্থদয়তু।। ও।। রিশা-अमौर इयम्छोर त्नाह्यक्षार विथमामूज। विलीहार ललागार जाजयमानग्नामिन । 8॥ मूनीब्रोड, भ्जनाकिज्ञिकारमाक्कर मूर्नाञ्चर (১৫११० २९०) वाथर। (जार्षः इकाः ३४कः ५,२,७,८४वः)

डेंड मूमिडमख्रियका यहार वाहर नाम्नामान कन्म हो त्ना मूक्ष उपरहम । र ॥ (जर

ক্যোতিষা বৃতঃ॥ ।।।।।। তিমান্ হিরণুয়ে কোশে ত্রারে ত্রিপ্রতিষ্ঠিতে। তিমিন্ যদ্যক্ষমা-न देव छ छक्क क्वां कि न थारिन कत्रमः शूत्रा। शूत्र द्या जनाता दिन यमाः शूक्ष के-চ্যতে॥ २॥॥ - अयोवका नवष्टांत्र (मर्वानाः श्रुद्धाथा। जिमार हिंदभाषः किने अस्निंदिन एमवछ। ज्युनी किंग छ शून्र त्या जमार्ग (तम यमाः भूक्य छठारज ॥॥॥ त्यां रेव जर व्याकानमा, भूत्रः य हेन्जानिमार्काञ्च भित्राकानम् उन्मा वक्षा था वक्षा ह व्याकारमा जमार्गा (नम्पर्डमाव्डाः श्रम्। उत्म वक्ष ह वाक्षांक हक्कः थानः शकाः मपूरः॥ आ॥ जार्यः, जारम्बास इंज्यामिक्नम्भिक्कः (১৫৮, ১৫৯१० २, ५५०) व्याय्दा जाम्बिनस्याः, मश्रामिजारमाकक्यांचिन्युक्यः (५६२ति ५९०) व्योग्यः। জুষ্ভহৈ ব্ৰহ্ম বিদেশ বিদুঃ ॥ ৪॥ ॥ (অ্থত ১০কা০ ২ক০ ২৭॥অব্ধি ৪॥মন্ত্ৰাঃ) यम्मा, मत्मा स्कूतिज्ञामिक्ट यमञ्चल्क् १८०म० ५ म्) व्यायदा 8年10 と仕本0 5,2年0)

. নিশ্বতেঃ, যত্মান্ত ইত্যাদিকত্য তৃচন্ত নিশ্বতিস্ক্ৰন্ত বন্ধা খ০ মধায়া গা • শিক্ষোঃ ভুতে হবিয়াতী ভবৈষ তে ভাগো গো জামাস্ত। মুঞ্মোনমূনেনমঃ স্থাহা॥ ২॥ এবোদ-यतिश्रार्ट्यान् । प्रमयस्यान् विष्ट् । वक्षभीभीन्। यत्मा मञ् श्रमित्रिष्टाः मनाि उत्से वक्रनेख, त्रमूख्यमिखारमाक्फ्य वक्रनस्क्य वक्षां था॰ जि॰ छ॰ वक्रान। रम्॰ छ९-निकः क् निश्विष्टिकः उर भीषः विश । अ यञास ष्यामि प्यात कूर्शतमायाः वक्षामान বসজ্জনায় কম্। ভূমিরিতি ত্বাভি প্রমন্তত জনা নিঋ'তিরিতি ত্বাহ্ৎ পরি বেদ সর্বতঃ॥১॥ उम्म १०, जम कच्छानमिछ। मिक् मर्थिक जमस्कर (১৫१म ० ১,२५०) श्रीये९ क्रेमख, मां (मां विमन्निष्ठार्गिक्र ठेषुक्ष विमीमञ्जू (১৫७४॰ १५०) थायर। वारमाः, वारमाः मविकृतिकामिम् १६२ वामुक्कः (১७०४० ১,२५०) वामित्। अरे । अ स्मूखम्मि । १००० १०० १०० । जाये (जयः १का । ४००० । त्मामका, भक्ष्ममिज्ञामिष्टकुर्था ६९ त्मामञ्जलः (५६६म॰ ५९१०) थायुर । ष्मन्छञ्च, त्मंत्रष्टाक्टामार्छक्मन्छञ्चर (১৫৯প॰ २९०) वापिर। যমায় নমো জস্তু স্ভাবে ॥ ও : (অথ০ ৬কা০ ৮৪ক০ ১, ২, ৩ম০)

उत्र भूनीक्षित्रशांभ्डावीन मर्कारनाव कर्षानि जियामव पिरन कुर्धार भूनीक्षिष अक-আথ ৰকাদীনাম্, তত্ৰ বসুদাং, যানাবহ ইত্যাদে।কৰ্চং বস্কুজং (১৫৩৭০২পু০)প্ৰায়ৎ এবং দারপালৈজ্ঞাপকৈন্ত পাঠাজপাস্তলাদিষ্ধাতেষু হোতোত্তরাদং কর্ম কুষ্ণাৎ আদিত্যানাং, ফুক্তাভাবহি হোমমন্ত্রতাব (১৫৩প০ ২প০) প্রাঞ্জেকো জপাঃ। उक्ति, जमा कळाममिन्यामिमखर्कः जमस्यकः (ऽ६१९० ऽ.२९०) शायदः। ष्मक्अ, विष्यात्रिक्तानिषक् व्यक्ष्यक्र (५४८,५४४भ॰ २,५५५॰) व्यक्षित्। क्रेमच, मा (मा विमिन्न डार्गिम डिक्स डिमीन श्रुक्तः (५६७ भ ॰ १ भृ॰) थायद। কুদ্রাণাম্, স্থ্রজাভাবাৎ ছোনমন্ত্র এব (১৪৯৭০ ২পু০) প্রাঞ্জেণ জপিঃ। जहाउख, यम हेक्ट हेडाफिन्थर्कमार्हाउद्राख्ट (ऽ८१९० ऽ९०) प्रायद। गक्रजाम्, म्हल्जिनिन् (ह्यममञ्जय (১৫৪भ॰ ১५०) प्रामुत्काष्णभाः। বন প্যেন্ডঃ, ফুক্তাভাবাৎ হোমমন্ত্রএব (১৫৪প॰ ২প॰) প্রায়ৎ জপ্যঃ। कारेज्य मगरत घात्रभारेलक्ष्मामानभाक्तांधाराप्तांमिकः भठेनीत्रम्।

उ महिम्दिन क्षिक्वां क्ष्यां क्रियामिक विरम्भिष्ठः। उद्याग् छात्रीन क्ष्यां क्रिकार्

जासुनिकः (धमुखस्यावाष्ट्रस्वत्मः। मात्म वाष्ट्रना वद्मात्ममुर्काम्कामि॥। मिन्ना-तमगेरर्भश्वमा। जामिर्छा वस्मः। मा म जामिर्छान् ॰ ॥ ७ ॥ ॰ मिकु छन्नाः मभनमन्दम हत्स्म वर्षः। जा (भ हत्सन क्ट्रमत्नरमूर्खाभग्रामि ॥ ৮॥ (जथ ०८काः ७२क ० ऽष्पर्वाभ ৮মন্ত্রাঃ) অংথাপন্তীর্যহোদঃ। বংগা ওঁ প্রজাপতে ন স্থদেতান্ত্রনা বিশারূপাণি পরিভূ-मम्नम्यम् अकारश्री । यथा खिडिएक वांश्रत ममनम्यावां मक् मरनमः मरनमञ्जा ।।। कि छ। इ भयन्यन्त्य जात्श्रीय। यथा कियाकि छ। अभन्यत्वयां मध्य प्रत्मक प्रत्मि ॥६॥ म्झ् भरनमः मध्मक ॥ । भिष्ते (षत्रक्ष्या व्याप्तियमः। मा त्मर्शामा वर्तमत्नर-आह्नि । यथा फिक्क ठन्मात मगनमत्त्रता मञ्द मधनमङ मधनमञ्जा ॥ । फिरमो (धनवन्धामोर द्यामः। यथा। ७ श्रियामग्रदा ममनमन्तम जारभ्रि। यथा श्रियामग्रदा ममनमरम् उन टोक्सर (১৪৮९०),२१०) श्रक्षित हाजानाथा । अस्य मनोष्ठ निक्ता । उठः मर्घाक् সংবৰ্ষয় গায়ত্ত্ৰপ রথত্তরং বৃহদ্শাষত্র বর্জনি স্বাহা। "ইতি চতকো জুজ্যাৎ। ততঃ সন্নতি मुब्बर कामर मूड्राम्। जामूक्यवमर श्रजार त्यांमर अग्रिर अग्रिर प्रांह।। १। जास्त्रिक वाग्रत য়াৎ যথা। এ আফটতা স্থাহা। এ কাশায় স্থাস্থা । ও সহথে স্থাস্থাহা। ও মাহা

১७२ व्हिंकाम । यदकामार्ट्ड जूक्मव्यात्री कह तश्र माम भेक्सा अमोग यह योग । उड्ड यिकेक-

 टिल्यक्युरेका याहा। के निक्किष्मितिरका याहा। के रिम्बोलाख्यकाः याहा। के याहा-कादिम्भानज्ञिक म ज्ञिष्ट्यम् ज्ञा ज्ञिष्ट । ज्ञामा मनमा श्रुटाच्यारमः ह्रारमहिरम ज्ञा यक्क्कवांम जमस्र श्रदांषुम्। यागितिवान्तम यकांद म रेप्कांजा माध्यतान्तम क्षज्न कण्मेश्जि (व्यर्क ऽ अक्षांब्र अक्ष अप) 💇 व्यक्षात्य विष्कृत्य व्यक्षि । वृज्यक्षात्क । श्र्मार्क ज्ञार क्ष क्षा थाशिक खर्शमर क्रांद। यथा ७ यार हरिक जारा। ७ वयणिरके जारा। क्षं कन्नाहोगः। ७ यत्य कन्नः मन्त्रा काउत्वत्म। यम्। कन्नावित्यं यज्ञा वज्ञा छिद्रश्रम। विक्रमः मरकूरम्पि मन्त्राः मन्त्र मन्त्रमानमा कामाः यास्। ७ भूनटेमित्रिन्मिश्र भूनमण्या ज-विग९ खोक्तानक । शूनत्रद्यात्रा धिका यथाक्या कल्पाङ्यामिटेश्व याश् (जर्ष०१का०५१क०५म०) শোষেছি আহা। উত্তঃ আহা। ও তৃবঃ আহা। ও ষঃ ফাহা। ইতি প্রায়িক তহোমঃ।

ততোষ্সৃতিহোমঃ। এ যদস্তি চর্ম কিং চিদ্ধ উপারিম চরণে জাতবেদঃ। ততঃ नीहिष्यः नः ट्वार्डिङ छाउन मिथिए।। व्यक्तव्यमञ्जनः। (वार्यः १काः ১०५कः ५मः)

শূহীতা তৃষ্ণীমেকাছতিং স্বছ্য়াদিতি মান্সহোমঃ। তত আজ্রণবহিত্রিঞ্নীর্কত্যাজ্য-জাথ মান্সহে।য়াখঃ। ও মনসম্পত ইমং নে। দিবি দেবেয়ু যজ্ঞঃ সাহ।॥১॥ এ দিবি ৭কা১ ১৭ক০ ৮ম০) তত আক্রাস্থালীয়তমূত্রওং চরুঞ্ গৃহীত্বাক্রাধান্যাং স্থাপরিত্রা অক্ষেণ ফ্তেভ্যঃ। দেবা গাড় বিদে। গাড়ং বিজ্ঞা গাড়মিত॥গ॥ (অধণ্ণকাণ ১৭ক০১অবধিণমন্ত্রাঃ) ट्य । किक्किवाश्मः भिषावाश्मा नध्नारेम थन वमरवा वस्ति कांचा ॥ ७ सुना त्वा (म्वाः ষদনা অকরা যআজ্যা সৰনে মাজুযাণাঃ। বহমানাঃ ভরমাণাঃ সাবস্নি বস্তং ঘর্মাৎ দিবেশারোহতার।। ৪।। ওঁযজ্য বজং গক্ষ্যজাণিতং গক্ষ্যাং যোনিং গক্ষ্যাহা।। ৫। স্বাহা॥।। ওঁপুথিবৈর স্বাহা॥।।। এঁ অন্তরিক্ষার স্বাহা॥।।।। এঁবাতে ধাং স্বাহা॥৫॥ (অ্থ त्म (गीडिः मर्ष्यविध्वित्न्यम षष्ठा। मर्ष्यानीर (मवश्टिः यम्ष्यि मर्मिनामार स्रम-প্রচম্যো প্রবমুতা শবিষ্ঠ প্রবিদ্ধান্ যজ্যমূপ বাহি সোমম্॥১॥ সমিন্দ্র নো মনসা विश्वासीम् ॥ २ ॥ ॐ यानावर जेनाजा (मवरमवाश्खान् (श्रवा व्यव्यं मध-अप मः क्षिफिट्या के यममा वा थायकि यटक जायान् ट्रांडिक व्या व्गीमश्रीर। ও এম তে মজে। মজপতে সহ স্কেবাকঃ স্বীধ্যঃ সাজা। ৬।। ও বমড্টুতেভাঃ ব্যত্ত

প্র বহিছ্জা। ও সংশ্রবভাগাঃ ছ হ্বিষা হৃ৹ হৃঃ প্রস্তরে বহ্নিক্ষাদশুরা। ইমং বজ্জমভি
প্রাধ্ন পূণন্ত সাহা। ও দেবানাম্মতা মাদ্যন্তাং স্থাহা। ইতি সংশ্রবং জুল্যাং। তেতা

কিন্তুলালেলে বিলিঃ। (১০৩,১০৪ প০২,১পৃ) পোষ্ধ) ততো দ্বিতীয়েহহনি পুণাহ্বাচ
দ্ব্রাদ্নের্মমাবাদেশ মংব্দল্লো মহিছা। তেনা নো যক্তং পিপৃহি বিশ্বারে রিয়ং নো

প্রিহিশ্বভাগে স্বীরয়। (অপ০ ৭কা০ ৭১ক০ ১ম০) শুরুপাক্ষে চেত্রদা ও পুণা পশ্চা
দ্বিত পুণা পুরন্তাম্বাতঃপোণ্মানী কিনায়। তদ্যাং দেবৈঃ সংব্দল্লো মহিছা নাক-১৬৩

স্বাপ্তি স্বিযা মদেম। (অপ০ ৭কা০ ৮০ক০ ১ম০)। ততঃ অক্তর্মবে স্বিত্রিণ मूठ शूनी शूत्रखाम्यशाजः १ भीनमामी. किनाम। जनगर (मटेवः मरवमरत्या महिचा नाक- ১७७ क्रचा ७ ममाखात थाउरना वर्षायस मध्वस्या भाउरना यानि मङा। मधित्याम मक्राम्डः। मश्रमटेवर्षिभरमर्राज्ञाज्ञाज्ञाज्ञाज्ञः शक्त्वु स्विः याश् (जाधः १काः २४कः) इंजि দীদিছি রোচনেন বিশা জাতাহি প্রদশক্তত্তঃ। অভ্যক্ত স্টুতিং গব্যরাজিম্মাস্ত ১১ॐ थामी ब्राउमा छ माथिरेगा एक जिल्ला असम् । अ जास्त कि म्याम्। **उ पिराव एच** छा छम् अवश जिस् किन्ना। डंमश्विहिं बङ्ग स्विम् मुख्ज मिन्ना मध्

ज्जातरक मीम भ्रियार मीरमान्त्रारहर जुर्गाममध्त मदमञ्जन। हेि व्यन्तर कत्मन দিবি অভারিকে পৃধিব্যাঞ্জ কৃত্শ আম্বশাদেওম্বেক্তরতঃ কৃত্ধা ও বিমুঞ্চামি বন্ধণা ভ্রেণ ক্রিণানি থক। শুদ্ধহত্তে। বাহ্মাণ্য্য নিহতৈ্যতৎ সণস্থতাবাপীতং স্থাহা। ইতি মঙ্গেণ পুণাহুতিং দত্তা। ওঁদেবোহ্সি য়তাভিস্তঃ সপত্রক্যণো দিবি সীদ।

জাতবেদসমগ্রং হোতারমজরং রথমৃতম্। স দেবানাং জনিমা ন বিদান্ যথাভাগং বহ্ত .হবামায়রগ্লয়ে স্বাহা। ইতি সমিধং জুছ্যাৎ। ততঃ ওঁ এধােইস্যেধিমীয় স্বাহা সমিদ্সি . श्रीयवारकः मिङ्कारमा (माश्याम् (मृष्टि मः वग्नः मिष्रः म मा कीवोजः थारंभो कर्षाज् ॥ >॥ मिनगञ्ज विक्तानभ्दर मिनछर मिन्छनात्म। (योश्याम् ।। ।। । । (जर्थः ५००० ६०० १६, १७, २१म०) हे जि जि जि जि जि जो ने 'विक कुमान् का जु। विश्विक मा। उर्भामा विष्येषा विज् ওঁ, বিষণঃ ক্রমোহমি সপত্ত্য পৃথিবীসংশিতোহ্যিতেজাঃ। পৃথিবীমন্ত বিক্রেষ্ট্রং এ বিষ্ণেঃ ক্রমোহ্মি সপত্রহান্তরিক্ষসংশিতো বায়তেজাঃ। জাত্তরিক্ষমন্ত বিক্রমেংহমন্ত সমেধিষীয় স্বাহা তেজে। মরি ধেহি স্বাহেতি মুখং মার্জ্জাের । ততাে বিষ্ণু ক্রমান্ ক্রমেৎ। निकालः निर्वामः ।।।। ७ विस्थाः करमार्गम मण्ड्या क्रांमर्गिषः स्थार्ज्याः

বিশাফি। ততো হোতা ৫ জলানি বতপত্য়ে স্বাহেতি তত্র সমিধ্যাধায় ওঁ সত্যং স্ব্রেন ১৯৪ मनिः व्यव्यमुम्भावक्यूम्कः চ अ इत्यन वहत्मजाय्रभम्भिहित्जन मन्दिवः होनशिष्ठः ज म भूखर का वीहरनामि कार वानिमांथ तोष्ट्र । जाविको भर्कशासा (याघनः किक नामस्त । टेस्स जनास्या विषय मश्रुवक्त विषयाति । न उद श्रिवाः स्ता पिति यन वानि हि बोक्ष ইতি দাতাং তদুদকং যজনানাঞ্লো নিকিপা তঐত্ব যজমানো বীরপুক্রযোহহািমতি মুধং পরিবিঞামি জাতবেদ: ইত্যায়ং পরিবিচ্যাঞ্যজালীমুখাপ্য ত্রদাকর্মপ্রতিষ্ঠার্থং সংকণ্প-शुक्कर शुर्गमाज्ञः मिक्कानार ममान् । टट्डा मक्काय्ङाइमामि कुर्याद । इटाथक्निनिमाना অণিয়া যঃ ফুরণাম সংস্থা জোন্তিযাগম বস্যো ভূরাসং বস্থুমান্ যজে। বস্থুবেশীয়ায় বস্তু-ই ত্যুম্পাশ্য তদুদ্দেশ আম্পো হিস্তেতি প্রাগুক্ত মল্জেণ যজমানং মার্জ্জয়েৎ। তত্তা যজ-এ ইত্তেশ বচদা বয়ং মিত্রদ্য বক্লণ্মত। বক্ষণা ছাপিতং পাত্রং পুনক্ষ থাপ্যামদীতি। ১১৪ দক্ষিণাম্যার্ডম্। সামে দ্রিণং যক্ত্রসামে আকাণবৰ্চসম্। ইতি প্রদক্ষিণ ক্ষা এ मान जुग्रांमर वस् मग्नि (धर्ने जि मह्बना मिन्ने किने किन जिल्यां का प्रांत्र किन्ने । भिष्टाभनामिविधः।

র্ক্টোহথ বিলুঃ। তত্ত্ব ফলানি তপদা বুদন্ত মায়া অনুৱায়ান্ত বাহা অলক্ষীঃ।।৬॥ উপৈত্ ভ্ৰাং তৃপয়নীয়। পামোঞ্চাং পামবণাং তামিহোপন্ধয়ে ভাষ্ম।।।। চন্দাং প্ৰভা-मार मनमा खनछोर जिहर त्नारक तमरकुकोमुमार्जाम्। जार भाषानिभि भहत्। अमरभा जनक्रीर्य नणजार द्वार हत्यामि ॥ ৫॥ जामिछात्रत् जुनस्मार्थकाट्या तनम्भाज्यत क्ত এত্ত স্যানক ক্ষতি ক্রীত। খাত পঞ্মীয়তো গ্রিত ছত লিউনামত্বত ছত আকে তুৎপ্রীত জপে বিত। ও হিরণ্যবর্ণাং হরিণীং স্বর্ণরজতজ্ঞজাম্। চন্দাং ছিরণায়ীং লক্ষ্মীং विदुम्म १९ गोमचे १ शुक्रमान हम् ॥ २ ॥ जार्च भूर्रा अवम्यार इच्छिनाम छार्दाषिनीम्। छिन्न দেবীমুপকায়ে জামা দেবী জুমতাম্ ॥ ৩॥ কাশমিতাং হিরণ্যপ্রাকারামাদাং জুলন্তীং • इमानी १ मर्सम्यानानाना ज्ञातना मिर्मात्मय भारयमगामिकत्म षांत्रभानभावेगानि स्वामि জ্তিৰেদে। মহাবহ ॥ ১॥ তাম আবহ জাতবেদে। লক্ষীমনপ্ণামিনীম্। যস্যা হিরণ্থ শান্ত্যধ্যায়ঞেন্দ্রস্তুত্তং রক্ষোত্রং চেতি বহ্ন চে।" ইন্ত্যান্তান্যের বেদিতব্যানি। অত্র পূর্বাৎ দ্বারৎ সমাজিত্য পঠেতামিত্যাকরঃ। তত্রাদে। জীস্থুক্তং যথা। হিরণ্যবর্ণামিত্যাদিপথদন मां अधिशास्य उर्वारम् भरयिमियोगिन "बिश्वः भावमान्धः स्माय्रकः स्मायन्।

३७৫ मार एमरमथः कीर्डिक मनिमा मर्चा. थामूजू रजायिया तारखेर्युज्ञाम् कीर्विश् वृष्तिः मनोजू त्मामा कुर्मिनामामना (काकी जनक्रीनानामामास्म। जङ्ङिममस्किष मक्षी निर्मित त्य श्रांश् ৮॥ গন্ধ ছারাং দুরাধর্যাং নিত্যপুকাং করীবিণীস্। ঈশ্রীং সর্বজ্তানাং তামিহোপব্যয়

मनअभाभिनोम्। यम्। विरा विरा नीट्वा म्हिमान्थान् विरम्पः शुक्रवान्ह्य् ॥ ১৫ ॥ ५४ ॥ অথ পাবমানস্ক্রম্। তচ্চ সাদিষ্যেতি স্ক্রমারভ্য হিষ্ট্রাতি স্ক্রপর্যন্তম্। ষ্ট্রহি डार्श्यं मंत्रा । ऽ ॥ कर्मत्यम थिका कुठा यशि मख्य कर्म्य। खिशर वामय त्य कूटन मांड्यर भष्मानिमीम् ॥ ऽऽ ॥ ज्यांभः स्वक्छ चिक्षानि চिक्रों ड वम त्य श्टर। विह मिवीर मांड्यर हित्रभागी सममी काउटबरमा ममावर ॥ ১७॥ जामार प्रैकतिनी पर्कि प्रवर्गा रहमा দিনীম্। চকুং হিরণাুয়ীং লক্ষীং জাত ে॥ ১৪॥ তাং ম আবহ জাতবেদো লক্ষী-ब्हिंग्नर नामग्न त्म कूटन ॥ ১२ ॥ जान्न १९ शुक्तिनी ९ शुक्ति भिक्रना १ भष्मानिनीम् । क्यंगार তিলাম্॥ ১ ॥ মন্সঃ কামমাকুতিং বাচঃ সত্যমশীমহি। পশুনাং রূপমন্ত ময়ি এ আরি আর্য-(क्षा नक्षों क्रज्म)

कुज्जाज्ञक्छ शावशावछ गरधा यामिष्ठां जिल्ला मिल्ला गर्षाष्ट्रक्ता विथागिज्ञ, शंवय मिववीरत-

भागवायः, वारमामारमा विभिष्टि हेट्यामियष्टिच विष्टः, अञ्चरान हेट्यामियष्ट्रमा, ज्रमथः, এয বाक्रीजामि यष्ट्च थिश्यभः, थामा थाता हेजामियष्ट्मा ज्रमधः, थिथात। हेउगानिषष्ठक विन्तुः, वास्तायात हेउगानिषष्ठक भोउत्रः वास्तायासा भरन्यानिषष्ठक इंड्याम्बियवक्षमा, भविधिया इंड्याम्बियक्षमा, अयानाम इंड्याम्बियवकंख, डेभाटेमु इंड्याम् कमा, हिन्नान्छभः, मिमक टेजारमाकामभक्षमा काणरभारमिरजा (प्रवरमा दा, मब्सरम्जामि-ब्हर्फमा, मामा षास्यामिणामिनवर्षण, मामः भूनान हेलामिनवर्षमा थिनियानत्वामान প্রসোমাম ইত্যাদিমপ্রক্স্য চৈষাং স্ক্রানাম্সিতো দেবলো বা, প্রস্থ দক্ষেত্যাদিষড্চস্য, क्रेर्समा शिव्यवांग हेजांकि मञ्जरमा शिव्यामिषाकिणाकांकरमा, व्य थिएव । । । । योक्ष्य, क्रांड माठात हेडामाकेकमा, वर मिरिमडामिमअफ्य, थकवितिडामिमअफ्य, बरड मृष्ट्राज जानकाः, जमस्कत्वजामियक्ष्य, मार्ग्राज्यावरः, এम कवित्रिज्ञामियक्ष्य न्वक्रमामिर्डा तिवरमा वी, ष्यस्यमिन्यमिन्यक्रमा तिवरमा वा काम्माना वी, बर्ड मिम भारखी ज्यापि मर्थक ख, 'बरु त्यामाम इंज्यापिमर्थक ख, त्यामां बरु यामिज्यापिमर्थक ख,

ত্যাদিদশ্চস্য মেথাতিথিঃ কাণ্ঃ. এষ দেব ইত্যাদিদশ্চত্ত, শ্নঃশেকঃ, সন্। চেতি দ্শ-

ठत्रदममन्मीक्रामिष्टकुश्च हमा निवरम्कामिष्टकुश्च हम् विभाग्नरज्ञकामिष्टकुश्च हम् कावदमांत्रः, ५७७ <u> स्यंग्रेडों डांगिविश्यम्</u>डमा ज्यक्तांक्रिक्यम्शिक्षा यात्रिक स्टामाकेर्क्या ज्या প্রিমোম ইত্যাদিচতুঋ চম্যাবংসারঃ কাশ্যপঃ, প্র তে ধারাইত্যাদিচতুঋ চস্য আ প্ৰস্বেত্যাদিত্ৰিংশদৃচত্ত নিষ্কবিঃ কাশ্যপঃ, র্ষা সোমেত্যাদিত্ৰিংশদৃচত্ত কন্তপঃ, ১১১ जिडः, जा मः भवत्यङामित्रम् हन्य टाज्नकः जमज्जीङामिष्कृष्य, मञ्च वेङामि-भक्षक्रमा भवष वृष्णिविष्णामिभक्षक्रमा চ कविः, উভে শুমাम इंত्यामिभक्षक्रमाजिशा बाषित्रमः, जस्ती हेजामिभक्षकमा भित्रमुक्ष हेजामिभक्षकमा हाज्याः छेख हेजामि उच्च हमा, जमा श्रज्ञमिन्ताफिड्य हमा, यद्यमुनिन्ताफिड्य हमा हांददमांदः, (याश्ठा क्षामियष्टमा, जा क्म क्षामियष्टमायाः, म भवत्यजामियष्टमाः, वाश्वामरबज्यामियङ्गमा, जाया त्मात्म हेज्यामियककमा च जार्गवः कविः, जः (षुज्यामि-ষড্চভা, চ রহুগণঃ, এষ উমেয়ত্যাদিষড় চত্ত আজিরর্ষেত্যাদিষড় চত্ত চুহ্মতিঃ, পুনান অয়াবীত্যাদিত্রিংশদৃচত্ত অম্হীয়ুঃ, এতে অফ্থামিত্যাদিত্রিংশদৃচত্ত, ভার্ণবো জামদ্যিঃ,

ज्य्नांमझके भ्, ज्यांगायाज्ञामिठज्यारि ज्ञीयाया डेस्थिक्, डाष्ट्रिमर्सय्ङाख्डामार मकीमाः गोव्रजी छमः मक्ञ्ज्ञांनाः मकीमाः भवमान्छ।विनिष्ठः मारमा मिव्

ত সাদিষ্যা মদিষ্যা প্ৰস্থ সোল্ধার্যা। ইন্দায় পাত্ৰে স্কুতঃ॥১॥ রক্ষোহা বিশ্বচর্ষ-जद्रशोज्य क्रिंग विश

পৱিক্ষতং সোমং স্থাঠ দুছিতা। বারেণ শশ্তা তন। ॥১॥ তমীমণীঃ সমৰ্য আ গৃত্ণক্তি <u>রিরভি যোনিময়ো হতম্। ফেণা সথস্থাাসদৎ॥ ২॥ বরিবো থাতমো ভব মংহিচো রুত্রহং</u> ত্তমঃ। পারিরাধো মঘোনাম্॥ ৩॥ অভ্যর্ষ মহানাং দেবানাং বীতিমন্ত্রসা। অভিবাজমূত-আরঃ ॥৪॥ স্থামচ্ছা চরামসি তদিদ্ধং দিবেদিবে। ইন্দে। ব্যু আশিসঃ॥ ৫॥ পুনাতি তে

পৰস্ব দেব বীরতি পবিত্রং সোম রংহা। ইন্দ্মিদেশ। ব্যাবিশ ॥ ১॥ আবচ্যস্ব মহি-অভেন্তাদিজেশ মদেষাবিশা ব্তাণি জিল্পতে। শূরো শ্যা চ মংহতে॥ ১০॥ ১০৩

তু বারণং মধু॥ ৮॥ অভী মমধুন উত শ্রীণজি ধেনবঃ শিশুম্। সোমমিন্দায় পাতবে। द्यांषट्य मन्। विमाज्ञः भार्त्या मिवि ॥१। जमीर हिष्खाभूत्वा थमचि वाकूत्रः मृज्यि। जिथी

প্রারো রুষেন্দে। দুয়েরবক্তমঃ। আঁয়োনিন্ধণিসিঃ সদঃ॥২॥ অধুক্ষত প্রিয়ং মধুধারা স্থতক্তা

ভাষুভিঃ। হরিকজিনায় হজ্যতে॥ ७॥ এম বিশাদি বার্গা শূরে। যত্নিমন্থি। প্রমানঃ ১৬৭ ख इंम्स अक्रमांगर्कार छ ज्ञान्छ। यां जियानांग के सरम ॥ १॥ ७१ घोणनांग घ्षा क्टमिककूजू गीमरह। उद श्रमखर्या महीः॥ ৮॥ अमुङ्गिमनित्मग्रमाधः श्रद्य धा-व्यष्ठ एमटवा व्यमक्राः भनितिव मीत्रिक्ता व्यक्ति एमाभनग्रामम्म् ॥ ५॥ व्यष्ट एमरवा विभा-क्रैटाक्नियामि श्रावित। भेवमारमा जामानाः ॥ २॥ अय त्मार्या विश्वाितः भेवमान थ-मियोमिटि॥८॥ अम् त्मत्यां त्रथ्वि अंयमारमां मुण्गाणि। जाविक्रत्नाणि वर्षत्रम्॥ ॥॥ এম বিটপ্রন্ডিফ্তো যোদেবো বিগাহতে। দথদুজানি দাশুযে॥ ৬॥ এম দিবং বিধা-বৃতি ভিচর। রজাংসি ধারয়া। প্রমানঃ কনিক্রদ্ধ।।। এয দিবং ব্যাসরভিরো ज्यिमित्रियारम ॥ ८॥ ममूर्जा, जभ्यू, माश्रक विषे एण थक्ररण मिवः। त्मायः भिवर इश्री। शर्कतना र्विमा हैन।। ।। भाषा हैल्मा न्या व्याभाषा विका काषा ১৬१ (नथमः। जारमा विषके ऋक्ष्यः॥ ७॥ महाख्य द्यांगश्वेतमारमा क्षिति मिन्नतः। यरमा আসুমুঃ॥ ৫॥ অচিক্রদদূধা হ্রিপ্রান্মিহান্মিতা ন দশত। সংস্থেগিণ রোচতে॥ ৬। গির-बर्कुमा शूसाः॥ ५०॥ २४०

হ্যিঃ প্ৰিত্ৰে অৰ্পতি॥ ১॥ এম উস্য পুক্তৰতো জজানো জন্যশ্লিমঃ। ধারমা প্ৰতে রকাং দ্যতঃ। প্ৰমানঃ স্থরঃ॥৮॥ এম প্রেগ্ন জন্মনা দেবে দেবেভ্যঃ স্তঃ।

मन्। छ त्मांमरक्रिक भेदमान महिवादः। ज्यद्गी त्नां दमामक्रुधि ॥ ১॥ मन्। त्नांजिः

আভিজ তব ক্রত্বা তবোতিভিঃ। অথা ।।।।। তব ক্রত্বা তবোতিভিজ্যোক পশোম সূর্যাম্। मुन। স্বধিশা চ সোম সৌতগা। অ্থা ।। ২॥ সন। দক্ষ্যুত ক্রতুমপ্সোম্মহ্রো জহি। অব্ধাত॥ ত॥ প্ৰীতারঃ পুনীতন দোম্মিল্যায় পাত্ৰে। অ্থাত ॥ ৪॥ স্বং স্থেমি ন

'অগ্নাত॥ ১॥ অভ্যৰ্ষ ক্ষায়ুধ সোম দ্বিৰ্হ্মৎ রয়িষ্। অ্থাত॥ ৭॥ অভ্যৰ্যানয়চ্যতো রয়িৎ अग्रद्भ भामहिः। ज्यथा ।। ।। ।। ज्यार यटेक्क त्रवी द्धम् भवगान विधर्मान। ज्यापे।। ।। इत्रिः निक्रिक्याचिनमित्नि। विचीत्रुमाङ्ह। ज्यापी ०॥ ऽ०॥ ४०००

त्रशिकितांकि मृग्गान्। गर्थार्थात्रां डित्तांकमा ॥ ७॥ वर्षिः शिनेरमोकम भवगामः ङ्गम স্মিদ্ধে। বিশ্বতম্পতিঃ প্ৰমানে। বিরাজতি। ঐীণন্ ব্যা কনিক্রদ্ধ ॥১॥ তন্ত্রনপাৎ भवमांबः मृत्य निभातना व्यर्शक। जास्तित्यः तात्रक्ष ॥२॥ मेरल्यनाः भवमारना

অব পাবিত্র আ।। অভিবাজমুতশ্রবঃ ॥৩॥ অন্তুদ্রস্পাস ইন্দব আপোন প্রবতাসরন্। পুনা-১৬৮ দেবাঃ স্বাহাক্তিং প্ৰমান্স্যাগত। বায়ুর্হক্ষতিঃ স্থ্যোচ্মিরিকঃ সজোষসঃ ॥১১॥ ৫স্থ मा ইল্ফুমাশত ॥ ৪ ॥ যমত্যমিব বাজিনং হজতি যোষণো দশ। বনে ক্রীড্ডমত্যবিম্ ॥ ৫॥ তং গোভির্ষণং রসং মদায় দেব বীতয়ে। স্থতং ভরায় সংস্জা। ৬॥ দেবো দেবায় है भागि शुर्ता यावानमाछ त्व। डे म्यू ति तमा वया विष्ठ भवमानः थकार्पाणः॥ ।। वनम्य-. जिडे भवमानम् भाषा भमक्ति भाषा । महत्यवद्मः हतिहर वाक्मान् हिंद्गाम् ॥ ১०॥ वित्य ন স্ফুড়ভাঃ।। ৫॥ স্লানিশ্পে বৃহতী মহী প্ৰমানে। ব্যণ্যতি। নজোষা সা ন দৰ্শতে॥ ৬॥ उडा (मवा म्ठक्कमा ह्यांडांता रेमव्याख्टव। भवभागः इत्या द्वां ॥ १॥ ভात्रडी भवभागमा मत्रक्छीए। मही। हेगर (न। यक्डम्भिमिकिट्या मित्री । क्र्यानमा ॥ भ ॥ क्रियोत्रमधिकार मैक्षिक्मिविक्स इं िक्स । ज्याष्ट्रिवाकित्मा जार्काङ ॥ २॥ जाष्टि छार शुक्रार मार छ्यातमा ১৬৮ इतिः। मिरवर्षे मिव मेशरज ॥ 8॥ टिमारेजिक्सरज व्ह्हारता मिवीर्धित गात्रीः। भवमारम-मन्स्या (मामधात्र्या व्या भव्य (मव्यूः। जात्या वाद्मयायः॥ ।। जांचि ठाः महार

थातरत्रक्ताय भवटि ग्रुटः। भट्ता यन्त्रा भीभव्न ॥ ।। जांचा यक्त्रा दश्य ग्रवानः भव-

टंड कुंख । अष्टर निमां कि काराम्॥ ৮॥ धराशूनाम हेल्मम्सार मिक बीज हा। खहा-हिष्क्षिरम् नितः ॥ ३ ॥ ७ म्

हक्रमम्हत् । ममां जिम्हा ज्ञा ज्ञा ।। अतिमद्काता किम्म् म्वापमात्ना व्यक्ति । य-ৰ্বাঞী সিষ্যাসতি।। ৪।। প্ৰমানে। অভিন্স্থে। বিশো রাজেৰ সীদ্তি। ঘদীস্ণুত্তি বেধ-मः॥ ६॥ ज्यात्वा वात्त्र भनिधित्त्र। क्तिक्तमम् मीमिङ। त्राङ्ग वस्त्रभाष्ट मङी॥ ७। জস্তামিন্দবঃ পথা ধৰ্মন্ন তম্য স্থানিয়ঃ। বিদানা অস্য যোজনম্।।১।। প্ৰধারা মধো अधिरम। महीत्ररभी विभोक्ट । इचिक् विष्यु वम्ताः।। १॥ थ्यूष्मां वाटा अधिरम्। इयोम

मझः भव्यः छमाग्रः। विमाना अम् भक्माणः।। ৮॥ अम्बारः द्राम्मी त्राप्तः मरक्षां वाक्ष्य সাতয়ে। শ্রবো বস্থান সঞ্জিতম্।। ৯।। ৭স্থ

मद्मश्रमिस्ममिष्मा माकः भारमन गष्कि । त्रगोरम् जमा ध्रमिष्डि ॥ १॥ जामिबादक्गी जंगेः

मुस्टमा गक्छट्का वाधुमिन्ना। टिंट्टनाथार कु स्रवीधाम्।। २ ।। इन्समा त्मामद्राथरम श्रेनाटना अरडे मामा अधिश्रविस्तरा काममकत्त्। वर्षास्य अप्राया ॥ ।। भूनानामकः श्रिक टिमिश। व्याजमा त्यानिमां मिस्स्।। ७॥ स्वन्ति घ्राम्म क्रिंटिभा क्रिक्षि मध्योजप्रः ১১১ जङ्गिरियो ज्यांकिष्टः॥ ८ ॥ त्मरम्डाङ्गाम्पाधकः स्कान्मिर्टाम्पाः । मर्रांडिक्नाम्यामि ॥ ৫॥ পুনানঃ কলম্পেষাবস্তাগ্যক্রযো ছরিঃ। পরি গব্যান্যব্যাত ॥ ৬॥ মহুঘান আপবস্ব নো ধ। সহো নং সোমপুৎ স্থধাঃ।। ৮ ।। জ্চজন্সং ত্বা বয়াম্স্র পাঁচং স্বাবিদম্। ভক্ষামাহ

- প্রিভাগে দিবঃ ক্রিবিদ্যাংশি নংপ্রাহিতঃ। স্বানো যাতি কবিক্রতুং ।। ১ ।। প্রথক্রুমায় পদ্যে, কানা জুফৌ আফ্রে। বীত্পর্য চিনিপ্রাং।। ২ ।। মুসুর্মাতরা গুচির্জালো

- প্রিভাগে ক্রমায় পদ্যে ক্রেটা আফ্রে। বীত্পর্য চিনিপ্রাং।। ১ ।। মুসুর্মাতরা গুচির্জালো

- ক্রাজে ব্যেচ্যং। মহামাহী ঝাতার্থা ।। ৩ ।। সাপ্রীনিতাভিহিতো নদো অভিস্কৃষ্ণ ।।

- ক্রাজেক্মান্ধি বার্গ্যং।। ৪। তা অভিসন্তমন্ত্ তং মহে মুবাননাদেগ্রং। ইক্র্মিক্স তব বতে।। ৫ ॥

- ক্রমাংসি সোম্বোধ্যা। তালি পুনান ক্সন্তনঃ ।। গুন্রায়েশ বীরবং। সনা ব্যেধাং
- প্রঃ। প্রত্রেঘ্টিয়া কুচেঃ।। ৮ ।। প্রমান্ম মিহ্লাবে। গাম্মধং রামি বীরবং। সনা ব্যেধাং-

भारतिकार्या मियः क्रियिक्वाशीम महस्राहिं उः। श्रयोतमा याणि क्रिकाकुः ॥ ।। अ.श.-

ক্ষয়ায় পন্যমে ক্লায় কুটো অদ্রহে। বীত্পর্য চিনিপ্রা।। ২।। মস্ত্র্মাতরা শুচিজ্ঞাভো

আভিবছিঃমর্জ্যঃ সপ্ত পশ্যতি বা বহিঃ। ক্রিবিদ্বৌয়তপ্য়ৎ।। ৬।। অবা কংশ্যু নঃ পুম- ১৬১

স্তমাংমি সোমযোধন। তালি পুনান জ্জানঃ।। গুনব্যসেন বীগমে স্কায় সাধ্যা-

भथः। अञ्चरम्प्राप्त क्र ।। जा ।। भवमान महिल्दा । गांम थर त्राभि वीत्रवर । मना त्रथार-

সনা ষঃ॥ ।। ৯ছ॰

थि। मरक्। मः त्मामश्र्य स्रक्षाः ॥ ৮ ॥ म्ठक्कमः ज्ञां वर्शाग्यम भौजः स्वितिम्। जक्तीमहि

काहि विश्वां जानीष्ठमः। हेटमां मथाग्रमाविशं ॥ १॥ इस्छिः मिनः भीतव्यवक्राग्नः भृथिता ज-

' अश्वानात्मा व्याह्यास्ट्या न व्यवमायः। त्मामात्मा बात्य जक्ष्यः॥ ।। हिद्याना-

সোরপাইকক্ষ্যিরে গভক্রোঃ। ভরাসঃ কারিণামিব।। ২।। রাজানো ন প্রশান্তিভিঃ সোমাসো গোভিরঞ্তে। যজ্ঞো ন সপ্তথাত্তিঃ । ত ।। পরিস্থানাস ইন্দরো মদায় স্থা অণুত্তি তথতে।। ৫।। অপেদারামতীনাং প্রাধ্যুতি কারবঃ। রুষণ হরম আয়বঃ। ও॥ সমীচীনাস আসতে হোতারঃ সপ্ত জাময়ঃ। পদমেক্স্য শিপ্রতঃ॥ १॥ নাভানাভিৎ বহুণা গিরা। স্কুতা কার্যভিষ্যিরয়া গা৪।। আপানাসো বিবস্বতো জনন্ত উষ্পো তগাম্।

ন আদদে চকুণিত সুৰ্যো সচা। কবেরপত্যমাদূহে ॥৮॥.অভিপ্রিয়া দিবস্পদমধুয়ু ভিঞ্ছা-

হিত্যে। হয়ঃ পশ্যতি চন্দ্ৰা।। ১। ১০স্থ

ৰ্বতে। শং রাজন্মোয়ধীভ্যঃ॥৩॥ বত্তবে হু স্বতব্যেহরুণায় দিবিস্পৃশে। সোমায় গাথম্চতে ॥ ৪॥ হস্তচুতেভিরদ্রিভিঃ স্থতং সোমং পুনীতন। মধানা ধাবতা মধু।। ৫॥ নম্সে ক্ষপ ু পয়োহধৰ্কালো জাশিঅযুঃ। দেবং দেবায় দেবয়ুঃ ॥ ২ ॥ স নঃ প্ৰস্থ শংগৰে শঞ্জনায় শাম-- : উপাইনা গায়তা নরঃ প্রমামায়েন্দ্বে। অভিদেব। ইযক্ষতে ॥ ১॥ অভিতে মধুনা সীদত দধ্রেদভিজীনীতন। ইন্দুনিব্রেদ্ধাতন।।১।। অমিত্র বিচর্ণিঃ প্বস্থ সোম শংগবে ১१० (मर्टबर्टडा) जाकुक्मक्रि ॥ १॥ क्यांत्र त्रांमभीजिर ममात्र भेत्रिविठारम । भंनिकिम्मनमम्भ ि ।। ৮॥ अवमान स्रवीर्षार ब्राह्म (साम क्रिजीष् नः। इन्मिविस्मिन (मा ब्रुक्ता ॥ ३१ रू

टमामा जम्धामिक्द इका संख्या मामरन। हेक्सा मधूमखमाः ॥ ।। ज्ञिनिया

মন্থীয়তে। সোধো যঃ স্থক্ত কুবিঃ॥৪॥ যঃ সোমঃ কল্শেষ্ম অন্তঃ পবিত্র আহিতঃ। मिटकाक्रमा विभिष्टि । टमारमा टगोही जाविज्ञि ।। ।। फिटवा नाञा विरुक्तराक्रिया वाटत जञ्च क गार्या वस्मर म माजि हु। इंस्कुर समाममा भी जरम ॥ राम मामा र क्षा मामरम

लिबम्हः शतिस्कट्ट ॥ ६ ॥. थ्वामिन्द्रतिमाजि ममूज्माधित्विके । किवन् क्षां मध्-শতুত্য ॥ ৬ ॥ নিত্যজোতো বনক্পতিধনামতঃ সবদুঘঃ। হিশ্বনো মাল্লযা সুণা।। १॥ काजिधिया क्रिक्म्भाना ८माटमा हिमाटना व्यविष्ठ। विश्रमा शांत्रया कविः॥ ७॥ जार्भियमान

त्मामः शूनारमा व्यर्धि महत्र्यशास्त्रा बाउग्रिवः। तास्त्रोतिक्रमा निक्र उम्।। १।। भेव-দানম্বস্যবে\ ক্রিপ্রমতি প্রণায়ত। সুদাণং দেব্বীতয়ে ॥২॥ প্রত্তে বাজসাত্যে সোমাঃ স্হ্যপাজ্যঃ। গুণানা দেববীতয়ে ॥ ৩॥ উত নো ব্জিসাতয়ে প্ৰস্ত্তীরিষঃ। দূদে-क्षांत्रज्ञ द्रशिर महस्त्रवर्ष्टमः। जत्य हेटमा योजूवम्॥ ॥ ॥ ।। ১२ स्

न निर्विष्म् ॥ १॥ । जिल्लिको व्यिक्तकको भवगक्तिभाष्म्।। वर्षामग्रिक्ति १९ विष्म्॥ ७॥ অত্যাসং জিমতে যুজা।। ৪।। নদীভিগে বিষশ্বতঃ শুলো ন মাদ্জো যুবা। গাঁঃ ফ্ণানো यम्नेश्वयद्भवः भक्ष जांजा जर्भमावः। भतिक् भूचि धर्भिम्।। १।। जाम्मा रुग्निरा इरम यः ॥ ৫ ॥ जजाहि योनानरङ्कुच्डित्रम्थः वोक्नमांज्यः । विवादमवामांभवः ॥ ७ ॥ वाचा कर्मसीमत्वोमत्वाश्चिवदमः न (धनवः। मथिति गण्डासाः॥ ।।। कुछे हेन्सांस मदमतः भवमान क्निक्रम् । विश्वा ष्यभिष्टिया ष्रम् ॥ ।। ष्यभेष्टान्छा ष्याम्भा भवमानाः सम्भाः। (या পরিপ্রাসিষ্যদ্ কবিঃ সিন্ধোর্মধাব্ধিশ্রিতঃ। কারং বিজ্ঞৎ পুরুম্পুষ্য ॥ ১॥ গিরা বিশ্বে দেবা অমৎসত। धामी গোভিৰ্মায়তে।।৩।। নিরিণানো বিধাবতি জহজ্যাণি তারা। मिएका स्ववीर्षाम् ॥ ८ ॥ एक नः महत्रिंगः र्वाद्यः भवस्ति। स्वीर्षाम् । स्वामा एकाम हेक्क-ৰার্তম্য দীদত।। ৯।। ১৩ই॰

এষ ধিয়া যাতাগা শুরো রথেভিরাশুভিঃ। গচ্ছনিক্সা নিক্তম্।। ১।। এম পুরুষি মহ'শদিখানি সোমপাথিবা। দফ্নি যাহ্যময়ঃ ॥ ৮ ॥ ১৪ হং

जां किया का अन्य का का उन्ति विकास कर । श्री का का का का का विकास । । । । भी बिनिया नि

সধক্ষাসিদৎ।। ৪।। প্রত্যা নমোভিরিন্দর ইন্দ্র সোমা অফ্ক্ষত। মহে ভরায় কারিণঃ।।৫॥১৭১ বতা পধা। যদী তুঞ্জতি ভূণ্যঃ।। ৩।। এষ শৃঙ্গাণি দোধুবচ্ছিশীতে ঘূথ্যোর্ষা। নৃষ্ণ দধান ওজসা।। ৪।। এব ফুক্মিভিরীয়তে বাজী গুলেভিরংগুভিঃ। পতিঃ সিন্ধুনাংভ-ফি-সৰ্জ্যমুপদ্রোণেষ্যরঃ। প্রচক্রণং মহীরিষঃ।। ৭।। এতমুত্যং দশক্ষিপো হজবি ্পতি দোতার ওবেণা রসং মদায় ঘূষ্যে। সর্বেণি নতক্তোতশঃ।। ১।। ক্রন্থা দক্ষস-वन्। ६॥ धम वस्त्रीन मिषना भक्षम् मिष्नां व्यक्ति। व्यवभारमम् मुम्कृति॥ ५॥ खक् मुक् देथामरमी वमानमन्त्रमा। त्रीमांगर्भुषु मन्ष्ठिम।। २ ।। ज्यनुश्रमञ्जा मूछेत्रः त्रामिर भवित-জাফজ। পুনীহীজায় পাতবে। ৩॥ প্রপুনান্স্য চেত্সা সোদঃ প্রিত্রে অধিতি। ক্রত্যা পুনানো রূপে অব্যয়ে বিশা অর্মভিশ্বিয়ঃ। শ্রোন্ গোষু তিষ্ঠিতি।। ।। দিবোন সালু যায়তে রুহতে দেবতাতয়ে। যত্রাস্তাস আসতে ॥ ২ ॥ এম হিতো বিনীয়তেইতঃ শুল্ পিপ্যাধী ধারা স্মত্স্য বেধ্সঃ। র্থা পবিত্রে অর্ধতি। ৭।। স্থং সোদ বিপাশ্চিতং তনা পুনান আয়ুদু। অবেগা বারং বিধাবসি ॥ ৮॥ ১৬ফু० मर्ख धीजाः। यात्रुषः मर्मसम्म।। ।। ১৫ स्॰

ি প্ৰনিয়েনেৰ সিন্ধবো দ্বজো ব্ৰাণি ভূণ্যঃ। সোমা অস্থ্যমাশবঃ॥১॥ অভিস্তু-বানাস ইন্দ্ৰো র্জয়ঃ পৃথিবীমিব। ইন্দ্ৰেণামাসে। অফ্রন্।।২॥ অড্যামিম ৎসরোমদঃ मिठाएउ। উक्टेथर्यएक्छम् वर्षाएउ ॥ ८ ॥ जाजिजी त्मांम त्रांघमा त्रांहम् जांकरम मिनम्। সোমঃ পৰিত্ৰে অৰ্থিত। বিষ্ণনক্ষাংসি দেবয়ুঃ।। ৩।। আকলশেষু ধাৰ্বিত পৰিত্ৰে প্রি-ইফৎসূর্যন চোদনঃ।। ৫।। অতিবিপ্রা অর্যত মুর্ধনাজ্ঞস্য কারবঃ। দধানাশ্চক্ষসি থিলম্ ॥ ७॥ ज्युष्टा वाकिनः नत्त्रांथाज्ञित्यां व्यवमातः । रुक्जि एषवज्ञाज्यः ॥ १॥ मत्यांथात्रा मक्ष्यत् जीव्ह मध्यमामम्ह। ठाक्यां जात्र भोज्य ॥।।। ऽ१ष्ट्र

যৎ সোম চিত্রমুকথং দিব্যং পার্থিবং বস্তা। তন্ত্রগুনান আভর।। ১। যুবং ছি স্থঃ भित्रक्षवात्ना भिष्किष्ठीः भिष्टि (मारम् जक्काः। मरम्यू मर्त्वश व्यभि॥ ।। घर विध भरम ॰ ॥ ७ ॥ ज्यारत्रा विश्वानि वात्री वञ्चनि ङ्खरत्रोक्रिय। भरम्बू ॰ ॥ ४ ॥ य ट्रम त्राम्मी . खुर कविष्यश्च श्रकां जगन्न मह । महम् । ॥ ३ ॥ जव विष्य महकां महामा हम्माम भो जियां मे । मरी मरमाउटत्रव एमार्ड्ड । मरम् ॥ ॥ ।। नीत्र त्या द्याम्मी डेट्ड मरम्। वारक्डित्रव्छि गरम ।। ७ ॥ म अग्रो कलर मध्येष्रां प्रांत्रां अधिकाम् । मरम ।। ४ ॥ ४ म्यू

विक्षि। हिं अन् व्योनिमामम् ॥ ७॥ ज्यांतमा यो । य्यान । व्यान । या । ৎসস্য মাতরঃ॥ ৪॥ কুবিদ্ মণ্যন্তীভ্যঃ পুনানো গর্ভমাদ্ধৎ। যাঃ শুক্রং দুহতে পায়ঃ॥ ১৭২ क्रमंडी इन्स्ट मागटनामडी। क्रमाना मिमाड थियः॥ २ ॥ इषा श्रमान ब्याग्नुषु खनयन्नथि

৫॥ উপ্শিক্ষায তছ্যো ভিয়ঃ সমাধেহি শক্ত্যু। প্ৰমান বিদা রয়িং॥ ৬॥ নি শত্রোঃ रिमाम इस्कार मिल्यार निन्दास्थित । मृत्त ना मत्त्व जान । ५० प्र

अक्विर्क्वनी उत्स्थरमा बारब्डिबर्वाज । माक्काविका जिल्लाभुषः ॥५॥ महिम्रा वा क-রিত্ত্য আবাজং গোমত্মিগতি। প্ৰমানঃ সহ্স্থিণ্ ॥ ২ ॥ পরিবিশ্নি চেত্সা ফশসে भैतरम मजी। म नः मामज्ञात्यो विमः॥ ७॥ जन्जार्व बृष्ट्म्यरमा मघतरहा। क्षत्रः त्रिम्।

असूज ॥ ६ ॥ म बङ्गितम् मुक्टता श्वामात्मा गंडत्याः। त्यांभक्ष्यु मीमिण्। ७ ॥ की- ५१२ ইয়ং জ্যোত্ত্য আতির।। ৪।। স্থং রাজেব স্থবতো গিরঃ সোমা বিবেশিথ। পুনানো বরে कुर्वात्थानगश्ह्युः भविज्ञः (माम भक्ष्मि । मध्य त्खांत्व ऋवीर्याम् ॥ १॥ २०५०

ফুজঃ সুষয়ে বরিবোবিদঃ। স্বয়ং জোত্রে বয়স্কৃতঃ।। ২ু॥ রুধা ক্রীডন্ড ইন্দবঃ সধস্বমভ্যে-बहु धावस्त्रीम्बनः त्मामा हेन्द्राग्न ग्रमग्नः। मदमन्नामः सर्विमः॥ ।। यह्नेहर्णाणं ज्ञा

ক্ৰিমিৎ। সিক্ষোক্ৰপাৰ্যক্ষরন্॥ ৩॥ এতে বিশা নিবাৰ্গা প্ৰমান্স আশিত। হিতা ন সপ্তরো রগ্নে। ৪। আমিন্ পিশক্ষিক্বে। দ্ধাত। বেন্মাদিশে। যে: অমুভ্যমরাবা।। ৫ । ঋুভূ ৰ রধ্যং লবং দ্ধাতা কেত্যাদিলে। শুক্রাঃ প্র্যণ্সা॥ ৬॥ এত উত্ত্য অবীবশন্ এতে মোমাস আশিবো রখা ইব প্রবাজিনঃ। স্বর্ণাঃ স্ফা অহ্ব্যত্য। ১॥ এতে বাতা ইবোরবঃ পর্জন্যসোব রুটয়ঃ। অগ্নেরিব ভাষা র্থা॥২॥ এতে পূতা বিপশ্চিতঃ म्मामारमा मथनाभित्रः। विभावनाम्क्षित्रः ॥ ७॥ जान् रुका ज्यम्ब्राः मक्रवाश्त्रमा म नोब्गुः। र्षाक्षकः भरम् त्रकः॥ ८॥ । वर्ष्ण मिर्त्राम्तमा विकाशस्त्रां वामनभः। छर्छ-কাষ্ঠাং বাজিনো জক্ত। সতঃ প্রামাবিষ্মীতিম্॥ १॥ ২১ স্থ

দুমুত্মং রকঃ॥ ৫॥ ডক্তং তম্বান্মুত্মম্মুপ্রবত আশত। উত্তেদমুক্তমায্য্ । ৬।। সৃং সোম সোমা অক্থামাশবো মধোমাদ্দ্য ধারয়। অভিবিশানি কাব্য।॥১॥ অক্থাজাদ व्याव्रवः भेषः नक्तीत्वां व्यक्तगुः । कृट्ठ जन्तु क्र्यंग्रम्॥ २॥ व्याभवमान त्ना छत्रार्था व्यक्ता अत्यो गंग्रम्। कृषि श्रकांवजीत्रमः ॥ ७ ॥ जिन्तिमागाम जाग्ननः भंदत्त्व मन्तरः मनम्। जिन्धि-পণিভ্য আঁবস্থগব্যানি ধারয়ঃ। ততং তম্ভমচিক্রদঃ ॥ ৭ ॥ ২২ স্করম্।

अवस्थ संकामांधरना त्मरविष्ठाः भीउरत्र स्टात । मक्टर्स्ता वाग्नर्य भमः॥ ॥ अवमान थि- ५१७ স্তাস আসতে ॥ ৪॥ অক্ষে জনগ্ন শিরঃ সোমঃ পবত আয়ুষক্। ইন্দ্রং গর্জন্ কবিক্র-व्वक्खरमाक्र्यिध्वित्रभ्यामाः। ७६० भाषरका षाष्ट्र ७०॥ ४ ॥ १७६० भाषक छ। । त्रामः भाउँरव । जुष्टिर्घर्छ। विमेश्रारम ॥ ७ ॥ घुर (माम म्यामनः भवम ठर्षनी मरह । मिन्नर्घ। षाभु माराः ॥ ८॥ स्टन्मा यमप्रिज्ञ कुष्डः भविज्ञः भविज्ञः भविषाविर्म। जात्रिक्षन्त्र थारम् ॥ ४॥ भवक् য়, হিতোহভিয়োনিং কনিক্রদ্ধ। ধর্মণা বায়ুমাবিশ ॥২॥ সন্দেবৈঃ শোভতে র্যা কবির্গো भीट्वा अर्थ चनुत्रांट्यां न टीवर्डान्डीः। श्रुमामा हेस्समांग्डा १ ॥ टीर्गयमान धन्नि (माटमस्यात मान्धियः। इज्रहा त्मर्योटमः॥ ७॥ विश्वांक्रीणाविश्यं शूनात्मा याजि हर्वजः। यजा अत्मामात्मा व्यक्षिष्ठः भवमानाम क्ष्मवः। ज्याना वर्षम् म्छा ॥ ।। व्यक्ति-১९७ (कांगर मश्रुम्य जम् ॥ ८॥ तमारमा जर्मा अभीत्र भ्रभीत्रम्थांन के ज्यियः त्रमम्। स्र्योत्त ज्याज्यिष भीः॥ ६॥ इत्यात्र (माम भवत्य (मत्बज्धः मधमामाः। इत्मा वाक् मियामित ॥ ७॥ ज्ञ भीका महानामित्सा इतानायकि। ज्यान ज्यान ह ॥ १॥ २७ स्ट्रिम्। कुज्य मक्षः। त्मर्गतिवमारम्।॥१॥ २८ क्ष्यंम्।

कुः। ।। जांभवय मिस्छम भविज्ञः थांत्रश्र/ कत्व जार्कछ (योनिमांममन्। ७॥ २० युक्तम्।

তমশ্যুক্ষন্ত বাজিনমুপক্ষে অদিতেরধি। বিপ্রামো অণ্য ধিয়া ॥ ১॥ তং গাবো অভ্য ज्यक महत्यधाद्रमिक्तम्। हेन्स् धर्काद्रमानिवः॥२॥ जः (तथाः (मध्राष्ट्रश्म भन्मानम्थि-

मारमा जामान्यम् ॥ ४॥ ज्यः मानीविष्णिमार्या स्तिर स्मिन्याप्रिन्धः। स्पेटर जुतिम्पमम्॥ मावि। श्र्रीमर कुत्रियोग्नमम् ॥ ७ ॥- जमक्म जूतिएकार्षिणा मर्यमानर विवयवः। भिज्य

का उर की हिम्रोड (वर्षमः भवमान गिंतावृथम्। हेम्पविकात्र मदमतम्॥ ७॥ २७ छ०।

এম কবিয়ভিষ্ট ডঃ পৰিত্ৰে অধি তোশতে। পুনানো শ্বনপজ্ৰিধঃ॥ ১॥ এম ইন্দায়

রষ্য স্মতঃ। সোমো বনেষু বিশ্ববিৎ ॥ ৩॥ এম গর্গেরচিক্রদৎ প্ৰমানো হিরণায়ঃ। ইন্দুঃ नाग्रत मिक्कि भीत्रिमिक्ट । भिष्टि मिक्साथमः॥ १॥ ज्यम्निक्सोग्राज मिर्ता मुक्त मजाकिम्कुनः॥ ॥ अय स्ट्रांश हामटन श्वमात्ना जाविष्ट्रि । श्विट्न मदमत्ता यषः अम रुष्मामियानम्स्टिक्टिक त्रमा रतिः। श्रनान रेस्प्तिक्यमा ॥ ॥ २१ प्रक्रम्।

अय बांको हिट्छ। मुखिरियदियानमण्मिछिः। षारवानाहर विधावि ॥ ५॥ अय भिष्टि আক্রবৎ সোমো দেবেভ্যঃ স্থতঃ। বিশাধাশান্যাবিশান্॥ ২॥ এম দেবঃ শুভায়তে মিয়ো

बीइबस्डर शुक्रम्भृष्म् । भवस मोत्र बाह्या । ७ । थामारमा जिल्हाह्या भवमारमा जिम-मीज्रत ॥६॥ ऋरनाज मधुमज्ञमः त्मामभिन्धात्र निक्टिन। हाक्रः मध्नात्र मदम्॥५॥ ७० रु० বৈধ্যে গুণস্তঃকারবো গিরা। জ্যোতিজ্ঞ জ্ঞানমুক্থ্যম্॥ ২॥ স্থম্ছা সোম তানি তে পুনা-নায় প্রভ্রমো। বর্জা ফুলুদুমুক্থাম্॥ ৩॥ বিশা বহুনি সংজয়ন্ পবস্থ সোম ধারয়া। ইত্র-(विवार्गि मधाक् ॥ ८ ॥ तकाञ्चान व्यत्क्ष्यः यनां मम्भा कछािष्ट । निरम् यज् मुभूष्गरक् ষ্যদ্ধ। জাভদ্রোণান্যাসদ্য ॥ ৪ ॥ অপস্ম তা মপুমত্যং হরিং হিষ্ত্যদ্রিতিঃ। ইক্ষবিক্রায় নাবশক্তঃ । বুত্রহা দেববীতমঃ ॥ ৩॥ এম বুষা কনিক্রদদশভির্গামিতিগতঃ । অভিদ্রো-প্রাস্য ধার। অক্ষরন্ রুষঃ স্তুত্ব্যোজসা। দেব। অনুপ্রুষ্তুষত্ঃ॥১॥ সপ্তিং স্জন্তি या नः त्माज्ङिम् कामानः कनिक्तर। इत्रि वध्विष्कित्।। ।। जानः खग्नर नृयाज्यः ं अधाका जामा अधिवाल। इथी भवित्व जाककान्। भूनात्म। वार्गमिमाणि॥ ।। इन्मूरि गांकि क्षांबंछि । ॥ अय क्ष्यंग्यद्वांठव्र अवमांदम। विठर्षा । विषांक्षांमांक विष्विष् ॥ **६**॥ । १ ॥ जामा भाषिवः इतिः मिताः भवत्र भात्रा। मूम्बः अग्रमाञ्ज ॥ ७ ॥ २२ क्ष्म्। এম শুয়াদাভাঃ সোমঃ পুনানো অর্ধতি। দেবাবীরঘশংসহা॥ ১॥ ২৮ স্কুলুন্। 298

• दिसामामः साधाः भवमानात्मा जाकमूः। इप्रिं क्र्यांच (४०नम्। ५॥ मिवण्य्-থিব্যা অন্ত্রিত্বেশে। দুয়েবর্দনঃ। তবা বাজানাং পতিঃ। ২া। তুভাং বাতা অভিথিয় স্তভ্যেম্পতি সিন্ধবঃ। সোম ব্রুজি তে মহঃ॥ ৩॥ তাপ্যায়স্থ সমেতু তে বিশ্বতঃ সোম क्षाम्। ভবা বাজতা সকথে।। ৪।। তুভাং গাবো য়তং পয়ে। বলো দুদুছে, অক্ষিতম্। बर्गिटके जाधिमानि ॥ ৫॥ याग्नुधमा ८७ मर्गा जूनमा भरू नग्रम् । हेरमा मधिष्युचामि

্ প্রসোমাধ্যে। মদ্চ্যতঃ শ্বমেনে। ম্ঘোনঃ। স্থতা বিদ্ধে অক্রয়ঃ॥ ১॥ আদীত্রি-अत्माभारमा विभिष्कित्वाभानयस्त्रामाञ्च वनानि महिया हैव॥ ऽ॥ ष्रिष्टामानानि সন্ং বিশ্বস্থাবীবশ্মতিম্। অতেয়া ন গোভিরজ্যতে॥ ৩ ॥ উভে সোমাবচাকশন্ স্থে ন উজে অর্ধি । সীদ্যুত্ত হোনিমা॥ ৪॥ অভিগাবে অর্ধত বোষা জার্মিব প্রি-त्रम्। ज्यानोत्रोलिंश यथाहित्यम्॥ ८॥ ज्यात्म (थिहि मूरामस्यतम्। मयवर्ष्डाम्भ्यं मञ्श ५। मनिश ज्यु त्यायत्। स्वित् क्षित्रकाषिडिः। हेन्यूमिन्साय शैज्या । ।। ष्यामीर हरत्मा यथा (मधामुज्यातः॥ ७॥ ७२ म्यूलम्। 1 ७ ॥ ७५ म् लग

১৭৫ বজবঃ শুক্ত ধারয়া। বাজং গোমতমক্রন্।। ২॥ স্তা ইত্রায় বায়বে বরুণায় মুকুলঃ। সোমা অর্যন্তি বিশ্ববে॥ ৩॥ তিত্রোবাচ উদীরতে গাবো মিমকি থেনবঃ।

" अञ्चरातमा थात्रा अध्नम्परिवातमा व्यविता ककंक् होर्याकमा॥ ।। ञ्च हेन्सांत ৰাষ়ৰে ৰক্ষণায়-মক্জন্তে। সোমেশ অৰ্থতি বিষ্ণবে॥ ১॥ । ব্যাণং ব্যতিষ্তং স্থাতি সোম-শক্তিতঃ। দুষ্তি শক্ষনা পয়ঃ॥ ৩॥ ভূবত্রিতস্য মর্জ্যো ভূবদিক্রায় মৎসরঃ। সংরটপর-স্থিরেতি কনিক্রদং ॥ ৪ ॥ অভিবেদীরসূষত ষদীখতস্থ মতিরঃ। মহ'জ্যতে দিবঃ काटिक হরিঃ॥ ৪॥ অভীস্তত্ত বিকাশং দুহতে প্রিমাতরঃ। চারু প্রিয়তমং হবিঃ॥ ৫॥ শিশুম্। ৫॥ রায়ঃ সমুদ্রশিততুরোষ্মতাৎ সোদ বিশতঃ। আপিব্য সহ্সিণঃ । ৬।। मस्मनमक्तू जा हमा गिरता व्यवस्थि मञ्ज्ञ । स्यक्षितिया ज्योवन ॥ ७॥ ७८ युक्तम्।

७७ मुक्स

ष्मा नः भवत्र थात्रम् भवमान त्रन्थिः भृष्य्। यत्रा क्रिमिजिविमामिनः ॥ ५॥ इरम्मा मभूम-ডঃ। ক্লরাণো অভিবাধ্যম্॥ ৩॥ প্রবাজমিন্দুরিব্যতি সিষাসম্গলসা ঋষিঃ। বতা বিদান मीष्यम् भवर्षे विष्टामक्तम् । त्रारम् थर्छ। न अक्रमा ॥ २ ॥ ष्रमा वीरत्रन वीरत्रार्थाण्याम भूष्ना-

बागुंधा ॥ ८॥ जन्नीर्ध्वाठमीब्यार शूनानर यामग्रामि । त्मांगर जनमा तो भिष्मि॥ ८ वित्यो यस्त्राज्ञात करनः माधांत्र धर्षाशमात्कः। शूनानस्य श्रज्ञ्बरमाः ॥ ७ । ७ एकम्।

जमक्ति इरथा। यथा भवित्त कर्याः स्टब्धा कार्यन् वाजीनाक्रमीत ॥॥ म विक्तः तमा

म काश्रिः भवत्र (मववीत्रिः। जिन्दिनाम् मश्रुक्त्वम् ॥ २॥ म त्मो त्क्राजिशिष श्रेका ঞ্বমান বিরোচয়। ক্রত্মে দক্ষায় নোহির॥ ৩॥ শুজ্মান ঝতায়ভিত্পজ্যমানো গভ-

द्रिक्काः। भवत्क वाद्व ष्रवाद्य ॥ ८॥ म विषामाण्यम् व्यू त्मारम्। मिवानि भाषिता।

श्वज्ञामास्त्रिकः।॥ ॥ ।। ज्यामिनक्ष्येभभवूर्गन्गष्ठः (माम त्राष्ट्रीम । वीद्रष्टुः भवमन्नीत्ज

॥ १॥ ७७ म् लम्।

বিচক্ষণে হ্রির্থতি ধণ্সিঃ। অভিযোশিং কিনিক্সং॥ । । मं বাজী রোচনা দিবঃ পব-ं मञ्चलः भौज्यः वृषा तमामः भिवत् व्यर्धि। विष्यक्षांशिम (मवयुः ॥ ১॥ म भिवर्

মানে। বিধাবতি রক্ষোহা বারম্বায়ম্॥ ও॥ সবিজ্যাধিমান্বি প্রমানে। অরোচয়ৎ।

জামিডিঃ স্থাৎ সহ।। ৪। শস্বুনুহা বৃষা স্কতো ব্রিবো বিদদভিঃ। সোলো বাজমিবা-

मह्द ॥ ६ ॥ म एम्वः कविटन्धिक्ट्याशिक्टियांशिक्ष धाविछ । इन्सूतिक्यांत्र मध्दन ॥ ७१ स्र

क्रक्यावाष्ट्रकार ॥ ८॥ ज्याविवामन् भागवर्जाश्यभा ज्यवीवज्ः युज्ः। हेन्साग्र मिह्यत्व ५१७ এ व स्ट स्म इस इर शोश्र तार्वा रहि अर्वित । शिक्ष म् यो कर मर्श्य गम्। । । ब जर जि ज अ • ज्यमा ययोज्यञ्जिर। वृक्तिः मिरः भित्रज्ञ ॥ २॥ ज्यज-जि भिर्ज ज्या वितिरः मथान মধু ।। ৫ ॥ সমীচীনা অনুষত হরিং হিশ্বন্তাদ্রিভিঃ। বোনার্তম্য সীদত ॥ ৬ ॥ ৬৯ছ॰ भूनाह्य। जक्रमीम्डिनिश्राष्ट्रकः विठार्षनिः। শুভুতি विष्यः पाँडिङः॥ ।। ।। जारहा-ত আশুর্ম, বৃহ্মতে পরিপ্রিরেণ ধারা। ঘতা দেবা ইতি ববন্। ১॥ পরিষ্ণণু মনিষ্কতং e अस्मा। विज्ञाति विर्वाष्ट्रम् ॥ ७॥ अहर म त्यां मिवरण्यि उम्प्रामाथविज्ञ जा। मिरका নিমকণোক্রহদামদিন্দ র্যাস্কতঃ। একবে সদ্দি সীদ্তি।।২।। রুনো রগ্নিং মহামিদে। যোষ্ণো হ্রিং হিল্ডামিভিঃ। ইন্দুনিকায় পীতয়ে ॥২। এতং ত্যং হরিতো দশ মফ্জা-शक्त्म् कारक्षा न त्याविज्य ॥ ६ ॥ अयम मरम्य बरमावर्ष्य मियः निकः निकः। य रेन्स् कीतमाfaneন ৫ ।। এষস্য পীতয়ে স্কত্যে হরিরহাতি ধর্ণসিঃ। ক্রন্দন্ যোনিম্ভিপ্রিয়াম্। ৬॥ জ্ঞে অপুস্থাবঃ। যাভিশ্বদায় শুদ্তে।। ৩।। এষ্স্য মানুষীৰাশোশা নবিক্ষ সীদতি। ७४ क्ल्र

298

विमाः मर्श्यनी तियः ॥ ॥ म नः भूमान व्याज्य तित्रः छाटा युरीयाम् । कतिष्रुक्षिता হমুত্যুৎ সোল বিশ্বতঃ। আপিব্যু সহ্তিন্যু। ৩।। বিশ্বা সোণ প্ৰমান দুয়োনী-দ্বাত্র।

अधिका । চরভি বিদুতো দিবি॥ ७॥ जाभवत्र महीभिष्ठः গোমদিদে। हिंदगावदः। जाया-প্রয়ে গাবো ন ভূণ্যস্থেষাঅয়াসো অকুমুঃ। স্বন্তঃ ক্ষোমপ্রচম্।। ১॥ সুবিত্সা শ্বনাশহে হতিসেতুং দুরাব্যে। সাদাংসো দস্যানত্তম্ ॥২॥ শ্বে, র্ডেরিব স্বনঃ প্রমানস্য গিরঃ॥ ৫॥ পুনান ইন্দবাভর সোম দ্বিভহসং রয়িশ্। রষদ্ধিন্দোন উক্থম্॥ ৬॥ ৪০স্থ

ः अन्मग्रम् (ब्रोडमो फिरवो अन्मग्रम्भम् स्प्रीम् । वमारमा भी जरभी रहि ॥ ५॥ अस श्रद्भन রে। সোমাঃ সহস্রপান্তমঃ। ৩।। দুহানঃ প্রমূষ্ৎপ্যঃ পবিত্রে পরিরিচ্যতে। ক্রন্দন্ (मर्गे। जाको जन्द ॥ ८ ॥ जाजियानि वार्गाजिए मर्गे भाजाइयः । स्मामः भूनात्नां जर्निज । ए॥ বদুজিবৎ স্ততঃ।। ৫।। স প্ৰস্থা বিচৰ্গ আম্ছী রোদ্সী প্ণ। 'উষাঃ স্থ্যো ন রশিশিভিঃ মমুন দেবো দেবেভ্যম্পরি। ধার্য়া প্রতে স্থতঃ।২।। বার্ধানায় ত্র্যায়ে প্রতে বাজ্যাত-।। हा। भदि १३ भर्ष मध्या थाइश (माम विष्ठः। मन इत्मव विष्येभ्य ॥ ४॥ ४५ छ० শোষনঃ সোম বীরবদশাবদ্বাজবৎস্থতঃ। পবস্থ বৃহতীরিষঃ।। ৬ । ৪২স্থ

অবম্যবোণিরঃ শুদ্ধতি পূর্ববাশ । ইন্দুমিন্দায় পীতয়ে ॥ ২ ॥ পুনানো যাতি হ্যতঃ সো-स्यो अन्डाङ्ग रुकार्ड स्थाडिस्माय र्घन्ड। उक्नोडिस्यायायि ॥५।' ड. त्या विका

्मा नीर्डि8 मतिक्र ज्डा विक्यमा त्मक्राण्टिरथड॥ ७॥ भवमान विमा त्रिमम्बङा त्माम

क्यमिशम्। ईत्मा महत्यवक्षमम्॥ ॥ ॥ हम्मृद्राज्य म वाक्षमक् किनकिन्छ भवित जा।

'ষ্ট্কল্যাতি দেবয়ুঃ।। ৫ ।। পাবস্থ বাজ্নাতিয়ে বিপ্রাস্ গুণতো রূথে। সোম রাস্থ সূবীধাম্ ।। के ।। 80 क्रुक्तम्।

মধুরম্ । বহিঁগুঁ। জাবিবাসতি । স নৈ\ ভগায় বায়বে বিপ্রীরঃ সদার্ধঃ । সোমো দেবেষা- ১৭৭ भूष वि अपित्र जा। सारमा योजि विष्ठिति ॥ ७॥ म नः भवत्र वोष्ठ्युम्ध्कानिकांक ् थ । हरमा मरहजन खिन्धर न विजनवित्र । अखिरन्दी अग्रामाः ॥ऽ॥ मजीकुरके। थि-क्रा हिट्ड स्मारमा हिटम भन्नाविष् विकामा भानमा कविष्या । जाम सम्मानिष

- . म भवस्य ममाग्रकः मृष्टमा (मनवीज्यः। हेम्मविक्यांत्र भीज्यः॥ ।। म त्नां ज्यांजि-88 स्टब्स

য়ম্ব।। ৫।। সনোতাদ্য বস্তুত্যে ক্রতুবিক্লাতুবিত্তমঃ। বাজং জেষি ক্রবো বৃহৎ ॥।।।।

দূতাই ত্মিক্রায় তোলমে। দেবান্ সথিত্য আবর।। ২।। উত ত্মাস্কণং বয়ং গোভিরজ্যো मनाग्रकम्। वित्ना बारम् मूर्ता वृषि॥ ७॥ अष्टा भविज्ञमक्मोष्नाको भूतः न यांयनि। डेक्-एक त्वर्ष पठाएक ॥ ४ ॥ भभी भर्षात्रा व्यव्यन् यत्न क्लीए खभ्जाविम् । हेन्नूर नावा व्यव्यक्त 🔹 অক্তাং দেববীতয়েহত্যাসঃ কত্তা ইব। ক্ষরতঃ পর্বভার্ধঃ।। ১।। পরিক্তাস ইন্দবে ॥ १ ॥ ७३१ भवत्र थात्रम् यम् भीटका विष्मत्म । इत्मा त्याद्व स्वीर्मम् ॥ ७॥ ८६ स्र

সুতাঃ। ইন্দং বর্দান্ত কর্মভিঃ।। ৩।। আধাবতা সুষ্তাঃ শুকা গৃত্ণীত মহিনা। গো আয়ো সোমঃ অংকতায়া মহকিচভাৰদ্বতা মন্দান উদ্ধায়তে। ১।। ইতা নাদ্স্য কন্ত্ৰী-জুবৎ। উক্ধং ঘদস্য জায়তে ॥৩॥ স্বয়ং কবিধিৰ্জনি বিপ্ৰায় রতুমিচ্ছতি। ঘদী মহজ্যতে যোবেব পিতাবতী। বাযুং সোমা অস্কত।। ২।। এতে সোমাস ইন্দৰঃ প্রস্বস্তশ্যু-ভিঃ জীণীত মৎসরম্।। ৪,।। স প্রস্থ ধনঞ্য প্রজারাধন্দো মহঃ। অস্মভাং সোম গাজ্বিৎ क्टिट्स मस्राज्यभा। भागावश्रुषः कत्रात्ज ॥ २ ॥ जांद रमाम डेस्सित्य। तरमा वळाः मरुखमा सिंग्नः ॥ ८ ॥ मिस्रोमञ् न्रग्नोगाः नाटक्षर्यस्टामित्। । जरत्यु किंगुग्रामि ॥ ६ ॥ ८१ स्क्म् । । ए ॥ जब्द म्ब्रिक मर्कार भवमान् म्य क्लिप्। हेल्यांत्र मदमत्य मत्ये ॥ ॥ ४४ म्ब्रिम

তৎ জ্বা নুষ্ণানি বিজ্ঞতৎ সুধক্ষেয়ু মহো দিবঃ। চাকুৎ সুক্ত্যয়ে মহে।। ১।। সংযুক্ত

গোপাহতস্য বিভূরৎ।। ৪ ।। অয়া হিবান ইন্দিয়ং জায়ো মহিত্বমানশে। অভিষ্ঠিক্দি-ধুষণ্ড মুক্ধাং মহামহিত্রতং মদম্শ শতং পুরো ক্রুক্জিণিম্।। ২।। অতস্ত্রারিমিনিভ রাজানং क्यक्टा मियः। क्रशर्मी व्यवाधिर्द्धा । ।। विश्वमा हे दक्ष रेभ माधाइन । वक्षक्रम्। हर्मी वड़ा। १ ॥ ८४ च्युक्तम् ।

উত্তে শুয়াস ঈরতে সিন্ধোর্মরেরিব স্বনঃ। বাণ্সা চোদয়া পবিম্।।১। প্রস্বেত উদী- ১৭৮ বোনিমাসদৃষ্॥।।। স পবস্ত মদিত্তম গোভিরঞ্গাসো অক্তুভিঃ। ইন্দবিক্রায় পাত্রে॥৫॥৫॰ স্ক ত্তাদ্ৰিভিঃ শিৰমান্থ মধুশ্চুতম্ ॥ ৩ ॥ আপবস্থ মদিত্তম পবিত্ৰং ধারয়। কবে। অক্স্ े भेवस वृष्टिमांस्ट्रत्ना यामू मिश्मिश किवम्भिति। जशक्ता वृङ्जीतिषः ॥ ६॥ जन्न भिवस् भावता **অমত ৎ র্ফিমাপব ॥৩॥ স ন উ**র্জেহব্যাব্যয়ৎ পবিত্রৎ ধাব ধার্য়া। দেবাসঃ শুণবন্থিকমু ॥৪॥ রতে তিত্রো বাচে মথস্তাবঃ। পদব্য এমি সানবি।। মা অবেগ বারে পরিথিয়ৎ ছরিং হিন্ন वशे गांव ईशाभम्। जनाम डेभ (ना शृष्म्॥ २ ॥ घ्डं भवत्र धांत्रा घट छत्रु (দववोजगः। र्भवम्हिन् अभिषम्मक्रारमाश्रेक्ड्यन् । श्रेष्ट्रवर्ताहान् क्रुडः । ६ ॥ ८५४

• ত্ত্রপুর্য্যা অদ্রিভিঃ স্তৃতং সোমং পবিত্র আফ্জ। পুনীইন্দ্রায় পাত্রে।। ১।। দিবঃ দেবা মধোকািজ তে। প্ৰমান্স্য মক্তঃ। ৩ ।। স্বংহি সোম বৰ্ষয়ন্ৎ স্বতো মদায় ভূণি-পীযুষমুভ্ৰণ সোমমিন্দায় বজিণে। স্থানাতা মগুমত্তমম্।। ২।। তব ত্য ইন্দো অন্ধাসো

য়ে। ব্যন্সোতারমুতয়ে॥৪॥ -অভ্যবর্ষ বিচক্ষণ পবিত্রং ধরেয়। স্তঃ। অভিবাজস্ক-**ध्यंतः ॥ ७ ॥ ७५ प्यत्नम**्।

পরিঘুক্ষঃ সন্দ্রগ্রিভরদ্বাজং নো অন্ধুসা। স্থবানো অর্থ পবিত্র আ।। ১।। তব প্রত্নে

শীস্থায়। ববৈধক্ষিক্ষবীত্তায় । তা। নিগুগ্রমিন্দবেষ্থি পুরুহুত জনানায়। যো অমুণ আদিদেশ-निक्रिष्टिंदाकामा त्रथमत्य थरन हिट्छ। यव। जाविक्रायो रामा।। २ ॥ जामा जडानि न थिएष भवमानमा मृक्ता। क्रकाय्या भुज्याचि॥ ७॥ ७८ हिम्ना महाज्य हति नमोग्न वाक्तिम्। नु ।। ।। ।। । । । सक्त किनि कि महस्य वा अनिवास्। भवस्र मश्हाप्तिः।। ।। ।। । । । । । ইন্দুমিন্দ্রায় মৎসরম্ ॥ ৪॥ ৫৩ স্ক্রেম্ ।

वाक्रम्बि मेड थांडा वार्यस्वायः। ड्रिक्मा मर्थामाविमान् ॥२॥ व्यन्धि क्षां वांबत्वां मम कांद्र ५१२ ् अट उ थात्र। जमक्टाज किटन नत्रिक वृचेतः। जक्षांनाकः मर्जाखनम्।ऽ।। अज्ञिमिनि म কন্যানুষত। স্জাসে সোম সাতয়ে।। ও।। ত্রমিন্দায় বিফবে সাদুরিন্দো পরিলব। নৃন্ 💰 পরিসোম ঋতং রহদাশুঃ পবিত্রে অর্থিত। বিদ্নম্কাংসি দেবয়ুঃ।। ১।। যৎ সোমো ষপ্শ তব শুৰো ঘথা তে ত্ৰাতমন্ধ্ৰমঃ। নিবহিষি প্ৰিয়ে সদঃ।। ২।। উত নো গোবিদশ্ববিৎ ্ মব্যবং নো অন্ধুমা পুউংপুউং পরিল্পব। সোম বিশাচ সৌভগা।। ১।। ইন্দো **ইবোপদ্**ণয়ং সরাংসি ধাবতিঃ সপ্ত প্রবত আদিবম্।।১।। অ্যথ বিশানি তিষ্ঠতি সুনানো জুৰনোপরি। সোমো দেবো ন স্থান্।।৩। পরিণো দেববাতয়ে বাজাঁ অর্ঘিন গো প্ৰস্থ সোমমন্ত্ৰমা। মঙ্কুতমেভিরংহভিঃ ॥৩॥ যো জিবাতি ন জীয়তে হত্তি শক্ৰমভীত্যা। অভাত প্রভাত স্থান্ত প্রভাত দুদুছে অন্তয়ং। পায়ঃ সহস্রসাহিষ্য।। ১। অয়ং স্থা মতঃ। পুনান ইন্দবিন্দয়ুঃ॥ ৪॥ ৫৪ স্ফুন্ म भेवत्र महत्यक्ति ॥ ८॥ ११ व्यक्तम् । জোতুন্ পাহ্ংহসঃ॥।।। ৫৬ স্কলন্।

ক্সত্ৰতঃ। ফোনো নবং ক্ষ্যীদতি॥ ৩॥ স্নোবিশা দিবোবস্থতো পৃথিব্যা অধি। পুনান र्टरम्ब्राज्य ॥ ८ ॥ ६१ क्रज्य ।

কার্যা বিশা চক্ষাণো অ'তি। হরিস্তঞান আয়ুধা॥২॥ স মহ'জান আযুভিরিভো রাজেব

তরৎসমনীধাবতি ধারাস্তমোধসং। তরৎসমনীধাবতি ॥ ১॥ উমু। বেদ বস্থনাং গ্লন্তিস্য দেব্যবসঃ। তর্থ স ।। ২।। ধ্রস্থয়োঃ পুরুষ্ৎ ত্যোরাসন্ত্রাণি দ্ধাহে। তর্থস

॥ ৩॥ আয়য়োক্রিংশতন্তনা সহসানি চ দখাহে। তরৎস৹।। ৪।। ৫৮স্ত ইদং আন্দা-

ब्रुष्टायञ्ज्यात्रि।•

প্ৰস্থ গোজিদশ্জিদিশ্জিৎ সোম রণাজিৎ। প্ৰজাব্দুলুমাভর ॥ ১॥ প্ৰস্থাজ্য विषे । बाडोमिता ॥ ॥ ५३ मूडम् ।

প্রগাযতে প্রমাবং বিচ্ঠণিম্। ইন্দুং সহ্রচক্ষমে।১॥ তং তা সহত্র-চক্ষসমথেণ সহস্তভৰ্সম্। অতিবারমপাবিয়ুঃ॥২॥ অতিবারান্ প্ৰমাণো অসিঘ্যদৎ কল- मा अधिभावित। इसम् श्रिमिम्।। ७॥ इसम् त्राध्तम मार भेवम् विहिर्ग

প্রকাবনেত আতর ॥ ৪ ॥ ১০ ক্রন্তম্

अंग्रा दीं ो भांत्रक्षद घष्ड हेटम्ना महम्बा । ज्यार्घत्वीर्धत ॥ आत्रःममा हेपा थिएग

পুৰে । ক্ষটা সহস্ৰিণীরিষঃ॥৩॥ প্ৰমান্স্য তে বয়ং প্ৰিত্ৰমভূজ্যন্তঃ। স্থিত্বমাহ্ণীমহে क्तिट्वामामाम माश्वतम्। जाधानाः जुक्तमः यमुम् ॥२॥ भनि ८०। जायमभ्यतिह्वामितिमा हित्र-

৯॥ উচ্চাতে জাতমধ্যে দিবিষ্ডু-শাদ্দে। উতাং শৰ্ম মহিত্ৰবঃ॥১০॥ এনা বিশ্বান্ধ্য ১৮০ সিমুমাতরম্। সমাদিত্যেতিরখ্যত। ৭॥ সমিল্ডেণোত বয়ুনা স্থত এতি পবিত্র আ। সং কুষ্যক্ত রশ্মিভিঃ।। ৮।। স নো ভগায় বায়বে প্ষেষ্ণ পব্য মধুমান্। চারুশিত্রে বরুণে চ॥

আদুয়ুমানি মার্যাণাম্। সিযাসতো বনাম্ছে।। ১১।। স ন ইন্দায়ে যজ্যবে ব্রুণায় মরুদ্র্যে

विद्याविद्धानिक्षा ३२॥ डेटभागू कांजमैथु द्वर त्यांडिङ्कर भित्रक्ष्जम्। हेकूर पिता

ब्यंग्रीमग्रुः॥ ১७। जनिष्यतिष्ठ ८ना गिर्दा वदमर मर्गाभयोदिय। य स्वरंग्य स्वरंभिनः॥५८॥

জাভির রয়িং বীরবতীমিষম্। ঈশানঃ সোম বিশ্বতঃ॥ ৬॥ এতমুত্যং দশ ক্ষিপো ফজন্তি

॥ ।। যে তে পবিত্রমুশ্বযোষ্ভিরক্ষতি ধার্য়া। তেডির্মঃ সোমস্ড্য ॥ ৫ ॥ স নঃ পুনান

म्। वद्भूमात्मा घथन्त्रात्मा २१॥ भ्रत्यत्मः व्या ठ०३ क्षी त्ना घनत्मा ज्ञत्म। विका অপ্দিয়ে জহি॥ ২৮॥ অসমুতে সংখ্যে বয়ং তবেন্দো দুমে উত্তমে। সাসহামপ্তন্যতঃ শিরঃ।। ২৩।। স্বোতশিকবোৰসাম্যাম বন্ধ আনুরঃ। মোম ব্তেমু জাণ্ডি। ২৪। অপলন্ মান জহী হয়ঃ। রাম্বেন্দে। বীরবদ্যশঃ। ২১।। ন স্থাশতং চন হুতে। রাধে। দিৎসন্তম। মিন-क्टन ॥५४॥ घटछ बरम। बर्डनगरकमाभववाकामा। तम्वावीवघन भर्मा। अभिवृत्वमिन जिश्वर मिक्सिक् मिटवमिटव। भाषा डे बार्षमा व्यमि॥२०॥ मर्शिक्षा व्यक्ता डिव सूर्पका-वृजिवारमः महीतग्रः । २२ ॥ स्रतीब्राटमा वग्न् धना ज्यद्मम त्मांभोष्टः। श्रनात्ना वर्षत्ना मुन्छ कृष्यां कर्माम व्याम् । मक्किन्यमा निक्र जम्। १०।। महा (न। त्रां व्याज्य प्रन-দুচ্ছনঃ। বিবারমব্যমর্গতি ॥১৭॥ প্রমান রুসস্তব দক্ষে। বিরাজতি দ্যুমান্। জ্যোতির্বিশ্বং স্থ-कार्यानः त्माम भक्रत्य श्रुक्तम्य निश्रायोगियम्। वंक्षा मगुष्यगुक्षााम ॥ ३৫॥ भवमात्मा जाजीजन দ্দিব্শিচত্রং, নতং ন্যতুষ্। জোতিইর্বশানরং বৃহত্।।১১।। প্রমানস্ত তে রসো মদে। রাজন্ত ॥२२॥ या ८७ जीयांनाग्रुथां जियानि मिछ धूर्वाल। त्रक्तां मभमा त्ना निमः ॥७०॥ ७५२. जिन (अञ्चि । मीमन् (कारनो न (यानिया ॥२১॥ म भेषस्य घ ष्यांतिरभेष्यः रूजांत्र ह खरन ।

জ্যমান আয়ুভিঃ। উরুগায়ঃ কবিক্রতুঃ॥১৩। সহ্সোতিঃশতাম্ঘো বিমানো রজসঃ बम्जाविव ॥ ১৫ ॥ भवमानः ऋष्ठ। मृचिः मारमा वाक्रियामत्। ठमुषु भक्मनामम्। ৰিয়িৰো বিশ্বতং পন্নঃ।। ৯।। অনুং বিচৰণিৰ্হিতঃ প্ৰমানঃ স চেত্তি। হিশান আপ্যং বৃহৎ मक्जिं ९ इति १ त्यामख्यभिनम्। भूकम्डलः भूकम्भृद्य ॥ ১২ ॥ अष्रमा भित्रिषि । । पर कवि: । इंस्तिम भर्ड ममः ॥ ५८ ॥ भित्र कांड इर खड इस्तिकां भीशट । विर्यामा क्षांत्रा मधुम्कराजाश्यक्यामिम्ने छेठम् । जान्तिः भवित्वमाममः ॥१॥ तमा व्यार्यस्माम भीजरम् जित्रा-(ब्रोमाश्वात्रा । भीमम् (यानावरनषा ॥ ৮ ॥ ष्ट्रिमाटम् । भित्रज्ञव यामिरके। अम्पर्तान्त्रां ভাশুক ফুগাতোকাযজিনঃ। তনা রুণুজো অর্কতে।। ২।। রুণুজো বরিবো গবেহভ্যের্যিজ স্মুফুতিম্। ইড়ামমভ্যং সংঘতম্॥ ৩ ॥ আ্সাব্যংশুর্ঘদাযাপ্সু দক্ষো গিরিফাঃ। প্রেনা क्टिंगा है।। कामिमम्बर म हर्कात्त्रायम्बर म स्वांत्र । मह्मा त्रमर मधमारम् ॥ ७ ॥ यात्त्र ॥ ১০ ॥ এম র্যা র্যত্ত তঃ প্রমানে অশক্তিহা। কর্মসূদি দাশুমে। ১১॥ আপ্রস এতে অস্থায়িক্সবজ্ঞিঃ প্ৰিত্তমাশ্বঃ। বিশ্বান্যভি সৌজগা।। ১।। বিশ্বজো দুন্তি-म द्यामिमामम् ।। ८।। कुष्णमत्का त्मर्याजम्भा भूष्ण मृष्टिः स्वाः। सम्बि भावः भरमा

いない

जाभवय महज्जिल ब्रिशि रिमाम स्र्वीयाम्। जत्म खवार्शि धावत ॥।।। हेममुब्बभिष्मि ১৬ ॥ তৎ ক্রিপ্ডে ক্রিবন্ধুরে রথে যুজ্জি যাতবে। খাষ্টাণাং সপ্রধীতিভিঃ ॥ ১৭॥ তং कुन्यार्वित मिन्नवः ॥ २१॥ थ ८० फिट्यं न व्छत्या थाता ब्रज्यासिक्ष्ठः। जान्त्रकामुन-ধেষ্বাচ ঈরয়ন্। প্ৰস্ব বিশ্বমেজয়।। ২৬।। তুভোমা ভূবনা কবে মহিলে সোম তিহিরে। कुट्डा किश्वा व्यवद्यां किया । मृत्या न त्यांत्र डिकेडिया ५२२॥ ज्या उ हेरमा महाय्रक्थ भेर्या দুদ্বেভাগ দেবক্ষজমম্।। ২১।। এতে সোমা অফ্কত গুণানঃ শ্বমে মহে। মদিভামস্থ উত নো গোমতীরিষে। বিশা অর্থ পরিষ্ট্তঃ। গুণানো জমদ্বিদা।। ২৪।। পবস্ব বাচো -অগ্রিযঃ সোম চিত্রাভিরুতিভিঃ। অভিনিশানি কাব্যা।। ২৫।। স্বং সমুদ্রিয়া অপোষ্থি-क्टिन्रम्॥ २৮॥ टेल्मार्ग्नभूर भूनीं छ जाह्यर मक्कांत्र माथनम्। क्रेमांनर वीछित्राथमम्॥२॥। সোতারো ধুনম্পুতমাশুং বাজায় যাত্তবে। হরিং হিনোত বাজিনম্।। ১৮।। আবিশন্ কলশং भाउत्रा ॥ २२ ॥ ज्वाज्यावरामि वीज्य मृग्ना श्रेनात्मा ज्विमि । मन्द्रां छः भविष्यव ॥ २७ ॥ দুক্ত্যায়ৰঃ। দেবো দেবেভাগ মধু।। ২০।। আ নঃ সোমং পবিত্র আফ্জ্তা মধুমতাম। প্ৰমান ঋতঃ কবিঃ সোমঃ পাব্ৰমাসদ্ধ। দধ্ধ জোতে স্থীধ্য্।। ৩০।। ৬২স্থ০

जिट कार्यामी के का थाउमा कांत्रमा। वांकर त्मामक्षमकत्म् ॥ ১८ ॥ व्यक्त इन्द्राम ५४० বজিনে সোমাসে। দ্ধ্যা শিরঃ। পবিত্রমত্যক্ষরন্।। ১৫।। প্র সোল মধুমন্তমো রাগে অর্ধ भवित कार्गि मटमा त्य तमवरीजमः ॥ ३७ ॥ जमीम् अस्माग्रत्यां स्तिर ममीम् वाकिनम्। रे मू जि सिंग का करा है। जा मुख्न मां जा है मुखिल है जि कर्मा। है।। भेशोर वा मार ফুতং গির ইত্রায় মৎসরম্। অবেরা বারেয়ু সিঞ্চত ॥১০॥ প্রমান বিদা রযিমস্মভ্যং সোষ দুৰ্দ্ধরম্। যো দ্রুণাশো বরুম্পতা।।১১।। অভার্ষ সহজিণং রথিং গোমন্তমশ্বিনম্। অভিবাজমুত-মধুমা আন্ত বায়বে ।।৩।। এতে অম্থামাশ্বোষ্তিদায়াংমি বজবঃ। সোমা ঋতস্য ধার্যা ॥৪॥ ३ छ। र्या वर्षा १ हेन्स् १ म्कृष्ड हेन्स् न १ ॥ ७॥ जार्रा भिवय धांत्र हो प्रश्री महत्र हिन्ना हिन्ना हिन्ना সাহামীরপঃ।।৭।। অযুক্ত সুর এত শং প্রমানে। মন্বিধি। অন্তরিক্ষেণ যতিবে।। ৮।। উত **এ**বঃ । ১২ ।। সোমো দেবো ন স্বর্ণাইন্তিভিঃ প্রতে স্বতঃ । দ্ধানঃ কলশে রসম্ ॥১৩॥ विक्टांत्र म्हमत्रम् ॥ ५१॥ कार्शवय हित्रग्रवम् चांवर ताम वीतवर। वाक्रर त्रांभखमांच्त्र ॥ हेस्स वर्षाट जाखुर ३३ क्रन्रेट्टा विश्वभाषीम्। जानेष्रात्व। जाराम्न । ॥।।। यूठा व्यवस्थाताको-১৮২ বস ইন্দায় মৎসরি তমঃ। চমুঘানিবীদ্সি ॥২॥ সূত ইন্দায় বিফাৰে সোমঃ কলশে অক্ষরৎ।

॥১৮॥ পরিবাজেন বাজযুদ্বো বারেষু সিঞ্জ। ইন্দায় মধুমভ্যম্॥১৯॥ কবিং স্জ্যি

भांत्रग्ना मजी विथाः ममक्तम् ॥ २১ ॥ भवक (मवांग्र्यशिक्टः शंक्ष्ण् ७० ममः। वांग्र्या-রোহ ধর্মাণা ॥ ২২ ॥ প্রমান নিত্তোশ্সে রয়িং সোম ভাবাপ্যম্। প্রিয়ঃ সমুদ্রমাবিশ ॥২৩॥

অপেপুন্ প্রসে হয়ঃ ক্রভূবিৎ সোম মৎসরঃ। সুদ্ধা দেব যুঞ্চন্।।২৪।। প্রমান। অস্কত সোমাঃ শুক্রাস ইন্দ্বঃ। অভিবিশানি কাব্যা। ২৫॥ 'প্ৰমানাস আশাবঃ শালা অস্থা শবোর্ষাধন্ৎ র্ষাম্পতঃ সত্যই র্ষন্ র্যেদ্সি ॥২॥ অশ্বোন্সান চক্রদোর্ষাসকাইন্দোসম্

क्उं। विटना ब्राट्स मूट्टा वृधि ॥७॥ जारुक्का अवाक्तित्। भव्ता त्मांभारमां जाच्या । भुका-

্ৰয়া মোম দুয়েশা অনি ব্যাদেব ব্যব্তঃ। ব্যাধনাণি দ্ধিমে।।১।। ব্যঃত্তে ব্যাং

২৮। । অপপ্রন্ সোম রক্ষসোহত্যর কনিক্রদেৎ। দুমেন্ডং গুরুমুক্তমম্।। ২১।। অনেম বস্থনি

भाउत्र मात्र मियानि भाषित। हेटका विश्वामियांचा । ७०॥ ४०ष्र

আশিদানবি।।২৭।। পুনানঃ সোম ধারুয়েনেশ বিশা অপশিস্ত্রধঃ। জহি রক্ষাংসি স্থক্রতো।।

ফিক্সবঃ। স্বত্তো বিশা অপাদ্বিঃ।। ২৬।। প্ৰমানঃ দিবস্থাগ্ডারকাদ্স্কত। পৃথিব্যা

मर्कार शीष्टिर्वेथा ज्यमावः। त्रा किनिक्रमर्विज्ञ। रंगा त्राणः घीष्टित्रधुरः त्रांमरुज्ञ

বোইচ্ছা সমুদ্রমশিবঃ। ধিয়া জুতা অনুস্ক্ষত॥ ১৬॥ সৃস্জানাস আয়বো র্থা সমুদ্রমিক্বঃ। ১৮৩ জ্ঞপবেশনিং হিরণায়ং প্রাশুঋতস্য সীদতি। জহাত্যপ্রচেত্সঃ।। ২০।। অভিবেশা অর্-শ্বনানে। দেববীতয় ইন্দস্ত পাহি নিক্ষতম্। দ্যুতো নো বাজিভিধ্তঃ॥ ১৫॥ প্রহিষাস ইন্দ-॥ ।। इन्द्रः भविकत्कजनः थियः कवीनार मजी। म्डमम्भे द्वीतिव ॥ ।। अभिर्वत्य भवित जा म्ह। इन्मविन्नाय भीजात् ॥ ১२॥ इत्य भवय थात्रा सकामात्ना मनीविष्टिः। इत्मोक्गा-जिंगो हे हि॥ ১७ ॥ श्रूनोरन विविवक्रशुख्छि छन्। तिर्विषः । हति क्षांन व्यानिव्य ॥ ५८॥ ১৮।। मिन्नों विकार अला भेष्र युक्रान श्वकान है। यार मगूस व्याहिकः ।। ১৯॥ मगुष्ड त्रांग भिष्यत्म ॥ ।।। रिशात्ना वांक्नियाति भवमान विधर्माण। जाकार त्राता न स्र्याः দেশাবীঃ প্ৰ্যক্ষর । সীদল্ল ত্য্য ঘোদিমা॥ ১১॥ সনেঃ অর্প প্রিত্র আ মদো যো দেববীত ष्मभाग्न, उमा (यानिम्।।। ১१।। भित्रिंगोभाष्यग्रस्थियो वस्ट्रमोक्नमः। भाष्टि नः गर्भ वीत्रवर। প্রতে সর্গা অস্ফাত। স্থ্যসোধন রশায়ঃ।।৭॥ কেতুং রুণ্ন্ দিবস্পারি বিশ্বারুপাভার্সি। তে বিশ্বা দাশুযে বস্তু সোমা দিনুয়ানি পাথিবা। পবতামাশুরিক্ষা।।১।। পবমানসং বিশ্ববিৎ

महब्बज्जात्र विद्युष्ट (प्रमिष्ट मथस्त्रायम्। श्रुमान हेम्पराज्य ॥ १५॥ श्रुमान हेम्परवर्षाः श्रुक्ष् ষতে ঘক্ষতি প্রচতসঃ। সজ্জন্তাবিচেতসঃ ॥ ২১॥ ইত্রায়েন্দে। মরুত্তে প্রস্থ মধু-मत्त्रमः। अन्त्रमा त्यांनिमांममम् ॥ २२ ॥ ७९ जा विथा वर्हाविषः भिन्नम् छि (वस्माः॥ স জা হজস্তায্যৰঃ।। ২৩।। রুসং তে মিত্রো অর্য্যা পিবজি বরুণঃ কবে। প্রমান্স্য মরুতঃ॥ ২৪॥ জুং সোম বিপাশ্চিতং পুনানো বাচমিষ্যসি। ইন্দো সহস্রভণ্সং । ২৫॥ উতো

বিচাসে ফ্জামানো গভজ্যোঃ। দেণা স্বস্থ্যক্ষে ॥ ১॥ প্ৰেমানায় ব্যথ্য প্ৰমানায় काथाः॥ ।। । जाभवक् क्रवीर्मक्ष मन्नमानः कात्र्य। हेट्हा किन्नवाभिहि॥ ८॥ यन्षिः भदिः अन्नामाम्। थियः ममूज्यादिन ॥ २१॥ मिषिगुञ्जा क्रां भित्रोज्का क्षां (सामाः শুক্রা গবা শিরঃ।। ২৮।। হিশ্বানো হেতুভির্যত আবাজবাজ্যং ক্রমীৎ। সীদজো বয়ুষো ক্লচা দেবেভাস্পার। বিশাবসুন্যাবিশ।।২।। আপব্যান স্ট্তিং র্ফিং দেবে-(जा) मूबः। हेरम भवत्र त्रश्या। ७॥ त्रमा श्री जाना मृभ्यः वा स्वाग्रहः भवगान ষঞ্।। ২৯।। খাধক্ সোম স্বস্ত্রে সংজ্ঞানো দিবঃ কবিঃ। প্রস্থ স্থেগা দুশো।৩০॥ ৬৪স্থ . : हिम्निछि यूत्रमूखा अस्ता (योकामश्रम्भिष्। महामिन्द्र महीश्रवः॥ ১॥ भवमान क्रा

তে মদং রসন্তী দুহ্তাদ্রিভিঃ। স প্রসাতিমাতিহা॥১৫॥ রাজা সেঘাভিরীয়তে প্রমানো भोज्र ॥ ৮॥ ज्यु (ज वाक्षित्म वग्नः विषोधमामि किंग्रियः। मिष्युमाइगीमरः॥ भ কুষা প্ৰস্থ ধারয়া মকুত্বতে চ মুৎসরঃ। বিশাদ্ধান জ্জুসা।। ১০॥ তত্ত্বা ধ্রুবিমোণ্যারেঃ -युक्र नारकायु (ठाएरा ॥ ১२॥ ज्यान हरम्म महामिष्य भव्य वृक्तवर्धियः। ज्याचार त्याम গাঁত্বিৎ॥১৩॥ অকলশা অনুষতে দোধারাভিরোজমাণ ইন্দুস্য পীত্যে বিশ ॥১৪॥ যক্ষ মুনাব্ধি। অন্তরিক্ষণ পাত্রে। ১৬॥ জান ইন্দো শত্রিন্ৎ গ্রাৎ পোষ্থ স্থাম্। বহাত ज्यकी मांम मूरमज्जामां चित्रानानि त्राकृत्य । मीम्न् त्यारना न त्यानिमा ॥ऽभा ज्यामाहेलाष दिच्छः। काभिवञ्च मङ्ज्ञिनम्। २১॥ त्य त्मामामः भदावि एय व्यक्तावि द्विषितः। त्य वामः ১৮৪ गोश्र । महम् मर्जनस्य । १॥ भ भ भ प्री प्रमुक्त जर्दाहर रिष्म होषिष्टिः। रेक्नु मिक्स । প্ৰমান স্বদ্শাম। হিলে বাজেমু বাজিনম॥১১॥ অ্যাচিত। বিপান্য। হরিঃ প্ৰস্থার্য।। भिष्मिज्य जरम ॥ ५१ ॥ ज्यां मः त्मांम मरक्षिष्ट्रां क्रमेर म वर्ष्टरम जन। स्वष्तां । त्मवर्षे जिरम ॥ ५४ ॥ বায়ৰে বকুণায় মকুদ্ধাঃ। সোমে অৰ্থিত বিষ্ণবে॥ ২০॥ ই্ষন্ তোকায় নো দ্ধদস্মভাৎ সোম

সপ্তয়ঃ। জীণানা অঙ্গা ২৬।। তং স্বাস্ত্তেষাভূবো হিদ্নির দেবতাতায়ে। সূপাব-তে নো বৃষ্টিং দিৰম্পরি পৰন্তামাস্কাটম্। স্থবানা দেবাস ইন্দৰঃ॥২৪॥ পৰতে হর্তা হরি গুণানে। জম্পশীনা। হিন্নানো গোর্ষিত্রচি।। ২৫।। প্রশুক্রাসো বয়োজুবো হিন্নানান २৮। जामक्समांवत्त्रनामांविश्रमांविश्रमांवनीविनम्। भोखमा॰।२३। जा त्रतिः माधुरुठजनमाञ्चकरका उत्या। भारत्या । । ७०। ४१ स्०। हि अक्ष्यिकिस्ङाध्वक् भावमानस्क्रम्। (या न শুপ্ৰাবতি । ২২॥ য আছ্লীকেয়ু কুত্মস্ক যে মধ্যে পজ্যানাম্। যে বা জনেমু পঞ্স । ২৩। ৰান্যা কচা ।২৭। আ তে দক্ষং ম্যোতুবং বহিন্যদ্যা বুণী মহে। পাত্তমা পুরুম্পুহম্।

स्रुभरनी मा ज्ञा विममिष्र्यमान् बीरता काळा। निवासमा श्रीमन किनक्रम र सममराना छन्न-ऋगकलम्। कनिक्रमिष्ठापि कृष्टम मकलप्रके। गृष्ममन श्रोधिष्ये भ् छन्तः किमिक्षन अभकत्रक अकूत्न ख्वामियां वा कांत्रिमध्छ। विष्णा ह विष्या । या या वा त्यान छेष्यीया। রূপীজ্যো দেবতা তৎপ্রীণ বিণ। ওঁ কনিক্রদজ্জনুষ্থ প্রক্রবাণ ইয়তি বাচমরিতেব নাবমু। . सिमिक्छकम्। ख्र त्मारमज्ञामि (म्हम्० ५,२ ण्रे) थायद। म् ऽज्यविष ७० च्यूनिर्मात्वम्।

भिक् नामी वरम् । अवस्त्रम् मिमनाउठ। गृष्टानाः स्थमकतना उपगामी नाकृत्छ। मा

नांखागांकी नेंच हेव्योगी हेजामिर्गावश्य रिमर्ठ थातिष्ठें प् हम्सः नित्या-नः त्यम क्ष्मा मायणरत्मा विष्यत्मम विमर्थ स्वीद्राः ॥ । ॥ (था॰ २म॰ ८२स्०),

বকুণাবিষিশা শাম্। শামঃ হাফতাং, হাফতানি সন্ত শাম ই্যিরো অভিবাতু বাতঃ। শামো ১৮৫ ज्जा है। महिमा याजा मामु यक्ती तमा जास माम डिमानी डरके यथां डिशा मार हामिनी इरिको শঙ্কো অন্তিঃ শল্মো দেবানাং সূত্ৰণানি সন্ত। শল্মো অগ্নিজ্জোতিরনীকো অস্ত শল্মো মিত্রা न्द्रम त्मनंद्राः मास्त्रिकरम विशा के मात्र इन्द्राधी एवकाग्रदाधिः मात्र इन्द्रावक्रमा जाक হন্ধা। শমিক্রাসোমা স্থবিতায় শংবেষঃ শম ইক্রাপুষণা বাজসাতে।। শামো ডগঃ শমুনঃ শংমো অস্ত শারঃ পুরক্ষিঃ শামু সন্ত রায়ঃ। শারঃ সত্যেশ ন্যুযম্স শংসঃ শারো অর্যা পুরুজা मग्रां श्रीयेरी शुर्ककृटकी भगखितिकः मृमारत्र त्मा जास्र। भाग अवधीर्कामत्मा खब्स भएमा

সঃ। শলে। ফলে। ফলেভিক্রেলাযঃ শলস্থকাগাভিরিহ শ্লোজু। শলঃ সোমে। ভবকু রজসম্পতিরস্ত জিষ্ডু।। ১॥ শল ইল্ডোবস্থতির্দেবে। অস্ত শমাদিত্যেতির্দ্ধরুপঃ সুশং--

লাগ্যাণঃ শামে। ভবন্তু মদ্যে। বিভাতীঃ। শামঃ পৰ্জনো ভবতু প্ৰজাভাঃ শামঃ কোত্ৰস্ত उरक्ष मञ्जू मिन्नयः मंगू मखाभः। मामा जामि जिल्वकू वर्णिषः भाषा धरक् गक्रकः স্কাঃ। শলো বিষ্ণু, শামু পুষা নো জান্ত শলো ভবিত্ৰং শাষ্ত্ৰ বায়ুঃ।। শং নো দেবঃ সবিতা ত্তর মানত শাস্তা প্রাধাণঃ শাসু সন্ত মতকা। শাসঃ স্রুণাং মিতয়ো ভবত শাসঃ প্রস্থ শাস্ত ৰেদিঃ। শান্তঃ সুৰ্য উক্তচক্ষা উদেতু শান্তৰতত্তঃ প্ৰদিশো ভৰন্ত ॥ শান্তঃ পৰ্বতা ফৰয়ো

ম্মেধিজানা আমতা ঋতত্তাঃ। ২ত নোরাসভামুক্ণায়ম্দা মুয়পাত স্থিতিতঃ সদানঃ॥৩॥ ब्बक्रक्रक्क्यकियो कान्न भटिमार्शस्य भारत् भारत्या भटिमा कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या अभिर्धितक एमवरमाया। व्यामित्या कवा वमर्ता क्ष्यरत्यमः जम कियमाः मरीयः। मृषु ख স্তিরস্ত শব্ধুঃ। ২। শল্লা দেবা বিশ্বদেবা ভবস্ত শং সরস্তী সহ ধীভিরস্ত। শ্মভিষাচঃ অর্ক্ডঃ শমু সন্ত গাবঃ। শল ঋতবঃ স্কৃতঃ স্কৃতীঃ শানে। ভবস্ত পিতরো হবেয়। শামে। त्म क्षियाः भाषिवारमा त्मोकाजा छेउ त्र मिकाशमः। त्य क्षितामाः मिकाश मिकामान শমুরাতিষাচঃ শং নে। দিব্যাঃ পাধিবাঃ শলো অপাঃ । শমঃ সত্য পত্রো ভবন্ত শলো

(湖 の 日 和 の の の で か 。)

সবিতা শিষ্টানামাজা দেবতা তৎশ্রীত বি । ও দেব সবিতঃ প্রস্থব মজং প্রস্থব মজ সবিতদুরিতাদি পরাসুব। যদ্ভদুং তন্ন আসুব॥ ৩॥ বিভক্তারং হ্বামুহে ব্যোক্তিনুস্থ उदमिव्यूर्सद्वनार ज्ञानी (मवन्य धीर्माष्ट्र। बिह्या (या नः व्याकामग्रोद्ध। १॥ विश्वामि (मव পতিং ভগায়। দিব্যো গন্ধর্মঃ কেতপুঃ কেতং নঃ পুনাতু বাচম্পতির্কাচং নঃ স্বদতু॥১॥ षाथ यंकुटर्सिमिषांत्रभानमाठाञ्चलामीनाज्यितात्व जानि ह मिक्किल बात्रभात्नो ज् ক্রান্ পুক্ষস্তুক্তকম্। শৌকাধ্যায়ং শুক্রিয়ঞ্চ মণ্ডলাধ্যায়মের চেতি দানপারিজাতে ক্রোকাখ্যায়ঃ দেব সবিতরিত্যাদিঃ ত্রিংশত্রেমাহংগায়ঃ। তত্ত্ব নারায়ণপুরুষ খাষিঃ न्नास्काष्ट्रकः क्रनुष्यभाजे हेळामि व्यक्नीहि भग्रामिकात्वः पक्षक्रम् (२८पं॰ २९)॰ আদ্যায়াজিউ প্ দিতীয়াদিতিস্ণাং গায়ত্রী, শিষ্টানাং যজুফু চ্ছিন্দোহভাবঃ আদ্যচতস্থাং डेंक्नामि। उत्र क्रम्यूक्र नगर्ख क्रायुठार्मि (५५६, ५५६ १० ४,५५५) थोधक्रम्। इस्कूक्कम् हेसः विश्वा हैजामि अक्मिनकिः क्रुकम् (२२म०५ १०) शाखनम्। • शूक्रमञ्जूष्टः मह्जनीर्त्यजामि (১১৫, ১১৯.भ॰ ১, २, ५, ५) थाक्षजम्। ২প০ জা০ ১০মপং পর্যান্তম্) (মা০ ৪ম০৪স্থত১,২,৩,৪,৫মন্ত্রাঃ)

তপদে শুদ্ধং তম্পে ডক্তরং নারকায় বীরহণং পাপাদে ক্রীব্যাক্রয়ায়া অয়োগুং কামায় পুঁশচলুমতিকুন্টার মাগধন্॥ ৫॥ নৃতার স্তৎ দীতার শৈলুষৎ ধর্মার সভাচরৎ নরি-कोटेंग जीमन् नर्मात्र त्रज्ञ रुमात्र क्रांत्रिमानकात्र जीवर्षः अमत्म कुमात्रीश्रज्ञः त्मथादेत त्रथ् उधिमः। मिविতात्रः म्हक्तमम्॥ ८॥ जक्तर्ने जोक्तंरः क्वांत्र त्राज्नारः मक्टब्ता देनणः কুঁবিং ধৈৰ্যায় ভক্ষাণ্য ॥ ৬॥ ভপমে কৈলালং মায়াইয় কৰ্মাঃং রূপায় মণিকারং ৩৫ভ বৃপীৎ শারব্যায়া ইয়ুকারং হেটত্য ধন্ত্যমারং কর্মনে জ্যাকরং দিফায় রজ্জু মর্জ্ড ফ্ড্যবে স্গীয়মন্তকায় খনিনম্॥ १॥ নদীতাঃ পৌজিষ্ঠস্দীকাভোগ টন্যাদৎ পুরুষব্যাত্রায় দুর্ঘদং পৰিতায় ভিষকং প্ৰজানায় নক্ষত্ৰদৰ্শমাশিকাট্য প্ৰশান্মস্থলিকায়া অভিপ্ৰিন্ত মৰ্গা-গদ্ধবিশিলরোভ্যো তাত্যিং প্রযুণ্ভ্য উন্নতং সপ্দেবজনেভ্যোষ্প্রতিপদময়েভ্যঃ কিতবদী-র্জায়া অকিতবং পিশাচেভো বিদলকারীং বাতুধানীভাঃ কটকীকারীয় ॥৮॥ সন্ধ্রে জারং শিক্ষটতা পেশকারীং সংজ্ঞানায় সারকারীং প্রকামেদ্যায়োপসদং বণায়াতুরুংং বলায়ো-:গহায়োপপতিমাঠেজ্য পরিবিত্তং নিশ্ম'ঠৈত্য পরিবিবিদানম্রাদ্ধা এদিধিয়ুঃপতিং भमाम्॥ ॥ छ<मारम्छ। कुक्कः अगुरम वागमः घाँछाः जागः यथाग्राक्रमध्याग्र विविद्

निन्धाखिकिन वर्गाय मानकुटः मीनाश्राक्षनीकात्रीः निर्भाटेठा कामकामीः यमाग्रायम् ॥५८॥ ५४० म्रह्र मार्षाचाम्कर्मम् ॥३०॥ मरबार्ष्णा देश्वव्युशेष्ट्राव्हार्ष्णा मान् देवभार्धार्ष्णा देवम् नष् हामा**डीपुरो**षिष्टमत्राधाणिकष्ठी वदमत्रात्र विक्षत्रार मरवरमत्रात्र भनिक्रीपृष्टाशिष्टम-কোষায় নিসরৎ যোগায় যোজারং শোকায়াভিসন্তারং ক্ষেমায় বিষোজারমুৎকুলনিক্-वमांश वमस्यम्थर्दाज्ञांश्वराजांकाः मध्वदमद्रांश भर्गातिनीः भत्रिवदमद्रावाविकाजामित्रिका রিভারণ মর্কেভায় লোকেত্য উপসেক্তারমবঋটত্য বধায়োপমস্থিতারণু মেধায় বাসঃপন্যা-नीर अकामांग्र उक्तिकोम् ॥ २२ ॥ भाषांग्र त्थनक्तमार देवव्हणांग्र भिष्मर विविदेका क्कंडाद्रवाभिष्के ग्राम्नक्कडाइर वनाग्राह्रहर जूरम भीत्रक्कर विद्यां विप्रवाक्तिमतिको ंज्यभूमांमः ष्यभीष्र त्नाकाष्र ज्ञानमूषः वर्षिकाष्र नाकाष्र मत्रित्वकोत्रम् ॥ ५७॥ मन्।रित्रष्यांभिः मारेष अभावियांक्य् ॥ ১० ॥ व्यामारिका इकिमर कवांबार्षमर शुरेका त्यांमानर बीर्याबा-वित्वथमाथाक्षामाक्षकातम्॥ ১১॥ जारैम मार्काहात्रः थाजात्र। जारपाधः उप्रमा विकेशाता-বিশালং তেজমেহজপালফিরাটের কীনাশং কীলালায় স্করাকারং ভদ্রায় গৃহপং ভোয়মে ভিষেক্তারং ব্বিষ্ঠায় নাকায় পরিবেষ্টারং দেবলোকায় পোশতারং মনুষালোকায় প্রক-

<u>त्वकाः किर्मित्र ज्ञमारम किलाममत्य ७ ज्ञर शिकां मध्य तारेवा क्यः भिकां मध्य ॥ २५॥</u> पुरम्ब्बुर स्माग्न कान्निः योम्टम भावनगार धामगार नगकमञ्जिकाभकः जान, मङ्ग नैगावाष्ट्र भागिष्यः जूनवश्राः जात्र्जाग्रानमांत्र जनवत् ॥ २०॥ ज्यारत्र भीवानः भृषि-পৌলক্ষাৎ বৰ্ণায় হিৱৰ্যকারুৎ তুলাইয় বাণিজং পশ্চাদোষায় গ্লাবিন্ৎ বিশ্বেজা ভূতেভাঃ সিখালং ভূতৈ জাগরণমভূতে স্প্নমাতি জনবাদিনং হাদ্ধা অপ্রান্তং সংশ্রায় প্র-চ্ছিদম্।। ১৭।। অক্ষরাজায় কিতবং ক্তায়াদিনবদশং বেতারৈ কণিপানং দাপরায়াধিক-অন্তুনং ঘোষায় ভষমন্তায় বহুবাদিনমন্তায় মুকং শক্ষায়াড্যরাঘাতং মহসে বাণাবাদং देवा मीठेम्मिन् वात्रात्व छ्यानमञ्जतिकात्र वर्षान्विवर मित्व थन्ति स्वाजिर सूर्यात्र स्वाकर नक ভাঃ পণিকং শুহাভাঃ কিরাতং সাক্তোে জন্ত্রকং পর্বতেভাঃ কিন্সু কুষ্ম্॥ ১১॥ বীভৎসারৈ ভিক্ষমাণ উপভিষতি দুক্ষতায় চরকাচার্থ্যং পাপাুনে শৈলগম্।। ১৮।। প্রতিক্রংকায়া শিশনমাক্ষনদায় সভাক্ষাণুং স্ত্যবে গোব্যজ্যত্তকায় গোষাতং ফুধে যো গাং বিক্ততং লাত্যঃশৌদ্ধলং পারায় মার্গারমবারায় কৈবর্জং তীর্ষেভ্য আন্দং বিষ্মেত্ত্যা মৈনালং ষনে-द्वाणाय जुनवध्यमवत्रम्थताय माख्यध्यः वनाय वनभगवनाय मांवर्गम् ॥ ১৯ ॥

অবৈতানটো বিরূপানালভতে্বতিদীর্ঘ চাতিহ্বস্থ চাতিষ্ট্লং চাতিকশং চাতিশুরুং চাভিক্ষং চাতিকুলুং চাতিলোকশৃষ্। অশুদ্রা অবাধান্তে প্রাক্রাপত্যাঃ। মাগধঃ পুংশ্চ-

नांश्वाम्)। ७। क्यां निक्वा व्यांकृषम्जी ममरिव्धः मथा। क्यां मिक्यां वृज्य । ८। ८४४ की जुर म छेठाछि अवम्मत्म व्यन्। कन्ना त्याक्षा जांछत। (जेन्यर भाष्ठम्।।। मयीनायविधा अतिष्वाम् । भाषः खराष्ट्राणिष्टः। (क्ऽरेमच्यः भाषात्रम्) । ७। क कच्चा भरजा यमानार मर्शहरकी मस्ममन्त्रमा । मृंग िमांकरक वन्न । द। जाजी मुं अक्तिशः भौकाषात्रः। यथा याहर वाहिषिकामिष्पात्रमा मधाङ्काथर्त्वन यात्रः हम कामि-.वांबर वापाता, ठक्क द्यांबर वापाता, वार्गांकः मेरश्रका मित्र वानापारमे (पक्ष यक्ष्रिय नित्काक्रोम्बर्जात्।। अत्य विज्ञः ठक्कत्या क्षमग्रमा मन्त्रमा वाण्डिक्षः মুহ্ম্পতির্ম ডদ্বাতু। শংনো ভবতু ভুবন্স্য সম্প্রতঃ। (বার্শ্পতাং পাওজেষম্)। ২। ङ्खंबर यः जरमिक्ट्रवत्त्रभार ज्यां एमवमा थीमहि। थित्रा त्या नः थारामग्रार । (माविज्ञ कर खाँ जिम्ला प्रकारण भाषिनार्ट विग । ज यह पाहर प्रनिर्ध, मत्ना यकु धरिता, माम নী কিতবঃ ক্লীবোইশুদ্রা অব্যাদাণ্ডেক প্রাজাপাত্যাঃ॥ ২২॥ (মৃ৽ ৩০ অ০ আদ্যন্তঃ)।

क्रमा विश्वमा बाक्कि। ग९ ८मा ज्यु विभटन ग९ ५ कुष्मात्म। (टेन्मीफविराक्रियम्म)। । শং নো দিত্তঃ শং বরুণঃ শং নো ভবত্ত্যমা। শাল্প ইন্দোর্হস্পতিঃ শালো বিষণ্ড করু-

क्रमः॥ ॥ ॥ भ१८मा वांडः भवडार अर्भखाषु क्रमिः। भर मः किमिकारफ्यः शर्कामा আভিবৰ্জু। (মৃ Jচং দৈত্ৰাবক্লণাস্থ্তম্)।। ১০।। অহানি শং ভবন্ত নঃ শং রাত্রীঃ প্রতি-

• প্রায়তামু। শাল ইন্দাগ্রী ভবতামবোভিঃ শংন ইন্দাবরুণা রাতহ্ব্যা। শং ন ইন্দাপ্যণা-- ব্যক্তমাতে। শমিক্রাসোমা সুবিতায় শংযোগ। (আদ্যুৎ ইন্পাদ্ণায়ত্রমন্ত্যুৎ বিদ্ क्षाकरेष्यज्य) 1 55 1 . मार त्मा त्म दीव्रिक्यिय जारम्। ज्यस्य भीज्यम्। मार्याव्यिष्यम्

• नंड । (गांशज्यदेमवज्य)॥ ১२ ॥ त्याना श्रीयि दिना ज्याक्ष्मत्रां निरवस्ते। यक्षा नः भर्षा ১৫ ॥ তথ্যা আনরং গমাম বোষস্যু মন্ত্রায় জিমুখ। আংপোজনম্থ। চনঃ। (তুচং গায়ত্রম-রণায় চক্ষমে ॥ ১৪ ॥ যে। বং শিবতমো রসম্ভস্ত ভাজয়তেহ নঃ। উশতীরির মাতরঃ॥ . সপ্রায়ঃ। (ভৌমং গায়ত্রম্) ॥ ১৩ ॥ আপো হি ঠা ময়ে। ভূবস্তা ন উজে দধাতন। মহে टेक्बरुम्)॥ ১५॥ (म्रोः माजिह्नज्जिकः नान्तिः भाषिः भाष्ति। भाजिताभः माख्तितासभाः

শান্তিঃ। বনক্ষতেয়ঃ শান্তিবিশ্বে দেবাঃ শান্তির দা শান্তিঃ শান্তিরেব শান্তিঃ সাম শান্তি

वि)।। ১৯।। नगरक क्रारम (भौडिर नगरख जायुक्तिम। जन्मां एक जम्मक्रमेख (क्ष्माः প্ৰিকে অন্যত্যং শিবে তব (বাৰ্তমাগ্ৰেয়ম্) ॥ ২০।। নমজে অন্ত বিদ্যুতে নমজে জন ঞিজুৰে। নমজে ভগৰুলস্ত যতঃ ফঃ সমীহসে॥ ২১॥ যতো যতঃ মমীহসে ততো নো त्कारक मरमृत्य कोवामर रक्नारक मरमृत्य कोवामम् (निरम्नकिरमवर्गान वीनि यक्र-১৮১ রেখি॥ ১৭॥ দৃতে দৃংহ মা মিক্রস মা চকুষ। সর্বাণি ভূতানি সমীক্ষতাম্। মিত্রসাহং क्क्या मर्वान क्लाम ममीएक। मित्रक क्क्या ममीकामटर ॥ ১৮॥ मृत्य पृश्य मा

ক্ৰেড্ৰেদ্ভিদ্ভিল্টিপ্যতে ভন্মহাৰতং তানি সামানি স সামাং লোকোহথ য এষ এডস্মিম্ঙলে মঙলাধ্যায়ঃ। ও যদেতমঙলং তপতি তমহদুক্থং তা ঋচঃ স ঋচাং লোকোইশ শরদঃ শতং ভ্রফ শরদঃ শতাৎ (সেরিং টের্ছ ুভ্য়্।২৪।। ্ষণ ৬১আণ আদ্যভঃ]

नहमृह निष्ट कीट्रिय नहमृह निष्य्। न्नृत्याम नहमृह निष्ट् প्रदाम नहमृह निष्ये माम १४२

रैक्बरुम्)।। २२ ॥ ज्यमिनाम् । जार्भ अयथमः मुर्मिम्नग्रहेम मछ (यारमाम् (मुक्

অবভূয়ং কুরু। শং নঃ কুরু প্রজাভোষ্ডেয়ং নঃ প্রজাভাঃ। (দ্যুচমানুষ্টু ভং স্তন্যিজু ভগব

ৰ্পঃ ৰয়ং দিয়াঃ। (বারুণং যজুঃ)॥ ২৩। তচেকুদেৰেহিতং পুরস্তাচ্ছ্য ক্রমুচ্চরৎ পলোষ

अश स्कूछ। य अब अक्षिम्भकान श्रुक्त्यार्देष्ठमंत्रकः यत्मक्षिमिषात् ज्याम् कू। পুরুষঃ সোহয়িক্তানি যকুণ্যি স যজুষাৎ লোকঃ । ১। সৈষা ত্রাঘ্যের বিদ্যা তপতি তকৈ उम्भाविष्टार जाष्ट्र हो वा व्या विमा उभनी वाग्रेय वर्भ गानी वम् । र। म

ক্তে তমেম বজ্তে সর্কতো হোনেন পরিষ্তো ফতোরাল্যা-বিবস্বতীত্যেতস্মিন্ হি মণ্ডল এতস্ত র্ন মিয়তেহফতে ছ্রন্তমাদুন দৃশ্চতেহফতে হ্নতঃ। ৩। তদেয় শ্লোকো ভবতি। অভরং ঞ্তোরফডমিতাবরং ছেতমা তোরফতং ফত্যাবফতমাহিতমিতোতমিন্ হি পুরুষ এতমাঞ্লং প্রশিত্তিতং তপতি স্তু:বিব্যন্তং ব্তুইত্যমে বা আদিত্ত্যা বিব্যানেয হাহোরাত্রে বিব-

जुशिके भित्रमाउ अञ्मिष्टि । इ उन्जोज्यित्य । १। ज्यापित्यक्षे। याम् শাশুলং তপতীত্যয়ং স রুক্যোহথ যদেতদন্দিশীপ্তে ইদং ভংপুষ্করপর্ণাপো স্থেতা আ ছিন্দা ইত্যেতাৎ হ স প্রতিষাং ছিন্তে যো মহদুক্থং পরবৈষ শংসতি ত্রাদুক্থশাসং -खं ह भूक्षरेखण्याक्षणः अधिका ज्याम्हरूक्षः भारत्यः न भारत्यातामणाः अधिकाः गः भूकत्रभागम् य अय अञ्जिष्माखरम भूकर्याक्षरमय म त्याक्षर विज्ञासः भूकमच्डरम्खरम् পুরুষস্তাইত্মতদেষ শ্লোকো ভরতি । ৪। তা্যোধা এত্রোঃ। উভয়োরেতস্ত চার্চিষ এত

দেব। এতাং বিধৃতিমকুর্ধন্নাদিকাং তমাজ্জায়ায়। অত্তে নাশীয়াদীব্যবান্ হামাজ্জায়তে ১৯০ देवज्ञात्रः मः फ्रैटडाटहा भाषट् जम्यक्रोध्यत्रं मश्क्राम्बन्धः मार्काम्बन्धः मार्कामि ज्यथाधाःज्यम्। यतमञ्ज्ञाक्षनः जन्नि यदेन्धम क्रम् इमर जष्क्रक्रमभन्नय यतमजम्कि मीलाट गरैफाउर श्रुक्तत्रमर्गिमर उद्क्षभ्यक्षम्भ य अय् अञ्जामामुखाल श्रुक्रमा यरैक्ष - ब्रिन्नायः शुक्रत्यार्र्यतमत मः (यात्र्यः मिक्तिनश्कमन् श्रक्यः। १। म अय (मत्ताकः शुने। জামেষ মর্মেষ্ট্রিরভিদম্পদ্যতে তথৈশুভিদ্মিধ্নং যোহয়ং সব্যেষ্কন্ পুরুষোহদ্মমু ইহতদা-জ্বনে। যশ্মিপুরং যদা বৈ সহ মিপুনেনাথ সর্কোহথ ক্লকেঃ ক্রক্সভারে। তদ্যতে দে ভবতো • দ্বন্ধুং হি নিথুনং প্রজননং তমাদ্বে দে লোকং পূণে উপশ্যয়েতে তমাদুদাভ্যাং চিতিং প্রণ •श्चि॥ ৮। मनम ज्ञानसः। त्याप्तः मिक्कानस्कन् शूक्रायाप्राभक्तानो जांजार বীধ্যবন্তমুহ দা জনয়তি যদ্যা অত্তে নামাতি॥ ১॥ তদেতদেবত্তম্। রাজন্যবন্ধবো মনুষ্যাণামনুতমাং গোপায়ত্তি তমাদু তেয়ু বীধ্যবান্ জায়তেঙ্ফ্তবাক। বয়সাং সা ক্ষি--अरमामः जनश्जि ॥ २०॥ (७) कामग्रकाकामः व्यक्तरवका मिथुनीज्वकत्को यम्। मिथु-এয তপতি তমাদ্মিং নাজিয়েত পরিহ্তমমুত্র হোষ ত্দা ভবতীতু।এবাধিষজ্ঞম্। ৬।

বাচালুস্য রসং বিজানাতি ন প্রাণেন গন্ধু বিজানাতি ন চফুষাপ্ততি ন শোত্রেণ শ্বো-` .मधीतिष्टः ताष्ट्राज्यं टेहज्य शुक्रमः युभिन् जम्यया टेह्रवम् मान्यमा मिथूनमाज्यः गद्या ।১১। তক্সাচেৰংবিৎ স্বপ্যাৎ। লোক্যং ইইতেএৰ তদ্ধেৰতে মিথুনেন প্ৰিয়েণ ধান্ধা সমন্ধ্য-क्ष्मम् शुक्रमुख्यम् ट्रिज्जम् स्मरम् शीमायिङ्ज् । जो देश्जमाष्ट्रिमायकामिज म यत्माय-क्रीमजाय रेड्ड प्रकाम चित्राज जमाम रेड्ड विज्ञाक्साक्सारमाजि । ১०।। जम छ <u> শ্</u>রাণ্ড - এম হীমাঃ সর্বাঃ প্রজাঃ প্রণয়তি তম্সাতে প্রাণাঃ স্বাঃ স মদা স্বাপিত্যথৈন্ পরোক্ষকামা ছি দেবাং। ১৪॥ স এটতঃ স্থস্তঃ। ন কসা চ ন বেদ ন মনসা সংকণ্ণায়তি ন ভ্যেতং ছেতে তদাপীতা ভবন্তি স এষ একঃ সন্ প্রজাস্থ বছ্ধ৷ ব্যাবিউগুসাদেক৷ সতী তি তক্ষাৰ্ধ কপভং ধুৱেৰ ন বোধগ্ৰেদেতে দেবতে নিখুনীভবভ্যো হিনসানীতি তকাদু হৈ তত ক্ৰ্যুষঃ কৌষাণিমিৰ মুৰ্ং ভৰতোতে এৰ তদেৰতে রেতঃ সিঞ্চতস্ত্ৰমান্তেস ইদং সৰ্বাং মেতে আশাঃ স্বা অশিষ্তি তমাৎ স্বাপ্যঃ স্বাপ্যয়া হ্ বৈতিং স্মু ইত্যাচক্ষতে প্রোক্ষ্ সু-বতি যদিদং কিঞ্চ। ১২ ।। সএষ এব স্তুঃ। য এত্যিমাণ্ডলে পুরুষো ষশ্চায়ং দক্ষি-

भंद्रिव मरेक्रिंड हेडक्रमात्रीड मर्कः हेड्डह्रविड मर्कः रेह्मम्बर्ङ्घविडि । २०।। মুন্। ইদমেৰ শ্রীরমন্ত্রপ্যোহ্যং দক্ষিণেহক্ষন্ পুরুষ্ঃ সোহত। সএতিমিন্ননেহ্প শিতে। কৈতি।। ১৯॥ তমেতম্যিরিভার্ষ্যির উপাসতে। ষজুরিভোষ হীদং সর্বং যুনজি সামেতি क्रिंग वाजियान् ही मर मर्त्रर ममान्यूक्थिमिजि वस्त्रा । এय ही मर मर्त्यायां भाष्टि याजू-जिछि यो प्रकृष जारजन होन् मंदर मंदर मंग्र वियमिति मर्गाः मर्भ हिछ मर्गावम छिर्गिष प्रमा-রয়িরিতি মহণা শায়েত্যস্তরাঃ স্বধেতি পিতরো দেবজনইতি দেবজনবিদো রূপমিতি গন্ধর্ম গন্ধ ইত্তপার্সস্তং যথা যথোপাসতে তদেব ভবতি তমিলান্ ভূষাবতি ত্যাদেত-मश्रीयाष्ट्राप्त त्वनाचिरक्षेय यहमावमुन एटाना हूरत ॥ ५९ ॥ जरहम स्मिरिका एवि । -শিষ্পওলে পুরুষঃ সোচ্তা সএতমিলমেইপ্লিতো ভাতীতাধিদৈবতম্।। ১৮।। অথাধ্যা-নো বহবঃ।। ১৬।। তদাছঃ। অভিকে স্ত্যুদ্রা ইতান্তিকে চ দূরে চেতি হ জায়াদ্যদহায়-স্তাক্ত বহবলেচতি হ জাগাদ্যদহাসাবমূত্র তেনৈকোহথ যদিহ প্রজাস্থ বজ্ধা ব্যাবিউজে-১৯১ माक्श भूगं मर्समिष्यज्ञ वज्य यत्मक अव ज्यात्मका ॥ ১৫॥ जमाञ्छः। এकां स्र्युत्तिह्या

• जथ मांगटविष्मोठेष्ट्रकामीनि वांगटमवार वृष्ट्मांग ६काछमांग त्रथन्त्रम्। ज्यां भूक्य-স্কুকুঞ্জ কুনুস্কুং ততঃপ্রম্। আক্যদোহানি সামানি শান্তিকং ভারুড়ানি চ॥ পাশ্চমে ৰএষ এতবিষয়াণ্ডলে পুরুষো যশ্চায়ং দক্ষিণেইক্ষন্ পুরুষঃ স এষ এবংবিদ আত্মা ভবতি স, য7দবংবিদুশালোকাৎ ১প্রত্যবৈধ্তমেবাজান্মভিসন্তর্বতি সোহস্তো ভব্তি স্তুর্হ্য-প এষ বীউকোষ্মিঃ। ঋণেকা যজুরেকা সাইমকা তদ্যাৎ কাং চাব্রচোপদ্ধাতি কক্মএব भूक्षमभी उट्ट श्क्राह्म बङ्गन्नी जवत्महक्ष्क । २२। मध्य अव स्पूर्ध। আয়তন্মেবং ট্রীউকঃ । ২১। তে বা এতে। উত্তে এষ চ রুক্যা এতচ্চ পুষ্ণরপণ্মেতং ভক্তা আয়তনমধ মাং মকুম। পুরুষ এব তত্তা আয়তনমধ মাং সাম। পুকরপণিমেব ডক্তা मग्राष्ट्रां खर्जि। १७। (य॰ मजभय खांमाल ५० ष० ७४०)

इङ्ध्मांम घामिकि स्वीगट्स हेजायांस्कि नीज्य यथा आमिक्षी। स्वार मा टक्। आ ७৫०। टक्रियों को खेष । के ७८९मां मार्ट्यों। वीका च्यां ७ को २ इवि । দারপালো তু পঠেতাং সামাগোঁ তথা ইতি দানপারিজাতোজানি। তত্র বামদেব্যং কয়া-ন্দিত্র ইত্যস্তাস্চি গীতং সাম তচ্চ (১৪৩ প০১পৃ০) প্রাগুজম্।

জনানামাসন্তঃ পাত্রং জনয়ত্ত দেবাঃ) (সামাণ্চি॰ ১প্রণ ১ অ০ ২দ০ ৫ক০) ইত্যস্য ত্রিধা ১৯২ २३। जार स्वाशिष् रेस मरमिट्याता २३ घार का २७ छोय वर्ता २७ ७ ५२७ ड বাজ্য্য কারবঃ। ত্বাং র্ত্রেষিক্র সংপতিং নরস্থাং কাষ্ঠাস্বর্ধতঃ। (সামার্চিং ৩প্রং 522 जा ७४७ हो वा होडेवा ७। डे ७८मा घर ब्रजांशिय (मेर ज मार दर्मांडम्। जा ७८८ জা-২৩ ৪৫ ঈ ড়া। (সাঁ০ বে০ ৫প্রত ১ জ্বত ২৮,২৯ গাঁ০) গানাশজ্জে। ড়ামিদ্ধি হবামহে সাজে त्रथ खत्रम् जा ভिञ्जा भूत इंटामग्रमि भी उर उमा विमिष्ठं भाषित्र हिने हिन्मे पि॰ होडेना ७। ७ ७२७८ भा । ऽ। जा मिक्ति ह्यांगरह्मांट्यो बांटकां या। मां का ऽ बांया • জোষ্ঠদাম মুদ্ধানমিত্যস্যাহ্দি দীতং (১৩৩,১৩৪ প্রং,১প্রু) প্রাগুক্তং গানাশক্তো মুদ্ধানং দিবো অরতিং পৃথিকা। ইবশানরস্ত আজাতম্গ্রিম্। কবিং সমাজম্তিথিং (होता क्षिक्ता । ७०८ मां महक्षां काकी। य जर स्वः। जा ७१ (हाता ্ তৃৎপ্রী হি আভিত্মা শু।র নোলুমো২ঃ। এয়ি নোর ৬ মাঃ। অ দুর্মাই।ব ধায়ি নবা ২ঃ ऽष्यः (१म० २ मः वृज्यमा विधा क्रभः।

শান্তিপাঠে বি॰। অবোধিয়া। থায়িঃ মমিধা জনা ২, নাম্। প্রতায়ি ধে ৩, রুম্। ইবা-রতী মুষাসম্। যহা ই ত বা। প্রবা ২, যামুজিছানাঃ প্রতানা ২,৩, বাঃ। সমতে নাকমচ্ছ রহ্বঃ। গানাশজো অভি ছাশুর নো ইনোইমোইব ধেনবঃ। ঈশানম্সা জগতঃ भांखिकम्। ष्यद्वाधर्गाभितिष्ठामिकम् अज्ञानिष्यां विष्यं मिष्यिष् अस जाक्क्ष्यः। जार, ७, क्रुं, मिर, ७, ८, ८ (हार्या क्रुंसा क्रुंसा २, ७, ८, ८, ८, १। (मिर (४० ४ ४० ० ४ ४ ११०) हेर छात्र भर्मोश्रिमिङ (क्टिर। जान्ति को भूत्र प्नो स् भारा ७ जाकू २,७,८, मांः। छवा ७। हाउँवा। (मामत्वम्तमाक्यात्म > প्रथमभाग्म) भाठामिछि আজ্যদোহানি দেববতসংজ্ঞানি এনি। (১৩৪,১৩৫,প॰,১,২,২,১,পৃ॰। প্রাণুজানি। এরিনাও বাঙ। আরি শানমতা জনতঃ। স্বাদুশাম্। আদু ৬ শাম্। আরিশানমি। आंतुक्षा हेव (थनवः क्रेमांनगमा क्रांछः। स्वां २, ७, फ्रेमांम्। आंक्रेगांनमस्य २, ७, हेस्रा कुमुन्द्रकुम्। जारवा बाकानमिड्यामिकम्। (১७७,५७८,५८,६,५,२,न्,)योधकुम्। স্বদুশমীশানমিতা তস্তুমঃ। (সামার্কি ওপ্র ১অ০ ৫দ০ ১ম০) ইত্যস্য ত্রিধা জপঃ। भूक्तम्युत्कम्। मर्जमोत्रिज्यापिकः (১०७, ১७१४० २, २,१९) व्याख्याम्।

ভারুড়ালি। ইমং স্থেমিমিড্যাদিকম্য তারুওখাবিজ্ঞাত হন্দুঃ জাত্বেলো মিন্দেব্তা শান্তিজ্বেশ বিল। ইমং স্থেমি ২,৩,৪, মাম্। আহ্তিতে ২,৩,৪,জা। তা। বেদমে ৩। হোরি। এ র্থমী ২,৩,৪, বা। সমাহে ২,৩,৪, মা। মানীম্যা ২। হোরি। তারাহি ২,৩,৪, নাঃ প্রমাতী ২,৩,৪ রা। স্থামংমদে ৩। হোরি। অহাারি মা ২,৩,৪, খারি। মারারি মা ২, এ তা,৪ মা। বায়ং তবা ৩। হো ২,৩,৪,৫ জ লা। মার্মি। হো হারি। নং দা ২.

১০,৪ মা। বায়ং তবা ৩। হো ২,৩,৪,৫ জ লা। মার্মি। হো হারি। নং দা ২.

১৯,৫ রি বাঃ। জরতারিম্। পূবী ৩ বাাঃ বৈশানরাম্। মাত জা। জাত্ময়ম্। কবিং সংযোজমতিথারিম্। জনা ২,৩ নাম্। জাসমঃ পা। তাও ঞ্ন। যাও,৪,৩। জাও मारि जिन्न पर कर ७०। २॥ त्यां यो जिन मुक्ती सांग्रा नर मांग्रि। वा ३७ जा ता जि अधिवा । हिट्टा ह्या ७,। में ७या। टेनचामदाम्। या जा। जानमधीम्। हेटहा ह्या ७ के उंगा किदिर मर्जाका ७ मणि। थिर क्नांनाम्। हेत्रा हैश ७। के ७ शां। जामन् <u> जाक्रण्याम । ह्या १ ट्याममिकारा मिक्सा जाक्ष्यभाषिक्ष्याको ह्यम् ६ को जरबरमा धिरफ्</u>रका भएको खारवाधारिः ममिधा कनानाः अञ्जिषक्षियायञ्जिष्यमम्। यस्ता हेव श्रवद्यागुष्कि-হানাঃ প্রভানবঃ সন্ততে নাকমচ্ছ। (সামার্কি ১প্র০ ২জ০ ৮দ০ ম০১) ইত্যস্ত ত্রিধাজপঃ।

'म्रो'। जा ७ छन। यस त्म्राः। ट्रार्थि देशः ७। अरि। सः २,७,८। छ ६ (हारा। अरि.

७, ८, ८ ॥ ७॥ विद्यदा अहादि। जारिया न भव्ति जमा १, ७, के दि। अक्रिय छि

বয়ে জনয়ত দা২, ত য়ি বাং৷ তং স্থাণিরঃ স্কুত্যো ব্রয়া২,ত আঁ৷ আ'জিন পায়ি

र्मियो २, ७, श्रा ७३। अमिथ। मुरियो २, ७.८ छ ९ (श्र या। ष्याचा २,७,८,९ ६ ॥॥॥ গিরাঃ'। সুকুতয়ঃ। বাজয়তী। হা। যয়ায় দিবে৷ হায়ি। আজীম্। ন গায়িধ্বা২, ৩, हा। वग्ना दिन् हामि। विद्युद्ध। ज्योरमा। न भर्त्व। उन्त भुकाद। हा। यग्नमि मिर्न হায়ি। উক্থায়ি। ভিরা। গেও জন। যতঃ দেবাঃ। হাষয়ায়ি দিবে। হায়ি। তং জা। म् ७३। काता ७। गूरतार, ७, ८, ७,९८ वा। जमार. ७,८,९६। । जातन রাজা। নমধুরতা কুদাম্। হো। তা। রাম্। স। তাযজাত ম্। রোদমীয়োঃ। অগিথ পু। রা। তন্রি। জোর্চিতাথে। হিরণ্য। রূ। পাও ম্ব। সাঙ, ৪,৩ যি। কাত পূর भी ७,६,७ म्।७॥ इसा ७, ১,२,७,८ है। होडे होडे हाडे। दाका ममर्था न। (माडी-রোভীঃ। ওভীঃ। যক্ত ৩,১,২,৩.৪। হাউ। ৩। প্রজীকমাছতং স্থ। তায়িন। আগ্রিনা।

जाशिमा। महा ७,५,२,७,८,९१ । हाउ । हाउा जिही एट मा वाह्या। वाह्या वाह्या जाह्या ७,

५३४ ५, ५, ७, ८ वि ३। होछे। ७। जायमुसमा २,७ मणांछ। वा ७। ही २,७, ८, ६ ॥ १॥ (होत्हा २, । त्रीरहा २,। त्रीरहा हि। ट्रम हाका ममर्थामा ७ मिडी २३। छ छी २ ३।

(ट्रांताहा ७,० डेवा २,७। त्म ७। मिता २, ७, ८, १ म् ॥ १॥ हा। हां छ । (ह्रांति। थी। हाल ৫ (हो। दा २,७,८ ७ ६ (हादा। ७ ७। मिवा २,७,८,६ म्॥ ५०॥ हाउँ। ७। व्याधीम्। वाधा २ ८। वाधा २ ८। वाधा २ ८। ट्योट्या २। ट्योट्या २। ट्योट्यांका जाधिक जमुषमा २, -७ मन्मार्छ। वा ७। ही २,७,८,९ ॥ ৮॥ व्यत्कब्रुना। वृङ्जा या। जियशायिः। ट्यांत्र ट्यांत्र ट्यांत ज्यामूर्यमाम् । छमानाऐ। ट्यांति ट्यांता ७ ट्यांति । ज्याममूर्या। ट्यम् म्ह्राया। वर्यता। ट्यांति र, ७, ८ दिन। जून।। वृह्ना ७। याजियभीः। हा। हां ६ दिन्धि। जार, ७,८ दा। ममा ষষ্ঠ প্রতীক্ষাভ্তং যু ৩ তায়িনা২। আয়িনা২। আয়িনা২। নরো হ্রোভিরীডতে সাও (हाग्नि । कार्त्नाममाग्नि । व्यट्डा (ता । विवीजाग्नि । त्रिणि (हाप्नि ७ । (हाग्नि । मिर्निक्तमा। माग्रुमांन है। हा। हो ७ ८ (हा ग्रिं। जा २,७,८ भाष्। ज्ञा क्षि का ह। (या वर्षा। हा। নরেঃ ৩।দী ৩ থিতি। ভিররণোঃ। হাউ।৩। হাজা। চুতাম্।৩। জন্য।ত প্রশাস্থম্। सि। इयराज ७। त्रात्रवीजी। हा। हाछ ६ ट्रांत्रि। मी २, ७, ८ दांश। किमा। छा ७ मून।

র গ্রমুষসাগশোচি॥ ৫॥ প্রকেণ্ট্না হৃহতা যাত্যামিরারোদনী হৃষভো রোরবীতি। দিবন্দিদন্তা হোতারং সত্যকং রোদফোঃ। অগ্নিং পুরা তন্যিছোরচিভাদিরণারশন্বদে ফুণুধ্য্ ॥৪॥ ইন্ধে রাজী সমর্যো নমোভিষক্ত প্রতীকমান্ততং য়তেন। নরো হবোভিরীলতে সবাধ আয়ি দুপ্মামুদানতপামুপত্তে মহিয়ে। বৰ্দনা ৬॥ অগ্নিং নরে। দীথিতিভিররণোইস্ডচ্যতং জনয়ত্ত দেবাঃ॥২॥ বিত্রদাপোন পর্বত্যত্ত পৃষ্ঠাদুক্থেভিরমে জনয়ত্ত দেবাঃ। তং হা-চুচতাম্। জনয়।ত প্ৰশত্তম্। তথ্য হাই। ও।দুরায়ি।দুশাম্। গৃহপা। তিম্থ-অরতিং পৃথিব্য বৈশ্যানরস্ত আজাত্মগ্রিষ্। কবিং সামাজ্মতিথিং জনানামামনঃ পাত্রং 'বিরঃ স্ফৃতিয়ো বাজয়ত্ত্যাজিল বিশ্বাহে। জিপুরেশাগে।। তাবে। রাজানমধ্রত্ত রুদ্ অর্ধ ৩৮ অব্ধি ১২ গাং) এবং গানাশজে ইমং জোমমহতে জাত্বেদমে রথমীব সংমহেমা इंग्डे। ण मूर्तायि। मुन्नाय् । ण श्रम । जिन्नथर्त्य । स्टि स्टि स्टि ता । मे २,७,८,८ ॥५५॥ "मजीयग्ना। जमा हि नः अगिज्यमाम् मार्थं मर्था महियां वृश् जन॥ ॥ मुर्कानः मिर्ना হাউ।ও। আয়ীষ্। নরোঃ দীও ধিতি। ভিররণোয়। ণোম। ণোঃ। হাউ।ও। হাকা। बुर्गा बुर्गा वुर्मा होडे होडे होडे। ता। के २,७,८,६ ॥ ১২। (मांग० ८व० २ थे० ५. २

537 G

যম প্রস্তরমা হি রোহাঞিরোভিঃ পিতৃতিঃ সংবিদানঃ। আ সামস্রাঃ কবিশস্তা বহস্ত্রেনা প্রাধ্যপঞ্চ শান্তিকাধ্যায়যেমব চ। অথকাণো দারপালো পঠেতামুক্তরাভিত্যে হাত দান
ক্রুণ্ডিরমুং ঘুবানম্। ঘইমং যক্তং মনসা চিকেত প্রণো বোচস্তগিহেই ব্বঃ। (অথ প্তাংক্ত্য কুলি কুরমুং ঘুবানম্। ঘইমং যক্তং মনসা চিকেত প্রণো বোচস্তগিহেই ব্রঃ। (অথ প্তাংক্ত্য কুলি কেচিং। ছল্পেণায় বৃহদ্যায়েত্যাদিকমিত্যন্যে ত্রু সংহিতায়ামদ্ধীপ্রামেশি, তন্।

আক্রিরমম্। অক্রিরমেশ নঃ পিতরো নব্যা অথকাণো ভূগবং সৌম্যামঃ। তেলাং ক্রুণ কুমতে যাক্তিয়ানামপি ভ্রে সৌম্নমে স্যাম্যা । । অক্রিরাভির্জিরাগালীহ যম্

রয়ং কুমতে যাক্রিয়ানামপি ভ্রে সৌম্নমে স্যাম্যা । । অক্রিয়া নিষ্দ্যা । ইমং

রম্প প্রস্তরম্য হি রোহাক্লিরোভিঃ পিতৃতিঃ সংবিদ্যিঃ। আ স্থা মন্ত্রাং কবিশ্সা বহুর্মা রাজন্ হ্রিয়ে। মাদয়স্থ ॥ ৩॥ ইতএত উদাফ্রহন্ দিবস্পৃতানাক্রহন্। প্রভুজ্যো ঘথ: अथा मामिकिहरमा घर्षः॥ ८॥ (जायः० ४४ जाः० ६ कः ५४,४०,४८मः) हेन्डि वहरः। অথাথকনিকানং পাঠ্যস্কুলানি অথকাজিরমং নীলক্ত্রং দেব্যপরাজিতা। মধুস্কুং রৌধসঞ্জানিক্তকাধ্যায়মেব চ। অথকাণে। দারপালে। পঠেতামুভ্রাভিতে। ইতি দান-भः) क्टाडामार जिया जभः।

नीलक्रमम्। यार (७ क्ष च्रुमांन्यमरकर्डा) स्माग्ना ह। इमर जाममा च्रुग्न दिष्टीर অকিরোহমি জম্মনেত্যাদিক্মিতি পাঠ্যমিত্যনো তচ্চ সংহিতায়ামদৃঊহারেই ময়েদি, टम्।

বিবৃহ্যিদি॥১॥ যাত্তে শতং ধমন্যোহজান্ত্বিকিতাঃ। তাসাং তে সর্কাসাং ব্যং শিকিষাণি অয়ামমি॥ ২॥ নমতে কুদ্রাভাতে নমঃ প্রতিছিতারৈ। নমো বিস্জামানারৈ ন্ধ্যা দিপাতিতারৈ॥ ৩॥ (অ্থ০ ৬ অ০ ৯০ক০ ১,২,৩ম০)

জ্মিত্রাণাং পরস্তরাম্।। ১।। মুঢ়াঅমিত্রাতাশীর্ষণ ইবাহ্যঃ। তেষাং বো অ্যিমূঢ়ানা गिट्टिंग इंख वद्र्वद्रम्॥ १॥ जेषु नय् व्याखिन् वदिणख्दर कृषि। भराषात्र अपन् . ज्यानाकिल (मती। भित्रज्यामि मर्स्डिसः श्रां ह मञ्जूः। गुश्यमागुः (मना

রৌধসম্। অভয়ং দ্যাবাপৃথিবী ইহাস্ত নোহত্যং সোদঃ সবিতা নঃ ক্রণোতু। অভ্যুৎ নোইশুৰ্কন্তরিক্ষং দশুখামীণাঞ্ ইবিষাভিঃং নো অস্ত্র ॥১॥ অইম গ্রামায় প্রদিশকতিস উৰ্জন্ধ স্বভূত্তৎ স্বস্থি সবিতা নঃ ক্ৰোতু। অশাত্ৰিকো অভয়ং নঃ ক্ৰণোত্বনাত্ৰ বাজামতি-मधुक्ट्रक्टम् (५०४० ५१० ५०, ६५, ५२, ५७४०) थाखिन्म । 春時 (計算と対象を対象 11 0 11 (国内・も国・ものあっち、と・じゅつ)

স্মাংসঃ। শাং নো ফাদ্রো কাদ্রেভিজ্ঞলায়ঃ শাং নজফী গ্রাভিরিহ্ শ্রোজু॥ ১॥ শাং নঃ -নো রজসম্পতিরস্ত জিষতু,।। ৫॥ .শং ন ইন্দ্রো বস্থতির্দ্ধেবো অস্ত শামাদিত্যেতির্দ্ধকণঃ সোমো ভবতু বনা শং নঃ শং নো থাবাশঃ শমু সন্ত যজাঃ। শং নঃ স্কাণাং মিতায়ো भाजा थांजा मागू थर्डा तमा बाक्ष मान्न डेज़ हो जब कू यथां जिशा मार तरांत्र मी इस्जी मान्ना व्यक्ति শালো দেবানাং স্ক্যানি মন্ত ॥ ৩॥ শালো অগ্নিজ্যোতিরনীকো অন্ত শালো মিত্রাবরুণাব-নো দ্যাবাপ্থিবী পুর্বহুতে। শামন্তরিক্ষং দৃশয়ে নো অস্ত্র। শাং ন এঘধীব্রিনিনো ভবস্তু শাং स्त्रिका मः (यि का माम्योग्या वाक्रमार्को॥ । भाषा जाः भाषा नः मध्ना नः भर्मा विष्ठ भष् পুরস্থিত শামু সন্ত রায়ঃ। শারঃ সত্যস্থ তুষ্মস্ত শাংসঃ শামো অধ্যা পুরুজাতো অস্ত ॥ ২॥ भिना नम्। नः मः स्कृताः स्कृतानि मन् नः न स्पिता व्यप्ति वाजु वांठः॥ ।। नः ষ'তু মৃন্ধাঃ। ২।। অন্মিত্র, নো অধ্রদেশ্মিত্র ন উত্তাৎ। ইন্দ্রাণ্যিত্র নঃ পশ্চ দ-শাক্যধ্যায়ঃ। শল ইন্দায়ী ভবতাম্বোভিঃ শল ইন্দাব্রুণা রতেহ্ব্যা। শবিন্দামেণ नमिन् शूत्रक्रिया । ७॥ (मध्ं ७षा १०क० ५, २, ७म०)

ভ্ৰত্ত শং নঃ প্ৰস্তুঃ শ্ষ্ত্ত বৈদিঃ॥ १॥ শং নঃ সূধ্য উক্চফ। উদেতু শং নো ভৰন্ত প্ৰদি

म्मिक् उच्छः। मर् मः भर्ता । क्षत्या ज्या मार् मः मिक्षयः मंत्र महाभः॥ । मार् (मा मृह् थों जिंदा छ। "भाषा ज्या का पूर्वा जिया है अर त्या मिता कि शां थिता । भाषा भाषा जिया । ন্বীয়ঃ। শুণুস্ত নো দিব্যাঃ পার্থিবাসো গোজাত। উত যে ষজ্জিয়াসঃ॥ ৪॥ যে দেবানা দ্বিজা যজিয়াসো মনোর্জনা অস্তা ঋতজাঃ। তেনো রাস্ভামুক্রণায়মদ্য যুষ্থ পাত অদিতিভিৰ্তু বেলেডিঃ শং নোভৰন্ত মকতঃ স্বৰ্কাঃ। শং নোবিষঃ, শুমুপ্ৰানো অস্ত শং শে ভবিত্রং শষ্ত বাষ্ট্র। ১॥ শং নো দেবঃ সবিতা তায়মাণঃ শং নো ভবন্তু যুসো বিভারীঃ। শংনঃ পর্জনোগ তবতু প্রজাত্যঃ শংনঃ ক্ষেত্রস্থ পতিরস্ত শংকুঃ ॥১০॥ ১হছ • শংমঃ সভাস্তা পতায়ো ভবন্ত শং নো অব্ভিঃশামু সন্ত গাবঃ। শং ন খাভবঃ স্কৃতঃ সুহ্তাঃ শং নো ভবন্ত পিতরো হবেয়॥ ১॥ শং নো দেশ বিশদেশ ভবন্ত শং সরস্তী भेर दुना व्यक्त अक्त्यारफट्वा व्यक्त भग्निक्य भग्निक्य भाग्निका भर त्यां व्यवार न पादरभक्त ख শং নঃ প্রিভবতু দেবগোপা।। ৩॥ আদিত্য রুদ্রাবসবো জুষতামিদং এম ক্রিয়মাণং यृष्टि छिः ममा नः॥ ८॥ उमछ-मिज्ञावकुण उम्द्रां माः (घात्रयङामिन्यछ मछम्। जमी-মহি গাধমুত প্রতিকাং নমো দিবে বৃহতে সাদনায়॥ ১॥ ২স্থ

क्लाकामि मार्क्कायका ठकुःकाकानामकजार मरमामा समारमायामाराम्ब्रिकम् प्रित চতুরক্ষং প্রসাধ্য তত্ত্র প্রাক্পণিচম্যোক্ষিকণোত্রতশচ নব নব রেখাঃ কৃত্য চতুঃষ্ঠি তত্র বাহ্যায়.পঞ্জিষ্ চতুর্দিকু মধেয় পার্শয়োঃ সে দে কোষ্ঠে পরিত্যজ্য চত্মারি मधारकार भार्मरग्राः बीनि बीनि रक्षिमि छ।कु। मार्क्डरग्राखन ठकुक्किक यहेयहरकाकाज्ञ-'কানি চত্মারি দ্বারাণি জায়ত্তো ততো মধ্যস্থানি যোড়শকোষ্ঠানি প্রতিদিশং চত্মারি চত্ত্বারি কোষ্ঠানি পরিত্যজ্য মার্জ্জয়েৎ। ততো বাহ্যপূর্জিয়ু একৈকং কোণগং কোষ্ঠ্যুৎস্ক্র্য কোণকোষ্ঠদারপীঠান্তরালবর্তীনি পঞ্চ পঞ্চ কোষ্ঠানি প্রতিদিশং মার্জ্জরেৎ। তেন মধ্য-कर्त्रयमोठेख भीमाः धर्माखा उत्ता मधामोठेमाइडा क्रमभक्ष्यांत र्जामि क्रांति। कोछकः मञ्जनः कूर्याद। जन्न 5 मर्त्वानि कोछीनि न्यवोक्त्नमोर्यामानि मन्त्रमार । িশুট্ৰা অপ সম্ভয়ঃ সং বৰ্তন্ত বৰ্তনিং স্কাততা ৷ অয়া বাজং দেবছিতং সলেশ ত্রাদে। বেদিমধেয় ধোড়শারং চক্রং রচয়েৎ। যথা গুরুপেদিমধ্যে ক্রিছ্ডদীর্ঘবিজারং মদেশ শতিহিমাঃ স্থবীরাঃ ॥ ১ ॥ ওস্থ্ত (অথ০ ১৯অ০ ১০,১১ ১২.স্থ্ত) ইত্তি পাঠ্যস্থক্তাদি। এবং সর্কমহাদানাদিসাধারণং কত্যং সমাপ্য তুলাদানে বিলেষ্কত্যং কুর্গণে ।

উত্রাদ্যে চতুরঙ্গুলো দ্বিতীরেংপ্রাক্ষনস্থ তীয়ে চতুর্ধিংশত্যস্থলঃ চতুর্ধে চ যড্ডিংশত্যস্থলো ব্যাসঃ। ভত্রাদ্যং চতুংস্কুলব্যাসকং র্তুং কণিকারূপ্থ পীতেন রজসা-পুরয়িত্রা কণিকাব্ধি রেখাং সিতেন রজমা বিদ্ধাাৎ। তদ্ধিরফীকুলব্যামে দিতীয়রতে ক্রমেণ পীতরক্রসিত -রজোভিঃ সংপাদিতমধামূলাআণি বোড়শ কেশ্রাণি ফ্যা কেশ্রাবিধিরেখাং সিতেটন্ব প্রজমাস্কুলোল্লতাং কুর্ধ্যাৎ। ততগুষহিশ্চতুর্বিংশত্যকুলব্যামে তৃতীয়র্তে অষ্টস্ক দিক্দুষ্টো শিভরজুসা সংপাদ্য তৃতীয়চতুর্ব্তদ্যাত্তরছানেয় পরিতোহউদলাঐতৎসন্ধিয় বোড়শ-পাত্রাণি সিতরজসা বিধায় রকাথাণি কুৰ্ধাৎ। তত্তোদলান্তরেষু সিতেন রকাসা রেধাৎ ভিঃপট্ৰঃ ষোড়শ্ধা বিভঙ্গা প্ৰতিভাগং যবাকারান্ যোড়শারান্ আমপীতারুণ্ধেতরজোভিঃ কিধায় দলম্ব্যানি ক্লেক্সন রজসা পূর্য়েৎ। তদ্হিরেকাস্থলাশুরালাং বহির্ভক্ষতুর্ধরেথাং কল্পয়িত্ব। তম্বংৎ যথাযোগং রজোভিঃ পূর্যেৎ। ডদ্ব্রি সিত্পীতারুণক্যামহরিতাঃ भक्ष द्रियाः क्रमामी मिर्यर । उन्हिं भीवेत्कव्वञ्जयः यथारभाष्टः तरकाध्यितमञ्ज পীঠাব্ধিরেধাং সিতেন রজনা ক্রমা ঘারক্ষেত্রাণি পূর্বাদিতঃ পীতশ্বেত্তামহ্রিতরজোভিঃ পুৰয়েৎ। তত আধোয়াদিকোণস্থকোঞ্চতুউয়ং ক্ৰমেণ লোহিতহয়িতভাষ্থৰলৈঃ পুর্-

व्यक्षाँ १८०। व्योखन्त्रपंत्रभाषाष्ट्रकार्धन्त्रभाविष्मारक्षा भूक्षभिक्ष्मराज्ञः नारकक्षुमीरम्बमाक्र-•চন্দনাদিসারকাঠনির্মিতম্ উভয়তঃ প্রাদেশমাত্রস্থলং সপ্রহন্তপ্রমাণ্ড স্তত্ত্বদয়ং ফ্রা ভূমৌ -নিখাতহস্তদয়ং চতুহস্তান্তরাল স্থানেনিখনেৎ। তয়োক়পরি হ্সনিতা চূড়া কার্যা উপরিভাগ-- য়েঃ হস্তমিতং ত্যকু। উত্তরাক্ষকাঠাখারতাযোগ্যং বিলং বা কার্যম্। তদুপরি তৎসকাতীয়-কাষ্ঠঘটিতমুভয়তো বিত্যস্তিমিত স্থূলং পঞ্ছন্তং প্ৰান্তয়োৰ্কিতস্থিমাত্ৰং তাজ্য স্তন্ত্ৰদুয়োপরি-রেৎ। ততঃ সিতেন রজসাক্ষ্রোশালতেন বহিশ্চত্রঅরেথাং কুর্যাৎ। ততঃ প্রাচাং বক্রম্, जारद्यार में जिल्, मिक्टिन में कर, देन भ जार थंकार, भिक्तमाद्यार भीमार, वाद्यतार धं जर, कोरवर्षार शमाय, जेमानार मुंनर, जबात्य ठक्र, भागमिक्ता भष्यक निरथद। अवर महा-ফিত চূড়াপ্ৰবেশযোগ্যবিলসহিতং স্ব্ৰান্তৱোৰ্কিতজিমাত্ৰচূড়াত্যাং স্তন্ত্ৰযোপৰিস্থিতবিল-১৯৮ যিত্রা আয়েয়াদিশীঠপাদচতুউরং পঞ্কেটোত্রাকং ক্রমাৎ সিতরক্তপীতক্তকরজোভিঃ পূর-উত্তো বেদিমধ্যে যথোক্তলক্ষণান্তলাৎ ছাপ্যেব। সাচ বহুপ্রকারাপি বহুসংপ্রদায়সিদ্ধা , বেদিয়ধ্যে ঘোড়শারং বিলিখ্য তবৈরব প্রাণ্ডক্তাঃ বক্ষ্যমাণাক্ত ঈশাদ্যো দেবতাঃ সংপুজ্যের।

গ্রোঃ প্রবেশন্যোগ্যং বোভ্রাঞ্চং স্থাপয়েৎ। উত্তরাজমধ্যহধোভাগে তুলাবলস্বযোগ্যং বড়ি-

শা্কতি লৌহকটকমেকাঞ্ফুলপিওং ষড়জুলমিতং তিৰ্ধ্যক্লোইকীলকেম ্কত্যোজনং নিবেশ-কেন সংঘোজ্য তুলামবলম্বয়েৎ। তুলা তু প্রাণ্ডক্রকান্তময়ী দশাকুলফুলবেউনস্থলা বর্জুলা তথৈব সৌবণ্বক্ষামাণ্যানার্রপাম্রিমান্ গোবিকঃ ফাপাঃ। তুলাদঙ্পাখ ফ্কটক -য়োশ ত্রিসপ্ত্রাফুলদীর্ঘা একাফুলফুলপ্থচত্রারিংশৎকটকার্বিদ্ধাশ্চতত্রশচতত্রো লোহ য়েৎ। উত্তরাককান্তমতৃত্বসুলাধোভাগে উত্তলোইকীলকে তথাবিধতুলোর্দ্ধিস্থিতমতৃত্বলকট্ সাধিচতুৰ্ভদীৰ্ঘ প্ৰান্তয়োঃ ষড্জুলান্তরিতভাগে প্ৰাঞ্জনপ্ষড্জুলকটকদ্বোপেতা তদ--হিরুভযত্রতকুরফুললে) হপাশীসাহিতা মধ্যভাগে চ উদ্ধি তথাবিধকটকসাহিতাধোভাগেথপি শ্ৰানাত্তদভাবে রজ্ঞু ঔপরিস্থকটকেন সংঘোজ্যবিলয়্যে। তাস্ত চ শক্তানুসারেণ দ্-একাঞ্চুলাস্থলা ষড়স্থলচুড়া গিততিহাকীলকমোজিতলো হকটকমহিতা চ কাহান। সা চোত্ত-রাক্ষনতি দক্ষিণোত্তরতো নিবেশনীয়া। উত্তরাক্ষন্ত্রে চ প্রাণাদিক্তমেণ চতুরকুলাব্তরি-ত্দেলোষ্ সোবণপট্টাদিস্টত্রশচতুর্বিংশতিব্দদাঃ কার্যাঃ। তেষু বন্ধেষ্ চ ক্রমেণ সাঘাল্যন উত্তরাকোপরি চ সৌবর্ণপট্রবস্ত্রাদিভিরাজ্ঞাদয়েৎ। তুলাদণ্ডমধ্যে চ ষড়জুলকটকাধোভারে গ -সুৰণ্যটিতা অফুষ্ঠপৰ্মমাত্ৰাত্যনা ৰক্ষ্যমাণ্ধ্যানাগ্ৰন্ধ মুভিমন্ত স্নাদয়ো দেবাঃ স্থাপ্যাঃ

১৯৯ শাউষ্টশতপ্লমিততাইয়ঃ ক্রমেণ পঞ্চতুঃমান্ধিতিপ্রদিশ্বিষ্ট্রে প্রতেপেকাস্থলা

্র - রাক্ককাস্ত্রভাদেঞোচ পঞ্চবিংশত্যক্সভাদীবৈকাফুলাপিণ্ডেন ফুলেন বাস্থাকিনায়া লোহশৃষ্টলেন বিদ্যায় হিলান বিদ্যায় হিলান বিদ্যায় হিলান হিলান বিদ্যায় হিলান হিলান হিলান হিলান হিলান হিলান সমাবাহ্য প্রাণাদিচতুর্গন্তেষক্ষনামতির্থাবিত্ব হিলান বিদ্যানার্হন হামাবাহন স্থানার্হাণ হিলান হ ষ জমানধারণষোণ্যে ফলকে কার্য্যে। তে চ প্রাঞ্জন্মস্থালাধোভাগিস্থকটকৈর্বলিয়াকার্টিঃ সং-মতে ৰলয়াকারচতুলো/হ্কটকমহিতে তদভাবে সারদাক্ষময়ে তাবিমিতকাঞ্দিবিতি স্থৰণ ধোজ্যাবলম্বয়েৎ। তৎফলকে চ ভূমেকিতস্থিমাত্রসূর্মণ বিষ্ণে তিষ্ঠেতাং তথালম্বয়েৎ। উত্ত-

ঞ'ভুজুৰঃ স্বঃ স্নান ইহাণচ্ছেত্যাদিনাবাহ্য স্থাপয়েৎ। ততে। যথাবিভূবং প্ৰাৰাদিনমোজ ব। আগিছে ভগবন্নীশ তুলাবন্ধমলস্কুরু। ইত্যাবাহ্য তদীশানং (৮০প০১পৃ০) প্রাগুক্তামুচার্ব্য ত্তেব। যথা পঞ্চযক্ত ব্যারড় প্রতিবক্ত্র ত্রিলোচন। কপালশ্লখটু ক্ষিন্ চক্রমোল সদাশি-

नांश्मरेखन श्रक्रावर । जन् मर्मजानीमियत्नारिक उठमरेखः स्राभनः श्रक्रमक

मिंगका, मनोष्यत्रथंगः मिरिमा शम्भितिक्वयमः। लक्ष्नः उटेथ्यः धानम्। जाजिभुज গজৎপ্রাণ যমুনাবিযুয়োদ্ভব। দশাশ্বাহন শ্বেত গদাপাণে বরপ্রদ। আগচ্ছ ভগবংশচন্দ্র-মাহেহা মারুত জং সদাগতে। ধ্রজহ্ত মহাকায় তুলাবন্ধমলস্থ্রু। বায়ো যে তে (১১০প্র मांकज्य, धावम् रतिगश्केत्या धक्षाती ममीत्र । लक्षार धाम्मकः। स्रामकः। स्रामकः তুলবিক্ষমলংকুর । ইত্যাবাহনম্। সোমো ধের্ম্ (৭৯প০ ২পু.) প্রাশুক্তেন স্থাপনম্। ২

স্ফিসংহারকারক। আগচ্ছ ভাগবন্ রুদ্র তুলাবন্ধালংকুরু। ইমা রুদ্রাজ্যাদিন। • কদত্ত, রক্তবর্ণব্রিনয়নো দিতুজশ্চন্দ্রোলিত্ব। জটিলশ্চ প্রকর্নেরা ক্রেরা বাণ भक्षातः। लक्ष्म भागक। व्यक्ति म्हामिया वात्कावाज्यक्ष्म नागर्वात मर्हाकृष (৮২প০২প্রত)প্রাঞ্জেন ছাপনম্। ৪ ३१०) व्योखरकेन क्षांत्रम्। ७

क्षीक, इतिः क्षिशः अञ्जासः मिन् इकिनम् अङ्गा भाषामनः भाषकतः। ज्ञामनः নাধরঃ। লক্ষণং ধ্যানঞ্চ। পাঘাসন পাঘ্নস্ত সিন্দুরাক্ষণসপ্রভ। রথারুচ মহাবাহো কাশ্য পেয় মহাদুদ্তে। আগচ্ছ ভগবন্ সূর্য তুলাবন্ধনলংকুরু। বট্সু / ইত্যাদিন। (১১৩পঙ 200

२ मु॰ २ म॰) व्याखरकन क्रों भनम्। ८

विश्वकर्षाः, विश्वकर्षा जू कर्जवाः आकारमा त्रमानायतः। सरम्श्यानामिष्टिज्ञाख-

জোমুভিধরো মহান্। ইতি লক্ষণ্ৎ ধ্যান্ধ্য। দংশ্পাণে মহাবীর স্থৃচিত্রক্মকারক। বিশ্

ত্ত জোমুভিধরো শহান্। হাত লক্ষণ্ড ধ্যান্ধা। দংশাবাণে শহাণ্ড স্নাহন্ত্র স্থান্ধান্ত বিশ্বক্ষান্ত লিক্ষান্ত লক্ষ্যান্ত কুলাব্দ্ধান্ত কুলাব্দ্ধান্ত কুলাব্দ্ধান্ত কুলাব্দ্ধান্ত কুলাব্দ্ধান্ত কুলাব্দ্ধান্ত লুলাব্দ্ধান্ত লুলাব্দ্ধি

(२०४४०२%) श्रीखरलन क्षांश्रेनम् । १

. जिम्मिट्रबाट्यााः, कम्बन्नुः व्यन्तः हेन्य भक्तिः मर्ज्याभि क्रमादा कलाराखाचित्रा

নামঃ করাগাণি সমন্ততঃ।, আগচ্ছ ভগবান্ বিপ্র তুলাবন্ধনলস্কুক। স্থন্থ ইত্যস্যাদিত্য यां छाउ तक गार्क्सो क्र भाडी छ ॰ ष्यक्ति हा एम राजा जिल्हा भार मार्थित विकास क्षित । जुभार में प्राप्त किया थायि ক্রেয় দেবানামভবঃ শিবঃ সধা। তব ব্তে কবয়ো বিঘনাপ্সোহজায়ত মক্তো ভাজ-

দৃষ্টয়ঃ (য০ ৩৪ অ০ ১২ ম০) ই ত্যানেন - পাণিভিশ্চায়িনামা চ কলয়ংস্ত জপঅজম্। শাক্তিপ্ৰ পुछकटेक्षव क्रमारम्य कमधनुम्। जागिक् छभवन्नरम् जूलांवन्नमलङ्कनः ज्यप्तिः मूडमि-

. . প্রজাপতেঃ, মজ্জোপবীতী হংমন্থ একবক্তশচতুত্জঃ। অদাং ক্রবং ক্রচং ধতে ক্র-ভ্যাদিনা (৭৯প০১পৃ০) প্রাণ্ডজেন চ মিলিভয়োঃ ছাপনম্। ৮

थार। इंछ लक्कार थामिथा अज्ञवनी महाकाम विमाज्ञनजूषिकाः। वित्यं मिवाः विश्वतम्बाम्, विश्वाश्य तिवान् महवान्यानीश्यत्रामदेगान् विष्ठान् विष-সমায়াতাঃ প্রকুরধং তুলাং ভেভাম্। বিধে দেবাস ইত্যস্ত মগুছন্দা ঋষিণায়ত্রী ছকো বিশ্বে দেবা দেবতাশুৎস্থাপনে বি॰। বিশ্বে দেবাস আগত শুণুতাম ক্রিকাং চ প্রজাপতিঃ। লক্ষণং ধ্যানঞ্চ। প্রজাপতে সমাণচ্ছ তুলাবন্ধনলস্কুক্ত। প্রজাপতে নেত্যাদিন। (৭৮প০ ১প০) প্রাণ্ডাক্তন স্থাপনম্। ১

केगर क्वम्। अमर वर्षिमियोम्ड (य० 4 छा। ७८ म०) क्छारमम क्यांशमम्।

জগদিধাতুঃ, হংমারচো, মহাবাহশততুর্বজ্ঞতুজুজঃ। বিউরং জন্ককবং ধতে ফ্কণালাঞ্ কুণ্ডিকাণ্। ধ্যানলক্ষ্যে। জগদ্বিধাতরাগচ্ছ তুলাবন্ধমলস্কুক। বিশ্বকর্মেত্যস্য

ভূবনপুত্রবিশ্বকর্মা ঋঘিজিষ্ট্প্ ছ০ বিশ্ববিধাতা দেবতা তৎস্থাপনে বি০। বিশ্বকর্মা বিমন্ জাহিহাল ধাতা বিধাত। পরমোত সংদৃক্। তেষামিটানি সমিয়া মদতি যতা সপ্রামীন্ পর একষ্টিঃ (য০ ১৭ অ০ ২৬ম০) ইত্যেশেন স্থাপনম্। ১১

ं भक्तमानात्त्रीः, भक्तमानामा विष्टाता गंकवल्नामानिकः। या शत्त्र मर्कक्रीवाज्या दत्र বীজঞ্চ শাস্ত্যক্ষ । কুঠারঞ্চ পরোজ্ঞ চিত্তারজুং মহাজেটিঃ।. পাশিং চক্রং কিসলগ্রং कुष्री र पर्नाष्ड कटेतः। ध्रामिलक्कत्। शब्बन्गामक् छगवम् जूनावक्षमनक्कृतः। मामा वाड ड्डामा मधाङ्काथर्सन सावित्रसूष्ट्रमं क्निम्बातमा तम् । जत्मा वाडः भवजाः শামস্তপতু স্থাঃ। শামঃ কনিক্রদদেশবঃ পর্জনোগ অভিবর্ষতু (য০ ৩৬ অ০ ১০ম০) ইতি পঞ্চ-रकुर व्यक्तिकः अधिवरकुर बिल्लांघनम्। कर्मानम्नयेषु क्षिर भाष्क्रः यरकमू ज्यनम्।

লক্ষণসম্পন্নং তুলাবৈদ্ধ নিবেশায়েৎ। নমঃ শব্ধবায়েত্যস্য পরমেষ্ঠিদেবতা প্রজাপ্তয়

10

শুদুন্দোইভাবঃ শাস্ত্র দিঁ০ তৎস্থা০ বি০। নদঃ শাস্ত্রবায় চ ম্যোভবায় চ নদঃ শাস্ক্রায় চ ময়স্ক-রায় চ নমঃ শিবায় চ শিবতরায় চ (য৹১৬ অ০৪১ম০) ইত্যেতাভ্যাৎ মিলিতয়োঃ স্থাপনম্। ১২

ুম্ম্যুরে। নমোবঃ পিতুরঃ পিতুরো নমোবঃ (য০ ২অ০ ৩২ম০) এতৈর্জুভিঃ স্থাপনম্। ১৩ ধৰ্মদ্য, চতুৰ্বজ্ঞ শততুষ্পাদশ্চতুৰ্বান্তঃ দিতাষ্তঃ। দৰ্বাভরণবান্ খেতো ধৰ্মঃ কাৰ্যো • (मोमामा, मनाचार्मर त्मोमार भागाभाविर वत्रयम्। डेक्नमक्ष्मभाष्ट्र कुर्मावरक्ष পিতৃণাম্, কুশবিটরসংযুক্তাঃ পিতরঃ পিওপাত্রিগঃ। তান্ পিতৃংস্ত সমাবাহ্ তুলা-দৈৰতাত্তৎ স্থাপনে বি৹। নমোৰঃ পিতরো রুসায়। নমোৰঃ পিতরঃ শোষায়। নমোৰঃ শিতরে জীবায়। নুবোবঃ পিতরঃ স্বধারে। নুমোবঃ শিতরো ঘোরায়। নুমোবঃ পিতরো বিজানতা। দক্ষিণে চাক্ষমালা চ তম্য বামে চ পুস্তকম্। উক্তলক্ষণকং ধর্মং তুলাবক্ষে নি০। ৰক্ষে নিবেশয়েথ। নমোৰ ইত্যাদি ঘলুয়াং প্ৰজাপতিঋ যিশ্চন্দোহভাবঃ ঋতুরূপাঃ পিতরো জজাভ্যামিত্যম্য প্রজগতিঋ'বিরেকপদা মহাপংজিশ্চন্দো ধর্মো দেবতা তৎছাঁ বি । জ্ঞাত্যাৎ পদ্ধ্যং ধর্মোইসি বিশি রাজা প্রতিষ্ঠিতঃ (য০২০অ০৯ক০) ইত্যমেন স্থাপনম্। ১৫ শিবেশায়েৎ। উদুধ্যেষায়ে ইত্যানেন (৩৮শ০১পৃ০) প্রাঞ্জেন স্থাপান্। ১৪

मिक्किन्छ द्याः। वागरशाः शुखरक कार्त्या मर्भनीशज्यावित्ये। जिल्ननक्षनम्भात्रो जुनावरक्ष শক্রান্ত, চতুদ্তাজারচং বক্রপাণিং পুরন্ধর্ম। শচীপতিং ব্রহ্রং সহজনগ্রন্ ब्बुलम्। উक्लनकःशमन्त्रवः जूनांवत्त्र नित्वगत्त्रः। बांजांत्रिम्जांतिमा (८४मः ५पुः) .. জিলেশস্য, বরুণং যাদসামীশং লোকেশং পাশপালিনম্। উক্তলক্ষণসন্ধার তুলাবক্ষে শিতাবিকণয়েঃ, পদাপাণিং তথা মিত্রং কমলাসন্সংছিত্য্। দ্বিভুজং শেত্মুতিঞ जिम्हित्माः, जक्रत्। मिर्वाज्यित्को श्रुषांक्रत्। महावत्नो । ज्राधारत्राषधाः कार्या मिरा তৎস্থা০ কি । তাগ্ৰং বাং মিত্রাবরুণা স্থতঃ সোম ঋতাব্ধা। মমেদিই ভাতং হ্বম্। (ঋ০ -সর্কভুতহিতে রতম্। বরুণং সরিত্যুসীশং লোকেশং পাশপাণিন্য। উক্তলক্ষণসন্ত্রী তুলা ব**ন্ধে নি**বেশয়েথ। অয়ং বাং মিত্রাবরুণে ত্যস্য গৃৎসম্দ ঋষিণীয়ত্রী ছ॰ মিত্রাবরুণে) দেবতে বিবেশায়েৎ। যা বাং কশেত্যাদিনা (৪৫পা০২পাত) প্রাণ্ডকেন ছাপান্য। ১৭ নিবেশয়েৎ। তত্ত্বা ঘাদীত্যাদিনা (৪৭প০১প০) প্রাঞ্জেন স্থাপন্য। ১৮ र जा० २ म० ८५ छू० ८ म०) हे छात्मम छान्नम्। १ शिक्षात्कम खानमम्। ऽ७

₩

. "मक्रमानाम्, इत्यमन मर्थमा ष्टिन्न मिर्ज्य पिर्ज्य भूजः मक्रमानम्। महावीरां महावाष्ट्र ধনেশত্ত, নরমুক্তবিযানস্থং কুবেরং চোত্তরেশ্রম্। নিধীনাঞ্ পতিং ভোষ্ঠং রাজ-তুলাবন্ধে নিবেশয়েৎ। মরুতো যস্য হীত্যাদিনা (৪৯প॰ পৃ॰) প্রাঞ্জেন স্থাপনম্। ২॰

রাজং মহাবলম্। উক্তলক্ষণসন্সরুং তুলাবন্ধে নিবেশয়েৎ। বয়ং সোমেত্যাদিনা (৬৭প॰ ३.९०) व्याखरजन खानमम्। २১

गक्तर्सक, वरामा एकत्नांकांमार किरोगि कुधनो गमी। गक्तर्र शुक्रमा (शारा बीना-

জলেশন্তঃ, ধ্যানলক্ষণে প্রাথৎ ইনং মে ইত্যাদিনা (১১০প০২পৃ০) প্রাণ্ডজেন স্থাপনম্। ২৩ विरक्षाः, थोमिक्ताां मिक्ताप्रकामात्रका निज्याः। विष्णुः क्रोगामकीभ-বাদ্যরতঃ সদাণ। এবং গন্ধর্বকং দেবং তুলাবন্ধে নিবেশ্যেৎ । যমেন দভমিত্যস্ত জম্দ-ত্রণুৎ প্রথমো অধ্যতিষ্ঠৎ। গন্ধর্কো অস্য রশনামগৃত্ণাৎ ক্রাদ্ধং বসবো নিরতট (য৹ মিদ্ধীৰ্যজনসার্যী ত্রিষ্টু প্ছ০ গন্ধর্বেগ দে০ তৎস্থা। বি০। যমেন দত্তং ত্রিত এনমাযুন্গিন্দ্ २३७० ऽ७४०) ईडारनन क्यानम्। २२

ঘশিষ্চকৈরলঙ্ক্য্ । উক্লক্ষণসন্মং তুলাবন্ধে নিবেশয়েৎ। বিষ্ণোররাটিমি-

পুলাওজেন স্থাপায়েছ। ২৫। এবং তুলাবন্ধস্থান্দেবান্স্থাপায়িত্বভাচ্চা স্তম্ভপুলাং কুর্যাং বিং ।

বিং বিং বিকামে বিকামে ইত্যস্ত প্রজাপাতিশ্ব বিশ্বনোধতাবিঃ বন্ধা দিবতা তুলাগুপ্রপুলনে বিং ।

কুল্পাতাম্ (যং ২২অং ২২মং) ইত্যনেন দ্বিকাব্ব। ইত্যাদিনা (১৫পং ২প্ং) প্রাক্তিনা নঃ

কুল্পাতাম্ (যং ২২অং ২২মং) ইত্যনেন দ্বিকাব্ব। ইত্যাদিনা (১৫পং ২প্ং) প্রাক্তিন বিং

কুল্পাতাম্ (যং ২২অং ২২মং) ইত্যনেন দ্বিকাব্ব। ইত্যাদিনা (১৫পং ২প্ং) প্রাক্তিন বিং

জাতো মানুষীভাস্থনকিঃ। মা দ্যাবাপ্থিবী অভি শোচীশ্বাত্রিক্ষণে যা বন্স্থানী বিং

১১অং ৪৫মং) ইত্যনেন বতোষত ইত্যস্য দ্বভ্রাথবিণ খাবিরম্নু প্রত্ হং বিদ্যুৎস্তন্যিত্ন,

সম্প্রেশ নেরম্ন কুলাক্সমপ্রম্ম বিন্ন সমক্ষমেন কুলা আন্সং কুরু। শংমঃ কুরু প্রজাতোহতরং মঃ পশুত্রঃ (য০ ৬৬অ০ ২২ম০) ইত্যদেম স্থিরো ভবে मानगपनमिणा (भोवनीर मर्कमूर्डिज्या वृष्ठीर मुर्जिर महस्यभीर्विज्यामिना (১১৫ भ०১,२१०) वाखरळन क्रांभरत्रद। २४। जन् जूनावक्ष्यान् म्हांभित्रिष्ठां छाज्यां छात्रां क्रियांद রূপৌ ভগবল্ডো দেবতে তুলাগুগুগুল্নে বি॰। যুভোগ্ডঃ সমীহতে ততো নো অভয়ং त्नीविक्ट , विक् मूर्जिनक । ज्ञामश्रक्षक हेकारशंखात थारम भिष्टामी जिक-

ভ্যস্য ত্রিত ঋষিরমুম্বু ছ০ রাসভো দে৽ তুলাস্তগ্রপুজনে বি৽। স্থিরো ভব বীড্বক আশু-

क्षांथिकां एड मर्क मिन्नमरदेष । 'थानाथिम करन कांन करन महां ग्रांन श्कार जगदमगुक লীন্ গৃহীত্বা এহেগ্হি সৰ্ধামতেত্যাদিভিদশভিষ্টজুৱিজ্ঞাদীন্ দশ দিক্পালান্ সমাবাহ্যা এফেছি সর্কামলহ্ব্যবাহ মুনিপ্রীরৈরভিতোভিজুট। তেজোবতা লোকগণেন সার্ধিম্মাধিরং রক্ষ কবে নগজে অগ্নরো ননঃ। এহেনুহি বৈবস্বত ধর্মরাজ সর্বাণ্টররচিত ধর্মযুর্তে। শুভা-নিশ্বতিয়ে নমঃ। এছেয়ছি ঘাদোগণবারিধীনাং গণেন পজিন্যমহাঙ্গারোভিঃ। বিদ্যাধরেক্রা– মরণীয়মানঃ পাহি ত্বম্মান্ ভগবল্লতে ওঁ বক্ণায় নমঃ। এহ্যেহি যজ্ঞেহধ্ররক্ষণায় দণ্ডস্ত সমন্ততঃ প্রাণাদিদিফু তুর্যাদিধনিং কারয়িত্বা যজমানসহিত আচার্যঃ পূজ্পুপ্ব-শুকুনিকভাষধীশ শিবায় নঃ পাছি মুখং নমজে যুম্য নমঃ। এহোহি রক্ষোগণনায়কস্ত্রং र्ज्य वोकार्यन्। शृथुर्ज्य स्प्रयमस्थारक्षः शृजीयवाङ्गः [य॰ ১১ অ॰ ৪৪म॰] हेठारमम চ गरन्नम ভুঃচ্চ্য বলিং দত্তা দীপান্ প্রজালয়েৎ। তেচ মন্ত্রা যথা এছেছি সর্কামরসিদ্ধসাধ্যর-ভিউুতে। বজ্রধরাম্বেশ। সংবীজ্যমানোহস্সর্সাস্থণে রক্ষাধ্রয়ো ভগবন্নম্ভে ইন্দায় নম্ঃ। প্রাণাদিক্রমেণ গুক্তদরং সংপ্রসমেৎ। ততকৈরেব মক্রৈস্তলাপ্রান্তদ্যং সংপ্রা তুল্-বিশালবেতালিপিশাচসংবৈত। সম্ধিরং পাছি শুভাধিনাথ লোকেশ্রস্থ ভগবন্নগত্তে ও

কালকী কুনাতে অমুককৰ্মাক্ষাধিবাসনকৰ্মণঃ প্ৰতিষ্বাধিষ্দৎ স্থৰণাদি দক্ষিণামাচাধ্যাদিতে তস্তাদশ্নাদাচারমাত্রমূলতৈবেত্যবসীয়তে । অতস্তম্জা নাত্রপদশিতাক্তে তু যথাচারমেব গন্ধদারশিত্যীদয়ে। মন্ত্রাঃ পাঠ্যাঃ। ততোহ্যিবাসনকর্মদন্দিণাশতিলপ্য দুদ্যাৎ। যথা দেশ-

ষ্থানাম্পোত্রেভা বাদাণেভাগ দদে। ততে। যজ্মানেনোপ্নাসঃ অশক্তে। নতভোজনং রাত্রিজাগরণঞ্চ কাধ্যম্। নিরবকালো সদ্যেএবাধিবাসন্মিতি হেমাদ্রিপ্রভূত্যঃ।

ইতি শ্রতারানাথতকবাচন্শতিভট্রাচার্যবিরচিতায়াং তুলাদানাদিপদ্ধতৌ সর্কক্ষ-माधात्रनमधिवामक्षकत्रनः ममोख्या . .

অথ তুলাপুরুষদানদিনরুত্যম্ রুতনিত্যক্রিয়োযজমানঃ (৮প্১১প০) পুর্বোক্রবিধানেন

পুণ্যহোদিবাচনাদিকং কুৰ্যাৎ। ততঃ ঋত্বিগাদয়ঃ স্বস্কুণ্ডে স্থতিলে বা মহাব্যাস্থাতিহোম-शूस्कर भूनीख्िर ष्रवन्नाथीदेशः शाक्षक्रमदेजुर्ज्यस्थः। ज्या हिनमिनिकनामि कर्मामिक

(वैचांक्रंबा मिक्का (मग्ना। जब (धत्रामीनाः स्नामिक्म्नावर्षे यांवर्ण मूर्णान मम्ब ममांशिरमञ्ड । मामरर्था भूर्यमाज्य मिक्निश मुख्। सूर्यग्रामियां हार्गार खार्जाकः यद्धमांक्रजायेर ভবেৎ তাৰ্মুলোন কঞ্জেন রঙ্গতোদিন। বা সম্ভা বিধেয়া। অধিদেবভাদীনাং ওতো ন্যুনমুল্যং কাঞ্চনং তম্মূল্যং রজ্তাদিকং বা প্রত্যেকং দক্ষিণা দেয়েতি বিশেষঃ। তত্র

ठ्य क्र्यास्त्र, किंगिटन मर्सञ्जानाः श्रुमनीयामि त्राहिति। जीपेटम्यमो ययाम्जः क्ष्रामोनार (अञ्मानामिमखाः थमनात्व ।

শांजिर धीयक स्म। इज्राकार्या स्मर क्यांमांभकत्वं याचिएक ममाप्त। व्यम्भुखत्वं।

চক্রক, পুণান্তং শন্ধ পুণ্যানাং মদলানাঞ্ মদলম্। বিষয়না বিষ্তো নিত্যমতঃ कुक्छ, धर्माद्वर व्यत्नट्रंभ कामानम्कात्रकः। षाध्यूटर्व्यथिषान्यणः भाहि मन्। नाजिश टायक त्या अन्त्रम्। क् नः। र हिन्दि त्रमम्।

. . खेरताः, भीजवळात्रुगः ययाषाञ्चरम्वमा वल्लाज्य । . थमानाममा त्य विषः हु . शीत्रजाः <u> ज</u>ुक्दरमनः। भीज्दक्षम्। थिराष्ट्र । अवर्गा ।

- CO

, व्यम्, विद्यागर्भकार्ष्यः (हम वीकः विष्यंवतमाः। जनस्रुगम्बनम्मजः

শুক্রস্য, বিষয়ু স্বমশ্বরপেণ রসাদ্হতসন্তবঃ। চন্দার্কবাহনো নিত্যমতঃ শালিং थियक त्म। जन्म्।

শনেঃ, যমাজুং পৃথিবী দেবী ধেয়ঃ কেশববল্ল। সর্লপাপহ্রা নিত্যমৃতঃ শাজিং टीयोष्ट् त्म । क्रिकेटभक्रम् ।

' ब्रास्ट्राः, यमामाग्रम कन्नानि ज्यायीनानि मर्सम्। रुनार्मनाग्रुधामीनि ठठः नाखिर

কেতুনাং, যমাত্ত্বং সর্বযজ্ঞানামন্তব্বন ব্যব্স্থিতঃ। যানং বিভাবমোর্নিত্যমতঃ

अधित्यत्क विन। स्नाथत्न उर्जन मज्जात्या प्राभार थियमूनवा मन्नः। ज्या या

ধাদি সুত্ব। পাঠ্যানি। ভগ প্রতোজ্যতাস্য আদিত্যযাজ্যকক্ষার্যী ত্রিকুপ্ ছ০ভগোদেবতা

মসীতি (২৫প্০১প০) প্রাগুল্জানি পঞ্চ মন্তুংষি। এতান্যভিষেকার্থং বিনিয়োগমূজ্য প্রাগুল্জা-

जनय त्मां <u>जिन्न देश का मृष्टिम</u> देखः माम (य॰ ७८ ष० ७४ म०) मग्रुषांत्र (घडामा প্রজাপতিঋ বিশ্ছন্দোহভাবঃ বাতনাম। দেবতা অভিষেকে বি॰। সমূদায় তা বাতায়

প্র শালিং প্রযক্ষ মে ইতি ছাগং দদ্যাং।

- ততঃ প্রাধ্বাধ্বমুদঙমুখং বাষজ্মানং পত্নীকুট্ম্সহিতং মণ্ডপদ্যরগ্রহ্মশীপস্থকলমােদ্বৈঃ

- ততঃ প্রাধ্বাধ্বসুদঙমুখং বাষজ্মানং পত্নীকুট্ম্সহিত্য মণ্ডপদ্যরগ্রহানিত্যাদিভিশ্চ পৌরাণিকৈশ্বরিরানি
- দুর্কাপ্রপদ্মবসহিতঃ স্বস্থাধীরৈবৈদিকৈঃ স্বরাস্থামিত্যাদিভিশ্চ পৌরাণিকৈশ্বরাহানি

- ব্যসহিত্য শাল্বিজোহভিষ্টিস্থয়েং। তত্র বৈদিকমন্ত্রা যথা আপোহিস্তেত্যাদি ভিস্তঃ (১১৮প্

- ১০৭১) প্রাঞ্জাং। ত্রাতার্মিন্দ্রিত্যকা (১১০প্০১,২শ০) প্রাঞ্জাং। বরুণমোভ্রমন

श्रीयष्ट्र (भा व्याप्रमम्।

ক্ৰত্ৰস্থা কাজ্ৰস্থা ৫॥ ষতে পাবিত্ৰমন্চিয়াগো বিততমন্ত্ৰা। জেকাতেন পুনাজু মা।। ৬॥ ^{২০৬} ২০৬ সা পা (ম০ ৩৮ আ০ ৭ক০ ১ম০) পুনস্ত মেত্যাদিকানাং নবানাং প্রজাপত্যশ্বিসরস্বত্যশ্বয়ঃ এ ত্তীয়পাদিস্য বাষুদ্দেবতা, অফান্যা গায়ত্ৰী ছং সবিতা দেবতা, নবম্যাজ্যিত্ব ছং বিশ্বে দেব্য এ দেবতাঃ, সৰ্কাসামভিষেকে বিং । পুনস্ত মা পিতরঃ সোম্যাসঃ পুনস্ত মা পিতামহাঃ। পুনস্ত লা-প্রসিতামহাঃ পবিত্রণ শতাষুষা॥ ১॥ পুনস্ত মা পিতামহাঃ পুনস্ত মা প্রশিতামহাঃ।

পবিত্রণ শতাষুষা বিশ্বমায়ুৰ্ক্যশ্বৈ॥ ২॥ অয়জায়ুংষি প্রস্থ আস্ক্রেজিনিষ্ণ চ নঃ।

এ প্রিত্রণ শতাষুষা বিশ্বমায়ুৰ্ক্যশ্বৈ॥ ২॥ অয়জায়ুংষি প্রস্থ আস্ক্রেজিনিষ্ণ চ নঃ।

এ আ্রে বাধ্স দুচ্ছ নাম্॥ ৩॥ পুনস্ত মা দেবজনাঃ পুনস্ত নন্সা ধিয়ঃ। পুনস্ত বিশ্বা অকুটুণ্ছ৽ দেবযজনধীবিখাত্তজাতবেদদো দেবতাঃ, পঞ্মাা গায়ত্ৰী ছন্দঃ অয়িকেবতা, जामारबां अबस्टेन् हं भिडंत्रात्मवडा, क्डीशांश भाषती हं जाशित्मवडा, इड्का यकें। गांत्रजी ह॰ जिथिटर्फरा क्रियोशमीएमा बक्ता ८४०, मक्षमाह भाष्रजी ह॰ मारमा एमरका कुठानि कांछरवरः शूनीहि याम् ॥ ८॥. भिषट्वन शूनीहि मा खटकन एर सीरार । जारभ প্ৰমানঃ সোঁ অদ্য নঃ পৰিত্ৰেণ বিচৰ্ণিঃ। যঃ পোতা স পুনাতু মা॥ ৭ ॥ উভাভাাং দেব मिष्कुः भिविष्यं मत्वम् छ। मार श्रमीहि विश्वजः॥ ৮॥ देवश्रदेम्वी श्रमजी दिवाशिष्यमाः- মিমা বিক্যান্তবো বীতপ্রতাঃ। তয়া মদন্তঃ সধুমাদেমু বয়ং স্যাস প্তয়ো রগ্নীণাম্ (য০ ১৯ <u>जायोख्डवल्का|द्यो षञ्चे श्</u>ष्टमः मत्रयुठीनमी मिवजा र्षाण्डायाक विशा शक्ष नमाः मत्रय--শিরোম ইত্যাদিকানাং পঞ্চানাং প্রজাপতিঋ্ষি ক্তীয়ায়া গায়ত্রী, অন্ত্যায়াঃ মহাপঙ্ক্তিঃ অ॰ ৩৭অবিধি ৯মন্ত্রাঃ) আপ্যায়স্বেত্যেকা (৭৫প॰ ১পৃ॰)প্রাঞ্জ্রা। পঞ্চ নদ্য ইত্যস্য আদি-जीमिनि यक्ति मत्यांजमः। मत्रयजी जूनिक्षां मा तम्लार्माच्छव मतिर। (व॰७८ष्ण॰ ১১म॰) অন্যাসমিয়্ড প্ছন্দঃ, ইন্দ্রশারীরাবয়বা দেবতা অভিষেকে বি॰। শিরো মে জার্ঘশোমুধং ত্বিষিঃ কেশাশ্চ শালানি। রাজানে পালো অকতং স্থাট্চফুবিরাট্ শোল্য্ ॥১॥ জিহ্ব। মে - ভত্তং বাষাহো মনো মন্ত্রঃ সরাত্ভামঃ। মোদাঃ প্রমোদা জ্যুদুলীরকানি মিত্রং মে সহঃ॥১॥ वाङ्गं वनिमिक्ति ११ र एको तम कर्म विवाम्। जाजा कान्याता मम। ७। श्रीत्म बाक्रिमन-ভ্যাৎ পদ্ধাং ধর্টেশাহন্মি বিশি রাজা প্রতিষ্ঠিতঃ।৫। (মৃ৽২০অ০৫অবধি ৫মন্ত্রাঃ) দেবস্ত ত্বে-চিত্তৎ বিজ্ঞানং পাশুর্ঘেষপচতির্ভসং। আনন্দনন্দাবাতে। মে তগঃ সোভাগ্যং প্রসঃ। জ্জা-त्यश्रमी वींवांक त्यांनी। छन्न वात्रज्ञी काञ्चनी वित्ना त्य जक्षान मर्वाञ्डा । नाज्यि

ত্যাদিকানাং তিফ্ণাং প্রজাপতিঋঁ৹,আদ্যায়ার্হ্তী, অন্ত্যয়োঋ পায়েত্ত্র্য ছ০সবিত্রাদ্যোলি

প্রদুয়েশ্চানিক্দাশ্চ ভবন্ত বিজয়ায় তে। আর্শুলোখ্যিভিগবান্ যমো বৈ দৈশতিক্ষপা॥ की जिले क्यो शिर्मिश भूषिः अस्त किया मिष्डः। दृषि नक्षां रपुः माखिष्ठ षिः का छिष भ्रामगग्राजिषिक्षामि। २। हेक्स्टमग्रिङ्गा वनात्र बिटिश यनात्रम्बिक्षिष्मि। ७। (य॰ २० रिमोम्मा जा मारमन्डिमिक्षामारधेच किमा क्रिया वर्षरम् करमास्तिरम् मार्माना क्रियाना क्रियाना क्रियाना -তিরেখ্যতি দিদ্যুন্ পাহি ইনং দেবা অসপত্রং স্বদ্ধং মহতে ক্ষুত্রায় মহতে জৈয়ের মহতে कानंत्रांकगात्त्रास्तरास्तिताता। र्मममूषाः श्वममूरिषाः श्वमतेना विभ अग विषयि ताका तमा-टमिक्सिक्ट जामनानार द्राको। (य॰ ऽ॰ ज॰ ऽ१क०) यकुः मस्ब गोग्नट हेजारक्निमकूरस् दक्र । अदन्रेक्ट धनाधाक्रख्या निष्ट । जन्न मिक्टाः मर्क फिक्मानाः भाख ८७ मह्।। সুরাজ্বাশি মিঞ্জ বন্ধবিষণ্ড মহেশ্রাগে। বাস্তদেবো জগন্ধাথস্থপা সংকৰ্ষণো বিজুঃ॥ অশিনো ভৈষ্জোন তেজনে ত্রন্ধায়াভিষিঞ্চািন। ১। সরস্থতা ভৈষ্জোন বীর্যায়া-অ ০ ক) মোশ্বস্য প্রত্যস্য বক্লণ্শবিশ্ছকোশ্ছাবো বজ্নানো দে । আভিষেকে বি । २०१ (कोक्नो भिवज्ञी क्षि डिरमर क वि । मिन्य ज्ञी मिनिकु धमरवर्भियानि सिक्जार भूरका इक्षां ज्ञाम्

।তিরঃ। এতাজুমাভিষিধ্সন্ত দেবপাস্থ্যঃ সমাগতাঃ। আদিত্যশ্চন্দ্রমা ভৌমো বুধজীব टैम्डांकांकात्रमाश्वीताः ।। ब्यञ्जाति मर्त्वेन्ज्ञाति दाकात्मा वाह्नानि । जाग्रुशानि ह সিতাকিজাঃ। এহাজ্বামতিষিঞ্জ রাছঃ কেতুশ তপিতাঃ। দেবদানবগন্ধর্কা যক্ষ-রাক্ষমপামগাঃ॥ ঋষয়ো মনবোগাবো দেবমাতির এব চ। দেবপাতুনা দেশা उष्ट्रामि कालमाप्यायाक द्या। मत्रिजः माभनाः टैमलाखीर्यामि कलमा नमाः। बर्ज ज्यामा जिषिक क मर्सकामार्थिम करत्र है जि। जनमा जिषिक कर्म क्रीरका यक्षमां मह मर्द्धा म ্ততো গ্ৰীতকুসুমীঞ্জলিঃ সফলকাং তোৱণাবলষিতাং তুলাং ত্ৰিঃ প্ৰদক্ষিনীক্ত্যাভি गुजुरंग्र९. यथी नगटळ मर्सटम्यांना१ भक्तिष्य१ मर्समाजिन। माफिजुन कगन्नानी निर्मिन। বিশ্বযোনিশা। একতঃ সর্বসত্যানি তথানুতশাতানি চ। ধর্মাধর্মকৃতাং মধে। স্থাপিতানি জগ-হস্ত তে। ঘোষসোঁ তত্মাধিপো দেবঃ পুরুষঃ পঞ্চবিংশকঃ। স এষেহধিন্তিতো দেবি ভুয়ি-তক্ষায়দো নমঃ। ইতি। ততস্তুলাস্থ্যোবিন্দ্যুপ্যর্মন্ত্রেৎ ঘণা নমে? নমজে গোবিন্দ্ দ্ধিতে। ত্বং তুলে সর্বভূতানাং প্রমাণ্মিছ কীর্তিতা। মাং তোলয়ন্তী সংসারাদুদ্ধরত্ব নমে:-দিভিকদভিতাকঃ শুদোদকেন সাতঃ সান্বস্ত্রং ত্যকেৎ 🛘

নমঃ ॥১৮॥ নমো রোহিতায় স্থপতয়ে রুক্ষণাং প্তয়ে নমো নমো ভূবত্তয়ে বারিবস্ফতায়োষ-নমোনমঃ শাষ্পিঞ্ৱায় ত্বিষীমতে প্ৰীনাং প্তয়ে নমোনমো হ্রিকেশায়োপ্ৰীতিনে পুৰ্কানাং পতয়ে নমঃ॥১৭॥ নমো বভ্লুশায় ব্যাধিনে>্রানাৎপত্য়ে নমোনমো ভবস্য হেইত্য জগতাং প্তয়ে নমোনমো রুদোয়াততারিনে ক্ষেত্রাণাং প্তয়ে নমোনমঃ স্তায়াহটত্য বনানাং প্তয়ে

ধীনাং পত্যে নমোনমে। মন্ত্রিণে বাণিজায় কক্ষাণাং পত্যে নমোনম উচৈচযোষায়াক্রন্যতে नमः नामार्गात्मका ष्यामीरम्कान्ट त्यां नत्यां नमख्छित्छा। धांवछान्ड त्यां नमः ॥२७॥ नमः সভাভ্যঃ সভাপতিভ্যশ্চ বো নমো নমোহশ্বেভ্যোহশ্বপতিভ্যশ্চ বো নমো নম আব্যাধি-গণপতিভ্যশ্চ বো নমোনমো বাতেত্ত্যো বাতপতিভ্যশ্চ বো নমোনমো গ্ৰমেভ্যা গ্ৰ-পতীনাং পত্রে নমঃ। ১৯। নমঃ ক্রেলায়ত্য়া ধাবতে মতুনাং পত্রে নমেনমঃ সহ-কিঘাৎসজ্যো মুফতাং পত্যে ন্মোন্মোহ্মিমজ্যো ন্কংচরজ্যো বিক্তান্থ পত্যে ভাকে বো নমোনম আতিষানেভাঃ প্রতিদ্ধানেভাক বো নমো নম আষিচ্ছদ্রোইস্জাক বো নশঃ॥ ২২॥ । নমো বিফ্জজ্জো বিধ্যন্ত্যেশ্চ বো নমোন্মঃ স্বপজ্জো জাগ্রন্ত্যেশ্চ বো নমো-দীতেনা বিধ্যন্তীত্যশ্চ বো নমোন্ম উগণাত্যকুংহতীত্যশ্চ বো নমঃ॥ ২৪॥ নমোগণেতিনা নায় নিব্যাধিন আব্যাধিনীনাং পত্য়ে নমোন্যো নিষ্জিণে ককুভায় জেনানাং পত্য়ে ত্তায়ুনাং পত্যে নমে। নমে। নিষ্দ্রিণ ইয়ুধিমতে তক্ষরাণাং পত্যে নমোনমঃ ফ্কায়িভেন নমঃ। ২১। নাম উষ্ণীধিণে ণিরিচরায় কুলুঞ্গানাং পাত্যে নমোন্ম ইষ্মজ্জো ধনায়ি-লমোনমো নিচেরবে পরিচরায়ারণ্যানাং পতয়ে নমঃ। ২০। নমো বঞ্তে পরিবঞ্তে

जाय क नमः भौत्राधि क नी जाय क नम किंद्याश कार्यकाशि के नतमा नारम्था क वीभाशि करिक সপতিভাশ্চ বেশ নমেশনমো বিক্লপেট্ডা, বিশ্বরপেভাশ্চ বেশ নমঃ॥ ২৫॥ নমঃ সেম্ভাঃ ভবায় চ ক্রায় চ শর্কায় চ পশুপভয়ে চ নগো নীল্মীবায় চ শিতিকঠায় চ॥ ২৮॥ নমঃ সেনানিভ্যুশ্চ বো নমোন্যো রিথিভ্যো অর্থেভ্যুশ্চ বো নমোন্যঃ ক্ষত্ত্যঃ সংগ্রহীতৃভাশ্চ বে শমোশমো মহচ্ছ্যে অভিকেন্ড্যেশ্চ বো নমঃ ॥ ২৬ ॥ নমন্তক্ষভ্যো রথকারেন্ড্যেশ্চ বো नरमानमः कुलाल्जाङः कर्मारत्रज्ञाक (वा नरमानरमा नियामिणः श्रिष्किष्णाक (वा नरमा রমঃ শুমিভৌ। ফণয়ুভাশ্চ বো নমঃ॥২৭॥ নমঃ শুভাঃ শুপাতিভাশ্চ বো নমোনমো ব্ৰষীয়দে চ নমে। বৃদ্ধায় চ সৰ্ধে চ নমোহতাগায় চ প্ৰথমায় চ॥ ৩০॥ নম আশিবে চাজি-কণি দিনে চ ব্যপ্তকেশায় চ নমঃ সহস্রাক্ষায় চ শতধন্তন চ নমো গিরিশায়ায় চ শিপিবি-ফীয়ে চ নীমেশ মীচুফীমায় চেষুণতে চ ॥ ২৯॥ নমেশ প্রথায় চ বামনায় চ নমেশ বৃহতে চ ॥ ৩১॥ নমোজেকায় চকনিষ্ঠায় চনমঃ পূৰ্বজায় চাপ্রজায় চনমোম্যায় চাপ্ণ-নভায় চ নমো জঘন্যায় চ বুধুয়ায় চ॥ ৩২॥ নমঃ সোভ্যায় চ প্ৰতিসৰ্গায় চ নমো বাষ্যায়

তুলারোহণমন্ত্রপ্রকরণম্

८ ६क्कम्रोग्न प्र अप १८%। क्रांक्राग्न प्र प्रमाम् मान प्रमाम् प्रमाम् प्रमाम् प्रमाम् प्रमाम् प्रमाम् प्रमाम्

ন্যঃ সিকত্যায় চ প্রাহ্যায় চ ন্মঃ কিংশিলায় চ ক্ষ্যণায় চ ন্মঃ কপার্দিনে চ পুলস্তয়ে চ নম চ হ্নীয়সে চ নমো ব্যক্তো হরিকেশেভ্যো শমস্তারায়॥ ৪০॥ নমঃ শস্তবায় চ ময়োভবায় চনমঃ শক্ষরায় চময়ক্ষরায় চনমঃ শিবায় চশিবত্রায় চ॥ ৪১॥ নমঃ পাধ্যায় চাবার্যায় চ বাৰ্ত্ব্যায় চ বাস্ত্রপায় চ নগঃ সোমায় চ কুদোয় চ নগজানায় চারুণায় চ।। ৩১॥ নমঃ শৃংগবে চ পশুপত্যে চ নম উআয়ে চ ভীমায় চ নম অত্যেবধায় চ দুরেবধায় চ নমো হজে গ্ৰীয়-চ বৈশ্ৰাষ্চ।। ৩৭॥ ন্মঃ কুপ্ৰায় চাব্ট্ৰায় চ নমো বীধ্ৰায় চাতপ্ৰায় চ নমো মেখ্যায় চ বিদ্যুত্যায় চ রমো বর্ষায় চাব্ধ্যায় চ ॥ ৩৮॥ । ন্ধো বাত্যায় চ রেখ্যায় চ নধো ভেদিনে চ। ৩৪॥ নমে। বিলিনুনে চ কব্চিনে চ নমে। ব্যিগে চ রক্ষথিনে চ নমঃ জাতায় চ আচতমেশ্যি চ নমে। দুন্দুভায়ে চাহ্নন্যায় চ॥ ৩৫॥ নমে। ধ্ষঃবে চ প্ৰস্নায় চ নমে। নিষ্কিণে চেষু্ধিমতে চ নম্ভীক্ষ্ণেধ্বে চায়ুধিনে চ নম্ঃ সায়ুধায় চ স্থবিনে চ॥ ৩৬॥ নুমঃ জ্বত্রায় চ পথ্যায় চ নমঃ কাঠ্যায় চ নীপ্যায় চ নমঃ কুল্যায় চ সরস্থায় চ নমো নাদে-ন্দঃ প্রতরণায় চোক্তরণায় চ নদ্তীথ্যায় চ কুল্যায় চ নদঃ শাস্প্যায় চ ফেন্যায় চ।। ৪২।

চ কক্ষায় চ নমঃ আবায় চ প্ৰিঅবায় চ নম অভ্যেণায় চাশুরধায় চ নমঃ শ্রায় চাব-

असमा उर। भंतरम दक्क जांधुक्षर निषांत्र कृष्टिर तमान जांठत भिनांकर विज्ञमांभिक् ॥ ৫५॥ (ইতঃপরং দ্বে অরুফুভে)) বিকিরিদ্র বিলোহিত নম্ভে অস্ত ভগবঃ। ্রাভে সহঅং হেত-সহস্রাণি যে কুল। অধি ভূম্যাম্। তেয়াং সহস্রোজনেহবধ্যানি তন্মসি ॥৫৪॥ অস্মিল্ছত্যণ্বে তেষাং স॰ ॥৫৬॥ নীল্ঞীবাঃ শিতিক্ঞীঃ সৰ্কা অধঃক্ষমাচরাঃ। তেয়াং স॰ ॥৫৭॥ যে রুক্ষেয় मिष्मिक्षत्रा मीलधीया विटलाहि जाঃ। তেযাং म॰॥ ৫৮॥ 'যে ভূতানা মধিপতয়ো বিশিখাসঃ (য়ৗঽ৸৸য়য়য়ঀ৸ড় তাঃ ॥ ৫২ ॥ मङ्खांगि मङ्खरमा वात्सांखव (ङ्जয়ঃ। তাসামীশানো ভগবঃ প্রাচীনা মুখা ফ্থি।৫৩॥ (অবকান্সংজ্ঞা অস্ত্রুতো দশ বহুরুদ্রদৈবতাঃ) অসংখ্যাতাঃ তাত্রিকে ভবা অধি। তেষাং স০॥ ৫৫॥ নীলগীবাঃ শিতিকণা দিবং ক্রা উপন্থিতাঃ।

যে তীৰ্থানি প্ৰচরজ্ঞি স্থকাহস্তা নিষ্কিণঃ। তেষাং স॰॥ ৬১॥ যেহলেয়ু বিবিধ্যজি পাত্ৰেষু ভেষাং সত। ৬৩। (ত্রীণি যজুংমি) নমোহস্ত ফল্রেভ্যো যে দিবি যেঘাং বর্ষাম্যবঃ। ভেভ্যো मम वाधिमम मिक्ना मम अजीतिम्टमामित्रीम्टमान्नाः। ८०८७॥ नत्मा बाख ८० त्माश्वकु कर्मिक्तः। ट्विमार मः॥ ८२ ॥ ट्य भथार अधित्रक्षम जेनवृषाचाश्रुष्र्भः। ट्विमार मः॥४०॥ পিবতে জনান্। তেযাং স৹ ॥ ৬২ ॥ যএতাবল্ড জুয়াংসক দিশো রুদা বিত্তিহিরে।

২১১ তে নো স্ভয়স্ত তেয়ং দিয়োয়ায় কে নোদেদি তমেয়াং জন্তে দ্ধাঃ॥ ৬৪॥ নমোহস্ত কন্দে-

ষথা পৰিত্ৰমতুলমপত্যং জাতবেদসঃ। তথাকেন পৰিত্ৰেণ স্বৰণং হি পুনাতু মাম্॥ ২১১ कृष्टर भिष्ठित्रा (भी রাণিকমন্ত্রান্ পঠে। यथा नभछ्छ अस्कृতानाः माक्कीकृष्ठ मना-उमिं। भिष्ठामहरून (मवि घृर निर्मिष्ठा भे तहनिष्ठेन। वृशा धृष्ठर का १६ मर्सर विद्यः-জুমিতঃ ফলক্ষুভিষ্ঠেৎ তাবৎ স্বৰ্ণং রজতং তাঅং বা দুদুঃ। ততো যজমানো মুভ্রু-ज्या ताश्खितिक त्ययाः वांच इ्यवः। ट्यांच्या मन थांनितिकामि ॥ ७८॥ नत्याध्यः व्यथं जुनांशुक्रयस्वामांन्याताताः। याचिताम्यः मक्तित कनत्क यावजा ञ्चन्तामिन। শাকং তত্ত স্থিত্য ততোবতীয়া পুনন্ত মাং দেবজনা ইত্যাদি (২০১প০ ২ প০) প্রাঞ্জতং স্বিরজদাং। সর্ক্তাপুড্তফে নমজে বিশ্ধারিণি। এবং তুলামভিমন্ত্র দানীয়দ্রস্— क्रमुख जू मह जि छ । को बिरक ग्रम् अखेर । जिया दिम भिरिज । प्रति श्रिमो जूमाम्॥ ৰৎ ক্ষতৎ মে স্বকাল্যেন মনসা বচসাথ বা। দুক্ষতৎ তৎ স্বৰণস্থং যাতু মুক্তিং প্রাফ্ শুভাষ্। ম্যায়িকেবতাঃ সর্কাঃ স্তরণং হি স্থদাত্মকম্। তথা কেন পরিত্রেণ স্বৰ্ণং হি পুনাতু মাম্॥ कृत्बर्रज्ञा त्य श्रीयेव्रार ध्ययाम्बाम्यवः। रज्ञाज्या मन् थ्रानिः॥ ७५॥ च०५७ व्ययाग्रः।

ब्हादांदमर्शक्राजा। ज्याथादमर्गवाहानाः। त्विमिर्भाष्टम् डेमविका वाष्ट्रांष्ट्रं व्याष्ट्रिक প্রতাপজিতসর্বন্ধ্যীপলোকভূমঞ্লাধিকরণকরাজত্বকামঃ জীলক্ষ্মীসহিত্বিফ্র্প্রীতিকামঃ নিত্যমতঃ শাজিং প্রযক্ত মে ইতি তাঅমভিমন্তরেৎ। এবং পঠিতা তুলিতদ্রব্যার্ধ-সাচাৰ্যায় দ্দ্যাৎ। অপরম্ধিস্ত্রিণ্ভ্যঃ এবমুৎসর্ণদ্যমিত্যকে॥ শুর্ক্ত্বিণ্ড্যঃ সর্বেভ্যএক কর্। তুলাদ্ররাং তুলদীকুশোদকেন প্রোক্ষ্যাভাষ্ঠ্য চ সাক্ষতকুশকলপাণিকেশাদিকং সুস্থ। কামনায়ামেইকক্মুষ্তরকালাবচ্ছিন্নপ্রিলোকপালগুনিনিবাসপুর্বকস্থণিকিস্থিনীজাল-ফু. পুরাধিকরণকাবস্থানানন্তরভূপালমোলিমণিরঞ্জিতপাদপীঠশ্রদাষিত্যজ্ঞসহস্রধাজিত্যুক্ত সৰ্কুপাপক্ষয়কামো। বাহমুকপ্ৰরায়িতামুক্গোত্রামুকশ্বাহ্মেতৎস্থারীরসমতোলিভস্কণী-फिन्नवार्षाका काघोटमवर्ट तक्र (४६ ठन्नोत्रवर राज्य ८६६ स्वीटमवर्ट कुर्धान মুক্রণাত্রায়ামুক্দেবলর্মনে আটাবায় ত্রদম্জ্যা নানাশাখাধায়ায়িত্যো নানাগোত্রেত্যো है छातम सर्गम्—क्रमतमज्ञमुष्ठ अस्त क्षिठ्य मिष्य मान्य । यमानामच तम क्रम् हं श्रीय जार **ड**ळन्दमनः इं डि इक्टम् — डांचर भूकिक्द्रः भर्तराम् द्याक्त्रः क्टम् । मर्पत्रकांक्द्रः বিষ্ণাৰক্ষণকানেকাপ্সরঃপুজাসহিত জীবিষ্ণু পুরগামনপুর্বককণ্পকোটিশতকালাবচ্ছিন্ন জীবি-

ক্রেণ গুরুকরাধঃস্থিতোতানদক্ষিণক্রেভ্যঃ সর্কেভ্যো যুগপদেব বা গুর্কাদীক্ষ্ পোত্রা-

দক্ষিণাং শতং স্ত্রণানি এন্যরত্বস্ত্রোখণজাদীন্তি অমুকামুক্রোম্ক্রিমুক্শর্মভ্যঃ অমুকামুকশাখাধাগায়িভা গুর্বি গ্ভাং মুয়ভামহং সংপ্রদদে ইতি।

क्रांकां ये पूर्वित्रम् व मिक्स्तिस्मिन्। भूनस्मिनामि मुज्ञ क्रेटिड्यूनां भूक्ष्यम्। मिथिडिक्रीष्र

স্তম্। তত্তাপাৰ্দ্ধং কনিষ্ঠৎ ত্তাৎ ত্ৰিবিধং তত্ৰ কিপিতম্। স্বৰ্ণদানে তাবৎপারিমিতং রজতং क्रक्टामिमाटन 5 टावट यन्ट मिश्य। उथा, वख्युधार उट्यांखीयर कुछनर क्षेज्यनम्। जक्य-ष्यथ् भक्तःक्रुमाट्डन मिक्कनाम्निनियम्ड। भङ्गिक्सिक्ट (बेकेट उनर्षं मध्यम् नौष्ट्रयुन्देश्वय गनिवन्त्रम् । जुरानि देव मर्तानि थीत्राम् धर्मकर्षान । शुर्ताह्रिजा मखीथ श्रांचिन्छाः मराधामानारायः । भुरत्वाक्त्यमानः मर्त्वर (माखीयः वज्रमरग्रुज्यः । ममारम्-कैद्धार्याख्या कुछनाक्चामन् दुष्ट । मिक्किनार क भेष्ट् किन् वियात्र अधिभागत्त्र । ঋত্তিজাটঞ্চৰ লক্তেৰাং শতনিকান্ প্ৰদাপয়েৎ। যাগোপকরণদ্রব্যনাচার্যায় প্রদাপয়েদিতি। ज्यथ्य। व्डिन्नग्राप्तिमा कर्त्वामीम् भद्रित्वायारमारमारमा मीमामाथविभिष्करणा वाष्त्रति

শান্ত্যাদিকং পাঠয়িত্বাবাহিত গ্রাদীন্ পুজারিত্ব। প্রণয় বিদর্জয়েৎ। বথা উভিষ্ঠে তাত্ত। अनाप्तरार ममार। उठः मह्मेर भठः या वामानाम् ज्याकायर। उठः ययनायार

मर् कतिरया रेजाज्ञिनी विक्युमात्र क्यांत्र व्यामित क्वजा क्षा वारात्वाश्वराषु २०७ দেবয়ন্ত্ৰেম্চেছ। উপ প্ৰয়ন্ত্ৰ মুকুতঃ স্মুদান্ব ইন্দ্ৰঃ প্ৰাশূৰ্বী স চা (য০৬৪ অ০৫১ম০) ইতি मात्र तमट्या मोडा तम्हि थामीम तम। भक्त भक्त ऋत्वार स्थारम भत्रामध्त। यज् जन्मा गुंड एम्वरीणाः मटक शृकामामात्र याख्डिकाट (२ भाषियोम्)। इष्टेकाममस्कार्थः शूनदाराममात्र চেত্যনেন পুষ্পাক্ষতপ্রকেপেণ বিসর্জায়েৎ। ততো ইহম্প্তিমাঃ সোপকরণম্ভপ্র্যাচা-प्रांशिं जिन्मा मम्रार । यक्तमावर्भा क्यां भक्त्र भामि क्र मश्कण्मा जार दिन्य जर्म मम्रार जंख ५३७ फिछामाख्यतकार्राव्यो व्रजी हमः व्रहम्भाजिटक्वजा त्मविमञ्ज्ञतम विका छिल्कि जम्मनम्भार्ड পঠিতা দেবার্থাণ্য বিসৰ্জায়েৎ। তত্রাদে। গক্ষ্ মুং ভগবন্ধয়ে স্ক্রানং কুণ্ডমধ্যতঃ। হ্রামা-প্রতিপজিরপত্ত্বেন ন সংকণ্পাপেক্ষা। ততে। স্থানাতিরিক্ততাপরিহারার্থ বিষণ্ড মরণ-দুয়ো দেবাগুত্র গচ্ছ হুতাশনেতি মন্ত্রাভ্যাৎ বহিং বিফ্জা সন্ধামণ্ডপদেবতা ঘারদেবতাশ্চ, डिक्टिने प्रमिष्टम्। उदमर्सर श्र्वार योजू डाम्हेर्य थमाम् इरिक्निरहेर। उहना **ইন্তেম** মুক্<u>তমেব্যতুলাপু</u>ক্তমদানেন ভগবান্ বিষণুঃ প্রীয়তামিতি বদে<u>ৰ ৮</u> ততোহন ষ্ত । সারণাদের তদ্বিষ্ণাঃ সংপূর্ণং স্থাদিতি জাতিরিত্যুজ্যেঃ। ততঃ মন্ত্রীনং ক্রিয়াহীনং

ঞালিং বন্ধা বিপ্রান্ প্রাথমেত ভোঃ জীমত্তো বান্ধাণা ময়। যথ তুলাপুরুষাধা^{ট্} কর্ম রুত। তদেশতঃ কালতো মন্ততো ভক্তিতো দ্ব্যতঃ শক্তিতো যন্ম্নাতিরিভাৎ ত'দ্বয় ম্রণাৎ রটক্তব তেন গতত্তাং তাদাক্র্যমুমানিবেনতুলেখি কর্মফুলং তাদ্ণাপ্যেথ। তত্তো নমো বিশ্ স্তে কুতাং বিশারপাশুনে নমঃ। পরমানন্দরপ ছং পাহি সংসারকর্দমাৎ। তেকো-वशाहि कुरामिममञ्जानाक्षिम क्रिजा मिववत्त्रम मिज्या जमी यूता त्य यूत्रानांक्रमानां क्रमा श्रां । उठः कूष्टेषमवक्काणः मार्क्षिकोन्नामिकः जूकी छ। त्रोभाञ्चर्गमामारको मामाम्रदेगः म्हा (म्वेशनांक जिल्मम्। घुटमः धर्मामाम्हम्भारम् भार्मिष्कु अधि ज्या ज्या ज्या । ज्या क्र জুৎ সতুত্তং মুরারে বিফেগ সুসিংহেশ নমে। নমজে। ওঁতৎসদিকুচার্য্য আশাণালিষে। গৃহী-भित्रभूषीमस्त्रि मिट्स विक्षा वरमग्नुः। ততো जमार्गिष जम रुविज मार्गो जमार्ग जन्। मंत्रमित्र (क्षांत्र मम्। शन्मित्रि (यागिमः)। म घर जनामुक्षत मार (मित्रि मुज्जिर मनोजनोम्। ইতিজীতারানাথতকবাচম্পতিভট্টাচাধ্যবিরচিততুলাদানাদিপদাতৌতুলাদানপদাতিঃসমাধা। माधाविमार्ड मम्मितिमारेनिविमम्मितिमारेनक्षा स्वर्गिह्टेज्ञनाशुक्यः मिष्ट्र मकाएज ।

শিনীকুমারাণামেকদিশকদাণাঞ অহণমিতি হেমাদ্রিপাভ্তয়ফেনাইত্রকপঞ্চাশদেবতাঃ ১১৪ সাগিরদানঞ্চ ১৫ রত্নধেলুস্তবিধ্ব চ। ১৬ মহাভূত্বট্স্তব্ ্ষোড্শঃ পরিকীর্ভিতঃ। এষু চ उपनक्षम्। ८ कण्णेषामभानकः ५ (भौमङ्खकः भक्षम्। ७ हिं ३०।कोम् ४ क्ष्म गांचेखटेथव छ। ৮ हित्रगांचेत्रथेखहद २ ८ हमहित्रथ्खथा। ১० भक्षमाक्रनक्र ७६८ 55 महामिनि ७७३ महम्। 52 मामिन् दिया जिस् ७७३ ६७ कल्पान जाया मा ेमुट्रबंकु विनायकां क्रिया हत्नां कथीन वयके का कि जाम कुला गाम्। जमा जुरा ज्या कि वन न्य जी मार ক্ষমন্ত্রতী হোমচতুষ্টয়ং জাৎ। জপ্যানি ফ্রানি তইথব টেঘাময়ক্রযোণাপি যথাস্করপম্। ইতি মৎস্থাপুরাণেন পুজ্যা দেবতাঃ প্রদাশিতাঃ। বিনায়কাদীত্যাদিপদেন দুর্গাবায়াকাশা-ভালি তইথৰ পাঠ্যানি ন পুনৰ্গায়ত্ৰী লপাদিপ্ৰতিনিধ্যাদিন' জপ্যানি যথাস্থলপদ্ভিপদ্সর-मङ्ख्येषम्। ड्यारम्याञ्चकत्मन श्रुरिमामिकत्मन स्कामानि मथायज्ञामर् चथा (तरम् भित्-मच्छि (ष्रिष्ट्रंभ महामानानार नामनक्षणीन थम्नीरख। (ह्याधिमानशिका जारमी मदस्थीतानम् व्यामान्तः मर्वमानान् ऽ जूनांशुक्रमम्बिङ्ङ्म। २ हित्रनागर्जमान् ७ जना ७० প্রত্যেকদেবতাত্বপক্ষে পঞাশীতিদেবাজেষাঞ্ বেদচতুষ্টয়োজভিন্নভিন্নইন্ত্যিদান

চতুষ্টয়াককত্ত্রৎ মহাদানত্ত্বিগতি সিদ্ধম্। অতস্ত্রলাদিদানেইবশানেবতেষাং স্ক্রন্ধানি জপ্যানি - স্কুল্পমেব ন সিদ্ধ্যতি। সপিতীকরণে পিওদানাভাবে প্রধানানিজ্পভেরিব তেষামপি স্বরূপা-ন্ন্যায়াদক্তবৈশুগো বিশেষতঃ স্বরূপাধায়কাক্তবৈশুগো ন ফলসিদ্ধিরিভ্যান্তং বিস্তরঃ। ধান্সা-• : এত্তেমু যোড়শাস্ত্র মহাদানেমু তুলাপুরুষদানমেবাপুনৈতদেশে প্রায়শোবহুভিষ্থাক্থ-সাদেবঞ্জ স্ত্ৰজ্ঞ পাক্ষকত্ত্বে সতি বিনায়কাদেকে পঞ্চাশদ্দেবীয়চতুৰ্কেদোক্ত স্বস্থাস্থ্ৰরণকহোম মহাদানতাপ্রোজকতাদুশস্কু জগণাতাবে চতুর্ধেদীয়তিমুভিন্নস্করণকহোমাতাবে চ তেষাং निकारबर्म कनावाधिः। किरिक्षट्वमाः काम्रामान्वमा कारम् मर्ममाज्ञमान्यिकात्रो ७ वचीजि চলাদিদানেযুতু কুণ্ডমণ্ডপাদিসত্তেহপি স্ফুক্তজপাককর্নভাবাৎ চতুর্কেদীয়মন্ত্রকরণক্বিন-ফিদ্বিধানেইনৰ ক্রিয়মাণতয়োপলক্ষ্যতে তথাতুলাপুরুষদানবিধানমেব সর্কমহাদানবিধান প্রকৃতীভূতমন্যাদি তু তদ্বিকৃতীভূতানীত্যতঃ প্রথমং তুলাপুরুষদান্মেব সপ্রপঞ্চমভিহি-প্সংকারমাতৃপুজানান্দীমুখুআজাদান্ত্রিবাসনাত্তং কর্ম সর্বেদ্ধি সমানং কেবলং ততোধিক-তম্। অনেইনৰ বিধানেন সৰ্কাণন্ন্যানি কাৰ্য্যাণি। তত্ৰায়ং বিশেষঃ পুণ্যাহ্বাচনাদিস্তস্তম্ঞ 'য়কাদিহেশ্যাভাবাজ ন মহাদান্ত্মিতি বোধ্যম্।

ৰক্ষ্যক্তে। কিঞ্চ তেমু দানমণ্ডপ্যাণিয়োদ্ব বিবৰ মণ্ডপৌ কাৰ্যোগ এক্মিন্ মণ্ডপে স্মাবেশা- ২১৫ <u>ধায় কুণ্ডামিতি চ হেমাদিপ্রতিষ্তবলপুরাণীয়েনৈককুণ্ডমাত্রং বিহিতমতন্ত্র স্বশাধোক্ত-</u> ट्नांकशाना व्यर्को यमवः जमाविषः निष्क्रीमिक्ष्रीतः कांमरान्वसमार्म्भागर्थन्वम्बत्ता ইত্যেতা দেবতা আসামেবাবহ্নপুজনহোমাদিকং স্বস্থাধোজগলৈঃ কার্যং তত্ত্ব চ প্রায়ুশো বহুনামেৰ দেবানাং মন্ত্ৰাজ্ঞলাদান্বিধানে দৰ্শিত। অব্শিতানাং তুধ্যানপুজাবাহনমন্ত্ৰাশ্চাপ্ৰ ২১৫ দেবতাপুজাদিকং ভত্তিদ্বিশেষদানেমু বৰ্ততে তল্লিরপণং তেমাং পঞ্চশানাং দানানাং স্কর-भिष्कित्रभाष्कारण विजीवधर्ण कष्रिव्यामः। साम्गारुमाम् मान्त्रम् जू कुण्याक्ष्मामिकम्बिवाम नास्त्र कर्षारनटेनव विश्वारनन थांग्रमंड मर्खर कार्यम्। किन्छ उन्न, प्रमांनार त्नांकभीनामार ব্ৰনাদীনাঞ্চ সৰ্বশঃ স্বমন্ত্ৰেলৈৰ সৰ্বেদ্ধ হোমঃশৈলেদু পঠাতে ইতি, পূৰ্বেণ ছন্ত্ৰিনিডমত্ৰ বি-বেদমক্রেইএকএব হোমশুপা তত্র বিনায়কাদয়োগাত্রিংশকেব: ঘাদশাদিত্যা একাদশ ফুদ্রা দশ ভাবাৎ। অতিএব ধায়ো ধামাত্তরং ত্যক্ত্রী মঞ্পামঞ্পাত্ররমিত্যক্রম্। তথা চ মঞ্পদুয়ে वर्षमानाष्ट्रियकामारमारमामोहाकष्मानि ज्ञमक्त बानगांकनारमा मगानाना उत्पर्धम्।

. जिर्थमानीः मर्कक्षमाथार्वन्ववार्यागिविधान्यम्बिङ् थम्भार्ज। जब मन्धर्यागिर्जि उनायू उट श्मिविशान यूकार जा जीक मिनि मिं क्षी एक ग्रां यूट भाजारम् भाष्तिक रिगार जिन्न न मुन्याह्यांगर कतित्या हेजिमरकण्णा भूगाह्यांह्यांह्यां कर (८, ६भ० २, ५९) माज्यां मुख् .শ্ৰথাহম্ধাধ্যময়তহোমং কুৰ্গাৰ্। যথা প্ৰশক্তেংহনি ৩০তে মুহুৰ্তে সংভূতোপকরণো বিধঃ অমুত্ত হামোলক্ষত হামঃ কোটি হোমকেতি তত্ৰ লক্ষত হামে বিশেষাবিস্তর ডিগা নোকঃ। যজ্মানঃ ক্তনিত্যঞ্জিয়ঃ অদেয়তাাদিনা দেশকালকীর্নাতে অমুককামোহযুত্হোমেনাহং

नि ३, २ मृ०) शूर्त्वास्त्रिमिनी विश्वाय जन जूमिमःकात्र (५७, ५८, ५८, ५४) योष्ट ক্ষত্ৰ ভাৰত্যস্তমভোৱনধন্ত পাৰ্চানিয় ভাৰেদৰতাঃ (১১প০২পৃ০ অব্ধি) আবাহ্য সং-श्का छ उसा मध छोटन इखमाजकुष १ कृष्टिन यो विधाय उटकामांमटमटन (विमिक्ताभिति न्। नोनोबोका कि कि १ १ १ १ १ १ । वा छ जि कि मा विषा । प्रजूता वाका । स्थिति कि प्राप्त । -इ. क.) व्याख्यक्रिममा वृष्टां ष्रभार्थाक्रिममा मधुशर्क्नाईरव्य। उठ व्याघार्या। वज्र-যানগৃহাদুত্তরপুর্বিদিশি থাণ্ডদক্ এবণায়াং ভূমে। দশহজ্যমইহজং বা মঙপং (১, ২ **ঞহদে**বতাদিস্থাপনায় হস্তবিস্তাদিরদীঘাৎ বিতস্তাচ্ছা গৈ৷< বপ্রদার্তাৎ চতুর সামুদক্**প**বণাৎ ২১৬ বেদিং কুৰ্মাৎ। ততাঃ প্ৰযোগ ক্ৰোদ্যস্থলোচ্ছায়ো দিতীয়স্ত্যস্থলোচ্ছায়ঃ দাব্সি काकूमविखातवर्खी कार्रिगो। उन्डे(>६ भ०ऽ भृ०) वोखनमा भक्षगर्वान मुख्या (आधि हिन्नो <u>ज्ज द</u>िक्क्याभन्यकांत्री दिमर्ज्<mark>डामन थांभ्मिक्</mark>जिः। ज्हेजा धिक्ददमग्नाः (७२भ॰ २भृ०) তত্র কুণ্ডস্ত স্থা ভিন্ত । মধ্যে সিক্তোপকীণে স্ব্যাস্থাজবিধিন। বহিং স্থাপায়েৎ।

১পৃ০) তেষাং প্রাণগতিষাং কুর্যাৎ। আত্র ইন্দাদয়ো দিক্পালা অপি দিক্ষু স্থাপ্যা২১১ রাদীন্ নবাধিদেবান্ বহ্যাদীন্ নবপ্রত্যধিদেবতা বিনায়কদুর্গাবাঘুাকাশশিশীকুমারাধ্যান্ ্পুদাধ্য, ডক্সণ্ডললিখন্তদক্ষদেবতাপুক্নমন্ত্রেণ বা কুলাচারায়ুসারেণ (৩৭ প০ ১ প্ প্রতিক্রাদিশা সর্কতোভদ্রমণ্ডলং বিলিখ্য তত্র মঞ্জদেবত। আবাহাভ্যেক্য তদুপরি বস্তুং অব্ধি) প্রাঞ্জেদিশা এইমণ্ডলং বিলিখ্য তত্র রব্যাদীন্ নব গ্রহান্ প্রধানদেবতা ঈখ-পঞ্চ লোকপালাংকেচতি দাত্তিংশদেবান্ সমাবাহ্ হাপয়িত্ব। মনোজুতিরিভ্যাদিন। (২৪প॰ <u>তত্ত দ্বিতিংশক্ষেবানামাবাহনমন্ত্রাঃ পৌরাণিকাস্তলাদানাদিষিবাত্রাপি শধ্যাঃ কিন্তু</u> ইতি কেচিং। তেষামাবাহনাদিকম্পি (৪১প০ ১পু০ অব্ধি) প্রাধং কার্য্য।

এইযজ্ঞে ডেমাং স্থাপনাদে) কচিদিশেষোইস্থীতি প্রমাণতত্তৎ প্রদর্শাতে 🖟

विधानमाहिकाट मारट्य प्रवानार खामनर क्र्याम्थलम् विधानजः। जाधिय-ভিশ্চ চিত্রজ্যোতিশ্চ স্তাজ্যোতিশ্চ জ্যোতিশ্বাংশ্চ। শুক্রশ্চ শ্বতপাশ্চাত্যংহাঃ। (য৹ ১৭অ০ ৮০ম০) অত্র ইম্বরৈশ্বরিত্যুক্তেঃ ম্বম্যন্ত্রা অপি প্রতিষ্ঠায়াং পাঠ্যাক্তে চাবাহন-आमिलां जियुवा मर्स माधिका जाबि देवा ने का भाग जाभिः मृत् (82 भः ভৌমায় ইদং বিষয় (৫৭প০ ১, ২প্০) বুধায় চ। ইন্দং বিশাও (৭৯প০ ১প্০) প্ররেজ্যায় १९७). सिंजि सांश्टन। , किन्डिन जम क्छांम् (১२२भं ५९) रेयरेयस्टिनः थानिष्ठे-তাই। এতে চ প্রায়শো দর্শিতপত্রপুষ্ঠাদে। প্রকরণাত্তরে উক্তান্তেহত্র দ্রষ্ঠব্যাঃ। কিন্তু গুক্র-ঋ বিক্ষফিক্ ছন্দঃ গুকো দেবতা গুকুছাপনে বিনিয়োগছতি স্মুস্থ। শুকুজো-প্ৰকরণে দশিতাঃ ৷ অথাধিদেবাদিস্থাপন্মন্ত্ৰাঃ বিধানপারিজাতে ফাল্দে এহ্যজোপজিশে भग्न- क्रमा त्वमामावास्ट्य स्वान्। त्मवजास्त मरस्यापा विश्माण्य मिनाषिकाः। ২পৃ০) সহস্রাংকোঃ সোমায়াপ্স ম (৭৭প০১,২পৃ০) ইত্যথ। স্ভোনা পৃথিবী (৫৭প০১পৃ০) শুকুলেজুাতিঃ সিতায় চ। প্রজাপতে (৭৮প০ ১পৃ০) হথ সৌরায় আয়ং গৌ (১২৮প০ জৈগতিনিতাত কুতাপাল্জে সএবাতাভিধীয়তে যথ৷ শুক্রজোতিরিতাত প্রজাপতি

ক্ষ্যাহনমইন্ত্রঃ প্রায়শঃ সমান্যঃ কিন্তু কচিৎ বিশিষ্টান্তেম্পি প্রকরণাত্তরে চিক্নিডপাত্রাদে। ১১৭ রিখিতি (৪২ পি০ ১ পৃ০) মজেন চিত্রগুগুং নিধাপায়ে । অগ্নিং দূত্যিতি (৪২ প০ ২পৃ০) ফ্মেৰ্ব্যন্ত্ৰত উদুত্তমম্ (৭৯প০ ২পৃ০) জোনা পৃথিবী (৫৭প০ ১পৃ০) মেদিনা৷ ইদং বিষ্ণুক্ত (७७५० ५९०) विकाद । हेक्सारास्का (১२,३५०२१०) हेडीक्सर्छाछामर्ग (११५० २१०) টতঃ (৪১প০ ১পৃ০)। আ বন্ধব্রিতি (৪১প০১,২পৃ০) বন্ধাণং সজোধেলেতি (৪১প০ ২পৃ০) ৰাসবম্। যমায় ত্তুতি (৪২প০ ১পৃ০) চ যম্ৎ কালং কাৰ্ষিরসীতি চ (৪২প০ ১পৃ০)। চিত্র'-স্ক্রটন্তা নমোহন্ত সংপ্ত্যঃ (৪৪প০১পু০) সপাণাং স্থাপনে মতঃ। এতে চ মন্ত্রাজনাদানা-শচীস্থিতী। প্রজাপতে (৭৮প০১প০) প্রজেশস্ত্র এষ ব্রন্ধোতি (১৩০প০ ১পৃ০) বৈ বিধেঃ। দশিতাঃ। বিনায়কাদিলোকপালানাং স্থাপনে জু আহ্যজে বিশেষতোমন্তানিভিধানাৎ তুলাদানাক্ষান্তাএব আছাঃ তে চ পুৰ্বং (৪৫প০ ১৭০অব্ধি) দশিতাঃশ -দুক্পালানাং

দেরতাত্মপক্ষেহপি (৪১প০১পৃ০অব্ধি) পূর্ববিদেব স্থাপনম্। ততঃ (৫০প০২পৃ০অব্ধি) প্রা-

পুজয়েৎ। ' এহাণাং পুলায়াং চন্দন,পুষ্প, বিশিষ্টবর্ণবস্ত্র,ধুপ, নৈবেদ্যেষ্ হিশ্ব প্রাণ্ডক্ত-किमाद्दरमग्रः। ততঃ माछिकनाम् खाँभाग्नः। यथा ८४मा मेमान्जात्मश्चाष्ट्रापन-গুকুদিশা খ্যাত্রা ঘাত্রিংশদেবতাঃ দিক্পালসহিতা বা যোড়শভিরুপচারৈঃ প্রত্যেকং

যাগকৰ্মণি সুধ্যাদিনৰতাহরূপ প্রধান্দেৰতানামীশ্রাদিন্বাধিদৈৰতানাম্য্যাদিন্বপ্রতিষিদৈ ক্ষণোপেতং তীৰ্যন্তন্পুরিতং পঞ্চপলবরত্নস্তিকাসর্বেবিষ্যুক্তং শান্তিকুদ্রং (২২পণ िक्कि क्रम्भ ज्व शंकोष्ता व्यावाक्ट्यतः। यथा शंकोष्ताः मृतिकः मर्बाः ममूमांक महारि ইউ্যাবাছ দেবদানবেত্যাদিনা (২৪শ০ ১পৃ০) প্রাণ্ডক্রেন প্রার্থয়েত। ততো বহ্নিমং-कांत्रोमिकः. यत्रमारथाकविधिमा कार्याम्। उठ जाघात्राकाष्ट्रामी छञ्ज प्रथानरहाम-সংকশপং কুৰ্যাৎ। যথা অদ্যেত্যাদিদেশকালকীৰ্তনাত্তে অমুককামন্যা মৎসংকশ্পিতগ্ৰহ र्भु•व्यव्यि) वाखळाविधिन। व्यिकीमा ज्वा वक्रमावांश् मरश्का म्थाक्ष्ठामिरमा-চ। সর্বে সমুদ্রাঃ সবিত্তীধানি জলদা নদাঃ। আয়াঁস্ত যজমানস্য দুরিতক্ষয়কারণাৎ।

রেকৈক্যা চাজ্যাত্ত্যা একৈক্যা চ চৰ্বাত্ত্যা তিলাজ্যাদুগপকণ্শিতদ্বোগ দশভিদশভি वज्ञानार भरनभामिष्यकानाक्षांनानाथ मिक्षांनमहिज्ञानार वांगुकांगुकमरथााजित्रकीमिमभिषिष

২১৮ রাছতিভিরমুতসংখ্যাতিশ্চ ব্যক্তমম্কমহাব্যাহাতিভিক্তিলাজ্যাছতিভিঃ শেষেণ স্বিফুরুতশ্চ হোমকর্মাহৎ করিয়ে ইতি সংকূপিং রূত্বা চরুৎ এপায়েৎ। তত্র স্থ্যায় ত্রা জুষ্টৎ নির্ম্বপা-

কুৰ্যাৎ। ৰথা যজমানন্সুক অ:চাৰ্য আঘারাজ্যভাগে। হত্তঃ মহাব্যাহাতিহোমৎ চ বিধায় সুৰ্ব্যা- ২১৮ श्रदङ्जा भूरिनेन (क्कोनिशिश्व। शूनइष्टिः (थिष्किः मग्र दिएका हेमंगगुरा स्वीरमाजािमिथ-नी. में भागानी नागरना मीरगक श्वान विष्य एन ने प्रकानी मू. मर्कामार टेठक छाना। रवा त्रा का कर-স্ধায় স্বাজ্ঞত প্রাক্ষামীত্যাদি প্রয়োগেণ প্রোক্ষ্য সর্বমেকতা উদূধলে স্থাপরিত্র। মুষলেন-मीज्यामियाः शांतीन माजिश्मोत्मित्रामां आज्याकः ठजूरमञ्जूता मुकीन् निर्मात्मे । जज् ह्यापने अधिदेमवंडर मिक्टिंगेट। उठः कृत्यन घाविस्मेदक्षांनीय, नवग्रहानार नवन्न छा-জ্ঞৌকং পচেৎ। ততোবছো ইগ্ৰং দত্তা যজমানঃ সৰ্ধমেৰ হোমন্ত্ৰান্তৰ মনসা দেৰতাশ্চ ধ্যাত্ত। ইদৎ যথাদৈৰতমন্ত ইত্যমেন ত্যজেৎ। ততো এহাণাম্টাধিকসহসম্চাধিকশতম-ফাবিংশতিং বার্কাদিদামিধেছিত্ব৷ ভদনোষাক্ত ততোল্নসংখ্যা পলাশাদিদামিছিহের্নিং দ্যুদ্দেশেন প্রাদেশমাত্রাঃ কনিষ্ঠাস্থলস্থলা বণাদিরছিতা অকাদিদমিষধিসম্বাদ্ধে আরুষ্থেন

ত্যদিমন্ত্রঃ সংকশ্পিতসংখ্যারুদারেণ হুত্ব। ততো হ্যান্সংখ্যয়েশ্বাদ্যুদেশেশ, ধদিরে।দুষ্ত্র

পঞ্চাবদাতং কুৰ্য্যাদিতি বিশেষঃ। ততঃ সৰ্বচন্ধাবদায় স্বস্কাধীয়োত্তরাক্সক্র্যান্তর্গতমন্ত্রণ - ফকামঃ - সস্ধাতামিতি ধ্যায়ত্ত বাগ্যতা আ্যাদিজ্ঞানপুর্কিকমুষ্ত্সংখ্যয়া ওঁ ভুজুবঃস্বঃ তত্র গ্রহাণাং, বিধানপারিজাতে ফ্লান্সে। আ কৃষ্ণেন (১০৬পৃ০২পণ) সহস্রাংশোরিমং দেবা (১০১প০২পৃ০) অংথেন্দ্ৰে : আগ্নিমুৰ্ট্ধতি (১০১প০২পৃ০) ভৌশায় উদ্ধ্যেষ (১০১প০২পৃ০) বু-প্লাশাদ্যন্যতম্মনিধস্ত ভুষ্টস্ত জুত্যাৎ। ততঃ অহবেইণ্টককাজ্যাজ্তিং তত্ত্বটিষ্ট সৰ্কেভ্যো জুভ্যাৎ। ততোথবদানধ্যেবৈবৈকৈকাং চৰ্কাছতিং তবৈধৰ জুভ্যাৎ। জমদ্যীনাং তুচকং প্রোশুজেন স্বিউরজোমং কুর্যাব। ততঃ কামানুসারেণ হোমার্থ সংক্লিপত্রস্পিরিতি-ধ্যায়ত্ত উপাৎশু জুভ্যুঃ। ততে: এহাণাৎ দশাসংখ্যাত্মায়িসহ্সসংখ্যা সুৰ্য্যাদিএইবৈদি-ক্যুসাণীং বিংশতিসহ্সোত্তরলক্ষত্পে জাপ্কৈঃ ক্তেঝ্ড্িজঃ সাবধানাঃ ষজ্মানাভী-ষাহৈতি মজেণ মমিদ্দেহয়ো দক্ষিণং জার্পাতিয়িত্। অত্রজান্ত্রতা মজোপাবীতিনজিমধক্ত-जिलारे छा : श्र्मा इ. व.व. एक्षा इ. कुष्ठा है। वावतिषाममाधिकाव व्याजिषिम द्यामान जिल्हा শ্চন্দনপুষ্পাদিভিত্র হাদিদেদবতাঃ পুজয়েয়ঃ। অবৈত্যোমাজ্তিমন্ত্রাঃ প্রমাণতঃ প্রদর্শান্তে। লবীহাাদিদ্রয়ং ডতমুটুরঃ প্রত্যেক্ দশ দশা্ত্তীঃঋত্রিজ্যাং তাং দেবতাং মন্সা

স্পারি। এবার দুর্বে প্রতরু সহ্ত্রেণ শতেন চ (য০ ১৩স০ ২০ম)। তবৈত্রব মাৎস্থে আবো १ कृष्) माज्ञास्त्र स्थात्मिति [११ षि २ ष्रे] स्मिम्गोस्थ्यो। विस्थातिमर विक्रुतिकि ি৭১প০ ১পৃ০] ত্মমিৎসেতি (৭১প০ ১পৃ০) স্বয়ৎজুবঃ। ইন্দ্রগিদ্দেবতাতয়ে (১২৮প০ २ १०) हेन्समा जूख्यां ९ भून ३। उथी यमच्य जीय १ ती [১२४ भे॰ २१०] हि रिम मजि প্রকীর্তিতঃ। কালস্ত বন্ধ জজান্দিতি (১২৯প•১পৃ•) মন্তঃ প্রশস্ততে। চিত্রগুপ্তম্য চাজ্ঞাতং (১৪১পত ২পুত) মন্ত্রং পৌরাণিকা বিদুঃ। অগ্নিং দূতং রণীমহে ইতি [৭৭পত ১পুত) বক্ষে र्स्का দেৰতা রাহ্মপ্রীত্যর্থং দুর্কাসমিদ্ধানে বি॰ কাঞাৎ কাঞাৎ প্রয়োহ্নী পরুষঃপরুষ-।জানং (১২৮প০ ২পৃ০) কদ্ৰন্ত বলিং হোমং সমচিলে । আপো হিষ্টেকুয় (১২৮প০ রাহোশ্চ কেতুং রুণ্ণুংস্ত (১০৭প০২পূত) কেতবে। বিষণ্ণু ধর্ষোভারে তু কাণ্ডাৎ কাণ্ডেতি রাহবে ইতি বিশেষ উজোইতগুত্র যথাচারং বিকশ্পঃ। কাণ্ডাদিত্যস্থাগ্নিধাষিষ্ট্রয়ণ্ট্রপ্ শট্নশচরত্য মল্রোইয়ং শল্পো দেবী (১০৭প০১পৃ০) ক্লদাহতঃ। কয়া ন ইতি (১০৭প০ ১প্ত)

কুদাহাতঃ। উদুত্তমং বক্লণেতি (১২১প০ ১পৃ০) অপাং মন্ত্রঃ প্রকীর্তিতঃ। জুমেঃ পৃথিব্যক্ত-

जिक्कर (১२३४० ১९०) विरम्भः महत्रमार्गिष्ठ [১२२४० २९०]। हेक्पारग्रत्मा (১२৯९० প্ৰজেশস্য চায়ং গৌরিতি[৭৮প০ ১প০] সপ্কে। অন্ধণো অন্য জন্তান্দিতি (৭৮প০ ১পৃ০) মন্ত্রাঃ ক্রমান্মতাঃ। আতুন ইক্রং (৭৮প০ ১,২পৃ০) বিশ্বেশে দুর্মায়া জাতবে-২পু০) ইতীন্দ্রোজানপ্তে [৭৭প০ ২পৃ০] শচীজ্তো। প্রজাপতে (৭৮প০ ১পৃ০) स्टम [१৮% २१%] जात्नानिषुष्टि (89 क्लांड्शेंज) क्रांटग्रांक जामिर. श्रुच्य [৭৮প০২পৃ০] বৈ দিবঃ। এষো উষা অপুর্কোতি (৭৯প০১পৃ০) অশ্বিনোর্দ্ধন্ত সৈতিঃ। এতে ै • অথ ছোমে সমিদিংশয়ঃ স্কান্দে। প্রাদেশমাত্রা অর্কস্ত সমিধ*চার্কসন্তবাঃ। দ্ধিমুধাজ্য-সংযুক্তাঃ প্রতিদেবঞ্চ হোময়েৎ। পালাশীকৈচব সোমায় থাদিরীলোছিতায় চ। আপামা-ৰ্গীৰু ধায়েতি আত্মত্মীক বৃহস্পতেঃ। ঔদুষ্ৱীক শুক্ৰায় মন্দায় চ শামীময়ীঃ। দৌবীরাহোঃ ममिथः कार्यानानिकाः। विकार्षियःक्ष्यक्षकत्री विष्ना श्रृजनानिनी। श्रीयत्री वर्गाधिकानी কুশান্ কোতোহেঁ।মমন্ত্রাস্ততঃ পরম্। সমিল্লকুণং চিত্রামণো। সমিধাং লক্ষণং বক্ষ্যে সংখ্যা जामाः उदेशव छ। विभौगि विम्ना इत्रां वकाः मञ्जीयता क्रमा। जाण्क्रिमाणिमोर्या छ। চ চিহ্নিতপত্রাদিয় প্রাণ্ডক্তান্তে চার্যাদিম্যনগুর্ধকং প্রণকাদিষাহাত্তা হোমে পাঠ্যাঃ।

এবমেৰ বিধানপারিজাতাদয়ঃ॥ কাদেন জন্মভূগোত্রম্মিন বণস্থান মুধানি চ। ২২০ জন্মভূম্যাদ্যো যথা তবৈত্রব। উৎপলোহকঃকলিকেয়ু যমুনায়াধ্য চন্দ্মাঃ। অকারক- (हाँगरग्रह। एक्दानांगि मरक्षियांग्रेपार के प्रगार्थिविद। एक्द एक्टेनव गरञ्जन (हाँ ज्वा) বাছাতিভিত্ততঃ ॥ ১॥ অত্র প্রকৃতঃ সঙ্গণিতোষয়ুত্হোলো ব্যাহাতিভিঃ কার্যাইত্যর্থঃ। -ক্সটোত্তরন্ত সাহসংুশতমন্তাধিকং তুবা। অন্ধাবিংশতিমটে বা একৈকন্ত তু যোহজাত্বা কুরুতে শাত্তিং গ্রহাজেনাবমানিতা ইত্যুজ্ঞেঃ শান্তিকালে তেষাং জন্মভূন্যা-দিজ্ঞানমপেক্ষিতং তচ্চ বিশেষণেশ প্রাপদিশিত্যপি প্রপঞ্গিধিমিছোচ্যতে। তত্র রব্যাদীনাৎ नैमिधः भृथक्। ट्राज्याः ५ घ्रामाज ५ छज्जामिकः शुन्धः। मरेन्रक्षां जोक्मारकारमा अने में अमग्र ज भाषे पूर्वाष्ट्र महिन्। कुमान् धर्मार्कामां इक्षां इक्षां इक्षां इक्षां इक्षां इक्षां थिमित्रकार्यनां छात्रा जाशीमार्गं क्रमन्त्रीयः। जार्षायः मर्तकामाम् मोजारमार्गमृष्ठत्रकथा।

भटिन क्ट तक दक्त हो हो हो है है है है जिस्से हैं। जिस्से हैं। जिस्से हैं। পীতকৌ স্মতৌ। কৃষ্ণঃ শনৈশ্চরন্তদ্বৎ রাজ্শিচনাশ্চ কেতবঃ। মধে তু ভাষ্করং বিদ্যা চ্চুমিনং পুর্বদক্ষিণে। দক্ষিণে লোহিতং বিদ্যাৎ রুধং পূর্বোতরেণ তু। উত্তরে তু গুরুৎ ভবেৎ। ভারদাজে ভবেছে।মন্তথালেয়ক সেমিকঃ। শক্সিকলাথকিয়েবাপোত্র জন্তোকৈ শির্ধে মৃতঃ। অরৌ টেন শিখী নাম শুকো ভবতি ফাটকঃ। শানৈশ্চরে মহাতেজা রাক্কেক্ত্রোক্ত্রাশান ইতি। ইপানেব হোদকালে তত্তদ্যিনাম রুত্র জুল্যাং। অবৈষাং বর্ণা-বিদ্যাৎ পুর্বতো ভাগ্বং ন্যুসেৎশ প্রিচ্যেন শানিং বিদ্যাদ্রাভ্ দক্ষিণপ্রিচমে। প্রিচ-মোভরতঃ কেজুঃ ছাপেনা বৈ শুরুত্তুলৈঃ। ইতি হানানি। অথ মুখং কাদেন। শুকা-যন্ত যন্ত চ যদৌত ততে বক্ষাণ্যতঃ প্রম্। আদিত্যঃ কাশ্যপে গোঁতে আত্রেমক ক্রম দুন্তঃম্। আদিতেঃ কপিলো নাম পিকুলঃ সোম উচাতে। ধুম্কেতুস্তথা ভৌমে জাঠরে:-**দি তথৈব । ভাক**রাকারকে রক্তে জক্রে শুকুনিশাকরে। সোম্পুরো গুরুক্তি তার্ভো ভার্গবক্তথা। শানিঃ কাশ্যপ এবায়ং রাজঃ বৈপঠিনসিক্তথা। কেত্রেরা জেমিনীয়াশ্চ গ্রহায়িক্ত

खनन्छार देव मर्गधात्रार क्मिर छज् । रेमकत्त्र छक्का छ काका हि इस

২২১ কে প্রাধ্যকো জেয়ে গুকুজে তাবুদ্গুখো। প্রতাদুখঃ শনিঃ সোণঃ শোষ। দক্ষিণতো-তথ্নামরণমিতি বোধ্যম্ ততো হোমাত্তে এহাদিভাক্ততন্মন্ত্রেণ (১০৩প০১প০) প্রাঞ্জ প্রকারেণ মুখাও। অত্র প্রাষ্ত্রব্য উর্দ্ধী, উদ্মুখে বামদ্ধী, প্রত্যমুখোহযোদ্ধিঃ, দক্ষিণতোমুখ मिकामुकेश हेि वार्रवाश्य कामिठााञ्जियुषाः मर्क हेज्यत्म मर्कियाः य्वाजिष्युष क्कांटक्कांटिक ब्रोवाङ्चमभार ११ दिन वर्ने कुमगां कि की जिन भूर्य कमोवाङ्म का मार्भर भर भर भर प्राथकार म বিশিৎ দত্তা ভোঃ স্ব্যগ্রহণত মম যজমানত বায়ুঃকর্তে তাদি প্রাধ্ব প্রাধ্যেত। এবমন্যতাপি। . ততঃ স্বশাধীয়মূতরাচ্চং কর্ম স্নাপ্য পূর্ণাইতিং স্শাধোজবিধিনা দক্ত। স্থ জোজেঃ ইতি বিধানপারিজাতাদয়ঃ। বণ্রপঞ্জীযুঁজান্ বাাস্ত্যাবাহয়েজু তানিতি .শীয়ং শাভিপাঠং কুৰ্যাং। ততো বহুনঃ পাশ্চিমে আদীন সকুট্ৰং যজমানং সাচাৰ্য। ক্ষেীযধিকাতে। যজমানো ধৌতে বল্তে পরিধায়াচার্য্যাদিভোগ দক্ষিণামভিলপ্য দদ্যাৎ। তত্র গ্ৰহ্মজ্ঞে সূৰ্য্যাদ্যুদ্দেশেন ঋত্বিগাদিভ্যঃ (২০৫প০১প০) প্ৰাণ্ডক্ৰদিশা কপিলাদয়ো দক্ষিণা ঋত্মিজঃ (২০৬শ০ ১পত) প্রাঞ্জৈন্ত বৈদিকৈঃ পৌরাণিকৈশ্চ মল্রৈরভিষিপ্ষেয়ঃ। ততঃ স-द्यम एमग्नाः। ज्यत्नामाञ्च ऋदर्गः ज्यानाः वा एमग्न्। माग्रवीः भयादञ्ज्यत्यार्यम् (प्राधा यथा यमामिक्तार काग्नन दक्रमदिष्य निवक्ष ह। भाषा गमाभाग्नास्य मखा जम्मिन रेजारनम् मधाम् । यथः त्राञ्जम् मार्क्षम् मार्क् त्मराक् व्याजिक्ष्णः। ज्यां मांजिर प्रयक्ष्य দানান্যন্যানি মে শাত্তিভূমিদানাদ্ভবেদিহ ইত্যনেন ভূমিং দদ্যাৎ। তত্তো যজমা-মোহয়িং প্রদক্ষিণীরুত্য বেদিসমীপে গত্মাবাহিতদেবতাঃ সমজ্য নমস্থাৎ। তত আ-. চাৰ্টঃপুষ্পাঞ্জলিং দল্ভ। উত্তিন্ধ ত্ৰন্ধণস্পতে ইতি (২১৩প°২পৃ°) প্ৰাণ্ডজেন যান্ত দেবগণ। ইতি (২১৩৭০২পুণ) প্রাঞ্জেন চ দেবতা বিস্থরিয় । তত্তা যজমানঃ সোপ্ররণমণ্ডপাদিক माग्रांशांशां जिनभा शुरकाभकर नामि ज् जिल्लाभर विदेन म मारि। जनार मर्कर शुर्मिवर ষট্রকএব এহোহনিউকরজ্ঞ সএব পুজাঃ। ত্রাপি তদ্ধিদৈবতপ্রাধিদৈব-রতুদানেন মে ফুর। ইত্যনেন রতুম্। যথ। ভূমিপ্রদানত কলাং নাইন্ডি বোড়শীম্। তয়োকিনায়কাদীনং পঞ্নাঞ্বাহনপুজনহোমাদীন্ কৃত্ৰ। ব্যাহাতিভিরয়তহোমঃ কাৰ্যাঃ। • ভতঃ প্রতিদুৰ্তং এয়ন্ত্রয় একৈকে। বা বাদাণাঃ ভোজ্যাঃ। ভূরিদ্দিশা চ দেয়া। विनिमिष्किनामिक् जु जटेखर ग्रह्ण मम् मिनिजि दिर्मिष्ठ। ज्यनाद मर्क् ममामम् ।

পুত্রকাষনয়। গ্রহ্যাগকরতে তুবক্ষামাণবিধিনা বিষণু্যাগোহপাত্তে কর্তব্যঃ। কিন্ত

প্রশাণশাণশাবারণ শ্রারাশ্চতাব্যান্থ, সর্বেষাধ্ বোধনায়াত্রাভিধায়তে। প্রায়াশ্চত্তং চিকামুও লাশান্ত্র সংপ্রকা নারিকেল-প্রশান্ত্র সংপ্রকা নারিকেল-প্রশান্ত্র সংপ্রকা নারিকেল-প্রশান্তর সংপ্রকা নারিকেল-প্রশান্তর প্রশান্তর প্রশান্তর প্রশান্তর প্রশান্তর প্রশান্তর প্রশান্তর প্রশান্তর স্থিতি স্থান্তর সার্ভ্রিকাম্কর প্রাব্য স্থান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর সার্ভ্রিকাম্কর প্রাব্য প্রশান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর প্রশান্তর সার্ভ্রিকাম্কর প্রাব্য প্রশান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর সার্ভ্রিকাম্কর প্রাব্য প্রশান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর সার্ভ্রিকাম্কর প্রাব্য প্রশান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর পাল্যান্তর সার্ভ্রিকাম্কর প্রাব্য প্রশান্তর পাল্যান্তর প্রাব্যান্তর প্রাব্যান্ দানাদি সাধারণ প্রায়শ্চিত বিধানং সর্কেষাং বোধনায়াত্রাভিধীয়তে। প্রায়শ্চিত্তং চিকীয়ু ঃ বিশহত্যাশতানি চ। নশ্যন্ত তানি সর্বাণি সত্তোশ তব সন্ধিগে। ইতি নমক্ষ্রাণ । পুনঃ অথ প্রায়ন্চিত্রগ্রাগঃ। সচামদেশে কেবলদানমাত্রগ্রসীয়মানো দৃশ্যতে তত্র -সর্কপাপহরো হরিঃ। ইতি নমস্কৃর্মাথ। পুনঃ প্রদক্ষিণাজে যানি কানি চ পাপানি প্রদক্ষিণাজে জ্ঞানাজ্ঞান্কতং বাপি কায়িকং বাচিকং তথা। তৎসর্কং নাশামায়াতু সভ্যেশ তঁব সন্নিধো। ইতি নমকুর্গাৎ। ততঃ ক্সিংকিচিদিংসে পঞ্চ তুরস্ত্রীন্বা বিদুষ্ একং বাধ্য:-**本[4]3**

किन्नियम्। जमाराजाशका किन्य यावय जमाय भाषाय शुनैजि मामिषि। उजरेखः किथ राज ক্রিমন্তুমত্তাত্মমধ্যমধ্যপকার্শত বিচাব্য অস্মিন্ পক্ষেহ্যং সম্থ ইতি নিশিতত্য ज्याचिमग्रुभटवना मर्ठलः ज्यांचा त्मीनी क्रिम्नवामाः बाज्रकानखान् थमिक्किनिक्रजा स्परमा उक्कडिमिनोटिमिनरम्वाञ्चवम् नर्स धर्मावरवङ्गतः मर्स ह नामकानघाः। मम কৰ্মামিত্যাদিটে প্ৰদ্যুতা গোৰ্যে তৎপ্ৰত্যাশায়ত্বন তম্মূল্যং অৰ্কপ্ৰাদি বা যথাশক্তি স্থাপিয়িত্ব। বন্ধ্যত্ববালনাশাদিজন্যদুঃথেনাতিপীড়িতত্য মৈ চিকীধিতে বিষণু যাগদহিত্যহ নাত্র যথাযথং ডভকে রিতনিরাসাধনিত্যহান্। ততজ্ঞে সভাজেমুথাপা তত্য শরীরদ্রাশ– দুয়মানোহৰনে) সাফীকং প্রণম্য প্রাথ্যেত। আব্দান্তম্পর্যান্তং ভবদুশ্মিদ্ধ জগৎ। যক্ষ প্রসাদঃ ক্রিয়তাং মৃহং তথাহুজ্ঞাং প্রমজ্প। পুরা রুতং ময়া ঘোরং জ্ঞানাজ্ঞানেন দেহতা সংশুদ্ধিং কুর্বন্ত দিজসত্তমাং। পুটৈজাঃ রুতঃ পবিত্রোহহং ভবিষ্যাম্যন্থে। যথা। যাগাদীন্ধিকারিতাসিদ্ধার্থং *জ্*যাত্রীণান্পত্যতাদে|যনিফিভুদ্বিতনিরাসার্থং প্রায়ন্চিত্র–

পুশুকনাচনপূর্বাকং কথয়েয়ুঃ। কর্ত্তা তু চন্দনপুষ্পাদিভিঃ পুশুকং সভ্যাংশ্চ সংপুষ্ঠা নিবন্ধ-

তুঃযুঃ। ় এটেতক পদিষ্টং প্রায়িক্তিং ভবদমুগ্রহ্ ইত্যঙ্গীকৃত্য সন্ধানপুর্কিং প্রণম্য সভ্যান্ देमु उद्यादार। उप्याम मिटन ट्राभिरामः कार्यास्थारको ह्रियामभीयार। उट्यावितिकाया গ্ৰহীরহিতায়াৎ তিথে। কতমাধ্যাহিকঃ সায়ৎ পকাদে। বৃহিন্গতে গত্ব। দেশকালকী তনাত্তে শ্রস্তিতে কুতার্থে। ভবিষ্যসীতি। ব্রতাদ্যশক্তে। তু তৎপ্রত্যাশ্লায়ত্বেন হোমগবাদিকমুপকণ্প <u> অন্যজন্ত্রীজিতানপত্যভাদিকরেণী ভূতদুরিতপ্রশামনাথং করিষ্যমাণবিষ্ণু যাণসহিতনবএছ-</u> পুজাইং কিঞ্চিদ্দ্রবাং যথাশক্তি সভ্যাথোঁ নিধায় ক্রডাঞ্জালপুটো ন্ত্রন্তিকন্ তদুপ্-মুপদিলোয়ঃ। উপদেশশচ সৰ্বানুম্টত্যকেইন্ব কাৰ্য্য ইদ্ং তে প্ৰায়শ্চিত্ৰং সাজেহিমিন मिछेर मुनुश्रोद । मजान्क माध्योज्ञमारत्रन यष्ट्यां मिठां ज्यांशनारत्वत्रु कक्षम शिक्तः यथानाञ्ज

সংকল্পাং কুর্য্যাৎ। অন্যত্ত্র ঘথাঘথং দুরিতবিলেষনাশার্থামিতিকামনায়াৎ নিবেশ্যম্। এবং প্রধান म् कुण्यः विधाय **चारमा**ङ्गीमिकोर्छनाट्यः वश्रमम् स्थावम् स्यात्राम् ग्रम्प्रादिशंकाराज्ञानानि যুণেক প্রণাধিকারিতাদিদ্ধার্থমমুকং প্রায়িশ্চন্তমমুকপ্রতামায়তয়া যথাশক্তি শঃ করিষোইতি গ্রীন চ। কেশানাশ্রেত্য তিষ্ঠিতি ত্যাহে কেশান্ বপায়াহ্মিতি পটিখা শিক্ষাককোপ্স্বক্তিং পঞ্গাব্য প্রাশানাদীনি চ তদ্লানি করিয়ে ইতি সংকল্পা যানি কানি চ পাপানি বন্ধহতা স

কেশীব্ধলোমানিবাপয়েব। স্থিয়াস্ত দ্যকুলমাত্রবপ্নম্। কেশাধারণে ছায়াস্ত্র'দিগুণ্ প্রায়ন্তি-তম্। তত্রাপি মহাপাতকিগোলাদেকপিনমত্যতাবভাকম্। ততে। দ্বাদশাস্থূন্থ কাঁরিব্জাদি-ভত্তায়ং ক্রমঃ। ওঁতৎপুরুষায় নম্ইতি মুখে। ওঁঅ্যোরায় নম্ইতি হাদয়ে। ওঁ বাসদেবায় ন্দ ইতিগুছোঁ। ওঁ সদ্যোজাতায় ন্ম ইতি পাদয়োঃ। ওমিতি সর্বাজে। অগ্নিরিতি ভন্ম জ-শিশিতি ভমা ফ্লামিতি ভমা বায়ুরিতি ভাম ব্যামোতি ভাম সৰ্কং হ বা ইদং ভামেতি মট্রব্ধ। ड्य एखकि कियो पात्र व्यव्ध (मारमा त्राकायमा माम्य । **उरम्** मूष्ट यमारका उ যশসাচ ভগেন চ। আযুৰ্বলং যঃশাবৰ্চঃ প্ৰজাঃ প্ৰধ্নানি চ। বৃদ্ধ প্ৰধাঞ্ ভয়ো ধেহি বনম্পতে ইত্যনেম দ্তান্ শোধয়েথ। ততোমৌনী কাত্ৰা ভ্যাদিফানং কুৰ্যাৎ । ভকাস্লিপ্য কায়ং৫।১। অথ গোময়েন গন্ধচারামিতি (১৬৫পণ ২পুণ) প্রাণ্ডক্রেন অগ্র-ज्यथ स्मा क्यानम्। उत्र अनिरथिङाखार्वाः । ज्या भाषिः अपूर्णे हः श्रियो एमवेङ। ভুষিপ্রার্থনে বিঃ। বুলিখা পর্মতামাং থিত্রং বিভূষি পৃথিবি। প্র যা ভূমিং প্রবৃত্তি (उांगाएक ट्रमांकार के भूम त्रामिश मर्खरम्जि गरञ्जन **मर्कारक जम्**युनिमा यातार ॥ २ ॥ মগ্রং চরন্তীনামেম্মীনাং বনে বনে। ত্রাদ্যত্পাত্নীনাং পবিত্রং কায়শোধন্য।

য়া দৃষ্তং কৃত্য। উদ্ভোসি বরাহেণ কৃষ্ণে শতবা্তন। আরুছ্ ম্য গাত্রাণি সর্কপাপং । বিক্ৰষ্ঠিক ছ০ মিত্ৰাবকুণে। দেবতে স্তিকাক্ষেপণে বিগ। তৎসুষ্থ রোদসী উত্তেদোষ ব্যক্তাক্ষঞ্জের। ভৌজেষমাঁ অভ্যুচ্চরঃ সদা (ঋ ৮মণ ২৫স্থত ২১মণ) ইত্যানেনোপ-उक्षांक, स्मः क्षिरम् । उटः शूक्षम्यूरक्षम् (४२मे॰ ५मु॰) वाखरक्षम् गाँरवाष्ट्रिक् কুৰ্যাৎ। ভতঃ অশ্বকাতে রথকাত্তে বিষ্ণকাত্তে বস্থনরে। ফ্রিকে হর মে পাপং যম-

প্রধাচয়। নমতে মর্ক্তানাং প্রভ্যাবিনি স্কুরতে ইত্যনেন সভিলদূর্কাং সদং শির্দি-

বৈষণ্ডবী বিষণ্ডপুজিত।। পাহি নক্ষেন্সস্তমাদাজ্মমরণাভিকাৎ। তিঅঃ কোটাদ্ধকোটী চ বরি সরস্বতি। নর্মাদে সিন্ধু কারেরি জলেগ্সিন্ সন্নিধিং কুরু ইতি। বিফোঃ পাদপ্রসূতাসি •তীৰ্পানাৎ বায়ুরঅবীৎ। দিবি ভূব্যভারিকে চ তানি তে সজি জাহ্ববি। নন্দিনীত্যেব তে দধ্যতি। ইতি ফ্লাক্ষ্য ততে। জলকানায় তীৰ্থ প্ৰধিয়ত। গল্প চুষ্যুনে টেব গোদ্-

ৰ্ষতো ররাদ তাবাপো দেবীরিহ্ মামবন্তু ॥ ১॥ যা আংপো দিব্যা উত বা অবন্তি থনিত্রি নোম দেবেষু নলিনীতি চ। বৃন্দা পৃথী চ স্তত্গা বিশ্বকায়া শিবা দিতা। বিদ্যাধ্রী স্থপানা ত্রগ লোকপ্রসাদিনী। ক্রমা চ জাহ্নবী হৈব শাতা শাত্তিপ্রদায়িনী। এতানি পুণানামানি কুণ্নকালে প্রকীর্ন্তের। ভবেৎ সন্নিছ্তা গকা তত্ত ত্রিপথগামিনী। ইতি পঠেৎ। ততঃ তিয়া ন আশ ওষধয়ঃ মন্ত দুৰ্নিতিয়ান্ত মৈ দন্ত যোষ্ট্যান্ দেফি যথ বয়ং দিয়াঃ বিংচ অং दिरक दि॰। ममुम्रकाछो धमनिलच मधार शूनामा घट्ठानिविभागामा है। हेटच्या या दङ्गी -ক্ষিতিয়া ইত্যত্ত প্রজাপতিখা বিশ্তদোহভাবঃ বরুণে। দেবতা জলক্পাশে বি০। ক্ষি-২২ক০) ইতি। সমুদ্ৰজোষ্ঠা ইতি চতুশ্ব চিত্ৰ বসিন্ত ঋষিত্ৰিফুণ্ ছন্দ আপো দেবতা অভি

याक् उद्धः मम्जि। देवभानत्त्रां यांक्रिष्टि अदिखेष्डा जारिशां ट्रन्तेतिह मांगवञ्ज॥ (भा०भग० १० ११०) যাসাৎ রাজা বফলো যাতিমধ্যে সত্যাস্তে অবপ্তান্ জনানাম্। মধুম্চুতঃ শুচ্যোধাঃ १२० मा डेज वा कांश्व कहर्का। ममूमार्था यांश खाठमार भावकांखा जारमा प्रतीतिक मामन्छ॥२॥ भारकाछ। आरभा एमनीतिक मामबद्ध ॥ ७ ॥ योद्ध दोक्ष। वक्षरणी योद्ध स्मारमा विरुष्धे एमनी

्र काथ भक्षभद्दान कामम्। एव भौष्ठवा। भौष्ठ्यम, ६। गैक्षष्रात्राभिष्ठि (১५६ भ०२ भृ०७ भ०) জন্তেশা ছিলেজতি তৃচ্ছ চ পঠিছ। মাজিনং কৃষ্ণ গায়ব্য জনমালোক। ঋতং চ সভ্যথেতি अक्षांक्रावाद्यांनात्वर्गवर क्रह क्रान्ता कर्ड खरकांन्रक्न योन्ग्॥८।

क्छि उन्धा नम् । भावमामकुक्तावर्गाङ (১४०भ० ५९०) थाएकि ए उत्पामनी जिक्का

ঞজেন য়তেন ১। দেবত ত্বেতা দিন। (১৫শ০২পুত) প্রাণ্ডজেন কুশোদ্কেম চ কানং কুর্যাাই क्रीव्। हेड्यामिन। (১৫भ०२१०) व्योख्टांकन मधा, ७। टिंड्याध्मीड्यामिन। (১৫५०२५०) था-১০। এবং দুলা ক্ৰানালি বিধায় ধেীতে বাস্দী পারিধায় দ্বিরাচ্য্য বিফ্র্দেশোন আদিং গোদানং চ क्रांखरक्रन (भोगरत्रम, ७। जानग्राह्यक्रांमिन। (१६र्मं०५९) अधिकान मोरत्न, १। मिथ-হিঞ্যে ক্পৃত্যেকেদিশায়িমাধায়াজোন ব্যক্তিভির্ফোত্রশতং জুত্যাৎ। ডতঃ তুমাক্রিথাং

श्थितै एमनजा क्फंट्याम नि॰। हेतानजी थिक्मजी हि जुजर क्मनमिनी मनति मेनाथा। इं ि म्रिंदेत, ১। रेम्र विक्षुति (८२म॰ २५०) व्याखरलन खाश्वास्त विक्षात, २। मर्थमेन फोरमामाग्रस्यि मत्त्रिंग, मीनायारगाः मञ्जभनः पृषि मधिकात्। हेगापिना, क्रमा তৈঃ কুলোদশাহতীৰ্ছগাৎ। তত্ত্ৰ দশাহতে। মন্তাঃ। ইরাধতীত্যন্ত বুসিন্ঠ ঋষি স্থাপ্ত ক্ষঃ প্রভিজেন স্থাহাজেন অগ্নয়ে। ৫॥ বয়ং সোমেত্যাদিনা (৪৭প॰ ২প॰) প্রাণ্ডজেন भक्षीवार (माधरत्रद्र। स्था अवन्तिमिभोट्ज भचाषिभट्ज या उन्जयनाक्षारभाष्ट्रिभन्त् मूबर गांग्रजात, भाजातारगारगारगायमञ्जूषां विभिन्न भाषात्रा भाषात्रा भाषात्रा भाषात्रा । যাগোষ্তমেকপলং তেজোইদীত্যাদিনা চসংশোধ্য উইএকপলং কুশোদ্কমাপোছিচ্চেত্যা-দিনা দুজ্ প্রণবেনালোডা তেইন্র নিশ্বণ্য তেইন্রাজিমন্ত্রা তান্যেক্রীক্ষত্য সপ্রপট্রর্রি-মা নতভাক ইত্যাদিনা (১৫শ০ ১পৃ০) প্রাঞ্জেন স্বাহাজ্যেন ক্রায়ে, ৩। এক জন্তান্-मिटामिनो (৪৯প০২পু০) প্রাশুজেন তথৈৰ বনালে, ৪। অগ্নিং দুত্মিত্যাদিনা (৪২পা০২পু০) ৰিশিক্তা রোদসী বিষ্যবেতে দাধ্য পৃথিবীশ্ভিতো ময়ুথৈঃ স্বাহ। ॥ ১॥ (ঘণ ৫ আণ ১১ম০)।

उनिमान् टाक्टाइट। उठः भद्रगेटेवा घामानियामः मनामिटि व्यावन्तिज्यदानिः।

উত্তানে বহু সন্ধৃতিদীঘায়ুংপুত্রলকারে। গভিদোষাপকাতরে বিষয়ু ষাণাং সমারভে। ততঃ পুর্বেগিভি ক্রিক্রী নব্রাহ্যাগং কৃত্রা বেদিম্যের সর্বতোভদুমঞ্লং বিলিখ্য তত্র দেবানাবাহ্য পুরুষিত্রা উত্তর্পরি বস্তুং প্রসাধ্য আন্ধ্যে ধানারাশে পুর্ণাদিকলসং (২২শ০ ২প্ত) প্রাধ্য স্থাপরিত্র চন্দনকুদ্ধরা দিলিখিতে অফিদলে নিচ্ছেণ উদর্শে বা স্থবণেন ঘথাশালি নির্ভিৎ সগক্ষ ভ্যেনং সলক্ষীকং বিষয়ু মধু তোৱণাদিশা সংস্কৃত্য তত্ৰ স্থাপয়েথ। তত্ত সব্যদক্ষিণয়েঃ প্ৰায় বিশ্বকল সহয়ে সৌবৰ্ণ কুট্ৰং ব্ৰশাৰ্থ তবৈধ্ব সংস্কৃত্য স্থাপয়েথ। তৎপুরত্যিকলমাৰ্ন-য়াশ্চতুৰিধবন্ধা বিশিদ্নিতক্ষরদার৷ বহুদীশায়ুঃসুপুত্র প্রাপ্তিকামন্যা আন্যা ভাষায়া সহ ্র ত্রাণান্ত নবগ্র্যাণাস্থিতে বিষয়্যাণাং করিষ্যে ইতি সংকল্পা ইমং শোকং পঠেও। আ। শুন্ত ত্রাণাস্থিতি বিষয়্যাণাং করিষ্যে ইতি সংকল্পা ইমং শোকং পঠিত। আ। হব্রীহিকফুস্থামাকমুদ্যারপাণি সপ্ত ধানাানি প্রচ্যেকং দ্রোণমিভানি যথাশক্তিবা স্থাপ্যেৎ। অথ বিষ্ণু যাগঃ। নবগ্ৰস্থিতিৎ বিষ্ণু যাগং চিকীয়ু ঃ প্ৰেপিজবিধিন। প্ৰায়িশিচত্তং কুষু। কৃত্যাপাদ্দয়ো মলমাস্ত্রকাত্তাদিবজ্জিতে কালে পূর্বেজ্যেওপাদিস্তারান্ বিধায় দেশকালাদিকী তুনাতে মুমানপত্যসূষ্তাপত্যমুদেম্মিদাম্মিদামুরিতক্ষয়দারা অস্থাশ ভাষ্যা-

जशस्त्रः, विमिष्ठः, আथ र्तिवः, क्रम्भाक्षमः, ভরতঃ, ধৌমাঃ, স্মনন্দঃ, নন্দৰদ্ধনঃ, প্ৰহ্মাদঃ,নারদঃ, বৈন্ঃ, নন্দনঃ, বায়ুনন্দনঃ, বিষক্সেনঃ, জয়ঃ, ভদ্ৰঃ, স্ত্ৰীবঃ, বিভীষণশ্চতি। পুৰ্বাদিষু বেশাই, শশশই, বাধুশশশই, বিষক্সেনই, জন্মই, ভদুই, স্থাবিহ, বিভাষ্ণকৈচিত। পুর্বাদিষ্ ইন্দাদিলোকপালাঃ, উত্তরস্থাং দুর্গা, ক্ষেত্রপালঃ, গণপতিশ্চ স্বস্বাইন্তঃ স্থাপাাঃ। বিষেণ্যঃ

পুরতো গরুড্ং স্থাপরেছ।

পুরতো গরুড্ং স্থাপরেছ।

অথ ন্যাসঃ। সহ্সশীর্ষেতি (১১৫প০১,২পৃ০) বামক্রে, পুরুষ এবেতি (১১৫প০২পৃ০

১ প্০) দ্কিণকরে, এতাবানস্থেতি (১১৫প০২পৃ০২প০) বামপাদে, ত্রিপাদ্রি ইতি (১১৫প০

১ পৃত ৩প০) দক্ষিণপদে, তত্তো বিরাডিতি (১১৫প০২পৃ০২প০) বামপাদে, ত্রিপাদ্রি ইতি (১১৫প০

১ পৃত ৩প০) দক্ষিণপদে, তত্তো বিরাডিতি (১১৫প০২পু০২প০) বামপাদে, ত্রিপাদ্রি ইতি (১১৫প০

১ পৃত ৩প০) দক্ষিণপদি, তত্তো বিরাডিতি (১১৫প০২পু০২প০) বামপাদে, ত্রিপাদ্রি ইতি (১১৫প০ (১১১প০১প্তংপত) দক্ষিণজানে), তং ষজ্ঞবিতি (১১৫প০ ২পৃত ৯প০) বামকট্যাম্, ২২৭ তেযাং পুরত ঈশানাদিয় তঞ্লপুজেষু বক্ষামাণা দেবতাঃ স্থাপয়েৎ। যথা কন্দঃ,বলিঃ,ব্যাসঃ, यग्रखुंड, ঔশন্মঃ, কুতুঃ, দক্ষপ্রজাপতিঃ, ভীয়ঃ, কপিলঃ, চ্যবনঃ, অর্জুনঃ, পুলস্তাঃ,পুলহঃ, ন'ডৌ, তমাদশা ইতি (১১৫প০ ২পৃ০ ৮প০) হাদ্য়ে, ষৎপুরুষমিতি (১১৫প০ ২পৃ০ ১০প০) কটে, ক্রাক্রান্ডক্রেতি (১১৫প ০ ২ পৃ ০ ১১প ০) বাদ্বাহেল), চক্রদা ইতি (১১৫প ০২প ০১২প ০) ত্মাদ্মজ্ঞাদিতি (১১৫প০ ২পৃ০ ৭প০) দক্ষিণকট্যাম্, ত্মাদ্মজ্ঞাদিতি (১১৫প০ ২পৃ০ ৬প০)

मिक्किन वारक्री, नांच्या क्रेंडि (১১৫म ० २मु० ১०म०) कारमा, मधिक्रियछि (১১४म० ऽभु० ক্রিমাণরম্। কীরমাগ্ররম্প্তং শেতদ্বীপং বিচিত্তরেও। কোটিমোজনবিতীনিং ভার-ত্রান্ধনোহমেনতি (১১৫পণ ২পুণ ১১পণ) কাদয়ায় নমঃ, চত্রদামন্ম ইতি (১১৫পণ ২পুণ গুশুতি (১১১প০১প০৩প০) কবচায় ছ', ৰজ্জেনেতি (১১১প০ ১পৃ০ ৩প০) অস্ত্রায় ফট্, এবৎ •১২প০) শিরসে স্বাহা, নাত্যা ইতি (১১৫প০ ২পৃ০ ১৩প০) ইতি শিধারৈ ব্যট্সপ্রা-बाक्च शुर्कान्छाः भीवेरमनजाः मःशुका धारायः। यथा नमञ्जा महाविष्णुर मरमारत् ७१०) (मज्रायाः, यरञ्जरमि (১১७१० ऽश्० ४१०) मुर्मि मारम् । ज्यथं भक्षांक्रमामः। কৌটিসমপ্ততম্। তত্মধ্যে তু মহাদিবং প্রামাদং রজুনির্মিতম্। প্রামাদম্ধ্যে চক্রাতং

গদাজাসিস্থশজ্বম্। বামভাগে ফ্তিং দেবীং নীলক্ষিতমূর্জজাম্। হেমার্বিক্প-সিংহাসৰমলুভ্নম্। ততেখাপরি মহানাগং শেষাথ্যং মণিমভিতম্। তদাসনে মহাবিষ্ণু ९ তৎফণাব্যাপ্তমস্তকম্। বেদস্টেক্তঃ স্তুয়মানং নানারত্নবিভূষিতম্। ঘননীলভস্থ দেবমপ্স-রোগণ্মেবিতম্ । তৃণাদিবদাপর্যত্তবিশ্বণং বিশ্বদাদ্দিণম্ । চরচৈরগুক্ৎ দেবং ঘন-भागः ठजुकुकाम्। जनारेमात्रिंहः विषक् मर्काज्ञाज्ञान्। এरং धाराम्यादिकः,

দেবায় কীরাকিশায়নায় চ। ইদমধ্যং ময়া দত্তং বেদাদৈয়ে সহিতায় চ। ইতি চাধ্যম্। দৈব ক্পালো পরমেশ্রন। ইত্যাচমন্। অথ প্থাস্তসানন্। তত্র আপ্ণায়কেতি দ্দ্যাৎ। তত্রাসনম্। পুরুষ এবেতি (১১৫প০২পৃ০১প০) শেষমঞ্জ মহাদিব্যং ফণামণিসহ-নফোতি (১১৫প০২পু০২প০) নমজে পামজারাধ্য নমজে বিশ্বন্দিত। পাদ্যৎ গৃহাণ দেবেশ যন্দীলপ্রভাকর ইতি চোকু। পাদ্যে। ত্রিপাদুর্ধ ইতি (১১৫প০২পৃ০৩প০) জীমৎ ক্ষণায় ততো বিরাডিতি (১১৫পণ ২পু৽ ৫প॰) স্থবৰ্কলসেইনবাচমন্ং কুরু কেশব। প্যহস্তধরো জাগিচ্ছ ভগংন্ বিষেষ্য স্থানে চাত্র স্থরৈঃ সহ। ঘাবৎ কর্ম সমাপ্যেত তাবত্তুৎ সন্নিধে ভবে-তি,। ততো মনোজ্তিরিত্যাদিন। (২৪প০১পৃ০) প্রাণপ্তিকাৎ বিধায় আসনাদীয়পচারান্ অকণ্। কোটিস্থ্যপ্রতীকাশং গৃহাণাসন্মীশ্বর ইতি চ পঠিত্বা দদ্যাদেবং সর্বত্র। এতাবা-ধ্যানং ক্তডং যেন যথা ভীয়োহতবদূরঃ। যথ। পৃথাত্মালো জিফঃ স্তথা পুরো ভবেজত ইতি जरः धान्द्री मानटेमः मःश्रृकार्गिष्ट्रायः। मह्यन्तैरिष्ठार्मि (১১৫म०১ प्र०५०) भिष्ठि ২২৮ ডিমাং মৌক্তিকভিরণোজ্বলাম্। দাডিমং সব্যহত্তে তু দক্ষিণালিক্যসন্ততিম্। জীবিষ্, ভি ধায়েজ্জেভিডিফলপ্রদাবু। ইতি ধ্যানম্। এতম্য ফলং বিধানপারিজাতে। ইদং

मंज्जुश्रमात्म श्रामां स्रभाग्न अवर अर्वज स्रात्म। मधिकाव्। इणि (১৫म॰२ शृ॰) मध्नं (৭৫%০১পু৩) পঠিত্রা চন্দনাদিভিঃ পক্ষোপচাটেরঃ সংপ্রা। ওঁ ভুজু বঃ স্বরিতি ষ্ট্রাধিক-তেজোহদীতি (১৫প০ ২পৃ০) ঘ্তেন, মধুবাতা ইতি (৮প০ ২পৃ০) মধুনা, অপাংরস-

পীতাষ্ত্রধরাবায়। গৃহ্ণ দেবদেবেশ রম্যা সঞ্চান্য। ইতি বস্ত্রম্। তমাদ্বজ্ঞাদিতি (১১৫म०२मृ०१म०) मूमिकाममलक्षादेतत्रक्रोमस्वाष्ट्रमदेवः। मह्ज्र ठम्पन् मज्य सार्वाष्ट्राध्य-मिजास वृष्ण्याचित्राव्यी वास्ते भू. ष्णः भर्कता (मवजा उदस्रभाम विभिःशांग हैजि ২.পথ) গঙ্গা চ ষমুনা চৈব ক্লফা ভীমরথা তথা। এতাসাং-পুন্তোয়েন স্থান্ৎ কুরু ক্লপার্ণৰ ইতি পুরুষফুজেন চ সমত্রেণ শুরোদকেন স্থানম্। পুনরাচমন্ৎ দত্ত। তৎ যজ্জমিতি (১১৫পি॰ -श्लुंक भे । यह छवाभवी छ । भवम श्रिया भवित्र कर्ममाथनम्। गृहान भुषदीकांक छ छ । जूछार मम-পিতম্। ইতি ঘজোপবীতম্। তমাদ্মজাদিতি (১১৫প০২প০১প০) পীতং বাসে; জগন্নাথ मुजा। जानां इमगुष्यम स्टार्ग महर ममाहिष्म्। जानार त्रमञ्ज यो त्रमञ्जर (वा . গুকুান্ত্যমন্ (য০ ১ অ০ ৩ম০) ইতি শর্রয়া, কানম্। ততঃ যৎপুরুমেণেতি (১১৬প০২পু০

गुर्गा (म। गन्ममनन्नातार्का ज्याम्या हि (১১৫१०२१०৮१०) ज्योदक्त्र्देनन्दिनः

मटब्हाति (५५४भ०१९१०) हित्रभागर्छ हेजि (२७भ०१भ०२भ०) इत्जाजांबार मिक्सनाम्। বানাৎ পুপোইয়ং প্রতিগৃষ্ঠতাম্। ইতি ধুগম্। ত্রাহ্মণোইস্ভেতি (১১৫প০২পৃ০১১প০) কোক্তি-ई ि मी भर्। ठसमा है ि (১১৫ भ० ९ ९० १ भ०) मर्त्वाथ ७ भक्षा का प्रिक्षो द्राज्ञा कि । व ह অাসীদিতি (১১৫প০২পুঃ১৩প০) নারিকেলং সথজুরং দ্রাক্ষাচূতফলাদিকম্। কদ্ল্যাদিফলং ५१२ श्रमादेगः कमटेकफ्टेनः। শতপदेत्रमिलिकांष्टिः भूषाः कामोभा इित भूषानि। यदभूक्ष মিতি (১১৫প ১২প ১১০প ০) বনম্পতিরমো দিবো গন্ধাচাঃ স্থননোহরঃ। আয়েয়ঃ সর্বদে-**ছুভাং দত্তং জীপুরু**ঘোত্তম। ইতি ফলামি। সপ্তাম্যেতি (১১১প০১পৃ০৩প০) পুণীফলং মহা-क्तियार सागवन्नीमटेनग्र्जम्। कर्श् देत्रनाफटेनग्र्ज्जर जामूनर अञ्जिश्रज्ञाम्। हेन्डि जामूनम्। জিমে ইত্যক্ত প্রজাপতিখ বিক্রিকুপ্ছন্দঃ জীদেবতা দীরাজনে বিনিয়োগ ইতি স্মুজা ভার্পতীকাশো বিধুজ্যোতিঃপ্রকাশকঃ। অনেকরতুমঙ্গালো দীপোহয়ং প্রভিগ্রুতাম্।

শিয়ে জাতিঃ কিয় আনিরিযায় শিয়ং বয়ে। জরিত্তো দধাতি। শিয়ং বসান্। অস্ত-

পুৰায়েন্ ভৰত্তি সত্যান্ সমিথামিতদ্ৰে। (ঋ॰ ১ম॰ ১৪ছ॰ ৪ম॰) ইতি নীরাজনম্।

পুষ্পাঞ্জলিত্রয়ৎ দদ্যাৎ। নারায়ণং সহস্রাক্ষং নরকাণিবতারকম্। বল্পে তং জগদাজানিং ্পদক্ষিণাক্ততাৎ পুণ্যাক্তকস্তৎ কৃপগ্ৰ, ভৰ্। ইতি প্ৰদক্ষিণা। গোপ্ৰিয় ব্যঙ্গনেনাথ চামরেণা-ত্রপত্রতঃ। গান্ধর্মগীতবাদ্যেন প্রীতো ভব রমাথিয়। ইতি ভজনাদি। ক্ষম্ভায় গোকুলেশায় ৰাস্থদেশং শনতনম্। ইতি সাকীকপ্ৰানঃ। ক্ষ্যেতি কৃষ্ণ ক্ষেতি কৃষ্ণ ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষা হরেষ্ট্ৰত

কৃষ্ণীয় রাম্ভদায় জগনাথীয় ধবিনে। প্রবত্রেশনাশায় গোবিদায় নমোনম ইতি

पुङ्गकाँभूका छ। दास्ट्राम्व कराज्ञाथ क्रमाटला ज्ञाब्यमा। हेन्डि यार्थमा। उट्डा वाम-কিল্লসোপরি কৃদ্রং ত্রায়কমিতি (৪০প**০১প০) মল্লেণ দক্ষিণকল্সোপরি চ ত্র**কাণ**ে ত্রক** ফ্রকান্মিতি (৪৯প০ ২পৃ০) মন্ত্রেণ রোড্শভিক্রপাচাইরঃ সংপ্রা প্রবাদিপীঠদেবতা যথা-বিষঃ মুদ্দিশ্য চকুং পৃথক্ শ্ৰপয়িত্বা চকুণা অশ্বদমিডিফিলাজেন চ প্ৰতিদ্ৰাণিদং বিষ্ণু রিতি (৪৯প ০ ২পৃত) মন্ত্রেণাটাথিকসহত্রৎ জুত্রাৎ। চক্রোয়ঃ সমিদোমবিজলাক্রাহোম-বুংশরক্ষাকরায় চ। যশোদানন্দ ভদ্রায় নমোহস্ত গুণনিদ্ধবো স্থতান্ দেছি স্থতান্ দেছি স্থ শক্তি সংপুরুয়েৎ। ততঃ পুরুষস্থকেন প্রণমেৎ। ততঃ স্থাপিতবফো স্বগৃহোক্তবিধিনা

শ্ৰেচতি ত্ৰিধা হোমঃ কাৰ্যিঃ। কেচিভু ভারতোজবিষণুসহসনামতিঃ বিষণু রত্যাদিতিঃ সৰ্ধ-

যদ্শেন বহুজ ্রকদশ্লেন্মেদ্ৎ মগ্লা তেষাং প্রবোধায় সংগৃহীতন্।

ক্যাস্ত যতপ্ত সুপ্রচারণে। বাস্থদেবে। জগন্নাথো ভক্তাভীউফনপ্রদঃ। অনেন তোষমা-स्कामिमध्यक्षः। मर्गालाठा श्रयद्भन दस्तीः थाठौनभन्ना (दामणः स्कामानी-নাদ্টেয়যা ক্তা ময়। সুধিয়ঃ শোধয়ত্ত্তাং বিনয়াঞ্জিল্যাচিতাঃ। মংপ্রাসং বিলো-শুভামন্ত্র পুলীতু তেনৈৰ মৎক্তাপিতা।

প্রাধন। মুম। এতকেশেষু যা কাচিৎ পদ্ধতিঃ পরিকণিপ্তা। ন তত্র হোমমন্ত্রাদির্ঘ চ

ব্যয়। বেষাং শাস্তেষু বিখাদো ন চ ততাজানাদ্রঃ। তেষাং সমাদ্রো ভূয়াদিতোৰ

अदिशीत्मम कर्माखाः कनावाधिनं योशमा विधानाद कनजूशक्विकुर्जाङ मिष्टिष

ইতি শ্রীভারানাথতর্কবাচস্পতিভট্রাচার্ধাবিরচিতায়াং তুলাদান্দিপদতে। তুলাদান-

বিধানে। নাম প্রথমধ্তঃ সমাপ্তঃ।

এতৎ পুস্তকে সাক্ষেতিক শক্ষাথজ্ঞাপনম্।

				<i>y</i>			
जन् <i>य</i> ०	जथक्ति वरम	व्यक्षारा	্ত ক	श्रेत्व	श्रेष	र्भेडरको	
मार्क्ष अव्यक्त	(১ম০) অ	(> 31) Sa.	o Far	(১ম০) পণ	\$~	(>,) Pro	
उम् शु	माभाष्टिक	ष्रभावेरक	म् माट्टी	ম	ত্র ক্ল	शानम्	
五(等三对不。	ম্	ស្វ័	0	o ta	<u>ও</u> গ্র	भी	
उम् श्रु	श्रद्धारम	भक्रान	स्र	1	यज् त्र्रात	ज्यशाह्य	对
मत्य जनकः	·	(ऽर्म) मृ	; k 4	(২য়)ম৹	• ¥	্	n n
স	ক্ষেত	95 2	ান্ম_		•	•	

मृठीलावम्।

श्रेश श्रह्मा	, ^	ر د	₩	% ~	8	D N	<i>خ.</i>	9	×	R A	9	^
<u>\$</u>	ų	⊌	9) 30	σ	r	°,	%	8<	\$ 89	5.6	9,0	2
ম	চধনম্ ::		श्कामिक्ट ७ थ जिमामि व त्र निषिः ७	· · · · · ·	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	:	內本:	• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	:	ধনমন্ত্রাঃ	:	वाङ्गश्यावनिमानामित्राञ्चाः
প্রেকরণনাম	व त्र नी ग्र <u>क्त</u> वाक्ष न भ्	ব রণ প্রে কারঃ	श्र्वामिक्ट	आर्थिमियुश्रक्ड	यकुर्त्विमिष्रुश्रकः	मायशयश्रक	जा थक्तनग्रुभकः	ज्यातिमश्यः वः	রকামনাঃ	পঞ্চ গব্যুকো্ধনমন্ত্ৰাঃ	ज्ञिष्यार्थना	बांछ श्रकावि
शहरको	° ^	Ŋ	^	Л	Ŋ	2	^	4,	`	σ	9	00
\$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$, ~	~	^	~	~	~	^	^	^	~	~	^
장	^	ď	9	9	9	9	8	90	00	œ	œ	¥
<u>প্রেক্রণাম</u>	मुख्यानिम्मानिविधः	নণ্ডপদ্ধারনিশাণবিধিঃ	ভোরণনিশাণপ্রকারঃ	শক্তিনিশাণপ্রকারঃ	প্ৰতাকানিশানপ্ৰকারঃ	अं क्टर्वामिनियान व्यक्तातः	কুণ্ডস্ডিলনিশাণবিধিঃ	महोमनिटीरम्गित्रिङः	क्षियोममश्केद्धः	माङ्काश्रकामि	श्रुशोङ्बोठनामि	कार्हार्यामियत्रवम्

	<u>क</u> ्रिक्य ने गाँग	F	श्रुक	18 28 4	প্রেরণনাগ	क	The second	প্তক্রে
Ŝ	was starte	P.	, ~ / •	60	शक्षरमाक्षानायोस्मापि	86	•	ယ
	AND COLLEGE	<i>N</i>	•	^	क्टमन मिक्शानावाहमामि	28 :	^	သ
	NEW MATERIAL STATES	' IV	· ~	Ð	वयामिटमवावाहनामि	4 8	۸′	r
	SEPTOTE THE MENT OF 100	, w	^	N	शक्षामी (टरमवर्डा विवत्त्रम्	÷	W	တ
	4.00 年 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	9	^	×	क्टाम व्यामीनार थानामि	÷	N	9,
72	RONA SA	9	ſY	œ	क्षिरिष्व त्रागानामि	8 9	^	or or
চী	=+6x+fr=fafa781918	5	r	Ŋ	अज्यिक्ष्यिव ज्यानापि	8	N	ű.
শত্ৰু	CASTER ASSAIAS	<i>§</i>	• •	۵.	शक्षरनाक्षान्यानि	<i>4</i> .	N	æ
ম _	A TEST OF THE STATE OF THE STAT	\rangle 9	N	R	फिक्यां विधानिति	s)	^	Ŋ
	A STATE TO THE STATE OF THE STA	. ~	^ ^	√ . ⁄	मय्मिञ्चक्ष्राममञ्जाम्	9	^	R
	4 3 4 1 1 4 4 1 4 2 4 2 4 2 4 2 4 2 4 2 4 2	໌ ຈິ	'n	· /\	প্রত্যেকবস্থ্যান্মন্তাদি	9 3)	₩	Л
	1 4 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6	, ,	` <i>o</i>	d,	मञ्किङ्ख्यामापि	8 8)	^	R
	666(644)444141414141414141414141414141414141	_	⁄ n	, α	अर्डाकक्ष्यवानामि	8 9	~	A
	क्टमन अध्म उन्हार्यात		′ · r) or	मग्रम् जामिलायामापि	₽	^	σ
	कट्मनाविदम्कावार्थनाम् . श्रेडाविदम्बद्धावार्थनामि .	8	· ~	. ^	প্রত্যেকাদি ভাষাানাদি	9	^	9

(৪ ক্রেন্মাম	19	433	ক্রিয়াক	প্র	S	To to	प्रकारकार कर
(V			Ţ	? ~	
मक्त्रिवधानिति	6 8	n′	Ŀ	দিকুপালাক্তিমন্ত্ৰ:	r o	9	9
उक्कां िष्धां नाहि	A R	^	50	বস্থানীনামাহ্যভিমন্ত্ৰঃ	. <u>þ</u>	^	?
পুজ্যদেৰতাপুজনপ্ৰকার্ডদ্দ্ৰ্যাদি ৬৯	तिम ७३	^	°,	অধিপ্রতাদিদেব ভাসহিত্রবাা	4		•
(सिष्टिमीश्रीत्रक्थनम्	R S	,,	%	_	P	^	پ
व्यर्ष्ट्रगाणि	RE	N	ď	त्नाकशानस्र नाम	જ	^	^
फ्राक्षिप्रचित्रांि	R N	N	œ	:	99	^	Α.
भाग्तिक न मञ्जाल म्नामि	્ર ૧	~	R	दयामिक्टामि	ક્ષ	^	σ
द्राट्य मिर्विक्टियानाम	9	^	ĸ	খাগেদিকভিব্যোত্রাঙ্গন্ম >	٠ ٢ ٢	^	9
চকণাকপ্রকাবঃ	6	N	σ	:	200	n'	σ
জুমার্কাভাগাদি	98	^	ఆ	अंशिक्षिक्षानम् >	9 %	~	8
86846211838 6426210842118	86.98	N	~	वज्रःसिमिविज्ञाभानामि)	80	~	o c
त्वामिनागर्धामाञ्चालिभञ्जाः पद	ยู	^	^	:	900	^	%
का सिरम्य स्थापन	S) O	^	ŋ	अधिरम्वाङ्डिमञ्जाः >	\$00	N	8
STATES THE SET OF SET O	,	^	ŝ	প্রত্যধিদৈবতাত্তিমন্ত্র: ১০৮	4.	ď	Á.
भक्षत्वीक्षीवर्शमञ्जाः	4.6	^	<u>۲</u>	গঞ্লোকপানাছ্ডিমন্ত্ৰঃ ১	e S	ď	re

	क्ष्रिवनाम	•	ia A	かなく	भज शुक्र शहरको	প্রকরণনাম		N N	73	श्रहत्को
(V)	न्द्रिक्याला खिल्लाखाः स	•	, °, C	, , ~	4	দিক্পালাহ্তিমন্ত্ৰঃ	. :	9	~	∞
	AND TESTING TO SELECTION OF SEL		233	r	9	ব্যাদ্যাত্তিমন্ত্ৰাঃ	:	\$ \$ \$	~	9
	A A MILE OF STREET OF THE STREET OF THE		333	N	D	मामगंकभाउंद्यामिस्य रूगि	•	% 9 %	N	80
	AND TO SELVENTINE OF THE SERVENTINE OF THE SERVE	•	8 4 4	. ^	9	व्यस्टिम बञ्च ज्यामि	:	9	^	R
ॐ	WIND THE STATE OF		600	^	9	প্রভাষিদেবভাস্ফাদি	:	у Ф	N	?
ही ?	THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH		ά, Λ	<i>∾</i>	Å	(मोकशीनश्रकामि	:	R 9 1	^	^
1ত	Call Collars Call		RY	^	° /\	मिक्शालकुकामि	:	% %	~	^
ম্	। मुक्तावाद्धः।।	•		· ·	×	वसामिकुकारिम	:	>8	∧	*
	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	:	000		, °,	दिमीठाकम् .	٠	\$8\$	^	w
	54155.4 × 10115.	:	50		, ;	व्याप्तरम्वभास्टिः	:	900	^	e
	NINDALE STATES	-	, s,	((A	. ^	ष्ट्राथक्ष्रिकविक्रवाश्यामि	:	286	ď	á.
	D & C & 4 4	•	000		\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	র্ব্যাদ্যাহৃতিমন্ত্রাঃ	:	.A. ≪	n ⁄	R
		:	70.		R	অধিদেবাছডিমন্ত্রাঃ	•	ر 8	~	\$
	ALECTACIONES OF SELECTION OF SE	:			\$ \$7	প্রভাষিদেবভাহ্গতিমন্ত্রাঃ	•	> Ø ¢	~	°,
	প্রত্যাধনে বভাহ। বিশ্বনার নোকপালাফ্ডিমন্ত্রাঃ	: ;	9		9	লোকপালাহতিমন্ত্ৰঃ	•	\$ \$ \$	<i>N</i>	R

- প্রে করণন†ম		পত্ৰ পৃষ্ঠ পৰজৌ	to do	क्ट को	थिकवनमध			\$ G	2 2 3 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5	পতা সৃষ্ঠ প্ৰক্ৰে
দিক্পালাহ্তিমন্ত্রাঃ	:	>05	.~	?	भीज्यधास	:	.:	245	~	œ
ব্যাদ্যাহ্য ভিমন্ত্রাঃ	-	200	N	^	र्रेस्ट्र क्य	•	:	246	~	00
আ থব্নিকজপ্যরব্যাদিফ্জা	•-	>¢8	٥,	σ	রকোলস্জ্ম	:	:	y Y	~	~
व्हाधरमवश्रुकामि		\$ 6 €	~	σ	<u> बक्रूटर्वा</u> पषात्रशालभाठाञ्चापि	পাঠ্যস্থক	<u> </u>	74	~	œ
প্রাধিদৈবতফুজাদি	:	7. 6.	n'	°,	ৰুদেস্জম	:	:	74	N	શ
(नीकर्णावश्रुकामि		ه د د	^	'n	भूक्षम् ज्या	:	:	9.4.	~	er-
मिक्षाव्यक्ष्वामि		\$ \$	N	?	(झीक्सिग्रंड	:	:	246	~	4
व या मिक्य का मि	:	585	~	^	मान्डाधारिः	:	:	<i>4</i> .	Α	œ
টেত্র কি কাম তেত্র কি কাম	:	6000	^	^	म खनायासि	:	•	RA A	Ŋ	×
अर्थि मिन खैक भी माथा इन ना है। इन्हा नि ३ ७०	3	FF 5 3 G	^	~	मामटविष्यात्रशानंशाठाष्य् ङापि	লশঠাস্থ্	ङासि	\(\frac{1}{2}\)	^	ዏ
3 3.25 @ 2	· , :	29.5	^	, œ	वृश्यमाम	:	:	232	^	*
প্ৰিমানস্জন্ম	:	\$ \$ \$	N	*	(क)षेत्राभ	;	:	ر د د	~	ኍ
उनारमा जबदमभभिन्तामिकक्षम	ম	Å.	^	ø	त्रथत्वत्रम्	:	:	222	~	*
শেমহন্তক্ষ	· :	586	^	R	श्रुक्ष यश्र ज्य	:	:	92	^	ጉ
本 · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		٠ ۲	^	\$ 9	<u>ক্র</u> ক্র	•	:	200	10	ß

প্রেরণনাম	<u>ह</u>	मुक्ट शहरको	डरको	প্রকরণনাম	何	A ST	^{কু} 1816
আজাচেট্হানি	S.R.S	^	°,	जनां खळानिश्रकः	9	N	ယ
	525	^	\$	मिक्शांबावारमम्	00 0'	^	⊌
डिक्टियम्बर्ग	925	N	ත	शकामिष्वादा (शादिक्ताफारियामग्यर 03	न्य १०३	~	ъ
भानभाधा	STITE SAC	N	9	अधिवामनम् किना	808	~	٠ ٧
অথনিস্ভাম	9 k x	~	ب	व्याटा शिटक मत्मर्गा भिवासम्	30€	^	₩
अर्थित प्रमुख्य	\$ 55.6	ď	٨	তুলাদানদিনকুত্যম্	3° &	r	⊌
मील किंग्न खर्लम	8) 1C	^	٨	उलास्ट्टांगर्माक्रमा	9 ° č	Л	σ
অসম জিনা	200	^	n	क्ष्यामीना ((स्थानिमानमञ्जाः	۶° ه	^	9
NAME OF THE PARTY	50	^	0	अज्ञिष्ट्रक देविष्टिक्यः	ر ئ	^	હ
THE RESTRICT	so R	^	<i>^</i>	ত্র পৌথাণিবমন্তাঃ	6 ° 'S	W.	ß
	200	Ŋ	9	এলা ওগ্রুণমন্ত্র	٠ م	^	4.
		•		इवारम्भावर शाकी क्रमामाम	<i>d.</i> °	~	'n
Catterial Action	50	~	ന	ज्लामानवाका।मि	8	n	œ
CALOCITICO ATT ATT ATT ATT ATT ATT ATT ATT ATT AT	するく	٨	σ	जुराखिराहात भावामि	45.0	o,	^
जुनावकार २८ . मर्वादोर्गमञ्जाम ५२२	हर ना	ev	æ	ভ্য প্রিতির কামস্ত তিপাঠঃ	n'	N	Α,

স্চীপত্ৰম্

প্রকরণনাম পার গ্রুহ ০,৪৮৯। প্রকরণনাম পার সৃষ্ঠ প৪ছেন্ডা ভুলাদানদক্ষিণ। ১১০ ১ ১ হতু কুরিবন্ধমনুদ্ধে লেখাই ১১৬ ২ ৭ দক্ষিণাস্থাল্যানিম্ ভুলাদ্বাদান্ম ১১০ ১ ১ শান্তিকলসভাপনম ১১৮ ১ ১ কুলাদ্বাদান্ম ১১০ ১ ১ চকুপাকত্রোমাদি ১১৮ ২ ২ কুলাদ্বাদান্ম ১১০ ১ ১ চকুপাকত্রোমাদি ১১৮ ২ ১ কুলাদ্বাদান্ম ১১০ ১ ১ দশাস্থান্মান্সিভারের গলিংহন ১ ১ ১ কুলাদ্বাদান্ম বিভাবের নাদ্বাদ্বাদ্বাদান্ম ২১৪ ১ ১ স্থিত কেবাল্ডিদ হল্লে দিল্লান্দ্র ১০০ ১ ১ স্থিত ক্রিমান্দ্র হিছেন্দ্র ১০০ ১ ১ স্থিত করিন্দ্র হিছেন্দ্র ১০০ ১ ১ স্থিত করিন্দ্র হিছেন্দ্র ১০০ ১ ১ স্থিত করিন্দ্র হিছেন্দ্র হিছেন্দ্র হিছেন্দ্র হিছেন্দ্র হিছেন্দ্র হিছেন্দ্র হিছেন্ন্র হিছেন্ন্ন হিছেন্ন্ন হিছেন্ন্র হিছেন্ন্ন হিছেন্ন্ন হিছেন্ন্র হিছিন্ন হিছেন্ন্ন হিছেন্ন হিছেন্ন্ন হিছেন্ন্ন হিছেন্ন্ন হিছেন্ন্ন হিছেন্ন হিছেন	NE7.3	5)	o	^	9	~	Ŋ	~	4.	N	r	9	^	*	9	₩.
চ্চ ০,৪০জা প্রকরণনাম ১ ১০০ ক্রাক্রমস্থাব্রের ব্রের্ডান্য বিশ্বরাধি ১ ১৩ চকু পাকভ্রেরামাদি ১ ১৩ চকু পাকভ্রেরামাদি ১ ১৩ দশাসম্বাক্রমারিসম্বার এহম ব্রত্তি দ্রামাদি ১ ১৩ সমিলক ব তারিশেযাদি ১ ১৩ সমিলক ব তারিশেযাদি ১ ১৩ সমিলক ব তারিশেযাদি ১ ১৩ বার্তিক ব্রের্ডান্র বিশেষ হল ১ বর্জনাভ্রমাদি ১ বর্জনাভ্রমাদি ১ ১০ পর্দ্রে প্রার্তিক ব্রাহ্নার্ন্য বিশেষ হল ১ পর্দ্রে প্রার্শিনি বিশেষ হল ১ পর্দ্রে প্রার্শিনি	tso.	~	W	^	A	√	^	^	^	Ŋ	N	Ŋ	^	^	~	المانطة ا
	<u>পূ</u>	:		00	x x y	¥\$\$:: :	গ্ৰমন্ত্ৰজপঃ২১৯	रम स्यानिय २ ५ ५	° € € € € € € € € € € € € € € € € € € €		:		* * * · · · · · · · · · · · · · · · · ·	दिटनाम ७ २२२	थ म किना मिररर	9 %
প্রকরণনাম প্রকাদানদক্ষিণ হলাদানদক্ষিণ ভ্রমাদ্বাদানম্ ভ্রমাদ্বাদানম্ ভ্রমাদ্বাদানম্ ভ্রমাদ্বাদানম্ ভ্রমাদ্বাদ্বাদানম্ ভ্রমাদ্বাদ্বাদ্বাদানম্ ভ্রমাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদানম্ ভ্রমাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদানম্ ভ্রমাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদ্বাদ্ব	<u>अ</u> क्ट्रनमाभ	ट्रज् कर्टवाक्चामगुम्रारम् १	তত পুজাদেববিবরণকাণ	खाशनभन्नत्वरन्त व्यभारः	भाखिक लाम खाभ नम्	চকৃপাক্তকোমাদি	म्भामधानुमातिमधात् इ	(হাম্যদেবতাহোমমন্ত্র	সমিলকণ ত্ৰিমোগ্দ	मभिरम्हरम् क्वार्डमः	অদুত্ৰংখাক্ৰাাক্তিহো	शर्जमञ्जाति	भायामिमानमञ्जाः	<u> অ নিষ্ট কার্টককগ্রহ্যাগে</u>	প্ৰায়শিচন্ত বিধান সভোশ গ	श्रम्ह्य क्यार्यमामि
প্রকরণনাম ত্রলাদানদক্ষিণ নিক্ষণাম্থানুব্যাদি ত্রলাদ্ব্যাদ্ব্যাদি কুরাদ্ব্যাদ্ব্যাদ্ব্যাদি কুরাদ্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যাদ্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যা	(e. 3)	Δ	ထ		P.	9	Ð	œ	*	9	^	Ą		ų,	°	r
প্রকরণনাম হুলাদানদ কিণ্ হুলাদানদ কিল্ হুলাদানপ কিলি ব্যালিও দেশঃ ২১৪ বুলাদানপ কিলি বিধানাভিদেশঃ ২১৪ মরাদানপ কিলি বিভাগে ২১৪ মরাদানপ কিলি বিভাগে ২১৪ মরাদানপ কিলি বিভাগে ২১৪ মরাদানদ কুলাদানবিধানাভিদেশঃ ২১৫ বাসনাদিক স্থাতিদেশঃ ২১৫	₩ 180	/)	Λ		ŗ.	^	~	^	^	^	N	^		^	~	^
প্রেকরণনাম বুলাদানদক্ষিণ বিক্রাদার্ম আদ্রোদি তুলাদ্রম আনোন্যাদি তুলাদ্রম আনোন্যাদে পুজাদ্রম্প্রান্ত্রাভিঃ বুলাদ্রমিক্সালিজ্যাদ্রমির্মির্জিনির্মান্ত্রাদান্যান্ত্রাদান্যান্ত্রাদান্যান্ত্রাদান্যান্ত্রাদান্যান্ত্রাদান্যান্ত্রাদান্যান্ত্রাদান্যান্ত্রেশার্ভ্রাদান্যান্ত্রেশার্ভ্রাদান্যান্ত্রেশার্ভ্রাদান্যান্ত্রেশার্ভ্রাদান্যান্ত্রেশার্ভ্রাদান্যান্ত্রেশার্ভ্রাদান্যান্ত্রেশার্ভ্রাদান্যান্ত্রেশার্ভ্রাদান্ত্রেশার্ভ্রাদান্ত্রেশার	পত্ৰ গ	8.50	0		9 2 8	8 5 6	. V.	258	8,58	× × ×	00 00 00 00 00 00	\$ \$ \$ \$		۵ ۲۲ ۲۳	7,5 G	8
क्षकवन्नाम इस्रोमानम्कर्म रिकामर्थाप्रवामि इक्षाप्रवाम्बर्गामि इक्षाप्रवाक्षिरिश्वार् भ्रवाम्बर्धारिशिव्ध इक्षाप्रविश्वार्वशिव्शिव्ध इस्रोम्बर्धशिवश्वार्विः इत्रोमान्यक्षिर्वश्वार्विः इत्रोमान्यक्षिर्वश्वार्विः इत्रोमान्यक्षिर्वश्वार्विः व्यामान्वस्रोम्बर्धार्विः विमान्तिक्ष्यारिङ्ग			:		4 -	:	:		न्।			1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	<u> </u>		;	
क्ष कत्ववनाम इस्राम्नाम्नाम्नाम्नाम्नाम्नाम्नाम्नाम्नाम्न			•	<u>~</u>					9	: -6		1	12	, ,)	
क्ष कत्वन्नाम कूलामानमांक्रना निक्रनाम्बर्गास्वगाः कुलामुत्रम् कुलामानुभावनाम् कुलामानभूषाञ्चार्वस्था कुलामानभूषाञ्चार्वस्था व्यामानस्थान्धर्मान्यम् व्यामानस्थान्धर्मान्यम् व्यामानस्थान्धर्मान्यम् व्यामानस्थान्धर्मान्यम्		•	عل ا	(S) (S)		:	60		1441	8	(2) C	विश्वा	3	57.63	-	;
क्षकत्वामाम् क्रुवामामम्कर्भाष्ट्र रिक्काप्रवाप्त्र्याः क्रुवामाम्बर्भाम् क्रुवामाम्बर्भाम् क्रुवामाम्बर्भाम् व्यामामन्द्र्या		•	4116	त्रभूर	ম	,	م م	•	40	ম	9	1	126		, - - tax	, .
क्ष कत्वः श्रीमानम् अव्योगान् श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं श्रीप्रायवं	স	(Sec.)	4116	भट्डा	111	N	क्ष		120		100	9	عارك	ەر ئار كار	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	00
(1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)	多文	10	X	150	न जिल्ल	শ	<u> </u>	Mon	1380	ग्न	• 10	1	N.	मना	म् (३)	হয়।
	क्र	1	Se Se	水	19	6 10 10	15	大	1	10	A TA	A	1	Þ	ļç	न

'वक्षुरहोरम मजुर जमस्रार छरमो মোড়মোপচারদানমন্ত্রাঃ গ্ৰ্যাগস ইত্ৰিফ্ যাগফলম হোমাবশিষ্টক্তোজনম্ . ক্দুবুদ্ধাহে।মাদি मम्भाजिनियमामि .. श्र कत्र नमाम গ্রসমাপ্তিঃ भव श्रेष श्रहाबनो **शाग्निक्ष भूकी इक्**छाम् २३७ २ काय्रिक्छान्त्रकन्नरथवानिमानामि . २२७ २ शार्वश्वाष्ट्र वसक्कानिहासः . २२७ २ क्ष्यं यामध्यत्यात्म ग्रामाम्.. २२१ ज्ञक्रकत्ररक्षांत्ररहायामि २२७ अरुक्षामामा ४८७ मन्तिसन्नानम् २२८ विष्ठतानिम् প্রকরণনাম

গজাইমুনিভুমানে শাকে সিংহগতে রবৌ। আদ্যথত্ঞা মুদ্রিভোষয়ৎ তুলাদানাদিপদ্ধতেঃ॥ ঈর্কত্র ষজুর্বেদিমন্ত্রে অন্তঃস্থোগ্রবর্ণেরু পরতঃ পূর্বপদান্তস্থারস্থানে (গুণ)ইতি পাঠাম্। যত্র কুত্রচিৎ (প্রাধ্যেৎ) ইত্যশুদ্ধং তৎস্থানে প্রাধ্যেত ইতি শুদ্ধ। পঞ্যফিস্জাস্থাকে পारमानङ्ख्ल ১७৫ भटब २ श्टब ১२ भःट्लो यह्यकी जङ्काः भक्षयकी ि ७६म्।

<u>ে কি প্রম্।</u>